कम्पनी लेखांकन

बी. कॉम. II

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय

रोहतक – 124 001

Copyright © 2004, Maharshi Dayanand University, ROHTAK
All Rights Reserved. No part of this publication may be reproduced or stored in a retrieval system or transmitted in any from or by any means; electronic, mechanical, photocopying, recording or9,300 otherwise, without the written permission of the copyright holder.

Maharshi Dayanand University
ROHTAK – 124001

Developed & Produced by EXCEL BOOKS PVT. LTD., A-45, Naraina, Phase 1, New Delhi-110028

विषय—सूची

अध्याय 1	कम्पनी खाते	5
अध्याय 2	पूर्वाधिकार अंशों का शोधन	76
अध्याय 3	ऋण पत्रों का निर्गमन	118
अध्याय 4	ऋण पत्रों का शोधन	133
अध्याय 5	समामेलन के पूर्व व पश्चात का लाभ या हानि	175
अध्याय 6	कम्पनियों के अन्तिम खाते	194
अध्याय 7	ख्याति का मूल्यांकन	220
अध्याय 8	अंशों का मूल्यांकन	259
अध्याय 9	कम्पनियों का एकीकरण अन्तर्लयन एवं पुनर्निर्माण	303
अध्याय 10	नियन्त्रक एवं सहायक कम्पनियों के लेखे	325
अध्याय 11	कम्पनी का परिसमापन	410
अध्याय 12	बैंकिंग कम्पनियों के खाते	497
अध्याय 13	बीमा कम्पनियों के लेखे	564

B.Com-II

Paper-2 **CORPORATE ACCOUNTING** Max: Marks: 100
Time: 3 Hours

Note: Ten questions shall be set in the question paper covering the whole syllabus. The candidates will be required to attempt any five questions.

Issue. Foreiture and Re-issue of Shares; Redemption of Preference Shares, Issue and Redemption of Debentures.

Profit/Loss prior to incorporation.

Final accounts of Companies : Excluding Computation of Managerial Remuneration; Valuation of goodwill and shares. Accounting for Amalgamation, absorption of Companies as per Indian Accounting Standard.

Accounting for internal reconstruction: excluding re-construction schemes.

Consolidated Balance Sheet of Holding Companies with one Subsidiary only.

Liquidation of companies. Accounts of Banking and Insurance companies.

अध्याय-1

कम्पनी खाते

(Company Accounts)

अंशों का निगर्मन
(Issue of Shares)

कम्पनी क्या है?
(What is a Company?)

भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अनुसार, ''कम्पनी का तात्पर्य इस अधिनियम के अन्तर्गत निर्मित एवं पंजीकृत कम्पनी या विद्यमान कम्पनी से है। विद्यमान कम्पनी से तात्पर्य किसी ऐसी कम्पनी से है, जिसका निर्माण एवं पंजीकरण गत कम्पनी अधिनियमों में से किसी के अन्तर्गत किया गया हो। यह परिभाषा केवल यह स्पष्ट करती है कि इस अधिनियम के अन्तर्गत समामेलित संस्था कम्पनी कहलाती है परन्तु यह न तो कम्पनी का क्षेत्र स्पष्ट करती है और न उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालती है। न्यायाधीश मार्शल की परिभाषा से सम्भवतः ये दोनों चीजें स्पष्ट होती है। उनके शब्दों में, ''कम्पनी एक अदश, अमूर्त एवं कृत्रिम व्यक्ति है जिसका अस्तित्व वैधानिक होता है। विधान द्वारा निर्मित होने के कारण यह वही सम्पत्ति अपने अधिकारी में रख सकती है जिसका अधिकार इसके निर्मित आज्ञा—पत्र में होता है या जो इसके अस्तित्व के लिए आवश्यक है। यह परिभाषा भी कम्पनी के सभी पहलुओं को स्पष्ट नहीं करती। अतः कम्पनी की सर्वमान्य परिभाषा निम्न प्रकार दी जा सकती है, ''कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक ऐच्छिक संगठन है जिसका अस्तित्व सदस्यों से पथक एवं अविच्छिन होता है, जिसकी पूंजी हस्तान्तरणीय एवं निश्चित मूल्य के अंशों में विभाजित होती है, सदस्यों का दायित्व सीमित होता है, जिसकी एक सार्वमुद्रा (Common Seal) होती है।

कम्पनी की विशेषताएं
(Characteristics of a Company)

उपर्युक्त विवेचन का विश्लेषणात्मक अध्ययन कम्पनी की निम्न विशेषताएं प्रकट करता हैः (1) कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति है, (2) कम्पनी का वैधानिक अस्तित्व इसके सदस्यों के अस्तित्व से पथक होता है, (3) कम्पनी का अस्तित्व उसके सदस्यों अथवा स्वामियों पर निर्भर नहीं करता, (4) प्रत्येक अंशधारी का दायित्व सामान्यतः उसके द्वारा क्रय किये गए अंशों के अंकित मूल्य तक सीमित होता है, (5) कम्पनी के अंश हस्तान्तरणीय होते हैं जो बिना किसी प्रतिबंध के हस्तान्तरित किए जा सकते हैं, (6) कम्पनी लाभ अर्जित करने के लिए ऐच्छिक संघ है, (7) कम्पनी हस्ताक्षरों के स्थान पर सार्वमुद्रा का प्रयोग करती है।

कम्पनी और साझेदारी में अन्तर
(Distinction between a Company and a Partnership)

कम्पनी और साझेदारी में निम्नलिखित प्रमुख अन्तर हैंः

1. **अधिनियम (Law)**—कम्पनी पर भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के प्रावधान लागू होते हैं जबकि साझेदारी पर भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के प्रावधान लागू होते हैं।

2. **सदस्य संख्या (Number of Members)**—सार्वजनिक कम्पनी के सदस्यों की न्यूनतम संख्या 7 होती है, लेकिन अधिकतम संख्या पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होता, जबकि निजी कम्पनी में न्यूनतम संख्या 2 और अधिकतम संख्या 50 होती

है। साझेदारी में, सामान्य व्यवसाय में न्यूनतम संख्या 2 और अधिकतम संख्या 20 होती है जबकि बैंकिंग व्यवसाय में अधिकतम संख्या 10 होती।

3. **अस्तित्व (Entity)**—कम्पनी का उसके सदस्यों अर्थात् अंशधारियों से पथक वैधानिक अस्तित्व होता है परन्तु साझेदारी में साझेदारों का साझेदारी से पथक अस्तित्व नहीं होता अर्थात् साझेदार और साझेदारी फर्म वैधानिक दष्टि से एक ही माने जाते हैं।
4. **दायित्व (Liability)**—कम्पनी के अंशधारियों का दायित्व उसके द्वारा क्रय किए गए अंशों के अंकित मूल्य तक सीमित होता है जबकि साझेदारी में साझेदारों का दायित्व प्रायः असीमित होता है।
5. **प्रबन्ध (Management)**—कम्पनी का प्रबन्ध जनतान्त्रिक पद्धति के अनुसार अंशधारियों द्वारा चुने गए संचालकों द्वारा होता है जबकि साझेदारी में प्रत्येक साझेदार प्रबन्ध में भाग लेने का अधिकारी होता है।
6. **पूंजी (Capital)**—कम्पनी के विशालकाय वित्तीय स्रोत होते हैं। यह अपनी छोटी–छोटी राशि के अंश विक्रय करके अपेक्षाकृत विशाल पूंजी एकत्रित कर सकती है। लेकिन साझेदारी में वित्तीय स्रोत सीमित होते हैं क्योंकि केवल साझेदार ही पूंजी विनियोजित करने वाले होते हैं।
7. **लाभ वितरण (Distribution of Profits)**—कम्पनी में लाभ का वितरण अंशधारियों द्वारा प्रदत्त अंश पूंजी पर, एक निश्चित दर से लाभांशों के रूप में किया जाता है परन्तु साझेदारी में लाभ का वितरण, पारस्परिक समझौते के अनुसार या साझेदारी विलेख के अनुसार किया जाता है।
8. **अंशों का हस्तान्तरण (Trnasfer of Shares)**—कम्पनी में अंशधारी अपने अंशों का हस्तान्तरण स्वतन्त्रतापूर्वक कर सकते हैं परन्तु साझेदारी में कोई भी हस्तान्तरण, सभी साझेदारों की पूर्व–सहमति के बिना नहीं कर सकता।
9. **अंकेक्षण (Audit)**—वैधानिक दष्टि से कम्पनी के लिए अपनी लेखा पुस्तकों का अंकेक्षण किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट से करवाना अनिवार्य है। लेकिन साझेदारी फर्म की लेखा पुस्तकों का अंकेक्षण ऐच्छिक है अर्थात् वैधानिक दष्टि से अनिवार्य नहीं है।
10. **वैधानिक पुस्तकें (Statutory Books)**—कम्पनी के लिए विधान द्वारा निर्दिष्ट पुस्तकें जिन्हें वैधानिक पुस्तकें कहा जाता है, रखना आवश्यक है जबकि साझेदारी में विधान द्वारा निर्दिष्ट कोई पुस्तकें रखना आवश्यक नहीं है।
11. **विघटन (Winding up)**—कम्पनी का विघटन, न्यायालय द्वारा या अंशधारियों के प्रस्ताव द्वारा या ऋणदाताओं की मांग पर किया जा सकता है। लेकिन साझेदारी में किसी भी साझेदार की मत्यु हो जाने पर या उसके दिवालिया अथवा पागल हो जाने पर, उसके सम्बन्ध विच्छेद कर दिये जाने पर साझेदारी का विघटन स्वतः ही हो जाता है।

कम्पनियों के प्रकार
(Kinds of Companies)

कम्पनियों का वर्गीकरण अनेक प्रकार से किया जा सकता है, जिनमें मुख्य प्रकार निम्नलिखित हैंः

(क) समामेलन के आधार पर कम्पनियों के प्रकार
(Kinds of Companies on the basis of Incorporation)

समामेलन के आधार पर कम्पनियां मुख्य रूप से निम्नलिखित तीन प्रकार की हो सकती हैंः

1. **चार्टर्ड कम्पनियां (Chartered Companies)**—ये वे कम्पनियां हैं जिनका निर्माण राज्य आज्ञा–पत्र द्वारा किया जाता है। कम्पनियों के समामेलन का यह अत्यन्त प्राचीन रूप है। ईस्ट इण्डिया कम्पनी, बैंक ऑफ इंग्लैंड, चार्टर्ड बैंक ऑफ इण्डिया—इस प्रकार की कम्पनियों के प्रमुख उदाहरण हैं। भारत में इस प्रकार की कोई कम्पनी नहीं है।
2. **वैधानिक कम्पनियां (Statutory Companies)**—ये वे कम्पनियां हैं, जिनका समामेलन संसद के विशेष अधिनियम के अन्तर्गत होता है। इस प्रकार की कम्पनियों का निर्माण राष्ट्रीय महत्व के उद्योग तथा व्यापार करने के लिए किया जाता है। भारत में इस प्रकार की अनेक कम्पनियां है—रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, राज्य व्यापार निगम आदि।

3. **रजिस्टर्ड कम्पनियां (Registered Companies)**—ये वे कम्पनियां है जिनका समामेलन भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत हुआ है। वैधानिक कम्पनियों को छोड़कर देश में विद्यमान शेष सभी कम्पनियों का इसी प्रकार समामेलन हुआ है।

(ख) दायित्व के आधार पर कम्पनियों के प्रकार

(Kinds of Companies on the basis of Liability)

सदस्यों के दायित्व के आधार पर कम्पनियां मुख्य रूप से निम्नलिखित तीन प्रकार की हो सकती हैं:

(1) **अंशों द्वारा सीमित कम्पनियां (Companies Limited by Shares)**—अंशों द्वारा सीमित कम्पनियां वे कम्पनियां हैं जिनकी पूंजी अंशों में विभाजित होती है और प्रत्येक अंशधारी का दायित्व उसके द्वारा क्रय किए गए अंशों की रकम तक सीमित होता है।

(2) **गारण्टी द्वारा सीमित कम्पनियां (Companies Limited by Guarantee)**—ये वे कम्पनियां है जिनके प्रत्येक सदस्य का दायित्व उनके द्वारा दी गई गारण्टी तक सीमित होता है और जिसे अंशधारी कम्पनी की समाप्ति पर देना स्वीकार करते हैं। इस सम्बन्ध में यह बात उल्लेखनीय है कि ऐसी कम्पनियां लाभ कमाने के उद्देश्य से नहीं बनाई जाती। व्यापार चैम्बर, धर्मार्थ एवं दान संस्था, क्लब समाज–संघ आदि इसके अच्छे उदाहरण हैं।

(3) **असीमित कम्पनियां (Unlimited Companies)**—ये वे कम्पनियां होती हैं जिनके सदस्यों का दायित्व एकल व्यापारी और साझेदारों की भांति असीमित होता है। असीमित दायित्व से हमारा आशय यह है कि कम्पनी यदि समापन के समय अपने ऋणों को चुकाने में समर्थ नहीं है तो सदस्यों की व्यक्तिगत सम्पत्ति भी इसके लिए प्रयोग में लाई जा सकती है। वर्तमान समय में ऐसी बहुत कम कम्पनियां पाई जाती हैं।

(ग) सदस्यों के संख्या के आधार पर कम्पनियों के प्रकार

(Kinds of Companies on the basis of Number of Members)

सदस्यों की संख्या के आधार पर कम्पनियां दो प्रकार की हो सकती हैं:

(1) **निजी कम्पनी (Private Company)**—निजी कम्पनी ऐसी कम्पनी होती है जो अपने अन्तर्नियमों के अनुसार अंशों के हस्तान्तरण पर प्रतिबन्ध लगाती है तथा जिसके की संख्या (कर्मचारियों को छोड़कर) 50 से अधिक नहीं हो सकती और वह सर्वसाधारण को अंश या ऋणपत्र खरीदने के लिए आमन्त्रित नहीं कर सकती।

(2) **सार्वजनिक कम्पनी (Public Company)**—कम्पनी अधिनियम में सार्वजनिक कम्पनी की कोई परिभाषा नहीं दी गई है, केवल इतना संकेत है कि जो कम्पनी कम्पनी नहीं है, वह सार्वजनिक कम्पनी है। अतः सार्वजनिक कम्पनी की सदस्य संख्या उसकी पूंजी के अनुसार अधिकतम हो सकती है अंशों के हस्तांतरण एवं विक्रय पर किसी प्रकार की रोकथाम नहीं होती और जनता को कम्पनी के अंश क्रय करने के लिए निमन्त्रित किया जा सकता है।

(घ) स्वामित्व के आधार पर कम्पनियों के प्रकार

(Kinds of Companies on the basis of Ownership)

स्वामित्व के आधार पर कम्पनियों के निम्नलिखित दो प्रकार हो सकते हैं:

(1) **सरकारी कम्पनी (Government Company)**—सरकार कम्पनियों से हमारा तात्पर्य उन कम्पनियों से है जिनकी प्रदत्त अंश पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत भाग केन्द्रीय सरकार या किसी एक अथवा अधिक राज्य सरकारों या आंशिक रूप से केन्द्रीय सरकार एवं आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों के पास हो। इसके अन्तर्गत उन कम्पनियों को भी सम्मिलित किया जाता है जो सरकारी कम्पनी की सहायक कम्पनी होती है।

(2) **सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनियां (Holding and Subsidiary Companies)**—जब एक कम्पनी का किसी अन्य कम्पनी के प्रबन्ध पर नियन्त्रण होता है तब नियन्त्रण करने वाली कम्पनी को नियन्त्रक अर्थात् सूत्रधारी कम्पनी कहते हैं और नियन्त्रित कम्पनी को 'सहायक कम्पनी' कहते हैं।

कम्पनी का निर्माण
(Formation of a Company)

कम्पनी कानून की सष्टि है इसके निर्माण के लिए अनेक वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा करना पड़ता है तथा निर्माण सम्बन्धी अनेक कार्य करने होते हैं। वे व्यक्ति जो कम्पनी के निर्माण का संकल्प और उसे कार्यरूप में परिणित करते हैं, प्रवर्तक (Promotors) कहलाते हैं। कम्पनी के निर्माण के लिए प्रवत्तकों को निम्नलिखित कार्य करने पड़ते हैं।

(क) **प्रारम्भिक कार्य (Preliminary Steps)**—प्रारम्भिक कार्यों के अन्तर्गत कम्पनी के प्रवर्त्तकों को निम्नलिखित कार्य करने पड़ते हैं।

(1) **आवश्यक प्रलेखों को तैयार करवाना (To get prepared necessary documents)**—सर्वप्रथम प्रवर्तकों को कम्पनी स्थापित करने के लिए सीमानियम (Memorandum of Association) एवं अन्तर्नियम (Articles of Association) तैयार करने पड़ते हैं, क्योंकि इनके प्रस्तुत किए बिना कम्पनी का समामेलन नहीं हो सकता।

(2) **कम्पनी का नाम निश्चित करना (to decide the name of the company)**—प्रवर्तक को तत्पश्चात यह निश्चित करना पड़ता हैं कि कम्पनी किस नाम से प्रारम्भ की जाएगी। कम्पनी का नाम किसी दूसरी विद्यमान कम्पनी से मिलता—जुलता नहीं होना चाहिए।

(3) **पूंजी निर्गमन के लिए केन्द्रीय सरकार से अनुमति लेना (To get sanction from Central Government)**—यदि कोई कम्पनी 25 लाख रुपये तक के अंश निर्गमित करती हो तो उसे केन्द्रीय सरकार की अनुमति नहीं लेनी पड़ती परन्तु यदि कोई कम्पनी इस राशि से अधिक के अंश निर्गमित करने की इच्छुक है तो उस कम्पनी को पूंजी निर्गमन अधिनियम, 1947 (Capital Issue Control Act, 1947) के अन्तर्गत इसकी स्वीकृति लेनी पड़ती है। 25 लाख से अधिक पूंजी निर्गमित करने के लिए पूंजी निर्गमन नियन्त्रक (Controller of Capital Issues) के नाम आवेदन—पत्र भेजना पड़ता है। परन्तु इस सम्बन्ध में जून 1992 के पश्चात् से प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ऑफ इण्डिया के निर्देशक सिद्धान्तों का पालन करना आवश्यक है।

(4) **औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करना (To obtain Industrial Licence)**—यदि कम्पनी किसी ऐसे उद्योग के लिए स्थापित की जा रही है जिसके लिए उद्योग (विकास एवं नियमन) अधिनियम, 1951 के अन्तर्गत लाइसेंस लेना अनिवार्य है तो उसके लिए लाइसेंस प्राप्ति की व्यवस्था करनी पड़ती है।

(ख) पंजीयक या रजिस्ट्रार के कार्यालय में आवश्यक प्रलेख भेजना
(To send necessary documents in the office of Registrar)

प्रारम्भिक कार्यों को पूरा करने के पश्चात् उससे राज्य के रजिस्ट्रार के कार्यालय में निम्नलिखित प्रलेख भेजने पड़ते हैं।

(1) **कम्पनी का सीमानियम (Memorandum of Association of Company)**—कम्पनी के कार्यक्षेत्र एवं अधिकारों की सीमा, उद्देश्य, पूंजी आदि की पूर्ण व्याख्या इस प्रलेख में होती है। एक सार्वजनिक कम्पनी के सीमानियम पर कम से कम सात (निजी कम्पनी की दशा में दो) व्यक्ति के हस्ताक्षर होने आवश्यक है।

(2) **कम्पनी का अन्तर्नियम (Articles of Association of Company)**—इस प्रलेख में सीमानियम में वर्णित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए एवं कम्पनी के कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए नियमों तथा उपनियमों का पूर्ण उल्लेख होता है। यदि किसी सार्वजनिक कम्पनी का समामेलन बिना अन्तर्नियमों के किया जाता है तो कम्पनी अधिनियम को प्रथम अनुसूची की सारणी 'ए' (Table 'A') के सभी नियम ही उस कम्पनी के अन्तर्नियम होंगे।

(3) **संचालकों की सूची (List of Directors)**—जिन व्यक्तियों ने कम्पनी का संचालक बनना स्वीकार किया है उनके नाम, पते, व्यवसाय, आयु एवं राष्ट्रीयता आदि की एक सूची रजिस्ट्रार के कार्यालय में भेजनी पड़ती है।

(4) **संचालकों की लिखित सहमति (Written Consent of Directors)**—जिन व्यक्तियों ने संचालक बनना स्वीकार किया है उनकी लिखित स्वीकृति रजिस्ट्रार के कार्यालय में भेजना आवश्यक है। साथ ही साथ स्वीकृति—पत्र पर उनके हस्ताक्षर भी होने चाहिए।

(5) **संचालकों द्वारा योग्यता अंश क्रय करने का लिखित वचन (Understanding in Writing by Directors to take qualification shares)**—इस आशय का एक प्रसंविदा कि जिन व्यक्तियों के नाम संचालकों की सूची में दिए गए हैं।

वे संचालक बनने के लिए तैयार हैं और उनके योग्यता अंश कितने होंगे और न्यूतनम योग्यता अंश (Minimum Qualification Shares) उन्होंने खरीद लिए हैं।

(6) **कम्पनी का रजिस्टर्ड कार्यालय (Registered office of the Company)**—कम्पनी का रजिस्टर्ड कार्यालय किस राज्य में स्थित होगा इस बात की सूचना रजिस्ट्रार महोदय के कार्योलय में भेजना आवश्यक है।

(7) **वैधानिक घोषणा (Statutory Declaration)**—कम्पनी के प्रर्वतक को समामेलन के समामेलन के सम्बन्ध में चार्टर्ड एकाउन्टेंट किसी उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय के वकील या अटार्नी अथवा कम्पनी के किसी उच्च अधिकारी जैसे संचालक, मंत्री अथवा कोषाध्यक्ष आदि द्वारा इस आशय की लिखित घोषणा करवानी पड़ती है कि कम्पनी स्थापना के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत वर्णित तथा उसके अधीन बने समामेलन सम्बन्धी समस्त नियमों का पालन किया गया है और तत्सम्बन्धी सभी आवश्यक कार्यवाहियां पूरी कर दी गई हैं।

(8) **निर्धारित शुल्क जमा कराना (To deposit prescribed fees)**—कम्पनी समामेलन के लिए उपरोक्त सभी प्रलेखों के साथ सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क भी रजिस्ट्रार महोदय के कार्यालय में जमा करना पडता है।

(ग) समामेलन का प्रमाण पत्र

(Certificate of Incorporation)

रजिस्ट्रार के कार्यालयस में जब सब प्रलेख जमा कर दिये जाते हैं एवं रजिस्ट्रेशन का निर्धारित शुल्क भी जमा कर दिया जाता है और यदि रजिस्ट्रार इस बात से सन्तुष्ट हो जाता है कि सभी वैधानिक कार्यवाहियों पूरी कर दी गई है। तो वह अपने कार्यालय को एक प्रमाण—पत्र देने का आदेश देता है। इस प्रमाण—पत्र पर रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर और उसके कार्यालय की मोहर लगी होती है। इस बात का प्रतीक है कि सभी वैधानिक कार्यवाहियों पूरी की जा चुकी हैं।

व्यापार प्रारम्भ करना (Commencement of Business)—निजी कम्पनी समामेलन का प्रमाण—पत्र मिलते ही अपना व्यापार प्रारम्भ कर सकती हैं लेकिन सार्वजनिक कम्पनी को व्यापार प्रारम्भ करने के लिए समामेलन के उपरान्त एक और प्रमाण—पत्र प्राप्त करना पड़ता है। जिसे व्यापार करने का प्रमाण—पत्र कहते हैं।

प्रविवरण (Prospectus)—प्रविविरण का आशय ऐसे प्रपत्र से है, जो कि प्रविवरण के रूप में वर्णित या निर्गमित किया गया है तथा इससे ऐसा नोटिस, परिपत्र, विज्ञापन या अन्य प्रपत्र भी सम्मिलित हैं जो एक समामेलित संस्था के अंशों या ऋण—पत्रों के अभिदान अथवा क्रय करने के लिए जनता से प्रस्ताव आमन्त्रित करता है। प्रविवरण की विषय—सामग्री निम्नलिखित हैः

(1) कम्पनी के मुख्य उद्देश्य एवं सीमा—नियम पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्तियों के नाम, पते, विवरण तथा उनके द्वारा प्रार्थित अंशों की संख्या।

(2) अंशों के प्रकार एवं विभिन्न प्रकार के अंशों की संख्या तथा सम्बन्धित अंशधारियों के अधिकार।

(3) शोध्य पूर्वाधिकार अंशों की संख्या तथा विवरण, यदि कोई हो।

(4) संचालकों के योग्यता अंशों की संख्या यदि कोई हो तो तथा उनका पारिश्रमिक।

(5) प्रबन्ध—संचालक अथवा प्रबन्धक तथा संचालकों के नाम, पते, व्यवसाय एवं विवरण और इनक साथ किए गए अनुबंधों का उल्लेख।

(6) न्यूनतम अभिदान की राशि।

(7) अभिदान सूची खुलने तथा बन्द होने की तिथि।

(8) आवेदन एवं आबंटन पर दी जाने वाली रकम।

(9) उन अनुबन्धों का संदर्भ जिनके द्वारा किसी व्यक्ति को कम्पनी के कुछ अंशों या ऋण—पत्रों के अभिदान के लिए विशेषाधिकार दिया गया है।

(10) ऐसे अंशों या ऋण—पत्रों का विवरण जो गत दो वर्षों में नकद के अतिरिक्त किसी अन्य प्रतिफल के लिए निर्गमित किए गये हैं।

(11) गत दो वर्षों में निर्गमित किये गए अंशों पर प्राप्त प्रीमियम की राशि।

(12) यदि निर्गमित अंशों का ऋण–पत्रों का अभिगोपन कराया गया है तो अभिगोपकों के नाम, उन्हें दिया जाने वाला कमीशन तथा संचालकों की इस विषय में सहमति कि अभिगोपक अपने दायित्वों को पूरा करने में सक्षम है।

(13) क्रय की गई सम्पत्ति का विवरण तथा विक्रेताओं के नाम, पते व विवरण तथा उन्हें अंशों, ऋण–पत्रों या नकद प्रतिफल के रूप में दी जानी वाली रकम।

(14) गत दो वर्षों में अंशो के अभिदान के लिए दिया गया कमीशन।

(15) प्रारम्भिक व्ययों की अनुमानित रकम तथा उन व्यक्तियों के नाम और पते जिन्होंने इन व्ययों का भुगतान किया है।

(16) गत दो वर्षों में किसी प्रवर्तक या अधिकारी को दिया गया लाभ तथा इसके लिए प्राप्त प्रतिफल।

(17) प्रबन्ध–संचालक या प्रबन्धक की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक के सम्बन्ध में किये गये अनुबन्धों की तिथियां, इनके पक्षकार एवं स्वभाव।

(18) गत दो वर्षों में कम्पनी द्वारा किये गये महत्त्वपूर्ण अनुबन्धों का विवरण।

(19) कम्पनी के लेखा–परीक्षक (यदि कोई हो) के नाम व पते।

(20) कम्पनी के प्र्वर्तन में या गत दो वर्षों में कम्पनी के लिये क्रय की गई सम्पत्ति में प्रत्येक संचालक या प्रवर्तक के हित का पूर्ण विवरण।

(21) कम्पनी के अन्तर्नियमों द्वारा सदस्यों के अधिकारों पर लगाये गये प्रतिबन्ध।

(22) वह अवधि जब से कम्पनी व्यवसाय में कार्यरत है।

(23) यदि कम्पनी किसी ऐसे व्यवसाय का क्रय करना चाहती है जो कि तीन वर्ष से कम अवधि के लिए किया गया है तो उस व्यवसाय को किये जाने की अवधि का उल्लेख।

(24) यदि कम्पनी या उसकी किसी सहायक कम्पनी का लाभों या कोषों का पूंजीकरण किया गया है तो इस प्रकार के पूंजीकरण का वितरण।

(25) गत दो वर्षों में कम्पनी या उसकी सहायक कम्पनी की सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन से उत्पन्न आधिक्य का विवरण एवं इसके प्रयोग की विधि।

(26) एक निश्चित समय एवं स्थान जहां पर कम्पनी के लाभ–हानि खातों एवं स्थिति विवरण का निरीक्षण किया जा सकता है।

वैधानिक बहियां एवं रजिस्टर
(Statutory Books and Registers)

प्रत्येक कम्पनी का यह वैधानिक दायित्व है कि यह अपने कार्यालय में निम्नलिखित बहियां और रजिस्टर रखेः

(1) कम्पनी द्वारा किए गए विनियोग का रजिस्टर जो उसके नाम में न हो, (2) प्रभार–रजिस्टर, (3) सदस्यों का रजिस्टर, (4) ऋणपत्रधारियों का रजिस्टर, (5) मिनट बुक, (6) अनुबन्धों का रजिस्टर, (7) संचालकों का रजिस्टर, (8) संचालकों की अंशधारिता का रजिस्टर, (9) एक ही प्रबन्ध के अधीन कम्पनियों को दिए गए ऋणों का रजिस्टर, (10) अन्य कम्पनियों के अंशों एवं ऋणपत्रों में कम्पनी द्वारा किए गए विनियोग का रजिस्टर।

लेखा बहियां

(Books of Accounts)

प्रत्येक कम्पनी को निम्नलिखित के सम्बन्ध में आवश्यक लेखा बहियां रखनी चाहिए;

(1) कम्पनी द्वारा प्राप्त की गई और व्यय की गई समस्त धनराशियों तथा प्राप्ति एवं व्यय से सम्बन्धित सभी मामले,

(2) कम्पनी द्वारा वस्तुओं का किया गया कुल क्रय एवं विक्रय,

(3) कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण रखने के लिए।

अंश–अर्थ एवं प्रकार

(Share—Meaning and Kinds)

'अंश' वह इकाई है जिसमें कम्पनी की कुल पूंजी को विभाजित किया जाता है। उदाहरणार्थ–यदि किसी कम्पनी की पूंजी एक लाख रुपये है जो सौ रुपये की निश्चित राशि की दस हजार इकाइयों में विभाजित है तो सौ रुपये की प्रत्येक इकाई को कम्पनी का अंश कहा जाएगा। अंशों के इन धारकों को अंशधारी या कम्पनी का सदस्य कहा जाता है। एक कम्पनी निम्नलिखित दो प्रकार के अंश निर्गमित कर सकती है।

(1) **पूर्वाधिकार अंश (Preference Shares)**–पूर्वाधिकार अंशों से तात्पर्य उन अंशों से है, जो निश्चित दर से लाभांश प्राप्त करने तथा कम्पनी के समापन की दशा में पूंजी प्राप्त के लिए समानाधिकार अंशों की तुलना में पूर्वाधिकार प्रदान करते हैं। पूर्वाधिकार अंश एक निश्चित दर से लाभांश प्राप्त करते हैं। पूर्वाधिकार अंश निम्नलिखित प्रकार के हो सकते हैं।

(i) **संचयी पूर्वाधिकार अंश (Cumulative Preference Shares)**–संचयी पूर्वाधिकार अंश वे होते हैं, जिन पर किसी वर्ष लाभांश प्राप्त न होने की दशा में, वह पहले वर्षों के लाभांशों के साथ संचित होता रहता है। जब तक कम्पनी द्वारा संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर गत तथा चालू वर्ष का लाभांश नहीं दे दिया जाता, वह अन्य किसी प्रकार के अंशों पर लाभांश नहीं दे सकती।

(ii) **असंचयी पूर्वाधिकार अंश (Non-Cumulative Preference Shares)**–ये वे अंश है जिन पर कम्पनी उसी दशा में लाभांश देगी जबकि उसके द्वारा पर्याप्त लाभ अर्जित किया गया हो। यदि किसी वर्ष लाभांश देने में कम्पनी समर्थ नहीं है तो ये अंशधारी अगले वर्ष के लाभों में से पिछले वर्षों की लाभांश की मांग नहीं कर सकते।

(iii) **भागग्राही पूर्वाधिकार अंश (Participating Preference Shares)**–ये वे अंश है जिन्हें निश्चित दर से लाभांश प्राप्त करने के बाद कम्पनी के अतिरिक्त लाभों में भाग लेने का अधिकार है।

(iv) **गारण्टीयुक्त पूर्वाधिकार अंश (Guaranteed Preference Shares)**–ये वे पूर्वाधिकार अंश हैं, जिन पर लाभांश के भुगतान के सम्बन्ध में, किसी अन्य कम्पनी द्वारा गारण्टी दे दी गई है।

(v) **शोध्य पूर्वाधिकार अंश (Redeemable Preference Shares)**–ये वे पूर्वाधिकार अंश हैं, जिनका कम्पनी के जीवन काल में कुछ शर्तों पर भुगतान अर्थात् शोधन किया जा सकता है।

(2) **इंक्विटी या सामान्य अंश (Equity of Ordinary Shares)**–इस प्रकार के अंशों पर लाभांश का भुगतान पूर्वाधिकार अंशों पर निश्चित दर से लाभांश चुकाने के पश्चात् किया जाता है तथा कम्पनी के समापन के समय पूर्वाधिकार अंशधारियों की पूंजी लौटाने के बाद ही ये पूंजी पाने के अधिकारी होते हैं। कम्पनी में लाभ न होने पर या अपर्याप्त लाभ की दशा में इस प्रकार के अंशों पर लाभांश का भुगतान नहीं किया जाता है। यदि कम्पनी में अधिक लाभ होता है तो इन अंशों पर भी अधिक लाभांश मिलता है और यदि लाभ कम होता है तो इन्हें भी कम लाभांश मिलता है। अर्थात् कम्पनी और सामान्य अंशधारियों का भाग्य साथ–साथ चलता है।

अंश पूंजी
(Share Capital)

अर्थ (Meaning)–एक कम्पनी की पूंजी अनेक छोटे–छोटे भागों या अंशों में विभाजित होती है इसलिए कम्पनी की पूंजी को अंश पूंजी (Share Capital) कहा जाता है।

अंश पूंजी के रूप
(Forms of Share Capital)

एक कम्पनी की पूंजी का विभाजन निम्नलिखित रूपों के किया जा सकता है–

(1) अधिकृत पूंजी या अंकित पूंजी (Authorised Capital or Nominal Capital)—ऐसी पूंजी का वर्णन कम्पनी के पार्षद् सीमा नियम में होता है। यह पूंजी की वह अधिकतम राशि है जिसको एकत्रित करने के लिए कम्पनी अधिकृत होती है। इसको पंजीकृत पूंजी (Registred Capital) अथवा अंकित पूंजी (Nominal Capital) भी कहते हैं। कम्पनी अपने जीवन काल में कभी भी इस राशि से ज्यादा के अंश निर्गमित नहीं कर सकती।

(2) निर्गमित पूंजी (Issued Capital)—निर्गमित पूंजी कम्पनी की अधिकृत पूंजी का वह भाग है जो जनता को जारी किया जाता है। इसमें पार्षद् सीमा नियम के अभिदाताओं (Subscribes) द्वारा किए गए अंशों को भी शामिल किया जाता है। अधिकृत पूंजी का जो भाग जारी नहीं किया जाता वह अनिर्गमित पूंजी (Unissued Capital) कहलाता है।

(3) प्राथित पूंजी (Subscribed Capital)—निर्गमित पूंजी का वह भाग जिसके लिए कम्पनी को जनता से प्रार्थना–पत्र (Applications) प्राप्त हों, प्रार्थित पूंजी कहलाता हैं इसमें बोनस अंश व रोकड़ के अलावा अन्य किसी प्रतिफल के बदले में दिये गये अंश सम्मिलित किये जाते हैं।

(4) याचित पूंजी या मांगी गई पूंजी (Called-up Capital)—अधिकार कम्पनियां समस्त प्रार्थित पूंजी की राशि एक साथ न मांग कर किस्तों में मांगती हैं जैसे कुछ भाग आवेदन पर, कुछ आबंटन पर तथा शेष भाग याचनाओं में माँगा जाता है। अतः प्राथित पूंजी का जो भाग कम्पनी द्वारा मांग लिया गया है वह याचित पूंजी या माँगी गई पूँजी (Called-up Capital) कहलाती है। यदि समस्त प्रार्थित पूँजी माँग ली जाए तो प्रार्थित और याचित पूँजी में कोई अन्तर नहीं रहता। अंशधारियों द्वारा जो माँगी गई राशि नहीं चुकाई जाती उसे बकाया माँग राशि (Calls-in-arrears) कहते हैं। प्रार्थित पूँजी का जो भाग माँगा नहीं गया उसे अयाचित पूँजी (Uncalled Capital) कहते हैं।

(5) प्रदत्त या चुकता पूँजी (Paid-up Capital)—याचित पूंजी का वह भाग जो जनता द्वारा कम्पनी को दे दिया जाता है चुकता पूंजी (Paid-up Capital) कहलाता है। दूसरे शब्दों में माँगी गई राशि (Called-up Capital) में से बकाया माँग राशि (Calls-in arrears) घटाने के बाद चुकता पूँजी (Paid-un Capital) प्राप्त होती है।

(6) संचित या आरक्षित पूंजी (Reserve Capital)—कम्पनी को यह अधिकार है कि वह एक विशेष प्रस्ताव पास करके यह निर्णय कर सकती है कि कम्पनी की प्रार्थित पूँजी (Subscribed Capital) का वह भाग जो अभी तक माँगा नहीं गया है। वह केवल कम्पनी के समापन की दशा में ही माँगा जाएगा। अंश पूँजी के ऐसे भाग को संचित पूँजी या आरक्षित पूँजी कहते हैं। यह पूँजी कम्पनी के समापन की दशा में कम्पनी के ऋणदाताओं सुरक्षा प्रदान करती है।

कम्पनी की पूँजी के वर्गीकरण निम्न उदाहरण से समझ सकते हैं।

उदाहरण—एक कम्पनी की अधिकृत पूँजी 10,00,000 रुपये है जो दस–दस रुपये के 1,00,000 अंशों में विभाजित है। कम्पनी ने 60,000 अंश जारी किए जिसका भुगतान निम्न प्रकार से होना है—आवेदन पर 2 रुपये आबंटन पर 3 रुपये, प्रथम याचना पर 2.50 रुपये व अन्तिम याचना पर 2.50 रुपये।

50,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। आबंटन पर रोहित के 1,000 अंशों के 3,000 रुपये के अतिरिक्त बाकी सारी राशि प्राप्त हो गई। कम्पनी ने याचनाओं की राशि नहीं मांगी है।

BALANCE SHEET OF A COMPANY

as on...........

Liabilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Share Capital		Cash at Bank	2,47,000
Authorised Capital :			
1,00,000 Shares of Rs. 10 each	10,00,000		

Issued Capital :				
60,000 Shares of Rs. 10 each		6,00,000		
Subscribed Capital :				
50,000 Shares of Rs. 10 each		5,00,000		
Called-up Capital :				
50,000 Shares of Rs. 10 each				
Rs. 5 per Shares called-up		2,50,000		
Paid-up Capital :				
50,000 Shares of Rs. 10 each				
Rs. 5 per Share called-up	2,50,000			
Less Calls-in Arears				
(1,000 × Rs. 3)	3,000	2,47,000		
		2,47,000		2,47,000

अंशों का निर्गमन
(Issue of Shares)

अंशों के निर्गमन की शर्तें
(Terms of Issue of Shares)

यद्यपि इस बात का उल्लेख कर दिया गया है कि कम्पनी अंशों की किन शर्तों पर निर्गमित करेगी तथापि एक कम्पनी अपने अंशों को निम्नलिखित शर्तों पर निर्गमित कर सकती है।

1. **मूल्य की शर्तो पर (On the terms of Price)**—कम्पनी मूल की शर्तो के अनुसार अपने अंशों को अंकित मूल्य पर (At par), अधिमूल्य पर (At Premium) और अंकित मूल्य से कम मूल्य पर अर्थात् छूट पर (At discount) निर्गमित कर सकती है। उदाहरणार्थ एक कम्पनी अपने 100 रु. के अंकित मूल्य वाले अंश को 100 रु. में पर अंश निर्गमित करना कहेंगे और यदि 100 रु. का अंश 105 में निर्गमित किया जाता है तो इसे अधिमूल्य पर अंशों का निर्गमन कहेंगे और यदि 100 रु. का अंश 90 रुपये में निर्गमित किया जाता है तो इसे छूट पर अंश निर्गमित करना कहेंगे।

2. **भुगतान की शर्तो पर (On the Terms of Payment)**—भुगतान की शर्तों के अनुसार अंशों का पूर्ण मूल्य एक साथ भी मांगा जा सकता है और धीरे–धीरे अनेक किस्तों में भी मांगा जा सकता है। जब भुगतान अनेक किस्तों में मांगा जाता है तब—(i) कुछ रकम प्रार्थना–पत्र (Application) के साथ प्राप्त होती है इस रकम को प्रार्थना–पत्र की रकम (Application Money) कहते हैं, (ii) कुछ रकम अंशों के आबंटन (Allotment) पर प्राप्त होती है जिसे आबंटन की रकम (Application Money) कहते हैं (iii) कुछ रकम प्रथम मांग (First Call) के साथ प्राप्त होती है इसे प्रथम मांग की रकम रकम (First Call Money) कहते हैं, (iv) कुछ रकम द्वितीय मांग (Second Call) के साथ प्राप्त होती है इसे द्वितीय मांग (Second Call Money) कहते हैं और शेष रकम अन्तिम मांग के साथ प्राप्त होती है इसे अन्तिम मांग की रकम (Final Call Money) कहते हैं।

कम्पनी अपने अंशों को निम्नलिखित दो प्रकार से निर्गमित कर सकती है:

(1) नकद के बदले (For Cash);

(2) नकद के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले (For Consideration other then cash)

जब नकद के बदले अंशों का निर्गमन किया जाता है, तब कम्पनी द्वारा निम्नलिखित कार्यवाही की जाती है:

अंशों के लिए प्रार्थना-पत्र आना (Receipt of Application for Shares)—सार्वजनिक कम्पनी अपनी पूंजी एकत्रित करने के लिए जनता में प्रविवरण (Prospectus) निर्गमित करती है। प्रविवरण में कम्पनी के अनुसूचित बैंक के नाम का भी उल्लेख कर दिया जाता है। अंश क्रय करने के इच्छुक व्यक्ति अंश के अंकित मूल्य की कम से कम 5% राशि प्रार्थना पत्र सहित कम्पनी के बैंक में भेज देते हैं। प्रार्थना पत्र आने की अन्तिम तिथि के बाद बैंक एक सूची (Statement) बनाकर कम्पनी के कार्यालय में भेज देता है। कम्पनी के कार्यालय में सभी प्रार्थना–पत्र आ जाने पर उन पर क्रम संख्या (Serial No.) लिख दिया जाता है और उनका पूर्ण लेखा ''प्रार्थना पत्र प्राप्त एवं आबंटन बही (Share Application and Allotment Book) में किया जाता है।''

अंशों का आबंटन (Allotment of Shares) न्यूनतम राशि से अधिक रकम के प्रार्थना–पत्र आने पर अंशों का आबंटन किया जाता है। अतः प्रविवरण निर्गमित करने के 120 दिन के अन्दर अंशों का आबंटन कर दिया जाता है। प्रार्थना–पत्र अंश खरीदने के केवल प्रस्ताव मात्र होते हैं उन्हें आबंटन द्वारा प्रसंविदे का रूप प्रदान किया जाता है। इस बात का कम्पनी को पूर्ण अधिकार होता है कि वह जिस व्यक्ति को जितने अंश देना चाहे उस व्यक्ति को उतने अंश दे और जिस व्यक्ति को अंश न देना चाहे उसे अंश न दे। जिन प्रार्थियों को अंश दिए जाते हैं उन्हें आबंटन पत्र (Letter of Allotment) भेज दिया जाता है जिन प्रार्थियों को अंश नहीं दिये जाते उन्हें खेद पत्र (Letter of Regret) भेज दिया जाता है। अंशों का आबंटन होने से पूर्व प्रार्थी को अपना धन वापस लेने का अधिकार है। जिन व्यक्तियों का अंश दिये जाते उन्हें प्रार्थना–पत्र (Share Certificates) भेज दिया जाता है। इस प्रमाण–पत्र में अंशों की संख्या, रकम तथा आवश्यक विवरण लिखा रहता है। कम्पनी के कर्मचारी अंशधारियों से प्राप्त रकम का लेखा समयानुसार 'प्रार्थना–पत्र एवं आबंटन बही' (Application and Allotment Book) में करते हैं जिनका नमूना सामने दिया गया है।

अंशों पर मांगें (Calls on Shares) जब अंशों का आबंटन कर दिया जाता है तो शेष रकम की मांग समय–समय पर आवश्यकतानुसार की जाती है। प्रायः शेष रकम प्रथम मांग (First Call) द्वितीय मांग (Second Call) और अन्तिम मांग (Final Call) के रूप में की जाती है। विभिन्न मांगों का पूर्ण लेखा मांग बही (Calls Book) में किया जाता है जिसका नमूना सामने दिया गया है। याचना की राशि मांगने के लिए समस्त अंशधारियों को पत्र भेजे जाते हैं। याचना की राशि मांगने के लिए समस्त अंशधारियों को पत्र भेजे जाते हैं। कम्पनी द्वारा सूचना भेजने पर ही अंशधारी याचना राशि का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होता है। याचना के सम्बन्ध में निम्न नियमों का पालन होना चाहिए।

(1) याचना राशि चुकाने के लिए अंशधारी को कम से कम 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए।

(2) दो याचनाओं के मध्य कम से कम एक माह का अन्तर होना चाहिए।

(3) कोई भी याचना अंशों के अंकित मूल्य के 25% से अधिक राशि की नहीं होनी चाहिए।

(4) प्रत्येक याचना पत्र (Call Notice) में भुगतान की अन्तिम तिथि, राशि, भुगतान प्राप्त करने के लिए अधिकृत बैकों व उनकी ब्रांचों के नाम, अंशधारी का नाम व पता स्पष्ट रूप से वर्णित होना चाहिए।

Application No.	
Date of Application	
Name of Applicant	
Address	
Occupation	
Number of Shares Applied for	
Amount paid on Application	
C.B. Folio	
Distinctive No.	
Distinctive No. — From	
Distinctive No. — To	
Allotment Letter No.	
Amount due on Allotment	
Date of Receipt of cash	
Allotment Money	
C.B. Folio	
C.B. Folio — Amount of Cash returned	
C.B. Folio — Member's Register Folio	
Amount of Cash returned	
C.B. Folio	
Member's Register Folio	
Share Certificate No.	
Remarks	

Share Call Book

Serial No.	
Name of Shareholder	
Member's Register Folio	
No. of Shares held	
Amount due	
Date of receipt	
Amount receipt	
C.B. Folio	
Calls paid in Advance — Amount	
Calls paid in Advance — Date of Receipt	
Calls paid in Advance — C.B. Folio	
Calls paid in Advance — Date of adjustment	
Calls paid in Advance — Remarks	

अंशों के निर्गमन पर लेखांकन लेखे
(Accounting Entries for Issue of Shares)

1. प्रार्थना राशि आने पर–

Bank Account Dr.

To Share Application Account

(Being the share application money received on ... shares @ Rs. .... per share)

भारतीय कम्पनी अधिनियम के अनुसार प्रार्थना–पत्रों के साथ प्राप्त रकम व्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण–पत्र प्राप्त करने तक कम्पनी की नहीं होती, अतः कम्पनी उस धन को अपने पास नहीं रख सकती। प्रार्थना–पत्रों के साथ प्राप्त रकम को किसी अनुसूचित बैंक (Scheduled Bank) में रखना अनिवार्य है। अतः प्रार्थी इसे अनुसूचित बैंक में जमा करा देते हैं और प्रार्थना पत्र कम्पनी के कार्यालय में भेज देते हैं।

2. प्रार्थना-पत्रों पर प्राप्त रकम कम्पनी की अंश पूंजी (Share Capital) का एक भाग है अतः इस रकम को अंश पूंजी खाते (Share Capital Account) में स्थानान्तरित (Transfer) कर दिया जाता है। इसके लिए निम्नलिखित लेखा किया जाता है:

Share Application Account Dr.

To Share Capital Account

(Being the share application money transferred to Share Capital Account)

3. जिन व्यक्तियों को अंश नहीं दिए जाते उनका धन वापस करने का लेखाः

Share Application Account Dr.

To Bank Account

(Being the share application money returned of un-alloted shares)

4. अंशों के आबंटन का लेखा–कम्पनी के संचालक जिन व्यक्तियों को अंश देना चाहते हैं उन व्यक्तियों के नाम एक प्रस्ताव पास कर अंशों का आबंटन कर देते हैं और कम्पनी द्वारा निम्नलिखित लेखा किया जाता है:

Share Allotment Account Dr.

To Share Capital Account

(Being the share application money due on ..... shares @ Rs. .... per share as per the Resolution dated.......)

5. यदि किसी व्यक्ति को आंशिक आबंटन किया जाता है तो प्रार्थना–पत्र के साथ अधिक प्राप्त रकम को आगामी मांगों में निम्नलिखित लेखे द्वारा समायोजित कर दिया जाता है:

Share Application Account Dr.

To Share Allotment Amount

To Share 1st Call Account

(Being the excess money transferred to Share allotment & first call Account)

6. आबंटन की रकम प्राप्त करने का लेखाः

Bank Account Dr.

To Share Allotment Amount

(Being the allotment money received on .... shares @ Rs. .... per share)

7. प्रथम मांग (1st call) की रकम देय (due) होने का लेखाः

Share First Call Account Dr.

To Share Capital Account

(Being the share first call money due on ...... shares @ Rs. .... per share as per the Resolution dated.......)

कम्पनी के संचालकों की बैठक में इस आशय का एक प्रस्ताव पारित किया जाता है कि प्रथम मांग (1st Call) की रकम अंशधारियों से मंगवाई जाए। तब प्रथम मांग की रकम देय हो जाती है और अंशधारियों को इस बात की सूचना दे दी जाती है कि प्रथम मांग का रुपया निर्धारित समय के अन्दर जमा कराना है।

8. प्रथम मांग (1st call) की रकम आने पर लेखाः

Bank Account Dr.

To Share First Call Account

(Being the share first call money received on ...... shares @ Rs. ...... per share)

Note : Similar entires (7 & 8) will be passed for second call, third and final call, if any.

प्रार्थना एवं आबंटन खाता (Application and Allotment Account) कुछ लेखाकार आवेदन (Application) तथा आबंटन (Allotment) हेतु पथक–पथक खाते खोलने के स्थान पर एक ही खाता "Applications and Allotment Account" खोलते हैं ऐसी स्थिति में, अंशतः आबंटन वाले आवेदनों पर (partially accepted application) अतिरिक्त आवेदन राशि को आबंटन की ओर हस्तान्तरित करने के लिए कोई लेखा बनाने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। यदि वह विधि अपनाई जाती है तो निम्न लेखे बनाये जायेंगेः

1. Bank Account Dr.

To Share Application and Allotment Account

(Being the share application money received on ...... shares @ Rs. ...... per share)

---

2. Share Application and Allotment Account Dr.

To Share Capital Account

To Bank Account

(Being the share allotment and application money due on ...... shares @ ...... each and the excess money returned back)

---

3. Bank Account Dr.

To Share Application and Allotment Account

(Being allotment money recieved on ...... shares @ ....)

शेष लेखे इसी प्रकार बनायें जायेंगे जिस प्रकार पीछे बताये गए हैं।

Illustration 2.

Anupam Electric Co. Ltd. issues 15,000 shares of the value of Rs. 10 each payale Rs. 3 on application, Rs. 3, on allotment Rs. 2 on first call and Rs. 2 on second and final call. The application received were for 10,000 shares and all these were accepted. All money due were received.

Give the journal entries for the above transactions and show how Share Capital will appear in the Balance Sheet.

Solution:

Anupum Electric Company Ltd.
Journal Entries

		Rs.	Rs.
Bank Account	Dr.	30,000	
To Share Application Account			30,000
(Being share application money received on 10,000 shares @ Rs. 3 per share)			
Share Application Account	Dr.	30,000	
To Share Capital Account			30,000
(Being share application money transferred to Share Capital Account as per the resolution of Board of Directors dated.......)			
Share Allotment Account	Dr.	30,000	
To Share Capital Account			30,000
(Being share allotment money due on 10,000 shares @ Rs. 3 per share as per resolution of the Board of Directors dated.........)			
Bank Account	Dr.	30,000	
To Share Allotment Account			30,000
(Being share allotment money received on 10,000 shares @ Rs. 3 per share)			
Share First Call Account	Dr.	20,000	
To Share Capital Account			20,000
(Being share first call money due on 10,000 shares @ Rs. 2 per share as per the resolution of Board of Directors dataed......)			
Bank Account	Dr.	20,000	
To Share First Call Account			20,000
(Being share first call money received on 10,000 shares @ Rs. 2 per share)			
Share Second and Final Call Account	Dr.	20,000	
To Share Capital Account			20,000
(Being share second call money due on 10,000 shares @ Rs. 2 per share as per the resolution of Board of Directors dated..........)			
Bank Account	Dr.	20,000	
To Share Second and Final Call Account			20,000
(Being share second and final call money recevied on 10,000 shares @ Rs. 2 per share)			

Balance Sheet of Anupam Electric Co. Ltd
As on ....

Capital & Liabilities	Rs.	Property & Assets	Rs.
Share Capital			
Authorised Capital		Cash at Bank	1,00,000
...shares of Rs. 10 each			
Issued Capital			
15,000 shares of Rs. 10 each	1,50,000		
Subscribed & Paid up Capital			
10,000 shares of Rs. 10 each	1,00,000		
	1,00,000		1,00,000

नकद के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल में अंशों का निर्गमन

(Issue of Shares for a Consideration other than Cash)

जब कम्पनी किसी व्यक्ति अथवा फर्म से कुछ सम्पत्तियों जैसे भूमि, भवन, मशीन आदि क्रय करती है और उनका भुगतान नकद में न करके अपने अंशों को मूल्य के बदले निर्गमित करके करती है तो इस प्रकार के निर्गमन को नकद के अतिरिक्त किसी अन्य प्रतिफल के बदले अंशों का निर्गमन कहते हैं। इस प्रकार के अंशों के निर्गमन को स्थिति विवरण में भी दिखाया जाता है। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रविष्टियां की जाती हैः

(i) Assets Account Dr.
To Vendor
(Being purchase of Assets)

(ii) Vendor Dr.
To Share Capital Account
(Being issue of Shares)

Illustration 3.

Shine Ltd. purchased assets of Rs. 50,000 from Ram & Co. It issued shares of Rs. 10 each fully paid in satisfaction of their claim. Make journal entries to record these transactions.

Solution

JOURNAL ENTRIES

		Rs.	Rs.
Assets Account	Dr.	50,000	
To Ram & company			50,000
(Being assets purchased from them)			
Ram & company	Dr.	50,000	
To Share Capital Account			50,000
(Being issue of 5,000 shares of Rs. 10 each fully paid)			

जब पूर्वाधिकार एवं सामान्य, दोनों अंश निर्गमित किए जाते हैं
(When both Preference and Equity Shares are Issued)

जब एक कम्पनी पूर्वाधिकर एवं सामान्य दोनों प्रकार के अंश निर्गमित करती है तब दो अंश पूंजी खाते पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता एवं सामान्य अंश पूंजी खाता खोले जाते हैं। इसी प्रकार अंश प्रार्थना खाता, अंश आबंटन खाता एवं याचना खाते भी दोनों प्रकार के अंशों के लिए अलग–अलग खोले जाते है। प्रत्येक स्थिति में पूर्वाधिकार (Preference) और सामान्य (Equity) शब्द लिखना आवश्यक है।

Illustration 4.

A Company was floated with an authorised capital consisting of 20,000 9% Preference Shares of Rs. 100 each, payable Rs. 25 per share on application, Rs. 25 per share on allotment and Rs. 50 per share on first and final call; and 3,00,000, Equity Shares of Rs. 10 each, payable Rs. 2.50 per share on application, Rs. 2.50 per share on allotment and Rs. 5 per share on the first and final call. Applications were received for the whole of the Preference and Equity Shares. All the money due on the shares was paid. Make the necessary entries and the Balance Sheet of the Company.

Solution.

JOURNAL ENTRIES

Bank Account	Dr.	5,00,000	
To Preference Share Application Account			5,00,000
(Being Preference Share Application money received on 20,000 shares @ Rs. 25 per share)			
Bank Account	Dr.	7,50,000	
To Equity Share Application Account			7,00,000
(Being Equity Share Application money received on 3,00,000 Share @ Rs. 2.50 per share)			
Preference Share Application Account	Dr.	5,00,000	
To Preference Share Capital Account			5,00,000
(Being Preference Share Application money transferred to Capital Account)			
Equity Share Application Account	Dr.	7,50,000	
To Equity Share Capital Account			7,50,000
(Being Equity Share Application money transferred to Capital Account)			
Preference Share Allotment Account	Dr.	5,00,000	
To Preference Share Capital Account			5,00,000
(Being Preference Share allotment money due on 20,000 shares @ Rs. 25 per share as per the resolution of Board or Directors)			
Equity Share Allotment Account	Dr.	7,50,000	
To Equity Share Capital Account			7,50,000

Particulars		Dr. (Rs.)	Cr. (Rs.)
(Being Equity Share allotment money due on 3,00,000 shares @ Rs. 2.50 per shares as per the resolution of Board of Directors)			
Bank Account	Dr.	5,00,000	
To Preference Share Allotment Account			5,00,000
(Being Preference Share allotment money received on 20,000 share @ Rs. 25 per share)			
Bank Account	Dr.	7,50,000	
To Equity Share Allotment Account			7,50,000
(Being Equity Share allotment money received on 3,00,000 shares @ Rs. 2.50 per share)			
Preference Share 1st & Final Call Account	Dr.	10,00,000	
To Preference Share Capital Account			10,00,000
(Being Preference Share 1st & Final Call money due on 20,000 shares @ Rs. 50 per share)			
Equity Share Ist & Final Call Account	Dr.	15,00,000	
To Equity Share Capital Account			15,00,000
(Being Equity Share 1st & Final Call money due on 3,00 shares @ Rs. 5 per share as per the resolution of Board of Directors)			
Bank Account	Dr.	10,00,000	
To Preference Share 1st & Final Call Account			10,00,000
(Being Preference Share 1st & Final Call money received on 20,000 shares @ Rs. 50 per share)			
Bank Account	Dr.	15,00,000	
To Equity Share 1st & Final Call Account			15,00,000
(Being all the Equity Share 1st & Final Call money received)			

Balance Sheet
As at....................

Liabilities		Rs.	Assets	Rs.
Authorised Capital:	Rs.		Cash at Bank	50,00,000
20,000 9% Preference Shares of Rs. 100 each	20,00,000			
3,00,000 Equity Share of Rs. 10 each	30,00,000	50,00,000		

Issued & Subscribed Capital:				
20,000 9% Preference Shares of Rs. 100 each	20,00,000			
3,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each	30,00,000	50,00,000		
Paid up Capital:				
20,000 9% Preference Shares of Rs. 100 each	20,00,000			
3,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each	30,00,000	50,00,000		
		50,00,000		50,00,000

एक कम्पनी द्वारा अंशों को निर्गमित करने के अग्र तीन प्रमुख आधार हैं। कम्पनी इनमें से किसी भी एक आधार पर अंशों का निर्गमन कर सकती है।

(1) सममूल्य पर अंशों का निर्गमन (Issue of Shares at Par)

(2) प्रीमियम पर अंशों का निर्गमन (Issue of Shares at Premium)

(3) कटौती या छूट पर अंशों का निर्गमन (Issue of Shares at Discount)

सममूल्य पर अंशों का निर्गमन (Issue of Shares at Par)

यदि अंशों का निर्गमन उनके अंकित मूल्य (Nominal Value or Face Value) पर किया जाता है जोकि प्रत्येक अंश प्रमाण–पत्र पर लिखा रहता है तो इसे सममूल्य पर निर्गमन कहा जाता है। जैसे 10 रुपये वाला अंश 10 रुपये में तथा 100 रुपये वाला अंश 100 रुपये में निर्गमित करना अर्थात् अंकित मूल्य से न तो ज्यादा राशि ली जाए न ही कम।

अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन (Issue of Shares at Premium)

यदि कम्पनी अपने अंशों को अंकित मूल्य (Nominal Values or Face Value) से अधिक मूल्य पर निर्गमित करनी है तो अंकित मूल्य से जितनी अधिक होती है वह प्रीमियम कहलाती है। उदाहरण के लिए, यदि एक कम्पनी अपने 100 रुपये वाले अंश 115 रुपये में निर्गमित करती है तो 15 रुपये प्रीमियम कहलाएगा। भारतीय कम्पनी अधिनियम के अनुसार प्रीमियम की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। कम्पनी अपने अंशों पर जितना प्रीमियम वसूल सकती है। यह कम्पनी की ख्याति पर निर्भर करता है।

अंश प्रीमियम कम्पनी का सामान्य लाभ नहीं है अतः यह लाभ–हानि खाते में क्रेडिट नहीं किया जाता। यह एक पूंजीगत (Capital) लाभ है इसलिए प्रीमियम की राशि को एक अलग खाते (Share Premium A/c) में क्रेडिट कर दिया जाता है तथा वर्ष के अन्त में शेष (Balance) चिट्ठे के दायित्व पक्ष में संचय एवं आधिक्य (Reserve and Surplus) शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

कम्पनी अधिनियम अंश प्रीमियम का उपयोग करके लाभांश बांटने पर प्रतिबन्ध लगाता है। अंश प्रीमियम का उपयोग केवल अधिनियम की धारा 78 में दिये गये उद्देश्यों के लिए ही किया जाता सकता है। निम्न है—

(1) प्रारम्भिक व्ययों को अपलिखित करने के लिए

(2) अंशों और ऋणपत्रों के निर्गमन पर दी गई कटौती (Discount) अथवा कमीशन को अपलिखित करने के लिए।

(3) पूर्वाधिकार अंशधारियों या ऋणपत्र धारियों को शोधन (Repayment) के समय दिये जाने वाले प्रीमियम को अपलिखित करने के लिए।

(4) अंशधारियों को पूर्णादत्त बोनस अंश (Bonus Shares) निर्गमित करने के लिए।

जर्नल प्रविष्टियाँ
(Journal Entries)

प्रायः प्रश्न में दिया जाता है कि प्रीमियम की राशि किस किश्त के साथ देय है जैसे आवेदन पर, आबंटन पर याचना पर इत्यादि।

यदि प्रश्न में इसके बारे में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया गया हो तो प्रीमियम का लेखा आबंटन के समय की किया जाता है।

(1) यदि प्रीमियम की राशि आवेदन के साथ ली जाती है—

(a) आवेदन राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c Dr.

To Share Application A/c

(Being share application money received on ... shares including premium at Rs.... per share)

(b) आवेदन राशि पूंजी खाते व प्रीमियम खाते में हस्तांतरित करने पर

Share Application A/c Dr.

To Share Capital A/c

To Share Premium A/c

(Being transfer of application money received money to Shares Capital A/c and Share Premium A/c)

(2) यदि प्रीमियम की राशि आबंटन (Allotment) के साथ ली जाती है—

(a) आबंटन राशि (प्रीमियम सहित) देय होने पर

Share Allotment A/c Dr.

To Share Capital A/c

To Share Premium A/c

(Being allotment money including premium due on...........shares)

(b) आबंटन राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c Dr.

To Share Allotment A/c

(Being allotment money on............shares received including premium)

नोट—(1) यदि प्रीमियम आवेदन के समय प्राप्त होता है तो आवेदन पत्रों के हस्तांरण वाली प्रविष्टि में 'To Share Premium A/c' जुड जाता है। अन्य सभी प्रविष्टियां अपरिवर्तित रहती हैं।

(2) इसी प्रकार यदि प्रीमियम आबंटन के समय प्राप्त होता है तो आबंटन राशि देय दिखाने वाली प्रविष्टि में 'To Share Premium A/c' जुड जाता है। अन्य प्रविष्टियों में कोई परिवर्तन नहीं होता।

कटौती या छूट पर अंशों का निर्ममन
(Issue of Shares at a Discount)

जब कोई कम्पनी अपने अंशों को उनके अंकित मूल्य से कम पर निर्गमित करती है तो अंशों के ऐसे निर्गमन को अंशों का कटौती पर निर्गमन कहते हैं। यदि 100 रुपये अंकित मूल्य वाले अंश 92 रुपये प्रति अंश की दर से निर्गमित किये तो (Rs. 100—Rs. 92) 8% कटौती कहलाएगी। सामान्यतः कम्पनियां अंशों को कटौती पर निर्गमित नहीं कर सकती। परन्तु यदि कोई कम्पनी, भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा 79 में दी हुई निम्न शर्तें पूरी कर लेती है तो वह अपने अंशों का कटौती पर भी निगमन कर सकती है।

(1) नए प्रकार के अंश कटौती पर निर्गमित नहीं किये जा सकते अर्थात् अंश ऐसी श्रेणी के होने चाहिए जो पहले भी निर्गमित कए जा चुके हो।

(2) कटौती पर अंशों के निर्गमन के सम्बन्ध में कम्पनी की साधारण सभा में एक प्रस्ताव पास किया गया हो तथा कम्पनी लॉ बोर्ड की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली गई हो।

(3) कटौती की अधिकतम दर उपरोक्त प्रस्ताव में स्पष्ट वर्णित होनी चाहिए जो कि अंशों के मूल्य के 10% से अधिक न हो। परन्तु कम्पनी लॉ बोर्ड 10 प्रतिशत से अधिक कटौती की अनुमति भी दे सकता है।

(4) कम्पनी को व्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण–पत्र प्राप्त हुए कम से कम एक वर्ष व्यतीत हो चुका है।

(5) कम्पनी लॉ बोर्ड से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद दो महीनों के अन्दर (With in two months) अंशों का निर्गमन करना आवश्यक है। उपरोक्त शर्तों से यह अर्थ भी निकलता है कि

(i) एक नई कम्पनी प्रारम्भ में अपने अंश कटौती पर निर्गमित नहीं कर सकती।

(ii) पुरानी कम्पनी द्वारा भी नये प्रकार के अंश (जिस प्रकार के अंश पहले निर्गमित नहीं किए गये) कटौती पर निर्गमित नहीं किये जा सकते।

लेखांकन
(Accounting Treatment)

अंश के निर्गमन पर दी गई कटौती एक पूंजीगत हानि (Capital Loss) है अतः इसे एक अलग खाते 'Discount on Issue of Shares Account' में डेबिट किया जाता है इसे तब तक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में विविध खर्चें (Miscellaneous Expenditure) शीर्षक के अन्तर्गत दिखाते हैं जब तक कि पूरी राशि अपलिखित न कर दी जाए।

नोट—यद्यपि अंशों के निर्गमन पर दी गई कटौती को अपलिखित करना कानूनन आवश्यक नहीं है फिर भी इसे बहुत समय तक चिट्ठे में दिखाना उचित नहीं होता इसलिए कुछ वर्षों में धीरे–धीरे से अपलिखित कर देना चाहिए।

सामान्यतः कटौती की राशि का लेखा अंशों की आबंटन राशि देय होने के समय किया जाता है।

आबंटन राशि देय (Due) होने पर—

Share Allotment A/c Dr.

Discount on Issue of Shares A/c Dr.

To Share Capital A/c

कटौती की राशि को अपलिखित करने पर—

Profit and Loss Account Dr.

(With the amount of discount written-off)

To Discount on Issue of Shares A/c

अदत्त याचनाएँ

(Calls in Arrear)

यदि माँगी गई आबंटन राशि या याचना राशियों का भुगतान अंशधारियों द्वारा भुगतान की अन्तिम तिथि तक न किया जाए तो उसे अदत्त याचना या बकाया माँग (Calls in Arrear) कहते हैं।

अदत्त याचना का लेखा करने की दो विधियाँ हैं—

(1) जब अदत्त याचना खाता खोला जाए (When Calls in Arreas Account is Opened)—

(a) याचना राशि देय (Due) होने पर (When Calls becomes due)

Share............Call A/c	Dr.	(First Calls or Second Call)
To Share Capital		

(b) याचना राशि प्राप्त होने पर (On Receiving...........the call money)

Bank A/c	Dr.	(Amount received)
Calls in Arrears A/c	Dr.	(Amount not received)
To Share..........Call A/c (First Call or Second Call)		

(c) अदत्त याचना राशि बाद में प्राप्त होने पर (On receiving unpaid call later)

Bank A/c	Dr.	(Amount Received)
To Calls in Arrears A/c		

नोट—यदि प्रश्न में अदत्त याचना खाता (Calls in Arrears Account) खोलने को कहा जाए तभी इस विधि का प्रयोग करना चाहिए।

(2) जब अदत्त याचना खाता न खोला जाए (When Calls in Arrears Account is not Opened)—दूसरी विधि में अदत्त याचना खाता खोलने की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि याचना राशि प्राप्त होने पर उसे क्रेडिट किया जाता है। इसीलिए जब तक पूरी याचना राशि प्राप्त नहीं होती। याचना खाते का डेबिट शेष आता रहता है जो यह बताता है कि अदत्त याचनाएं कितनी हैं।

(a) याचना राशि देय होने पर (When Calls becomes due)

Share............Call A/c	Dr.	(Amount of First or Second Call)
To Share Capital A/c		

(b) याचना राशि प्राप्त होने पर (On Receiving...........call money)

Bank A/c	Dr.	(Amount received)
To Share..........Call A/c (First Call or Second Call)		

(c) अदत्त याचना राशि बाद में प्राप्त होने पर (On receiving unpaid call later)

Bank A/c	Dr.	(Amount Received)
To Share..........Call A/c (First Call or Second Call)		

अदत्त याचनाओं पर ब्याज (Interest on Call in Arrears) :

यदि कम्पनी के अन्तर्नियम आज्ञा देते हैं तो संचालक अदत्त याचनाओं पर अंशधारियों से ब्याज वसूल कर सकते हैं। यदि अन्तर्नियम में इस बारे में कोई वर्णन नहीं है तो सारणी 'अ' (Table A) के नियम लागू होंगे जिनके अनुसार अदत्त याचना पर कम्पनी 5% वार्षिक ब्याज ले सकती है। कम्पनी के संचालक चाहे तो अदत्त याचनाओं का ब्याज माफ भी कर सकते हैं।

नोट–अदत्त याचनाएँ कम्पनी की सम्पत्ति है परन्तु इसे चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में न दिखाकर दायित्व पक्ष में चुकता पूँजी (Paid-up Capital) को घटा कर दिखाते हैं।

अर्थात् चुकता पूँजी = (मांगी गई पूँजी – अदत्त याचनाएँ)

Illustration 1.

X Company Ltd. issued 50,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 5 per share payable Rs. 4 on application, Rs. 7 on allotment (including premium) and the balance payable on First and final call. There were enough number of application and all the shares were allotted. One shareholder who applied for 2000 shares failed to pay the first call money. Give the journal entries in the books of the company and prepare the balance sheet.

एक्स. कम्पनी लिमिटेड ने 10 रु. वाले 50,000 अंशों का 5 रु. प्रीमियम पर निर्गमन किया जो कि प्रार्थना पत्र पर 4 रु. आबंटन पर 7 रु. (प्रीमियम सहित) तथा शेष प्रथम एवं अन्तिम माँग पर देय थे। पर्याप्त मात्रा में प्रार्थना–पत्र प्राप्त हुए और सभी अंशों का आबंटन कर दिया गया। एक अंशधारी जो 2,000 अंशों के लिए प्रार्थना–पत्र दिया था प्रथम माँग की धनराशि नहीं दे पाया। इन लेन–देन की कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियों दीजिए तथा चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

Books of X Company Ltd.

JOURNAL

			Rs.	Rs.
	Bank A/c Dr.		2,00,000	
	To Equity Share Application A/c			2,00,000
	(Being share application money received for 50,000 shares)			
	Equity Share Application A/c Dr.		2,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			2,00,000
	(Bening transfer of application money)			
	Equity Share Allotment A/c Dr.		3,50,000	
	To Equity Share Capital A/c			1,00,000
	To Share Premium A/c			2,50,000
	(Bening Allotment money due with premium)			
	Bank A/c Dr.		3,50,000	
	To Equity Share Allotment A/c			3,50,000
	(Being allotment money received)			
	Equity Share First and Final Call A/c Dr.		2,00,000	

To Equity Share Capital A/c			2,00,000
(Being first call due)			
Bank Alc Dr.		1,92,000	
To Equity Share First and Final Call A/c			1,92,000
(Being first call received on 48,000 shares @ Rs. 4 per share)			

BALANCE SHEET
as on . . . .

		Rs		Rs.
Share Capital :			**Current Assets :**	
Authorised :		....	Cash at Bank	7,42,000
Issued Subscribed & Called up :				
50,000 Shares of Rs. 10 each		5,00,000		
Paid up :				
50,000 Shares of Rs. 10 each	5,00,000			
Less : Calls in Arrears	8,000	4,92,000		
Reserve & Susplus :				
Share premium A/c		2,50,000		
		7,42,000		7,42,000

नोट—प्रश्न को अदत्त याचना खाता खोले बिना हल किया गया है।

अग्रिम याचना
(Calls-in-Advance)

जब कोई अंशधारी अपने अंशों की सारी राशि एक साथ कम्पनी को भेज देता है। (जिससे वह बार–बार भुगतान करने की परेशानी से बच जाता है)। तो ऐसी स्थिति में याचना करने से पूर्व ही कम्पनी को याचना राशि प्राप्त हो जाती है। इस राशि को अग्रिम याचना (Calls-in-Advance) कहते हैं। अग्रिम याचना राशि कम्पनी तभी स्वीकार कर सकती है जब कम्पनी को अंतर्नियमों ने इसके लिए अधिकृत कर रखा हो। अग्रिम याचना प्राप्त होने पर प्राप्त राशि को एक अलग खाता 'Call-in-Advance A/c' खोल कर उसमें क्रेडित कर दिया जाता है। जिसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है। बाद में याचना राशि प्राप्त होने पर बैंक खाता कम रकम से डेबिट किया जाता है तथा उस याचना की जितनी राशि अग्रिम प्राप्त हो चुकी है उतनी राशि में अग्रिम याचना (Calls-in-Advance) खाते को डेबिट कर दिया जाता है। जब सभी याचनाएँ माँग ली जाएंगी तो Call in Advance खाते का शेष शून्य हो जाता है।

(a) अग्रिम याचना राशि होने पर (On receiving call-in-Advance)

Bank A/c Dr. (Amount received in Advance)

To Calls-in-Advance A/c

(Being calls received in advance)

(b) याचना राशि देय होने पर—अग्रिम याचना प्राप्त होने के बाद भी याचना पूरी राशि से देय दिखाई जाती है।

Share............Call A/c Dr. (With full amount of Call)

To Share Capital

(c) याचना राशि प्राप्त होने पर (On receiving Call money)

Bank A/c Dr. (Amount received)

Calls-in-Arrears A/c Dr. (Amount of this call received in advance)

To Share...........Call A/c (Total of the above two)

अग्रिम याचनाओं पर ब्याज (Interest on Calls-in-Advance)

अग्रिम याचनाओं पर कम्पनी को अन्तर्नियमों में दी गई दर ब्याज देना पड़ता है। यदि अन्तर्नियमों में अग्रिम याचनाओं पर ब्याज की दर का वर्णन नहीं है तो सारणी अ Table A के अनुसार 6% वार्षिक ब्याज देना आवश्यक है।

प्रविष्टि

Interest A/c Dr.

To Bank A/c

नोट—यदि प्रश्न में ब्याज की दर न दी जाए तो विद्यार्थियों को अग्रिम याचनाओं पर अंशधारियों को 6% वार्षिक ब्याज का भुगतान करना चाहिए।

Illustration 2.

Nirma Ltd. issued 3,00,000 shares of Rs. 20 each being payable in four equal instalments. All the shares were applied for and duly alloted on Ist January, 1997. The Allotment money was dully received on 31 st January; first call money was received on 30th April. The second and final call was received on 31st May. A holder of 4,000 shares had paid the whole of the balance amount in anticipation of future calls along with the allotment. Interest was paid on calls in advance @ 6% per annum according to the company's articles. Journalise the above transactions in the books of the company.

निरमा लिमिटेड ने 20 रु. वाले 3,00,000 अंश निर्गमित किये जो बराबर की चार किस्तों में देय थे। सभी अंशों के लिए आवेदन—पत्र प्राप्त हुए और उनका 1 जनवरी, 1997 को आबंटन किया गया। आबंटन राशि 31 जनवरी को प्राप्त हुई। प्रथम मांग धनराशि 30 अप्रैल तक प्राप्त हुई। द्वितीय और अन्तिम माँग राशि 31 मई तक प्राप्त हो गई। 4,000 अंशों के एक धारक ने आबंटन राशि के साथ ही भावी मांगों की राशि का पहले ही भुगतान कर दिया। कम्पनी के अन्तर्नियमों के अनुसार अग्रिम प्राप्त मांग राशि पर 6% वार्षिक दर से ब्याज दिया जाता है। कम्पनी की पुस्तको में उपर्युक्त व्यवहारों के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

Solution :

JOURNAL

			Rs.	Rs.
1997	Bank A/c Dr.		15,00,000	
	To Share Aplication A/c			15,00,000
	(Being application money received)			
Jan. 31	Share Application A/c Dr.		15,00,000	

	To Share Capital A/c			15,00,000
	(Being transfer of Application money)			
Jan. 1	Share Allotment A/c	Dr.	15,00,000	
	To Share Capital A/c			15,00,000
	(Being Allotment due)			
Jan. 31	Bank A/c	Dr.	15,40,000	
	To Share Allotment A/c			15,00,000
	To Calls in Advance A/c			40,000
	(Being allotment money received with calls in advance on 4,000 shares as follows: Ist call 4000 × Rs. 5 = Rs. 20,000 IInd Call 4000 × Rs. 5 = Rs. 20,000 40,000			
Apr. 30	Share First Call A/c	Dr.	15,00,000	
	To Share Capital A/c			15,00,000
	(Being first call due)			
Apr. 30	Bank A/c	Dr.	14,80,000	
	Calls in Advance A/c	Dr.	20,000	
	To Share First Call A/c			15,00,000
	(Being first call money received on 2,96,000 shares and on 4,000 shares adjusted from calls-in-advance A/c @ Rs. 5 per share)			
May 31	Share Second & Final Call A/c	Dr.	15,00,000	
	To Share Capital A/c			15,00,000
	(Being share final call due)			
May 31	Bank A/c	Dr.	14,80,000	
	Calls-in Advance	Dr.	20,000	
	To Share Second and Final Call A/c			15,00,000
	(Being Final call received and balance adjusted from call-in-advance)			
	Interest A/c	Dr.	700	
	To Bank A/c			700
	(Being interest paid on Calls-in-Advance)			

Working Notes :

(1) ब्याज की गणना

40,000 रुपये पर (1 फरवरी, 1997 से 30 अप्रैल, 1997 तक) 3 महीने का ब्याज

$$40{,}000 \times \frac{3}{12} \times \frac{6}{100} = \text{Rs. } 600$$

20,000 रुपये पर (1 मई से 31 मई, तक) 1 महीने का ब्याज

$$20{,}000 \times \frac{1}{12} \times \frac{6}{100} = \text{Rs. } 100$$

$$= 700$$

अधिक अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त होना
(Over-Subscription)

सामान्यतः सुदढ़ आर्थिक स्थिति व अच्छी ख्याति वाली कम्पनियां जितने अंश निर्गमित करती हैं जनता उससे अधिक अंशों के लिए आवेदन–पत्र भेज देती है। इसे अधिक अभिदान (Over Subscription) कहते हैं। परन्तु कम्पनी का संचालक मंडल प्रविवरण में घोषित संख्या से ज्यादा अंशों को आबंटित नहीं कर सकता। अतः अंशों के आबंटन के लिए निम्न सभी तरीके या इनमें से कुछ तरीके अपनाये जाते हैं।

(1) यदि सम्भव हो तो सभी आवेदकों को आनुपातिक आबंटन (Pro-rata allotment) कर दिया जाता है, या

(2) कुछ आवेदकों को पूर्ण आबंटन तथा कुछ को अनुपातिक (Pro-rata) कर दिया जाता है, या

(3) कुछ आवेदकों को आनुपातिक (Pro-rata) आबंटन व कुछ को कोई भी अंश नहीं दिया जाता। क्योंकि प्रायः कम्पनियों एक आवेदक को 100 अंश से कम अंश आबंटित नहीं करती अतः कुछ आवेदक ऐसे रह जाते हैं जिनको एक भी अंश प्राप्त नहीं होता। उनकी समस्त आवेदन राशि लौटा दी जाती है। जिन आवेदकों को आवेदित अंशों से कम अंश दिये जाते हैं उनसे प्राप्त आधिक्य (Surplus) आबंटन पर देय राशि में समायोजित (Adjust) कर लिया जाता है।

Illustration 3.

Bhiwani Tyres Ltd. with an authorised capital of Rs. 40,00,000 invited applications for 2,00,000 shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 1.

The shares are payable as follows :

On application Rs. 3; on allotment Rs. 4 (including premium) : on first and final call Rs. 4.

There was oversubscription and applications were received for 3,60,000 shares. Allotment of shares was made as under :

To applicants of 1,50,000 shars 1,50,000 shares

To applicants of 25,000 shares Nil

To applicants of 1,85,000 shares 50,000 shares

Excess money paid on application was adjusted against sums due on allotment and first call. All moneys due were received.

Give journal entries to record the above transactions and show the company's Balance Sheet.

भिवानी टायर्स लिमिटेड की अधिकृत पूंजी 40,00,000 है जिसने 10 रु. वाले 2,00,000 अंशों को 1 रु. प्रीमियम पर निर्गमित किया। अंशों पर धनराशि इस प्रकार देय थी—

प्रार्थना पत्र पर 3 रु. आबंटन पर 4 रु. (प्रीमियम सहित) प्रथम एवं अन्तिम याचना पर 4 रु.।

अंशों पर अधिभिदान हुआ तथा 3,60,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। अंशों का आबंटन इस प्रकार हुआ— 1,50,000 अंशों के आवेदकों को 1,50,000 अंश

25,000 अंशों के आवेदकों को कुछ नहीं

1,85,000 अंशों के आवेदकों को 50,000 अंश

प्रार्थना पत्र पर आधिक्य राशि का प्रयोग आबंटन तथा प्रथम याचना पर किया गया। सभी देय राशियां प्राप्त हो गई। उपर्युक्त लेन–देनों के लिए जर्नल लेखा कीजिए तथा आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

Solution :

CALCULATION TABLE

No. of Shares Applied	No. of Shares Alloted	Excess Money received on Application	Adjusted on Allotment	Adjusted on First & Final Call	Refund
1,50,000	1,50,000	NIL	NIL	NIL	NIL
25,000	NIL	25,000 × Rs. 3	NIL	NIL	Rs. 75,000
		Rs. 75,000			
1,85,000	50,000	1,35,000 × Rs. 3	50,000 × Rs. 4	50,000 × Rs. 4	Rs. 5,000
		Rs. 4,05,000	Rs. 2,00,000	Rs. 2,00,000	
3,60,000	2,00,000	Rs. 4,80,000	Rs. 2,00,000	Rs. 2,00,000	Rs. 80,000

JOURNAL OF AWADH TYRES LTD.

			Rs.	Rs.
	Bank A/c Dr.		10,80,000	
	To Share Application A/c			10,80,000
	(Being share application money received for 3,60,000 shares)			
	Share Application A/c Dr.		10,80,000	
	To Share Capital A/c			6,00,000
	To Share Allotment A/c			2,00,000
	To Calls in Advance A/c			2,00,000
	To Bank A/c			80,000
	(Being transfer of share application money to capital, allotment & calls in advance, excess refunded)			
	Share Allotment A/c Dr.		8,00,000	

	To Share Capital A/c		6,00,000
	To Share Premium A/c		2,00.000
	(Being Share Allotment money due including-premium)		
	Bank A/c Dr.	6,00,000	
	To Share Allotment A/c		6,00,000
	(Being share allotment money received)		
	Share First & Final Call A/c Dr.	8,00,000	
	To Share Capital A/c		8,00,000
	(Being first Call due)		
	Bank A/c Dr.	6,00,000	
	Calls in Advance A/c	2,00,000	
	To Share First & Final Call		8,00,000
	(Being first call received and balance of Rs. 2,00,000 adjusted from calls in advance)		

BALANCE SHEET

as on . . . .

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Cash at Bank	22,00,000
Authorised :	40,00,000		
4,00,000 Shares of Rs. 10 each			
Issued, Subs. and Paid-up			
2,00,000 Shares of Rs. 10 each	20,00,000		
Reserve & Surplus:			
Share Premium	2,00,000		
	22,00,000		22,00,000

अंशों को जब्त करना या अंशों का हरण
(Forfeiture of Shares)

जिस व्यक्ति को अंशों का आबंटन हो जाता है वह कम्पनी का अंशधारी कहलाता है चाहे उसने केवल आवेदन राशि का भुगतान कर रखा हो। बाद में वह आबंटन राशि या याचना राशि का भुगतान नहीं करता तो कम्पनी अधिनियम द्वारा प्रदत्त अधिकार से कम्पनी का संचालक मंडल ऐसे अंशों को जब्त (Forfeit) कर सकता है। अंशों को जब्त करने का अर्थ है कि दोषी अंशधारी के आबंटन को रद्द करके उन पर प्राप्त राशि वापिस न लौटाना या प्राप्त राशि का हरण करना।

यदि निश्चित तिथि पर कोई अंशधारी अपने अंशों पर देय राशि का भुगतान नहीं करता तो उस अंशधारी को एक और नोटिस भेजा जाता है जिसमें एक नई निश्चित की गई तिथि तक देय राशि का ब्याज सहित भुगतान मांगा जाता है। नई निर्धारित की गई तारीख अंशधारी को सूचना मिलने से कम से कम 14 दिन बाद की होनी चाहिए। नये नोटिस में यह भी स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए कि नई निर्धारित तिथि तक भुगतान न करने की स्थिति में उसके अंशों का हरण कर लिया जाएगा। इसके बाद यदि उससे भुगतान प्राप्त न हो तो कम्पनी उसके अंशों का हरण कर सकती है।

हरण किये गये अंश पुनः किसी अन्य व्यक्ति को आबंटित किये जा सकते हैं। हरण करते समय कम्पनी को अपने अन्तर्नियमों का पालन करना आवश्यक है। यदि कम्पनी के अन्तर्नियम हरण के बारे में मौन है अर्थात् उसमें हरण सम्बन्धी नियम नहीं है तो तालिका 'अ' (Table A) का प्रयोग किया जाएगा।

अंशों के हरण पर प्रविष्टियाँ
(Entries on Forefeiture of Shares)

(1) सम मूल्य पर निर्गमित अंशों का हरण (Foreiture of Shares issued at Par)—यदि अंशों का निर्गमन पहले सममूल्य पर हुआ था तथा बाद में भुगतान प्राप्त न होने के कारण उनका हरण किया जाता है। ऐसी स्थिति में अंश पूंजी खाते को (कुल मांगी गई राशि से) डेबिट करते हैं तथा आबंटन खाता, प्रथम याचना खाता, द्वितीय याचना खाते को (प्राप्त न हुई राशि से) क्रेडिट करते हैं। जबकि प्राप्त की गई राशि से अंश हरण खाता (Share Forefeiture A/c) क्रेडिट किया जाता है।

उदाहरण—रमेश के पास किसी कम्पनी का 100 रुपये वाला एक अंश था जिस पर उससे आवेदन पर 20 रुपये आबंटन पर 20 रुपये, प्रथम याचना पर 35 रुपये तथा द्वितीय याचना पर 15 रुपये मांगे गये परन्तु उसने आवेदन के 30 रुपये देने के बाद कुछ नहीं दिया। उसके अंश का हरण किया गया।

Entry : Share Capital A/c	Dr. 100		(Amount of Capital called)
To Share Allotment A/c		20	(Amount not paid on Allotment)
To Share First Call A/c		35	(Amount not paid on First Call)
To Share Second Call A/c		15	(Amount not paid on Second Call)
To Share Forfeiture A/c		30	(Amount actually received)
(Being forfeiture of Shares)			

इसी प्रकार यदि उपरोक्त उदाहरण में द्वितीय याचना नहीं मांगी जाती केवल आबंटन राशि व प्रथम याचना राशि न देने पर प्रथम याचना के बाद ही अंश जमा कर लिये जाते तो 'Share Capital A/c' को 85 रुपये के डेबिट करते (मांगी गई राशि) तथा क्रेडिट में 'To Share Second Call A/c' के 15 रुपये नहीं आते।

परन्तु इसी उदाहरण में यदि सभी राशियां मांगी जाती हैं परन्तु रमेश आवेदन व आबंटन की राशि का भुगतान कर देता है जबकि वह प्रथम व द्वितीय याचना का भुगतान नहीं करता। द्वितीय याचना के बाद उसके अंश जब्त किये जाते तो क्रेडिट में 'To Share Allotment A/c' के 20 रु० नहीं लिखे जाते इसके बाद में Share Forfeiture A/c के 30 रु० में 20 रु० जोड़ कर 50 रुपये (प्राप्त राशि) कर दिये जाते।

(2) प्रीमियम पर निर्गमित अंशों का हरण (Forfeiture of Share issued a premium)—यदि अंशों का निर्गमन पहले प्रीमियम पर हुआ हो तो इन अंशों का हरण करने पर यह देखना आवश्यक है कि इनका प्रीमियम प्राप्त हो चुका है या नहीं। क्योंकि दोनों स्थितियों में अलग–अलग प्रविष्टियां की जाती हैं।

(a) जब प्रीमियम प्राप्त न हुआ हो (When premium is not received)—यदि अंशों का निर्गमन प्रीमियम पर किया गया है। परन्तु हरण से पूर्व प्रीमियम की सम्पूर्ण राशि प्राप्त नहीं हुई है तो हरण के प्रविष्टि में अंश प्रीमियम खाते (Share Premium A/c) को प्रीमियम की सम्पूर्ण राशि से डेबिट किया जाता है।

उदाहरण—विनोद के पास किसी कम्पनी का 100 रुपये एक अंश था जो 25 रु० प्रीमियम कर निर्गमित किया गया था। कम्पनी द्वारा उससे आवेदन पर 30 रुपये, आबंटन पर 45 रुपये (प्रीमियम सहित), प्रथम याचना पर 35 रुपये द्वितीय याचना

पर 15 रुपये मांगे गये परन्तु उसने आवदेन के 30 रुपये देने के बाद अन्य राशियां नहीं चुकाई। उसके अंश का हरण किया गया।

Entry : Share Capital A/c	Dr.	100		(Amount of Capital Called)
Share Premium	Dr.	25		(Amount of Premium Called)
To Share Allotment A/c			45	(Amount not received on allotment including premium)
To Share First Call A/c			35	(Amount not received on First Call)
To Share Second Call A/c			15	(Amount not received on Second Call)
To Share Forfeiture A/c			30	(Amount Actually received)
(Being shares which were issued at premium forfeited)				

Illustration 4.

Bharat Ltd. issued shares of Rs. 100 each at 10% Premium. Amounts payable on shares were as follows:

On applicatioin Rs. 20; On allotment Rs. 30 (including Premium) On 1st Call Rs. 20;

Naresh holding 5 shares did not pay allotment and 1st call money and his shares were forfeited. Mahesh holding 3 shares did not pay his first call money and his shares were also forfeited. Give Joural Entries.

JOURNAL ENTRIES

(i)	Share Capital Account (5 × Rs. 60)	Dr.	300	
	Share Premium Account (5 × Rs. 10)	Dr.	50	
	To Share Forfeited Account (5 × Rs. 20)			100
	To Share Allotment Account			150
	To Share 1st Call Account (5 × Rs. 20)			100
	(Being Naresh's shares forfeited due to non-payment of Allotment & 1st Call money)			
(ii)	Share Capital Account (3 × Rs. 60)	Dr.	180	
	To Share Forfeited Account (3 × Rs. 40)			120
	To Share 1st Call Account (3 × Rs. 20)			100
	(Being Foreiture of Mahesh's shares)			

Illustration 5.

A limited company has an authorised capital of Rs. 2,50,000 in Rs. 10 shares. Of these 4,000 shares were issued as fully paid in payment of Buildings purchased and 8,000 shares were subscribed for by the public, and during the first year Rs. 5 per share was called payable Rs. 2 on application, Re. 1 on allotment, Re. 1 on first call, and Re. l on second call. The amounts received in respect of these shares were as follows:

On 6,000 shares the full amount called.

On 1,250 shares Rs. 4 per share.

On 500 shares Rs. 3 per share.

On 250 shares Rs. 2 per share.

The Directors forfeited the 750 shares on which less than Rs. 4 had been paid.

You are required to show journal entries in the books of the company, and to set out the capital as it should appear in the company's Balance Sheet at the end of the first year.

(Indian Institute of Bankers)

Solution.

JOURNAL ENTRIES

		Rs.	Rs.
Buildings Account	Dr.	40,000	
To Share Capital Account			40,000
(Being the issue of 4,000 fully paid shares @ of Rs. 10 per share for purchase of Buildings)			
Bank Account	Dr.	16,000	
To Share Application Account			16,000
(Being application money received on 8,000 shares @ Rs. 2 per share)			
Share Application Account	Dr.	16,000	
To Share Capital Account			16,000
(Being the transfer of application money to share capital)			
Share Allotment Account	Dr.	8,000	
To Share Capital Account			8,000
(Being the amount due for the Allotment)			
Bank Account	Dr.	7,750	
To Share Allotment Account			7,750
(Being allotment money received on 7,750 shares @ Re. 1 per share)			
Share First Call Account	Dr.	8,000	
To Share Capital Account			8,000
(Being the amount due on first call)			
Bank Account	Dr.	7,250	
To Share First Call Account			7,250
(Being first call money received on 7,250 shares @ Re. 1 per share)			
Share Second Call Account	Dr.	8,000	
To Share Capital Account			8,000
(Being the amount due on for the Second call)			
Bank Account	Dr.	6,000	
To Share Second Call Account			6,000
(Being Second call money received on 6,000 shares @ Re. 1 per share)			

Share Capital Account	3,750	
To Share Allotment Account		250
To Share 1st Call Account		750
To Share Second Call Account		2,000
To Share Forfeited Account		750
(Being the forfeited of 750 shares on which less than Rs. 4 had been paid)		

CAPITAL AS IT WILL APPEAR IN THE BALANCE SHEET

Authorised Capital :		Rs.
25,000 shares of Rs. 10 each		2,50,000
Issued and Subscribed Capital :	Rs.	
4,000 shares of Rs. 10 each fully paid for the purchase of Building		40,000
7,250 shares of Rs. 10 each, Rs. 5 per share called up	36,250	
Less Call in arrears	1,250	
	35,000	
Add Shares Forfeited Account	750	
		35,750
		75,750

Illustration 6.

Give Journal entries for the following:

(i) The Directors forfeited 200 shares issued to A on account of non-payment of the final call of Rs. 20. These shares of Rs. 100 each were issued to B at a premium of Rs. 10 per share.

(ii) They forfeited B' s 100 shares of Rs. 100 each for non-payment of Ist and final call of Rs. 50 and reissued to C for Rs. 70 per share as fully paid up.

(iii) The company allots 600 equity shares of Rs. 100 each as fully paid to the Vendors as part of purchase consideration.

Solution.

JOURNAL ENTRIES

(i)	(a)	Share Capital Account	Dr.	20,000	
		To Share Final Call Account			4,000
		To Share Forfeiture Account			16,000
		(Being 200 shares of 100 each forfeited on account of non-payment of final call of Rs. 20)			
	(b)	Bank Account	Dr.	22,000	
		To Share Capital Account			20,000
		To Share Premium Account			2,000
		(Being 200 forfeited shares reissued at a premium of Rs. 10 per share)			

	(c)	Share Forfeiture Account	Dr.	16,000	
		To Capital Reserve Account			16,000
		(Being transfer to Capital Reserve Account)			
(ii)	(a)	Share Capital Account	Dr.	10,000	
		To Share First & Final Call Account			5,000
		To Share Forfeiture Account			5,000
		(Being 100 share of Rs. 100 each forfeited for non payment of call money of Rs. 50 each)			
	(b)	Bank Account	Dr.	7,000	
		Share Forfeiture Account	Dr.	3,000	
		To Share Capital Account			10,000
		(Being 100 forfeited shares reissued at a discount of Rs. 30 each)			
	(c)	Share Forfeiture Account	Dr.	2,000	
		To Capital Reserve Account			2,000
		(Being transfer to Capital Reserve Account)			
(iii)	(a)	Vendor's Account	Dr.	60,000	
		To Equity Share Capital Account			60,000
		(Being 600 equity shares of Rs. 100 each issued to vendors as part of purchase consideration)			

(b) जब हरण से पहले प्रीमियम प्राप्त किया जा चुका हो (When premium is received before forefeiture)—जिन अंशों पर हरण से पहले पूरा प्रीमियम प्राप्त किया जा चुका है उनके हरण में प्राप्त प्रीमियम को रद्द नहीं किया जा सकता। इसलिए प्रीमियम प्राप्त होने के बाद हरण की प्रविष्टि करने के लिए प्रीमियम की राशि पर ध्यान नहीं देते हैं अर्थात् प्रीमियम की राशि को (Ignore) कर देते हैं।

जैसे उपरोक्त उदाहरण में विनोद ने आवेदन के 30 रुपये तथा आबंटन के 45 रुपये का भुगतान कर दिया जबकि मांगी गई प्रथम, द्वितीय याचना का भुगतान नहीं किया। अंशों का हरण किया गया।

Entry : Share Capital A/c	Dr.	100	(Amount of Capital Called)
To Share First Call A/c		35	(Amount not received on First Call)
To Share Second Call A/c		15	(Amount not received on Second Call)
To Share Forfeiture A/c		50	(Amount actually received excluding premium)

(Being Shares issued at premium, forfeited)

(3) कटौती पर निर्गमित अंशों का हरण (Forfeiture of shares issued at a Discount)—यदि अंशों का निर्गमन पहले कटौती पर किया गया हो तथा बाद में भुगतान प्राप्त न होने के कारण उनका हरण किया जाता है तो हरण की प्रविष्टि में कटौती खाते को भी क्रेडिट किया जाता है।

उदाहरण—नवीन के पास किसी कम्पनी का 100 रुपये वाला एक अंश है जो 10% कटौती पर निर्गमित किया गया था। कम्पनी द्वारा उससे आवेदन पर 30 रुपये, आबंटन पर 10 रुपये (20 रुपये में से 10 रुपये कटौती को घटा कर) प्रथम याचना

पर 35 रुपये तथा द्वितीय याचना पर 15 रुपये मांगे गये। परन्तु उसने आवेदन के 30 रुपये देने के बाद अन्य राशियां नहीं चुकाई। अंशों का हरण किया गया।

Entry : Share Capital A/c	Dr. 100		(Amount of Capital Called)
To Share Allotment A/c		10	[Not received on allotment (excluding discount)]
To Discount on Issue of Shares A/c		10	(Amount of discount allowed)
To Share First Call A/c		35	(Not received on First Call)
To Share Second Call A/c		15	(Not received on Second Call)
To Share Forfeiture A/c		30	(Amount actually received)

(Being shares issued at a discount, forfeited)

नोट—कटौती पर निर्गमित अंशों का हरण करने की प्रविष्टि में इस बात का कोई प्रभाव नहीं पड़ता कि आबंटन राशि प्राप्त हुई या नहीं। कटौती पर निर्गमित अंशों का हरण करने पर 'Discount on Issue of Shares A/c' हमेशा क्रेडिट किया जाएगा। जैसे उपरोक्त उदाहरण में यदि नवीन आवेदन के 30 रु० तथा आबंटन के 10 रुपये (20 रुपये में से 10 रुपये कटौती घटाकर) दे देता तथा प्रथम और द्वितीय याचना राशि की मांग के बावजूद भुगतान नहीं करता है तो निम्न प्रविष्टि की जाएंगी।

Entry : Share Capital A/c	Dr. 100		(Amount of Capital Called)
To Share Discount A/c		10	(Amount not discount allowed)
To Share First Call A/c		35	(Amount not received on First Call)
To Share Second Call A/c		15	(Amount not received on Second Call)
To Share Forfeiture A/c		40	(Amount actually received)

(Being shares issued at a discount, forfeited)

हरण किये गये अंशों का पुनः निर्गमन
(Re-issue of Forfeited Shares)

हरण किये गये अंशों को पुनः निर्गमित करने का संचालकों को पूर्ण अधिकार है। पुनः निर्गमन में प्रायः एक मुश्त (Lump-Sum) सारी राशि ली जाती है। पुनः निर्गमन सम मूल्य पर, प्रीमियम पर या कटौती पर किया जा सकता है चाहे प्रथम निर्गमन किसी भी आधार पर किया गया हो। परन्तु यदि पुनः निर्गमन कटौती पर किया जाता है तो यह आवश्यक है कि कटौती की राशि पहले अंशधारी से जब्त की राशि से ज्यादा न हो। जैसे यदि जब्त किये गये अंशों पर 30 रुपये प्रति अंश प्राप्त हो चुका है तो पुनः निर्गमन में अधिकतम 30 रुपये प्रति अंश की कटौती दी जा सकती है। अंशों का पुनः निर्गमन पर निम्न प्रविष्टियां की जाती हैं।

(1) सम मूल्य पर पुनः निर्गमन (जब मूल निर्गमन सम मूल्य, प्रीमियम या कटौती पर था)

Re-issued at par (When originally issued at Par, Premium of Discount)

Bank A/c Dr.

To Share Capital A/c

(Being re-issue of Shares at par)

आवेदन पर प्राप्त अतिरिक्त राशि	1,500
3. 1,500 अंशों पर आबंटन पर देय राशि (1,500 × Rs. 4)	= 6,000
Less : आवेदन पर प्राप्त अतिरिक्त राशि	= 1,500
1,500 अंशों पर प्राप्त न हुई राशि	4,500
4. आबंटन पर देय कुल राशि (50,000 × Rs. 4)	= Rs. 2,00,000
Less : आवेदन पर प्राप्त कुल अग्रिम राशि	= Rs. 30,000
	= 1,70,000
Less : 1,500 अंशों पर न प्राप्त हुई राशि	4,500
आबंटन पर प्राप्त राशि	1,65,500

अधिकार अंश
(Right Shares)

एक विद्यमान कम्पनी द्वारा अपने वर्तमान अंशधारियों को अंशों का अनुगामी निर्गमन अधिकार अंश निर्गमन कहलाता है। कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 81 के अनुसार, "जहां कम्पनी के निर्माण से दो वर्षा के पश्चात या कम्पनी के प्रथम आबंटन एक वर्ष के पश्चात् जो भी पहले यदि संचालक मंडल अतिरिक्त अंशों का आबंटन करके कम्पनी की प्रार्थित पूंजी (Subscribed capital) को बढ़ाना चाहते हैं तो :

(i) ऐसे अतिरिक्त अंश उन व्यक्तियों को दिये जायेंगे जो उस तिथि को कम्पनी के अंशधारी होंगे—उनकी समता अंशधारिता अनुपात में।

(ii) ऐसे प्रस्ताव में प्रस्तुत अंशों की संख्या निर्दिष्ट करते हुए सूचना दी जायेगी तथा प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए कम से कम 15 दिन का समय अवश्य दिया जायेगा और यदि इस अवधि में प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाता तो यह माना जायेगा कि अंश ने प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

(iii) जब तक कम्पनी के अन्तर्नियम अन्यथा व्यवस्था रहेगी कि प्रस्तावग्रहीता अपने अधिकतम अंशों को किसी अन्य के पक्ष में त्याग सकते हैं।

(iv) निर्दिष्ट अवधि समाप्त होने पर या प्रस्तावग्रहीता से मनाही की सूचना आने पर संचालक मंडल इन अंशों को कम्पनी के लिए सर्वाधिक हितकारी तरीके से निपटाने के लिए कार्यवाही करेंगे।

यदि कम्पनी अपनी साधारण बैठक में एक विशेष प्रस्ताव पास करके ऐसा निर्णय ले या ऐसा साधारण बैठक में साधारण प्रस्ताव द्वारा पास करके उसे केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित करा लिया जाये तो ऐसे नये निर्गमित अंशों को विद्यमान समस्त अंशधारियों को प्रस्तुत किये जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

अधिकारपूर्ण प्रार्थित पूंजी
(Privileged Subscription)

विद्यमान साधारण अंशधारियों द्वारा उपर्युक्त विवरण के अनुसार जो अंश पूंजी ली जाती है उसे अधिकारपूर्ण प्रार्थित पूंजी कहते हैं। जहां पुराने अंशधारियों को कहानी द्वारा निगर्मित को अंशों को लेने के लिए साधारण जनता की तुलना में प्राथमिक अधिकार (Right of pre-emption) होता है वहां के बाजार मूल्य में इस अधिकार का भी मूल्य शामिल रहता है। अतः यह मूल्य अधिकार सहित (Cum-right) कहलाता है।

जब हस्तांतरण कर्त्ता द्वारा कम्पनी को अंशों के हस्तांतरण के लिए हस्तान्तरण विलेख पंजीकरण हेतु दिया जाता है और कम्पनी द्वारा इन अंशों का हस्तांतरण जिस समय तक नहीं किया जाता उस समय तक अधिकार वाले अंशों के अधिकार का प्रयोग अंश हस्तांतरित करने वाले अंशों पर प्रयोग नहीं किया जा सकता है। कम्पनी अधिनियम (संशोधित) 1988 की धारा 206A।

जब कभी अधिकार अंशों का निर्गमन किया जाता है तो कुछ अंशधारी ऐसे हो सकते हैं उन्हें कुछ पुराने अंशों के स्वामी होने के कारण जाने में अंश मिल रहे हों उनकी गणना करने पर अंशों का कुछ भाग भी उनमें शामिल हो। उदाहरणार्थ पुराने तीन अंशों पर एक नया अंश दिया जा रहा है तो एक 8 अंशों के स्वामी को $2\frac{2}{3}$ अंश मिलेंगे। परन्तु अंशों को टुकडों में दिया नहीं जा सकता है अतः इन खंडित अंशों के वितरण हेतु तरीका प्रयोग होगा। एक महत्त्वपूर्ण विधि है कि पुराने अंशधारी किन्हीं दो संचालकों को अपना ट्रस्टी नियुक्त करें। नये अंशों के टुकड़े उन ट्रस्टियों को आबंटित हों जो उनको बाजर में बेचकर अंशधारियों में उनके अधिकार अनुसार वितरण करें।

Illustration 23.

A company offers to its shareholders the right to by 3 shares at Rs. 14 for every share of Rs. 10 each held. The market value of share is Rs. 60 each. Calculate the value of the right assuming that the odd lot shares are sold at 10% less than their normal market value.

Solution.

Market Value of 5 shares held by the Shareholder @ Rs. 60 each	300
Add the price to be paid for acquiring 3 right shares @ Rs. 14 each	42
Total price of 8 shares	342
Less Provision for odd lot shares (loss)	34
	308

Average price of one share = $\frac{308}{8}$ = 38.50

Value of Right = Market price – Average price

= Rs. 60 – Rs. 38.5 = Rs. 21.50

Illustration 24.

The normal value of the equity shares of a company is Rs. 100 and the current market price is Rs. 765. The company issues right shares @ 1 equity share for every 4 existing shares held, the right share being issued at a premium of 40%.

From the above, calculate the value of the right

Solution :

	Rs.
Market value of 4 shares held @ Rs. 765 each	3,060
Add the price of one right share	140
Total Price of 5 Shares	3,200

Average pnce pers are = $\frac{3,200}{5}$ = Rs. 640

Value of right = Market price – Average price

= Rs. 765 – Rs. 640

= Rs. 125

ASSIGNMENTS

1. Define Joint Stock Company. What are its characterstics ?

   संयुक्त पूँजी कम्पनी की परिभाषा दीजिए। इसकी क्या विशेषताएँ हैं?

2. What is a 'Share' ? Explain different types of shares.

   'अंश क्या है? इसके विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

3. What do you mean by 'Over-subscription' and 'Under-subscription'? What options are available to deal with the excess money received on over, subscription.

   'अधिक–अभिदान' तथा न्यून–अभिदान से आप क्या समझते हैं ? अधिक–अभिदान पर प्राप्त आधिक्य के लिए कौन–कौन से विकल्प उपलब्ध हैं।

4. What is meant by shares issued at Premium? What are purposes, for which the share premium can be used ?

   'अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन' का क्या अर्थ है ? प्रीमियम राशि का प्रयोग किन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जा सकता है ?

5. Disscuss the legal provisions of the companies Act 1956 as regards :

   (i) Use of Share Premium

   (ii) Issue of Share at Discount

   निम्नलिखित के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम 1956 के प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

   (i) अंश प्रीमियम का उपयोग

   (ii) कटौती पर अंशों का निर्गमन

6. Can a company issue shares at discount? What conditions must be satisfied for issuing shares at discount?

   क्या कम्पनी अंशों को कटौती पर निर्गमित कर सकती है? अंशों को कटौती पर निर्गमित करने के लिए किन शर्तों को पूरा करना आवश्यक है।

7. What is the meaning of forfeiture of shares? When and how are share forfeited? Can forfeited shares be re-issued at discount? If so, to what extent ?

   अंशों के हरण का क्या अर्थ है ? अंशों को कब और कैसे जब्त किया जा सकता है ? क्या जब्त किये गये अंशों को कटौती पर पुनः निर्गमित किया जा सकता है? यदि हाँ, तो किस सीमा तक ?

8. What entries will you pass for the forfeiture of shares and their re-issue ?

   अंशों के हरण एवं पुनः निर्गमन पर आप क्या प्रविष्टियाँ करेंगे?

9. Write short notes on the following :

   निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

   (i) Reserve Capital (आरक्षित पूँजी)

   (ii) Over-Subscription (अधिक–अभिदान)

   (iii) Preliminary Expenses (प्रारम्भिक व्यय)

10. Write short notes on any three :

किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए—

(a) Calls-in-Advance (अग्रिम याचनाएँ)

(b) Calls in-Arrear (अदत्त याचनाएं)

(c) Minimum Subscription (न्यूनतम अभिदान)

(d) Issue of Shares at Premium (अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन)

(e) Issue of Share at Discount (अंशों का कटौती पर निर्गमन)

(g) Re-issue of Forfeited Shares (अनुपातिक आबंटन)

11. Distinquish between the following :

(a) Capital Reserve & Reserve Capital

(b) Authorised Capital and Issued Capital

(c) Called up Capital and Paid-up Capital

(d) Preference Share and Equity Share

निम्न में अन्तर स्पष्ट कीजिए—

(a) पूँजी संचय एवं आरक्षित पूँजी

(b) अधिकृत पूंजी एवं निर्गमित पूँजी

(c) याचित पूँजी तथा प्राप्त पूँजी

(d) पूर्वाधिकार अंश तथा समता अंश

QUESTIONS

Q.1. **(a)** Arora Tubes Ltd. issued a prospectus inviting aplications for 15,000 shares of Rs. 100 each, payable as follows: Rs. 25 on Application; Rs. 35 on Allotment; Rs. 25 on First Call and Rs. 15 on Final Call. All the shares were applied and alloted. Give Journal entries are opening Balance Sheet.

(b) गोरखपुर कमानी ने 100 रु. वाले, 10,000 अंशों का 6% बट्टे पर निर्गमन के लिए जनता को आमन्त्रित किया भुगतान इस प्रकार देय थे—

प्रार्थना पत्र पर 25 रु., आबंटन पर 34 रु.; प्रथम एवं अन्तिम माँग पर 35 रु.

9000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। सभी आवेदन पत्र स्वीकार कर लिए गये। सभी भुगतान जो देय था, प्राप्त हो गया। केवल 100 अंशों को छोड़कर जो याचना राशि देने में असमर्थ रहा। उनका हरण कर लिया गया। इनमें से 50 अंशों को 90 रु. प्रति अंश की दर से निर्गमित कर दिया गया। कम्पनी की जर्नल तथा रोकड़ बही में प्रविष्टियाँ कीजिए।

Ans. : Bank Balance Rs. 8,47,000; Capital Reserve Rs. 2,750; Share Forfeiture Alc Rs. 2,950.

Q. 2. Nav Lakshmi Ltd. issued a prospectus inviting aplications for 50,000 shares of Rs. 10 each. These shares were issued at par on-the following terms—On-Application Rs. 3, on allotment Rs. 4, on first call Rs. 2 and on final call the balance.

Applications were received for 60,000 shares. Allotments were made on the following basis—

(i) To applicants for 10,000 shares in full;

(ii) To applicants for 20,000 shares—15,000 shares;

(iii) To Aplicants for 30,000 shares—25,000 shares.

All excess amount paid on application is to be adjusted against amount due on allotment.

The share were fully called and paid up except the amount of allotment, first and final call not paid by those who applied for 2,000 shares out of the group applying for 20,000 shares. All the shares on which calls were not paid were forfeited by the Board of Directors. 1,000 forfeited shars were re-issued as fully paid on receipt of Rs. 8 per share.

नवलक्ष्मी लिमिटेड ने एक प्रविवरण जारी किया जिसमें 10 रु. वाले 60,000 अंशों के निर्गमन के लिए प्रार्थना–पत्र आमन्त्रित किए। ये अंश सममूल्य पर निम्न शर्तों पर निर्गमित किए गए—आवेदन पर 3 रु.; आबंटन पर 4 रु.; प्रथम याचना पर 2 रु. तथा शेष अन्तिम याचना पर देय था।

60,000 अंशों के लिए प्रार्थना–पत्र प्राप्त हुए। निम्न आधार आबंटन किया गया—

(1) 10,000 अंशों के आवेदकों को—सम्पूर्ण आबंटन

(2) 20,000 अंशों के आवेदकों को—15,000 अंश

(3) 30,000 अंशों के आवेदकों को—25,000 अंश

आवेदन–पत्र पर प्राप्त अतिरिक्त राशि को आबंटन पर देय राशि के लिए समायोजित किया जा सकता है। अंशों पर सम्पूर्ण राशि माँगी तथा चुकता हो गई थी, परन्तु 2,000 अंशों के आवेदकों द्वारा जो 20,000 अंशों के लिए प्रार्थना करने वाले ग्रुप में से ये आबंटन प्रथम याचना तथा अन्तिम याचना का भुगतान नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त सभी राशियाँ प्राप्त हो गईं।

समस्त अंशों का, जिन पर याचनाओं का भुगतान नहीं किया गया था, संचालक मण्डल ने अपहरण कर दिया। 1,000 अपहरित अंशों का 8 रु. प्रति अंश के हिसाब से, पूर्णदत्त अंशों में पुनः निर्गमन कर दिया गया।

Ans. : Capital Reserve Rs. 2,000; Share Forfeiture A/c Rs. 2,000; Amount Received on Allotment Rs. 1,65,500.

Q. 3. The Delhi Cloth Mills Ltd. invited applications for 10,000 Equity Shares of Rs. 100 each at a premium of Rs. 10 each payable as below :

Rs. 50 on Aplication;

Rs. 35 on Allotment (including premium), and

Rs. 25 on Call.

Applications for 15,000 Share were received. Applicants for 2,500 shares did not get any allotment and their money was returned. Allotment was made pro-rata to the remaining applicants.

Mr. A was allotted 20 shares. He failed to pay the amount due on allotment and call money. The company forfeited his shares and subsequently re-issued at Rs. 105 per share.

Show the Journal and Cash Book entries in the books of the company and also prepare the Balance Sheet.

दिल्ली क्लाथ मिल्स लि. ने 100 रु. वाले 10,000 समता अंशों के लिए 10 रु. प्रति अंश प्रब्याज पर निम्न प्रकार प्रार्थना–पत्र आमन्त्रित किए—

50 रु. प्रार्थना–पत्र के सा,

35 रु. आबंटन पर (प्रब्याज सहित), तथा

25 रु. याचना पर।

15,000 अंशों के लिए प्रार्थना–पत्र प्राप्त हुए। 2,500 अंशों के प्रार्थियों को कोई भी अंश आबंटित नहीं किया गया और उनका धन लौटा दिया गया। शेष आवेदकों को अनुपातानुसार आबंटन किया गया।

मि. ए को 20 अंश आबंटन किए गए थे। वह आबंटन पर देय धन तथा यथाचना राशि का भुगतान नहीं कर सका। कम्पनी ने उसके अंशों का हरण कर लिया। उसके बाद उन्हें 105 रु. प्रति अंश पर पुनः निर्गमित कर दिया।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल तथा रोकड़ बही प्रविष्टियाँ तथा चिट्ठा भी तैयार कीजिए।

Ans. : Bank Balance Rs. 11,01,150; Capital Reserve Rs. 1,250

Share Premium A/c Rs. 99,900; Share Forfeiture A/c Rs. NIL;

Total of B/s; Rs. 11,01,150; Amount received on allotment Rs. 2,24,550

Q. 4. Malihabad Company issued for public subscription 50,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 2 per share, payable as under:

On application Rs. 2 per share.

On allotment Rs. 5 per share (Including premium)

On first call, Rs. 2 per share.

On final call, Rs. 3 per share.

Applications were received for Rs. 75,000 equity shares. The shares were allotted to the applicants for 60,000 shares, the remaining application being refused. Money over-paid on application was utilised towards sum due on allotment.

Ram to whom 2,000 shares were allotted, failed to pay allotment and calls money and Shyam to whom 2,500 shares were allotted, failed to pay the two calls. These shares were subsequently forfeited after the call was made.

All the forfeited shares were sold to Shanker as fully paid up at Rs. 8 per share.

Pass the Journal entries required to record the above transactions.

मलीहाबाद कम्पनी ने 10 रु. वाले 50,000 साधारण अंशों को 2 रु. प्रति अंश पर प्रीमियम की दर से निर्गमित किया। इन पर निम्नलिखित प्रकार की राशियां देय हैं—

आवेदन–पत्र के साथ 2 रु. प्रति अंश

आबंटन पर 5 रु. प्रति अंश प्रीमियम सहित

प्रथम याचना पर 2 रु. प्रति अंश

अन्तिम याचना पर 3 रु. प्रति अंश

75,000 साधारण अंशों के लिए आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। 60,000 अंशों के आवेदकों के लिए आबंटन किया गया शेष आवेदन–पत्र अस्वीकृत कर दिये गये। आवेदन–पत्र की आधिक्य की राशि आबंटन पर देय राशियों के भुगतान के लिए प्रयोग की गई।

राम ने जिसकी कि 2,000 अंश आबंटित किये गये थे, आबंटन और दोनों याचना की राशियों का भुगतान नहीं किया। श्याम ने, जिसे 2,500 अंश आबंटित किये गये थे, दोनों याचनाओं में से किसी का भी भुगतान नहीं किया। इन अंशों का अन्तिम याचना किये जाने के बाद हरण कर लिया गया। सभी हरण किये हुए अंश 8 रु. प्रति अंश की दर से पूर्णदत्त के रूप में शंकर को बेच दिये गये।

उक्त व्यवहारों का लेखा करने के लिए प्रविष्टियाँ कीजिए।

Ans. : Capital Reserve Rs. 8,300; Amount received on Allotment Rs. 2,20,800; B/s Total Rs. 6,04,300.

Q. 5. A company issued for Public subscription 40,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 2 per share payable as under; on application Rs. 2 per share; on allotment Rs. 5 per share (including premium); on first call Rs. 2 per share; and on second call Rs. 3 per share.

Applications were received for 60,000 shares. Allotment was made pro-rata to the applicants for 48,000 shares, the remaining applications being refused. Money overpaid on application was utilised towards sums due on allotment.

Shri Ramdas to whom 1,600 shares were allotted failed to pay the allotment money and first and second call moneys and Shri Hussain to whom 2,000 shares were allotted failed to pay the two calls. These shares were subsequently forfeited after the second call was made. All the forfeited shares were sold to Shri Banerjee as fully paid up at Rs. 8 per share. Show the Journal entries so record the above transactions and prepare the Balance Sheet.

एक कम्पनी ने 10 रु. वाले 40,000 समता अंशों को 2 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित किया। इन पर निम्न प्रकार राशियाँ देय हैं—आवेदन पर 2 रु. प्रति अंश, आबंटन पर 5 रु. प्रति अंश (प्रीमियम सहित), प्रथम याचना पर 2 रु. प्रति अंश व द्वितीय याचना पर 3 रु. प्रति अंश।

60,000 अंशों के लिए आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। 48,000 अंशों के आवेदकों में आनुपातिक रूप से आबंटन किया गया, शेष आवेदन–पत्र अस्वीकृत कर दिए गए और उनकी राशि लौटा दी गई। आवेदन पत्र की आधिक्य की राशि आबंटन पर देय राशियों के भुगतान के लिए प्रयोग की गयी।

श्री रामदास ने, जिसको 1,600 अंश आबंटित किए गए थे आबंटन और याचनाओं की राशि का भुगतान नहीं किया और श्री हुसैन, जैसे 2,000 अंश आबंटित किए गए थे दोनों याचनाओं में से किसी का भी भुगतान नहीं किया। इन सभी अंशों का दूसरी याचना किए जाने के बाद हरण कर दिया गया। सभी हरण किए हुए अंश 8 रु. प्रति अंश की दर से पूर्णदत्त के रूप में श्री बैनर्जी को बेच दिए गए। कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए तथा आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिए।

Ans. Amount Received on Allotment Rs. 1,76,640; Bank Balance Rs. 4,83,440; Capital Reserve Rs. 6,640; Share Premium Rs. 76,800.

Q. 6. Chhipra limited issued a prospectus inviting applications for 2000 shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 2 per share payable as follows :

	Rs.	
On Application	2	
On Allotment	5	(including Premium)
On First Call	3	
On Second and Final Call	2	

Applications were received for 3000 shares and pro-rata allotment was made on the applications for 2,400 shares. Amount returned on 600 shares. Money overpaid on applications was employed on account of sum due on allotment. R to whom 40 shares were allotted failed to pay the allotment money and on his subsequent failure to pay the first call, his shares were forfeited. S, the holder of 60 shares failed to pay the two calls and his shares were forfeited after the second call.

Of the shares forfeited, 80 shares were sold to X credited as fully paid for Rs. 9 per share.

Show journal and cash book and the balance sheet.

छिप्रा लिमिटेड ने एक प्रविवरण जारी किया जिसमें 10 रु. वाले 2000 अंशों, जिनका निर्गमन 2 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर होना है, के लिए प्रार्थना–पत्र आमन्त्रित किए। भुगतान इस प्रकार होना था—

प्रार्थना–पत्र पर 2 रु. आबंटन पर 5 रु. (प्रीमियम सहित), प्रथम याचना 3 रु. और द्वितीय याचना 2 रु.।

3000 अंशों के लिए प्रार्थना–पत्र आये और 2,400 अंशों के प्रार्थियों को समानुपात कर दिया गया। 600 अंशों की राशि वापस कर दी गई।

प्रार्थना–पत्र के साथ जो राशि आई थी उसे आबंटन के साथ समायोजित कर लिया गया। और जिसे 40 अंश दिये गये थे आबंटन की राशि नहीं दे सका और प्रथम याचना का धन भी न देने पर उसके अंश अपरहित कर लिए गए। एस जिसके पास 60 अंश थे, प्रथम व द्वितीय याचना का धन नहीं दे पाया और दूसरी याचना के बाद उसके अंश अपहरित कर लिए गए। अपहरित अंशों में से 80 अंशों को पूर्णदत्त अंशों के रूप में रूप में एक्स को 9 रु. में बेच दिया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ तथा चिट्ठा बनाइये।

Ans. : Bank Balance Rs. 24,036; Share Forfeiture A/c 316

Hint : प्रश्न में यह नहीं बताया गया कि कौन से अंश पुनः निर्गमित किये हैं अतः अंशों के हरण की राशि को पूँजी संचय में हस्तांतरित नहीं करेंगे।

Q. 7. Bharat Tyres Ltd. invited application for 1,00,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 4 per share. The amount was payable as follows :

On Application	Rs. 6 (including premium Rs. 2)
On Allotment	Rs. 6 (including premium Rs. 2)

Balance on first and final call.

Applications for 1,50,000 shares were received. Allotment was made to all the applicants on pro-rata basis. Subodh, to whom 200 shares were allotted failed to pay allotment and call money. Vikram, to whom 100 shares were allotted failed to pay the call money. Their shares were forfeited and afterwards re-issued @ Rs. 8 per share fully paid up.

Pass the necessary journal entries.

Ans. Capital Reserve Rs. 1,200; Amount received on Allotment Rs. 2,99,400; Share Forfeited 1800 (After adjust preimum for excess received with app.) (1800 – 800 + 800)

Q. 8. A company issued for public subscription 75,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium Rs. 2 per share payable as under:

On application	Rs. 2 per share
On allotment	Rs. 5 per share (including premium)
On first call	Rs. 2 per share
On second call	Rs. 3 per share

Applications were received for 1,12,500 shares. Shares were allotted to the applicants for 90,000 shares, the remaining applications being rejected. Money overpaid on application was utilised towards sum due on allotment.

A to whom 3000 shares were allotted failed to pay the allotment money and two calls and B to whom 3,750 shares were allotted failed to pay the two calls. All these shares were forfeited after the final call, 5000 shares including all shares of A were reissued as fully paid shares of Rs. 7.50 per share excluding premium.

Give journal entries to record the above transaction in the books of the company.

Ans. : Capital Reserve Rs. 9,700

Q. 9. Appolo Sports Ltd. issued 20,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 3 per share payable Rs. 2 on application, Rs. 5 (including premium) on allotment, Rs. 3 on first call. Subscription was received for 22,000 shares and the directors, while making allotment, adjusted the excess money received on application to allotment due the repsect of 1000 shares. Three months after the date of allotment, the first call was made. The company received all money due excepting in the case of a holder of 300 shares from whom nothing other than application money was receive and in respect of another holder of 400 shares.in whose case the call money became overdue. The directors, after giving proper notice, forfeited the defaulting shares and re-issued them to shareholder for consideration of Rs. 3,750 duly received.

From the above show the Journal entries and prepare the Balance Sheet of the company.

अपोलो स्पोंटस लिमिटेड ने 10 रु. वाले 20,000 समता अंश 3 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित किए। इन पर निम्नलिखित प्रकार राशि देय है–2 रु. आवेदन पर, 5 रु. (प्रीमियम सहित) आबंटन पर, 3 रु. प्रथम याचना पर। 22,000 अंशों के लिए आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। संचालकों ने आबंटन करते समय आवेदन–पत्र की आधिक्य राशि को 1000 अंशों के आबंटन की देय राशि में समायोजित किया है। आबंटन के तीन माह बाद प्रथम याचना की गई। कम्पनी ने सभी देय राशियाँ कर लीं। केवल एक अंशधारी से, जिसके पस 300 अंश थे, आवेदन की राशि के अतिरिक्त अन्य कोई भी राशि प्राप्त नहीं हुई और 400 अंशों के एक–दूसरे अंशधारी से याचना की राशि प्राप्त नहीं हुई। संचालकों ने उन अंशों को जिन पर भुगतान नहीं हुआ। उचित सूचना देकर हरण कर लिया और उन्हें एक अंशधारी को 3,750 रु. में निर्गमित कर दिया। यह राशि प्राप्त हो गई।

उपर्युक्त से जर्नल लेखे कीजिए।

Ans. : Capital Reserve Rs. 1080.

Q. 10. Barahi Co. Ltd. made an issue of 10,000 shares of Rs. 10 each payable Rs. 3 on applicatio, Rs. 4 on allotment and the balance on call. 43,825 shares were applied for, including an application for 300 shares from a person who paid for the full face value of shares. Owing to over subscription, allotment were scaled down as follows :

Applicants for 11,825 shares (in respect of aplications for 500 or less) received 5750 shares (including the application, for 300 shares who got 150 shares). Applicants for 32000 shares (in respect of application for more than 500 shares) received 4250 shares.

The amounts received were first applied towards allotment and call money (after satisfying amount due on application) and any balance left was returned.

You are required to show the cash book and ledger accounts to record the above transactions.

बाराही कम्पनी लिमिटेड ने 10 रु. वाले 10,000 अंशों का निर्गमन किया जो आवेदन पर 3 रु. आबंटन पर 4 रु. तथा शेष याचना पर देय था। 43,825 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिनमें एक व्यक्ति जिसने 300 अंशों के आवेदित किया था अंशों के अंकित मूल्य का पूर्ण भुगतान कर दिया। अधि अभिदान के कारण आबंटन निम्नलिखित रूप में किया गया–

11,825 अंशों के आवेदकों ने (500 या इससे कम में आवेदन पत्रों के सम्बन्ध में) 5770 अंश प्राप्त किया (जिनमें 300 अंशों वाला आवेदक भी सम्मिलित था 150 अंश आबंटित किया गया, 32,000 अंशों के आवेदकों ने (500 अंशों से अधिक के आवेदन पत्रों के सम्बन्ध में) 4250 अंश प्राप्त किया।

प्राप्त धनराशि को पहले आबंटन तथा याचना राशि (आवेदन पत्र आवश्यक धनराशि को पूरा करने के उपरान्त) में प्रयोग किया गया तथा यदि कोई शेष है तो उसे वापस कर दिया गया।

उपर्युक्त लेन–देन को रोकड़ बही तथा खाता बही में दिखाइए।

Ans. : Bank Balance Rs. 1,00,000

Hint : Amount Received on App. Rs. 1,33,575, (43525 × Rs. 3) + Rs. 3000 = 1,36,575

Q. 1l. On 1st Febuary 1994, the directors of Rama Limited issued 50,000 equity shares of Rs. 10 each at 12 per share, payable as to Rs. 5 on application, Rs. 4 on allotment and the balance on 1st May 1994.

The lists were closed on 10th February 1994 by which date applications for 70,000 shares had been received of the cash received Rs. 40,000 was returned and Rs. 60,000 was applied to the amount due on allotment, the balance which was paid on 16th February 1994. All shareholders paid the call due on 1st May 1994 with the exception of one allottee of 500 shares. These shares were forfeited on 28th Sept. 1994 and reissued at Rs. 8 per share on Nov. 1, 1994.

Journalise these transactions.

1. फरवरी 1994 को रामा कम्पनी के संचालकों ने 10 रु. वाले 50,000 समता अंश, 12 रु. प्रति अंश के हिसाब से निर्गमित किए जिसमें 5 रु. प्रार्थना–पत्र पर 4 रु. आबंटन पर तथा शेष 1 मई 1994 को देय था।

10 फरवरी 1994 को सूचियाँ बंद हुईं तब तक 70,000 अंशों के लिए प्रार्थना–पत्र प्राप्त हो चुके थे। प्राप्त नकदी में से 40,000 रु. वापस कर दिए गए और 60,000 रु. को आबंटन में प्रयोग किया गया। आबंटन की शेष राशि 16 फरवरी 1994 को प्राप्त हो गई। सभी अंशधारियों ने देय याचनाओं का भुगतान 1 मई 1994 को कर दिया, सिवाय एक आबंटित सदस्य के जिसको 500 अंश आबंटित हुए थे। ये अंश 29 दिसम्बर, 1994 को हरण कर लिए गए और 1 नवम्बर, 1994 को 8 रु. प्रति अंश पर (पूर्णदत्त) पुनः निर्गमित किए गए।

इन लेन–देनों की जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

Ans. : Capital Reserve Rs. 2,500; Share Premium Rs. 1,00,000

Q. 12. Nath Pulp Ltd. issued a prospectus for the issue of 60,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 2.00 per share under the terms of the issue, the shares were to be paid for a follows :

1992 January 1, on application (including premium)	Rs. 5.00
February 1, on allotment	Rs.5.00
March 1, on First and Final call	Rs. 2.00

The issue was over subscribed. The applications received and allotment made are summared be bellow :

	Categories		
No. of applications	40	20	1
Shares applied for by each applicant	1,000	10,000	50,000
Shares Issued to each applicant	500	1,000	20,000

It was decided that amounts over paid on application were to be retained by the company and used in reduction of further sums due on shares alloted. All surplus contribution were refunded on 15th Februrary 1992. S who had subscribed Rs. 5,000 on an application for 1,000 share was unable to meet the claim due on March, 1. The directors forfeited his shares on April 1, 1992. All other shareholders paid the sums on the due dates. The directors re-issued the forfeited shares as fully paid to T on May 1, 1992. receiving a payment of Rs. 5,250. Pass necessary journal entries to record the above transation in the books of the company.

नाथ पल्प लिमिटेड ने 10 रु. वाले 60,000 समता अंशों को 2.00 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित करने के लिए प्रविवरण जारी किया। निर्गमन की शर्तों के अनुसार, अंशों पर भुगतान निम्न प्रकार किया जाना था—

	रु.
1 जनवरी, 1992 आवेदन पर (प्रीमियम सहित)	5,00
1 फरवरी, आबंटन पर	5.00
1 मार्च, प्रथम व अन्तिम माँग पर	2.00

निर्गमन अतिदत्त था। प्राप्त आवेदन–पत्र एवं आबंटन का सारांश नीचे दिये गया है—

		श्रेणियाँ	
	(अ)	(ब)	(स)
आवेदन–पत्रों की संख्या	40	20	1
प्रत्येक आवेदन द्वारा आवेदित अंश	1,000	10,000	50,000
प्रत्येक आवेदक को निर्गमित अंश	500	1,000	20,000

यह निर्णय किया गया कि आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि कम्पनी द्वारा रोक ली जाये तथा इसका उपयोग निर्गमित अंशों पर देय राशि को कम करने में किया जाए। 15 फरवरी, 1992 को समस्त आधिक्य अंशदान की राशि लौटा दी गई। एस जिसने 1,000 अंशों के लिए आवेदन पर 5,000 रु. का अभिदान किया था, 1 मार्च को देय राशि का भुगतान करने में असमर्थ रहा। संचालकों ने 1 अप्रैल, 1992 को उसके अंशों का हरण कर लिया। शेष सभी अंशधारियों ने देय तिथियों पर भुगतान कर दिया। संचालकों ने जब्त किये गये अंशों का 1 मई, 1992 को 5,250 रु. के बदले टी को पूर्णदत्त अंशों के रूप में पुर्ननिर्गमन कर दिया। उपरोक्त व्यवहारों को दर्ज करने के लिए कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Ans. : Capital Reserve Rs. 4,000

Q. 13. A Company was registered with a capital of Rs. 20 lakhs divided into 10,000 equity shares of Rs. 100 each and 10,000 6% preference shares of Rs. 100 each, payable as to Rs. 25 on application, Rs. 30 on allotment and the balance on first call. All these issues were made at a premium of 5%. Applications were received for the purchase of 15,000 preference shares and 8,000 equity shares. All the applicants for the purchase of equity shares were allotted shares in the company. The applications for the purchase of preference shares were allotted to pro-rata in the company. All the amounts were received except that Mr. Z who holds 200 preference shares failed to pay the amounts due on allotment and first call. The shares remaining unpaid were forfeited by the directors.

Journalise the above transactions and show these items in Balance Sheet.

एक कम्पनी का पंजीयन 20 लाख रु. की पूंजी से हुआ जो 100 रु. वाले 10,000 साधारण अंशों में तथा 100 रु. वाले 10,000 6% अधिमान अंशों में विभाजित थी। अंशों पर भुगतान इस प्रकार देय था—25 रु. प्रार्थना–पत्र पर 30 रु. आबंटन पर और शेष प्रथम माँग पर। इन सभी अंशों को 5% प्रीमियम पर निर्गमित कर दिया गया। 15,000 अधिमान अंशों को खरीदने के लिए तथा 8,000 साधारण अंशों को खरीदने के लिए प्रार्थना–पत्र आए। साधारण अंशों के खरीदने वाले सभी अंशधारियों को अंशों का आबंटन कर दिया गया। अधिमान अंशों के प्रार्थियों को यथानुपात आबंटन किया गया। Z से जिसे 200 अधिमान अंशों का आबंटन कर दिया गया, आबंटन तथा प्रथम माँग पर देय राशि प्राप्त नहीं हुई है। शेष सभी धन–राशि प्राप्त हो गई। संचालकों ने उन अंशों को जब्त कर लिया जिन पर राशियाँ अदत्त थी।

जर्नल में प्रविष्टियाँ दीजिए। तथा इन मदों को चिट्ठे में दिखाइए।

Ans. : Share Forfeiture A/c Rs. 7,500; Share Premium A/c Rs. 89,000 Bank Balance Rs. 18,76,500; Total of B/s Rs. 18,76,500.

Q. 14. A limited company was formed on 1st January with an authorised capital of Rs. 51akhs divided into 2,000 6% Preference shares of Rs. 100 each and 30,000 Equity shares of Rs. 10 each. It offered to the public one-half of preference shares and two-thires of equity shares payable as follows : 10% of the nominal amount on application, 20% on allotment, 20% on first call, 20% on second all and the balance when required.

Applications were received for 800 preference shares and 10,000 equity shares and the allotment was made on 15th February.

The first and the second calls were made on 1st April and 1st June respectively. The following amounts were received ten days after the due dates—

Rs. 16,000 for allotment money on preference shares and Rs. 19,000 for allotment money on equity shares. Rs. 15,000 for first call money on preference shares and Rs. 18,000 for first call money on equity shares. Rs. 14,000 for second call money on preference shares and Rs. 16,000 for second call money on equity shares.

Record these transactions in the Journal and cash book, and show how the share capital will appear in the company's Balance Sheet.

1 जनवरी को 5 लाख रु. की अधिकृत पूँजी से एक सीमित कम्पनी का निर्माण हुआ। पूँजी 100 रु. वाले 2,000, 6% पूर्वाधिकार अंशों तथा, 10 रु. वाले 30,000 समता अंशों में विभाजित है। जनता को आधे पूर्वाधिकार अंश तथा 2/3 समता अंश को निम्नलिखित प्रकार देय थे प्रस्तुत किये। आवेदन दर अंकित मूल्य का 10 प्रतिशत, आबंटन पर 20%, प्रथम याचना पर 20 प्रतिशत द्वितीय और शेष आवश्यकता पड़ने पर।

800 पूर्वाधिकार अंशों और 10,000 समता अंशों के लिए आवेदन–पत्र प्राप्त हुए और 15 फरवरी को आबंटन किया गया। पहली तथा दूसरी याचना क्रमशः 1 अप्रैल और 1 जून को की गई। नियत दिनांकों को दस दिन पश्चात् निम्नांकित धनराशि प्राप्त हुई—

16,000 रु. पूर्वाधिकार अंशों में आबंटन और 19,000 रु. समता अंशों के आबंटन पर।

15,000 रु. पूर्वाधिकार अंशों की प्रथम याचना और 18,000 रु. समता अंशों की प्रथम याचना पर।

14,000 रु. पूर्वाधिकार अंशों की द्वितीय याचना और 16,000 रु. समता अंशों की द्वितीय याचना पर।

इन व्यवहारों को प्रमण्डल के रोजनामचा और रोकड़ पुस्तक में लिखिये और दर्शाइयों कि पूँजी आर्थिक चिट्ठे में किस प्रकार लिखी जायेगी।

Ans. : Calls in Arrear on preference shares Rs. 3,000 on Equity shares Rs. 7,000 Total of Balance Sheet Rs. 1,16,000.

Q. 15. N. F. Limited was registered on 3rd March 1988 with an authorised capital of 1,00,000 shares of Rs. 100 each. 50,000 shares was offered to the public, the issue price being Rs. 110. From the following particulars make entires in the books of company and give ledger accounts (assuming the books are closed on 31st March).

1988

April 5 Received applications for 70,000 shares with a payment of Rs. 20 per share as application money.

April 20	Allotment made this day money due on allotment Rs. 40 (including premium). Applications for 45,000 shares were allotted in full, those for 20,000 shares were allotted 5,000 shares and applications for 5,000 shares were rejected. The articles provided that surplus money on applications after meeting allotment was to be retained against calls to be made.
May 15	Balance of amount due on allotment received.
Sept. 1	Make call of Rs. 30 per share, payable on Sept. 30.
Sept. 20	Received Rs. 10,52,000 against the call made.
Oct. 5	Received Rs. 2,22,000 against first call.
Dec. 1	Made call of the balance of the amount payable on Dec. 31.
Dec. 15	Received Rs. 8,50,000 against the final call.
Dec. 30	Received Rs. 90,000 against first call.
1999	
Jan. 10	Received Rs. 1,10,000 against the final call.

Ans. : First Call not Received Rs. 36,000; Second Call not received Rs. 40,000;

Hint :

			Rs.
(1)	Excess received on 15,000 shares (15,000 × Rs. 20)		= 3,00,000
	Less : Adjusted on Allotment on 5000 shares (5000 × Rs. 40)		= 2,00,000
	Calls in Advance		1,00,000
(2)	Amount due on Allotment on 50,000 shares (50,000 × Rs. 40)		= 20,00,000
	Less : Received in Advance with Applications		= 2,00,000
	Amount received on Allotment		= 18,00,000
(3)	Amount due on 1st Call on 50,000 shares (50,000 × Rs. 30)		= 15,00,000
	Less :		
	Received in Advance	1,00,000	
	Received on 20th Sept. 1998	10,52,000	
	Received on 5th Oct. 1998	2,22,000	
	Received on 30th Dec. 1998	90,000	14,64,000
	Due against First Call		36,000
(4)	Amount due on IInd Call on 50,000 shares (50,000 × Rs. 20)		1,00,000
	Less :		
	Received on 15th Dec. 1999	8,50,000	
	Received on 10th Jan. 1999	1,10,000	9,60,000
	Due against Second Call		40,000

❒

अध्याय-2

पूर्वाधिकार अंशों का शोधन

(Redemption of Preference Shares)

शोधन का सामान्य अर्थ है ''धन वापिस देना'। पूर्वाधिकार अंशों के शोधन का अर्थ है कि पूर्वाधिकार अंशधारियों को उनकी पूंजी वापिस करना।

सामान्यतः कोई भी कम्पनी अपने जीवन काल में अपनी चुकता पूंजी को वापिस नहीं कर सकती। परन्तु केवल विशेष परिस्थितियों में नयायालय के आदेश से कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 100 का पालन करते हुए कम्पनी अपनी पूंजी वापिस कर सकती है।

शोध्य पूर्वाधिकार अंश उपरोक्त नियम का अपवाद है अर्थात् एक कम्पनी द्वारा जारी किये गये शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का धन लौटाने के लिए कम्पनी को न्यायालय से आज्ञा लेने की आवश्यकता नहीं है।

भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा 80 के अनुसार, यदि अन्तर्नियम अनुमति दें तो एक कम्पनी शोध्य पूर्वाधिकार अंश जारी कर सकती है तथा एक पूर्वनिर्धारित तिथि को या कम्पनी की इच्छानुसार कभी भी (जोकि अंश जारी करने के समय तक कर दिया जाता है) उसका भुगतान कर सकती है।

शोध्य पूर्वाधिकार अंशों के निर्गमन एवं शोधन के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम की धारा 80 के अन्तर्गत कुछ शर्तें लगाई गइ्र हैं जो निम्नलिखित हैं—

शोध्य पूर्वाधिकार अंशों के निर्गमन की शर्तें
(Conditions for Issue of Redeemable Preference Shares)

(1) अंशों द्वारा सीमित कम्पनी (Company Limited by Shares)—शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन केवल ऐसी कम्पनी द्वारा किया जा सकता है जिसने सदस्यों का दायित्व उनकी अंश पूंजी तक सीमित है।

(2) अन्तर्नियमों द्वारा अनुमति (Authorised by Articles)—शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन तभी किया जा सकता है जब कम्पनी के अन्तर्नियम इस प्रकार के निर्गमन की अनुमति प्रदान करते हों।

शोध्य पूर्वाधिकार अंशों के शोधन की शर्तें
(Conditions for the Redemption of Redeemable Preference Shares)

शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का शोधन करने के लिए कम्पनी अधिनियम की धारा 80 द्वारा लगाई गई अनेक शर्तों का पालन करना आवश्यक है। ये शर्तें इस प्रकार हैं—

(1) अंश पूर्ण दत्त होने चाहिएं (Shares should be fully paid)—ऐसे अंशों का शोधन करने के लिए आवश्यक है कि शोधन के समय अंश पूर्ण दत्त हो। आंशिक दत्त अंशों का शोधन करने से पूर्व उन अंशधारियों से अदत्त याचनाओं की मांग करके उन्हें पूर्ण दत्त किया जाना चाहिए।

(2) लाभांश के लिए उपलब्ध लाभों में से या नये निर्गमन से शोधन (Redemption out of profits available for dividends or out of fresh issue of shares)—इन अंशों के शोधन के लिए (1) या तो कम्पनी के ऐसे लाभों का प्रयोग किया जा सकता है जो अंशधारियों को लाभांश वितरण के लिए उपलब्ध हो। (2) या उस धन राशि का प्रयोग किया जा सकता है जो इनके भुगतान के लिए निर्गमित किए गए नए अंशों से प्राप्त की गई हो। नये अंश समता अंश या पूर्वाधिकार अंश हो सकते हैं। ये नये अंश सममूल्य, कटौती या प्रीमियम पर निर्गमित किये जा सकते हैं।

(3) यदि पूर्वाधिकार अंशों का शोधन कम्पनी के लाभांश के लिए उपलब्ध लाभों में से किया जाता है तो कम्पनी के लाभ–हानि खाते तथा संचय कोषों में से पूर्वाधिकार अंशों के अंकित–मूल्य (Nominal Value) के बराबर राशि पूंजी शोधन संचय खाते (Capital Redemption Reserve Account) में अवश्य हस्तान्तरित करनी चाहिए।

(4) लाभांश के लिए उपलब्ध होने वाले लाभ निम्न हैं अर्थात् इन्हें पूंजी शोधन संचय खाते (Capital Redemption Reserve A/c) में हस्तान्तरित किया जा सकता है–

(i) लाभ–हानि खाता (P & L A/c)

(ii) संचय कोष (Reserve Fund)

(iii) सामान्य संचय खाता (General Reserve A/c)

(iv) कर्मचारी दुर्घटना कोष (Workmen Accident Fund)

(v) कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष (Workmen Compensation Fund)

(vi) लाभांश समानीकरण कोष (Dividend Equalisation Fund)

(vii) ऋण पत्र शोधन कोष (Debenture Redemption Fund)

(viii) बीमा कोष (Insurance Fund)

(ix) मरम्मत कोष (Repair Fund)

(x) सिकिग कोष (Sinking Fund)

(5) निम्न लाभों को पूंजी शोधन संचय खाते में हस्तान्तरित नहीं किया जा सकता अर्थात् इन खातों में से लाभांश नहीं बांटा जा सकता। क्योंकि ये लाभ लाभांश के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

(i) समामेलन से पूर्व के लाभ (Profit Prior to Incorporation)

(ii) पूंजी संचय खाता (Capital Reserve Account)

(iii) अंश प्रीमियम खाता (Share Premium Account)

(iv) अंश हरण खाता (Share Forfeiture Account)

(v) विकास छूट कोष (Development Rebate Reserve)

(6) पूंजी शोधन संचय खाता (Capital Redemption Reserve A/c) का प्रयोग बोनस अंश (Bonus Shares) देने के लिए किया जा सकता है अथवा पुनर्निर्माण के समय कम्पनी की पूंजी में कमी की योजना (Capital Reduction Plan) में किया जा सकता है क्योंकि यह खाता एक प्रकार से कम्पनी की चुकता पूंजी के समान है।

(7) यदि पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के समय नये अंश निर्गमित किये गये हैं परन्तु उनका मूल्य (प्रीमियम को छोड़कर तथा कटौती को घटाकर यदि कोई हो तो) शोधन किये जाने वाले पूर्वाधिकार अंशों के अंकित मूल्य (Face Value) से कम है तो कमी की राशि को पूंजी शोधन संचय खाते (Capital Redemption Reserve A/c) में हस्तांतरित करना आवश्यक है।

(8) यदि नये निर्गमित अंशों का मूल्य (प्रीमियम छोड़कर तथा कटौती घटाकर यदि कोई हो तो) शोधन किये जाने वाले पूर्वाधिकार अंशों के अंकित मूल्य के बराबर है या ज्यादा है तो पूंजी शोधन संचय खाता (Capital Redemption Reserve Account) बनाने की आवश्यकता नहीं है।

(9) यदि पूर्वाधिकार अंशों का शोधन प्रीमियम पर करना है तो देय प्रीमियम की राशि का आयोजन आवश्यक है। इसके लिए अंश प्रीमियम खाते (Share Premium A/c) या नये निर्गमन से प्राप्त प्रीमियम या लाभ–हानि खाते (Profit and Loss Account) में से, देय प्रीमियम के बराबर राशि पूर्वाधिकार अंशों के शोधन पर प्रीमियम खाते (Premium on Redemption of Preference Share Account) में हस्तान्तरित करनी चाहिए।

(10) कम्पनी (संशोधन) अधिनियम 1988 के अनुसार प्रत्येक कम्पनी को अपने पूर्वाधिकार अंशों का शोधन 10 वर्षों के अन्दर करना होगा। अब कोई भी कम्पनी ऐसे पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन नहीं कर सकती जो कि अशोधनीय (Irredeemable) हो या जिनका शोधन (Redemption) 10 वर्षों के बाद होना हो।

(11) यदि किसी कम्पनी ने कम्पनी (संशोधन) अधिनियम 1988 लागू होने से पहले अशोधनीय पूर्वाधिकार अंश जारी कर रखे हैं तो इस अधिनियम के लागू होने के 5 वर्ष के अन्दर उनका शोधन करना आवश्यक है।

(12) ऋण पत्रों का निर्गमन करके पूर्वाधिकार अंशों का शोधन नहीं किया जा सकता लेकिन ऋण पत्रों पर प्राप्त प्रीमियम का उपयोग पूर्वाधिकार अंशों पर देय प्रीमियम चुकाने के लिए किया जा सकता है।

विशेष—(1) पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के लिए निर्गमित किये गये अंशों से अंश पूंजी की वद्धि नहीं मानी जाती।

(2) पूर्वाधिकार अंशों के शोधन से कम्पनी की पूंजी में कमी नहीं मानी जाती।

(3) नये अंशों के निर्गमन से एक महीने के अन्दर पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान हो जाना चाहिए।

नये निर्गमित अंशों के मूल्य का अर्थ

(i) यदि नये अंश सम मूल्य पर निर्गमित किये जाते हैं तो—अंशों का अंकित मूल्य।

(ii) यदि नये अंश प्रीमियम पर निर्गमित किये जाते हैं तो—अंशों का अंकित मूल्य (अर्थात् प्रीमियम को छोड़कर, क्योंकि धारा 78 के अनुसार अंश प्रीमियम खाते से पूर्वाधिकार अंशों का शोधन नहीं किया जा सकता।)

(iii) यदि नये अंश कटौती पर निर्गमित किये जाते हैं तो—वास्तव में प्राप्त राशि (अर्थात् अंकित मूल्य में से कटौती की राशि घटाकर)।

टिप्पणियां
(Notes)

(1) यदि नये निर्गमित अंश पूर्ण दत्त (Full Paid) नहीं है तो सम मूल्य व प्रीमियम पर निर्गमित किये गये अंशों की प्राप्त अंकित राशि तथा कटौती पर निर्गमित किये गये अंशों की वास्तव में प्राप्त राशि नये निर्गमित अंशों की राशि मानी जाएगी।

(2) यदि पूर्वाधिकार अंशों के बदले में नये सामान्य अंश या नये पूर्वाधिकार अंश दिये जाएं तो पूर्वाधिकार शोधन खाता बनाना आवश्यक नहीं है।

शोधन पर प्रीमियम का भुगतान

धारा 80 के अनुसार शोधन पर देय प्रीमियम का आयोजन अंश प्रीमियम खाते से या लाभों से किया जाएगा अर्थात् प्रीमियम देने के लिए पूंजीगत लाभों का भी प्रयोग हो सकता है।

प्रश्न हल करने के लिए ध्यान देने वाली कुछ बातें—

1. सर्वप्रथम यह निश्चित करें कि पूर्वाधिकार अंशों के शोधन पर कुल कितनी राशि देनी हैं यह राशि दो भागों में निकाली जाएगी।
   (i) पूर्वाधिकार अंशों का अंकित मूल्य
   (ii) शोधन पर दिया जाने वाला प्रीमियम
2. यदि पूर्वाधिकार अंश आंशिक चुकता (Partly Paid) है तो पहले उन्हें पूर्णदत्त (Fully Paid) करने के लिए आवश्यक लेखे करने चाहिए।
3. यदि प्रश्न में केवल नये अंश निर्गमित करके शोधन करने को कहा गया हो तो पूंजी शोधन खाता बनाने की आवश्यकता नहीं है।
4. यदि पूर्वाधिकार अंशों का आंशिक शोधन नये निर्गमन तथा आंशिक शोधन लाभों में से करना हो तो निम्न परिस्थितियां दी जा सकती हैं—

(i) नये निर्गमन की राशि बात दी जाए जो शोधन की राशि से कम है तो कमी की राशि से (लाभांश के लिए उपलब्ध लाभों से पूंजी शोधन खाता बनाना चाहिए।

(ii) यदि यह कहा जाए कि आवश्यकतानुसार नये अंश निर्गमित किये जाएंगे—तो उपलब्ध लाभों का पूर्ण उपयोग करने के बाद यदि शोधन की राशि से कम राशि बनती है तो शेष राशि निकाल कर उसके नये अंश निर्गमित करने चाहिए।

5. यदि चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिया गया बैंक शेष पर्याप्त नहीं है तो निम्न तरीकों से अतिरिक्त धन की व्यवस्था की जा सकती है—

(i) कोई सम्पत्ति या विनियोग बेचकर—ऐसी स्थिति में बिक्री पर होने वाले लाभ या हानि को लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरित करना चाहिए।

(ii) नये अंश निर्गमित करके।

(iii) बैंक से उधार लेकर—यदि चिट्ठे में दिखाया गया बैंक शेष कम है तथा सम्पत्ति बेचने या नये अंश निर्गमित करने को नहीं कहा तो यह मानकर प्रश्न हल करना चाहिए कि कम्पनी ने कमी की राशि बैंक से उधार ली है।

पूर्वाधिकार अंशों के शोधन पर लेखांकन
(Accounting Treatment on Redemption of Preference Shares)

पूर्वाधिकार अंशों के शोधन पर एवं नये अंशों के निर्गमन पर निम्न प्रविष्टियां की जाती हैं—

Step I. नये अंश निर्गमित करने पर निम्न तीन में से कोई भी एक प्रविष्टि की जाएंगी—

(i) सममूल्य का निर्गमन (Issue at Par)

Bank A/c Dr.

To Share Capital A/c

(ii) प्रीमियम का निर्गमन (Issue at Premium)

Bank A/c Dr.

To Share Capital A/c

To Share Premium A/c

(iii) कटौती पर निर्गमन (Issue at Discount)

Bank A/c Dr.

Discount on Issue Dr.

To Share Capital A/c

Step II. आंशिक चुकता अंशों को पूर्णतः चुकता करने के लिए

(i) अन्तिम याचना राशि मांगने पर

Preference Share Final Call A/c Dr.

To Preference Share Capital A/c

(ii) अन्तिम याचना का भुगतान प्राप्त करने पर

Bank A/c Dr.

To Preference Share Final Call A/c

Step III. शोधन पर दिये जाने वाले प्रीमियम का आयोजन—यह प्रीमियम कम्पनी के लिए हानि है। अतः इसके लिए पहले अंश प्रीमियम को व नये निर्गमन से प्राप्त प्रीमियम का उपयोग किया जाएगा और यदि पर्याप्त राशि का इन खातों से प्रबन्ध न हो तो शेष राशि की पूर्ति लाभ–हानि खाते से की जाएगी।

Share Premium A/c Dr. (with the Amount of Premium Payable on Redemption)

or Profit and Loss A/c Dr.

To Premium on Redemption of Preference Share A/c

(Being Arrangement of Premium due on redemption of Preference Share)

Step IV. लाभ व सामान्य संचय का पूंजी शोधन खाते में हस्तान्तरण—अब पूर्वाधिकार अंशों के अंकित मूल्य (Face Value) (अर्थात् दी जाने वाली प्रीमियम छोड़कर) की तुलना नये निर्गमित किये गये अंशों के मूल्य (प्राप्त प्रीमियम को न जोड़ते हुए तथा कटौती की राशि को घटाते हुए) से की जाएगी। यदि नये निर्गमन का मूल्य शोधन पर देय राशि से कम है तो कमी के बराबर राशि से पूंजी शोधन संचय खाता बनाया जाएगा।

Profit & Loss A/c Dr.

General Reserve A/c Dr. (as the case may be)

Reserve Fund A/c Dr.

Dividend Equalisation Fund A/c etc. Dr.

To Capital Redemption Reserve A/c

(Being profits transferred to Capital Redemption Reserve A/c)

Step V. पूर्वाधिकार अंशों की अंश पूंजी तथा प्रीमियम की कुल देय राशि को पूर्वाधिकार अंशधारियों के खातें में हस्तान्तरित करने पर

Redeemable Preference Share Capital A/c Dr.

Premium on Redemption of Preference Share A/c Dr.

To Redeemable Preference Shareholders A/c

(Being Preference Share Capital and premium payable transferred to Preference Shareholders A/c)

Step VI. पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान करने पर

Redeemable Preference Shareholders A/c Dr.

To Bank A/c

(Being amount of capital and premium paid to preference shareholders)

नोट—यदि पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान पर प्रीमियम नहीं देना हो तो Step V की प्रविष्टि में प्रीमियम वाले भाग को छोड़कर निम्न प्रविष्टि की जाएगी

Redeemable Preference Share Capital A/c Dr.

To Redeemable Preference Shareholders A/c

अंशों का परिवर्तन
(Conversion of Shares)

Redeemable Preference Share Capital A/c Dr.

To Equity Share Capital

or To New Preference Share Capital

नोट—ऐसी स्थिति में पूंजी शोधन संचय खाता बनाने की आवश्यकता नहीं है।

Illustration 1.

The Following steps were taken for the redemption of Rs. 3,00,000 preference shares on 1st January, 1999.

1 2,000 Equity shares of Rs. 100 each issued at a premium of 10% of which all amounts are duly received.

2. 1,000 13% Debentures of Rs. 100 issued at par of which all amounts are duly received.

3. Investments costing Rs. 1,00,000 sold at Rs. 95,000.

4. Redeemable Preference shares are redeemed at a premium of 10%.

Make out necessary Journal Entries of above transactions in the books of X Ltd. Assuming the following balances :

		Rs.
1.	Shares Premium A/c	8,000
2.	Profit and Loss A/c	40,000
3.	General Reserve A/c	1,00,000

The directors wish that minimum reduction should be made in General Reserve. Also draw up the Balance Sheet after redemption to show the above items.

1 जनवरी, 1999 को 3,00,000 रुपये के पूर्वाधिकारी अंशों के शोधन के लिए निम्नलिखित कार्यवाही की गई।

1. 100 रु० वाले 2,000 सामान्य अंश 10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किये गये जिनकी सम्पूर्ण राशि प्राप्त हो गई।

2. 100 रु० वाले 1,000 13 प्रतिशत ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित किये गये जिनकी सम्पूर्ण राशि प्राप्त हो गई।

3. 1,00,000 रु० की लागत के विनियोग 95,000 रु० में बेच दिये।

4. शोधनीय पूर्वाधिकारी अंशों का शोधन 10 प्रतिशत प्रीमियम पर कर दिया गया।

उपरोक्त लेन–देनों का लेखा करने हेतु एक्स लि० की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां खातों के निम्न शेष मानते हुए कीजिए।

1.	अंश प्रीमियम खाता	8,000 रुपये
2.	लाभ हानि खाता	40,000 रुपये
3.	सामान्य संचय खाता	1,00,000 रुपये

संचालक चाहते हैं कि सामान्य संचय का कम–से–कम किया जाए। शोधन के बाद एक चिट्ठा बनाकर उपरोक्त मदों को दर्शाइये।

Solution :

JOURNAL

				Rs.	Rs.
	Bank A/c	Dr.		2,20,000	
	To Equity Share Capital A/c				2,00,000
	To Share Premium A/c				20,000

	(Being shares issued at Premium)			
	Bank A/c Dr.		1,00,000	
	To 13% Debentures A/c			1,00,000
	(Being debentures issued at par)			
	Bank A/c Dr.		95,000	
	Profit and Loss A/c Dr.		5,000	
	To Investment A/c			1,00,000
	(Being sale of investment at Loss)			
	Share Premium A/c Dr.		28,000	
	Profit and Loss A/c Dr.		2,000	
	To Premium on Redemption A/c			30,000
	(Being premium on redemption arranged from share Premium A/c and Profit & Loss A/c)			
	Profit and Loss A/c Dr.		33,000	
	General Reserve A/c Dr.		67,000	
	To Capital Redemption Reserve A/c			1,00,000
	(Being creation of capital redemption reserve from P & L A/c and General Reserve)			
	Preference Share Capital A/c Dr.		3,00,000	
	Premium on Redemption A/c Dr.		30,000	
	To Preference Share holders A/c			3,30,000
	(Being preference share capital nd premium due)			
	Preference Shareholders A/c Dr.		3,30,000	
	To Bank A/c			3,30,000
	(Being amount payment made)			

BALANCE SHEET

(after redemption)

Liablities	Rs.	Assets	Rs.
Equity Share Capital 2,000 share of Rs. 100 each	2,00,000	Cash at Bank	85,000
General Reserve	33,000		
Capital Redemption Reserve	1,00,000		
Debentures	1,00,000		

Working Notes :

		Rs.	Rs.
1.	Calculation of Balance at Bank :		
	Receipts from fresh issue of Shares (2,00,000 + 20,000)		2,20,000
	Receipts from issue of Debentures		1,00,000
	Sale Price of Investments		95,000
			4,15,000
	Less : Cash Paid on Reemption (3,00,000 + 30,000 Premium)		3,30,000
	Balance at Bank		85,000
2.	Calculation of Premium of Redemption Charged to P & L A/c		
	Premium payable on Redumption		30,000
	Less : Balance of Share Premium A/c	8,000	
	Premium Received	20,000	28,000
	Remaining amount to be charged from P & L A/c		2,000
3.	Calculation of Balance in P & L A/c available for Capital Redemption Reserve :		
	Balance of Profit & Loss A/c		40,000
	Less : Loss on Sale of Investment	5,000	
	Transferred to Premium on Redemption	2,000	7,000
	Balance available for Capital Redemption Reserve		33,000
4.	Calculation of Amount transsferred from General Reserve to Capital Redemption Reserve :		
	Face value of Redemoble Preference Share		3,00,000
	Less : Face Value of Equity Shares issued		2,00,000
	Capital Redemption Reserve Required		1,00,000
	Less : Balance available in P & L		33,000
	Charged from General Reserve		67,000

नोट—ऋणपत्र निर्गमित करके पूर्वाधिकार अंशों का शोधन नहीं किया जा सकता इसलिए 1,00,000 रु० (3,00,000) रु० —2,00,000 रु०) का Capital Redemption Reserve बनाया जाएगा।

आंशिक चुकता पूर्वाधिकार अंशों का शोधन एवं चिट्ठा
(Redemption of Partly Paid Preference Shares and Preparation of Balance Sheet)

कम्पनी अधिनियम की धारा 80 के अनुसार केवल पूर्णदत्त पूर्वाधिकार अंशों का शोधन किया जा सकता है अर्थात् आंशिक चुकता (Partly Paid) पूर्वाधिकार अंशों का शोधन तब तक नहीं हो सकता जब तक ये पूर्णदत्त (Fully Paid) न हो जाए। अतः आंशिक चुकता (Partly Paid) पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के लिए पहले न मांगी गई राशि (Uncalled Amount) उनसे अन्तिम

याचना के रूप में मांगी जाएगी। इस प्रकार वे पूर्णदत्त अंश पूंजी बढ़ जाएगी। इस प्रकार वे पूर्णदत्त (Fully Paid) हो जायेंगे। तब उनका शोधन किया जाएगा।

इस नियम के कारण कम्पनी की पूर्वाधिकार अंश पूंजी बढ़ जाएगी जिससे कम्पनी को अधिक राशि के नये अंश निर्गमित करने पड़ेंगे या Capital Redemption Reserve बनाना होगा। यह नियम कम्पनी के ऋणदाताओं तथा लेनदारों के हित को ध्यान देते हुए बनाया गया है। वे चाहते हैं कि कम्पनी अपनी पूंजी में कमी न करे क्योंकि कम्पनी की पूंजी और Capital Reserve जितने ज्यादा होंगे उनके ऋण उतने ही ज्यादा सुरक्षित रहेंगे।

Illustration 2.

Following items were indicated in the Balance Sheet of Vikas Ltd.

(a) 5,000 Preference Shares of Rs. 100 each Rs. 70 per share paid

(b) Share Premium Rs. 50,000

(c) Capital Redemption Reserve Fund Rs. 2,00,000

(d) General Reserve Rs. 5,00,000

Preference shares are to be redeemed at a premium of 5% on 1st January 1999. For purpose the company has issued 5,000 Equity Shares (Rs. 60 per share) at Rs. 70 per share payable as follows:

Rs. 20 on application, Rs. 35 (including premium) on allotment and balance on call.

By assuming that all amounts on allotment have duly been received and preference shares redeemed on due date, make journal entries in the books of the company and prepare its balance sheet. It is policy of the company to use general reserve as minimum as possible.

विकास लि० के आर्थिक चिट्ठे में निम्न मदें दर्शायी गयी थीं।

(अ) 5,000 पूर्वाधिकार अंश 100 रु० प्रति अंश जिन पर 70 रु० प्रति अंश प्रदत्त है।

(ब) अंश प्रीमियम 50,000 रु०।

(स) पूंजी शोधन संचित कोष 2,00,000 रु०।

(द) सामान्य संचय 5,00,000 रु०।

पूर्वाधिकार अंशों का 5% प्रीमियम पर 1 जनवरी, 1999 को शोधन किया जाना है। इसके लिए कम्पनी ने 5,000 समता अंशों (60 रु० प्रति अंश) का निर्ममन 20 रु० प्रति अंश पर किया है जिसका भुगतान निम्नलिखित प्रकार किया जायेगा—

20 रु० प्रार्थना–पत्र के साथ, 35 रु० (जिसमें प्रीमियम की राशि भी शामिल है) आबंटन पर और शेष याचना पर।

यह मानते हुए कि कम्पनी को आबंटन पर कुल राशि का भुगतान प्राप्त हो गया और पूर्वाधिकार अंशों को निर्धारित समय पर विमोचन कर दिया गया है कम्पनी के खातों में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए तथा आर्थिक चिट्ठे का प्रारूप भी तैयार कीजिए। कम्पनी की नीति है कि सामानय संचय का न्यूनतम उपयोग किया जाये।

Solution :

JOURNAL

				Rs.	Rs.
	Preference Share Final Call A/c	Dr.		1,50,000	
	To Preference Share Capital A/c				1,50,000
	(Being final call due on 5,000 shares @ Rs. 30 per share)				

Bank A/c Dr.		1,50,000	
To Preference Share Final Call A/c			1,50,000
(Being final call received)			
Bank A/c Dr.		1,00,000	
To Equity Share Application A/c			1,00,000
(Being Application money received on 5,000 Equity Shares @ Rs. 20 per share)			
Equity Share Application A/c Dr.		1,00,000	
To Equity Share Capital A/c			1,00,000
(Being Application money transferred to share capital A/c)			
Equity Share Allotment A/c Dr.		1,75,000	
To Equity Share Capital A/c			1,25,000
To Share Premium A/c			50,000
(Being allotment money due)			
Bank A/c Dr.		1,75,000	
To Equity Share Allotment A/c			1,75,000
(Being allotment money received)			
Share Premium A/c Dr.		25,000	
To Premium on Redemption			25,000
(Being premium on Redemption arranged from share premium A/c)			
Capital Redemption Reseve Fund Dr.		2,00,000	
To Capital Redemption Reserve A/c			2,00,000
(Being Capital Redemption fund transferred to capital Redemption Reserve A/c)			
General Reserve A/c Dr.		75,000	
To Capital Redemption Reserve A/c			75,000
(Being balance of amount required for redemption provided from General Reserve)			
Preference Share Capital A/c Dr.		5,00,000	
Premium on Redemption A/c Dr.		25,000	
To Preference Shareholders A/c			5,25,000
(Being amount due on redemption)			
Preference Shareholders A/c Dr.		5,25,000	
To Bank A/c			5,25,000
(Being payment made)			

BALANCE SHEET

(after redemption)

	Rs.		Rs.
Equity Share Capital:			
Issued & Subscribed Capital			
5,000 Shares of Rs. 60 each	3,00,000		
Called up and Paid Capital			
5,000 Shares @ Rs. 45 per Share	2,25,000		
Share Premium A/c	75,000		
General Reserve A/c	4,25,000		

Working Notes:

1. शोधन से पूर्व, आंशिक चुकता पूर्वाधिकार अंशों पर 30 रु० प्रति अंश की दर से अन्तिम याचना की राशि नकद प्राप्त की जाएगी।

2. प्रश्न में नये निर्गमित अंशों की Allotment की राशि की याचित की गई है तथा वह प्राप्त हो गई है। अर्थात् याचना राशि की याचना नहीं की गई है। अतः नये निर्गमन का मूल्य कुल प्राप्त 2,75,000 रुपये में से प्रीमियम प्राप्ति के 50,000 रु० घटा कर शेष 2,25,000 रु० माना जाएगा।

3. Calculation of Amount charged from General Reserve :

Total Amount required for Redemption of Preference Shares		5,00,000
Less : Balance of Capital Red. Reserve Fund	2,00,000	
Amount received on issue of equity share (excluding premium)	2,25,000	4,25,000
Amount to be transferred from General Reserve to Capital Redemption Reserve		75,000

4. यदि प्रश्न में Capital Redemption Reserve Fund दिया हो तो इसका अर्थ है कि कम्पनी ने Preference Shares Redeem करने के लिए Fund बना रखा है अतः Capital Redemption Reserve A/c में पहले इसका उपयोग करेंगे फिर शेष राशि से नया निर्गमन या Capital Redemption Reserve बनायेंगे। परन्तु यदि प्रश्न में Capital Redemption Reserve Account दिया हो तो इसका अर्थ है कि पिछली बार जब कम्पनी ने पूर्वाधिकार अंशों का शोधन किया था तब यह Reserve बनाया गया था तथा इसका अभी तक उपयोग नहीं किया गया है। इसका उपयोग हम दोबारा Capital Redemption Reserve A/c बनाने के लिए नहीं कर सकते। यह खाता केवल अंशधारियों को पूर्णतः चुकता बोनस अंश देने के काम आता है।

Illustration 3.

31 दिसम्बर, 1997 को निर्माण कार्य करने के लिए 10 लाख रु० की अधिकृत पूंजी वाली एक कम्पनी की स्थापना की गई। अधिकृत पूंजी 10 रु० वाले 50,000 सामान्य अंशों और 100 रु० वाले 5,000 अधिमान अंशों में विभाजित है। उस तिथि को फर्म का चिट्ठा निम्नलिखित प्रकार था—

	Rs.			Rs.
Share Capital:		**Fixed Assets**		4,00,000
Issued and Subscribed		**Current Assets:**		
25,000 Equity shares of Rs. 10 each	2,50,000	Stock	1,00,000	
2,000 6% Redeemable Preference shares of Rs. 100 each	2,00,000	Debtors	1,50,000	
Reserves and Surplus :		Bank	1,40,000	3,90,000
Profit and Loss A/c	2,60,000			
Share Premium	20,000			
Current Liabilities :				
Creditors	60,000			
	7,90,000			7,90,000

On 1st January, 1999 the preference shares were redeemed at premium of 12% after complying with the requirements of the Companies Act. For this purpose, the company issued equity shares of Rs. 1,00,000 at a premium of 15 per cent. Show the necessary ledger accounts to record the above transactions and prepare the Balance Sheet of the company after redemption.

1 जनवरी, 1999 को, कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों की पूर्ति करने के बाद, शोध्य अधिमान अधिमान अंशों का 12 प्रतिशत प्रीमियम पर शोधन कर दिया गया। इस हेतु कम्पनी ने 1,00,000 रु० के सामान्य अंश 15 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किये। उपर्युक्त लेनदेनों को दिखाने के लिए खाते तैयार कीजिए तथा शोधन के बाद कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

EQUITY SHARE CAPITAL A/C

		By Balance b/d	2,50,000
To Balance c/d	3,50,000	By Bank A/c	1,00,000
	3,50,000		3,50,000

SHARE PREMIUM A/C

To Premium on Redemption A/c	24,000	By Balance b/d	20,000
To Balance c/d	11,000	By Bank A/c	15,000
	35,000		35,000

PREMIUM ON REDEMPTION A/C

To Preference Shareholders A/c	24,000	By Share Premium A/c	24,000
	24,000		24,000

PROFIT & LOSS A/C

To Capital Redemption Reserve A/c	2,00,000	By Balance b/d	2,60,000
To Balance c/d	60,000		
	2,60,000		2,60,000

PREFERENCE SHAREHOLDERS A/C

To Bank	2,24,000	By Premium on Redemption	24,000
		By 6% Redeemable Preference Share Capital A/c	2,00,000
	2,24,000		2,24,000

CAPITAL REDEMPTION RESERVE A/C

To Balance c/d	2,00,000	By P & L A/c	2,00,000
	2,00,000		2,00,000

BANK A/C

To Balance b/d	1,40,000	By Preference Shareholders A/c	2,24,000
To Equity Share Capital A/c	1,00,000	By Balance c/d	31,000
To Share Premium A/c	15,000		
	2,55,000		2,55,000

6% REDEEMABLE PREFERENCE SHARE CAPITAL A/C

To Preference Shareholders A/c	2,00,000	By Balance b/d	2,00,000
	2,00,000		2,00,000

BALANCE SHEET (after redemption)

Share Capital :		**Fixed Assets**	4,00,000
Issued and Subscribed:		**Current Assets :**	

35,000 shares of Rs. 10 each	3,50,000	Stock	1,00,000	
Reserve & Surplus		Debtors	1,50,000	
Capital Redemption Reserve	2,00,000	Bank Balance	31,000	2,81,000
Share Premium	11,000			
Profit & Loss A/c	60,000			
Current Liabilities :				
Creditors	60,000			
	6,81,000			6,81,000

Illustration 4.

Show Journal entries and ledger accounts for the under mentioned transactions:

X Co. Ltd. has issued 2,00,000. 6% Redeemable preference shares of Rs. 100 each. Under the terms of the issue of shares, redemption was to take place on 1st April, 1993. A general reserve of Rs. 1,25,000 had already been built up out of past profits. For the purpose of redemption, 75,000 new 5% preference shares of Rs. 100 each were offered to the public at a premium of Rs. 75,000 new 5% preference shares of Rs. 100 each were offered to the public at a premium of Rs. 50 payable in full on application. The new issue was fully subscribed and paid for. There upon 6% Redeemable Preference Shares were redeemed.

Solution:

JOURNAL ENTRIES

1.	Bank Account	Dr.	1,12,50,000	
	To 5% Preference Share Capital Account			75,00,000
	To Share Premium Account			37,50,000
	(Being the issue of 75,000 5% Preference Shares of Rs. 100 each at a premium of Rs. 50 per share payable in full on application)			
2.	General Reserve Account	Dr.	1,25,00,000	
	To Capital Redemption Reserve Account			1,25,00,000
	(Being Rs. 1,25,00,000 transferred to Capital Redemption Reserve Account)			
3.	6% Redeemable Preference Share Capital Account	Dr.	2,00,00,000	
	To 6% Redeemable Preference Shareholders Account			2,00,00,000
	(Being redemption carried out)			
4.	6% Redeemable Preference Shareholders Account	Dr.	2,00,00,000	
	To Bank Account			2,00,00,000
	(Being 6% Redeemable Preference Shareholders paid Rs. 2,00,00,000)			

Note: 6% Redeemable Preference Shares of Rs. 2,00,00,000 have been redeemed partly out of the proceeds of fresh issue (Rs. 75,00,000) and partly out of the accumulated profits (Rs. 1,25,00,000).

Ledger Account

6% REDEEMABLE PREFERENCE SHARE CAPITAL ACCOUNT

	Rs.		Rs.
To 6% Preference Shareholders Account	2,00,00,000	By Balance b/d (2,00,000 × 100)	2,00,00,000

5% PREFERENCE SHARE CAPITAL ACCOUNT

	Rs.		Rs.
To Balance c/d	75,00,000	By Bank Account (75,000 × 100)	75,00,000

CAPITAL REDEMPTION RESERVE ACCOUNT

	Rs.		Rs.
To Balance c/d	1,25,00,000	By General Reserve Account	1,25,00,000

SHARE PREMIUM ACCOUNT

	Rs.		Rs.
To Balance c/d	37,50,000	By Bank Account	37,50,000

6% REDEEMABLE PREFERENCE SHAREHOLDER ACCOUNT

	Rs.		Rs.
To Bank Account	2,00,00,000	By 6% Redeemable Share Capital	2,00,00,000

BANK ACCOUNT

	Rs.		Rs.
To Balance c/d	?	By 6% Redeemable Preference Share-holders Account	2,00,00,000
To 5% Preference Share Capital Account	75,00,000	By Balance c/d	?
To Share Premium Account	37,50,000		

Illustration 5.

A Company issues on 1-1-1987 10,000, 7% Preference Shares of Rs. 100 each redeemable on 1st January 1992, at a premium of Rs. 10 each.

In order to meet this obligation, a fresh issue of equity capital is made on 1st December 1991 of 5,000 shares of Rs. 100 each at a premium of Rs. 20 per share. The balance amount necessary for redemption of Preference shares is drawn out of the reserves created out of profits.

Give the necessary Journal entries to give effect to the above transaction in the books of the company.

Solution:

JOURNAL ENTRIES

			Rs.	Rs.
1-1-87	Bank Account	Dr.	10,00,000	
	To 7% Preference Share Capital Account			10,00,000
	(Being the issue of 10,000 7% Preference Share of Rs. 100 each at par)			
1-12-91	Bank Account	Dr.	6,00,000	
	To Equity Share Capital Account			5,00,000
	To Share Premium Account			1,00,000
	(Being the issue and allotment of 5,000 shares of Rs. 100 each at a premium of Rs. 20 each)			
1-1-92	7% Redeemable Preference Share Capital Account	Dr.	10,00,000	
	Premium on Redemption of Preference Share Account	Dr.	1,00,000	
	To Preference Shareholders Account			11,00,000
	(Being the amount payable to Preference Shareholders on redemption)			
1-1-92	Share Premium Account	Dr.	1,00,000	
	To Premium on Redemption of Preference Shares Account			1,00,000
	(Being the entry necessary to write off the Premium on Redemption of Preference Shares Account)			
1-1-92	Reserve Fund Account	Dr.	5,00,000	
	To Capital Redemption Reserve Account			5,00,000
	(Being the amount transferred to Capital Redemption Reserve Account—the amount uncovered (Rs. 11,00,000 - Rs. 6,00,000) by the issue of shares)			

Illustration 6.

The following is the summarised Balance Sheet C Ltd. as on 30th September, 1992.

Share Capital	Authorised Rs.	Issued Rs.		Rs.
8% Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each	64,000	56,000	Fixed Assets	2,00,000
Equity Shares of Rs. 10 Each fully paid	2,04,000	1,68,000	Current Assets	1,20,000
	2,68,000	2,24,000		

Share Premium		7,000		
Profit & Loss Account		61,000		
Creditors		28,000		
		3,20,000		3,20,000

The Preference shares were redeemed on 10th October, 1992, at a premium of 10%. No trace could be found of the holders of 12 Preference Shares.

You are required to give the journal entries in the books of the company and draw up the resultant Balance Sheet in a sununarised form.

Solution.

JOURNAL ENTRIES

	Rs.	Rs.
Share Premium Accounts Dr.	5,600	
To Premium on Redemption of Preference Shares Account		5,600
(Being the premium on redemption; provided out of the Share Premium Account)		
Profit and Loss Account Dr.	56,000	
To Capital Redemption Reserve Account		56,000
(Being the amount transferred to Capital Redemption Reserve Account as required by low nominal value of shares redeemed transferred)		
8% Redeemable Preference Share Capital Account Dr.	56,000	
Premium on Redemption of Preference Shares Account Dr.	5,600	
To Preference Shareholders Account		61,600
(Being the amount payable on redemption of preference shares transferred to Preference Shareholders Account)		
Preference Shareholders Account Dr.	60,280	
To Bank Account		60,280
(Being the payment made to the preference shareholders holding 548 shares (560-12)		

Balance Sheet of C Ltd.

as on 10th October, 1992

Capital & Liabilities	Rs.	*Property & Assets*		Rs.
Authorised Share Capital		Fixed Assets		2,00,000
8% 640 Redeemable Preference		Current Assets	1,20,000	

Shares of Rs. 100	64,000	*Less* Cash paid on Redemption		
20,400 Equity Shares of Rs. 10 each	2,04,000	on preference Shares	60,280	59,720
Issued Subscribed & paid up	1,68,000			
capital 16,800 Equity Shares of				
Rs. 10 each fully called up and paid up				
Capital Redemption Reserve A/c	56,000			
Share Premium Account	1,400			
Profit & Loss Account	5,000			
Preference Shareholders Account	1,320			
Creditors	28,000			
	2,59,720			2,59,720

Notes:

1. Authorised Share Capital has been changed because redemption of preference shares is not regarded as a reduction of authorised capital by law.
2. Amount belonging to holders of 12 preference shares has been shown in the preference shareholders Account as a current liability which can be claimed by the holders of these shares.

Illustration 7.

The following is the summarised Balance Sheet of a company as on 30th April, 1993:

	Rs.		Rs.
Issued Subscribed & Paid up Capital		Sundry Assets	18,00,000
4,000, 8% Redeemable Preference		Cash at Bank	6,60,000
Shares of Rs. 100 each fully called			
up and paid up	4,00,000		
3,000, 9% Redeemable Preference			
Shares of Rs. 100 each Rs. 80			
paid up	2,40,000		
10,00,000 Equity Shares of Rs. 10			
each fully called up and paid up	10,00,000		
Share Premium Account	50,000		
Revenue Reserve	5,00,000		
Current Liabilities	2,70,000		
	24,60,000		24,60,000

It was decided to redeem both the classes of preference shares on 30th June, at a premium of 5%. In May 1993, the company issued for cash so many equity shares of Rs. 10 each as were necessary to provide for redemption of both

classes of preference shares which could not otherwise be redeemed. The issue was fully subscribed and all the money were received.

You are required to give the journal entries in the books of the company and draw up the amended Balance Sheet.

Solution.

JOURNAL ENTRIES

			Rs.	Rs.
?	9% Redeemable Preference Share Final Call Amount	Dr.	60,000	
	To 9% Redeemable Preference Share Capital Account			60,000
	(Being final call of Rs. 20 per share made in compliance of section 80 of the Companies Act, shares can be redeemed only if they are fully paid up)			
?	Bank Account	Dr.	60,000	
	To 9% Redeemable Preference Share Final Call Account			60,000
	(Being cash received on account of final call)			
30-6-93	Share Premium Account	Dr.	35,000	
	To Premium on Redemption of Preference Shares Account			35,600
	(Being the premium payable on redemption provided out of Share Premium Account)			
30-6-93	Revenue Reserve Account	Dr.	5,00,000	
	To Capital Redemption Reserve Account			5,00,000
	(Being the amount transferred to Capital Redemption Reserve Account as required by law)			
?	Bank Account (1)	Dr.	2,00,000	
	To Equity Share Capital Account			2,00,000
	(Being the amount received on issue of 20,000 equity shares of Rs. 10 each)			
June 30	8% Redeemable Preference Share Capital Account	Dr.	4,00,000	
	9% Redeemable Preference Share Capital Account	Dr.	3,00,000	
	Premium on Redemption of Preference Share Account	Dr.	35,000	
	To Bank Account			7,35,000
	(Being the repayment of the redeemable preference shares at a premium of 5%)			

Balance Sheet of
as at 30th June, 1993

	Rs.		Rs.
Issued Subscribed & Paid up Capital		Sundry Assets	18,00,000
1,20,000 Equity shares of Rs. 10 each		Cash at Bank	1,85,000
fully called up and paid up	1,20,000		
Capital Redemption Reserve A/c	5,00,000		
Share Premium Account	15,000		
Current Liabilities	2,70,000		
	19,85,000		19,85,000

Note: (1) Amount required to redeem the preference shares which could not be redeemed out of the profits available for dividend is the follows:

Total nominal value of the Redeemable Preference Shares	Rs. 7,00,000
Less : Amount available out of Revenue Reserve	Rs. 5,00,000
Amount made available from the proceeds of fresh issue of shares	Rs. 2,00,000

Illustration 8.

The Balance Sheet of Grey Ltd. as at 31st December, 1992 was as follows:

Liablities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital (share of Rs. 10 each,		Fixed Assets	8,00,000
Fully paid):		Investments	1,00,000
Equity	5,00,000	Cash	2,00,000
7% Redeemable Preference	3,00,000	Other Current Assets	5,00,000
Share Premium	50,000		
Capital Reserve	1,00,000		
Revenue Reserve	2,00,000		
6% Debentures	3,00,000		
Creditors	1,50,000		
	16,00,000		16,00,000

Both the Redeemable Preference Shares and Debentures were due for redemption on January 1, 1993.

Grey Ltd. took the following steps in this respect:

1. It issued 2,000 equity shares of Rs. 100 each at a premium of 10%, the shares were fully subscribed and paid for.
2. It sold the investments for Rs. 90,000.
3. It arranged a bank overdraft to the extent necessary.

The redemption was duly carried out. Prepared the Balance Sheet of the company immediately afterwards.

Solution.

M/s Grey Ltd.

BALANCE SHEET

As on January 1, 1993

	Rs.		Rs.
Equity Share Capital :		Fixed Assets	8,00,000
(Shares of Rs. 100 each)	7,00,000	Other Current Assets	5,00,000
Reserve & Surplus:			
Share Premium	70,000		
Capital Redemption Reserve A/c	1,00,000		
Capital Reserve	1,00,000		
Revenue Reserves	90,000		
Current Liabilities:			
Creditors	1,50,000		
Bank Overdraft	90,000		
	13,00,000		13,00,000

Working Notes:

(1)	Ascertaining the Bank Overdraft:		Rs.
	Cash in hand		2,00,000
	Add Sale Proceeds on Equity Issue		2,20,000
	Add Sale Proceeds of Investments		90,000
			5,10,000
	Less Payment to Redeemable Preference shareholders and debenture holders (Rs. 3,00,000 + Rs. 3,00,000)		6,00,000
			90,000
(2)	Revenue Reserve:		2,00,000
	Given Balance	Rs.	
	Less Transfer to Capital Redemption	1,00,000	
	Reserve Account	10,000	
			1,10,000
	Loss on Sale of Investments		90,000

समीकरण के प्रयोग से नए निर्गमन की राशि ज्ञात करना
(Determining the Amount of New Issue With the Help of Equation)

अनेक बार प्रश्न में कम से कम नये अंश प्रीमियम पर या कटौती पर निर्गमित करने होते हैं तथा पूर्वाधिकार अंशों का शोधन भी प्रीमियम पर करना होता है। ऐसी स्थिति में यदि चिट्ठे में दिया गया प्रीमियम, पूर्वाधिकार अंशों पर देय प्रीमियम से अधिक हो तो, देय प्रीमियम को चिट्ठे में दिए गये प्रीमियम से अपलिखित कर लिया जाता है तथा उपलब्ध लाभों को पूंजी शोधन खाते में हस्तांतरित करके शेष राशि के नये अंश निर्गमित कर दिये जाते हैं। परन्तु समस्या तब उत्पन्न होती है जब चिट्ठे में दिया गया प्रीमियम, पूर्वाधिकार अंशों पर देय प्रीमियम से कम हो तथा नये अंश प्रीमियम पर निर्गमित किए जाएं। ऐसी स्थिति में निम्न समीकरण का प्रयोग करना चाहिए।

(A) जब नये अंश प्रीमियम पर निर्गमित किए जाएँ
(When Fresh Issue is Offered at Premium)

$$\begin{pmatrix}\text{Amount Payable to}\\ \text{Preference Shareholers}\\ \text{Including Premium}\end{pmatrix} - \begin{pmatrix}\text{Premium Given}\\ \text{in B / S}\end{pmatrix} - \begin{pmatrix}\text{Divisible}\\ \text{Profits}\end{pmatrix} = \begin{pmatrix}\text{'X'}\\ \text{Amount of}\\ \text{fresh issue}\end{pmatrix} + \begin{pmatrix}\text{'X'} \times \text{Rate of}\\ \text{Premium on}\\ \text{new issue}\end{pmatrix}$$

(B) नये अंश कटौती पर निर्गमित किए जाएँ
(When Fresh Issue are Offered at Discount)

यदि प्रश्न में दिया गया प्रीमियम पूर्वाधिकार अंशों पर देय प्रीमियम से कम हो तथा नये अंश कटौती पर निर्गमित किए जाए तो पहले दिये गये समीकरण में "(+ '×' *X* Rate of Premium of new issue) के स्थान पर (– '×' *X* Rate of Discount on new issue) का प्रयोग करेंगे।

$$\begin{pmatrix}\text{Amount Payable to}\\ \text{Preference Shareholers}\\ \text{Including Premium}\end{pmatrix} - \begin{pmatrix}\text{Premium Given}\\ \text{in B / S}\end{pmatrix} - \begin{pmatrix}\text{Divisible}\\ \text{Profits}\end{pmatrix} = \begin{pmatrix}\text{'X'}\\ \text{Amount of}\\ \text{fresh issue}\end{pmatrix} - \begin{pmatrix}\text{'X'} \times \text{Rate of}\\ \text{Premium on}\\ \text{new issue}\end{pmatrix}$$

Illustration 9.

The Banalce Sheet of XYZ Ltd. as on 31 st March, 1999 was as follows :

31 मार्च, 1999 को एक्स वाई जैड लिमिटेड का चिट्ठा निम्न था—

Libilities	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.
Issued Share Capital:		**Fixed Assets**	6,00,000
Redeemable Preference Share Capital 2,500 share of Rs. 100 each	2,50,000	**Current Assets**	60,000
Equity Share Capital Fully paid	4,00,000	Debtors	1,40,000
General Reserve	1,02,500	Cash at Bank	
Share Premium A/c	20,000		
Creditors	27,500		
	8,00,000		8,00,000

It was decided to redeem the preference shares on the above date at a premium of 12%. For this purpose minimum number of new equity shares of Rs. 10 each are issued at a premium of 5%. Pass necessary journal entries and prepare the revised balance sheet.

उपरोक्त तिथि को पूर्वाधिकार अंशों का 12 प्रतिशत प्रीमियम पर शोधन करने का निर्णय किया गया। इस उद्देश्य के लिए कम से कम संख्या में नये समता अंश 5 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किये गये। आवश्यक रोचनामचा प्रविष्टियां कीजिए तथा संशोधित चिट्ठा बनाइए।

Solution:

Let Fresh issue be X

∴ 5% Premium on fresh issue is = $\frac{5X}{100}$

using the equation

$$2,50,000 + 30,000 = 20,000 + 1,02,500 + \frac{X+5X}{100}$$

$$\text{(Preference Capital)} + \text{(Premium Payable)} = \left[\begin{array}{l}\text{Premium Given} \\ \text{in B/S}\end{array}\right] + \left[\begin{array}{l}\text{Divisible Profits and} \\ \text{General Reserve}\end{array}\right]$$

or $$2,80,000 = 1,22,500 + X + \frac{5X}{100}$$

or $$2,80,000 - 1,22,500 = X + \frac{5X}{100}$$

or $$1,57,500 = X + \frac{X}{20}$$

or $$1,57,500 = \frac{20X+X}{20}$$

or $$1,57,500 = \frac{21X}{20}$$

by cross multiplication we get

$$20 \times 1,57,500 = 21\ X$$

or $$21\ X = 31,50,000$$

Thus $$X = 1,50,000$$

So, 15,000 equity share of Rs. 10 will be issued.

जाँच

(Verification)

नये निर्गमन से 7,500 रु० प्रीमियम प्राप्त होगा तथा 20,000 अंश प्रीमियम खाते में है इन दोनों का Premium on Redemption में प्रयोग करने से प्रीमियम खाते में 2,500 रु० की कमी रह जाएगी जिसे General Reserve से पूरा किया जायेगा। अब General Reserve का शेष 1,00,000 रु० (1,02,500 – 2,500 रु०) 1,50,000 रु० प्राप्त करने आवश्यक हैं।

नोट—नये निर्गमन की की गणना एक अन्य पद्धति से भी कर सकते हैं—

कुल देय राशि (प्रीमियम सहित) में से पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के लिए कुल उपलब्ध राशि (विभाज्य लाभों में तथा अंश प्रीमियम में) के अन्तर पर निम्न सूत्र का प्रयोग किया जा सकता है।

To Pay Rs. 105 issue shares of the Face Value of Rs. 100

" " Rs. 1 " " " " " " " " " " " " $= \frac{100}{105}$

" " Rs. (Amount of Shortage) " " " " " " $= \frac{100}{105} \times$ Amount of Shortage

जैसे उपरोक्त प्रश्न में प्रीमियम सहित कुल (2,50,000 + 30,000) 2,80,000 रु० देते हैं तथा प्रीमियम सहित कुल (1,02,500 + 20,000) 1,22,500 रु० उपलब्ध हैं। अतः 1,57,500 रु० की कमी है।

To Pay Rs. 105 issue shares of the Face Value of Rs. 100

" " Rs. 1 " " " " " " " " " " " " $= \frac{100}{105}$

" " Rs. 1,57,500 " " " " " " " " " " $= \frac{100}{105} \times$ 1,57,50

= 1,50,000

So the share of the Face Value of Rs. 1,50,000 will be issued.

JOURNAL

				Rs.	Rs.
	Bank A/c	Dr.		1,57,500	
	To Equity Share Capital A/c				1,50,000
	To Share Premium A/c				7,500
	(Being shares issued at premium)				
	Share Premium A/c	Dr.		27,500	
	General Reserve A/c	Dr.		2,500	
	To Premium on Redemption				30,000
	(Being premium on Redemption arranged)				
	General Reserve A/c	Dr.		1,00,000	
	To Capital Redemption Reserve A/c				1,00,000
	(Being General Reserve transferred to capital redemption reserve)				
	Redeemable Preference Share Capital A/c	Dr.		2,50,000	
	Premium on Redemption A/c			30,000	
	To Preference Shareholders A/c				2,80,000
	(Being amount due to preference shareholders)				
	Preference Shareholders A/c	Dr.		2,80,000	
	To Bank A/c				2,80,000
	(Being payment made)				

BALANCE SHEET

(After Redemption)

	Rs.		Rs.
Equity Share Capital		Fixed Assets	6,00,000
55,000 Shares of Rs. 10 each	5,50,000	Debtors	60,00
Capital Redemption Reserve	1,00,000	Cash at Bank	17,500
Creditors	27,500	(1,40,000 + 1,57,500 – 2,80,000)	
	6,77,500		6,77,500

बोनस अंश निर्गमित करना
(Issue of Bonue)

एक कम्पनी के लाभों में से कर व अन्य आयोजनों की राशि को घटाने के बाद शेष राशि अंशधारियों को लाभांश के रूप में वितरित की जानी चाहिए, परन्तु अच्छी कम्पनियां अपने लाभों का कुछ भाग पुनः विनियोग करने के रख लेती हैं। जब इस प्रकार बचाई गई व पुनः विनियोजित की गई राशि काफी ज्यादा हो जाती है तो कम्पनी की अंश पूंजी व वास्तव में विनियोजित पूंजी में बहुत अन्तर हो जाता है। इसे दूर करने के लिए, अर्थात् विनियोजित पूंजी को वास्तविक पूंजी के निकट लाने के लिए लाभों के पूंजीकरण की आवश्यकता होती है। इसलिए कम्पनियां अपने सारे पिछले अर्जित लाभ या उनके एक भाग को अंश पूंजी में परिवर्तित कर सकती हैं। कम्पनी अपने वर्तमान अंशधारियों को बिना कुछ लिए (Free of Charge) आनुपातिक आधार (Pro-rata basis) पर जो अंश वितरित करती हैं उन्हें बोनस अंश (Bonus Shares) कहते हैं।

बोनस अंश के रूप में कम्पनी अपने विद्यमान आंशिक चुकता अंशों को पूर्णतः चुकता भी घोषित कर सकती है तथा ये पूर्णतः चुकता अंश भी वितरित कर सकती है। यदि संचालक चाहे तो दोनों कार्य भी हो सकते हैं। पहले आंशिक चुकता अंशों को बोनस से पूर्णतः चुकता घोषित करके नये बोनस अंश भी वितरित कर सकते हैं।

बोनस अंशों के सम्बन्ध में SEBI (Securities and Exchange Board of India) ने अनेक दिशा–निर्देश जारी किए हैं जिनमें से प्रमुख निम्न हैं—

1. बोनस, अंशों का वितरण लाभों से या ऐसे कोषों से जो लाभों में से बनाए गये हैं या नकद प्राप्त किए गए प्रीमियम से किया जा सकता है।
2. पुनर्मूल्यांकन कोष या संचय (Revaluation Reserve) से बोनस अंशों का निर्गमन नहीं किया जा सकता।
3. आंशिक चुकता अंशों पर, पूर्णतः चुकता होने से पहले, बोनस अंशों का वितरण नहीं किया जा सकता।
4. कम्पनी के अन्तर्नियम (Articles) में बोनस अंश निर्गमित करने का प्रावधान होने चाहिए।
5. कम्पनी लाभांश के स्थान पर बोनस अंशों का वितरण नहीं कर सकती।
6. यद्यपि विद्यमान आंशिक चुकता अंश को पूर्णतः चुकता करने के लिए बोनस अंश निर्गमित किये जा सकते हैं, परन्तु (Share Premium A/c) व (Capital Redemption Reserve A/c) का प्रयोग केवल पूर्णतः चुकता बोनस अंश निर्गमित करने में ही किया जा सकता है।

बोनस अंशों के निर्गमन पर जर्नल लेखे
(Journal Entries for Issues of Bonus Shares)

Step. 1 जिन लाभों, कोषों अथवा संचयों में से बोनस अंश निर्गमित करने हैं उन्हें डेबिट करके, Bonus Issue Account को क्रेडिट करने पर—

General Reserve A/c Dr.

Profit & Loss A/c Dr.

Reserve Fund A./c Dr.

Share Premium A/c Dr.

Capital Redemption Reserve A/c Dr.

Capital Reserve A/c Dr.

To Bonus Issue A/c

(Being profits and reserves transferred Bonues Issue A/c)

Step 2. आंशिक चुकता अंशों को बोनस अंश निर्गमित करके पूर्णतः चुकता अंशों में बदलने पर—

(a) अन्तिम याचना की राशि माँगने पर—

Share Final Call A/c Dr.

To Share Capital A/c

(Being Final Call Due)

(b) अन्तिम याचना की राशि Bonus Issue से पूरा (Charge) करने पर

Bonus Issue A/c Dr.

To Share Final Call A/c

(Being Final Call charged from Bonus Issue A/c)

Step 3. नये पूर्णतः चुकता अंश बोनस अंशों के रूप में दिये जाने पर—

Bonus Issue A/c Dr.

To Share Capital A/c

(Being issue of fully paid bonus shares)

Illustration 5.

The Balance Sheet of a limited company on 31 st December 1998 was as under :

31 दिसम्बर, 1998 को एक लिमिटेड कम्पनी का चिट्ठा निम्न था—

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		Freehold Property	1,00,000
Authorised : Rs. 10 Shares	3,00,000	Stock	1,20,000
Subscribed: 20,000 shares of Rs. 10 each	2,00,000	Debtors	80,000
Profit and Loss Account	1,20,000	Bank Balance	2,20,000
Creditors	2,00,000		
	5,20,000		5,20,000

At the Annual Meeting, it was decided :

(i) To issue one Bonus Share for every four shares held.

(ii) To give existing shareholders the option to purchase one Rs. 10 share at Rs. 15 for every four shares held prior to bonus distribution, this option being taken up by all shareholders. Give necessary journal entreis and prepare a balance sheet.

(i) प्रत्येक चार वर्तमान अंशों पर एक बोनस अंश निर्गमित किया जाए।

(ii) बोनस अंश निर्गमित करने से पहले के अंशों पर अंशधारियों को प्रत्येक चार अंशों पर एक अंश 10 रु. वाला, 15 रु. में खरीदने का विकल्प दिया जाए। इस विकल्प का सभी अंशधारियों ने उपयोग किया।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए तथा चिट्ठा बनाइए।

Solution :

JOURNAL

				Rs.	**Rs.**
	Bank A/c	Dr.		75,000	
	To Equity Share Capital A/c				50,000
	To Share Prmium A/c				25,000
	(Being right shares issued in the ratio of 1 : 4)				
	Share Premium A/c	Dr.		25,000	
	Profit & Loss A/c	Dr.		25,000	
	To Bonus Issue A/c				50,000
	(Being share premium and profits transferred to Bonus issue A/c				
	Bonus Issue A/c	Dr.		50,000	
	To Equity Share Capital A/c				50,000
	(Being Bonus shares issued				

BALANCE SHEET

	Rs.		**Rs.**
Share Capital :		Freehold Property	1,00,000
Authorised : Rs. 10 Shares	3,00,000	Stock	1,20,000
Subscribed :		Debtors	80,000
30,000 Shares of Rs. 10 each	3,00,000	Bank Balance	2,95,000
Profit & Loss A/c	95,000		
Creditors	2,00,000		
	5,95,000		5,95,000

Working Notes:

Total Amount required for Bonus Shares:

$$\text{1 Share for every 4 share held} = \frac{20,000}{4} = 5,000 \text{ shares}$$

5,000 shares 5000 shares × Rs. 10 = Rs. 50,000

Total Number of Right Shares :

1 Share fore every 4 shares = = Rs. 5,000 shares

Face Value = 5,000 × Rs. 10 = Rs. 50,000

Premium = 5,000 × Rs. 5 = Rs. 25,000

Total = Rs.75,000

Illustration 6.

The Following is the Balance Sheet of H. Ltd. as on 30 June 1999 :

30 जून 1999 को एच. लि. चिट्ठा निम्न है—

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets**		1,00,000
3,000 6 per cent redeemable preference shares of Rs. 10 each fully paid	30,000	Investment $\frac{20,000}{4}$		21,000
6,000 Equity shares of Rs. 10 each fully paid	60,000	**Current Assets:**		
Share Premium Account	29,000	Stock in trade	44,000	
General Reserve	40,000	Sundry Debtors	16,000	
Profit and Loss Account	24,500	Cash at Bank	22,000	82,000
Sundry Creditors	19,500			
	2,03,000			2,03,000

The company exercised its option to redeem, on July 1, 1999, the whole of the Preference Share Capital at a premium of 5 per cent.

To assist in financing the redemption, all the investment were sold, realising Rs. 19,500. On September 1, 1999 the company made a bonus issue of seven Equity Shares fully paid for every six Equity Shares held on that date. The appropriate resolutions have been passed, the above transactions were duly completed.

You are required to show the journal entries to record the transactions in the books of the company and the Balance Sheet as it would appear after the completion of the transactions.

अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए कम्पनी ने 1 जुलाई, 1999 को सारी पूर्वाधिकार पूँजी का 5% प्रीमियम पर शोधन कर दिया।

शोधन के लिए सारे विनियोग 19500 में बेच दिये गये। सितम्बर, 1999 को कम्पनी ने इस तिथि को अंशधारियों को प्रत्येक 6 समता अंशों पर 7 समता अंशों का बोनस के रूप में निर्गमित किये।

सभी प्रस्ताव पारित हो गये, सभी लेन–देन उचित प्रकार से पूर्ण हो गये।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए तथा सभी लेन–देनों के बाद चिट्ठा बनाइये।

Solution :

JOURNAL

				Rs.	Rs.
1999					
July 1.	Bank A/c	Dr.		19,500	
	Profit and Loss A/c	Dr.		1,500	
	To Investment A/c				21,000
	(Being sale of investment at loss)				
July 1.	Share Premium A/c	Dr.		1,500	
	To Premium on Redemption A/c				1,500
	(Being Premium on Redemption arranged from share premium A/c)				
July 1.	General Reserve A/c	Dr.		30,000	
	To Capital Redemption Reserve A/c				30,000
	(Being amount transferred to capital redemptions reserve)				
July 1.	6% Redemable Preference Share Capital A/c	Dr.		30,000	
	Premium on Redemption A/c	Dr.		1,500	
	To Preference Shareholders A/c				31,500
	(Being amount due)				
July 1.	Preference Shareholders A/c	Dr.		31,500	
	To Bank A/c				31,500
	(Being payment made)				
Sept. 1	Capital Redemption Reserve A/c	Dr.		30,000	
	Share Premium A/c	Dr.		27,500	
	General Reserve A/c	Dr.		10,000	
	Profit and Loss A/c	Dr.		2,500	
	To Bonus Issue A/c				70,000
	(Being profits reserves transferred to Bonus issue A/c)				
	Bonus Issue A/c	Dr.		70,000	
	To Equity Share Capital A/c				70,000
	(Being bonus shares issued)				

BALANCE SHEET

	Rs.		Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets**	1,00,000
13,000 Equity share of Rs. 10 each fully paid	1,30,000	**Current Assets :**	
Profit & Loss A/c	20,500	Stock in Trade	44,000
Sundry Creditors	19,500	Sundry Debtors	16,000
		Cash at Bank	10,000
		(22,000 + 19,500 – 31,500)	
	1,70,000		1,70,000

Illustration 7

Ajanta Trading Co. Ltd. has an authorised capital of Rs. 8,00,000 divided into:

10,000, 6% Redeemable Preference Shares of Rs. 10 each;

20,000, 7% Preference Shares of Rs. 10 each; and

50,000, Equity Shares of Rs. 10 each.

On January 1, 1999, the whole of the two classes of preference shares and 15,000 of the equity shares stood in the books as fully paid. The share premium account as on that date showed a balance of Rs. 20,000. The balance of profit was Rs. 32,000.

On July 1, 1999, it was decided to redeem the whole of 6% preference shares at a premium of Rs. 1 prer share and for this specific purpose the company issued for cash 8,000 equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 2 per share, payable in full on allotment. All the above shares were taken up. The cost of issue of share amounted to Rs. 3,000.

On October 1, 1999, the company issued to existing shareholders one bonus share of Rs. 10 fully paid for each five held. It is the intention of the directors that minimum reduction should be made in revenue reserve account which stood at Rs. 1,25,000.

Give necessary journal entries.

अजन्ता ट्रेडिंग कम्पनी की अधिकृत पूँजी 8,00,000 रु. है। जो निम्न प्रकार विभाजित है—

10,000, 6% शोधनीय पूर्वाधिकार अंश, 10 रु. वाले

20,000 7% पूर्वाधिकार अंश, 10 रु. वाले

50,000 समता अंश, 10 रु. वाले

पुस्तकों के अनुसार 1 जनवरी, 1999 को दोनों प्रकार के समस्त पूर्वाधिकार अंश तथा 15,000 समता अंश पूर्णतः चुकता थे। दिन अंश प्रीमियम खाते का शेष 20,000 रुपये तथा लाभ 32,000 था।

1. जुलाई, 1999 को यह निर्णय किया गया कि समस्त 6% शोधनीय पूर्वाधिकार अंशों का शोधन एक रुपया प्रति अंश प्रीमियम कर दिया जाए। इस उद्देश्य से कम्पनी ने 10 रु. वाले 8,000 समता अंश 2 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित किये जिनकी राशि आबंटन पर मिलनी थी। उपरोक्त सभी अंश लिए गए। निर्गमन का खर्च 3,000 रु. था।

1 अक्टूबर, 1999 को कम्पनी ने प्रति 5 अंशों के धारक को 1 पूर्णतः चुकता बोनस अंश निर्गमन किया।

संचालकों की इच्छा है कि ''रिवैन्यु रिजर्व'' का कम से कम प्रयोग किया जाए जिसमें 1,25,000 का शेष है।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।

Solution :

JOURNAL

			Rs.	**Rs.**
1999				
July 1	Bank A/c	Dr.	96,000	
	To Equity Share Capital A/c			80,000
	To Share Premium A/c			16,000
	(Being issue of shares at premium)			
July 1	Share Issue Expenses A/c	Dr.	3,000	
	To Bank A/c			3,000
	(Being expenses paid on issue of shares)			
July 1.	Share Premium A/c	Dr.	13,000	
	To Premium on Redemption A/c			10,000
	To Share Issue Expenses A/c			3,000
	(Being premium payable and share expenses transferred to share premium A/c)			
July 1.	Profit & Loss A/c	Dr.	20,000	
	To Capital Redemption Reserve A/c			20,000
	(Being profit transferred to capital redemption reserve)			
July 1.	6% Redeemable Preference Share Capital A/c	Dr.	1,00,000	
	Premium on Redemption A/c	Dr.	10,000	
	To Preference Shareholders A/c			1,10,000
	(Being amount due)			
July 1.	Preference Shareholders A/c	Dr.	1,10,000	
	To Bank A/c			1,10,000
	(Being payment made)			
Oct. 1.	Share Premium A/c	Dr.	23,000	
	Capital Redemption Reserve A/c	Dr.	20,000	
	Revenue Reserve A/c	Dr.	3,000	
	To Bonus Issue A/c			46,000
	(Being reserve & Premium transferred to Bonus issue A/c)			

Oct. 1.	Bonus Issue A/c Dr.		46,000	
	To Equity Share Capital A/c			46,000
	(Being bonus shares issued)			

नोट—बोनस अंश केवल समता अंशधारियों को ही दिये जाते हैं। पूर्वाधिकार अंशधारियों को कभी भी बोनस अंश नहीं दिये जाते, क्योंकि कम्पनी के बचे हुए लाभों एवं कोषों पर केवल समता अंशधारियों का अधिकार होता है।

Illustration 8.

A limited company whose issued share capital on 31st, December, 1996 consisted of 6,000, 7% Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each fully paid and 20,000. Equity Shares of Rs. 100 each, Rs. 80 paid up, decided to redeem preference shares at a premium of Rs. 10 per share. The Company's Balance Sheet was as at 31 st December, 1996 showed Revenue Reserve of Rs. 9,00,000 and a capital Reserve of Rs. 59,000. The redemption was affected partly out of profits and party out of proceeds of a new issue 3,000, 6% cumulative preference shares of Rs. 100 each at a premium of Rs. 25 per share. The premium payable on redemption was met out of the premium received on the new issues. On 30th June, 1997 the company at its general meeting resolved that all the capital reserve on that date and part of the Revenue Reserve be aplied in the following manner :

(a) The declaration of Bonus at the rate of Rs. 20 per share on equity shares for the purpose of making the said equity shares fully paid.

(b) The issue of Bonus Shares to the equity shareholders in the ratio of one share for every four shares held by them.

Pass the necessary journal entries in the books of the company.

एक कम्पनी ने 31 दिसम्बर, 1996 को 10 रु. प्रति अंश पर प्रीमियम की दर से अपने पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान करने का निश्चय किया। इसकी पूँजी 100 रु. वाले पूर्णदत्त 6,000, 7% विमोचनशील पूर्वाधिकार अंश और 100 रु. वाले जिनमें 80 रु. भुगतान किये गये 20,000 समता अंशों में थी। 31 दिसम्बर, 1996 को कम्पनी के चिट्ठे में आगम संचय 9,00,000 रु. की और पूँजी संचय 59,000 रु. की थी। पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान आंशिक रूप में लाभों में से और आंशिक रूप से नये निर्गमन से प्राप्त राशि में से किया गया। 25 रु. प्रति अंश प्रीमियम की दर से 100 रु. वाले 3,000, 6% संचयी पूर्वाधिकार अंशों का नया निर्गमन किया गया। विमोचनशील अंशों के प्रीमियम का भुगतान नए निर्ममन पर प्राप्त प्रीमियम में से किया गया। 30 जून, 1997 को कम्पनी की साधारण सभा में यह प्रस्ताव स्वीकार किया गया कि उस तिथि को समस्त पूँजी और आगम संचय का कुछ भाग निम्नांकित विधि से प्रयोग किया जाए—

(क) 20 रु. प्रति अंश की दर से समता अंशों पर बोनस की घोषणा, इन अंशों को पूर्णदत्त अंश बनाने के उद्देश्य से की गयी।

(ख) समस्त अंशधारियों को उनके द्वारा रखे जाने वाले प्रत्येक 4 अंशों पर 1 अंश के अनुपात में बोनस अंशों का निर्गमन किया गया।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए।

Solution :

JOURNAL

			Rs.	Rs.
1996	Bank A/c Dr.		3,75,000	
Dec. 31	To 6% Preference Share Capital A/c			3,00,000
	To Share Premium A/c			75,000

	(Being Preference Share issued at premium)			
Dec. 31	Share Premium A/c Dr.		60,000	
	To Premium on Redemption A/c			60,000
	(Being premium on redemption arranged from share premium A/c)			
Dec. 31	Revenue Reserve A/c Dr.		3,00,000	
	To Capital Redemption Reserve			3,00,000
	(Being revenue reserve transferred to cap. red. reserve)			
Dec. 31	7% Redeemable Preference Share Capital A/c Dr.		6,00,000	
	Premium on Redemption A/c Dr.		60,000	
	To Preference Shareholders A/c			6,60,000
	(Being amount due to preference Shareholders)			
Dec. 31	Preference Shareholders A/c Dr.		6,60,000	
	To Bank A/c			6,60,000
	(Being payment made)			
1997	Capital Reserve A/c Dr.		59,000	
June 30	Revenue Reserve A/c Dr.		3,41,000	
	To Bonus issue A/c			4,00,000
	(Being an amount equal to final call on equity shares is transferred to bonus issue A/c)			
June 30	Equity Share Final Call A/e Dr.		4,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			4,00,000
	(Being final call due)			
June 30	Bonus Issue A/c Dr.		4,00,000	
	To Equity Share Final Call A/c			4,00,000
	(Being final call adjusted from bonus issue)			
June 30	Capital Redemption Reserve A/c Dr.		3,00,000	
	Share Premium A/c Dr.		15,000	
	Revenue Reserve A/c Dr.		1,85,000	
	To Bonus Issue A/c			5,00,000
	(Being amount equal to Bonus in the ratio of 1 : 4 on 20,000 equity shares transferred to bonus issue A/c)			
June 30	Bonus Issue A/c Dr.		5,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			5,00,000
	(Being bonus shares issued to equity shareholders)			

नोट–(1) पूर्वाधिकार अंशधारियों को बोनस अंश नहीं दिये जाते इसलिए वर्तमान 20,000 समता अंशों पर 1 : 4 अनुपात से 50,000 बोनस समता अंश निर्गमित किये जायेंगे।

(2) आंशिक चुकता समता अंशों को पूर्णतः चुकता करने के लिए Capital Redemption Reserve तथा Share Premium A/c का उपयोग नहीं किया जा सकता जबकि नये पूर्णतः चुकता बोनस अंश निर्गमित करने में इन दोनों खातों का उपयोग किया जा सकता है। अतः यदि हमें बोनस में इन दोनों खातों का उपयोग करना हो तो बोनस निर्गमन के लेखें दो भागों में करने उपयुक्त रहेंगे। पहले इन दोनों खातों को छोड़कर अन्य खातों के शेष का उपयोग करके आंशिक चुकता अंशों को पूर्णतः चुकता करने के लेखें करें। फिर उपरोक्त दोनों खातों व अन्य खातों के शेष का उपयोग करके नये पूर्णतः चुकता बोनस अंश निर्गमित करने के लेखे करने उचित होंगे।

ASSIGNMENTS

1. भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 80 के अन्तर्गत पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के विषय में कानूनी प्रावधानों को स्पष्ट रूप से समझाइए।

   Explain clearly the legal requirements for the Redemption of Preference Shares as laid down in section 80 of the Indian Companies Act, 1956.

2. पूर्वाधिकार अंशों के शोधण के लिए क्या–क्या वैधानिक आवश्यकताएं हैं? कौन से लाभ पूँजी शोधन संचय में हस्तांतरित किये जा सकते हैं तथा कौन से नहीं?

   Explain clearly the legal requirements for redemption of preference shares. What types of profits are available for transfer to Capital Redemption Reserve Account and what are not?

3. अधिकार अंशों और बोनस अंशों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। दोनों दशाओं में आप कौन–कौन सी प्रविष्टियाँ करेंगे?

   Differeniate between Right Shares and Bonus Shares. What entries would you make in both cases ?

4. बोनस अंशों की व्याख्या कीजिए तथा बताइए कि किन परिस्थितियों में इन्हें निर्गमित किया जाता है। बोनस अंशों के निर्गमन की कार्य विधि भी दीजिए। बोनस अंशों के निर्गमन में कौन–कौन सी जर्नल प्रविष्टियाँ की जाती हैं ?

   Explain bonus Shares and describe the conditions which warrant their issue. Give the procedure of issue of bonus shares. What entries are passed for the issue of bonus shares.

5. शोध्य पूर्वाधिकार अंशों के निर्गमन तथा शोधन सम्बन्धी नियम बतलाइये। इस सम्बन्ध में की जाने वाली जर्नल प्रविष्टियां भी कीजिए।

6. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

   (a) पूर्वाधिकार अंशों का शोधन

   (b) बोनस अंश

   (c) लाभों का पूँजीकरण

   (d) पूँजी शोधन कोष

   (e) अधिकार अंश

   (f) आंशिक चुकता पूर्वाधिकार अंशों का शोधन

QUESTIONS

Q. 1. A Company has 4,000, 6% redeemable preference shares of Rs. 100 each fully paid. The company decided to redeem the shares on December 31, 1998 at a premium of 5%. The Company makes the following Issues :

(a) 1,000 equity shares of Rs. 100 each at a premium of 10%.

(b) 1,000, 9% debentures of Rs. 100 each.

The issue was fully subscribed and all the amounts were received. The redemption was duly carried out. The company has sufficient profits. Give journal entries.

एक कम्पनी के पास 100 रु. वाले पूर्णदत्त 4,000 6% शोधनशील पूर्वाधिकार अंश हैं। कम्पनी ने इन अंशों का 31 दिसम्बर, 1998 को 5% प्रीमियम पर शोधन करने का निश्चय किये। कम्पनी निम्नलिखित निर्गमन करती है—

(अ) 100 रु. वाले 1,000 समता अंश 10% प्रीमियम पर।

(ब) 100 रु. वाले 1,000 ऋणपत्र।

निर्गमन पूर्णरूप से प्रार्थित हो गया और सभी राशियाँ प्राप्त हो गई। शोधन कर दिया गया। कम्पनी के पास पर्याप्त लाभ हैं। रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

Ans. Amount transferred to Capital Redemption Reserve Rs. 3,00,000; Premium on redemption will be charged as follows :

Rs. 10,000 from share Premium A/c and Rs. 10,000 from Profit and Loss A/c.

Q. 2. विनियोगों की बिक्री (Sale of Investment)

The Balance Sheet of Atlas Ltd. as at 30th June, 1999 was as followed :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets :**	
2,000 Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each	2,00,000	Plant & Machinery	50,000
20,000 Equity Shares of Rs. 10 each	2,00,000	Building	2,40,000
Share Premium A/c	15,000	Furniture	60,000
General Reserve	1,40,000	**Current Assets :**	
Profit and Loss A/c	60,000	Stock	1,40,000
Taxation Reserve	20,000	Debtors	80,000
Creditors	1,15,000	Investments	55,000
		Cash at Bank	1,25,000
	7,50,000		7,50,000

It was decided to issue further 7,000 equity shares at a premium Rs. 2 per share and to redeem the preference shares at a premium of 10% All the investments were sold realising Rs. 49,000 Directors wish that minimum reduction should be made in General Reserve.

Show the necessary journal entries and prepare a Balance Sheet after the completion of the transations which took place on 1st July 1999.

यह निश्चय किया गया कि 7,000 समता अंशों का 2 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमन किया जाए और पूर्वाधिकार अंशों का 10% प्रीमियम पर शोधन कर दिया जाए। सभी विनियोग 49,000 रु. में बेचे गये। संचालक चाहते हैं कि सामान्य संचय में कम से कम कटौती की जाए।

जर्नल में आवश्यक लेखे कीजिए और उपरोक्त व्यवहार पूर्ण हो जाने के पश्चात् 1 जुलाई, 1999 का चिट्ठा बनाइये।

Ans. : Capital Redemption Reserve Rs. 1,30,000; Share Premium A/c Rs. 9,000; General Reserve Rs. 64,000; Cash at Bank Rs. 38,000; total of B/S Rs. 6,08,000

Q. 3. On 31 st December 1998 the Balance Sheet of Nirma Ltd. was as follow :

31 दिसम्बर, 1998 को निरमा लिमिटेड का चिट्ठा इस प्रकार था—

BALANCE SHEET

	Rs.		Rs.
Issued Capital :		**Sundry Assets**	8,40,000
40,000 6% Redeemable Pref. Shares of Rs. 10 each, fully paid	4,00,000	Cash at Bank	3,00,000
20,000 equity shares of Rs. 10 each fully paid	2,00,000		
Share Premium Account	50,000		
Profit and Loss Account	2,50,000		
General Reserve	30,000		
Sundry Creditors	2,10,000		
	11,40,000		11,40,000

By the terms of their issue, the preference shares were redeemable at a premium of 5 per cent on the following January 1, and it was decided to arrange this as far as possible out of the company's resources subject to leaving a balance of Rs. 12,000 to remain to the credit of the Profit and Loss Account. It was also decided to raise the balance of funds required by the issue of sufficient number of equity shares at a premium of 10%.

Show the necessary ledger account giveing effect to the transactions and the balance sheet thereafter.

निर्गमन की शर्तों के अनुसार अधिमान अंश आगामी 1 जनवरी को 5 प्रतिशत प्रीमियम पर शोधनीय है। यह निश्चित किया गया कि लाभ–हानि खाते में 12,000 रु. छोड़ते हुए यथासम्भव कम्पनी के साधनों से ही इसका प्रबन्ध किया जाये। यह भी निश्चित किया गया कि आवश्यक शेष कोष पर्याप्त मात्रा में समता अंशों के 10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमन द्वारा प्राप्त किया जाए।

उपरोक्त व्यवहारों को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक खाते और उनके पश्चात् का चिट्ठा दिखाइए।

Ans. Fresh issue Rs. 1,32,000; Equity share capital Rs. 3,32,000; Share Premium A/c Rs. 43,200; Bank A/c Rs. 25,200.

Hint :

Calculation of fresh Issue	Rs.	Rs.
Preference share capital to be paid		4,00,000
Less: Amt. available in General Reserve	30,000	
Amt. abailable in Profit & Loss A/c	2,38,000	
(existing Balance Rs. 2,50,000 – Balance Requited 12,000)		2,68,000
New shares to be issued		1,32,000

समीकरण के प्रयोग से नये निर्गमन की राशि ज्ञात करना
(Determining the amount of New Issue with the help of equation)

Q. 4. The following was the Balance Sheet of Devta Ltd. on 31st December, 1999 :

31 दिसम्बर, 1999 को देवता लिमिटेड का चिट्ठा निम्न था—

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital :		**Fixed Assets**	**9,00,000**
Issued and paid up		Debtors	1,50,000
Redeemable Preference		Stock	2,00,000
Share Capital :		Cash at Bank	3,00,000
50,000 shares of Rs. 10 each	5,00,000		
Equity Share Capital :			
70,000 shares of Rs. 10 each	7,00,000		
Share Premium A/c	50,000		
General Reserve	1,00,000		
Profit and Loss A/c	1,20,000		
Creditors	80,000		
	15,50,000		15,50,000

On the above date directors decided to redeem the preference shares at a premium of 20%, for this purpose minimum number of new equity shares of Rs. 10 each are issued at a premium of 10%. Pass journal entries and prepare the revised balance sheet.

उपरोक्त तिथि को संचालकों ने निर्णय लिया कि पूर्वाधिकार अंशों का 20% प्रीमियम पर शोधन कर दिया जाए। इस उद्देश्य के लिए कम से कम संख्या में नये समता अंश 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये। रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए तथा संशोधित चिट्ठा बनाइए।

Ans. : Fresh Issue Rs. 3,00,000 (30,000 shares of Rs. 10 each); Balance Sheet Total Rs. 12,80,000

Q. 5. On Jan, 1, 1975 Shibpur Motors Ltd. issued 3000, 7% redeemable preference shares of Rs. 10 each, all for which were taken on and fully paid. The shares were issued on conditions that the same, at any time after March 31, 1981, could be redeemed at a premium of Rs. 4 per share.

On June 30, 1982, the company decided to redeem the shares. For this purpose it issued 1,800, 6% preference shares of Rs. 10 each at apremium of Rs. 1 per share on July 15, 1982. The shares were subscribed and paid for by July 31, 1982. The 7% redeemable preference shares were redeemed on the same date.

The Co. had a balance of Rs. 28,000 in its Profit & Loss Account on 1 September, 1982 the Co. decided to issue 5,000 fully paid bonus shares of Rs. 10 each for allotment to equity shareholders in the ratio of one equity share for every four shares held. It has also a reserve of Rs. 1,10,000.

Record the necessary journal entries in the Books of the Co.

Ans. : Capital Redemption Reserve Rs. 12,000

Q. 6. A limited company has an authorised equity capital of Rs. 20 lakhs divided into shares of Rs. 100 each. The paid up capital was Rs. 12,50,000. Besides, this company had 9% redeemable cumulative preference shares of Rs. 10 each for Rs. 2,50,000. Balance on other account were:

Share Premium Rs. 18,000; Profit and Loss Account Rs. 72,000 and General Reserve Rs. 3,40,000. Included in Sundry Assets were investments of the face value of Rs. 30,000 carried in the books at a cost of Rs. 34,000.

The company decided to redeem the cumulative preference shares at a premium of 10 per cent partly by the issue of equity shares of the face value of Rs. 1,20,000 at a premium of 10%. Investments were sold at 105% of their face value. All preference shareholders were paid off except 3 holders holding 250 shares.

After redemption of cumulative preference shares, fully paid bonus shares were issued in the ratio of 1 : 4.

Give the necessary journal entries bearing in mind that the Directors wanted a minimum reduction in free Reserves while effecting the above transactions. Working should from part of your answer.

Ans. : Bonus Issue 3,425 Shares of Rs. 100 each.

Q. 7. The Balance Sheet of Besto Ltd. on March 31, 1998 contains the followings:

31, मार्च 1998 को बीस्टो लिमिटेड के चिट्ठे में निम्न मदें हैं—

Authorise Capital:	
5% Redemable Preference Shares of Rs. 10 each	1,50,000
Ordinary Shares of Rs. 10 each	<u>5,00,000</u>
Paid up Capital :	
5% Redeemable Preference Shares of Rs. 10 each fully paid	1,10,000
Ordinary Shares of Rs. 10 each fully paid	3,00,000
Profit and Loss Account Balance	2,00,000

On 6th April 1998 the Preference Shares were redeemed at a premium of Rs. 4 per Share. The Company could not yet trace, holders of 1,200 Preference Shares. On 8th April 1978 a bonus issue of one fully paid ordinary share for three shares was made.

Show the journal entries to record these transactions (including cash) and show these account as they would appear in the Balance Sheet as on 8th April 1998.

6 अप्रैल, 1978 को पूर्वाधिकार अंशों का 4 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर विमोचन किया गया। कम्पनी अभी 1,200 पूर्वाधिकार अंशों के धारकों का पता नहीं लगा सकी है। 8 अप्रैल 1998 को कम्पनी ने तीन अंशों पर एक पूर्णदत्त साधारण अंश की दर से बोनस दिया।

इन व्यवहारों के लिए जर्नल लेखे (रोकड़ लेखे सहित) दो तथा 8 अप्रैल 1998 को इन खातों को चिट्ठे में दिखाओ।

On I April 1998, the company redeemed the preference shares at a premium of 10 percent. in order to pay off the preference shareholders, the company sold the investments realising Rs. 2,10,000 and also issued 2,0007% Preference Shares of Rs. 100 each which were fully subscribed in cash.

On the same date the company issued fully paid bonus shares in the ratio of one for every two shares held. Show the journal entries and also. prepare a post-redemption Balance Sheet of the Company.

Q. 8. The Bharat Aluminium Co. Ltd. whose issued share capital on 31st December, 1972, consisted of 12,000 8% redeemable preference shares of Rs. 100 each fully paid and 40,000 equity shares of Rs. 100 each Rs. 80 paid up, decided to redeem preference shares at a premium of Rs. 10 per share. The company's balance sheet as at 31st December, 1972, showed a general reserve of Rs. 18,00,000 and a capital reserve of Rs. 1,70,000. The rdemption was effected partly out of profits and partly out of the proceeds of a new issue of 6,000, $7\frac{1}{2}$% cumulative preference shares of Rs. 100 each at a premium of Rs. 25 per share. The premium payable on redemption was met out of the premium received on the new issue.

On 1st April, 1973, the company at its general meeting resolved that all the capital reserves and a part of general Reserves be applied in the following manner :

(i) the declaration of bonus at the rate of Rs. 20 per share on equity shares for the purpose of making the said equity shares fully paid; and

(ii) the issue of bonus shares to the equity shareholders in the ratio of one share for every four shares held by them.

You are required to pass necessary journal entries.

भारत एल्यूमिनियम कं. लि. जिसकी अंश पूँजी 31 दिसम्बर, 1972 में 12,000 8% शोधनीय पूर्वाधिकार अंश 100 रु. प्रत्येक पूर्णदत्त तथा 40,000 समता अंश 100 रु. प्रत्येक 80 रु. दत्त सम्मिलित थे ने पूर्वाधिकार अंशों के 10 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर शोधन का निर्णय लिया। 31 दिसम्बर, 1972 को कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे में सामान्य संचय 18,00,000 का तथा 1,70,000 रु. का पूँजी संचय प्रदर्शित था। शोधन आंशिक रूप से लाभ से तथा आंशिक रूप से 6,000 $7\frac{1}{2}$ % संचयी पूर्वाधिकार अंश 100 रु. प्रत्येक के 25 रु. प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमन से किया जाना था। शोधन पर देय प्रीमियम को निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम से पूरा किया जाना था।

अप्रैल 1, 1973 को कम्पनी ने अपनी सामान्य सभा में प्रस्ताव किया कि सम्पूर्ण पूँजी संचय एवं आंशिक रूप से आगम संचयों को निम्न प्रकार से प्रयोग किया जाना चाहिए—

(i) 20 रु. प्रति समता अंश बोनस की घोषणा जिससे कि समता अंश पूर्णदत्त हो जायें तथा

(ii) समता अंशधारियों को प्रति चार अंशों पर एक बोनस अंश का निर्गमन।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

Ans. : Capital Redemption Reserve Rs. 6,00,000

Q. 9. The following were the balances of Chintaharan Ltd. as on 31st December, 1998

	Rs
Redeemable Preference share Capital	
2,500 shares of Rs. 100 each fully called up.	2,50,000
Less: Calls in arrears.	
(Final calsl of Rs. 20 on 60 shares)	1,200
	2,48,800
General Reserve	1,12,000
Share Premium	15,000
Cash at Bank	1,30,000

Above preference shares were redeemable on 28th Feb. 1999 at a premium of 10%.

On getting a reminder about payment of calls in shares, shareholders holding 50 shares paid their did not pay the amount thereon. Consequently, the Directors forfeited these shares and reissued them as fully paid on 31st Jan., 1999 for Rs. 500. 15,000 equity shares of Rs. 10 each were issued at par for the purpose of above redemption. Repayment of Redeemable shares were completed by 31st March, 1999, except in the case of one shareholder holding 40 shares, who was out of India.

You are required to show the journal entries including those relating to cash or Bank upto 31 st March, 1999, (on the basis which would effect the minimum reduction of reserve) and to state the resultant balances of the related accounts appearing in the books on that date.

31 दिसम्बर 1998 को चिन्ताहरण लि. के निम्नलिखित शेष थे—

शोधनीय पूर्वाधिकार अंशपूँजी	
2,500 अंश प्रत्येक 100 रु. की पूर्ण राशि माँगी जा चुकी है—	2,50,000
बकाया माँग राशि	
(60 अंशों पर 20 रु. की अन्तिम माँग)	1,200
	2,48,800
सामान्य संचय	1,12,000
अंश प्रीमियम	15,000
बैंक में शेष	1,30,000

उपरोक्त अधिनियम अंश 28 फरवरी, 10 प्रतिशत प्रीमियम पर शोधनीय थे। बकाया माँग के भुगतान का स्मरणपत्र प्राप्त होने पर 50 अंशों के धाक ने अपनी बकाया माँग राशि 15 जनवरी, 1999 तक चुका दी। शेष 10 अंशों; जिन

पर माँग बकाया थी, के धारक ने उन पर देय राशि का भुगतान नहीं किया। फलस्वरूप, संचालकों ने इस अंशों को जब्त कर लिया तथा इनको 31 जनवरी, 1999 को 500 रु. में पूर्णदत्त रूप में पुनर्निर्गमित कर दिया।

उपरोक्त शोधन के लिए 10 रु. वाले 15,000 समता अंश का सम मूल्य पर निर्गमन किया गया सिवाय 40 अंशों के अंशधारी के, जो भारत के बाहर था शोधनीय अधिमान अंशों का भुगतान 31 मार्च, 1999 तक पूर्ण कर दिया गया।

आपको नकद या बैंक व्यवहारों सहित 31 मार्च, 1999 तक की जर्नल प्रविष्टियाँ देनी हैं। (ऐसे आधार पर जिससे आयगत संचय में कम से कम कमी आये) और उस तारीख को सम्बन्धित खातों के शेष को बताना है।

Ans. : Capital Redemption Reserve Rs. 1,00,000.

Q. 10. The undernoted balances wre extracted from the Ledger of Zee Ltd.

(1)	10% Redeemable Cumulative Prefeence Shares 10,000 Shares of Rs. 100 each fully called up	10,00,000
	Less: Cash unpaid at Rs. 25 per share	5,000
		9,95,000
(2)	Share Premium Account	1,40,000
(3)	Development Rebate Reserve	5,00,000
(4)	General Reserve	3,40,000
(5)	Proposed dividend since sanctioned on Cumulative Preference Shares	78,400

The directors redeemed the preference shares at a premium of 10% and for that purpose made a fresh issue of equity shares of Rs. 10 each at par for such amount as necessary for the purpose after utilising the available source to the maximum extent and satisfied the amount of preference dividend. Rs. 2,00,000 of the Development Rebate Reserve is free for distribution as dividend.

Give journal entries recording the above transactions.

Ans. : Fresh issue for Rs. 4,60,000.

Q. 11. A company had issued 50,000 redeemable preference shares of Rs. 10 each. On 1st Jan. 1992, the company decided to redeem these shares at a premium of one per cent partly out of the proceeds of issue of 10,000 equity shares of Rs. 10 each and prtly out of profits. Accordingly, the following entries were passed in the books of the company :

		Rs.	Rs.
Preference Shares	Dr.	5,00,000	
To Equity Share Capital			1,00,000
To P & L A/c			4,00,000
Preference Shares	Dr.	5,50,000	
To Cash A/c			5,50,000

State whether you consider the above entries as correct and, indicate the errors in the same and rectify the position giving reasons for your answer.

एक कम्पनी ने 50,000, 10 रु. प्रति शोधनीय पूर्वाधिकार अंश जारी किए। एक जनवरी, 1992 को कम्पनी ने एक प्रतिशत प्रीमियम पर इनका शोधन करने का निर्णय लिया जोकि अंशतः 10,000 समता अंशों, 10 रु. प्रति के निर्गमन से व अंशतः लाभों में से किया जाना है कम्पनी की पुस्तकों में निम्न प्रविष्ट्रियां की गई—

पूर्वाधिकार अंश	Dr.	5,00,000	
समता अंश पूँजी का			1,00,000
लाभ–हानि खाते का			4,00,000
पूर्वाधिकार अंश	Dr.	5,50,000	
रोकड़ खाते का			5,50,000

क्या ये प्रविष्टियाँ ठीक हैं? यदि नहीं, तो गलती बताइये। शुद्ध प्रविष्टियाँ कीजिए तथा इसके कारण भी बताइये।

Q. 12. X Company Ltd. issue 10,000 11% Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each at Rs. 105 on 31st December, 1991. The tenns of issue provide for (a) the conversion of Rs. 3,00,000 preference Shares into equity shares of Rs. 100 each on 31 st December, 1997 and (b) the redemption of the remaining Preference Shares at Rs. 103 on 31st December, 1998. The Company accordingly converts and redeems the Preference Shares.

Just before the redemption, the Company's Reserves and Surplus comprises: Capital Redemption Reserve Rs. 5,00,000, Share Premium Rs. 50,000, General Reserve Rs. 10,00,000, and Profit and Loss (Appropriation) Alc Rs. 21,000.

Joumalise since 31 st December, 1997. Assume that (i) the Company raises minimum proceeds from fresh issue of shares for the aforesaid redemption, and (ii) one per cent of the redeemed Preference Shares remains unpaid. Ignore preference dividend.

With due regard to the aforesaid information, show also the Liabilities side of the Company's Balance Sheet as at 31st December, 1998.

Ans. : Balance of Preference Shareholders A/c Rs. 7,210; Fresh issue for Rs. 5,79,000.

❒

अध्याय-3

ऋण पत्रों का निर्गमन
(Issue of Debentures)

जब एक कम्पनी दीर्घ काल के लिए ऋण लेना चाहती है जिससे कि ऋण कम्पनी की पूँजी का ही भाग बन जाए तो कम्पनी इसके लिए ऋणपत्रों का निर्गमन करती है। ऋणपत्र निर्गमित करके लिए गये ऋण को पूँजी (Loan Capital) भी कहते है। ऋणपर एक कम्पनी द्वारा जनता से लिए गये ऋण का लिखित प्रमाण है। ऋणपत्रों में ब्याज की दर, ब्याज की देय तिथि, मूलधन की देय तिथि इत्यादि अनेक बातों का उल्लेख होता है। ऋणपत्र कम्पनी की सार्वमुद्रा (Common Seal) के अन्तर्गत निर्गमित किये जाते हैं। यद्यपि ऋणपत्र शब्द का प्रयोग बहुत व्यापक रूप में होता है फिर भी इसकी कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है।

भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा 2(12) के अनुसार, ''ऋणपत्रों में ऋणपत्र स्टॉक, बॉड या कम्पनी द्वारा निर्गमित ऐसी अन्य प्रतिभूतियाँ शामिल की जाती हैं चाहे वह कम्पनी की सम्पत्तियों पर कोई प्रभार उत्पन्न करती हैं या नहीं।'' (Debenture includes debenture stock, bonds and any other security of a company, whether constituting a charge on the assets of the company or not)

ऋणपत्रों की विशेषताएँ
(Characteristics of Debentures)

(1) **ऋण का प्रमाण (Proof of Loan)**—ऋणपत्र इस बात का प्रमाण है कि कम्पनी ने उल्लेखित व्यक्ति से इसमें लिखी राशि उधार ली है।

(2) **ब्याज की दर (Rate of Interest)**—ऋणपत्रों पर देय ब्याज की दर पहले से निश्चित होती है तथा प्रत्येक ऋणपत्र पर अंकित होती है।

(3) **ब्याज की देय तिथि (Due date of Interest)**—प्रायः कम्पनी वार्षिक या अर्द्धवार्षिक ब्याज का भुगतान करती है ऋणपत्रों पर ब्याज के भुगतान की तिथि का भी उल्लेख होता है।

(4) **दीर्घकालीन ऋण (Long term Loan)**—ऋणपत्रों के निर्गमन से प्रायः दीर्घकालीन ऋण लिये जाते हैं। इस लिए इनके धन वापसी कई वर्षों बाद होती है जैसे 5 वर्ष, 7 वर्ष, 10 वर्ष इत्यादि।

(5) **ऋण वापसी की तिथि (Date of Redemption)**—ऋणपत्र का धन कम्पनी वर्षों के बाद व किस प्रकार वापस करेगी इसका वर्णन भी ऋणपत्र पर होता है।

(6) **सुरक्षा (Security)**—प्रायः समस्त ऋणपत्रधारियों के नाम कम्पनी अपनी सम्पत्ति गिरवी रखवा देती है यदि कभी कम्पनी इनके ब्याज या मूलधन के भुगतान में असमर्थ हो जाए तो ऋणपत्रधारी कम्पनी के समापन के लिए न्यायालय में आवेदन दे सकते हैं।

(7) **सार्वमुदा (Common Seal)**—ऋणपत्रों पर कम्पनी की सार्वमुद्रा (Common Seal) लगी होती है।

ऋणपत्रों के प्रकार
(Kinds of Debentures)

ऋणपत्रों को उनकी सुरक्षा, शोधन, लेखो एवं प्राथमिकता की दष्टि से निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है:

1. सुरक्षा की दष्टि से (From Security Viewpoint)

(i) **असुरक्षित नग्न या साधारण ऋणपत्र (Unsecured, Naked or Simple Debentures)**—ऐसे ऋणपत्रधारियों को कम्पनी में कोई प्रतिभूति ऋण व ब्याज चुकाने के भुगतान के लिए नहीं देती। कम्पनी के समापन पर इन ऋणत्र के धारकों को सामान्य लेनदारों की भांति ही माना जाता है। ये ऋणपत्र अधिक प्रचलित नहीं है।

(ii) **सुरक्षित या बन्धक ऋणपत्र (Secured or Mortage Debentures)**—सुरक्षित ऋणपत्र वे हें जो कम्पनी की किसी सम्पत्ति पर प्रभार के कारण सुरक्षित होते हैं। यह प्रसार स्थायी या अस्थायी हो सकता है। यदि कम्पनी भुगतान करने में त्रुटि करे तो ऋणपत्रधारी सम्पत्ति में से ऋण की वसूली कर सकता है।

2. शोधन या भुगतान की दष्टि से (From Redemption Viewpoint)

(i) **शोध्य ऋणपत्र (Redeemable Debentures)**—कम्पनी द्वारा इस प्रकार के ऋणपत्र इस शर्त पर निर्गमित किए जाते हैं कि वह निश्चित अवधि के बाद अथवा उनके मांगने पर उनका भुगतान कर देगी। इस प्रकार के ऋणपत्र बहुत प्रचलित हैं और प्रायः कम्पनी इसी प्रकार के ऋणपत्र निर्गमित करती है।

(ii) **स्थायी या अशोध्य ऋणपत्र (Perpetual or Irredeemable Debentures)**—इस प्रकार के ऋणपत्रों का भुगतान कम्पनी के समापन की अवस्था में या इनका ब्याज न चुकाए जाने की अवस्था में ही देय होता है। अन्य शब्दों में इसका अभिप्राय यह है कि जब तक कम्पनी कार्यशील रहती है और ऋणपत्रों के ब्याज के भुगतान में कोई त्रुटि नहीं करती, तब तक इनके धारक कम्पनी से इनका भुगतान नहीं मांग सकते। इस प्रकार के ऋणपत्रें के भुगतान की कोई अवधि निश्चित नहीं होती, यद्यपि कम्पनी जब चाहे तब इनका भुगतान कर सकती है।

3. प्राथमिकता की दष्टि से (From Priority Viewpoint)

(i) **प्रथम ऋणपत्र (First Debentures)**—इन ऋणपत्रें का भुगतान अन्य ऋणपत्रों की अपेक्षा पहले किया जाता है।

(ii) **द्वितीय ऋणपत्र (Second Debentures)**—इन ऋणपत्रों का भुगतान प्रथम ऋणपत्रों का भुगतान करने के बाद किया जाता है।

4. लेखों की दष्टि से (From Records Viewpoint)

(i) **वाहक ऋणपत्र (Bearer Debentures)**—ऐसे ऋणपत्र के धारकों के नाम और पते के सम्बन्ध में कम्पनी कोई अभिलेख नहीं रखती। अंश अधिपत्रों के तरह वाहक ऋणपत्र भी विनिमय–साध्य प्रलेख हैं। इनका हस्तान्तरण मात्र सुपुर्दगी से हो जाता है। वाहक ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान संलग्न कूपनों द्वारा किया जाता है।

(ii) **पंजीकृत ऋणपत्र (Registered Debentures)**—ये वे ऋणपत्र हैं जिनके धारकों के नाम व पते कम्पनी के ऋणपत्रधारियों के रजिस्टर में लिखे हुए होते हैं। इन पर ब्याज व मूलधन का भुगतान पंजीकृत धारकों को ही किया जाता है तथा इनका हस्तांतरण करने के लिए कम्पनी में इनका रजिस्ट्री करानी होती है एवं निर्धारित विधि के अनुसार ही हस्तांतरण हो सकता है।

ऋणपत्रों का निर्गमन
(Issue of Debentures)

ऋणपत्रों के निर्गमन के लिए अंशों की भांति ही कम्पनी एक प्रविविरण–पत्र (Prospectus) जारी करती है ऋणपत्रों के लिए जनता से आवेदन (Applications) मँगाये जाते हैं। प्रविवरण–पत्र में इस बात का वर्णन रहता है कि ऋणपत्रों की सम्पूर्ण राशि एक साथ देनी होगी या किश्तों में। यदि किश्तों में दी जानी है तो प्रविवरण पत्र में लिखा जाता है कि आवेदन पर कितनी

राशि देनी है, आबंटन पर कितनी तथा शेष राशि एक या अनेक कितनी याचनाओं में देनी हैं तथा प्रत्येक याचना पर कितनी राशि देनी है।

कम्पनी अपने ऋणपत्रों को (i) सम मूल्य पर (At Par) या (ii) प्रीमियम पर (At Premium) या (iii) कटौती पर (At Discount) जैसे चाहे निर्गमित कर सकती है इसके साथ कम्पनी निम्न प्रकार से ऋणपत्र निर्गमित कर सकती है।

(a) नकद भुगतान पर (Against Cash Payment)

(b) नकद के अतिरिक्त अन्य किसी प्रतिफल के बदले (For consideration other than Cash)

(c) सहायक प्रतिभूति के रूप में (as collateral security)

ऋणपत्रों के निर्गमन पर लेख प्रविष्टियाँ ठीक उसी प्रकार की जाती हैं। जिस प्रकार अंशों के निर्गमन पर की जाती हैं। दोनों स्थितियों में अन्तर केवल इतना होता है कि अंश निर्गमन के लिए अंश निर्गमन के लिए अंश पूँजी खाता (Share Capital Account) खोला जाता है जबकि ऋणपत्र निर्गमन करने पर ऋणपत्र खाता (Debenture Account) खोला जाता है। ऋणपत्र खाते में पूँजी शब्द का प्रयोग नहीं होता परन्तु ऋणपत्र के साथ ब्याज की दर का प्रयोग होता है। जैसे यदि ब्याज की दर 10% ऋणपत्र खाता 10% Debenture A/c खोला जाता है।

नकद भुगतान पर ऋणपत्र निर्गमित करना
(Issue of Debentures for Cash)

जब कम्पनी नकद भुगतान के बदले में ऋणपत्र निर्गमित करती है तो सारी राशि एक बार में या किश्तों में ही जा सकती है।

(1) समूल्य पर ऋणपत्रों का निर्गमन
(Issue of Debentures at Par)

(A) यदि आवेदन के साथ पूरी राशि देनी हो (In full amount is payable on application)

(i) On Receipt of Application Money :

Bank A/c Dr. (With total amount received)

To Debentures Application A/c

(ii) On Allotment of Debentures :

Debenture Application A/c Dr.

To Debenture A/c

(B) यदि राशि किश्तों में देनी हो (If the amount is payable in instalments)

(i) On Receipt of Application Money :

Bank A/c Dr.

To Debentures Application A/c

(ii) On Allotment of Debentures :

Debenture Application A/c Dr.

To Debenture A/c

(iii) On Refund of Application money to whom no debentures have been alloted:

Debentures Application A/c Dr.

To Bank A/c

(iv) On transfer of Application money to Allotment A/c to whom less than demanded debentures have been allotted :

Debenture Application A/c Dr.

To Debentures Allotment A/c

(v) Combined entry for entry No. (ii), (iii) and (iv) :

Debenture Application A/c Dr.

To Debentures A/c

To Debentures A/c

To Bank A/c

(vi) Allotment money Due :

Debenture Application A/c Dr.

To Debentures A/c

(vii) On receiving Allotment money :

Bank A/c Dr.

To Debentures Allotment A/c

(viii) First Call Due :

Debenture First Call A/c Dr.

To Debenture A/c

(ix) First Call received :

Bank A/c Dr.

To Debentures First Call A/c

(x) Second Call Due :

Debenture Second Call A/c Dr.

To Debenture A/c

(xi) Second Call Received :

Bank A/c Dr.

To Debentures Second A/c

नोट–(1) अन्य याचनाओं के लेखे भी इसी प्रकार किये जाएँगे।

(2) अन्तिम याचना के साथ प्रायः अन्तिम शब्द (Final) शब्द लगा दिया जाता है। जैसे प्रथम याचना तक समस्त राशि माँग ली जाए तो उसे First and Final Call कहते हैं। इसी प्रकार यदि द्वितीय याचना तक समस्त राशि माँगी जाए तो उसे Second and Final Call कहते हैं।

ऋणपत्रों का प्रीमियम पर निर्गमन
(Issue of Debentures at Premium)

यदि कोई कम्पनी अपने ऋणपत्र अंकित मूल्य से ज्यादा मूल्य पर निर्गमित करती है तो यह कहा जाएगा कि ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किये गये हैं। जैसे माना 100 रु. अंकित मूल्य वाला ऋणपत्र एक कम्पनी 115 रु. में निर्गमित करती है तो 15 रु. प्रीमियम कहलाएगा। प्राप्त प्रीमियम एक पूँजीगत लाभ होता है अतः इसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में 'Reserve and Surplus' के अन्तर्गत दिखाते हैं।

कम्पनी अधिनियम 1956 के ऋणपत्रों से प्राप्त प्रीमियम के प्रयोग के बारे में कोई नियम नहीं दिये गये हैं। परन्तु यह साधारण व्यवसायिक लाभ नहीं है इसलिए यह उचित होगा की प्राप्त प्रीमियम का प्रयोग निम्न को अपलिखित करने में किया जाए। अंशों एवं ऋणपत्रों के निर्गमन पर दी गई कटौती प्रारम्भिक व्यय पूँजीगत हानियाँ, कृत्रिम सम्पत्तियां कमीशन इत्यादि।

ऋणपत्र के अंकित मूल्य को ऋणपत्र खाते में क्रेडिट करते हैं। तथा प्राप्त प्रीमियम को एक अलग खाते Debenture Premium A/c में क्रेडिट करते हैं।

Jounral Entry :

All Amount Due :

Debenture Allotment A/c Dr.

To Debenture A/c

To Premium on Issue of Debenture A/c

ऋणपत्रों का कटौती पर निर्गमन
(Issue of Debenture at Discount)

जब कोई कम्पनी अपने ऋणपत्रों को अंकित मूल्य से कम मूल्य पर निर्गमित करती है तो इसे ऋणपत्रों का कटौती पर निर्गमन कहा जाता है। अन्य किसी सूचना के अभाव में कटौती का लेखा आबंटन के साथ किया जाता है। कम्पनी अधिनियम में अंशों पर दी जाने वाली अधिकतम कटौती की सीमा निश्चित है। परन्तु इसमें ऋणपत्रों पर दी जाने वाली कटौती की कोई अधिकतम सीमा निश्चित नहीं है कम्पनी समस्त अंकित मूल्य के लिए देनदार है इसलिए ऋणपत्रों की पूरी राशि चिट्ठे के दायित्व पक्ष में कटौती की राशि सम्पत्ति पक्ष में विविध व्यय (Miscellaneous Expenditure) शीर्षक के अन्तर्गत दिखाई जाती है। ऋणपत्रों पर दी गई कटौती कम्पनी की पूँजीगत हानि है। इसे बात में पूँजीगत लाभों से या लाभ–हानि खाते से अपलिखित (Write-off) किया जाता है। कम्पनी अधिनियम के अनुसार कटौती की राशि को ऋणपत्रों के शोधन तक अपलिखित करना आवश्यक है।

ऋण की सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋण पत्रों का निर्गमन
(Debentures Issued as a Collateral Security for loan)

सहायक प्रतिभूति से अर्थ अतिरिक्त प्रतिभूति से है। जब कम्पनी बैंक से या बीमा कं. से या वित्तीय संस्थाओं से ऋण लेती है तो जमानत के रूप में मूल प्रतिभूति के अतिरिक्त अपने ऋणपत्रों को सहायक प्रतिभूति के रूप में जमा करवा देती है। यदि ऋण लेने वाली कम्पनी ब्याज व मूलधन का भुगतान ठीक प्रकार करती रहेगी तो सहायक प्रतिभूतियों का प्रयोग नहीं किया जाएगा परन्तु भुगतान न करने की स्थिति में या समझौते का पालन न करने की स्थिति में ऋणदाता सहायक प्रतिभूतियों से भी अपनी रकम वसूल कर सकता है। ऋण एवं ब्याज का भुगतान प्राप्त करने के बाद ऋणदाता ऐसे ऋणपत्र वापिस दे देगा जिसे कम्पनी रद्द कर देगी। सहायक प्रतिभूतियों का लेखा निम्नलिखित दो विधियों से किया जा सकता है—

(1) प्रथम विधि (Without recording any entry)—इस विधि में यह माना जाता है कि ऋणपत्रों का वास्तव में निर्गमन नहीं हुआ केवल जमानत के रूप में रखवाये गये हैं। अतः ऋणपत्र निर्गमित करने की कोई प्रविष्टि नहीं की जाती। केवल ऋण लेने

की Entry कर लेते हैं तथा चिट्ठे में ऋण के नीचे नोट के रूप में लिखा जाता है कि इस ऋण की सहायक प्रतिभूति के रूप में कम्पनी ने अपने ऋणपत्र दे रखे हैं।

(a) ऋण लेने पर–

Bank A/c Dr.

To Loan A/c

(b) ऋणपत्र निर्गमित करने पर–

No Entry

(2) द्वितीय विधि (By Passing on Entry)–इस विधि में ऋण लेने की प्रविष्टि के साथ–साथ ऋण पत्रों के सहायक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित करने की प्रविष्टि भी की जाती है। ऋणपत्र निर्गमित करने के बदले में बदले में नकद या सम्पत्ति प्राप्त नहीं होती। अतः ऋणपत्रों के निर्गमन की प्रविष्टि में Debenture Suspense A/c की डेबिट तथा Debenture A/c को क्रेडिट किया जाता है। Debenture A/c को चिट्ठे के दायित्व पक्ष में तथा Debenture Suspense A/c को सम्पत्ति पक्ष में लिखा जाता है। जब कम्पनी ऋण वापिस लौटा देगी तो Debenture Suspense A/c को क्रेडिट करके Debenture A/c को डेबिट कर दिया जायेगा।

(a) ऋण लेने पर–

Bank A/c Dr.

To Loan A/c

(b) सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र निर्गमित करने पर–

Debenture Suspense A/c Dr.

To Debenture A/c

(c) ऋण की रकम वापिस करने पर–

Loan A/c Dr.

To Bank A/c

(d) सहायक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किये गए ऋणपत्र वापिस लेने पर–

Debenture A/c Dr.

To Debenture Suspense A/c

ऋणपत्रों पर कटौती
(Discount on Debentures)

ऋणपत्रों के निर्गमन के समय दी गई कटौती एक पूँजीगत हानि होती है। अतः इसे यथासम्भव जल्दी ही अपलिखित करना आवश्यक है। इसे दो प्रकार से अपलिखित किया जा सकता है।

(1) इसे पूँजी संचय से अपलिखित किया जा सकता है, क्योंकि यह एक पूँजीगत हानि है। कम्पनी अधिनियम इसे अंश प्रीमियम खाते से अपलिखित करने की आज्ञा भी देता है।

(2) ऋणपत्रों की कटौती को एक स्थगित आयगत व्यय भी माना जा सकता है तथा ऋणपत्रों के जीवनकाल में लाभों में से अपलिखित की जा सकती है।

यदि पूँजी संचय न हो तो ऋणपत्रों की कटौती को स्थागित आयगत व्यय माना जायेगा तथा जब तक ऋणपत्रों का भुगतान होता है तब तक हर वर्ष समानता के आधार पर लाभों से अपलिखित किया जाएगा। यह दो प्रकार से हो सकता है।

(1) स्थायी किस्त पद्धति (Fixed Instalment Method)—यदि ऋणपत्रों का शोधन एक निश्चित अवधि के बाद एक बार में होना हो तो कटौती की कुल राशि को उस अवधि से भाग देकर समान किश्त निकाल ली जाती है तथा प्रतिवर्ष वही राशि लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरित कर दी जाती है। जैसे माना कटौती की कुल राशि 10,000 रु. है तथा ऋणपत्रों का भुगतान 4 वर्ष बाद होना है तो $\frac{10,000}{4}$ = 2,5000 रु. हर वर्ष लाभ–हानि खाते से अपलिखित किये जाएंगे। इस पद्धति से कटौती की हानि का बोझ हर वर्ष के लाभ–हानि पर समान रूप से पड़ता है, परन्तु यह पद्धति तभी अपनायी जानी चाहिए जब सारे ऋणपत्रों का भुगतान एक साथ एक निश्चित अवधि के बाद करना हो। अन्तिम वर्ष के अन्त में "Discount A/c" का शेष "NIL" हो जायेगा। इसके लिए हर वर्ष के अन्त में सिर्फ एक अतिरिक्त प्रविष्टि की जाती है।

Entry :

Profit and Loss A/c Dr.

To Discount on Debenture A/c

(2) अनुपातिक या अस्थायी किस्त पद्धति (Proportionate or variable instalment method)—यदि ऋणपत्रों का भुगतान किस्तों में किया जाता है तो कटौती की राशि को इस प्रकार अपलिखित करना चाहिए कि जिस वर्ष ज्यादा राशि का प्रयोग किया गया है उस वर्ष लाभ–हानि खाते पर ज्यादा बोझ पड़े अर्थात् कटौती की राशि को घटती हुई किस्त पद्धति से अपलिखित किया जाना चाहिए। अतः इसे कटौती अपलिखित करने की अनुपातिक पद्धति या अस्थायी किस्त पद्धति कहते हैं। इसमें शुरू के वर्षों में लाभ–हानि खाते पर ज्यादा बोझ पड़ता है जो बाद के वर्षों में कम होता जाता है। अपलिखित करने वाली राशि प्रतिवर्ष घटती जाती है।

Illustration 1.

A Company issued 9% Debentures of the face value of Rs. 2,00,000 at a discount of 6%. The debentures were repayable by annual drawings of Rs. 40,000. How would you deal with the discount on debentures? Show the discount account in company's ledger for the duration of debentures.

एक कम्पनी ने 2,00,000 रुपये अंकित मूलय के ऋणपत्र 6% कटौती पर निर्गमित किए। ऋणपत्रों की वापसी प्रत्येक वर्ष के अन्त में 40,000 रु. के वार्षिक आहरण द्वारा होनी है। ऋणपत्रों पर कटौती के लेखे आप कैसे करेंगे? कम्पनी की पुस्तकों में ऋणपत्रों की अवधि तक कटौती खाता बनाइए।

Solution :

Total Discount = Rs 20,00,000 × $\frac{6}{100}$ Rs. 12,000

कुल 12,000 रु. की कटौती को 5 वर्षों तक हर वर्ष के प्रारम्भ में ऋणपत्रों की देय राशि के अनुपात में अपलिखित किया जाना है।

Year	Amount of Debentures Outstanding Rs.	Ratio	Discount to be written off Rs.
Ist year	2,00,000	5	12,000 × $\frac{5}{15}$ = Rs. 4,000
2nd year	1,60,000	4	12,000 × $\frac{4}{15}$ = Rs. 3,200
3rd year	1,20,000	3	12,000 × $\frac{3}{15}$ = Rs. 2,400

4th year	80,000	2	$12{,}000 \times \frac{2}{15}$ = Rs. 1,600
5th year	40,000	$\frac{1}{15}$	$12{,}000 \times \frac{1}{15}$ = Rs. 800

As outstanding balance Ratio is 5 : 4 : 3 : 2 : 1 total discount of Rs. 12,000 is divided into this ratio.

Illustration 2.

R. Ltd. issued Debentures at 94% for Rs. 1,00,000 on 1st April 1994 repayable by five equal annual drawings of Rs. 20,000 each. The company closes its accounts on calender year basis.

Indicate the amount of discount to be written-off every accounting year.

1 अप्रैल, 1994 को आर लिमिटेड ने 1,00,000 रुपये के ऋणपत्र 94% पर निर्गमित किये जिनका भुगतान 20,000 रु. की पांच बराबर वार्षिक किस्तों में होना है। कम्पनी अपने खाते कैलेण्डर वर्ष के आधार पर बन्द करती है।

हर खाता वर्ष में कितनी अपलिखित की जाएगी? बताइए।

Solution :

CALCULATION TABLE

Total discount Rs. 6,000

1 Year	2 Month	3 Amount used	4 Product 2 × 3	5 Total Product	6 Ratio	7 Discount to be written off
1994	April to Dec. = 9	1,00,000	9,00,000	9,00,000	15	$6{,}000 \times \frac{15}{60}$ = Rs. 1,500
1995	Jan. to Mar. = 3	1,00,000	3,00,000	10,20,000	17	$6{,}000 \times \frac{17}{60}$ = Rs. 1,700
	Apr. to Dec. = 9	80,000	7,20,000			
1996	Jan. to Mar. = 3	80,000	2,40,000	7,80,000	13	$6{,}000 \times \frac{13}{60}$ = Rs. 1,300
	Apr. to Dec. = 9	60,000	5,40,000			
1997	Jan. to Mar. = 3	60,000	1,80,000	5,40,000	9	$6{,}000 \times \frac{9}{60}$ = Rs. 900
	Apr. to Dec. = 9	40,000	3,60,000			
1998	Jan. to Mar. = 3	40,000	1,20,000	3,00,000	5	$6{,}000 \times \frac{5}{60}$ = Rs. 500
	Apr. to Dec. = 9	20,000	1,80,000			
1999	Jan. to Mar. = 3	20,000	60,000	60,000	1	$6{,}000 \times \frac{1}{60}$ = Rs. 100
					60	Total Rs. 6,000

नोट—अनेक खाता वर्षों में ऋण की जितनी राशि प्रयोग की गई है उसके अनुसार कटौती की राशि लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरित की जाएगी।

शोधन की शर्तों के दष्टिकोण से ऋणपत्रों का निर्गमन
(Issue of Debentures from the point of view of conditions on Redemption)

ऋणपत्रों के निर्गमन के समय कम्पनी अपनी इच्छानुसार उनके शोधन के सम्बन्ध में भी कुछ विशिष्ट शर्तों निश्चित कर सकती है। ये शर्तें निम्न पाँच प्रकार से सम्भव हो सकती हैं।

सम्भावना (Possibility)	निर्गमन की शर्तें (Conditions of Issue)	शोधन की शर्तें (Conditions of Redemption)
1.	समूल्य पर निर्गमन (Issued at Par)	सममूल्य पर शोधन (Redeemable at Par)
2.	कटौती पर निर्गमन (Issued at Discount)	सममूल्य पर शोधन (Redeemable at Par)
3.	प्रीमियम पर निर्गमन (Issued at Premium)	सममूल्य पर शोधन (Redeemable at Par)
4.	सममूल्य पर निर्गमन (Issued at Par)	प्रीमियम पर शोधन (Redeemable at Parmium)
5.	कटौती पर निर्गमन (Issued at Discount)	प्रीमियम पर शोधन (Redeemable at Parmium)

उपरोक्त सभी स्थितियों से यह स्पष्ट है कि ऋणपत्रों का निर्गमन तो, सममूल्य पर या कटौती पर या प्रीमियम पर किया जा सकता है, परन्तु उनका शोधन सममूल्य पर या प्रीमियम पर ही सम्भव हैं परन्तु ऋणपत्रों का शोधन कटौती पर नहीं होता है। कभी–कभी कम्पनी खुले बाजार से ऋणपत्र खरीद लेती है जो साधारणतः सममूल्य से कम मूल्य में मिल जाते हैं और उनका शोधन करके कम्पनी लाभ अर्जित कर सकती है। इसको कई बार ऋणपत्रों का कटौती पर शोधन भी कहा जाता है। ये स्थितियाँ केवल तभी सम्भव हैं जब शोधन सम्बन्धी शर्तें पहले से तय कर ली जाएँ।

जर्नल प्रविष्टियाँ (Jounal Entries)

(1) ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गमन तथा सममूल्य शोधन
(Issue of Debenture at par and redeemable at par)

(a) Entry at the time of issue Debentures :

Bank A/c	Dr.	(with nominal value)
To Debentures A/c		

(b) Entry at the time of Redemption :

Debentures A/c	Dr.	(with nominal value)
To Bank A/c		

(2) ऋणपत्रों का कटौती पर निर्गमन तथा सममूल्य पर शोधन
(Issue of Debenture at Discount and Redeemable at par)

(a) Entry at the time of issue of Debentures :

Bank A/c	Dr.	(Amount received)
Discount on Issue of Debentures A/c	Dr.	(Amount of Discount)
To Debentures A/c		(Nominal value)

(b) Entry at the time of Redemption :

Debentures A/c	Dr.	(with nominal value)
To Bank A/c		

(3) ऋणपत्रों का प्रीमियम पर निर्गमन तथा सममूल्य पर शोधन
(Issue of Debenture at Discount and Redeemable at par)

(a) Entry at the time of issue of Debentures :

Bank A/c	Dr.	(Amount received)
To Debentures A/c		(Nominal value)
To Premium on Debentures A/c		(Amount of premium)

(b) Entry at the time of Redemption :

Debentures A/c	Dr.	(with nominal value)
To Bank A/c		

यदि ऋणपत्र पर शोधन सम्बन्धी शर्त का वर्णन न हो तो यह माना जाता है कि शोधन सममूल्य पर होगा। यदि कम्पनी अपने ऋणपत्रों का शोधन प्रीमियम पर करना चाहती है तो ऋणपत्र पर ही यह अंकित कर दिया जाता है कि इन ऋणपत्रों के शोधन पर प्रीमियम दिया जाएगा। यह कम्पनी की भविष्य में होने वाली एक निश्चित हानि है जो कम्पनी को पहले से ज्ञात है। अतः लेखांकन के संकीर्णता के सिद्धान्त (Conservative Principle) के अनुसार शोधन पर देय प्रीमियम की प्रविष्टि भी ऋणपत्रों के निर्गमन के साथ ही की जाती है। इसके लिए निर्गमन की सामान्य प्रविष्टियों में निम्न प्रविष्टि जोड़ दी जाती है।

Entry :

Loss on Issue of Debentures A/c	Dr.
To Premium on Redemption of Debentures A/c	

भविष्य में ऋणपत्रों के शोधन के समय अधिक भुगतान करने से कम्पनी को हानि होगी। अतः इस हानि की राशि को निर्गमन की हानि मानकर 'Loss on Issue of Debentures A/c' को डेबिट कर देते हैं जिससे आने वाले वर्षों में (ऋणापत्रों के जीवनकाल में) यह हानि लाभ–हानि खाते से अपलिखित की जा सके। 'Loss on issue of Debenture A/c' के शेष को चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में "Misc. Expenditure" शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

'Premium on Redemption of Debentures A/c' एक व्यक्तिगत खाता (Personal A/c) है क्योंकि ऋणपत्रधारियों को भविष्य में दी जाने वाली प्रीमियम कम्पनी की देनदारी है। अतः जब तक इसका भुगतान नहीं हो जाता इसे चिट्ठे के दायित्व (Liabilities) पक्ष में दिखाया जाता है।

यदि ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम लिया जा रहा हो तो उनका शोधन सममूल्य पर ही हो सकता है। निर्गमन की शर्तों के अनुसार उनका शोधन प्रीमियम पर नहीं हो सकता।

निर्गमन की शर्तों में यह व्यवस्था नहीं की जा सकती कि ऋणपत्रों का शोधन कटौती पर होगा। हाँ कम्पनी अपने ऋणपत्र खुले बाजार से कम मूल्य में खरीद कर उनके शोधन से कुछ लाभ कमा सकती है।

(4) ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गमन तथा सममूल्य पर शोधन
(Issue of Debenture at per and Redeemable at premium)

(a) Entry at the time of issue :

Bank A/c	Dr.	(Amount received)
Loss on Issue of Debentures A/c	Dr.	(Amount of premium payable)
To Debentures A/c		(Nominal value)
To Premium on Redemption Debentures A/c		(Amount of Premium payable)

(b) Entry at the time of Redemption :

Debentrues A/c	Dr.	(Nominal Value)
Premium on Redemption of Debentures A/c	Dr.	(Amount of premium (paid)
To Bank A/c		(Total amount paid)

(5) ऋणपत्रों का कटौती पर निर्गमन तथा प्रीमियम पर शोधन (Issue of Debentures at discount and redeemable at premium)

(a) Entry at the time of issue:

Bank A/c	Dr.	(Amount received)
Discount on Issue of Debentures A/c	Dr.	(Amount of discount allowed)
To Debentures A/c		(Nominal value)
To premium on Redemption of Debentures A/c		(Premium payable)

Alternatively

ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती "Discount on Issue of Debentures" तथा 'ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि' (Loss on issue of Debentures) दोनों निर्गमन की हानियां हैं। अतः इन दोनों को मिलाकर 'Loss on Issue of Debentures' खाते में भी डेबिट कर सकते हैं।

Entry :

Bank A/c	Dr.	(Amount received)
Loss on Issue of Debenture A/c	Dr.	(Discount Allowed plus Premium Payable)
To Debenture A/c		(Nominal Value)
To Premium on Redemption of Debenture A/c		(Premium Payable)

(b) Entry at the time of Redemption :

Debentures A/c	Dr.	(Nominal value)
Premium on Redemption of Debentures A/c	Dr.	(Amount of Premium paid)
To Bank		(Total amount paid)

Illustration 3.

Journalise the transactions :

(a) A debenture issued at Rs. 940 repayable at Rs. 1,000.

(b) A debenture issued at Rs. 940 repayable at Rs. 1060.

(c) A debenture issued at Rs. 1,000 repayable at Rs. 1060

(d) A debenture issued at Rs. 1060 repayable at Rs. 1000

Note : Face value of each debenture is Rs. 1000

जर्नल प्रविष्टियां कीजिए—

(a) एक ऋणपत्र 940 रु० में निर्गमित किया गया जिसका शोधन 1000 रु० में होना है।

(b) एक ऋणपत्र 940 रु० में निर्गमित किया गया जिसका शोधन 1060 रु० में होना है।

(c) एक ऋणपत्र 1000 रु० में निर्गमित किया गया जिसका शोधन 1060 रु० में होना है।

(d) एक ऋणपत्र 1060 रु० में निर्गमित किया गया जिसका शोधन 1000 रु० में होना है।

नोट—प्रत्येक ऋणपत्र का अंकित मूल्य 1,000 रु० है।

Solution :

JOURNAL

				Rs.	Rs.
(a)	Bank A/c	Dr.		940	
	Discount on Issue of Debenture A/c	Dr.		60	
	To Debenture A/c				1,000
	(Being debenture issued at discount and redeemable at Par)				
(b)	Bank A/c	Dr.		940	
	Loss on Issue of Debenture A/c	Dr.		120	
	To Debenture A/c				1,000
	To Premium on Redemption of Debenture A/c				60
	(Being debenture issued at discount redeemable at a premium)				
(c)	Bank A/c	Dr.		1,000	
	Loss on Issue of Debenture A/c	Dr.		60	
	To Debenture A/c				1,000
	To Premium on Redemption of Debenture A/c				60
	(Being debenture issued at par redeemable at premium)				
(d)	Bank A/c	Dr.		1,060	
	To Debenture A/c				1,000
	To Premium on Issue of Debenture A/c				60
	(Being debenture issued at premium and redeemable at Par)				

ASSIGNMENTS

1. What do you mean by debenture? Explain briefly the different types of debentures.

   ऋणपत्र से आप क्या समझते हैं? ऋणपत्रों के विभिन्न प्रकारों को संक्षेप में समझाइये।

2. What is the difference between an equity share and a debenture?

   समता अंश और ऋणपत्र में क्या अन्तर है?

3. What do you understand by issuance of debenture at par, at discount and at premium? Pass necessary journal entries under all the three cases by taking imaginary examples.

ऋणपत्र के सममूल्य, कटौती एवं प्रीमियम पर निर्गमन से आप क्या समझते हैं? काल्पनिक उदाहरण देकर तीनों दशाओं में रोचनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

4. By giving suitable illustrations, explain how the following will be dealt within accounts.

(a) Issue of debentures as collateral security.

(b) Issue of debentures for consideration other than cash.

(c) Issue of debentures at discount repayable at premium.

(d) conversion of debentures into shares at premium.

उपर्युक्त उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए कि निम्नलिखित को पुरुषों में किस प्रकार दिखाया जाएगा—

(a) समर्थक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र जारी करना।

(b) अन्य प्रतिफल के बदले ऋणपत्रों का निर्गमन।

(c) ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमन तथा प्रीमियम पर विमोचन।

(d) ऋणपत्र का अंशों में (प्रीमियम पर) परिवर्तन करना।

5. Explain with examples both the methods of writing-off discount on issue of debentures.

ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती को अपलिखित करने के दोनों पद्धतियों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

QUESTIONS

1. A limited company took a loan of Rs. 8,00,000 from Union Bank and issued 10,000, 11 % debentures of Rs. 100 each as collateral security. Four months after the above loan the company again took a loan of Rs. 3,00,000 from Union Bank and deposited 4,000, 11 % debentures of Rs. 100 each as collateral security.

Pass journal entries, if any. Also show how the Debentures A/c Bank Loan A/c and Debenture Suspense A/c will appear in the Balance Sheet of the company.

एक लिमिटेड कम्पनी ने यूनियन बैंक से 8,00,000 रुपये का ऋण लिया तथा 100 रु० वाले 10,000, 11% ऋणपत्र सहायक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किये। उपरोक्त ऋण के चार माह बाद कम्पनी ने यूनियन बैंक से 3,00,000 रुपये का एक और ऋण लिया तथा 100 रुपये वाले 4,000, 11% ऋणपत्र प्रतिभूति के रूप में जमा करवाये।

जर्नल प्रविष्टियां बनाइए, यदि कोई हो तो। कम्पनी के चिट्ठे में ऋणपत्र खाता, बैंक ऋण खाता, व ऋणपत्र उचन्ती खाता दिखाए।

Ans. : Cash at Bank Rs. 11,00,000; Bank Loan A/c Rs. 11,00,000; Debentures A/c Rs. 14,00,000 Debenture Suspense A/c Rs. 14,00,000.

2. A.B.C Ltd. issued 500, 12% Debentures of Rs. 100 each at 98% on 1 January, 1990. Under the terms of issue (a) debenture interest is payable annually on 31st December every year and (b) One-fifth of the Debentures are annually redeemable by drawings, the first redemption occuring on 31 st December 1991.

Show Debenture Account, Debenture Interest Account and Discount on Issue of Debentures Account (with working) upto 31st December 1992 assuming that (i) company's accounting date is 31st December and (ii) all the terms of debenture issue are duly complied with.

Ans. : Amount to be written-off in 1990 Rs. 250; 1991 Rs. 250 and 1992 Rs. 200.

3. A company issued 10,000, 9% Debentures of Rs. 100 each at a discount of 6% redeemable by drawings in the following manner :

Year End	Amount to be paid (Face Value)
3rd	1,00,000
5th	1,00,000
6th	4,00,000
7th	4,00,000

How much discount will be written off each year?

Ans. : Discount to be written off 1st, IInd and IIIrd year rs. 10,000 per year; IVth and Vth year Rs. 9,000 per year; VIth year Rs. 8,000 and VIIth year Rs. 4,000.

4. Give Journal entries for the issue of debentures in the following cases and prepare the Balance Sheet in each case :

(a) Issued Rs. 8,00,000, 11% Debentures at par, redeemable at par.

(b) Issued Rs. 8,00,000, 11% Debentures at a discount of 8% redeemable at par.

(c) Issued Rs. 8,00,000, 11% Debentures at a premium of 20% redeemable at par.

(d) Issued Rs. 8,00,000, 11% Debentures at par, redeemable at 5% premium.

(e) Issued Rs. 8,00,000, 11% Debentures at a discount of 8% redeemable at 5% premium.

निम्न स्थितियों में ऋणपत्रों के निर्गमन की जर्नल प्रविष्टियां कीजिए तथा प्रत्येक स्थिति में चिट्ठा भी बनाइए।

(a) 8,00,000 रुपये के 11% ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर किया गया, इनका शोधन भी सममूल्य पर होना है।

(b) 8,00,000 रुपये के 11% ऋणपत्रों का निर्गमन 8% कटौती पर किया गया, इनका शोधन भी सममूल्य पर होना है।

(c) 8,00,000 रुपये के 11% ऋणपत्र 20% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये इनका शोधन भी सममूल्य पर होना है।

(d) 8,00,000 रुपये के 11% ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित किये गये, इनका शोधन 5% प्रीमियम पर होना है।

(e) 8,00,000 रुपये के 11% ऋणपत्र 8% कटौती पर निर्गमित किये गये, इनका शोधन 5% प्रीमियम पर होना है।

Ans. : (b) Discount on Issue Rs. 64,000 (c) Premium on Issue Rs. 1,60,000 (d) Loss on Issue Rs. 40,000 (e) Discount Issue Rs. 64,000 and Loss on Issue Rs. 40,000; Total Loss on Issue Rs. 1,04,000.

5. X Ltd. issued debentures at 95% for Rs. 2,00,000 on 1st July 1994 repayable by five equal annual drawings of Rs. 40,000 each. The company closes its accounts on calender year basis.

Indicate the amount of discount to be written-off every accounting year.

1 जुलाई, 1994 को 'एक्स' लिमिटेड ने 2,00,000 रुपये के ऋणपत्र 95% पर निर्गमित किये जिनका भुगतान 40,000 रुपये की पांच बराबर किस्तों में होना है। कम्पनी अपने खाते कैलेण्डर वर्ष के आधार पर बन्द करती हैं।

हर खाता वर्ष में कितनी कटौती अपलिखित की जाएगी? बताइए।

Ans. : Discount to be written-off 1994 Rs. 1667; 1995 Rs. 3,000; 1996 Rs. 2,333; 1997 Rs. 1,667; 1998 Rs. 1000 and 1999 Rs. 333.

6. Show by means of journal entries, the following at the time of issue on 1st January, 1993 and redemption after 5 year on 31st Dec. 1997.

   (a) W Ltd. issued 5,000, 9% Debentures of Rs. 100 each at a discount of 6% redemable at par at the end of the fifth year.

   (b) X Ltd. issued 10,000, 10% Debentures of Rs. 100 each at a discount of 6%, redeemable at a premium of 6% at the end of fifth year.

   (c) Y Ltd. issued 15,000, 11 % Debentures of Rs. 100 each at par, redeemable at a premium of 10% at the end of fifth year.

   (d) Z Ltd. issued 20,000, 12% Debentures of Rs. 100 each at a premium of 20%, redeemable at par at the end of fifth year.

Ans. : (a) Discount Rs. 30,000; (b) Discount Rs. 60,000; Loss of Issue Rs. 60,000; (c) Loss on Issue Rs. 1,50,000 and (d) Premium on Issue Rs. 4,00,000.

❐

Dec.31	Profit on Redemption of Debentures A/c Dr.		900	
	To Discount on Debentures A/c			900
	(Being Rs. 900 from discount is written off from profit on redemption)			
Dec.31	Profit and Loss A/c Dr.		9,700	
	To Discount on Issue of Debentures A/c			100
	To Debentures Interest A/c			9,600
	(Being total interest transferred to &balance of discount written-off from P/L A/c			

BALANCE SHEET (Relevant items Only)
as on 31st Dec.1998

	Rs.		Rs.
12% Debentures	1,00,000	Discount on Debentures	Rs. 4,000
(1,000 Debentures of Rs 100 each)			

BALANCE SHEET (Relevant items Only)
as on 31st Dec. 1989

	Rs.		Rs.
12% Debentures	80,000	Discount on Debentures	Rs. 3,000
(800 Debentures of Rs 100 each)			

BALANCE SHEET (Relevant items Only)
as on 31st Dec. 1990

	Rs.		Rs.
12% Debentures	60,000	Discount on Debentures	Rs. 2,000
(600 Debentures of Rs 100 each)			

Working Note :

1. Calculation of Profit on Cancellation:

	Rs.
Face value of 200 Debentures Cancelled	20,000
Less: Purchase price of 200 Debentures (200 95) = 19,000	
Exp of purchase 100	19,100
Profit on Cancellation	900

2. Calculation of Discount transferred to P/L A/c in 1990 :

Discount to be written off per year	1,000
Less : Discount written off from Profit on Redemption	900
To be written off from P/L A/c	100

Illustration 7

A company had Rs 4,00,000, 5% debentures outstanding on Ist January. 1998 (redeemable on 31st December, 1998) On that date the Sinking Fund stood at Rs. 3,30,000, 3% stock. The annual instalment was Rs.14,200. On 31st December, 1998 investments were realised at Rs.98 and the debentures were redeemed Write up the accounts for 1998.

एक कम्पनी के पास 1 जनवरी, 1998 को 4,00,000 रु. के 5 प्रतिशत ऋणपत्र थे, जिनका भुगतान 31 दिसम्बर, 1998 को होना था। उस दिन सिंकिग फण्ड 3,74.500 रु. था, जो कि 50,000 रु. के निजी ऋणपत्र जिन्हें 99 रु. के औसत मूल्य पर क्रय किया गया था और 3,30,000 रु. 3 प्रतिशत स्टाक में विनियोजित है। वार्षिक किस्त 14,200 रु. थी 31 दिसम्बर, 1998 को विनियोगों से 98 रु. की दर से वसूली हुई और ऋणपत्रों का भुगतान कर दिया गया 1998 के लिये खाते बनाइए।

SINKING FUND INVESTMENT A/C

1998		Rs	1998		Rs.
Jan.1	To Balance b/d	3,25,000	Dec. 31	By Bank A/c	3,23,400
	(Face Value Rs 3,30,000)		Dec. 31	(Sale Proceeds)	
				$\left[33000 \times \frac{98}{100}\right]$	
				By Sinking Fund A/c	1,600
				(Loss on Sale)	
		3,25,000			3,25,000

OWN DEBENTURES A/C

1998		Rs.	1998		Rs.
Jan. 1	To Balance b/d	49,500	Dec. 31	By 5% Debentures A/c	49,500
	(Face Value Rs. 50,000)				

PROFIT ON REDEMTION OF DEBENTURES A/c

1998		Rs.	1998		Rs.
Dec.31	To Sinking Fund A/c	500	Dec 31	By 5% Debentures A/c	500
	(Transfeer of Profit)				

5% DEBENTURES A/C

1998		Rs.			Rs.
Dec.31	To Bank A/c	3,50,000	1998	By Balance b/d	4,00,000
Dec.31	To Own Debentures A/c	49,500	Jan 1		
Dec.31	To Profit on Redemption of Debentures A/c	500			
		4,00,000			4,00,000

SINKING FUND A/C

1998		Rs.	1998		Rs.
Dec.31	To Sinking Fund		Jan. 1	By Balance b/d	3,74,500
Dec.31	Investment A/c	1,600	Dec.31	By Interest on Sinking	9,900
	(Loss On Sale)		Dec.31	Fund Investment A/c	
	To General Reserve A/c	4,00,000	Dec.31	3,30,000 × 3%	
			Dec.31	By Debenture Interest A/c (Interest on Own debentures of Rs. 50,000 at 5%)	2,500
				By P/L Appropriation A/c	14,200
				Profit on Redemption of On Debentures	500
		4,01,600			4,01,600

Working Notes :

1. Calculation of the Cost Price of 3% stock: A/c:

	Rs.
Total of Sinking Fund Invested in Own Deb and 3% stock	3,74,500
Less : Cost price of Own Debentures $\frac{50,000}{100} \times 99$	49,500
Cost price of Investment in 3% stock	3,25,000

2. It is assumed that face value of each debenture is Rs 100

यदि ऋणपत्रों का क्रय ब्याज भुगतान की तिथि को किया जाए तो क्रय की तिथि तक का ब्याज ऋणपत्रधारी को दे दिया जाता है।

परन्तु वास्तव में ऋणपत्रों का क्रय वर्ष में किसी भी दिन किया जा सकता है। प्रायः ऋणपत्र ब्याज भुगतान की तिथि से पहले ही क्रय कर लिये जाते है। ऐसी स्थिति में लेखें करते समय इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है कि ऋणपत्र ब्याज सहित (Cum-Interest) क्रय किये गये हैं या ब्याज रहित (Ex-Interest)

यदि ऋणत्र ब्याज रहित (Ex-Interest) क्रय किये गये हैं तो पिछली ब्याज की तिथि से क्रय की तिथि का ब्याज विक्रेता को अलग से दिया जाएगा अर्थात् अनुबन्धित क्रय मूल्य में ब्याज शामिल नहीं है विक्रेता ब्याज लेने का अधिकारी है।

परन्तु यदि ऋणपत्र ब्याज सहित (Ex-Interest) क्रय किये गये हैं तो पिछली ब्याज की तिथि से क्रय की तिथि तक का ब्याज अनुबन्धित क्रय मूल्य में शामिल माना जाता है तथा इन दिनों का ब्याज विक्रेता अलग से लेने का अधिकारी नहीं है। अनुबन्धित क्रय मूल्य में से ब्याज की राशि घटाकर जो मूल्य होगा वहीं ऋणपत्रों का वास्तविक क्रय मूल्य माना जाएगा।

ऋणपत्रों के लिए दिया गया मूल्य पूंजीगत व्यय है तथा चुकाया गया ब्याज आयगत (Revenue) व्यय है।

इसलिए ऋणपत्रों का क्रय चाहे ब्याज रहित हो या ब्याज सहित, दोनो परिस्थितियों में लेखा करते समय क्रय की तिथि तक के ब्याज की गणना अवश्य करनी चाहिए तथा उसे ब्याज खाते में डेबिट करना चाहिए। ब्याज रहित क्रय मूल्य में ब्याज की राशि जोड़ने से कुल भुगतान की जाने वाली राशि ज्ञात की जाती है। जबकि ब्याज सहित क्रय मूल्य में जो राशि या दर दी गई है वहीं कुल भुगतान की राशि या दर है।

ब्याज रहित मूल्य
(Ex-Interest Price)

जैसे माना एक कम्पनी ने 30 जून को, 50,000 रुपये वाले 12% ऋणपत्र 96 रुपये की दर से ब्याज रहित क्रय किया ब्याज की भुगतान प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को होता है।

(a) यदि ऋणपत्र तुरन्त रद्द कर दिये जाए :

12% Debentures A/c	Dr.	50,000		(With nominal value of debentures)
Debentures Interest A/c	Dr.	3,000		(With interest for expired period)
To Bank A/c			51,000	(With total amount paid)
To Profit on Redemption of Debentures A/c			2,000	(With difference)

(b) यदि ऋणपत्र विनियोगों के रूप में किए जाए :

Own Debentures A/c	Dr.	48,000		(With amount paid towards Cost of Debentures)
Debentures Interest A/c	Dr.	3,000		(With interest for expired period)
To Bank A/c			51,000	(With total amount)

(c) उपरोक्त ऋणपत्रों को रद्द करने पर :

12% Debentures A/c	Dr.	50,000		(With Nominal Value)
To-Own Debentures A/c			48,000	(With Cost Price of Debentures)
To Profit on Redemption of Debentures A/c			2,000	(With the difference)

ब्याज सहित मूल्य
(Cum-Interest Price)

जैसे माना एक कम्पनी ने 30 जून को 50,000 रुपये के अपने 100 वाले ऋणपत्र 96 रुपये की दर से ब्याज सहित क्रय किये जबकि ब्याज का भुगतान प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को होता है। ऐसे में कम्पनी को (1 जनवरी से 30 जून तक) 6 महीने का अलग से नहीं देना पडेगा।

(a) यदि ऋणपत्र तुरन्त रद्द कर दिये जाए :

12% Debentures A/c	Dr.	50,000		(With nominal Value of Debentures
Debenturees Interest A/c	Dr.	3,000		(With the interest for expired period)
To Bank A/c of Debentures A/c			48,000	(With total amount paid)

(b) यदि ऋणपत्र विनियोगों के रूप में किए जाए :

Own Debentures A/c	Dr.	45,000		(With amount paid towards Cost of Debentures)
Debentures Interest A/c	Dr.	3,000		(With interest for expired period)
To Bank A/c			48,000	(With total amount)

(c) उपरोक्त ऋणपत्रों को रद्द करने पर :

12% Debentures A/c	Dr.	50,000		(With the nominal Value of Debentures)
To Own Debentures A/c			45,000	(With Cost Price of Debentures)
To Profit on Redemption of Debentures A/c			5,000	(With the difference)

नोट—1. यदि प्रश्न में सिंकिंग फन्ड दिया गया हो तो ऋणपत्रों के शोधन के लाभ को सिंकिंग फंड में हस्तांतरित करना चाहिए। सिंकिंग फन्ड न होने की स्थिति में यह लाभ Capital Reserve में हस्तांतरित किया जाता है।

2. यह ध्यान रखने योग्य बात है कि क्रेता को (Cum-Interest) की अपेक्षा Ex-Interest क्रय में ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा। इसके फलस्वरूप क्रेता को (Cum-Interest) का लाभ, (Ex-Interest) से ज्यादा होगा जैसे ऊपर वाले उदाहरण में Ex-Interest में 2,000 रु. का लाभ है जबकि (Cum-Interest) में लाभ बढ़कर 5,000 रु. हो गया।

3. यदि क्रेता वे विक्रेता का ब्याज के बारे में कोई समझौता नहीं हुआ तो Stock-Exchanges के नियामानुसार सभी अनुबन्ध Cum-Interest माने जायेंगें।

Illustration 8.

B.L. Ltd. had 12% Debentures of Rs. 2,00,000 outstanding in its books as on 1.4.1994. It also had a balance of Rs. 80,000 in Sinking Fund Account represented by 10% investments (Face value Rs. 1,00,000).

On 31.12.1994 it sold investments of the face value of Rs. 20,000 @ Rs; 90 cum-interest and with the proceeds purchased own debentures of the face value of Rs. 20,000 for immediate cancellation.

The interest dates for both debentures and investment A/c Interest on S.F. Investment A/c and Debentures Interest A/c.

1.4. 1994 को बी. एल. लि. की पुस्तकों में 2,00,000 रु. के 12% वाले ऋणपत्र हैं। इसके पास 80,000 रु. शेष सिंकिंग फण्ड में हैं जो कि 10% विनियोग (अंकित मूल्य 1,00,000 रु.) द्वारा प्रतिनिधि हैं।

31.12. 1994 को इसने 20,000 रु. अंकित मूल्य के विनियोग 90 रु. ब्याज सहित, की दर से बेच दिये और इस राशि से 20,000 अंकित मूल्य के अपने ऋणपत्र तुरन्त रद्द करने के लिए खरीद लिए।

ऋणपत्र व विनियोग दोनों की ब्याज तिथियां 30 सितम्बर व 31 मार्च है। सिंकिंग फण्ड को वार्षिक हस्तान्तरण 21,000 है। उपरोक्त से ऋणपत्र खाता, सिंकिंग फण्ड खाता, सिंकिंग फण्ड विनियोग पर ब्याज खाता व ऋणपत्र ब्याज खाता बनाइये।

Solution :

Ledger

SINKING FUND INVESTMENTS A/C

1994		Rs.	1994		Rs.
Apr.1	To Balance b/d	80,000	Dec. 31	By Bank A/c	17,500
Dec. 31	(Face Value Rs. 1,00,000) To Sinking Fund A/c (Profit on Sale of investments	1,500	1985 Mar. 31	By Balance c/d	64,000
		81,500			81,500

12% DEBENTURES A/C

1994		Rs.	1994		Rs.
Dec. 31	To Bank A/c	17,400	Apr. 1	By Balance b/d	2,00,000
Dec. 31	To Profit on Redemption of	2600			
1995	Debentures A/c	1,80,000			
Mar. 1	To Balance c/d	2,00,000			2,00,000

SINKING FUND A/C

1994		Rs.	1994		Rs.
Dec. 31	To General Reserve A/c	20,000	Apr. 1	By Balance b/d	80,000
1995 Mar. 31	To Balance c/d	94,600	Sept 30	By Interest on Sinking Fund Investment A/c	5,000
			Dec. 31	By Interest on Sinking Fund Investment A/c	500
			Dec. 31	By Sinking Fund Investment A/c (profit on sale transferred)	1,500
			1995		
			Mar. 31	By Profit on Redemption of Debentures A/c (Profit on cancellation)	
			Mar. 31	By Interest on Sinking Fund Investment A/c (on Rs. 80,000) for 6 months)	4,000
				By P/L Appropriation A/c	21,000
		1,14,600			1,14,000

DEBENTURE INTEREST A/C

1994		Rs.	1995		Rs.
Sept. 30	To Bank A/c	12,000	Mar. 31	By Profit & Loss A/c	23,400
Dec. 31	(On Rs. 2,00,000 for 6 months			(Balance Transferred)	
1995	at 12%)				
Mar. 31	To Bank A/c	600			
	(3 months interest paid with purchase Price)	10,800			
	To Bank A/c (On Rs. 1,80,000 for 6 months at 12%)				
		23,400			23,400

Working Notes :

(1) प्रश्न में प्रारम्भिक शेष 1 अप्रैल 1994 के दिये है तथा खाते बन्द करने की तिथि नहीं दी गई है। इसलिए यह मानना उचित होगा कि खाते 31 मार्च को बन्द किये जाते है।

(2) इस प्रश्न में पहले यदि जर्नल प्रविष्टियाँ बना ली जाए तो खाते बनाना ज्यादा सुविधाजनक होगा।

ENTRIES :

1994	Debenture Interst A/c	Dr.	12,000	
Sept. 30	To Bank A/c			12,000

Sept. 30	Interest on Sinking Fund Investment A/c	Dr.	5,000	
	To Sinking Fund A/c			5,000
	(Being interest transferred to SF)			
1994	Bank A/c	Dr.	18,000	
Dec. 31	To Sinking Fund Investment A/c			17,500
	To Interest on Sinking Fund Investment A/c			500

Total Amount Received or Sale Price	= 18,000
Less: Interest for 3 month i.e. from Ist Oct. to 31st Dec. at 10%	500
Amount Received for Investment	17,500

Dec. 31	12% Debentures A/c	Dr.	20,000	
	Debenture Interest A/c	Dr.	600	
	To Bank A/c			18,000
	To Profit Redemption of Debentures			2,600

Note: Total amount received from sale of investment is 18,000. So the total amoun paid to purchase debentures of Rs. 20,000 is Rs. 18,000 (Which includes interest also). Interest on Rs. 20,000 for 3 months at 12% = Rs. 600. Thus out of Rs. 18,000 only 17400 is paid for debentures.

$$\frac{20,000}{100}\times 90$$

			Rs.	Rs.
Dec. 31	Int. on sinking Fund Investment A/c	Dr.	500	
	Profit on Redemption A/c	Dr.	2600	
	Sinking Fund Investment A/c	Dr.	1500	
	(Profit on Sale)			
	To Sinking Fund A/c			46,000

Note : Calculation on the Profit on sale of Investment of Face Value of Rs. 20,000

		Rs.
Selling price of investment = $\frac{20,000}{100}\times 90$		18,000
Less: Interest included (for 3 months)		500
Less Cost Price of Investment		17,500
If Face Value is Rs. 1,00,000 then Cost	= Rs. 80,000	
If Face Value is Rs. 1 then Cost	= 30,000	
If Face Value is Rs. 20,000 then Cost		
1,00,000 $\frac{80,000}{1,00,000}\times 20,000$		= 16 000
Profit		1,500

			Rs.	Rs
Mar. 31	Debenture Interest A/c	Dr.	10,800	
	To Bank A/c			10,800

Note: Interest paid on Rs. 1,80,000 debentures for 6 months at 12% 1,80,000 × $\frac{6}{12}\times\frac{12}{100}$ = 10,800

Mar. 31	Interest on Sinking Fund Investment A/c	Dr.	4,000	
	To Sinking Fund A/c			4,000

Interest received on Investment

Rs. 80,000 $\frac{10}{100}\times\frac{6}{12}$ = Rs. 4,000

Working Notes:

Calculation of Cost of Own Debentures :

	Rs.
Purchased on 31 st Mar. 1996 cum-interest:	
Total Price payable $\left(\frac{10,00,000}{1,000}\times 975\right)$	9,75,000
Less : Interest for 3 months	18,750
	9,56,250
Purchased on 31 st May. 1996 cum interest:	
Total Proce Payable $\left(\frac{5,00,000}{1,000}\times 980\right)$	4,90,000
Less : Interest for 5 months	15,625
	4,74,375

ASSIGNMENTS

1. What are the varius methods of redemption of debentures. Describe their characteristics and explain their effect on accounts of a company.

   ऋणपत्रों के शोधन की कौन–कौन सी विधियाँ है? उनकी विशेषताओं का वर्णन करते हुए कम्पनी के लेखों पर उनके प्रभाव को समझाइए।

2. Describe the ‘Sinking Fund Method’ of redemption of debentures.

   ऋणपत्रों के शोधन की ‘सिकिंग फण्ड विधि’ विस्तार पूर्वक समझाइए।

3. Set out the accounting procedure for redemption of debentures by creation of Sinking Fund.

   ऋणपत्रों शोधन की ‘सिंकिंग फण्ड विधि’ के निर्माण हेतु लेखांकन प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

4. Giving illustrations, describe various method of redemption of debentures. While buying debentures from market, what treatment will be given to Ex-interest and Cum-interest transactions?

ऋणपत्रों के शोधन की विभिन्न पद्धतियों का उदाहरण देकर वर्णन कीजिए। ऋणपत्रों को बाजार से क्रय करते समय ब्याज रहित तथा ब्याज सहित व्यवहारों का लेखा किस प्रकार किया जाएगा?

5. What do you mean by 'conversion of Debentures'? If debentures were originally issued at a discount, how would you deal with the 'Conversion of debentures into shares'?

ऋणपत्रों के परिवर्तन से आप क्या समझते हैं? यदि ऋणपत्र प्रारम्भ में छूट पर निर्गमित किये गये हो तो उन 'ऋणपत्रों के अंशों में परिवर्तन का लेखा आप कैसे करेगे?

6. What is the difference between redemption of debentures of out of profit and redemption of debenture out of capital?

'ऋणपत्रों का लाभों में से शोधन' तथा 'ऋणपत्रों' का पूंजी से शोधन' में क्या अन्तर है।

7. What entries will be passed from buying 'Owing debentures' in the open market by a company? How own debentures will be shown in the balance sheet of the company.

एक कम्पनी द्वारा अपने स्वयं के ऋणपत्र खुले बाजार से खरीदने पर कौन–कौन सी प्रविष्टियाँ की जायेगीं? कम्पनी के चिट्ठे में अपने ऋणपत्रों को किस प्रकार दिखाया जायेगा?

8. Write short notes on:

(i) Own Debentures

(ii) Interest on Own Debentures

(iii) Ex-interest & cum-interest

Purchase of Debentures.

(iv) Non-Cumulative Sinking Fund

(v) Insurance Policy Method of redemption of debentures.

निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए:

(i) अपने ऋणपत्र

(ii) अपनं ऋणपत्रों का ब्याज

(iii) ब्याज रहित व ब्याज सहित ऋणपत्र क्रय करना

(iv) असंचयी सिंकिंग फण्ड

(v) ऋणपत्रों के शोधन की बीमा पॉलिसी विधि।

QUESTIONS

1. A company issued 800, 7% Debentures of Rs. 100 each on Ist January, 1990, repayable after 5 years. It was decided to set up a sinking fund for the purpose of redeeming these debentures. Sinking Fund Table reveals an amount of Rs. 0.180975 set aside every year and invested in 5% securities will yeld Rupee one after five years.

On 31 st December, 1994 the investments were sold for Rs. 61,400 and the debentures were redeemed. Give joined entries and prepare necessary accounts, in the books of Company.

एक कम्पनी ने 100 रुपये वाले 800, 7 प्रतिशत ऋणपत्रों का निर्गमन 1 जनवरी, 1990 को किया जो 5 वर्ष बाद शोध्य होंगे। इन ऋणपत्रों के शोधन के लिये कंपनी ने एक सिंकिंग फण्ड के निर्माण का निश्चय किया। सिंकिंग फंड तालिका यह बताती है कि प्रति वर्ष 0.180975-5 प्रतिशत वाली प्रतिभूतियों में विनियोग करने पर पाँच वर्ष में 1 रुपया एकत्र होगा।

31 दिसम्बर, 1994 को विनियोग 61,400 रुपये में बेच दिये गए और ऋणपत्रों का शोधन कर दिया गया। कम्पनी की पुस्तकों में जनरल प्रविष्टियाँ कीजिए और आवश्यक खाते बनाइए।

Ans. Annual Contribution to Sinking Fund Rs. 14478; Loss on Sale of Investment Rs. 100%.95; Balance of Sinking Fund transferred to General Reserve Rs. 78,998.05; Annual Contribution of 1994 has been reduced by 4 paise for adjustment purpose.

Interest. 1991 Rs. 723.90; 1992 Rs. 1484; 1993 Rs. 2282.05 and 1994 Rs. 3120.09

2. W.B. Company Ltd., issued on January 1, 1992 debentures for Rs. 60,000 at par, which are repayable in 1997 at a premium of 5%. The company resolves to create a Debenture Redemption Fund at 4 per cent compund interest.

Show Debenture Redemption Fund Account and Debenture Redemption Fund Investment Account for all the six year.

The annual instalment which would produce Re. 1 in 6 years at 4 percent is Re. 0.150761.

Ans. Annual Contribution Sinking Fund A/c Rs. 9497.94; Amount received on sale of Investments Rs. 51,443.91; Balance of Sinking fund transferred to Gereral Reserve Rs. 60,000; Annual contribution of 1994 increased by 39 paise to make the total of the credit side of Sinking fund A/c Rs. 63,000; Premium on Redemption transferred to Sinking Fund A/c Rs. 3,000; Intrest:- 1993 Rs. 379.92; 1994 Rs. 775.03; 1995 Rs. 1,185.95; 1996 Rs. 1,613.31; 1997 Rs. 2057.76.

Note : It is assumed that investments were sold at Par.

3. On 31 March 1999 Bata Ltd. had a Debenture Reserve Fund of Rs. 3,00,000 represented by the investments amounting to Rs. 3,48,00 in $7\frac{1}{2}$ % Govt. of India Bonds. The Company also had in the bank current account on 30th September 1999 of a balance of Rs. 36,000. The debentures amounting to Rs. 3,00,000 were paid off on 30th September 1999. Govt. of India Bonds were sold for this purpose and realised 82% net and the proceeds were deposited in the Current account on 30th September 1999. Record these transactions in the Company's ledger assuming that interest on investment is received on 30st March and 30th September each year.

31 मार्च को बाटा लिमिटेड के ऋणपत्र संचय कोष में 3,00,000 रुपये का शेष था जो कि 3,48,000 रुपये के भारत सरकार के बाँड में विनियोजित था। 30 सितम्बर 1999 को कम्पनी के बैंक में चालू खाते का शेष 36,000 रुपये था। 30 सितम्बर को 3,00,000 रुपये के ऋणपत्रों का भुगतान कर दिया गया। इसके लिए भारत सरकार के बॉडस का 82% (नेट) पर विक्रय किया गया तथा प्राप्त राशि 30 सितम्बर 1999 को चालू खातें में जमा करवा दी गई।

इन व्यवहारों का कम्पनी के खातों में यह मानते हुए लेखा कीजिए की विनियोग पर ब्याज 31 मार्च व 30 सितम्बर को प्राप्त किया जाता है।

Ans. Loss on Sale Rs. 14,640; Transfer to General Reserve Rs. 3,13,050; Bank Balance Rs. 34,410

Note: It is assumed that bank balance is before interest on investment.

4. The following balance appearea 10 the books of Dharma Ltd On 30th June 1996

11% Debentures	Rs.2,15,300
Debentures Redemption Fund	Rs. 1,71,300
Debentures Redemption Fund Investment	Rs. 1,71,300

(Invested in 8% Haryana Govt. Securities of the face Value of Rs. 2,00,000)

Interest is receivable on investments on 30th June and 31 st December. Annual contribution to Debenture Redemption Fund was Rs. 36,000 made On 31st December every year.

On 31 st December 1996 debentures were due for redemption. On this date bank balance was Rs. 72,000 (before receipt of interest on investment) . Investments were sold at a profit of 5% on cost and debentures were paie-off.

Prepare necessary Ledger accounts.

5. The following balance appeared in the books of Hindustan Sand Ltd.

Mortgage Debenture	Rs. 6,00,000
Debenture Sinking Fund	Rs. 6,05,000
Debenture Sinking Fund Investment	
5% Govt. Loan purchased at par	Rs. 3,60,000
4% Govt. Loan purchased of	Rs. 2,40,000

On 30th June 1993, 5% Govt. Loan was sold at a premium of 1% and 4% Govt. Loan at a discount of 8% On the above date the debentures were paid off at a premium of 2%. The interest on debentures had only been paid upto 31 st December 1992. Show the necessory accounts in the books of the company.

हिन्दुस्तान सेण्ड लिमिटेड की पुस्तकों में 31 दिसम्बर 1992 को निम्नलिखित शेष थे।

5 प्रतिशत बन्धक ऋणपत्र	6,00,000 रु.
ऋणपत्र सिंकिंग फण्ड	6,05,000 रु.
ऋणपत्र सिंकिंग फण्ड विनियोग खाता	
5 प्रतिशत सरकारी ऋण सममूल्य पर खरीदा	3,60,000 रु.
4 प्रतिशत सरकारी ऋण 2,40,00 रु. का खरीदा	2,30,000 रु.

30 जून 1993 को 5 प्रतिशत सरकारी ऋण का 1 प्रतिशत प्रीमियम पर तथा 4 प्रतिशत सरकारी ऋण 8 प्रतिशत बट्टे पर बेच दिया गया। इस तिथि को कम्पनी ने ऋणपत्रों का 2 प्रतिशत प्रीमियम पर भुगतान कर दिया गया। ऋणपत्रों पर ब्याज 31 दिसम्बर 1992 तक दिया गया है।

कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइये।

Ans. Loss on Sale Rs. 5,600; Transfer to General Reserve Rs. 5,87,400

6. The following balance appeared in the books of soft Drinks Ltd. As on 31 st Dec. 1998.

8% Debentures	14,00,000
Debentures Redemption Fund	5,30,000
Debentures Redemption Fund Investment	

	Face value (Rs.)	Cost (Rs.)
(a) Shares in Pure Drinks Ltd.	90,000	1,17,000
(b) Shares in Proper Drinks Ltd.	75,000	48,000
(c) Shares in Cold Drinks Ltd.	1,60,000	2,00,000
(d) Shares in Complete Drinks Ltd.	2,00,00	1,68,000

On the above data the investments were sold as under :

	Face value (Rs.)	Sold at (Rs.)
(a) Shares in Pure Drinks Ltd.	70,000	20% above Cost
(b) Shares in Proper Drinks Ltd.	50,000	95% Face Value
(c) Shares in Cold Drinks Ltd.	1,00,000	120% Face Value at par.
(d) Shares in Complete Drinks Ltd	87,300	

Debentures of Rs. 3,50,000 were redeemed at a premium of 4% out of the above sale proceeds. Pass journal entries and prepare necessary ledger account in the books of soft Drinks Ltd.

Ans. Profit on sale Rs. 42,668. Balance of Debenture Redemption Fund Investment A/c Rs. 2,11,668 Balance of Debenture Redemption Fund A/c 2,08,668 (after transferring Rs. 3,50,000 to General Reserve and writting off premium on Redemption Rs. 14,000)

7. On January, 1992 Kashi Gas Ltd. An issue of 10,000,7% debentures of Rs. 100 each of Rs. 94 debenture. The terms of issue provided for the redemption of Rs. 40,000 debenture every year commerncing from 1993, either by purchase or by drawing at par at the company's option Rs. 10,000 were written off the Debenture Discount A/c in each of the years 1992 and 1993. During the year 1993, the company purchased for cancellation, debentures of the value of Rs. 12,000 at Rs. 94 per debenture and Rs. 28,000 at Rs. 92 per debenture. Make an reasonable adjustment of profit on redemption. Make out necessary journal entries in the books of the company.

1 जनवरी, 1992 को काशी गैस लिमिटेड ने प्रत्येक 100 रु. वाले 10,000, 7 प्रतिशत ऋणपत्रों को 94 रु. प्रति ऋण पत्र पर निर्गमन किया। निर्गमन की शर्तों में ऐसी व्यवस्था थी कि 1993 से प्रारम्भ कर प्रतिवर्ष 40,000 रु. के ऋणपत्रों का कम्पनी की इच्छा पर क्रय द्वारा अथवा लाटरी द्वारा सममँलय पर शोधन जायेगा। 1992 तथा 1993 के वर्षों में से प्रत्येक वर्ष ऋणपत्र छूट खाते के 10,000 रु. अपलिखित किये गये। 1993 के वर्ष के दौरान कम्पनी ने निरस्त करने के लिए 94 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से 12,000 रु. के तथा 92 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से 28,000 रु. के मूल्य के ऋणपत्र क्रय किये। शोधन पर लाभ का उचित आयोजन कीजिए। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

Ans. Profit on Cancellation Rs. 2960; Profit transferred to General Reserve Rs. 37040.

8. Avinash Limited had issued 10,000, 6% preference shares of Rs. 100 each and 5,000, 6% debentures of Rs. 1,000 each on 1st January 1968. On Ist January 1978, it purchased 1,000 own debentures at Rs. 960 in the open market and cancelled half of these immediately. The remaining half were kept as investments out of which half were sold at Rs. 1,050 on Ist January 1979. The company closes its books on 31st December every year, Interest on debentures is also paid on 31 st December every year. Give Journal entries for 1978 and 1979. Also show the Balance Sheet of the company at the end of 1978, 1979.

1 जनवरी, 1968 को अविनाश लिमिटेड ने 10 रु. वाले 10,000, 6% अधिमान अंश तथा 1000 रु. 6% ऋणपत्र निर्गमित किए थे। 1 जनवरी 1978 को 1000 रु. पर खरीद कर उनमें से आधे ऋणपत्रों को तुरन्त रद्द कर दिया गया। शेष आधे विनियोग के रूपम में रखे गए तथा 1 जनवरी, 1979 को उनमें से भी आधे ऋणपत्रों को 1,050 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से बाजार में बेच दिया गया। कम्पनी अपने लेख प्रति वर्ष 31 दिसम्बर को बन्द करती है। ऋणपत्रों पर ब्याज प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को ही दिया जाता है। वर्ष 1978 तथा 1979 के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए। वर्ष 1978 और 1979 के लिए आर्थिक भी तैयार कीजिए।

Ans. Profit on Jan. 1, 1978 Rs. 20,000; Profit On Jan. 1, 1979 Rs. 22,500; Transfer to Capital Reserve Rs. 20,000 and Rs. 22,500.

Interest on 31 st December, 1978-out side Rs. 2,40,000;

Own interest Rs. 30,000; On 31st December 1979

Outside Rs. 2,55,000; Own interest Rs. 15,000.

9. On 1st July, 1990 Bareily Furnitures Ltd. 2000, 6% Debentures of Rs. 100 each. The interest is payable on 30 the June and 31 st December every year. The company is allowed to purchase its own debentures which may be cancelled or kept or reissued at the compnay's option. The company made the following purchases by cheques in the open market; on 31st may. 1991-2000 Debentures @ Rs. 98 ex-interest. On 30th-September, 1992-100 Debentures @ Rs. 97 cum-interest.

The debentures which were purshared on 31 st May, 1991 were cancelled on 31 st December, 1992. All payments were made on due dates.

Give journal entries to record the above transactions and also the relevant items in the balance sheet as on 31st December 1993.

1 जुलाई, 1990 को बरेली फर्नीचर लिमिटेड ने 100 रु. वाले 2000, 6% ऋणपत्रों का निर्गमन किया। ब्याज का भुगतान प्रतिवर्ष 30 जून तथा 31 दिसम्बर को किया जाता है, कम्पनी को यह अनुमति है कि वह अपने ऋणपत्रों को निरस्त करने रखने या पुनर्निर्गमित करने के लिए क्रय सकती है। कम्पनी ने खुले बाजार से निम्नलिखित क्रय को चेक के माध्यम से किया :

31 मई 1991 को 200 ऋणपत्र 98 रु. की दर से ब्याज रहित।

30 सितम्बर 1992 को 100 ऋणपत्र 97 रु. की दर से सहित।

31 मई 1991 को क्रय किये ऋणपत्रों को 31 दिसम्बर 1992 को निरन्तर कर दिया गया।

सभी भुगतान देय तिथियों को लिपिबद्ध करने के लिए जर्नल प्रविष्टि दीजिए तथा सम्बन्धित मदों को दिखाते हुए 31 दिसम्बर 1992 को आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

Ans. 6% Debentures Rs. 1,80,000; Own Debentures Rs. 9550.

10. Sumedha Limited issued 1,000, 9% debentures of Rs. 100 each on Ist July 1989. Interest is payable six monthly, i.e., on 30th June and 31st December of each year. The company is allowed to purchase its own debentures which may be kept, cancelled or re-issued by the company. The company made the following purchase in the open market :

On 31 st may 1990, 100 debentures @ Rs. 93 ex-interest.

On 30th Sept. 1991, 150 debentures @ Rs. 97 cum-interest.

The debentures purchased on 31 st May 1990 were cancelled on 31 st December 1991. Give entries record these transactions and show the Balance Sheet of Sumedha Ltd. On 31st December 1991.

सुमेधा लिमिटेड ने 1 जुलाई 1989 को 100 रुपये वाले 1000, 9% ऋणपत्र निर्गमित किए (ब्याज 30 जून व 31 दिसम्बर को देय है)

कम्पनी अपने ऋणपत्र क्रय कर सकती है जिन्हें कम्पनी के विकल्प पर निरस्त किया जा सकता है या उन्हें विनियोग की तरह रखा जा सकता है या पुनः निर्गमित किया जा सकता है कम्पनी ने निम्नलिखित क्रय खुले बाजार में किए :

31 मई 1990 को 100 ऋणपत्र 93 रु. की दर से ब्याज रहित।

31 दिसम्बर 1991 को 50 ऋणपत्र 97 की दर से ब्याज सहित।

31 मई 1990 को क्रय किए गए ऋणपत्र 31 दिसम्बर 1991 के रद्द कर दिये गए। इन सभी लेन–देनों की प्रविष्टियाँ दीजिए और 31 दिसम्बर 1991 का आर्थिक दर्शाइए।

Ans. 9% Debentures Rs. 90,000; Own Debentures Rs. 4738.

11. Some years back D.P. Tyres Tubes Ltd. Had issued 14% Rs. 3,00,000 Debentures redeemable at the company's option at 105% after giving three months notice. The company had built up a Debenture Sinking Fund partly represented by investments.

On 31st December, 1992 the Debenture Sinking Fund stood at Rs. 1,12,500 and the Investment Account appeared at Rs. 1,17,800 (Cost Price). On 30th September 1992, the company had given notice of its intension to redeem the whole of the debentures. Offering holders the right to subscribe for new 12% Debentures at 98%. This offer was accepted for a nominal value of Rs. 2,00,000 in new debentures. The cash required to payoff the old debentures was provided as to Rs. 96,700 by the sale of such investments as had the book value of Rs. 89,300 and the balance out of the current fund.

Give the necessary journal entries and prepare necessary accounts in the books of the company to complete the above transactions on 31st December 1992.

कुछ वर्षों पूर्वे उत्तर प्रदेश टायर ट्यूब्स लिमिटेड ने 14 प्रतिशत वाले 3,00,000 रु. के ऋणपत्र इस शर्त पर जारी किये थे कि कम्पनी के विकल्प पर वे ऋणपत्र तीन माह की अग्रिम सूचना देकर 105 प्रतिशत पर शोध्य होंगे। कम्पनी ने ऋणपत्रों के शोधन हेतु संचय बनाया था तथा उसका आंशिक भाग विनियोजित था। 31 दिसम्बर, 1992 को ऋणपत्र शोधन खातों को शेष 1,21,500 रु. तथा विनियोग खातें में शेष (लागत) 1,17,800 रु. था।

30 सितम्बर, 1992 को कम्पनी ने समस्त ऋणपत्रों को तीन माह बाद शोधन की सूचना दी थी। साथ में यह प्रस्ताव किया था कि ऋणपत्र धारक नये 12 प्रतिशत वाले ऋणपत्र 98 प्रतिशत के निर्गमित मूल्य पर ले सकते है। 2,00,000 रु. अंकित मूल्य के नये ऋणपत्र निर्गमित करने का विकल्प मान लिया गया। पुराने ऋणपत्रों का भुगतान करने के लिए आवश्यक रोकड़ 96,700 रु. में कुछ विनियोगों को बेचकर जिनका कि बहियों में मूल्य 89,300 रु. था तथा बाकी राशि निधियों से जुटाई गई।

उपर्युक्त व्यवहारों के लिए 31 दिसम्बर, 1992 को कम्पनी की बहियों में जर्नल प्रविष्टियों कीजिए तथा आवश्यक खाते बनाइये।

Solution :

JOURNAL OF U.P. TYRES TUBES LTD

	Bank A/c Dr.	96,700	
	To Debenture Sinking Fund Investment A/c		96,700
	(Being sale of investment)		

Debenture Sinking Fund Investment A/c Dr.		7,400	
To Sinking Fund A/c			7,400
(Being profit on sale transferred to Sinking Fund)			
14% Debentures A/c Dr.		4,00,0000	
Premium on Redemption A/c Dr.		10,000	
Discount on Issue of Debentures A/c Dr.		4,000	
To 12% Debentures A/c			2,00,000
To Bank A/c			14,000
(Being in exchange of amount payable on old debentures Rs. 2,10,000 issued new debentures of Rs. 2,00,000 at 98 and balance paid in Cash)			
14% Debentures A/c Dr.		1,00,000	
Premium on Redemption A/c Dr.		5000	
To Bank			1,05,000
(Being amount paid to rest of the debentureholders)			
Debenture Sinking Fund Dr.		15,000	
To Premium on Redemption A/c			15,000
(Being premium on redemption transferred)			
Debenture Sinking Fund Dr.		1,13,900	
To General Reserve A/c			1,13,900
(Balance of Sinking Fund transferred)			

Ledger

DEBENTURE SINKING FUND INVESTMENT A/C

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	1,17,800	By Bank A/c	96,700
To Debenture Sinking Fund A/c (Profit)	7,400	By Balance c/d	28,500
	1,25,200		1,25,200

DEBENTURE SINKING FUND A/C

	Rs.		ARs.
To premium on redemption A/c	15,000	By Balance b/d	1,21,500
To General Reserve A/c	1,13,900	By Debenture Sinking Fund Investment A/c (Profit)	7,400
	1,28,900		1,28,900

14% DEBENTURES A/C

	Rs.		Rs.
To 12% Debentures (2,00,000-4000)	1,96,000	By Balance b/d	3,00,000
To Bank A/c	4000		
To Bank A/c	1,00,00		
	3,00,000		3,00,000

PREMIUM ON REDEMPTION A/C

	Rs.		Rs.
To Bank A/c	10,000	By Debenture Sinking	
To Bank A/c	5,000	Fund A/c	15,000
	15,000		15,000

120% DEBENTURES A/C

	Rs.		Rs.
To Balance c/d	2,00,000	By 14% Debentures A/c	1,96,000
		By Discount on issue A/c	4,000
	2,00,000		2,00,000

12. On 1st October 1991 following balances stood in the books of a Company:

7% Second Mortgage Debenture Stock Rs. 4,00,000.

Income received in sinking fund investments Rs. 14,500.

Discount on issue of debentures Rs. 25,000

Sinking Fund Rs. 3,65,500.

Sinking Fund Investments consist of :

(a) Rs. 80,000 5% State Development Loans Rs. 76,000.

(b) Rs. 90,000 6% National Defence Bond Rs. 1,00,000.

(c) Rs. 70,000 7% Plan Progress Loan Rs. 70,000.

(d) Rs. 1,80,000 $7\frac{1}{2}$% Central Securities Rs. 1,85,000.

On the same day, the investments were sold:

1. The 5% State Development Loans at 90.
2. The 6% National Defence Bonds at par.
3. The 7% Plan Progress Loans at 115, and
4. The % Central Securities at 120.

On 1st October 1991, the debentures of Rs. 3,00,000 were redeemed at a premium of $2\frac{1}{2}$%. On the very same day 8% Moon Landing Loans of Rs. 1,00,000 were pruchased at a. premium of 3%. The annual contribution for redemption was Rs. 50,000. Ignore interest.

Prepare the following accounts :

(a) Debenture Stock Account (b) Sinking Fund Account (c) Sinking Fund Investment Account and (d) General Reserve Account.

Solution :

SINKING FUND A/C

1999		Rs	1999		Rs
Oct. 1	To Premium on Redemption of Debentures A/c	7,500	Oct. 1	By Balance b/d	3,65,500
	To General Reserve (Transfer)	3,00,000	Oct. 1	By Interest on Sinking Fund	14,500
	To Balance c/d	1,50,000	Oct. 1	Investment A/c	50,000
			Oct. 1	By Sinking Fund Investment A/c (profit on sale	27,500
		4,57,500			4,7,500

SINKING FUND INVESTMENT A/C

1991	Rs.	1991		Rs.	
Oct. 1	To Balance b/d Face Value		Oct. 1	By Bank A/c (Sale of Investment)	72,000
	State Development Loan 80,000	76,000		State Development Loan	
	National Defence Bonds 90,000	1,00,000		National Defence Bonds	90,000
	Plan Progress Loans 70,000	70,000		Plan Progress Loans	80,500
Oct. 1	Central Securities 1,80,000	1,85,000		Central Securitie	2,16,000
	To Bank A/c (Moon Landing Loan 1,00,000	1,03,000		By Balance c/d (Face value 1,00,000)	1,03,000
	To Sinking Fund A/c (Profit on Sale)	27,500			
		5,61,500			5,61,500

Working Notes:

1. **Calculation of profit on sale of Investment :**

Total Selling Price	Rs. 4,58,000
(72,000 + 90,000 + 80,500 +2,16,000)	
Less : Total Cost Price	
(76,000 +1,00,000 + 80,500 + 1,85,000)	Rs. 4,31,000
Profit on sale	27,500

2. An amount equal to the debentures redeemed is transferred from Sinking Fund to Gemeral Reserve.

13. Prosperous Ltd. issued 25,0007% Debentures of Rs. 100 each at a discount of 2-½% on 1st January 1974. As per the terms of issue, the company is required to maintain a Non-cumulative Sinking Fund (i.e. exclusive of interest on sinking fund investments) but with a provision that the company shall have the power to apply the Sinking Fund Investments in the purchase of debentures in the open market, if below at par any time. The annual Sinking Fund Contribution is Rs. 60,000. Following are the relevant fact for the years 1975 and 1976 :

(A) Interest received by the company on investments :

(1) 1975 Rs. 1,970

(2) 1976 Rs. 3,040

(B) Realisation of Sinking Fund Investments:

(1) 31 December 1975 Rs. 27,930 (original cost Rs. 28,000)

(2) 31 December 1976 Rs. 39,000 (original cost Rs. 38,700)

(C) Debentures purchased in the open market:

(1) 31 December 1975 at cost of Rs. 27,915 (paid up value Rs. 29,315)

(2) 31 December 1976 at cost of Rs. 39,000 (paid up value Rs. 39,150)

Yor are required to prepare the necessary ledger accounts for two years.

Solution :

Ledger of Prosperous Ltd.

SINKING FUND INVESTMENT A/C

1974		Rs.	1974		Rs.
Dec. 31	To Bank A/c	60,000	Dec. 31	By Balance c/d	60,000
1975			1975		
Jan. 1	To Balance b/d	60,000	Dec. 31	By Balance A/c	27,930
Dec. 31	To Bank A/c	60,000	Dec. 31	By Sinking Fund A/c (Loss on Sale)	80
				By Balance c/d	91,990
		1,20,000			1,20,000
1976			1976		
Jan. 1	To Balance b/d	91,990	Dec. 31	By Bank A/c	39,000
Dec. 31	To Bank A/c	60,000		By Balance c/d	1,13,290
	To Sinking Fund A/c (profit on Sale)	300			
		1,52,290			1,52,290

SINKING FUND A/C

1974		Rs.	1974		Rs.
Dec. 31	To Balance c/d	60,000	Dec. 31	By P & L Appropriation A/c	60,000
1975			1975		
Dec. 31	To Sinking Fund Inv. A/c	80	Jan. 1	By Balance b/d	60,000
Dec. 31	Investment A/c (Loss)	29,315	Dec. 31	By P & L Appropriation A/c	60,000
Dec. 31	To Balance c/d	92,005	Dec. 31	By Sinking Fund Inv. A/c	1 ,400
		1,21,400			1,21,400
1976			1976		
Dec. 31	To General Reserve A/c	39,150	Jan. 1.	By Balance b/d	92,005
	To Balance c/d	1,13,305	Dec. 31	By P & L Appropriation A/c	60,000
			Dec. 31	By Profit on redemption A/c	150
			Dec. 31	By Sinking Fund Investment A/c (Profit on Sale)	300
		1,52,455			1,52,455

7% DEBENTURES A/C

1974		Rs.	1974		Rs.
Dec. 31	To Balance c/d	25,00,000	Jan. 1	By Bank A/c	24,37,500
			Jan. 1	By Discount on Issue of Debentures A/c	62,500
1975			1975		
Dec. 31	To Bank A/c	27,915	Jan. 1	By Balance b/d	25,00,000
Dec. 31	To Profit on Redemption A/c	1,400			
Dec. 31	To Balance c/d	24,70,685			
		25,00,000			25,00,000
1976			1976		
Dec. 31	To Bank A/c	39,000	Jan.1	By Balance b/d	24,70,685
	To Profit on Redemption A/c	150			
	To Balance c/d	24,31535			
		24,70,685			24,70,685

Notes : 1. Profit on Redemption of debentures, Profit and Loss on sale of investments credited to Sinking Fund.

2. An amount equal to the face value of debentures redeemed is transferred to General Reserve in every year of redemption or cancellation.

3. It is assumed that investments have been purchased at the and of the year.

4. It is assumed that debentures have been purchased for cancellation.

14. The summarised Balance Sheet of Convertible Limited as on 30 June 1985 stood as follows:

Liabilities		
Shares Capital: 5,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each fully paid	50,00,000	
General Reserve	75,00,000	
Deventure Redemption Fund	50,00,000	
13.5% Convertible Debentures of Rs. 100 each	1,00,00,000	
Other Loans	50,00,000	
Current Liabilities and provisions	1,25,00,000	
	45,00,000	
Assets		
Fixed Assets at cost less depreciation	1,60,00,000	
Debenture Redemption Fund Investments	40,00,000	
Cash and Bank Balance		50,00,000
Other Current Assets	2,00,00,000	
	4,50,00,000	

The debentures are due for redemption of 1 July 1985. The terms of issue of debentures provided that they were redeemable at a premium of 5% and also conferred option to the debenture holders to convert 20% of their holding into equity shares at a pre-determined price of Rs. 15.75 per share and the payment in cash.

Assuming that

(i) except for 100 debenture holders holding totally 25,000 debentures, the rest of them excercised option for maximum conversion.

(ii) the inverstments realise Rs. 44 lakhs on sale; and

(iii) all the transaction are put through, without any lag on 1 July 1985.

Redraft the Balance Sheet of the Company as on 1 July 1985 after giving effect to the redemption. Show your calculation in respect of the number of equity shares to be allotted and cash payment necessary.

❒

अध्याय-5

समामेलन के पूर्व व पश्चात का लाभ या हानि
(Profit or Loss Prior to Incorporation and Subsequent to Incorporation)

प्रत्येक कम्पनी को, कम्पनियों के रजिस्ट्रार (Registrar of Companies) से 'समामेलन के प्रमाण का प्रमाण पत्र' (Certificate of Incorporation) प्राप्त करना आवश्यक होता है। इस प्रमाण–पत्र के मिलने के बाद ही कम्पनी वैधानिक रूप से अस्तित्व में आती है। निजी कम्पनी (Private Company) को इस प्रमाण–पत्र के मिलते ही व्यवसाय प्रारम्भ करने का अधिकार मिल जाता है, परन्तु सार्वजनिक कम्पनी को व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए इसके बाद व्यवसाय आरम्भ करने का प्रमाण–पत्र (Certificate of Commencement of Business) भी लेना पड़ता है। कभी–कभी कोई कम्पनी समामेलन का प्रमाण–पत्र मिलने से पहले ही किसी चालू व्यवसाय को खरीद लेती है, अगर इस खरीदे गये व्यवसाय का चिठ्ठा कम्पनी के समामेलन की तिथि को बनाया जाए तो स्टाक आदि की गणना करनी होगी जिसमें पर्याप्त समय व श्रम शक्ति की आवश्यकता होगी उससे बचने के लिए कम्पनी उन्हीं पुस्तकों को चालू रखती है। इस प्रकार उस वर्ष विशेष के लाभ/हानि में समामेलन से पूर्व के लाभ/हानि शामिल हो जाते हैं। समामेलन से पूर्व के लाभ/हानि कम्पनी के अस्तित्व में आने से पहले के होने कारण पूंजीगत लाभ/हानि माने जाते है। क्योंकि ये लाभ कम्पनी द्वारा उस समय अर्जित किये गये थे जब कम्पनी का वैधानिक अस्तित्व नहीं था। इसलिए इन लाभों को कम्पनी के अंशधारियों में लाभांश (Dividend) के रूप में वितरित नहीं किया जा सकता। इन्हें पूंजीगत लाभ (Capital Profits) मानकर पूंजी संचय खाते (Capital Reserve Account) में हस्तांतरित कर देते हैं। इसी प्रकार यदि समामेलन से पूर्व कम्पनी को हानि हो तो वह पूंजीगत हानि मानी जाती है तथा इसे ख्याति खाते (Goodwill A/c) में हस्तांतरित कर दिया जाता है। व भावी कुछ वर्षों के लाभों में से या किसी पूंजीगत लाभ में से अपलिखित कर देते हैं। समामेलन के पूर्व के लाभों का प्रयोग निम्न कार्यों से किया जा सकता है:

1. किसी पूंजीगत हानि को अपलिखित करने के लिए जैसे Preliminary Expenses, Discount on the issue of shares and debentures, or some taken over asset which is deceed to be overvalued.
2. व्यवसाय को क्रय (Purchase of Business) करते हुए उत्पन्न हुई ख्याति को अपलिखित करने के लिए।

इन दोनों के न होने पर या इन दोनों को अपलिखित करने के बाद बचे शेष लाभों को पूंजी संचय (Capital Reserve) में हस्तांतरित करके 'समामेलन के पूर्व के लाभ खाता' (Profit Prior to Incorporation A/c) बन्द कर दिया जाता है।

जब कम्पनी किसी चालू व्यवसाय को उसके पिछले चिठ्ठे के आधार पर क्रय कर लेती है और उन्हीं पुस्तकों को चालू रखती है तो प्रथम वर्ष के लाभों में समामेलन से पूर्व के लाभ भी जुड़े होते हैं क्योंकि समामेलन से पूर्व के लाभों से कम्पनी लाभांश वितरित नहीं कर सकती इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों अवधियों, अर्थात् समामेलन से पूर्व तथा समामेलन के पश्चात के लाभ/हानि को अलग–अलग किया जाए। इसकी दो विधियां हो सकती हैं। (1) समामेलन की तिथि को स्टाक की गणना करके उस दिन तक के खाते बन्द कर दिये जाएं तथा उस दिन से नए खाते खोले जाएं (2) लेखा अवधि के लाभ/हानि को पूर्व (Prior) तथा पश्चात् (After) की अवधियों में विभाजित कर दिया जाए। पहली विधि में अनेक कठिनाइयां आती हैं इसलिए सामान्यतः दूसरी विधि का ही प्रयोग होता है।

विभाजन के सामान्य आधार
(Common Basis of Apportionment)

1. समय के आधार पर (On Time Basis)
2. बिक्री के आधार पर (On Turnover Basis)

3. उचित आधार पर (On Equitable Basis)

1. समय के आधार पर (On Time Basis)—इस विधि में पूरी लेखांकन अवधि का लाभ/हानि समय के अनुसार 'पहले' (Prior) और 'बाद' (After) के लाभ/हानि में विभाजित कर दिया जाता है। जैसेः समामेलन से पहले के 3 महीने तथा समामेलन के बाद के 9 महीने हैं तथा खाता अवधि का लाभ 96,000 रुपये है।

अतः 3 व 9 महीनों का अनुपात = 3 : 9

= 1 : 3

अब 96,000 को 1 : 3 के अनुपात में बांटने पर :

समामेलन से पहले का लाभ $96{,}000 \times \frac{1}{4} = 24{,}000$ रुपये

समामेलन से बाद का लाभ $96{,}000 \times \frac{3}{4} = 72{,}000$ रुपये

इस विधि में यह माना जाता है कि कम्पनी ने हर महीने बराबर लाभ कमाया है। जोकि हर कम्पनी के लिए सत्य नहीं होता विशेषकर मौसमी व्यापारों (Seasonal Traders) में अतः यह विधि सन्तोषजनक नहीं है।

2. विक्रय के आधार पर (On the Basis of Turnover)—इस विधि में पूरी लेखांकन अवधि का लाभ/हानि बिक्री के आधार पर 'पहले' (Prior) और 'बाद' (After) के लाभ/हानि में विभाजित किया जाता है। जैसे : कुल बिक्री 6,00,000 रुपये है जिसमें समामेलन से पहले की बिक्री 2,00,000 रुपये व बाद की बिक्री 4,00,000 रुपये हैं तो 2,00,000 और 4,00,000 का अनुपात = 2,00,000 : 4,00,000 or 1 : 2 अब शुद्ध लाभ का समामेलन से पहले का लाभ व समामेलन के बाद का लाभ माना जाएगा। यह विधि भी सन्तोषजनक नहीं है, क्योंकि कुछ व्यय, जैसे किराया, वेतन आदि विक्रय के साथ घटतें–बढ़ते नहीं हैं। इसलिए यह विधि भी उपर्युक्त नहीं है।

3. उचित आधार (Equitable Basis)—उपरोक्त दोनों आधारों की कमियों को देखते हुए यह आधार प्रचलन में ज्यादा है। इसमें सकल लाभ (Gross Profit) या सकल हानि (Gross Loss) को विक्रय के आधार पर विभाजित किया जाता है। व्ययों को स्थिति अनुसार बिक्री के आधार पर या समय के आधार पर बांटा जाता है। स्थिर व्यय (Fixed Expenses) जैसे वेतन, किराया, ब्याज इत्यादि को समय के आधार पर तथा बिक्री के अनुसार कम–ज्यादा होने वाले व्यय (Variable Expenses) को विक्रय के आधार पर बांटा जाता है। जो व्यय समामेलन से पहले के हैं जैसे साझेदारों का वेतन, समामेलन से पहले का किराया इत्यादि उन्हें 'पहले' (Prior) के व्ययों में जोड़ा जाता है। इसी प्रकार जो व्यय समामेलन के बाद के हैं जैसे संचालकों का वेतन, ऋणपत्रों का ब्याज, प्रारम्भिक व्यय इत्यादि (Director's salary, interest on Debentures, Preliminary expenses etc) उन्हें 'बाद' (After) के व्ययों में जोड़ा जाता है।

समामेलन के पूर्व लाभ या हानि की गणना
(Calculation of Profit or Loss Prior to Incorporation)

1. सर्वप्रथम पूरी लेखांकन अवधि का एक व्यापारिक खाता (Trading Account) बनाइए।

   इससे सामान्य सकल लाभ (Gross profit) या सकल हानि (Gross Loss) का ज्ञान होगा। सकल लाभ–हानि की गणना में समामेलन की तिथि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

2. समय का अनुपात (Time Ratio) ज्ञात कीजिए।

3. बिक्री का अनुपात (Sale Ratio) ज्ञात कीजिए।

4. इसके पश्चात् एक लाभ हानि खाता बनाकर विभिन्न मदों को निम्न प्रकार अलग–अलग आधारों पर विभाजित कीजिए।

विक्रय के आधार पर (On Turnover Basis)	समय के आधार पर (On Time Basis)	वास्तविक व्यय के आधार पर (Oo Actual Basis)	
		समामेलन से पहले (Before)	समामेलन के बाद (After)
1. विक्रय के साथ घटने–बढ़ने वाले व्यय या विक्रय से सम्बन्धित व्यय (Expenses varying with turnover or variable expenses) जैसेः–	स्थायी व्यय या समय से सम्बन्धित व्यय (Fixed expenses or Expenses related to time) जैसेः–	समामेलन से पहले के व्यय (Expenses belonging to pre-incorporation only) जैसेः–	समामेलन के बाद के व्यय (Expenses belonging to post incorporation period) जैसेः–
(i) ट्रेवलिंग ऐजेन्टो का कमीशन या वेतन (Travelling Agents Commission Salary),	(i) किराया (Rent)	(i) साझेदारों का वेतन (Partern's Salary)	(i) संचालकों की फीस (Director's Fees)
(ii) कमीशन (Commission),	(ii) वेतन (Salaries)	(ii) साझेदारों का कमीशन (Partern's Commission)	(ii) प्रारम्भिक व्यय (Preliminary Expenses)
(iii) ग्राहकों को छूट (Discount)	(iii) ह्रास (Depreciation)	(iii) पूंजी का ब्याज (Interest of Capital)	(iii) ऋणपत्रों का ब्याज (Interest of Debentures)
(iv) विज्ञापन (Advertisement),	(iv) डाक व्यय (Postage)	(iv) फर्म के प्रबंधक का वेतन (Salary of Firm's Manager)	(iv) अंशों या ऋण पत्रों के निर्गमन पर कटौती (Discount on issue of shares of Debentures)
(v) पैकिंग (Packing),	(v) कर व दरें (Taxes & Rates)	(v) क्रय मूल्य पर समामेलन से पूर्व का ब्याज (Interest on Purchase Price related to pre-incorporation Period)	(v) अभिगोपर कमीशन (Underwriting Commission)
(vi) बाहर जाने वाले माल का भाड़ा (Carriage outward),	(vi) कार्यालय का व्यय (Office Expenses)	(vi) समामेलन से पूर्व बेचे गए विनियोगों का लाभ या हानि (Profit or Loss on sale of investment which have been disposed of before incorporation)	(vi) संचालकों का वेतन (Director's Salary)
(vii) डूबत ऋण (Bad debts) आदि	(vii) मरम्मत (Repairs)		(vii) क्रय मूल्यों पर समामेलन के बाद की अवधि का ब्याज (Interest on Purchase consideration related to post-incorporation period)

विक्रय के आधार पर (On Turnover Basis)	समय के आधार पर (On Time Basis)	वास्तविक व्यय के आधार पर (On Actual Basis)	
		समामेलन से पहले (Before)	समामेलन के बाद (After)
2. सकल लाभ या सकल हानि (Gross Profit or Gross Loss)	(viii) अंकेक्षण फीस (Audit Fees), (ix) सामान्य व्यय (General Expenses), (x) बिजली (Electricity) (xi) बीमा प्रीमियम (Insurance Premium) (xii) प्रबन्ध के व्यय (Management Expenses) (xiii) बैंक व्यय (Bank Charges) (xiv) तार व टेलिफोन (Telegram and Telephone) (xv) ब्याज (Interest) (xvi) व्यापारिक व्यय (Trade Expenses) (xvii) छपाई एवं लेखन सामग्री (Printing and Stationary) (xviii) प्रशासनिक व्यय (Administrative Expenses)		

विशेषः—कई बार प्रश्नों में व्यवसाय प्रारम्भ करने का प्रमाण पत्र (Certificate of Commencement of Business) प्राप्त करने की विधि भी दे दी जाती है। ऐसी स्थिति में केवल समामेलन की तिथि (Date of Incorporation) को ही गणना का आधार बनाना चाहिए।

अन्त में समामेलन से 'पूर्व' के सकल लाभ (Gross Profit) में वे 'पूर्व' के व्यय और समामेलन के 'बाद' के सकल लाभ में से 'बाद' के व्यय का घटाकर क्रमशः समामेलन के पूर्व व समामेलन के बाद का शुद्ध लाभ या हानि ज्ञात किया जाता है।

समामेलन से पूर्व के लाभ को पूंजी संचय (Capital Reserve) में हस्तांतरित किया जाता है, क्योंकि यह पूंजीगत लाभ (Capital Profit) है तथा समामेलन के बादका लाभ आयगत लाभ (Revenue Profit) होने के कारण अंशधारियों में लाभांश के रूप में वितरित किया जा सकता है।

लाभांश की दर निकालना
(To Find out Rate of Dividend)

कभी–कभी प्रश्न में लाभांश की दर निकालने को कहा जाता है। इसके लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

सूत्र : लाभांश की दर $= \frac{\text{समामेलन के बाद का शुद्ध लाभ}}{\text{अंश पूंजी}} \times 100$

Rate of Dividend $= \frac{\text{Net Profit after incorporation}}{\text{Share Capital}} \times 100$

Illustration 1.

Grover Ltd. was incorporated on 1st June, 1994 to purchase the business of a firm from 1st January, 1994. The company obtained the certificate for commencement of business on 1st July, 1994 the accounts disclosed the following facts :

The turnover for the 12 months amounted to Rs. 3,15,000 out of which sales from 1st January to 30th April amounted to Rs. 80,000 and that of from 1st May to 31st December amounted to Rs. 2,35,000 including sales for the month of May amouning to Rs. 10,000. The Trading Account showed a gross profit of Rs. 1,40,000.

The expenses for the year were as follows :

1 जून, 1994 को ग्रोवर लिमिटेड का समामेलन एक फर्म का व्यापार 1 जनवरी, 1994 से क्रय करने के लिए हुआ। कम्पनी को व्यापार आरम्भ करने का प्रमाण–पत्र 1 जुलाई, 1994 को प्राप्त हुआ। कम्पनी के खाते पहली बार 31 दिसम्बर, 1994 तक बनाये गयें खाते से निम्नलिखित तथ्य प्रकट हुए :

12 महीनों का विक्रय 3,15,000 रु० था जिसमें से 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक की बिक्री 80,000 रु० थी और 1 मई से 31 दिसम्बर तक की बिक्री 2,35,000 रु० थी। जिसमें मई माह की बिक्री 10,000 रु० सम्मिलित हैं। व्यापार खाते द्वारा 1,40,000 का सकल लाभ दिखाया गया। वर्ष में हुए खर्चे निम्नलिखित हैं:

Director's Fee	1,500
Auditor's Fee	600
Salaries	15,000
Debenture Interest	6,000
Depreciatio on Machinery	9,000
Preliminary Expenses	2,500
General Expenses	3,000
Bad Debts (Rs. 600 related to the prior to incorporation)	2,500
Commission on sales	4,200
Advertising	6,300
Travellers expenses	7,700
Interested to Vendors from 1st Jan. to 30th June at 5% p.a.	6,600

Prepare a statment showing profit prior and subsequent to incorporation

समामेलन के पूर्व तथा उसके बाद के लाभों को दिखाते हुए एक विवरण पत्र तैयार कीजिए।

Solution.

Calculation of Time Ratio :

From 1st January, 1994 to 31 st May 1994	5 Months

From 1st June, 1994 to 31 st Dec. 1994 7 months

Time Ration = 5 : 7

Calculation of Sales Ratio :

From 1st January 1994 to 31st May, 1994 (Rs. 80,000 + Rs. 10,000) = Rs. 90,000

From 1st June, 1994 for 31st Dec., 1994 (Rs. 2,35,000 – 10,000) = Rs. 2,25,000

Sales Ratio = 90,000 : 2,25,000

= 2 : 5

PROFIT & LOSS ACCOUNT

for the year ending 31st Dec., 1994

Particulars	**Basis of Allocation**	**Prior to Incorporation**	**After Incorporation**	**Particulars**	**Basis of Allocation**	**Prior to Incorporation**	**After Incorporation**
		Rs.	Rs.			Rs.	Rs.
To Director's Fees	After		1,500	By Gross			
To Auditor's Fees (5 : 7)	Time	250	350	Profit (2 : 5)	Sales	40,000	1,00,000
To Debenture Interest	After		6,000				
To Salaries (5 : 7)	Time	6,250	8,750				
To Depreciation on Machinery (5 : 7)	Time	3,750	5,250				
To Preliminary Expenses	After		2,500				
To General Expenses (5 : 7)	Time	1,250	1,750				
To Bad debts	Actual	600	1,900				
To Commission on Sales (2 : 5)	Sales	1,200	3,000				
To Advertising (2 : 5)	Sales	1,800	4,500				
To Travelling Expenses (2 : 5)	Sales	2,200	5,00				
To Interest to vendors (5 : 1)	New Time Ratio	5,500	1,000				
To Net Profit		17,200	57,900				
		40,000	1,00,000			40,000	1,00,000

Working Notes :

1. Calculation of New Time Ratio (for Interest to vendor) :

   Pre-incorporation—From 1st January, 1994 to 31st May 94 = 5 months

   After in corporation—From 1st June, 1994 to 30 June, 1994 = 1 month

   New Time Ratio = 5 : 1

2. यदि प्रश्न में समामेलन की विधि के साथ–साथ व्यवसाय करने की तिथि भी दी गई हो तो भी गणना के लिए केवल समामेलन की तिथि का ही प्रयोग किया जाएगा।

Illustration 2.

A private company was incorporated on 1st May. 1998 to take over a business from 1st January 1998. The Trading and Profit and Loss account for the year ending 31st I December, 1998 showed the following results :

1 जनवरी, 1998 से व्यापार लेने के लिए 1 मई, 1998 को एक निजी कम्पनी का समामेलन हुआ। 31 दिसम्बर, 1998 को समाप्त हुए वर्ष का व्यापार तथा लाभ–हानि खाता निम्नलिखित परिणाम दिखाता था :

	Rs.		Rs.
To Opening Stock (प्रारम्भिक रहतिया)	28,000	By sales (विक्रय)	2,80,000
To Purchase (क्रय)	1,82,000	By Closing Stock (अन्तिम रहतिया)	14,000
To Gross Profit c/d (सकल लाभ)	84,000		
	2,94,000		2,94,000
To Rent and Insurance (किराया और बीमा)	3,600	By Gross Profit b/d (सकल लाभ)	84,000
To Directors' fees (संचालक शुल्क)	4,000		
To Salaries (वेतन)	12,000		
To Office Expenses (कार्यालय व्यय)	9,000		
To Travelling Commission (यात्रा कमीशन)	2,800		
To Discount (छूट)	3,500		
To Bad Debts (डूबत ऋण)	700		
To Auditor's Fees (अंकेक्षण शुल्क)	500		
To Depreciation (ह्रास)	1,200		
To Debenture Interest (ऋण–पत्रों पर ब्याज)	900		
To Interest on purchase consideratton to 31 st Aug. (क्रय प्रतिफल पर ब्याज 31 अगस्त तक)	3,200		
To Net Profit (शुद्ध लाभ)	42,600		
	84,000		84,000

It is ascertained that the sale for January, March and September are one and half times the average of those for the year, while those for December are twice the average and those for February only half the average.

Apportion the year's profit between pre-incorporatin period.

यह ज्ञात होता है कि जनवरी, मार्च और सितम्बर की बिक्री वर्ष की औसत बिक्री से डेढ़ गुनी थी जबकि दिसम्बर की बिक्री औसत बिक्री से दुगुनी और फरवरी की बिक्री औसत बिक्री से केवल आधी थी।

वर्ष के लाभ को समामेलन से पूर्व और समामेलन के बाद के लाभों में विभाजित कीजिए।

Solution.

Calculation of Sales Ratio :

Average sales per month = 1

Total sales for the 12 Months = 12

Sales for given five months Jan. $1\frac{1}{2}$ + Feb. $\frac{1}{2}$ + Mar. $1\frac{1}{2}$ + Sept. $1\frac{1}{2}$ + Dec. 2 = 7

If total sales is 12 then sales for the remaining seven months (i.e. April to August, October and November (12 – 7) = 5

thus monthly average sales for April to August, October and November will be (5 ÷ 7) = $\frac{5}{7}$

Sale for Pre-incorporation period (4months) : Sale for Post-incorporation period (8months)

January + February + March + April + May + June + July + August + September + October + November + December

or $1\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + 1\frac{1}{2} + \frac{5}{7} \;:\; \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + 1\frac{1}{2} + \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + 2$

or $\frac{3}{2} + \frac{1}{2} + \frac{5}{7} \;:\; \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + \frac{3}{2} + \frac{5}{7} + \frac{5}{7} + 2$

or $\frac{21 + 7 + 21 + 10}{14} \;:\; \frac{10 + 10 + 10 + 10 + 21 + 10 + 10 + 28}{14}$

or 59 : 109

Time Ratio : 4 : 8

or 1 : 2

PROFIT AND LOSS ACCOUNT

for the year cnded 31 October 1998

Particulars	Basis of Allocation	Prior to Incorporation	After Incorporation	Particulars	Basis of Allocation	Prior to Incorporation	After Incorporation
		Rs.	Rs.			Rs.	Rs.
To Rent & Insurance (1 : 2)	Time	1,200	2,400	By Gross Profit (59 : 109)	Sales	29,500	54,500
To Director's Fee	After	–	4,000				

To Salaries (1 : 2)	Time	4,000	8,000				
To Office Expenses (1 : 2)	Time	3,000	6,000				
To Travelling Commission (59: 109)	Sales	983	1,817				
To Discount (59: 109)	Sales	1,229	2,271				
To Bad Debts (59: 109)	Sales	246	454				
To Auditor's Fee (1 : 2)	Time	167	333				
To Depreciation (1 : 2)	Time	400	800				
To Debenture Interest	After		900				
To Interest purchase consideration to 31st Aug. (1 : 1)	*	1,600	1,600				
To Net Profit		16,675	25,925				
		29,500	54,500			29,500	54,500

Working Notes:

*Interest on purchase consideration :

Pre-incorporation from 1st Ian to 30th April = 4 months

After incorporated from 1 may to 31 st Aug. = 4 months

New Time Ratio = 4 : 4

= 1 : 1

2. Auditor's fees have been divided into in time Ratio.

Illustration 3.

A Public Limited Co. was formed to take over a running business with effect from 1st April, 1996.

The company was incorporated on 1st August, 1996 and the certificate of commencement of business was received on 1st October, 1997. The following Profit and Loss A/c has been prepared for the year ended 31st March, 1997 :

1 अप्रैल, 1996 से एक चालू व्यापार क्रय करने हेतु एक सार्वजनिक लिमिटेड कम्पनी की स्थापना की गई। कम्पनी का समामेलन 1 अगस्त, 1996 से एक चालू व्यापार न करने का प्रमाण–पत्र 1 अक्टूबर, 1996 को प्राप्त हुआ। 31 मार्च, 1997 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निम्न लाभ–हानि खाता तैयार किया गया :

	Rs.		Rs.
To Salaries (वेतन)	24,000	By Gross Profit (सकल लाभ)	1,60,000
To Printing & Stationery (छपाई और स्टेशनरी)	2,400		
To Travelling Expenses (यात्रा व्यय)	8,400		
To Advertisement (विज्ञापन)	8,000		
To Miscellancous Trade Expenses (विविध व्यापारिक व्यय)	18,900		
To rent (office buildings) (किराया, कार्यालय भवन का)	13,200		
To Electricity charges (बिजली व्यय)	2,100		
To Director's Fees (संचालकों की फीस)	5,600		
To Bad Debts (डूबत ऋण)	1,600		
To commission to Selling Agents (विक्रय एजेंटों की कमीशन)	8,000		
To Audit Fees (अंकेक्षण व्यय)	3,000		
To Debenture Interest (ऋणपत्रों पर ब्याज)	1,500		
To Interrest paid to Vendors (विक्रेताओं को दिया गय ब्याज)	2,100		
To Selling Expenses (विक्रय व्यय)	12,600		
To Depreciation on fixed Assets (स्थायी सम्पत्तियों का ह्रास)	4,800		
To Net Profit (शुद्ध लाभ)	43,800		
	1,60,000		1,60,000

Relevant Information :—

(a) Total sales for the year, which amounted to Rs. 9,60,000 arose evenly up to the date of the certificate of commencement, whereafter they spurted to record an increase of two-third during the rest of the year.

(b) Rent of the Office Building was paid @ 1,000 per month up to September, 1996 and there after it was inweared by Rs. 200 per month.

(c) Travelling expenses include Rs. 2,400 towards sales promotion.

(d) Depreciation includes Rs. 300 for assets accquired in the post-incorporation period.

(e) Purchase consideration was discharged by the company on 30th September, 1996 by issuing equity shares of Rs. 10 each.

Prepare the Profit and Loss A/c in a columnar from, showing distinctly the allocation of profits between pre-incorporation and post in-corporation periods, indicating the basis of allocation.

सम्बन्धित सूचनाएँ—

(a) पूरे वर्ष की कुल बिक्री 9,60,000 रु० थी। बिक्री में वद्धि प्रारम्भ करने की तिथि तक एक समान होती रही तथा इसके पश्चात् वर्ष के शेष समय में इसमें भी वद्धि हुई।

(b) कार्यालय भवन का किराया सितम्बर, 1996 तक 1,000 रु० मासिक था, इसके पश्चात् इसे 200 रु० मासिक बढ़ा दिया गया।

(c) यात्रा व्यय में 2,400 रु० विक्रय वद्धि व्यय के सम्मिलित हैं।

(d) ह्रास में 300 रु० उन सम्पत्तियों पर ह्रास के सम्मिलित हैं जो समामेलन के बाद की अवधि में खरीदी गई हैं।

(e) कम्पनी द्वारा क्रय मूल्य का भुगतान 30 सितम्बर, 1996 को 10 रु० वाले समता अंशों के निर्गमन द्वारा किया गया। समामेलन के पूर्व और समामेलन के पश्चात् का लाभ का बंटवारा दिखाते हुए खानेदार प्रारूप में लाभ–हानि खाता बनाइए। बंटवारे का आधार भी दिखाइए।

Solution :

Calculation of Sales Ratio:

Pre incorporation (4 months) : Post-incorporation (8 months)

April + May + June + July : August + September + October + November + December + January + February + March

1 + 1 + 1 + 1 :

$$= 4 : 1 + 1 + \frac{5}{3} + \frac{5}{3} + \frac{5}{3} + \frac{5}{3} + \frac{5}{3} + \frac{5}{3}$$

$$= 4 : \frac{3 + 3 + 5 + 5 + 5 + 5 + 5 + 5}{3}$$

$$= 4 : \frac{36}{3} \quad \text{or } 4 : 12$$

$$1 + 1 + 1\frac{2}{3} + 1\frac{2}{3} + 1\frac{2}{3} + 1\frac{2}{3} + 1\frac{2}{3} + 1\frac{2}{3}$$

= 1 : 3

Calculation of Time Ratio :

4 : 8

or = 1 : 2

PROFIT AND LOSS ACCOUNT

for the year ending 31st March, 1997

Particulars	Basis of Allocation	Prior to Incorporation	After Incorporation	Particulars	Basis of Allocation	Prior to Incorporation	After Incorporation
		Rs.	Rs.			Rs.	Rs.
To Salaries (1 : 2)	Time	8,000	16,000	By Gross Profit (1 :3)	Sales	40,000	1,20,000
To Printing and Stationary (1 : 2)	Time	800	1,600				
To Travelling Expenses (excluding Sales promotion 8400 – 2400 = 6000) (1:2)	Time	2,000	4,000				

To Sales Promotion Exp. (1 : 3)	Sales	6,00	1,800				
To Advertisement (1 : 3)	Sales	2,000	6,000				
To Misc. Trade Exp. (1:2)	Time	6,300	12,600				
To Rent (office building)	Given	4,000	9,200				
To Electricity Charges (1 :2)	Time	700	1,400				
To Director's Fees	After	–	5,600				
To Bad debts (1 : 3)	Sales	400	1,200				
To Commission to Selling Agents (1 : 3)	Sales	2,000	6,000				
To Audit Fee (1 : 2)	Time	1,000	2,000				
To Debenture Interest	After	–	1,500				
To Interest to Vendors (2 : 1)	New Time	1,400	700				
To Selling Exp. (1 : 3)	Sales	3,150	9,450				
To Dep. On Fixed Assets Rs. 4500 (1 : 2)	Time	1,500	3,000				
To Dep. on Fixed Assets (acquired after incorporation)	After		300				
To Net Profit		6150	37,650				
		40,000	1,20,000			40,000	1,20,000

Working Notes:

Calculation of New Time Ratio :

(for interest paid to Vendors)

Pre-incorporation = 4 months (April, May, June & July)

Post incorporation = 2 months (August, & September)

i.e., 4 : 2

or 2 : 1

ASSIGNMENTS

1. समामेलन से पूर्व के लाभ का निर्धारण किस प्रकार होता है? इन लाभों को किस प्रयोग में लाया जा सकता है?

   How are profits prior to incorporation ascertained? How are these profits dealt with?

2. समामेलन से पूर्व के लाभ से आप क्या समझते है? ऐसे लाभों का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है? किन उद्देश्यों के लिए इनका उपयोग किया जाता है? यह भी बताइए कि समामेलन से पूर्व की हानि को कम्पनी लेखों में किस प्रकार व्यवहत किया जाता है?

   What do you understand by 'Profit Prior to Incorporation'? How is such profits ascertained and for what purpose can it be used? State also how Loss prior to Incorporationis dealt within Company Accounts?

3. कम्पनी के 'समामेलन से पूर्व के लाभ या हानि' पर उचित उदाहरणों सहित संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

   Write short note on 'Profit or Loss prior to Incorporation' of Company with suitable examples.

4. (अ) कम्पनी के समामेलन से पूर्व के लाभ से आप क्या समझते हैं?

   (ब) कम्पनी के समामेलन से पूर्व लाभ या हानि की गणना कैसे की जाती है?

   (स) ऐसे लाभ या हानियों का कम्पनी की पुस्तकों में लेखा किस प्रकार किया जाता है?

   (a) What do you understand by Profit prior to incorporation of Company?

   (b) How Profit or Loss priot to incorporation of company is calculated?

   (c) How these profits or losses are entrered in the books of the company?

5. समामेलन के पूर्व लाभों का क्या आशय है? ऐसे लाभों को ज्ञात करने की विधि समझाइये। ऐसे लाभों तथा हानियों का कम्पनी कल लेखा पुस्तकों में आलेखन किस प्रकार किया जाता है?

   What do you understand by profits prior to incorporation? Explain the procedere of ascertaining such profits. How are such profits and losses dealt with in the books of the company?

QUESTIONS

1. Parkash Ltd. was incorporated on 30th June, 1998 to acquire the business of Ram Parkash as from 1st January, 1998. The accounts for the year ended 31st December. 1998 desclosed the following information :

   (a) There was a gross profit of Rs. 3,60,000.

   (b) Sales for the year amounted to Rs. 7,00,000 were for the first six months.

   (c) The expenses debited to Profit & Loss Account included :

   Directors fees Rs. 15000, Bad Debts Rs. 8,600, Advertising (Under a contract amounting to Rs. 2,000 per month) Rs. 24,000, Salaries and General Expenses Rs. 64,000, Preliminary Expenses written off Rs. 25,000, Donation to political party given by the company Rs. 5,000.

   Prepare a statement showing the amount of the profit made before incorporation and state how it should be dealt with in the accounts of the company.

   30 जून, 1998 को एक कम्पनी का समामेलन 1 जनवरी, 1998 से राम प्रकाश के व्यवसाय को क्रय करने के लिए किया गया 31 दिसम्बर, 1998 के वर्ष के खातों में निम्न सूचना प्राप्त हुई :

(अ) 3,60,000 रु० का सकल लाभ था।

(ब) वर्ष की बिक्री 20,00,000 रु० थी, जिसमें 7,00,000 रु० पहले छः माह की थी।

(स) लाभ–हानि खाते में डेबिट व्ययों में सम्मिलित हैं–

संचालकों की फीस 15,000 रु०; डूबत ऋण 8,600 रु०; विज्ञापन व्यय 24,000 रु०; (2,000 रु० मासिक के अनुबन्ध के आधार पर) : वेतन एवं सामान्य व्यय 64,000 रु०; अपलिखित प्रारम्भिक व्यय 25,000 रु०; कम्पनी द्वारा एक राजनीतिक दल को दिया गया दान 5,000 रु०।

समामेलन से पूर्व के लाभ ज्ञात करने के लिए एक विवरण बनाइए तथा बताइए कि कम्पनी के खातों में इसे किस प्रकार दिखाया जायेगा।

Ans. Time Ratio 1 : 1; Sales Ratio 7 : 13; Profit prior to incorporation Rs. 78,990; Profit after incorporation Rs. 1,39,410.

Note: Profit after incorporation can be distributes as dividend but profit prior to incorporation will be transferred to Capital Reserve if there is no capital loss and goodwill to be written off.

लाभांश की दर निकालना
(To Find Out Rate of Dividend)

2. A Limited company was incorporated on 1st June, 1998 to take over a business as going concern of as from 1st January, 1998. An examination of the records disclosed the following facts:

(a) Total turn over for the year was Rs. 1,25,000

(b) The turn over between 1st January and 1st June, 1998 was Rs. 25,000

(c) The gross profit for the year was Rs. 50,000

(d) The total expenses for the year including Rs. 3,500 for director's fees and Rs. 5,000 for Interest on debentures were Rs. 38,500

(e) The share capital of the company was Rs. 1,00,000

At what rate can the company pay divided for the year?

एक सीमित दायित्व वाली कम्पनी एक व्यवसाय 1 जनवरी, 1998 से एक चालू संस्था के रूप में लेने के लिए 1 जून, 1998 को समामेलित हुई। लेखों को देखने पर निम्नलिखित तथ्य प्रकट हुए :

(अ) वर्ष की कुल बिक्री 1,25,000 रु० थी।

(ब) 1 जनवरी और 1 जून, 1998 के बीच की बिक्री 25,000 रुपये थी।

(स) वर्ष का सकल लाभ 50,000 रु० था।

(द) वर्ष का कुल व्यय, संचालक फीस के 3,500 रुपये तथा ऋणपत्रों का ब्याज 5,000 रुपये सहित 38,500 रुपये था।

(य) कम्पनी की अंश पूंजी 1,00,000 रुपये थी।

वर्ष 1998 के लिए कम्पनी किस दर पर लाभांश का भुगतान कर सकती है?

Ans. Time Ratio 5 : 7 ; Sales Ratio 1 : 4; Loss prior to incorporation Rs. 2,500 Profit after incorporation Rs. 14,000; Rate of Dividend 14%

Hint : It is assumed that expenses are equally distributed throughout the year.

3. M Ltd. was incorporated on 1st May, 1991 to purchase the business of Murari Brothers from 1st January, 1991 M. Ltd. obtained its certificate for commencement of business on 1st June, 1991. The accounts of the

company were prepared for the first time up to 31 st December, 1991 the accounts disclosed the following facts:

The turnover for the 12 months amounted to Rs. 3,20,000 out of wihich sales from 1st January to 31st March amounted to Rs. 60,000 and that of from 1st April to 31 st December amounted to Rs. 2,60,000 including sales for the month of April amounting to Rs. 20,000. The Trading Account showed a gross profit of Rs. 1,20,000, the details of the Profit and Loss Account are as follows :

एक लिमिटेड का समामेलन 1 मई, 1991 को मुरारी ब्रादर्स का व्यापार 1 जनवरी, 1991 से क्रय करने के उद्देश्य से हुआ। एम लिमिटेड को व्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण पत्र 1 जून, 1991 को प्राप्त हुआ। कम्पनी का हिसाब पहली बार 31 दिसम्बर, 1991 तक का बनाया गया। कम्पनी के हिसाब से निम्नलिखित तथ्य प्रकट हुए :

12 महिने की बिक्री 3,20,000 रु० थी जिसमें से 1 जनवरी से 31 मार्च तक की बिक्री 60,000 रु० और 1 अप्रैल से 31 दिसम्बर तक की 2,60,000 रु० थी जिसमें अप्रैल माह की 20,000 रु० की बिक्री भी सम्मिलित थी। व्यापार खाते द्वारा 1,20,000 रु० का सकल लाभ प्रदर्शित किया गया। लाभ–हानि के विस्तत विवरण निम्न प्रकार है।

	Rs.		Rs.
Director's fees	1,500	Rent, Rates etc.	4,000
Auditor's fees	500	Bad Debts (Rs. 600 related to the period prior to incorporation)	2,500
Salaries	15,000	Commission on Sales	4,000
Debenture Interest	6,000	Advertising	6,000
Dep. on Machinery	9,000	Traveller's expenses	7,500
Preliminary expenses	2,500	Interest to Vendor's from 1st Jan. to 30th June at 5%	6,600
General expenses	3,000		

Prepare a statement showing profit prior and subsequnt to incorporation

समामेलन से पूर्व तथा उसके बाद के लाभों को दिखाते हुए एक विवरण–पत्र तैयार कीजिए।

Ans. Time Ratio 1: 2 Sales Ratio 1 : 3 ; Profit prior to incorporation Rs. 9,500 ; Profit after incorporation Rs. 42,400

Hint : 1. Calculation of Sales Ratio

Pre-incorporation : January to March Rs. 60,000 – April Rs. 20,000 = Rs. 80,000

After incorporation : April to December Rs. 2,60,000 – Sale of April Rs. 20,000 = Rs. 2,40,000 Sales = 80,000 : 2,40,000

= 1 : 3

2. Date of commencement of business will not be considered while calculating profit prior or after incorporation.

3. It is assumed that audit fees is paid for the full year.

4. A company was incorporated on 1st May, 1998 to taken over a business from 1st January 1998. The Trading and Profit & Loss account for the year ending 31 st December, 1998 showed the following results :—

1 जनवरी, 1998 से व्यापार लेने 1 मई, 1998 को एक निजी कम्पनी का समामेलन हुआ। 31 दिसम्बर, 1998 को समाप्त हुये वर्ष का व्यापार तथा लाभ–हानि खाता निम्नलिखित परिणाम दिखाता था—

	Rs.		Rs.
To Opening Stock	78,000	By Sales	2,80,000
To Purchases	1,82,000	By Closing Stock	1,14,000
To Gross Profit c/d	1,34,000		
	3,94,000		3,94,000
To Rent, Rates and Insurance	3,600	By Gross Profit b/d	1,34,000
To Director's fees	8,000		
To Salaries	12,000		
To Office Expenses	9,000		
To Travelling commission	2,800		
To Discount	3,500		
To Bad Debts	700		
To Auditor's fees	500		
To Depreciation	1,200		
To Debenture Interest	2,900		
To Interest on purchase consideration to 31 st August	3,200		
To Net Profit	86,600		
	1,34,000		1,34,000

It is ascertained that the sale for January and september are one and half times the average of those for the year, while those for March and August are twice the average and those for February and May only half the average but in October it was average sale.

Apportion the year's Profit between pre-incorporation period and post-incorporation period.

यह ज्ञात होता है कि जनवरी और सितम्बर की बिक्री वर्ष की औसत बिक्री से डेढ़ गुनी थी जबकि मार्च और अगस्त की बिक्री औसत से दुगनी और फरवरी और मई की बिक्री औसत से केवल आधी थी। परन्तु अक्तूबर में औसत बिक्री थी।

वर्ष के लाभ को समामेलन से पूर्व और समामेलन के बाद के लाभों में विभाजित कीजिए।

Ans. Time Ratio 1 : 2 ; Sales Ratio 23 : 37

Profit before incorporation Rs. 38,457, Profit after incorporation Rs. 48,143

5. B. M. W. Ltd. was registered on April 1998 to buy the business of Messers Bhola Mineral Waters as on 1st January 1998. The accounts ending 31st Dec. 1998 desclosed the net profit of Rs. 40,800 after having charged the following amounts :—

Salary	Rs. 16,800	(There were 4 employees in the pre-incorporation period and 8 in the post-incorporation period)
Wages	Rs. 10,500	(There were 5 workers in the pre-incorporation period and 10 in the post-incorporation period)
Sales	Rs. 5,00,000	of which Rs. 1,00,000 related to the pre-incorporation period
Director's salary	Rs. 2,000 p.m.	

Rent of Building Rs. 600 p.m. for 12 months.

you are required to calculate profit for pre and post incorporation period.

Ans. Time Ratio 1 : 3; Sales Ratio 1 : 4; Pre-incorporation profit Rs. 12,960; Post-incorporation profit Rs. 27,840 Gross Profit Rs. 93,300.

Hint: 1. It is assumed that wages are related to sales of goods.

2. Division of Salary :

	Pre-incorporation	:	Post-incorporation
	4 employee × 3 Months	:	8 Employee × 9 months
or	12	:	72
or	1	:	6

3. Division of Wages

	Pre-incorporation	:	Post-incorporation
	5 workers × 3 months	:	10 workers × 9 months
or	15	:	90
or	1	:	6

4. Director's salary will be taken for 9 months.

न दी गई राशियों का पता लगाना
(To Find Out Missing Figures)

1. B Limited, incorporated on May 1, 1983, received the certificate to commercial business on May 31, 1983. It has acquired a running business from M/s Gupta & Co. With effect from January 1, 1983, the purchase consideration was Rs. 5,00,000 of which Rs. 1,00,000 was to be paid in cash and Rs. 4,00,000 in the form of fully paid shares. The company also issued shares for Rs. 4,00,000 for cash. Machinery costing Rs. 2,50,000 was then installed assets acquired from the Vendors were: machinery Rs.3,00,000; Stock Rs. 60,000; Patents Rs. 40,000.

During the year 1983, the total sales were Rs. 18,00,000. The sales per month in the first half year were one half of what they were in the latter half year. The net profit of the company after charging the following expenses was Rs. 1,00,000

Depreciation Rs. 54,000; Audit Fees Rs. 7,500; Directors' Fees Rs. 25, 000; Preliminary Expenses Rs. 6,000; Office Expenses Rs. 39,000; Selling Expenses Rs. 36,000; Interest to Vendors up to May 31, 1983 Rs. 2,500.

Ascertain the pre-incorporation and after-incorporation amount of profit; and prepare the Balance Sheet of the company as on 31st December, 1983, Closing Stock was valued at Rs. 70,000.

बी लिमिटेड ने जिसका समामेलन 1 मई 1983 को हुआ, 1 मई 1983 को व्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

इसने मैसर्ज गुप्ता एण्ड कम्पनी से चालू व्यवसाय 1 जनवरी 1983 को क्रय किया था। क्रय मूल्य 5,00,000 रु० था जिसमें से 1,00,000 रु० नकद दिए तथा 4,00,000 रु० पूर्णदत्त अंशों के रूप में दिए गए। कम्पनी ने 4,00,000 रु० के अंश भी निर्गमित किए। फिर 2,50,000 रु० की मशीनरी भी लगाई गई। विक्रेता से प्राप्त सम्पत्तियां थीं—मशीनरी 3,00,000 रु० स्टॉक 60,000 रु०, पेटेण्ट 40,00,000 रु०।

वर्ष 1983 के दौरान कुल बिक्री 18,00,000 रु० की थी। प्रथम आधे वर्ष में प्रति माह की बिक्री द्वितीय आधे वर्ष प्रति माह बिक्री की आधी थी। कम्पनी का शुद्ध लाभ निम्नलिखित व्ययों को घटानें के बाद 1,00,000 रु० था।

ह्रास 54,000 रु०; अंकेक्षण फीस 7,500 रु०; संचालकों की फीस 25,000 रु०; प्रारम्भिक व्यय 6,000 रु०; कार्यालय व्यय 39,000 रु०; बिक्री व्यय 36,000 रु०; 31 मई 1983 तक विक्रेताओं का ब्याज 2,500 रु०।

बी लिमिटेड के समामेलन के पूर्व एवं पश्चात् के लाभ की गणना कीजिए तथा 31 दिसम्बर, 1983 का चिट्ठा बनाइए। अन्तिम रहतिया 70,000 रु० मूल्यांकित किया गया।

Ans. Time Ratio 1 : 2; Sales Ratio 2 : 7; G.P. Rs. 2,70,000 Purchase Rs. 15,40,000, Goodwill Rs. 1,00,000; Cash Balance Rs. 1,94,000; Total of B/S Rs. 8,83,500.

7. गुरु अम्बिका कम्पनी लिमिटेड का 1 जनवरी, 1990 तक के वर्ष का व्यापारिक खाता तथा खातेदार लाभ–हानि खाता बनाइए जिसमें समामेलन से पूर्व और पश्चात् के लाभ दिखाइए, यह मानते हुए कि वर्ष भर बिक्री समान रूप से फैली थी। 31 दिसम्बर, 1990 का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

उक्त कम्पनी का समामेलन 1 अप्रैल, 1990 की महीप सन्स का चालू व्यापार 1 जनवरी, 1990 से क्रय करने हेतु हुआ। क्रय की शर्तों के अनुसार 1 जनवरी, 1990 से जो भी आपके लाभ होंगे वह गुरु अम्बिका कम्पनी लिमिटेड के ही मान्य होंगे। क्रय मूल्य 35,00,000 रु० था। महीप सन्स ने इसका आधा भाग 1 जुलाई, 1990 को 10% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सहित नकद प्राप्त किया। क्रय मूल्य का शेष आधा भाग 100 रु० वाले 17,500 पूर्णदत्त समता अंशों के आबंटन द्वारा दिया गया।

31 दिसम्बर, 1990 को रहतिया 24,00,000 रु० था। अशोध्य ऋण 5,000 रु० के थे जिनमें से 2,500 रु० उन देनदारों से सम्बन्धित थे जो कम्पनी ने क्रय किए थे। 31 दिसम्बर से 25,000 रु० से संदिग्ध ऋणर्थ संचिति बनाती है। भवन पर फर्नीचर पर और वाहनों पर ह्रास काटना है। प्रारम्भिक खर्चे पूर्णतः अपलिखित किए जाने हैं। 31 दिसम्बर 1990 को गुरु अम्बिका कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों में खातों के निम्नलिखित शेष थेः

	Rs.		Rs.
Share Capital (अंश पूंजी)		Furniture at Cost (फर्नीचर पर लागत)	75,000
100 रु० वाले 27,500 समता अंश पूर्णदत्त (विक्रेता के अंशों सहित)		Vehicles at Cost (वाहन पर लागत)	1,75,000
1-1-90 को	27,50,000	Opening Stock 1.1.90 को (प्रारम्भिक रहतिया)	21,00,000
Preliminary Expenses (प्रारम्भिक खर्च)	40,000	Sundry Creditors (विविध लेनदार)	4,12,500
Bank Overdraft (बैंक अधिविकर्ष)	9,15,00	Fixed Deposit (स्थायी जमा प्राप्ति)	1,75,000

Book Debts (पुस्तकीय ऋण)	4,75,000	Rent received (किराया प्राप्त)	65,000
Cash in Hand (हस्तस्थ रोकड़)	6,00,000	Taxes (कर)	35,000
Salary and Wages (वेतन एवं मजदूरी)	2,40,000	Repairs of Building (भवन की मरम्मत)	15,000
Freehold Land at Cost (फ्री होल्ड भूमि लागत)	2,50,000	Directors Fees (संचालकों की फीस)	12,000
Building at Cost (भवन लागत पर)	6,50,000	Interest to Vendors (विक्रेता को ब्याज)	1,75,000
Goodwill (ख्याति)	15,500	Purchases (क्रय)	38,50,000
		Sales (विक्रय)	45,00,000

Ans. Time Ratio 1 : 3; Sales Ratio 1 : 3; Gross Profit Rs. 9,50,000; Pre-incorporation Profit Rs. 63,750; Post-incorporation.

❐

अध्याय-6

कम्पनियों के अन्तिम खाते

(Final Accounts of Companies)

कम्पनी के अन्तिम खाते ठीक उसी प्रकार तैयार होते हैं। जिस प्रकार एक फर्म या एकाकी व्यापारी के एक कम्पनी के खाते तैयार करते समय लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ कम्पनी अधिनियम में दी गई व्यवस्थाओं का भी पालन करना आवश्यक हैं वर्ष के अंत में अन्तिम खाते बनाना प्रत्येक कम्पनी के लिए अनिवार्य है। कम्पनी अधिनियम की धारा 210 के अनुसार कम्पनी के संचालकों को प्रतिवर्ष साधारण वार्षिक सभा में लाभ–हानि खाता तथा चिट्ठा प्रस्तुत करना आवश्यक है जिसके साथ संचालकों की तथा अकेंक्षक की रिपोर्ट भी लगी होनी चाहिए।

कम्पनी अधिनियम की धारा 211 में दी गई अनुसूची VI के अनुसार ही लाभ–हानि खाता और स्थिति विवरण तैयार होना चाहिए। अनूसची VI के पहले भाग में चिटठे का प्रारूप दिया गया है तथा दूसरे भाग में लाभ–हानि खाते में दिखाई जाने वाली मदों का उल्लेख किया गया है।

कम्पनी अधिनियम में दी गई अनसूची VI के अनुसार प्रत्येक कम्पनी को पहले चिट्ठा (Balance Sheet) और फिर लाभ–हानि खाता (Profit-Loss Account) बनाना चाहिए परन्तु गणना करने में सुविधा के हम पहले लाभ–हानि खाते व बाद में चिट्ठे का अध्ययन करेंगे।

कम्पनी का लाभ हानि खाता

(Profit & Loss Account of a Company)

व्यवहारिक रूप में लाभ–हानि खाता एक लेखावधि में अर्जित आयों तथा किये गये व्ययों को दिखाने के साथ–साथ अन्तर को भी स्पष्ट करने के लिए बनाया जाता है। कुछ विद्वानों द्वारा लाभ–हानि खाते के परिभाषा निम्न प्रकार से की गई है–राबर्ट एन. एनथोनी के अनुसार, ''लेखावधि में आय की मदें, व्यय मदें तथा उनमें अन्तर को संक्षिप्त करने वाला लेखांकन प्रतिवेदन आय विवरण कहलाता है।''

According to Robert N. Anthony "The accounting report that summarizes the revenue items, the expense items and the difference between them for an accounting period is called the income statements."

हावर्ड एवं अप्टन के अनुसार, ''लाभ–हानि विवरण किसी निश्चित अवधि के लिए परिचालन क्रियाओं के परिणाम स्वरूप स्वामित्व दावे या स्वत्व में होने वाले परिवर्तनों का संक्षिप्त रूप बतलाता है।

According to Howard and Upton, "The profit and Loss statement is a summary of changes in the owners claim or equity resulting from opening over a given period.

कम्पनी में व्यापारिक खाता (Trading Account) और लाभ हानि खाता (Profit and Loss Account) अलग–अलग बनाना अनिवार्य नहीं है। अतः व्यापारिक खाता अलग से न बनाकर लाभ–हानि को ही तीन भागों में विभक्त कर दिया जाता है। इन भागों में से पहले भाग में व्यापार दूसरे में लाभ–हानि सम्बन्धित तथा तीसरे भाग में नियोजन सम्बन्धित मदें रखी जाती है। यहां खाते का शीर्षक 'व्यापारिक एवं लाभ हानि खाता' (trading and P/L A/c) न होकर केवल 'लाभ–हानि खाता ही होता है।

कम्पनी अधिनियम की धारा 210(2) के अनुसार कम्पनी के प्रत्येक लाभ–हानि खाते में 'आय' एवं 'व्यय' सम्बन्धी मदों को उचित शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाना चाहिए। जिससे लाभ–हानि खाता व्यावसायिक वर्ष के लाभ या हानि का सच्चा और उचित चित्र (true and fair view) प्रस्तुत किया जा सके।

दो वर्षों के अंकों का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए लाभ–हानि खाते में हिसाबी वर्ष और गत वर्ष के अंक लिखे जाते हैं। कम्पनी के लाभ–हानि खाते का आदर्श प्रारूप निम्न है–

प्रारूप (Proforma)
Profit and Loss Account
for the year ending on...........

Figures for the previous year	Expenditure	Figures for the current year	Figures for the previous year	Income	Figures for the previous year
Rs.		**Rs.**	**Rs.**		**Rs.**
	To Opning Stock :			By Sales:	
	1. Raw Materials			*Less* : Sales returns	
	2. Work in progress			*Less* : Trade discounts	
	3. Finished goods			By gross income trom	
	To Purchases			services	
	Less : Purchase returns			By closing stock:	
	To Manufacturing expenses:			1. Raw material	
	1. Wages			2. work in progress	
	2. Power and Fuel			3. finished goods	
	3. Repairs of Machinery			By Gross loss (if any) c/d	
	4. Royalty				
	5. Excise duty				
	6. Store and spare parts Consumed				
	7. Freight				
	8. Carriage/carriage inward				
	9. Custom duty				
	10. Other direct expenses			By Gross Profit (if any) b/d	
	To Gross profit(if any) c/d				
	To Gross loss (if any) b/d			By Income from investment:	
	To Exployee's			1. Income from Trade	
	Remuneration :			Investment	
	1. Salaries and Bonus etc.			2. Income from other Investment	
	2. Contribution to Provident Fund,				
	Pension Fund and Gratuity Fund			3. Dividends from	
	3. Welfare Expenses			Subsidiary Companies	
	To selling and Distribution			by Interest received by Profit on	
	Expenses:			sale of Investment	
	1. Commission Paid to sole selling			By Miscellaneous receipts,	
	agents				
	2. Commission paid to others				
	3. Brokerage and Discount				
	allowed				

Figures for the previous year	Expenditure	Figures for the current year	Figures for the previous year	Income	Figures for the previous year
	4: Advertising Godown Rent etc.			Such as :	
				1. transfer Fee:	
	To Office Expenses:			2. rent received	
	1. Rents, Rates and taxes			3. Dividend Received	
	2. Printing and Sationery			By Net Loos (if any) c/d	
	3. Postage and Telegram				
	4. Repairs				
	5. Insurance				
	6. Political donations				
	7. Miscellaneous Expenses				
	To Interest:				
	1. Interest on Debentures and long term loans.				
	2. Other interest.				
	To Loss on sale of Assets				
	1. Fixed Assets				
	2. Investments				
	To Provision for specific liabilities :				
	1. Bad and Doubtful debts				
	2. Depriciation				
	3. Taxation				
	To Managerial Remuneration				
	1. Commission to Secretaries				
	2. Commission to Manager				
	To Director's Fees				
	To Auditor's Fees				
	To Net Profit (if any) C/d				

लाभ-हानि समायोजन खाता
(Profit and Loss Appropriation A/c)

लाभ–हानि खाता बनाने के बाद कम्पनी के शुद्ध लाभ का पता लग जाता है जो कि कम्पनी को अंशधारियों (Shareholders) में लाभांश के रूप में बांटना चाहिए क्योंकि अंशधारी कम्पनी के स्वामी होते हैं। परन्तु कम्पनियों के अन्तर्नियमों (Articles) द्वारा संचालकों को यह अधिकार दे दिया जाता है। कि वे कम्पनी की आर्थिक व्यवस्था को सुदढ़ करने के लिए लाभों के एक

विशेष भाग को कम्पनी में ही रख सकते हैं। लाभों के एक भाग को कम्पनी में रखने के लिए उन्हे विभिन्न संचयों (Reserves में हस्तांतरित कर दिया जाता है। फिर शेष लाभों में से लाभांश का वितरण किया जा सकता है। लाभों को विभिन्न प्रकार ने और लाभांश बांटने की प्रक्रिया को लाभों का नियोजन (Appropriation of Profits) कहा जाता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रायः कम्पनियों में लाभ–हानि खाता (P & L A/c) बनाने के बाद लाभ–हानि समायोजन खाता (Profit and Loss Appropriation Account) बनाया जाता है। जिसका प्रारूप निम्न है।

Profit and Loss Appropriation Account for the year ending ....

	To Last year's loss b/d (if any)			By Last year's Profit	
	To Current year's loss b/d (if any)			B/d (if any)	
	To Transfer to Reserve:			By Current year's profit	
	1. Transfer to General			b/d (if ant)	
	Reserve			By Adjustments relating	
	2. Transfer to Dividend			to past years, such	
	Expuilisation reserve			as saving in provision	
	3. Transfer to Debunture			for Taxation in	
	Redemption Fund			previous years	
	To Adjustments relating to			By Balance of loss	
	Past years, such as,			(if any) carried to	
	arrears of Dividend on			Balance Sheet	
	equity shares				
	To proposed Dividend on				
	equity share :				
	To Balance of Profit (if any)				
	Carried to Balance Sheet				

BALANCE SHEET as on ....

Figures for the previous year	Liabilities	Figures for the Current year	Figures for the previous year	Assets	Figures for the current year
	(1) Share Capital:			**(1) Fixed Assets:**	
	Authorised			1. Goodwill	

.....shares of Rs......each
Issued
....shares of Rs.....Each
Subscribed
......shares of Rs.
......called up
Less : Call in arrears
Add : Forfeited shares A/c
Add : Calls in Advance A/c
(2) Reserves & Surplus:
1. Capital Reserve
2. Capital Redemption Reserve
3. Shares Premium A/c
4. Other Reserves
Less : Debit balance of P&L Appropriation A/c (if any)
5. Surplus *i.e.*, Credit Balance of P & L A/c (after Proposed Dividend, Bonus or reserves)
6. Proposed additions to Reserves
7. Sinking Fund
(3) Secured Loans:
1. Debentures
2. Loans and Advances from Banks
3. Loans and Advances from Subsidiaries
4. Other Loans and Advances
5. Interest accrued and due on secured loans
(4) Unsecured Loans:
1. Fixed Deposits
2. Loans and advances from Subsidaries
3. Short-term Loans and Advances
(A) From Banks
(B) from others
4. Other Loans and Advances

2. Land
3. Building
4. Leaseholds
5. Railway sidings
6. Plant & Machinery
7. Furniture & Fittings
8. Development of Property
9. Patents, Trade Marks & Designs
10. Live Stocks
11. Vehicles etc.
(2) Investments :
1. Govt. or Trust Securities
2. Shares, Debentures Bonds (seperately)
3. Immovable Properties
(3) Current Assets, Loans & Advances:
(A) Current Assets:
1. Interest accrued on Investments
2. Stores & Spare Parts
3. Loose-tools
4. Stock-in-trade
5. Work-in-progress
6. Sundry Debtors:
(A) Debts outstanding for a period exceeding 6 months
(B) Others debts
Less: Provision
7. (A) Cash Balance on hand
(B) Bank balance
(i) with scheduled Banks
(ii) with others
(8) Loans and Advances:
1. Advances & Loans to subsidiaries
2. Bills of Exchange (BIR)
3. Advances recoverable in

	(A) From Banks (B) From Others 5. Interest accrued and due on unsecured loans (B) Current Liabilities & Provisions: (A) Current Liabilities: 1. Acceptances (B/P) 2. Sundry Creditors 3. Advance Payments and Unexpired Discounts 4. Unclaimed Dividends 5. Interest accrued but not due on loans 6. Other Liabilities **(B) Provisions:** 1. Provision for Taxation 2. Proposed Dividends 3. Provision for contingeneies 4. Provision for Provident Fund 5. Provision for Insurance, Pension and similar Staff Benefit Schmes **6. Other Provisions** (e.g., provision for repair) **(6) Contingent Liabilities** (by way of notes only): 1. Claims against the company not acknowledged as debts. 2. Uncalled liability on party paid shares; 3. Arrears of fixed cumulative dividends 4. Estimated amount of contracts remaining to be excuted on capital account and not provided for. 5. Other money for which company is contingently liable.			Cash or in kinds (e.g., Rates, Taxes, Insurance, etc. Prepaid) 4. Balance with customs Port Trusts, etc. (4) Miscellaneous Expenditure: 1. Preliminary Expenses 2. Expenses, including commission and Brokerage on issue of shares and debentures. 3. Discount allowed on the issue of shares and debentures. 4. Interest paid out of capital during construction period. 5. Development expenditures not adjusted. 6. Others (5) Profit and loss A/c (Loss) (Dr. Balance of P&L A/c) (This is shown only when its debits balance could not be written out of other reserves)	

चिट्ठे की विभिन्न मदों की व्याख्या
(Explanation of different Items of Balance Sheet)

1. दायित्व पक्ष (Liabilities Side) :

1. अंश पूंजी (Share Capital)—अंश पूंजी के अन्तर्गत अधिकृत पूंजी (Authorised Capital); तथा निर्गमित पूंजी (Issued Capital) प्रर्थित पूंजी (Subscribed Capital); मांगी हुई पूंजी (Called up Capital) तथा दत्त पूंजी (Paid-up Capital); पृथक दिखानी चाहिए। यदि कम्पनी द्वारा पूर्वाधिकार अंश निर्गमित किए गए हैं तो उन्हें भी इसी शीर्ष में अलग से दिखाना चाहिए। अंशों पर यदि कोई अदत्त याचनाएं (Call पद Arrears) हैं तो उन्हें मांगी गई पूंजी में से घटाकर दत्त पूंजी प्राप्त करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त कम्पनी द्वारा यदि कुछ अंश जब्त कर लिये गए हैं तो अंश हरण खाते (Forfeited Share Account) के शेष को पूंजी में जोड़कर दिखाना चाहिए। इसकी प्रकार अग्रिम राशि (Call पद Advance) को भी इसी शीर्षक में दिखाना चाहिए।

2. संचय एवं आधिक्य (Reserve and Surplus)—इस शीर्षक में निम्नलिखित पूंजीगत संचयों तथा अवितरित लाभों में से समायोजित संचयों को दिखाया जाता है।

(i) पूंजी संचय (Capital Reserve)

(ii) पूंजी शोधन संचय (Capital Redemption Reserve)

(ii) अंश प्रीमियम (Share Premium)

(iv) अन्य संचय (Other Reserves)

(v) आधिक्य (Surplus)

(vi) सिंकिंग फण्ड (Sinking Premium)

3. सुरक्षित ऋण (Secured Loan)—सुरक्षित ऋण वह होता है। जिसे लेने के लिए कम्पनी ने अपनी किसी सम्पत्ति की प्रतिभूति दी हो। ऋणपत्र प्रायः सुरक्षित होते हैं तथा उनका उनकी सम्पत्तियों पर चल प्रभार (Floating Charge) होता है। अतः उन्हें इसी शीर्ष के अन्तर्गत दिखाना चाहिए। यदि ऋणपत्रों (Debentures) पर ब्याज अदत्त एवं देय (Interest Accured and not due) है उसे ऋण–पत्रों की राशि में जोड़कर दिखाना चाहिए। किन्तु जो ब्याज अदत्त है पर देय नहीं है (Interest accrued and Due) है। उसे ऋण–पत्रों की राशि में जोड़ कर दिखाना चाहिए। किन्तु जो ब्याज अदत्त है पर देय नहीं है (Interest accured but not due) उस सुरक्षित ऋण के अन्तर्गत न दिखा कर चालू दायित्व (Current Liabilities) में दिखाना चाहिए।

4. असुरक्षित ऋण (Unsecured Loan)—असुरक्षित ऋण वह ऋण होता है। जिसे लेने के लिए कम्पनी ने कोई प्रतिभूति न दी हो। असुरक्षित ऋण दो भागों में बांटा जाता है—अल्पकालीन और दीर्घकालीन। एक वर्ष या इससे कम अवधि के ऋण को अल्पकालीन ऋण कहते हैं तथा एक वर्ष से अधिक के ऋण के दीर्घ कालीन ऋण कहते हैं। इन दोनों ऋणों को पथक करके दिखाना चाहिए। यदि असुरक्षित ऋण पर ब्याज अदत्त एवं देय (Interest Accured and Due) है उसे भी इसी शीर्षक इसमें जोड़ कर दिखाना चाहिए।

5. चालू दायित्व एवं आयोजन (Current Liabilities and Provisions)—कम्पनी अधिनियम के अनुसार कम्पनी के चालू दायित्वों एवं आयोजन शीर्षक के भाग–ए में तथा आयोजनों को भाग —बी में पथक–पथक दिखाना चाहिए। चालू दायित्वों तथा आयोजनों को निम्न प्रकार से वर्गीकृत करना चाहिए—

(a) चालू दायित्व (Current Liabilities)

(i) स्वीकृतियां

(ii) विविध लेनदार

(iii) सहायक कम्पनियों से ऋण

(iv) अग्रिम प्राप्त रकमें

(v) संचयों में प्रस्तावित वद्धि (Proposed additions to Reserves)

(vi) अदत्त लाभांश

(vii) अन्य दायित्व

(viii) ब्यजा अदत्त परन्तु देय नहीं

(ix) देय विपत्र

(b) आयोजन (Provisions)

(i) कर के लिए आयोजन

(ii) प्रस्तावित लाभांश

(iii) सम्भाव्य दायित्व के लिए आयोजन

(iv) भविष्य निधि के लिए आयोजन

(v) बीमा पेन्शन तथा कर्मचारियों के लाभार्थ योजनाओं के लिए आयोजन

(vi) अन्य प्रावधान

6. संयोगिक दायित्व (Contigent Liabilities)—संयोगिक दायित्व से दायित्व होते हैं जो चिट्ठे की तिथि तक देय नहीं होते, परन्तु इनके भविष्य में होने की सम्भावना होती है। कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार सम्भाव्य दायित्वों को चिट्ठे में टिप्पणी के रूप में प्रदर्शित करना सभी कम्पनियों के लिए अनिवार्य है। सम्भाव दायित्व की राशि चिट्ठे के जोड़ में शामिल नहीं की जाती। अतः इस राशि को आन्तरिक खानें में ही दिखा दिया जाता है।

संयोगिक दायित्वों का विवरण निम्न है :

(i) कम्पनी के विरुद्ध दावें जिन्हें कम्पनी द्वारा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। (Claims against the company not acknowledged as debts.)

(ii) अपूर्ण ठेकों (Uncompleted contracts) की अनुमानित राशि यदि उनके लिए कोई आयोजन नहीं बनाया गया है।

(iii) आंशिक चुकता अंशों पर न मांगी गई राशि (Uncalled liability on party paid shares)

(iv) संचयी पूर्वाधिकार अंशों का पिछले वर्षों का बकाया लाभांश (Arrears of dividend on cumulative preference shares)

(v) ऐसे भुनाए गए बिलों पर दायित्व जिनकी देय तिथि खाते बन्द करने की तिथि से बाद की है। (Liability on Bill Discounted which are payable after the closing of Accounts.)

(vi) कम्पनी द्वारा दी गई गारन्टी के अन्तर्गत दायित्व (Liability under guarantee given by the company.)

(vii) अन्य कोई राशि जिसके लिए कम्पनी सम्भावित देनदार हो सकती है। (Any other amount for which company might be contingently liable.)

II. सम्पत्ति (Assets Side)

1. स्थायी सम्पत्तियां (Fixed Assets)—सभी स्थायी सम्पत्तियों को अलग—अलग दिखाया जाता है। अनेक स्थायी सम्पत्तियां होने पर उनकी एक अनुसूची (Sechedule) बना कर चिट्ठे के साथ संलग्न की जाती है। सभी सम्पत्तियों को प्रारम्भिक लागत पर दिखाते हुए उनमें वर्ष में की गई वद्धि को जोड़कर तथा वर्ष में हुई कमी को घटाकर दिखाया जाता है। इसके बाद वर्ष के अन्त के मूल्य से ह्रास की राशि घटाकर दिखायी जाती है।

2. विनियोग (Investments)—विनियोग को तीन भागों में बांट कर दिखाया जाता है।

(a) सरकारी प्रतिभूतियों में विनियोग (Investment in Govt. Securities)

(b) विभिन्न कम्पनियों के अंशों, ऋण—पत्रों आदि में विनियोग (Investment in shares and Debentures of different companies)

(c) अन्य विनियोग (Other Investments)

3. चालू सम्पत्तियां ऋण तथा अग्रिम (Current Assets, Loans and Advances)—इसके दो भाग किये जाते हैं एक भाग में चालू सम्पत्तियां तथा दूसरे भाग में ऋण तथा अग्रिम (Advance) दी गई राशियां लिखी जाती हैं।

(A) चालू सम्पत्तियां—इसमें Closing Stock, Debtors, Cashin Hand Cash in Hand, Cash at Bank इत्यादि मदें दिखाई जाती हैं। देनदारों (Debtors) के दो भाग किये जाते हैं। (i) छः महीने से अधिक पुराने देनदार (ii) अन्य देनदार। देनदार में से बाद के डूबत ऋण (Further Bad debts) डूबत ऋण के लिए आयोजन (Privision for Bad debts) व देनदारों पर छूट के लिए आयोजन (Provision on discount on Debtors) तीनों को घटा कर दिखाया जाता है।

4. विविध व्यय (Miscellaneous Expenditure)—इसमें ऐसे खर्चों को लिखा जाता है जो अभी अपलिखित किये जाने है। जैसे—प्रारम्भिक व्यय (Preliminary Exp.) अंशों व ऋणपत्रों पर कटोती (Discount on Issue of Share and Debentures) इत्यादि।

कुछ आवश्यक समायोजन
(Some Important Adjustments)

1. ऋण पत्रों का ब्याज (Interest on Debentures)—कम्पनी द्वारा निर्गमित ऋण पत्रों पर दी गई से सम्पूर्ण वर्ष के ब्याज की गणना करके उसकी तुलना तलपट में दिये गये 'ऋणपत्रों के ब्याज' से करनी चाहिए। यदि तलपट में दिया गया ब्याज, गणना किये गये ब्याज से कम हो, तो कमी की राशि को अदत्त ब्याज (Outstanding Interest) माना जाता है। अदत्त ब्याज को एक बार लाभ–हानि खाते के डेबिट पक्ष में और दोबारा दायित्व पक्ष में लिखा जाता है।

2. ऋण पत्रों के निर्गमन पर कटौती एवं खर्चे (Discount and Expenses on Issue of Debentures)—इन्हें सम्पत्ति पक्ष में विविध व्यय (Misc, Expenditure) शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है। यदि प्रश्न में कहा जाय तो इनमें से कुछ राशि अपलिखित (Written-off) की गई है तो अपलिखित की गई राशि को एक बार लाभ–हानि खाते में डेबिट पक्ष में तथा दोबारा चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में कुछ कटौती एवं निर्गमन व्यय में घटा कर दिखाया जाता है।

3. 'सिकिंग फंड' विनियोगों पर ब्याज (Interest on Sinking Fund Investments)—लेखांकन के सिद्धान्तों के अनुसार इसे सीधे 'सिकिंग फंड' में जोड़कर दिखाना चाहिए, परन्तु कानून के अनुसार सभी आय लाभ–हानि खाते में क्रेडिट पक्ष में और दोबारा लाभ–हानि समायोजन खाते के डेबिट पक्ष में लिखा जाता है। उसके बाद चिट्ठा बनाते समय इस ब्याज को दायित्व पक्ष में 'सिंकिंग फंड, में जोड़ कर दिखाया जाता है।

4. संदिग्ध ऋण (Doubtful Debts)—कभी–कभी समायोजन में संदिग्ध ऋण केवल सूचना के लिए दिये होते हैं। अतः जब तक प्रश्न में स्पष्ट रूप से आयोजन (Provision) बनाने को न कहा जाए तक संदिग्ध ऋण (Doubtful Debts) के लिए कोई आयोजन (Provision) नहीं बनाया जाता है।

5. प्रस्तावित लाभांश (Proposed Dividend)—यह मद प्रायः समायोजन में दी जाती है। इसे एक बार लाभ–हानि समायोजन खाते के डेबिट पक्ष में तथा दोबारा दायित्व पक्ष में चालू दायित्व (Current Liabilities) उपशीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

तलपट में दी गई कुछ मदें
(Some Items Given in Trial Balance)

निम्न मदें यदि तलपट में दी गई हों तो उन्हें इस प्रकार दिखाया जाता है—

मदें (Income Tax)	स्थान (Place) जहाँ दिखायी जायेगी
1. आयकर (Income Tax)	1. Debit sides of Profit & Loss A/c

2. अंश हस्तान्तरण फीस (Share Transfer Fees)	2. Credit side of Profit & Loss A/c
3. प्राप्त लाभांश (Dividend Received)	3. Credit side of P & L A/c
4. अंशधारियों को लाभांश (Dividend to Shareholders)	4. Debit side of P & L Appro.
5. अन्तरिम लाभांश (Interim Dividend)	5. Debit side of P & L Appro.
6. अदत्त व्यय (Outstanding Expenses)	6. Liabilities
7. अंश प्रीमियम (Share Premium)	7. Liabilities
8. आयचित लाभांश (Unclaimed Dividend)	8. Liabilities
9. अग्रिम याचनाएं (Calls-in-Advance)	9. Liabilities
10. पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expenses)	10. Assets
11. अन्तिम स्टॉक (Closing Stock)	11. Assets
12. करों का अग्रिम भुगतान (Advance Payment of Taxes)	12. Assets
13. अदत्त याचनाएं (Calls-in-Arrears)	13. Deduct from Called up Capital on the liabilities side.
14. अंश हरण खाता (Share Forfeiture A/c)	14. Add in Paid-up Capital on the Liabilities side.
15. Depreciation (give on the credit)	15. Debit side of P & L A/c
16. Dejeciation on the credit sids of Trial Balance	16. Deduct from the concerned asset on the Assets side.

Illustration 1

A Company had Rs. 20,53,638 profit on 31st March, 1999 after making provision for depreciation and taxation. Rs. 1,15,643 profit was broughtforward from last year to this year. Following recommendations were made by the directors of the company to appropriate this profit:

(i) To pay Rs. 80,000 as bonus to the employees of the company; (ii) To transfer Rs. 6,15,000 to General Reserve; (iii) To declare dividend @ 5% on equity shares; (iv) To transfer Rs. 40,000 to staff gratuity fund; (v) To transfer Rs. 40,000 to Development Rebate Reserve; (vi) To transfer Rs. 1,00,000 to Deferred Taxation Reserve, Company's capital consisted of 1,00,000 equit. shares of Rs. 10 each full paid. Transfer Rs. 50,000 from exempt profit reserve account to profit and loss appropriation account on 31st March, 1999. For the year ending at 31 st March 1999. For the year ending at 31st March 1999, Directors transferred Rs. 45,000 to dividend reserve and 30,000 to debenture redemption fund account. Prepare Profit and Loss Appropriation Account.

एक कम्पनी को 31 मार्च 1999 को ह्रास व करों आदि की व्यवस्था करने के बाद 20,53,638 रु. का लाभ था। 1,15,643 रु. लाभ की राशि पिछली वर्ष से इस वर्ष लायी गयी थी। कम्पनी के संचालकों ने इस लाभ के समायोजन के लिए निम्नलिखित सिफारिशें कीं—

(i) 80,000 रु. बोनस के रूप में कम्पनी के कर्मचारियों को देना; (ii) सामान्य संचय में 6,15,000 रु. हस्तान्तरित करना। (iii) 5% की दर से समता अंशों पर लाभांश घोषित करना; (iv) 40,000 रु. कर्मचारियों के ग्रेच्युइटी कोष में हस्तान्तरित करना; (v) 40,000 रु. विकास छूट संचय में हस्तान्तरित करना; (vi) 1,00,000 रु. स्थगित कर संचय में हस्तान्तरित करना। कम्पनी की कुल पूंजी में 10 रु. वाले 1,00,000 समता अंश थे जो कि पूर्णदत्त थे। मुक्त लाभ संचय खाता (Exempt Profit Reserve A/c) से 50,000 रु. लाभांश वितरण के उद्देश्य से 31 मार्च, 1999 को लाभ–हानि नियोजन खाते में हस्तान्तरित किए गए।

संचालकों ने 31 मार्च, 1999 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 45,000 रु. लाभांश संचय में हस्तान्तरित किए और 30,000 रु. ऋणपत्र शोधन कोष में हस्तान्तरित किए गए। उपर्युक्त सूचनाओं के आधार पर लाभ–हानि नियोजन खाता बनाइए।

Solution :

PROFIT AND LOSS APPROPRATION ACCOUNT

Particulars	Amount Rs.	Particulars	Amount Rs.
To Bonus to Employes	80,000	By Balance b/d	1,15,643
To General Reserve	6,15,000	(profit of last year)	
To Proposed Dividend	50,000	By Net Profit (as per current year's	20,53,638
$\left(10,00,000 \times \frac{5}{100}\right)$		P/L A/c)	
		By transfer from Exempt	
To Staff Gratuity Fund	40,000	Profit Reserve A/c	50,000
To Development Rebate Reserve	40,000		
To Deferred Taxation Reserve	1,00,000		
To Dividend Reserve	45,000		
To Debenture Redemption fund	30,000		
To Balance carried to			
Balance sheet	12,19,281		
	22,19,281		22,19,281

Illustration 2

After preparing Profit and Loss A/c for the year 1998, the following balance stood in the books of Rewari Steels Ltd. as on 31 st Dec. 1998.

	Rs.		Rs.
Call in arrear	20,000	Share Capital	20,00,000
Cash at bank	12,20,000	Share Premium A/c	40,000
Motor Vehicles (Cost Rs. 16,00,000)	12,00,000	General Reserve	8,00,000
Furniture(Cost Rs. 20,000)	12,000	Bad Debts Reseve	50,000
Investment	9,00,000	Sunday Creditors	2,94,000
Sunday Debtors (of which Rs. 20,000 is		Profit & Loss A/c (including	4,28,000
doubtful)	2,60,000	Rs. 70,000 being the balance of	
		1997 P & L A/c)	
	36,12,000		36,12,000

Following further informations are available :

(1) The authorised capital of the company is Rs. 25,00,000 in Rs. 100 each.

(2}The Director transfer Rs. 20,00,000 in the General Reserve and recommend a dividend of 10% on the paid up capital for the year 1998.

From the above, prepare in proper form :

(a) Profit and Loss Appropriation A/c for the year 1998.

(b) Companys Balance-Sheet as on 31st Dec., 1998.

वर्ष 1998 का लाभ–हानि खाता तैयार करने के उपरान्त निम्नलिखित शेष रिवाड़ी स्टील्स लिमिटेड की पुस्तकों से 31 दिसम्बर, 1998 को प्राप्त हुए–

	रु.		रु.
अवशिष्ट याचनाएं	20,000	अंश पूंजी	20,00,000
बैंक में जमा	12,20,000	अंश प्रीमियम खाता	40,000
मोटर गाड़ियां (लागत 16,00,000 रु.)	12,00,000	सामान्य संचय	8,00,000
फर्नीचर (लागत 20,000 रु.)	12.000	संदिग्ध ऋण संचय	50,000
		विविध लेनादार	2,94,000
विनियोग	9,00,000	लाभ–हानि खाता	
		(इसमें वर्ष 1997 के लाभ–हानि का शेष	
		70,000 रु. शामिल है)	
विविध देनदार	60,000		4,28,000
(20,000 रु. की इनमें से वसूली संदिग्ध है।)			
	36,12,000		36,12,000

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनायें उपलब्ध हैं–

1. कम्पनी की अधिकृत पूंजी 25,00,000 रु. हैं जो 100 रु. के अंशों में है।

2. संचालकों ने 20,00,000 रु. संचित कोष में हस्तान्तरित करने तथा वर्ष 1998 के लिए चुकता पूंजी पर 10 प्रतिशत लाभांश की अनुशंसा की है।

उपर्युक्त से आप उचित प्रारूप में निम्नलिखित तैयार करो–

(अ) वर्ष 1998 को कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा।

(ब) 31 दिसम्बर, 1998 को कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा।

Solution :

PROFIT AND LOSS APPROPRIATION A/C

	Rs.		Rs.
To General Reserve	2,00,000	By Balance b/d	
To proposed Dividend	1,98,000	(Profit of last year)	70,000
To Balance carried to Balance Sheet	30,000	By Net Profit (Current year's profit)	
		(Rs. 4,28,000—Rs. 70,000)	3,58,000
	4,28,000		4,28,000

BALANCE SHEET

Liabilities		Amount Rs.	Assets		Amount Rs.
(1) Share Capital:			**(1) Fixed Assets :**		
Authorised :			Motor Vechicles		12,00,000
25,000 Shares of Rs. 100 each		25,000	Furniture		12,000
Issued Subs. and Paid up :			**(2) Investment:**		
20,000 shares of Rs. 100 each Rs.			**(3) Current Assets, Loans**		
	20,00,000		**and Advances:**		
Less Calls in Arrears	20,000	19,80,000	(A) Current Assets :		
			Cash at Bank		12,20,000
(2) Reserve & Surplus:		40,000	Debtors	2,60,000	
Share Premium			*Less* Provision		
General Reserve	8,00,000		for Bad debts	20,000	2,40,000
Add New Reserve	2,00,000	10,00,000			
Bad debts Reserve	50,000				
Less Doubtful	20,000	30,000			
Profit & Loss A/c		30,000			
(3) Secured Loans:		—			
(4) Unsecured Loans:		—			
(5) Current Liabilities & Provisions :					
(A) Current Liabilities :					
Creditors		2,94,000			
(B) Provisions:					
Proposed Dividend		1,98,000			
		35,72,000			35,72,000

Illustration 3

Haryana Iron Ltd. was registered with an authorised capital of Rs. 3,00,000 in equity shares of Rs. 10 each. The following is the list of balance extracted from its book on 31-12-1998.

	Rs.		Rs.
Purchases	9,25,000	General Expenses	84,175
Wages	4,24,325	Stock on 1.1.98	3,75,000
Manufacturing Expenses	65,575	Goodwill	1,00,000
Salaries	70,000	Cash in Hand	28,750
Bad Debts	10,550	Cash at Bank	1,99,500
Directors Fee	31,125	Subscribed and Fully paid capital	20,00,000
Debentures Interest Paid	45,000	Profit & Loss Account (Credit Bal.)	72,500
Preliminary Expenses	25,000	6% Debentures	15,00,000

Calls in Arrear	37,500	Sundry Creditors	2,90,000
Plant and Machinery	15,00,000	Bill Payable	1,67,500
Premises	16,50,000	Sales	20,75,000
Interim Dividend Paid	1,87,500	General Reserve	1,25,000

You are required to prepare Trading and Profit and Loss Account for the year ended 31 st December, 1999 and the balance sheet as at date, after making the following adjustments :

(i) Depreciate Plant and Machinery by 10%

(ii) Provide half years interest on debentures.

(iii) Write off Rs 2,500 from preliminary, expenses.

(iv) Make the provision for bad and doubtful debts Rs. 4,250 on sundry debtors.

(v) Stock on 31st December, 1998 Rs. 4,55,000

हरियाणा आइरन लिमिटेड का पंजीयन 10% रु० वाले 30,00,000 समता अंशों की अधिकृत पूंजी से हुआ। 31.12.1998 को कम्पनी की पुस्तकों में निम्नलिखित शेष लिए गये—

	Rs.		Rs.
क्रय	9,25,000	सामान्य व्यय	84,1754
मजदूरी	4,24,325	स्कन्ध 1.1.1998	3,75,000
निर्माण व्यय वेतन	65,575	ख्याति	1,00,000
अशोध्य ऋण	70,000	हस्तस्थ रोकड़	28,750
निदेशक फीस	10,550	बैंक में रोकड़	1,99,500
ऋण—पत्र ब्याज का भुगतान	31,125	प्रार्थिक एवं प्रदत्त पूंजी	20,00,000
प्रारम्भिक व्यय	45,000	लाभ—हानि खाता (क्रेडिट शेष)	72,500
अवशिष्ट याचना	25,000	6 प्रतिशत ऋण—पत्र	15,00,000
संयन्त्र मशीनरी	37,500	कुल लेनदार	2,90,000
भवन	15,00,000	देय बिल	1,67,500
अन्तरिम लाभांश का भुगतान	16,50,000	बिक्री	20,75,000
फर्नीचर तथा फिक्स्चर्स	1,87,500	सामान्य संचय	1,25,000
कुल लेनदार	35,000		
	4,36,000		

निम्नलिखित समायोजनों को ध्यान रखते हुए 31st दिसम्बर, 1999 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार तथा लाभ—हानि खाता तथा उसी तिथि का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

1. संयन्त्र तथा मशीनरी को 10% से हासिल कीजिए।

2. ऋण—पत्रों पर 6 मास का ब्याज लगाइए।

3. 2,500 रु. से प्रारम्भिक व्यय का अपलेखन कीजिए।

4. 31 दिसम्बर, 1998 को सकन्ध का मूल्य 4,55,000 रु. था।

Solution :

		Rs.		Rs.
To Opening Stock		3,75,00	By Sales	20,75,000
To Purchases		9,25,000	By Closing Stock	4,55,000
To wages		4,24,325		
To Manufacturing Expenses		65,575		
To Gross Profit		7,40,100		
		25,30,000		25,30,000
To Salaries		70,000	By Gross Profit	7,40,100
To General Expenses		84,175		
To Directors' Fee	Rs.	31,125		
To Interest on Debentures	45,000			
Add : Outstanding Deb.				
Int. for 6 Months	45,000	90,000		
To Bad Debts		10,550		
To Provision for Doubtful Debts		4,250		
To Preliminary Expenses Written off		2,500		
To Depreciation on plant and Machinery		1,50,000		
To Net Profit		2,97,500		
		7,40,100		7,40,100

PROFIT AND LOSS APPROPRIATION ACCOUNT

For the year ending 31st December 1998

	Rs.		Rs.
To Dividend (Interim)	1,87,500	By Balance b/d	
		(Last year's profit)	72,500
To Balance Carried to Balance Sheet	1,82,500	By Net Profit	
		(Current year's profit)	2,97,500
	3,70,000		3,70,000

BALANCE SHEET OF HARYANA IRON LTD.

as on 31st December, 1998

		Rs.			Rs.
Share Capital:			**Fixed Assets :**		
Authorised :			Goodwill		1,00,000
3,00,000 shares of Rs. 10 each		30,00,000	Premises		16,50,000
Issued and Subscribed					
2,00,000 Shares of Rs. 10 each		20,00,000	Plant & Machinery	15,00,000	
Called up and Paid up	Rs.		*Less* : Depreciation 10%	1,50,000	13,50,000
2,00,000 shares of 10 each	20,00,000		**Furniture and Fixtures :**		35,000
			Current Assets, Loans and Advances :		
Less : Calls in Arrears :	37,500	19,62,500	Stock-in-trade	Rs.	4,55,000
			Sundry debtors	4,36,000	
			Less : Provision for Doubtful		
Reserves and Surplus:			Debts	4,250	4,31,750
General Reserve		1,25,000	Balance at Bank		1,99,500
Profit and Loss Account		1,82,500	Cash in Hand		28,750
Secured Loans:	Rs.		Miscellaneous Exp.	Rs.	
6% Debentures	15,00,000		Preliminary Expenses Rs.	25,000	
Add : Accrued			*Less* : Written-off		
Interest for 6 months	45,000	15,45,000	During the year	2,500	22,500
Current Liabilities and Provisions					
(A) Current Liabilities					
Bills Payable		1,67,500			
Sundry Creditors		2,90,000			
		42,72,500			42,72,500

Illustration 4.

From the following trial balance of Rathi Steels Ltd. as at 31 st Dec, 1997, prepare Profit & Loss A/c relating to 1997 and the Balance sheet as at the end of the year :

राठी स्टील्स लिमिटेड के 31 दिसम्बर, 1997, के निम्न तलपट से, वर्ष 1997 का लाभ–हानि खाता तथा वर्ष के अन्त का चिट्ठा तैयार कीजिए।

	Rs.		Rs.
Stock (1-1-1997)	60,000	Sundry Creditors	45,000
Purchases	3,20,000	Provision for Income-Tax	45,000
Wages	90,000	P & L A/c	38,000
Electric Power	15,000	General Reserve	1,00,000
Manufacturing Expenses	35,000	Share Capital (fully paid) :	
Carriage Outwards	20,000	Equity	3,00,000
Carriage Inwards	10,000	6% Redeemable Preference Shares	2,00,000
Salaries	60,000	6% Debentures	
		(Secured on fixed assets)	2,00,000
Insurance	10,000	Salaries and wages unpaid	25,000
Sundry debtors	90,000	Sales	7,70,000
Bank Balance	6,000	Interest Received on Gevernment	
		Securities (sinking fund)	2,00,000
Sinking Fund Investments (4%		Sinking Fund	90,000
Govt. Securities of Rs, 1,00,000)	90,000		
Debenture Interest	6,000		
Land & Buildings	3,00,000		
Plant & Machinery	4,50,000		
Director's Fees	10,000		
Audit Fees	6,000		
Income Tax Paid	41,000		
Dividend Paid on Pref. Shares	6,000		
Interim Dividend on Equity shares	30,000		
Preliminary Expenses	20,000		
Good will	1,40,000		
	18,15,000		18,15,000

To closing stock on 31st Dec., 1997 was 58,000. There was no further liability for income tax except for 1997 for which a provision of Rs. 50,000 should be made. Depreciation is to be provided @ 2% on Land and Buildings and @ 10% on Plant and Machinery. Write off Rs. 5,000 from Preliminary Expenses. The directors recommend that Rs. 25,000 be transferred to General Reserve and that a final dividend of 10% on Equity Shares be paid Rs. 10,000 have to be added to the sinking Fund besides the interest earned.

31 दिसम्बर 1997 को अन्तिम रहतिया 58,000 रु० था। आयकर के लिए 1997 के अतिरिक्त और कोई दायित्व नहीं था। जिसके लिए 50,000 रु० का आयोजन बनाना है। भूमि तथा भवन पर 2% की दर से तथा प्लांट और मशीनरी पर 10% की दर से ह्रास का प्रावधान करना है। प्रारम्भिक व्यय में से 5,000 रु० अपलिखित करने हैं। संचालकों ने अनुमोदन किया है कि सामान्य संचय में 25,000 रु० हस्तान्तरित किए जाएं तथा समता अंशों पर 10% अन्तिम लाभांश का भुगतान किया जाए। सिंकिंग फण्ड में उपार्जित ब्याज के अतिरिक्त 10,000 रु० बढ़ाने हैं।

Solution :

	Rs.		Rs.
To Opening Stock	60,000	By Sales	7,70,000
To Purchases	3,20,000	By closing Stock	58,000

To Wages		90,000			
To Electric Power		15,000			
To Manufacturing Expenses		35,000			
To Carriage Inwards		10,000			
To Gross Profit		2,98,000			
		8,28,000			8,28,000
To Carriage Out wards		20,000			
To Salaries		60,000	By Gross Profit		2,98,000
To Insurance		10,000			
To Debenture Interest	6,000				
Add : Outstanding Int. On					
Debentures	6,000	12,000	By Int. on Sinking Fund Investment		
				Rs.	
To Director's Fees		10,000		2,000	
To Audit Fees		6,000	*Add* : accrued Intt.		
To Depreciation on:			On. S. F.I.	2,000	4,000
	Rs.				
Land & Buildings 2%	6,000				
Plant & Mach. 10%	45,000	51,000			
To Preliminary Expenses (Written-off)		5,000			
To Taxation Provision		50,000			
To Net Profit		78,000			
		3,02,000			3,02,000

PROFIT AND LOSS APROPRIATION ACCOUNT

For the year ending 31st December, 1997

To Transfer to General Reserve		25,000	Balance b/d (Profit of last year)		38,000
To Transfer to Sinking Funds		14,000	By Profit & Loos A/c		78,000
			(Current year's Profit)		
To Dividend on Pref. shares	Rs.				
Paid	6,000		By Saving in Provision for Income		
Add : Outstanding Divided	6,000	12,000	Tax for last year		
				Rs.	
To Dividend on Equity Shares			Last year's Provision	45,000	
Interim Dividend Paid		30,000	*Less* : Actual Tax Paid for last year		
Proposed Dividend 10%		30,000		41,000	4,000
To Balance carried to Balance Sheet		9,000			
		1,20,000			1,20,000

BALANCE SHEET

as on 31st December, 1997

Liabilities		Amount	Assets		Amount
(1) Share Capital			**(1) Fixed Assets :**		
Authorised :			Goodwill		1,40,000
Preference Shares		....		Rs.	
Equity Shares		....	Land and Building	3,00,000	
			Less : Dep. on L & B.	6,000	2,94,000
Issued Subs. and Paid up				Rs.	
6% Preference Share Capital		2,00,000	Plant and Machinery	4,50,000	
Equity Share Capital		3,00,000	*Less :* Dep. on P & M.	45,000	4,05,000
(2) Reserve and Surplus			**(2) Investments :**		
Sinking Fund	Rs.		Sinking Fund Investment		
Last year's Balance	90,000		(4% Govt. Securities of Rs. 1,00,000)		90,000
Add : Additions during			**(3) Current Assets, Loans and Advances**		
Current year	14,000	1,04,000			
General Reserve :			**(A) Current assets:**		
Last year's Balance	1,00,000		Accrued Interest on sinking Fund		
Add : Additions during			Investment		2,000
Current year	25,000	1,25,000	Closing Stock		58,000
Profit & Loss A/c (Cr.)		9,000	Sundry Debtors		90,000
(3) Secured Loan :			Bank Balance		6,000
	Rs.		**(B) Loans and Advances :**		
6% Debentures	2,00,000				
Add : outstanding Interest					
on Debentures	6,000	2,06,000	**(4) Misc. Expenditure :**		
(4) Unsecured Loans :			Preliminary Expenses :		
(5) Current Liabillties and Provisions :		—		Rs.	
(A) current Liabilities			Last year's Balance	20,000	
Salaries and Wages Unpaid		25,000	*Less* : Written off during		
Sundry Creditors		45,000	Current year	5,000	15,000
(B) Provisions:					
Provision for Income Tax		50,000			
Provision for Dividend on Preference					
Shares		6,000			
Proposed Dividend on Equity Shares		30,000			
6. Contingent Liabilities :		—			
		11,00,000			11,00,000

Working Notes:

1. Calculation of Outstanding Interest on Debentures :

Total Interest Payable on Debentures of Rs. 2,00,000 at 6%	Rs.
$\left(2,00,000 \times \frac{6}{100}\right)$	= 12,000
Less : Debenture Interest Paid	6,000
Outstanding Debenture Interest	6,000

2. Calculation of Accrued Interest on Sinking Fund Investments:

Interest Receiable on the investment of Rs. 1,00,000 at 4%	Rs.
$\left(1,00,000 \times \frac{4}{100}\right)$	= 4,000
Less : Interest on Investment received	= 2,000
Interest accrued but not received	= 2,000

3. Calculation of Profit on Provision for Income Tax:

	Rs.
Last year's Provision for Income Tax	45,000
Less : Income Tax actually paid for last year	41,000

4. Calculation of amount transferred to Sinking Fund:

	Rs.
Interest carned During the year	= 4,000
Add	= 10,000
Transfer to Sinking Fund	= 14,000

5. Calculation of Outstanding on Preference Shares

	Rs.
Dividend on 6% Pref'. Share Capital of Rs. 2,00,000	= 12,000
Less : Dividend paid	= 6,000
Outstanding dividend	6,000

6. कम्पनी ने समता अंशों पर लाभांश घोषित किया है। समता अंशों पर लाभांश देने के लिए पहले पूर्वाधिकार अंशों का लाभांश देना आवश्यक है। अतः यह माना गया है कि पूर्वाधिकार अंशों का लाभांश (12,000 – 6,000) = 6,000 बकाया है।

ASSIGNMENTS

1. काल्पनिक आंकड़ें लेते हुए कम्पनी अधिनियम के अनुसार एक कम्पनी का लाभ तथा हानि समायोजन खाता और चिट्ठा तैयार कीजिए।

   Prepare P & L Appropriation Account and Balance Sheet of a company as per Companies Act taking imaginary figures.

2. State briefly the requirement as to Profit and Loss Account in accordance with Part II of Schedule II of the compantes Act 1956 as amended upto date.

3. अन्तरिम लाभांश क्या है? यह किन दशाओं में दिया जा सकता है? (*Rohilkhand Univ., 1991*)

What is Interim Dividend? Under what conditions it can be given?

4. कम्पनी के चिट्ठे में निम्न मदें किस प्रकार प्रदर्शित की जाएंगी?

(a) अंश पूंजी (b) संयोगिक दायित्व (c) स्थायी सम्पत्तियां।

How the following items will appear in the Balance Sheet of a Company?

(a) Share Capital (b) Contingent Liabilities (c) Fixed Assets.

5. निम्न में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए—

Write short notes on any four of the following :

(i) Interim Dividend (अन्तरिम लाभांश)

(ii) Final Dividend (अन्तिम लाभांश)

(iii) Reserve & Surplus (संचय एवं आधिक्य)

(iv) Unclaimed Dividend (अयाचित लाभांश)

(v) Prererence Share Dividend (चालू दायित्व एवं आयोजन)

(vi) Current Liabilities and Provisions (चालू दायित्व एवं आयोजन)

6. निम्न में अन्तर स्पष्ट कीजिए—

(i) लाभ—हानि खाता तथा लाभ—हानि समायोजन खाता

(ii) स्थायी सम्पत्तियां एवं चालू सम्पत्तियां

(iii) अधिकृत पूंजी एवं चुकता पूंजी

Distinguish between the following :

(i) Profit & Loss A/c and Profit & Loss Appropriation A/c

(ii) Fixed Assets and Current Assets

(iii) Authorised Capital and Paid-up Capital

QUESTIONS

1. For the year ended December 31,1992, the profit of Karan Limited before charging depreciation on fixed assets and managerial remuneration amounted to Rs. 3,00,000 Depreciation for the year amounted to Rs. 60,000 and a Commision of 10% of the profits (before charging such commission) was payable to the manager.

The paid up capital of the company consisted of Rs.10,00,000 divided into 5,000, 6% preference shares of Rs. 100 each and 50,000 equity shares of 10 each. Interim dividend at Rs. 0.50 per share was paid during the year. There was a credit balance of Rs. 35,000 in the Profit and Loss Account brought from the previous year. The following appropriation were proposed by the board of directiors and subsequently passed at the annual general meeting of the company :

(a) To pay the year's dividend on preference shares.

(b) To pay a final dividend on equity shares at Rs. 0.50 per share to make a total dividend of Re. 1 per share for the year.

(c) To provide for taxation @ 50% of the net profit.

(d) To transfer Rs. 25,000 to the general reserve.

(e) To carry forward the balance.

Show the Profit and Loss Appropriation Account.

Ans. Net Profit Rs. 1,08,000 P/L Appro. A/c Balance Rs. 38,000

31 दिसम्बर 1992 को समाप्त होने वाले वर्ष में कर्ण लिमिटेड को स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास और मैनेजर का कमीशन देने से पूर्व 3,00,000 रु० लाभ हुआ। ह्रास 60,000 रु० है तथा मैनेजर को लाभ का 10% कमीशन दिया जाता है। कम्पनी की चुकता पूंजी 10,00,000 रु० है। जो कि 100 रु० वाले 5000, 6% पूर्वाधिकार अंशों में तथा 10 रु० वाले 50,000 समता अंशों में विभक्त है। वर्ष के दौरान समता अंशों पर 50 पैसे प्रति अंश अन्तरिम लाभांश भुगतान किया गया। गत वर्ष का लाभ 35,000 रु० क्रेडिट शेष था, जो इस वर्ष आगे लाया गया। कम्पनी की वार्षिक साधारण सभा में निम्नलिखित नियोजन के लिए प्रस्ताव पास हुए—

(a) पूर्वाधिकार अंशों पर वर्ष का लाभांश दिया जाए।

(b) समता अंशों पर 50 पैसे प्रति अंश अन्तिम लाभांश दिया जाए जिससे वर्ष के लिए कुल लाभांश 1 रु० प्रति अंश हो जाए।

(c) शुद्ध लाभों के 50% की आय–कर के लिए व्यवस्था करनी हैं।

(d) 25,000 रु० सामान्य संचय में हस्तांतरित करने हैं।

(e) शेष को आगे ले जाना है।

लाभ–हानि नियोजन खाता दिखाइए।

2. Rakesh Limited carried forward balance of Rs. 20,50,000 in the Profit and Loss Account for the year ended on 31 st March, 1996. During the year 1996-97, it made a profit of Rs. 52,40,000 before charging depreciation and manager's commission, Depreciation for the year 1996-97 amounted to Rs. 8,40,000 and a commission of 5% on net profit before charging such commission was to be paid to the manager. It was decided that following decisions be carried out:

(a) Transfer Rs. 12,50,000 to the General Reserve.

(b) Transfer Rs. 5,00,000 to the Dividend Equalisation Reserve.

(c) Pay the year's dividend on Rs. 5,00,000 10% cumulative preference share capital.

(d) Pay 20% dividend on Rs. 60,00,000 equity share capital.

(e) Pay Rs. 1,00,000 dividend to non-cumulative preference shares.

(f) Transfer Rs. 7,50,000 to Debenture Redemption Fund.

Prepare Profit and Loss Appropriation Account showing the above appropriations.

राकेश लिमिटेड की 31 मार्च, 1996 की पुस्तकों में 20,50,000 रु० के लाभ शेष थे जो इस वर्ष आगे लाए गए। 1996-97 वर्ष के दौरान कम्पनी ने ह्रास और मैनेजर की कमीशन देने से पूर्व 52,00,000 रु० लाभ अर्जित किया। 1996-97 वर्ष का ह्रास 8,40,000 रु० है तथा मैनेजर को शुद्ध लाभ (यह कमीशन देने से पूर्व) का 5% कमीशन दिया जाना है। निम्न प्रस्तावों को लेखांकित करने का निश्चय किया गया :

(क) 12,50,000 रु० सामान्य संचय में डालना है।

(ख) 5,00,000 रु० लाभांश समानीकरण संचय में हस्तान्तरित किए जाने हैं।

(ग) कम्पनी के 5,00,000 रु० के संचयी पूर्वाधिकारी अंशों पर 10% लाभांश दिया जाए।

(घ) 60,00,000 रु० की समता अंश पूंजी पर 20% लाभांश दिया जाए।

(ङ) असंचयी पूर्वाधिकारी अंशों पर 1,00,000 रु० लाभांश के दिए जाएं।

(च) 75,00,000 रु० ऋणपत्र शोधन कोष में हस्तान्तरित किए जाएं।

उपरोक्त नियोजनों को नियोजित करते हुए लाभ–हानि नियोजन खाता बनाइए।

Ans. Net profit Rs. 41,80,000 Balance of P/L Appropriation A/c Rs. 23,80,000

3. An unexperienced accountant has prepared the Balance Sheet of Y Limited as at 31st March, 1995 as follows. Redraft the Balance Sheet in the form prescribed by the Indian Companies Act 1956 :

BALANCE SHEET OF Y Limited
as on 31st March, 1995

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Trade Creditors	80,900	Stock in Hand		3,84,780
Advances from Customers	42,260	Cash in Hand and at Bank		23,540
Share Capital	8,00,000	Investments		20,000
Profit and Loss A/c	45,630	Fixed Assets :	Rs.	
Provision for Taxation	95,000	Freebold Premises	1,50,000	
Proposed Dividend	59,000	Plant and Machinery	4,40,000	5,90,000
Loan to managing director	5,000		Rs.	
General Reserve	75,000	Debtors	2,15,450	
Development Rebate Reserve	30,000	*Less* : Provision for Bad Debts	9,300	2,06,150
Provision for contingencies	23,000	Bills Payable		5,000
Share Premium A/c	22,000	Amount due from agent		51,320
Shares Forfeited A/c	3,000			
	12,80,790			12,80,790

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 12,80,790

4. Damrumal Coal Company Ltd. is a company with an authorised capital of Rs. 5,00,000 dividend into 5,000 equity shares of Rs. 100 each on December 31st 1993. 2,500 shares were fully called up. The following are the balances extracted from the leader of the company ason December 31, 1993

	Rs.		Rs.
Stock	50,000	Printing and Stationary	2,400
Sales	4,25,000	Advertising Expenses	14,300
Purchases	3,00,000	Debtors	38,700
Wages (productive)	70,000	Creditors	35,200
Discount allowed	4,200	Plant and Machinery	80,500
Discount received	3,150	Furniture	17,100

Insurance upto 31.3.1994	6,720	Cash at Bank	1,34,700
Salaries	18,500	General Reserve	25,000
Rent	6,000	Loan from Banaging Director	15,700
General Expenses	8,950	Bad Debts	3,200
Profit and Loss Account (Cr. Balance)	6,220	Calls in arrears	5,000

You are required to prepare Trading and Profit and Loss Account for the year ended December 31 st 1993 and the Balance Sheet (in proper form) as on that date the Company. The following further information is given:

(i) Closing Stock, Rs. 91,500;

(ii) Depreciation to be charged on Plant & Machinery and furniture at 15 percent and 10 percent respectively;

(iii) Outstanding Liabilities: Wges, Rs. 5,200; Salaries, Rs. 1,200 and Rent Rs. 600.

डमरूमल कोल कम्पनी लिमिटेड जिसकी अधिकृत पूंजी 31 दिसम्बर, 1993 को 5,00,000 रु० की 100 रु० वाले 5,000 समता अंशों में बंटी है। इसमें 2,500 अंश पर याचना की गई है। 31 दिसम्बर, 1993 को समाप्त होने वाले वर्ष में खातों में निम्नांकित शेष उपलब्ध है :

	रु०		रु०
स्टॉक	50,000	छपाई व स्टेशनरी	2,400
बिक्री	4,25,000	विज्ञापन व्यय	14,300
क्रय	3,00,000	देनदार	38,700
मजदूरी	70,000	लेनदार	35,200
बट्टा दिया	4,200	संयन्त्र व यन्त्र	80,500
बट्टा मिला	3,150	फर्नीचर	17,100
31 मार्च, 1994 तक बीमा प्रीमियम	6,720	रोकड़ बैंक में	1,34,700
वेतन	18,500	सामान्य संचय	25,000
किराया	6,000	प्रबन्ध संचालक का ऋण	15,700
सामान्य व्यय	9,950	डूबत ऋण	3,200
लाभ–हानि खाता (जमा)	6,220	याचना शेष	5,000

आपको 31 दिसम्बर, 1993 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ–हानि खाता व उचित प्रारूप में चिट्ठा बनाना है। उस तिथि को निम्नांकित अन्य सूचनाएं उपलब्ध हैं :

1. अन्तिम स्कन्ध 91,500 रु०
2. प्लांट व्यय : मशीनरी पर ह्रास 15 प्रतिशत फर्नीचर पर ह्रास 10 प्रतिशत
3. अदत्त व्यय : मजदूरी 5,200 रु०, वेतन 1,200 रु० तथा किराया 600 रु०

Ans. Gross Profit Rs. 91,300; Net Profit 16,275; P/L Appro. Balance Rs. 22,495; Total of Balance Sheet Rs. 3,50,395.

5. The authorised capital of ABC Ltd. is Rs. 7,50,000 consisting of 3,000 6% cumulative preference shares of Rs. 100 each. The following is the trial balance drawn up on 31 December 1987 :—

एo बीo सीo लिo की अधिकृत पूंजी 7,50,000 रु० हैं जिसमें 3,000 6% संचयी पूर्वाधिकार 100 रु० वाले अंश है तथा शेष 100 रु० वाले साधारण अंश हैं। 31 दिसम्बर, 1987 को उसका तलपट निम्न हैं:—

	Rs.
Paid-up Capital (दत्त पूंजी)	
3,000 6% Cumulative preference shares (6% संचयी पूर्वाधिकार अंश)	3,00,000
3,000 equity shares (Rs. 75 per share called up) समता अंश (75 रु० प्रति अंश याचित)	2,25,000
Goodwill (ख्याति)	1,00,000
5% First Mortgage debentures-secured on freehold properties (5% प्रथम बन्धक पत्र–फ्रीहोल्ड सम्पत्ति पर सुरक्षित)	2,10,000
Trade Debtors (व्यापारिक लेनदार)	1,67,500
Trade Creditors (व्यापारिक देनदार)	1,25,520
Freehold Properties at cost (फ्रीहोल्ड सम्पत्तियां लागत पर)	3,90,000
Stocl (रहतिया) on 1st January, 1987 (1 जनवरी 1987 को)	2,41,500
General Reserve (सामान्य संचय)	82,725
Salaries (वेतन)	1,05,500
Profit and Loss Account Cr. (लाभ–हानि खाता–क्रेडिट)	58,500
Provision for Taxation (कर के लिए आयोजन)	8,800
Delivery Expenses (सुपुर्दगी व्यय)	1,00,000
Rent and Rated (किराया एवं कर)	38,000
General Expenses (सामान्य व्यय)	21,250
Furniture at cost (फर्नीचर लागत पर)	75,000
Sales (बिक्री)	9,18,600
Purchases (क्रय)	4,76,500
Bill Receivable (प्राप्य बिल)	6,000
Freight and Carriage (भाड़ा एवं ढुलाई व्यय)	3,750
Investment—600 shares of Rs. 100 each (विनियोग 600 अंश 100 रु० वाले)	60,000
Debenture interest half year June, 1987 (ऋणपत्रों का ब्याज अर्द्धवार्षिक 30 जून 1987 तक)	5,250
Final Dividend for 1986 (अन्तिम लाभांश 1986 वर्ष का)	20,250
Perference dividend half-year to 30th June, 1987 (पूर्वाधिकार लाभांश–अर्द्ध वर्ष 30 जून 1987 तक)	9,000
Balance at Bank (बैंक में शेष)	97,000
Cash in Hand (हस्तगत रोकड़)	14,645
Share forfeited Account (अंश अपहरण खाता)	2,000

Adjustments :

(a) The value of stock on December 31st, 1989 was Rs. 2,15,000

(b) Depreciation on freehold properties is to be provided at % and on furniture 6%.

(c) The direction propose to pay the second half-year's dividend on preference shares and 10% dividend on equity shares, and

(d) Shares were forfeited on non-payment of Rs. 35 per share. You are reuired to prepare final accounts of the company.

समायोजनाएंः—

(अ) 31 दिसम्बर, 1987 को रहतिये का मूल्य 2,15,00 रु० था।

(ब) ह्रास लगाइए फ्रीहोल्ड सम्पत्ति पर तथा फर्नीचर पर 6%।

(स) संचालकों ने प्राथमिक अंशों का शेष आधे वर्ष पर लाभांश तथा साधारण अंशों पर 10% लाभांश देने का निर्णय किया।

(द) अंशों का अपहरण 35 रु० प्रति अंश भुगतान न करने का निर्णय किया गया था।

कम्पनी के अन्तिम खाते बनाइए।

Ans. Gross Profit Rs. 4,11,850. Net Profit Rs. 1,22,350, Balance of P/L Appro. Rs. 1,20,100; Total of Balance Sheet Rs. 11,10,895.

Hint : लाभांश चुकता पूंजी अर्थात् 2,25,000 रु० पर दिया जाएगा।

❒

$2\frac{2}{2}\%$

अध्याय-7

ख्याति का मूल्यांकन

(Valuation of Goodwill)

ख्याति एक ऐसा तत्व है जो कि व्यापार के यश, प्रशंसा, कीर्ति एवं सन्तोषजनक कार्य के आधार पर प्रकट होता है। इस तत्व के द्वारा व्यापारी साधारण लाभ से अधिक लाभ उपार्जित कर लेता है। बहुत से व्यक्ति ख्याति के स्थान पर 'साख' शब्द का भी प्रयोग करते हैं। साख को संस्था की प्रसिद्धि के रूप में परिभाषित किया जाता है।

ख्याति का मूल्यांकन एक दष्टि में :

1. ख्याति की विभिन्न परिभाषाएं
2. ख्याति उपार्जन के कारण
3. ख्याति की अवधारणाएं
4. ख्याति का मूल्यांकन
5. ख्याति के मूल्यांकन पर प्रभाव डालने वाले तत्व
6. ख्याति का स्वभाव
7. ख्याति के लेखाकर्म सम्बन्धी गुण
8. ख्याति के मूल्यांकन की दशाएं
9. ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता
10. ख्याति के मूल्यांकन की विधियां :
    (i) औसत लाभ विधि
    (ii) अधिलाभ विधि
    (iii) पूंजीकरण विधि
    (iv) वार्षिकी विधि
11. ख्याति की विभिन्न विधियों का तुलनात्मक अध्ययन
12. ख्याति की विभिन्न विधियों का आलोचनात्मक अध्ययन
13. विविध क्रियात्मक उदाहरण

ख्याति की विभिन्न परिभाषाएं
(Various Definitions of Goodwill)

ख्याति के लिए कहा गया है कि इसका वर्णन करना आसान है लेकिन परिभाषा देना कठिन है। फिर भी विभिन्न विद्वानों द्वारा इसको कई प्रकार से परिभाषित किया गया है। इसमें से कुछ परिभाषायें इस प्रकार हैंः—

1. ख्याति वह आकर्षण शक्ति है जो ग्राहक को लाती है।[1]

---

1. "The Attractive force which brings in custom."

2. ख्याति व्यवसाय के अच्छे नाम, प्रतिष्ठा और सम्बन्धों से मिलने वाला लाभ है।[2]

3. ख्याति वह वस्तु है जो पुराने स्थापित व्यवसाय को नये प्रारम्भ हुए व्यवसाय से पथक करती है।[3]

4. ख्याति उन लाभों को मौद्रिक माप है जो एक सफल व्यवसाय के स्वामित्व से सम्बन्ध रखते हैं।[4]

5. ख्याति एक व्यवसाय की अवकल लाभ–क्षमता का पूंजीकृत मूल्य है।[5]

एक लेखपाल के दष्टिकोण से ख्याति का इस रूप में कि यह ग्राहकों को आकर्षित करती है, तब तक कोई महत्व नहीं है जब तक कि इसका कोई विक्रय योग्य मूल्य न हो। एक लेखापाल के दष्टिकोण से ख्याति उसे कहते हैं जो व्यवसाय की प्रतिष्ठा, सम्बन्ध और उसे प्राप्त अन्य लाभों से उत्पन्न होती है जिसके कारण पूंजी का सामान्य अपेक्षित लाभ से अधिक लाभ कमाता है।[6]

आधुनिक समय में ख्याति का अर्थ एक व्यावसायिक उपक्रम की समस्त अनुकूल बातों को दिये गये मूल्य से लगाया जाता है।[7]

अधिक लाभ कमाने की क्षमता ख्याति कहलाती है। ख्याति की विभिन्न परिभाषाएं दी गयी हैं। इनमें से निम्नांकित प्रमुख हैं :

लार्ड मैकनाटन के अनुसार, ''ख्याति का वर्णन करना बहुत आसान है लेकिन इसकी परिभाषा देना बहुत कठिन हैं यह व्यापार के अच्छे नाम, सम्बन्ध व सम्पर्क का लाभ हैं यह एक आकर्षक शक्ति है जो ग्राहकों को लाती है। यह एक ऐसी वस्तु है जो कि पुराने जमे हुए व्यापार को प्रथम बार प्रारम्भ हुए नये व्यापार से भिन्न करती है। यह बहुत से तत्वों से मिलकर बनती हैं इसके स्वरूप विभिन्न व्यापारों में व एक ही व्यापार से विभिन्न होते हैं।''[8]

डिक्सी के अनुसार, ''जब एक व्यक्ति ख्याति के लिए कुछ राशि देता है तो वह राशि इसलिए देता है कि ऐसा करने से वह इतनी अधिक आय प्राप्त करेगा जितनी के वह बिना इसके प्राप्त नहीं कर सकता।''

मोरिसे के अनुसार, ''ख्याति एक फर्म के अनुमानित अधिक उपार्जन का वर्तमान मूल्य है।''[9]

आर. विक्सन के अनुसार, ''ख्याति एक व्यावसायिक उपक्रम से सम्बन्धित सभी अनुकूल गुणों का मूल्य है।''[10]

स्पाइसर और पेगलर के अनुसार, ''लेखापाल के दष्टिकोण से ग्राहकों को आकर्षित करने के भाव में ख्याति का बहुत कम महत्व है जब तक कि इसका बिक्री मूल्य न हो। इसलिए लेखापाल के लिए ख्याति वह तत्व है जो व्यवसाय की प्रतिष्ठा, सम्बन्ध या अन्य लाभों से उत्पन्न होता है और जिसके कारण व्यवसाय में लगी हुई शुद्ध मूर्त सम्पत्तियों का प्रतिनिधि करने वाली पूंजी पर सामान्य अनुमानित लाभों से अधिक लाभ अर्जित किया जाता है।''[11]

जोनसन के अनुसार, ''ख्याति सम्पत्ति या व्यवसाय के मूल्य के उस भाग के लिए एक अमूर्त शब्द है जो सम्पत्तियों या व्यवसाय के ऐसे तत्वों से उत्पन्न नहीं होता है जो प्रत्यक्ष रूप से इनसे सम्बन्धित होते हैं। उदाहरण के लिए, ख्याति व्यवसाय की अच्छी

---

2. "The benefit of a good name, reputation and connection of a business."

3. "The one thing which distinguishes an old-established business from a new business at its first start."

4. "The monetary measurement of the benefits attaching to the ownership of a successful business."

5. "The monetary capitalized value attaching to the differential profit capacity of a business."—Lord Macnaugten in Commissioners of Inland Revenue. —V. Muller.

6. "From the accountant's point of view goodwill in the sense of attracting custom has little significance unless it has a saleable value. To the accountant, therefore, goodwill may be said to be that element arising from the reputation, connection, or other advantages possessed by a business which enables it to earn greater profit than the return normally to be expected on the capital represented by the net tangible assets employed in the business." —Spicer and Pegler

7. "Goodwill is the value of all favourable attributes relating to a business enterprise." —Accountants Handbook by R Wixon.

8. "Goodwill is a thing very easy to describe, very difficult to define. It is the benefit and advantage of the good name, reputation and connection of a business. It is the attractive force which brings in customers. It is the one thing which distinguishes an old established business from a new business at its first start. Goodwill is composed of a variety of elements. It differs in its composition in different trades and different business in the same trade." —Lord Macnaughten

9. "Goodwill is the present value of a firm's anticipated excess earnings." —Morrisy

10. "Goodwill is the value of all favourable attributes relating to a business enterprise." —R. Wison

11. From the accountant's point of view goodwill in the sense of attracting customers has little significance unless it has a saleable value. To the accountant, therefore, goodwill may be said to be that element arising from the reputation, connection or other advantages possessed by a business which enables it to earn greater profit than the return normally to be expected on the capital represented by the net tangible assets employed in the business." —Spicer & Pegler

प्रतिष्ठा से या इस तथ्य से कि यह कुछ विशेष स्थिति के कारण सामान्य लाभ से अधिक लाभ अर्जित करने से उत्पन्न हो सकती है।''[12]

ख्याति उपार्जन के कारण
(Reason for arising Goodwill)

ख्याति उपार्जन के बहुत से कारण है जिनमें निम्नांकित प्रमुख हैं। इनके आधार पर व्यापारी अपने व्यापार का नाम, यश एवं कीर्ति पैदा करता है।

1. व्यापार के स्वामी की ईमानदारी एवं सच्चा व्यवहार तथा अच्छा व्यक्तित्व।
2. ग्राहकों को सर्वोत्तम गुणों वाले माल की उचित मूल्य पर देना।
3. ग्राहकों के साथ सज्जनता का व्यवहार करना तथा उन पर इस प्रकार की छाप डालना कि वे इस व्यापार को अपना ही व्यापार समझें।
4. ग्राहकों को व्यापारिक सौदे के सम्बन्ध में प्रत्येक दष्टिकोण से पूर्ण सन्तोष प्रदान करना।
5. व्यापार की स्थिति अच्छी होना।
6. विशेष प्रकार के ट्रेडमार्क या पेटेण्ट का होना।
7. अच्छा माल, उचित मूल्य एवं ईमानदारी स्वामी के अतिरिक्त व्यवसाय के विक्रेताओं में वे सब गुण होने चाहिए जो कि एक अच्छे विक्रेता से अपेक्षित हैं।

उपर्युक्त वर्णित विवरण ख्याति के निर्धारण में सामान्यतः सहायता करता है परन्तु वास्तव में प्रत्येक व्यवसाय एवं सेवा से सम्बन्धित ख्याति उस व्यवसाय या सेवा से सम्बन्धित विशेष प्रकार की परिस्थितियों पर निर्भर होती है जैसे—एक चार्टर्ड एकाण्टेण्ट की ख्याति मुख्यतः निम्न बातों पर निर्भर हैः (अ) उसकी योग्यता, कार्य की अवधि एवं उसकी अवस्था। (ब) उसके कार्य के क्षेत्र का विस्तार। (स) उसकी शुद्ध आय। (द) उसके नीचे कार्य करने वाले कर्मचारियों की संख्या एवं योग्यता। (च) उसके द्वारा किये गये कार्यों में उसकी सफलता। (छ) उसका स्वभाव आदि।

ख्याति की अवधारणाएं
(Concepts of Goodwill)

ख्याति की निम्नांकित तीन अवधारणाएं ध्यान देने योग्य हैंः

1. **कानूनी अवधारणा (Legal Concept)**—विभिन्न न्यायाधीशों ने ख्याति का सम्बन्ध इस तथ्य से रखा है कि ग्राहक बार–बार व्यवसाय के स्थान पर आयेंगे। इन्होंने ख्याति को ग्राहक ख्याति तक ही सीमित किया है। इनका विचार है कि ख्याति के लिए यह आवश्यक नहीं है कि व्यवसाय में सामान्य लाभ से अधिक लाभ हो। व्यवसाय की प्रतिष्ठा हो चाहे लाभ अधिक हो या न हो ख्याति मानी जायेगी। नोरटन एम. फोर्ड के अनुसार, ''एकाधिकार की दशा में ख्याति की विद्यमानता के प्रमाण के लिए अधिक उपार्जन शक्ति होना आवश्यक नहीं है।''[13]
2. **आर्थिक अवधारणा (Economic Concept)**—अर्थशास्त्री ईडे के विचार में लिखित सम्पत्तियों के अतिरिक्त अन्य अलिखित सम्पत्तियां भी होती हैं जिनके कारण व्यवसाय को साधारण लाभ से अधिक लाभ होता हैं यह अधिक लाभ सभी लिखित एवं अलिखित सम्पत्तियों के सामूहिक योगदान का फल है अतः इन्होंने ख्याति को संगठन का फल माना है।
3. **लेखांकन अवधारणा (Accounting Concept)**—लेखांकन में ख्याति की प्रकृति, स्वरूप एवं विचार को महत्व नहीं वरन् इसकी विद्यमानता एवं मूल्य को है। यदि व्यवसाय को बेचने पर अधिक मूल्य प्राप्त हो और व्यवसाय में साधारण लाभ से अधिक लाभ हो रहे हैं तो इसे लेखांकन की दष्टि से ख्याति माना जाता है।

---

12. "Goodwill is a nebulous term for that part of the value of an asset or business arising from factor not directly associated with the assets or business as such. For instance, goodwill may arise from the good reputation of the business or the fact that is making profits above the average due to some particular advantage." —Johnson

13. "In the case of monopoly excess earning power is not necessary evidence of the existence of goodwill". —Norton M. Bredfond.

लेखापालकों की दष्टि से जब तक ख्याति का कोई विक्रय मूल्य न हो तब तक ख्याति का कोई महत्व नहीं है जैसे एक डाक्टर ने अपना कार्य एक निश्चित स्थान पर करने का निश्चय किया। उसने व्यक्तिगत व्यवहार, योग्यता एवं लगन के कारण उस क्षेत्र में काफी नाम कमाया और उसकी दुकान की सारे क्षेत्र में ख्याति स्थापित हो गयी। अब यदि वह डाक्टर उस दुकान को बेचना चाहे तो उसे ख्याति का मूल्य शायद ही मिलेगा। यहां पर दुकान की ख्याति उसकी व्यक्तिगत योग्यता के कारण है। यह व्यक्तिगत योग्यता दूसरे को हस्तांतरित नहीं की जा सकती। अतः इसकी कोई भी ख्याति नहीं हैं ख्याति का आशय उस लाभ के मूल्य से है जिसे भविष्य में उसी प्रकार के व्यवसायों के साधारण लाभ के अतिरिक्त प्राप्त किये जाने की संभावना हो।

4. **ख्याति का मूल्यांकन (Valuation of Goodwill)**—लेखाकर्म में ख्याति का महत्व तभी है जबकि ख्याति का कोई मूल्य हो। जब एक ख्याति के लिए कोई राशि न दी जाती है और न ली जाती है तब तक इसका लेखा हो ही नहीं सकता है क्योंकि लेखाकर्म में लेखे तभी होंगे जबकि कोई सौदा हो। ख्याति का मूल्य निर्धारित होने पर ही इसके सम्बन्ध में लेखे किये जा सकते हैं।

   जब कभी व्यवसाय को क्रय करते समय सम्पत्तियों के मूल्य के अतिरिक्त कुछ और राशि देनी पड़ती है तो इस अधिक राशि को ख्याति का मूल्य माना जाता है। जिस राशि के उपलक्ष्य में कुछ भी प्राप्त न हो फिर भी क्रेता सहर्ष उसे देने के लिए तैयार हो तो इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि वह इस राशि को इसलिए देना चाहता है कि भविष्य में उसे साधारण लाभों से अधिक लाभ प्राप्त होने की आशा हैं इसी लाभ के सहारे वह ख्याति का मूल्यांकन करता है। विक्रेता यह अनुमान लगाता है कि व्यवसाय को बेचने से भविष्य में न प्राप्त होने वाले लाभ से उसे कितनी क्षति होगी तथा व्यवसाय को बेचने से मिलने वाली राशि का प्रयोग अन्य लाभ से करने से उसे क्या लाभ होगा। इस तथ्यों को ध्यान में रखकर वह ख्याति का मूल्य निर्धारित करता है। क्रेता व्यवसाय की शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य ज्ञात करने के बाद यह अनुमान लगाता है कि भविष्य में उसे कितना अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा और इसके लिए जो अतिरिक्त मूल्य उससे मांगा जा रहा है वह कहां तक उचित है। यदि वह समझता है कि जो मूल्य ख्याति के लिए वह इस समय दे रहा है उसकी उपयोगिता उस समय उसके लिए उस लाभ से कम है जो उसे व्यापार के क्रय करने से प्राप्त होगा जो वह ख्याति की राशि को देने के लिए तैयार हो जाता है।

5. **ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले कारक (Factors affecting the value of Goodwill)**—ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करने के लिए उनको निम्नांकित पांच वर्गों में विभक्त किया जा सकता है :
   - (i) व्यापारिक कारक (Commercial factors);
   - (ii) औद्योगिक कारक (Industrial factors);
   - (iii) वित्तीय कारक (Financial factors);
   - (iv) सार्वजनिक कारक (Public factors);
   - (v) राजनीतिक कारक (Political factors);

व्यापारिक कारकों के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न उप–कारक निम्नलिखित हो सकते हैं:—

1. **व्यापारिक कारक (Commercial Factors)**—व्यवसाय की सम्पूर्ण ख्याति के कई अंग हो सकते हैं और प्रत्येक अंग के नाम से भी ख्याति को जाना जा सकता है। इनमें एक अंग के कारण ख्याति को व्यापारिक ख्याति (Commercial Goodwill) भी कहते हैं। इसको प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारक हो सकते हैं :—
   - (i) **व्यवसाय का स्वभाव**—यदि व्यवसाय एकाधिकार स्वभाव का है, अथवा उसमें जोखिम कम है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।
   - (ii) **व्यवसाय की आयु**—यदि व्यवसाय पुराना है तो नये व्यवसाय की अपेक्षा ख्याति अधिक होगी।
   - (iii) **ग्राहकों का रुख**—यदि व्यवसाय के प्रति ग्राहकों का रुख अनुकूल है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।
   - (iv) **उत्पाद का स्वभाव**—यदि उत्पाद का स्वभाव अच्छा है तथा इसकी किस्त बनाये रखने का प्रयास किया जा रहा है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(v) **व्यवसाय का स्थान**—यदि व्यवसाय का स्थान उपयुक्त है तथा वातावरण अनुकूल है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(vi) **अनुकूल प्रसंविदे**—यदि व्यवसाय ने जो प्रसंविदे कर रखे हैं, वे अनुकूल हैं, तो ख्याति का मूल्य बढ़ जायेगा।

(vii) **एकस्व आदि**—यदि व्यवसाय के पास प्रसिद्ध एकस्व, ट्रेड–मार्क अथवा अच्छा व्यापारिक नाम है तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(viii) **विज्ञापन आन्दोलन**—निरन्तर विज्ञापन आन्दोलन करके भी ख्याति का मूल्य बढ़ाया जा सकता है।

(ix) **प्रबन्ध की कुशलता**—यदि व्यवसाय का प्रबन्ध कुशल व्यक्तियों द्वारा किया जाता है तो उसकी ख्याति अधिक होगी।

(x) **लाभार्जनक्षमता**—यदि व्यवसाय की लाभार्जनक्षमता अधिक है तो उसकी ख्याति का मूल्य भी अधिक होगा।

2. **औद्योगिक कारक (Industrial Factors)**—व्यवसाय की ख्याति का एक अंग औद्योगिक ख्याति (Industrial Goodwill) हो सकती है। इसको प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारक हो सकते हैं—

(i) **कर्मचारी सम्बन्ध**—यदि उद्योग में प्रबन्ध और कर्मचारियों के मध्य मधुर सम्बन्ध हैं तो ख्याति का मूल्य बढ़ जायेगा।

(ii) **नये उद्योगों का जन्म**—यदि व्यवसाय से प्रतिस्पर्धा करने वाले उद्योगों ने जन्म ले लिया है तो ख्याति का मूल्य घट जावेगा और यदि रद्दी (Scrap) के उपयोग के लिए उद्योगों की स्थापना हो रही है तो ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

(iii) **उत्पाद का वैकल्पिक उपयोग**—यदि उत्पाद के कई वैकल्पिक उपयोग निकल आये हैं तो ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

(iv) **औद्योगिक शान्ति**—यदि देश में औद्योगिक शान्ति है तो ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

3. **वित्तीय कारक (Financial Factors)**—व्यवसाय की ख्याति का एक अंग वित्तीय ख्याति (Financial Goodwill) हो सकती है। इसको प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारक हो सकते हैं—

(i) **साख संस्थाओं का रुख**—यदि साख संस्थाओं का रुख अनुकूल है तो ख्याति का मूल्य बढ़ जायेगा।

(ii) **विनियोजक का रुख**—यदि विनियोजकों तथा व्यापारिक लेनदारों का रुख अनुकूल हैं तो ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

(iii) **आवश्यक पूंजी**—यदि व्यवसाय को प्रारम्भ करने के लिए कम पूंजी चाहिए तो उसे आसानी से हटाया जा सकता है। अतः व्यवसाय की ख्याति का मूल्य बढ़ जायेगा।

(iv) **मुद्रा बाजार**—मुद्रा बाजार की परिस्थितियां व्यवसाय के अनुकूल हैं तो ऐसे व्यवसाय की ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

4. **सार्वजनिक कारक (Public Factors)**—ख्याति का एक अंग सार्वजनिक ख्याति (Public Goodwill) होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि जनता में उस व्यवसाय के लिए प्रतिष्ठा कैसी है तथा उसके प्रति जनता का रुख कैसा है।

5. **राजनीतिक कारक (Political Factors)**—ख्याति का एक अंग राजनीतिक ख्याति (Political Goodwill) हो सकती है। इसको प्रभावित करने वाले कारक अग्रलिखित हो सकते हैं—

(i) **शासन करने वाला दल**—यदि शासन करने वाले दल की नीतियां व्यवसाय के अनुकूल हैं तो ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

(ii) **कानूनी प्रतिबन्ध**—यदि व्यवसाय पर कानूनी प्रतिबन्ध हैं तो ख्याति का मूल्य अधिक होगा।

(iii) **राजनैतिक शान्ति**—यदि देश में राजनैतिक शान्ति है तो ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

(iv) **आयात-निर्यात नीति**—आयात–निर्यात नीति के व्यवसाय के अनुकूल होने पर ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

(v) **कर नीति**—यदि इस व्यवसाय पर लागू होने वाली कर सम्बन्धी नीति आसान व उदार होगी तो ख्याति का मूल्य बढ़ जावेगा।

6. **ख्याति का स्वभाव (Nature of Goodwill)**—ख्याति के स्वभाव के सम्बन्ध में निम्न सूचनाएं उल्लेखनीय हैं। ये सूचनाएं ख्याति के मूल्यांकन में एक बहुत बड़ी सीमा तक सहायता पहुंचती हैंः

(i) **बिल्ली के स्वभाव की ख्याति (Cat Goodwill)**—बिल्ली का स्वभाव अपने स्थान पर रहने का होता है। वह अपने रहने की जगह को बदला नहीं करती है। हो सकता है कि उसका मालिक उस घर से चला जाए पर बिल्ली वहां से नहीं जायेगी। अतः यह कहा जा सकता है कि बिल्ली का प्रेम व्यक्ति की तुलना में स्थान से अधिक होता है। कुछ व्यवसायों की ख्याति बिल्ली के स्वभाव की होती है अर्थात् उस व्यापार के स्वामियों के बदलने के साथ ख्याति समाप्त नहीं होती। ख्याति का सम्बन्ध स्थान विशेष से है, व्यापार के मालिकों से नहीं आवेगी। इस ख्याति में स्थायित्व होता है अतः इसका मूल्य सबसे अधिक होता हैं प्रत्येक क्रेता ऐसे व्यापार को क्रय करना चाहता है जिसमें सदैव रहने वाली ख्याति हो और जिस पर मालिक और नौकरों के परिवर्तन का कोई प्रभाव नहीं पड़ता हो। बिल्ली के स्वभाव वाली ख्याति इस दष्टिकोण को पूरा करती है।

(ii) **कुत्ते के स्वभाव की ख्याति (Dog Goodwill)**—कुत्ते का लगाव मालिक से अधिक और स्थान से कम होता है। यह अपने मालिक की रक्षा के लिए अपनी जान की भी बाजी लगा देता है। जहां–जहां मालिक जाता है वह उसी के साथ चाहता है। उसका स्थान विशेष से प्रेम नहीं होता है। वह एक स्वामिभक्त जानवर कहा जाता हैं इसी प्रकार कुछ व्यापार में ख्याति ऐसी होती है कि जब तक एक निश्चित मालिक उस व्यापार में रहेगा तब तक उसमें ख्याति रहेगी और जब मालिक उस व्यापार को छोड़ देगा तो ख्याति भी मालिक के साथ चली जायेगी अर्थात् खाति मालिक के साथ–साथ चलती हैं ऐसी ख्याति को कुत्ते के स्वभाव वाली ख्याति कहा जाता है और उसका मूल्य बहुत कम होता है।

(iii) **चूहे के स्वभाव वाली ख्याति (Rat Goodwill)**—चूहें का स्वभाव होता है कि वह किसी स्थान पर न रहकर इधर–उधर भागता फिरता है। इसी प्रकार कुछ व्यवसायों की ख्याति स्थायी रूप से स्थिर नहीं रहती है और समय–समय पर स्थान परिवर्तन होता रहता है। इसीलिए इस प्रकार की ख्याति का कोई मूल्य नहीं होता।

7. **ख्याति लेखाकर्म सम्बन्धी गुण (Accounting Characteristics of Goodwill)**

(i) **सम्पत्ति (Asset)**—ह्रास एक सम्पत्ति की तरह माना जाता है और इसके लिए किया गया भुगतान पूंजी मद है। इसे चिट्ठे में सम्पत्ति की ओर लिखा जाता है। कम्पनी अधिनियम, 1958 की अनुसूची 6 के अनुसार चिट्ठे में स्थायी सम्पत्तियों वाले शीर्षक में इसका प्रथम स्थान है। क्योंकि यह वास्तव में दीर्घकालीन स्वभाव की है।

(ii) **ह्रास (Depreciation)**—अन्य स्थायी सम्पत्तियों की भांति इस पर ह्रास का प्रबन्ध नहीं किया जाता है अधिकतर लोग इसे 'अमूर्त पूंजी सम्पत्ति' मानते हैं लेकिन यह कृत्रिम सम्पत्ति नहीं है।

(iii) **उच्चावचन (Fluctuation)**—लाभों में कमी होने पर ख्याति का मूल्य गिरता है तथा बढ़ोतरी होने पर इनका मूल्य बढ़ता है। इस उच्चावचन की प्रवत्ति का लेखा नहीं किया जाता है।

(iv) **विकास लागत (Development Cost)**—कुछ व्यक्ति एवं संस्थाएं विज्ञापन द्वारा या अन्य प्रकार से व्यय कर ख्याति बढ़ाने का प्रयत्न करते हैं। इस प्रकार के व्ययों को ख्याति के विकास की लागत माना जाता है। इन व्ययों से ख्याति की राशि में वद्धि नहीं की जाती है वरन् लेखांकन की दष्टि से इन व्ययों को स्थगित आयगत व्यय की तरह माना जाता है।

(v) **क्रय मूल्य (Purchase Price)**—लेखाकर्म की पुस्तकों में वर्ष–प्रतिवर्ष इसे क्रय मूल्य पर ही दिखाया जाता हैं इसे क्रय मूल्य से अधिक पर कभी नहीं दिखाया जा सकता है।

(vi) **अपलेखन (Writing off)**—सभी अच्छे व्यवसायी जहां तक सम्भव होता है ख्याति को सम्पत्ति की ओर अधिक वर्षों तक नहीं रखते हैं वरन् इसे लाभों में अपलिखित कर देते हैं। जो फर्म या कम्पनी ख्याति की राशि अपलिखित नहीं कर पाती है वह अच्छी नहीं मानी जाती हैं इसका प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:

माना कि 'अ' ने एक व्यवसाय का 50,000 रु. में क्रय किया। इस व्यवसाय की कुल सम्पत्तियां 60,000 रु. की है तथा बाहरी दायित्व 20,000 रु. के हैं। अतः इसकी शुद्ध सम्पत्तियां 40.000 रु. हुई, पर क्रेता को 50,000 रु. देने पड़ रहे हैं, इससे स्पष्ट है कि 10,000 रु. का अतिरिक्त भुगतान किसी ऐसे तत्त्व का भुगतान है जिसके बदले में क्रेता को प्रत्यक्ष रूप में कुछ भी प्राप्त नहीं होता है। इसी 'न कुछ' के लिए गया भुगतान ख्याति है। (Goodwill is payment for nothing)। इस 10,000 रु. के व्यय को ख्याति की संज्ञा दी जाती है। क्रेता यह समझता है कि आगे आने वाले कुछ वर्षों में यह 10,000 रु. की राशि कम्पनी के अतिरिक्त लाभों से वसूल कर लेगा इसलिए वह इसका भुगतान करता हैं अतः इन्हीं कुछ वर्षों में वह इसे अतिरिक्त लाभों से अपलिखित करता है।

7. **सम्पत्ति की ओर ख्याति की उपस्थिति प्रगति का द्योतक न होना (Presence of Goodwill in Asset not a sign of Prosperity)**—जिस कम्पनी के चिट्ठे में सम्पत्ति की ओर ख्याति की राशि लिखी हुई हो उसे लाभदायक कम्पनी साधारणतया नहीं समझा जाता है, क्योंकि विश्लेषण करने वाला यह समझता है कि यदि इस कम्पनी के लाभ अच्छे होते तो इनसे ख्याति का अपलेखन कर लिया होता।

8. **मौन सम्पत्ति के रूप में (In the shape of Silent Asset)**—जिन व्यवसायों में सामान्य लाभ से अधिक लाभ होता है वहां 'ख्याति' मौन रूप में विराजमान रहती है।

9. **लाभ के रूप में (In the shape of Profit)**—जिस कम्पनी में असाधारण लाभ होते हैं उसमें अतिरिक्त लाभ 'ख्याति' को प्रकट करते हैं। यह कहना अनुचित नहीं है कि ख्याति सम्पत्ति के स्थान पर कम्पनी के अतिरिक्त 'लाभ' को प्रकट करती है। यही अतिरिक्त लाभ सम्पत्ति का मूल्यांकन है। अतः ख्याति चिट्ठे के बदले 'लाभालाभ खाते' द्वारा प्रकट होती है।

10. **असाधारण व्यय के रूप में (In the shape of extraordinary expenses)**—एक नये व्यवसाय के या विद्यमान व्यवसायों के लाभों के अत्यधिक बढ़ाने के लिए विज्ञापन आदि पर ऐसे असाधारण व्यय किये जाते हैं जिनसे व्यवसाय में, उसी प्रकार का व्यवसाय करने वाले की तुलना में अत्यधिक अतिरिक्त लाभ मिलने की आशा होती है तो इन असाधारण व्ययों को ख्याति का व्यय कुछ व्यक्तियों द्वारा माना जाता है इनसे कम्पनी की ख्याति बढ़ने की सम्भावना रहती है।

11. **व्यवसाय की बिक्री (Sale of Business)**—ख्याति का वास्तविक मूल्य व्यवसाय की बिक्री पर ही प्राप्त होता है अतः यह कहना अनुचित न होगा कि ख्याति के क्रय एवं विक्रय मूल्यों का लेखा ही ख्याति मूल्य का वास्तविक लेखा है और जितने भी ख्याति के मूल्यांकन हैं व सब अनुमानित मूल्य प्रकट करते हैं। लेखाकर्म में सौदों का ही लेखा होता है। जब सौदा ही न होगा तो लेखे का प्रश्न ही नहीं उठता है। इससे स्पष्ट है कि वास्तव में ख्याति का लेखा इसके क्रय या विक्रय पर ही किया जाता है।

ख्याति के मूल्यांकन की दशाएं
(Circumstances for Valuation of Goodwill)

निम्नांकित दशाओं में ख्याति का मूल्यांकन किया जा सकता है :

(अ) एक कम्पनी की दशा में

(In the case of a Company)

(1) जब दो कम्पनियों का एकीकरण हो। (2) जब एक कम्पनी दूसरी कम्पनी का संविलयन करे। (3) जब अंशों का मूल्यांकन करारोपण के उद्देश्य से किया जाये और स्कन्ध विपणि के द्वारा अंशों का मूल्य उपलब्ध न हो। (4) जब कम्पनी ने पहले ख्याति को अपलिखित कर दिया है और जब लाभ–हानि खाते की डेबिट बाकी को कम करने के लिए ख्याति का फिर से बनाया जाना आवश्यक हो। (5) कम्पनी की बिक्री पर। (6) कम्पनी पर नियन्त्रण करने के लिए कम्पनी के अधिक अंश क्रय करने पर। (7) अन्य दशाओं में अंशों के क्रय करने पर।

(ब) एक साझेदारी संस्था की दशा में

(In the case of Partnership Firm)

(1) साझेदार के प्रवेश पर। (2) साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर। (3) साझेदार की मत्यु पर। (4) साझेदार के लाभ अनुपात में परिवर्तन होने पर। (5) साझेदारी व्यवसाय की बिक्री पर। (6) साझेदारी को कम्पनी में परिवर्तित करने पर। (7) साझेदारी संस्थाओं के एकीकरण पर।

(स) अन्य दशाओं में

(In Other Cases)

(1) व्यापारी की मत्यु पर सम्पत्ति कर लगने पर। (2) किसी व्यापार को सरकार द्वारा अनिवार्य योजना के अन्तर्गत लेने पर। (3) एक व्यवसाय की बिक्री होने पर। (4) व्यवसाय के पुर्नसंगठित होने पर। (5) एकाकी व्यापारी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को साझेदार बनाने पर।

ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता
(Need for Valuation of Goodwill)

ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता व्यावसायिक संगठन के स्वभाव पर निर्भर करती है। इस संदर्भ में यहां व्यवसाय के केवल तीन प्रकार के संगठनों का ही अध्ययन किया जा रहा है जो सर्वाधिक प्रचलित हैं। इनके नाम हैं। एकाकी व्यापारी, साझेदारी फर्म तथा कम्पनी।

एकाकी व्यापार में आवश्यकता

एकाकी व्यापार में ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता निम्नलिखित परिस्थितियों में पड़ती हैं—

1. जब व्यवसाय को बेचा जा रहा हो,
2. जब व्यवसाय में किसी साझी को सम्मिलित किया जा रहा हो,
3. जब एकाकी व्यवसाय का किसी अन्य व्यवसाय के साथ एकीकरण हो रहा हो,
4. जब एकाकी व्यवसाय के किसी भाग को बेचा जा रहा हो,
5. व्यापारी की मत्यु पर सम्पदा कर के लिए;
6. सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी संस्था द्वारा व्यवसाय को अनिवार्य रूप से खरीदने पर, आदि।

साझेदारी फर्म में आवश्यकता

एक साझेदारी फर्म में ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता निम्नलिखित परिस्थितियों में पड़ सकती है—

1. किसी नये साझी के प्रवेश पर;
2. किसी विद्यमान साझी के अवकाश ग्रहण करने पर;
3. किसी साझी की मत्यु पर;
4. किसी एक साझी के जाने और दूसरे साझी के आने पर;
5. फर्म के व्यवसाय को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से बेचने पर;
6. फर्म का एक कम्पनी में परिवर्तन करने पर;
7. एक से अधिक फर्मों का एकीकरण करने पर आदि।

कम्पनी में आवश्यकता

एक कम्पनी के सम्बन्ध में ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता निम्नलिखित परिस्थितियों में पड़ सकती हैः

1. जब किसी कम्पनी का व्यवसाय क्रय किया जा रहा हो;
2. जब किसी कम्पनी का व्यवसाय बेचा जा रहा हो;

3. जब दो या अधिक कम्पनियां आपस में मिलती हों;
4. जब प्रारम्भिक ख्याति की राशि को अपलिखित कर दिया गया हो और अब उसे पुनः उचित मूल्य पर पुस्तकों में लाया जा रहा हो;
5. जबकि अंशों का किसी विशेष उद्देश्य के लिए मूल्यांकन किया जा रहा हो;
6. यदि किसी कम्पनी के अंशों को उस पर नियन्त्रण स्थापित करने के उद्देश्य हेतु बड़ी संख्या में खरीदा जावे या बेचा जाये;
7. किसी सरकारी अथवा अर्द्धसरकारी संस्थान द्वारा अनिवार्य रूप से कम्पनी का व्यवसाय क्रय किया जाये; आदि।

ख्याति के मूल्यांकन की विधियाँ
(Methods of Valuation of Goodwill)

किसी भी व्यवसाय की साधारण लाभ से अधिक कमाने की क्षमता ख्याति कहलाती है। इसलिए ख्याति का मूल्यांकन व्यवसाय की लाभ उपर्जित करने की क्षमता पर ही निर्भर करता है। व्यवसाय का कोई भी क्रेता सम्पत्तियों के मूल्य के अतिरिक्त विक्रेता को कुछ और राशि सहर्ष इसलिए देने को तैयार हो जाता है क्योंकि भविष्य में उसे साधारण लाभों से अधिक लाभ प्राप्त होने की आशा है। इसी आधार पर क्रेता ख्याति का मूल्यांकन करता है और विक्रेता भी व्यवसाय के बेचने से प्राप्त न होने वाले लाभों को आधार मान कर ख्याति का मूल्य निर्धारित करता है। इस प्रकार यह सुनिश्चित एवं स्पष्ट है कि क्रेता एवं विक्रेता दोनों की भविष्य के लाभों को ख्याति के मूल्यांकन का आधार बनाते हैं। इसलिए ख्याति का मूल्यांकन करने की विभिन्न विधियाँ भी व्यवसाय द्वारा अर्जित लाभों पर आधारित हैं। ख्याति के मूल्यांकनप की महत्त्वपूर्ण एवं प्रचलित विधियाँ निम्न प्रकार से हैं।

Methods of Valuing Goodwill

1. औसत लाभ विधि अथवा साधारण लाभ विधि (Average Profit Method)
2. अधि लाभ विधि (Super Profit Method)
3. पूंजीकरण विधि (Capitalisation Method)
4. वार्षिकी पद्धति (Annuity Method)
5. क्रय प्रतिफल पद्धति (Purchase Consideration Method)

(1) औसत लाभ विधि (Average Profit Method)—औसत लाभ विधि ख्याति का मूल्य निर्धारित करने की एक सरल, स्वीकार्य एवं व्यावहारिक पद्धति है। इस विधि के अनुसार गत वर्षों के कुछ लाभों कौ जोड़कर तथा जोड़ कर प्राप्त की गई राशि को वर्षों की संख्या से भाग दे कर औसत राशि प्राप्त कर ली जाती है जिसे औसत लाभ कहा जाता है। इस औसत लाभ को वर्षों की एक निश्चित संख्या जैसे दो या तीन से गुणा कर दिया जाता है। ऐसा करने पर जो राशि प्राप्त होती है उसे ही ख्याति का मूल्य मान लिया जाता है। वर्षों की निश्चित संख्या जिस से औसत लाभ से गुणा किया जाता है उसे Year of purchase कहा जाता है। अधिकतर दो या तीन वर्षों का क्रय मूल्य उचित माना जाता है, परन्तु ख्याति के सही मूल्यांकन के दष्टिकोण से जितने वर्षों के लाभों को औसत निकाला जाता है उनके आधे करने पर जो संख्या आये उसे पूर्णाक कर लिया जाना चाहिए एवं क्रय के वर्ष मान लेना चाहिए (The Number of year of a purchase is based purely on approximation rather than on any scientific basis.) औसत लाभों का क्रय के वर्षों से गुणा करना इस तक पर आधारित प्रतीत होता है कि क्रेता को क्रय किये गये व्यवसाय से होने वाले लाभ कुछ समय तक विक्रेता की मेहनत, लगन एवं साख के परिणामस्वरूप प्राप्त होते हैं। क्रेता को अपनी पहचान बनाने में समय लगता है। वर्षों की वह संख्या जब तक क्रेता व्यवसाय से होने वाले लाभ विक्रेता की ख्याति के फलस्वरूप प्राप्त करता है, क्रय के वर्ष कहलाते हैं।

इस पद्धति से ख्याति का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

Goodwill = Average Profit (Or Average Maintainable profit) × Number of Year's Purchase

ख्याति = औसत लाभ अथवा समर्थन योग्य लाभ क्रय के वर्ष

For example if the profits of business for the years ending 31-12-94 to 31-12-87 were as follows—

Rs. 40,400; Rs. 49, 600; Rs. 50,000; Rs 60,000. Goodwill is to be valued at 3 year's purchase. In such a case Goodwill can be valued given as under—

Total profits for past four years—

40,000 + 49,600 + 50,000 + 60,000 = Rs. 2,00,000

Average Profits = Rs. $\frac{2,00,000}{2}$ = Rs. 50,000

Goodwill = Average Profits × Number of year's purchase

= 50,000 × 3 = Rs. 1,50,000

STEPS INVOLVED IN VALUATION OF GOODWILL BY AVERAGE PROFIT METHOD

1. पिछले कुछ वर्षों के लाभों के आधार पर औसत लाभ की राशि ज्ञात करना : औसत लाभ = $\frac{\text{Total profits}}{\text{No. of years}}$
2. औसत लाभों की राशि को क्रय के वर्षों से गुना करना

Goodwill = Average Profits × No. of years purchase.

गत वर्षों के लाभों का औसत ज्ञात करना-ऐसा क्यों?

क्रेता क्रय किए जाने वाले व्यवसाय के प्रतिफल के रूप में विक्रेता को सम्पत्तियों मूल्य से अधिक राशि इस लिए सहर्ष देने के लिए तैयार हो जाता है क्योंकि वह भविष्य में उस व्यवसाय से साधारण लाभों से अधिक लाभ प्राप्त करने की आशा रखता है, परन्तु भविष्य के लाभों का उचित अनुमान लगाना सम्भव नहीं होता अतः गत वर्षों के लाभों को आधार मान कर ही भविष्य में उपार्जित होने वाले लाभों का अनुमान लगाया जाता है। भविष्य के लाभों की सम्भावना का पता लगाने के साथ–साथ औसत लाभों की गणना इसलिये भी की जाती है क्योंकि किसी एक वर्ष के लाभ की अपेक्षा कुछ वर्षों के लाभों के आधार पर निकाला गया औसत लाभ विश्वसनीय होता हैं।

The objective of averaging past profits is to project the future earnings. It means what profits are likely to be earned in future? Therefore it is necessary that the year selected for averaging that past earning should be normal years on the basis of which it is possible to make the future average maintainable profits more reliable.

लाभों का औसत दो प्रकार का होता है—गणितीय माध्य भारित माध्य

(Which Average of Profits?—Simple or Arithmetical Average and Weighted Average)

चुने हुए वर्षों के लाभों का औसत निकालते समय उन की प्रकृति का ध्यान रखना चाहिए। आमतौर पर साधारण औसत का प्रयोग किया जाता है। परन्तु यदि चुने हुए वर्षों के लाभ लगातार प्रति वर्ष बढ़ रहे हों अथवा निरन्तर प्रति वर्ष रहे हों तो साधारण औसत के स्थान पर भारित औसत का प्रयोग अधिक विश्वसनीय माना जाता है।

$$\text{साधारण औसत} = \frac{\text{Total profits}}{\text{No. of Years}}$$

$$\text{भारित औसत} = \frac{\blacklozenge\ WP}{\blacklozenge\ W}$$

Σ WP = Sum Total of weighted profits

Σ W = Sum Total of weights assigned.

गत वर्षों के लाभों को भार देते समय यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि वर्तमान वर्षों के लाभों को पिछले वर्षों के लाभों की तुलना में अधिक भार मिले। उदाहरण के तौर पर के व्यवसाय के लाभों का रूख अग्र प्रकार से हैं।

Year	Profits
1994	1,00,000
1995	1,50,000
1996	1,80,000
1997	2,00,000

इस प्रकार उपरोक्त उदाहरण से हमें R. Co. के लाभों के रूख का पता चलता है। इस कम्पनी के लाभ लगातार वद्धि की तरफ हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थी भारित माध्य (Weighted Average) का प्रयोग कर सकते हैं। बाद वाले वर्षों के लाभों को अधिक भार तथा पहले वाले वर्षों को कम भार दिया जाना चाहिए। उपरोक्त उदाहरण में हमें 1994 को 1, 1995 को 2, 1996 को 3 तथा 1997 को 4 भार देना चाहिए।

Year	Profits	Weights	Products
1994	1,00,000	1	1,00,000
1995	1,50,000	2	3,00,000
1996	1,80,000	3	5,40,000
1997	2,00,000	4	8,00,000
	Total	10	17,40,000

$$\text{Weight Average Profits} = \frac{17,40,000}{10} = \text{Rs. } 1,74,000$$

If the past profits of business are weidely fluctuating or show an upward or downward trend or show a noticeable rising or falling trend—a simple average fails to indicate trend in earnings. In such circumstances weighted average is more appropriate.

Weighted Average giving more weight to the recent years than to the past is more justified. The simplest Method of Calculating the weighted average is to multiply the profits by the respective number of years arranged chronologically so that the longest weight is given to the most recent past year and least for the earliest year.

(Average Profits Vis-A-Vis Future Maintainable Profits)

वास्तविक औसत लाभ की गणना

(Calculation of Actual Average Profits Or Future Average Maintainable Profits)

पिछले वर्षों के लाभों का आधार मान कर ही भविष्य में होने वाले लाभों का अनुमान लगाया जाता है और उस लाभ के आधार पर ख्याति का मूल्य निर्धारित होता है। वास्तविक औसत लाभों की गणना करने के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूचनाएँ ध्यान देने योग्य है–

(1) वर्षों की संख्या का चुनाव (Selection of Number of years)–कितने वर्षों के लाभों के आधार पर औसत लाभ की गणना की जाए, यह व्यवसाय की परिस्थितियों स्वभाव, क्रेता एवं विक्रेता के आपसी समझौते पर निर्भर करता है, परन्तु वर्षों की संख्या इतनी होनी चाहिए जिससे सभी प्रकार के व्यवसायिक चक्र जैसे मन्दी, तेजी, सुधार समयोजित हो जाए। अधिकतर तीन से पांच वर्ष की अवधि का चयन आदर्श माना जाता है।

(2) कौन-सा लाभ शुद्ध अथवा सकल (Which Profit—Net Profits or Gross Profits)–औसत लाभों की गणना करते समय शुद्ध लाभों का प्रयोग किया जाना चाहिए। यदि गत वर्षों में से कुछ वर्षों में लाभ हो और कुछ वर्षों में हानियाँ तो लाभों के कुल योग में से हानियों को समयोजित कर लेना चाहिए तथा शेष लाभ के आधार पर औसत लाभ निकालने चाहिए। सकल लाभ में से व्यापार संचालन के व्यय, बिक्री एवं वितरण के व्यय स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास के लिए आयोजन, कर के किए आयोजन घटा देना चाहिए। शुद्ध लाभों में से गैर व्यापारिक आय जैसे विनियोग पर ब्याज भी घटा देना चाहिए।

(3) असामान्य हानि (Abnormal Loss or Extraordinary Loss or Non-Recurring Loss)–किसी गत वर्ष में असामान्य कारणों से होने वाली हानि को (जैसे हड़ताल, बाढ, अग्नि, चोरी, भूकम्प, दुर्घटना के कारण हानि) उस वर्ष के शुद्ध लाभों में जोड़ देना चाहिए।

Abnormal Loss OR Exraordinary Loss: Loss by fire, Abnormal Repairs, Loss by theft, Loss by Accident, Loss due to Strike, Loss due to flood, earthquakes.

These Abnormal losses of Non-Recurring nature not likely to occur in the future are to be added back to the profits of relevent year to find out normal profits.

(4) असामान्य लाभ (Abnormal profits or gain / Extraordinary income / Non-Recurring income)–असामान्य आय वह आये होती है हो सामान्य व्यवसायिक क्रियाओं से प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त नहीं होती।

किसी गत वर्ष में असामान्य कारणों से होने वाले लाभों को (जैसे व्यवसाय से बाहर किए गये विनियोगों से होने वाला लाभ, सम्पत्तियों को बेचने से होने वाला लाभ) उस वर्ष के शुद्ध लाभों में से घटा देना चाहिए।

Abnormal Profits / Gains OR Extraordinary income; Income from Investment, (Non Trading), Profit or Sale of Assets, Profit or revaluation of Assets, Dividend or Shares

These Extraordinary profits of Non-Recurring nature not likely to or occur in the future are to be deducted from the profit of relevent years to find our normal profits.

(5) गैर-संचालन आय (Non-Operating Income)–ऐसी आय जिस का सामान्य व्यावसायिक क्रियाओं से प्रत्यक्ष सम्बन्ध नहीं होता है उसे लाभों में से घटा देना चाहिए। ब्याज अथवा किराये से होने वाली आय।

(6) संचालन व्यय (Operating Expenses)–यदि गत वर्षों में किसी वर्ष के लाभों में से संचालन व्यय नहीं घटाये गए हैं उन्हें सम्बन्धि वर्ष के लाभों में से घटा देना चाहिए।

(7) भावी आय (Future Income)–ऐसी आय जो भविष्य में होने की सम्भावना हो औसत लाभों में जोड़ देना चाहिए।

(8) भविष्य में होने वाली आय (Income not likely to arise in future)–ऐसी आय जो गत वर्षों से प्राप्त हो रही थी परन्तु भविष्य में होने की सम्भावना नहीं है उसे औसत लाभ में से घटा देना चाहिए।

(9) सम्भावित व्यय (Expenses likely to arise in future)—ऐसे व्यय जो भविष्य में होने की सम्भावना हो उन्हें औसत लाभ में से घटा देना चाहिए जैसे व्यवसाय में नये प्रबन्धक की नियुक्ति करना और उसे पारिश्रमिक देना जो अब तक नहीं दिया जाता था।

(10) भविष्य में खर्चों पर रोक (Stoppage of future expenses)—ऐसे खर्चों जिन की भविष्य में होने की सम्भावना नहीं है या कम होने की सम्भावना है तो ऐसे खर्चों को हानि एवं औसत लाभ में जोड़ देना चाहिए।

(11) प्रबन्धक का पारिश्रमिक (Remuneration to Managers Proprietors)—यदि व्यापार का स्वामी स्वयं प्रबन्ध करता है तो इस के पारिश्रमिक को लाभ में से घटा कर शेष लाभ का औसत लाभ निकालने के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए। ऐसा तब उचित होगा जब कि स्वामी की सेवाओं के पारिश्रमिक का कोई भी लेखा पुस्तकों में न किया गया हो।

(12) स्टाक का मूल्यांकन (Valuation of Stock)—किसी वर्ष स्टाक के अधिक मूल्यांकन (Over valuation) या निम्न मूल्यांकन (Under valuation) को सम्बन्धित वर्षों के लाभों में समायोजित कर लेना चाहिए।

(13) सैद्धान्तिक अशुद्धि (Error of Principle)—यदि किसी वर्ष पूंजीगत खर्चे को आयगत अथवा आयगत खर्चों को पूंजीगत मान लिया गया हो तो गलती का सुधार कर उसे सम्बन्धित वर्षों के लाभों में समायोजित कर लेना चाहिए। जैसे मशीनरी के क्रय को मजदूरी खाते में लिख देना अथवा भवन की मरम्त को भवन खाते के नाम लिख देना।

(14) वार्षिक भार (Annual Charge)—यदि व्यवसाय के गत वर्षों के लाभों पर व्यवसायिक भार का प्रावधान है तो उसे गत वर्षों के लाभों में समायोजित करना चाहिए।

(15) आयकर (Income Tax)—औसत लाभों में से आय कर या आयकर के प्रावधान को घटा देना चाहिए।

उपरोक्त समायोजन करने के पश्चात जो लाभ की राशि निकाली जाएगी वहीं लाभ भविष्य में बने रहने (Maintainable) की सम्भावना होती है। इसी राशि को हम Future Maintainable Profits कहते हैं। इसी लाभ की राशि को आधार मान कर ख्याति कर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

Summary of Future Maintainable Profits

(1) All actual expenses and losses not likely to occur in the future are to be added back to Average Profits.

(2) Expenses and losses expected to arise in future are to be deducted from Average Profits.

(3) All Profits likely to arise in future are to be added to Average Profits.

(4) Actual profits not likely to occur in future are to be deducted from Average Profits.

औसत लाभ विधि—मूल्यांकन
(Average Profit Method—Evaluation)

गुण—यह विधि गणना की दष्टि से सरल एवं उपयुक्त है। ख्याति का मूल्यांकन बिना किसी कठिनाई के किया जा सकता है। यह पद्धति पेशेवर व्यक्तियों और फर्म जैसे चार्टड एकान्उटैन्ट, डॉक्टर, तथा आर्कीटैक्चर की ख्याति का मूल्यांकन करने की सर्वोत्तम विधि है।

दोष—इस विधि में उन लाभों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता तो एक व्यवसाय दूसरे उसी प्रकार के व्यवसायों से अधिक कमाता है। (अधिलाभ) वहीं लाभ तो ख्याति का आधार है।

इस विधि में विनियोजित पूंजी की गणना नहीं की जाती वास्तव में विनियोजित पूंजी का किसी भी व्यवसाय की ख्याति से गहरा सम्बन्ध है। इस विधि ख्याति का मूल्यांकन सन्तोषजनक नहीं माना जाता।

ख्याति मूल्यांकन—(Goodwill Valuation)

औसत लाभ विधि—(Average Profit Method or Simple Profit Method)

Illustration 1.

S. Ltd. agreed to purchase the business of R. Ltd. Goodwill is to be valued at 2 year purchase of the average of the average of previous 4 years profits

The profits for the year ending 31-12-1994 to 31-12-1997 were as follows—

1994—Rs. 50,500, 1995—Rs. 62,000, 1996—Rs. 62,500, 1997—Rs. 75,000

Following additional information is available as under—

(i) On 1st July, 1996 a major repair expenditure to plant and machinery for Rs. 15,000 was charged to Revenue. This was agreed to be capitalised for goodwill subject to 25% p.a depreciation on diminishing balance method.

(ii) The closing stock for the year ending 31-12-1995 was over valued by Rs. 6,000.

(iii) In order to cover cost of management as annual charge of Rs. 12,000 should be made for valuation of goodwill. Calculate Value of goodwill.

एस लि. ने आर लि. व्यवसाय को खरीदने का प्रस्ताव किया। ख्याति का मूल्यांकन पिछले चार वर्षों के औसत लाभ के 2 वर्ष के क्रय के बराबर करना है।

गत वर्षों के 31-12-94 से 31-12-97 (चार वर्ष) के लाभ निम्न प्रकार हैं—1994—50500 रु. 1995—62,000 रु., 1996—62,500 रु. 1997—75000 रु.

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनाएं इस प्रकार उपलब्ध हैं—

(1) 1 जुलाई, 1996 को प्लान्ट एवं मशीनरी के सम्बन्ध में बड़ा मरम्मत का कार्य किया गया था जिस पर 15,000 रु. लागत आई। इसे आयगत खर्चा मान कर लाभ हानि खाते में लिख दिया गया। यह निश्चित हुआ की मूल्य निर्धारित करने के लिए इस राशि का पूंजीकरण किया जाए और क्रमागत ह्रास का समायोजन किया जाए।

(2) 1995 वर्ष के लिए अन्तिम रहतिये का मूल्य 6,000 रु. अधिक लगातार दिया गया ख्याति के मूल्यांकन हेतू प्रबन्ध लागत के सम्बन्ध में 12,000 रु. वार्षिक चार्ज का प्रावधान करना है। ख्याति का मूल्यांकन कीजिए। ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।
[B.COM. Hons. Bombay Oct, 1981] (Modified) [B.COM. Pass] K.U.K 1994 (Modified)

Solution. Calculation of Adjusted profits

Total profits for past four years	Rs.
i.e. 31-12-94 to 31-12-97	
(50500 + 62000 + 62500 + 75000)	2,50,000
Add—Expenditure on Plant and Machinery	
wrongly debited to profit and loss account in 1996	15,000
Add—overvaluation of opening stock in 1996	6,000
	2,71,000
Less—Depreciation on Plant and Machinery :	
1996 25% on Rs. 15000 for 6 months	
$15000 \times \frac{25}{100} \times \frac{6}{12}$	1865
1997 25% on Rs. (15000 — 1875) i.e.	
Rs. 13125 for one year	

$13125 \times \frac{25}{100}$ = 3281 Approx.	3281	5,156
		2,65,844
Less—overvaluation of closing Stock in 1995		6,000
		2,59,844
Less Cost of Management		
(Rs.12000 × 4) =		48,000
Adjusted Profits		2,11,844

Total adjusted profits for 4 years = Rs. 2,11,844

Average Adjusted Profit = Rs. 2,11,844 ÷ 4 = Rs. 52,961

Goodwill = Average Adjusted Profit x No. of Years purchased

= 52961 x 2 = Rs. 1,05,922

भारित औसत लाभ विधि (Weighted Average Profit Method)

Illustration 2.

Computer the value of goodwill of B Ltd. of 3 the basis on year's purchase of the weighted average profits of past four years. The appropriate weights to be used are 1,2,3 and 4 for profits of respective years. The profits of the last four years were as follows. 1994—Rs. 60,000; 1995—Rs. 75,000; 1996—Rs. 90,000; 1997—Rs. 1,05,000

Following additional information is available about the business of B Ltd

(i) Profits of 1994 includes Rs. 7500 income on Government Securities.

(ii) Abnormal profits of Rs. 6000 are included in the profits of 1995.

(iii) Profits of 1996 were reduced by Rs. 5000 due to an extraordinary loss on account of fire.

(iv) Profits of 1997 included a non-recurring income of Rs. 10000.

(v) Fair remuneration of Manger of B Ltd. Rs. 8000 per annum has not been taken into account.

पिछले चार वर्षों के भारित औसत लाभ के तीन गुने के बराबर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए। विभिन्न वर्षों के लाभों के लिये उपयुक्त भार जो प्रयोग करने हैं इस प्रकार हैं—एक, दो तीन तथा चार।

पिछले चार वर्षों के भारित औसत लाभ के तीन गुने के बराबर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए। विभिन्न वर्षों के लाभों के लिये उपयुक्त भार जो प्रयोग करने हैं इस प्रकार हैं—एक, दो तीन तथा चार।

पिछले चार वर्षों के लाभ निम्न प्रकार थे—

1994—60,000 रु. 1995—75,000 रु. 1996—90,000 रु. 1997—1,05,000 रु.

बी. लि. के व्यवसाय के सम्बन्ध में निम्न अतिरिक्त सूचनाएं उपलब्ध हैं।

(i) 1994 के लाभ में 7,500 रु. सरकारी प्रतिभूतियों की आय शामिल है।

(ii) 1995 के लाभों में 6,000 रु. असामान्य लाभ शामिल है।

(iii) 1996 के लाभ असामान्य हानि के कारण 5,000 रु. से कम हो गये हैं क्योंकि माल आग से नष्ट हो गया।

(iv) 1997 के लाभों के 10,000 रु. की एक अनावर्ती प्रकृति की आय सम्मिलित है।

(v) प्रबन्धक का उचित पारिश्रमिक 8,000 रु. प्रतिवर्ष जिसे लाभ निकालने के लिए ध्यान में नहीं रखा गया है।

Solution. In this question weighted average is to be used, then various adjustments will be made on yearly basis.

Calculation of Actual Adjusted Profits

Profits for 1994	Rs	Profits	Weights	Products
Less income on Govt. Securities	60,000	52500	1	52,500
	7500			
Profits for 1995	75000	69000	2	1,38,000
Less Abnormal Profits	6,000			
Profits for 1996	90,000	95000	3	2,85,000
Add Extraordinary Loss due to fire	5000			
Profits for 1997	1,05,000	95000	4	3,80,000
Less Non-Recurring Income	10000			
Total	—		10	8,55,500

Weighted Average Profits = Rs. 8,55,500 ÷ 10 = Rs. 85,550

Less fair remuneration to manager $\frac{8000}{77,550}$

Goodwill = Rs. 77,550 × 3 = Rs. 2,32,650

2. अधिलाभ विधि (Super Profit Method)—यह विधि औसत लाभ विधि की तुलना में ख्याति का मूल्यांकन करने की सन्तोषजनक विधि है। वस्तुतः ख्याति का सम्बन्ध उस लाभ से होता है जो एक व्यवसाय सामान्य लाभ से अधिक कमाता है। जो व्यवसाय सामान्य लाभ से जितना अधिक लाभ अर्जित करता है उस की ख्याति का मूल्य उतना ही अधिक होता है। जो व्यवसाय सामानय लाभ से अधिक अर्जित करने में असमर्थ है उसकी ख्याति का कोई मूल्य नहीं होता। इस विधि में ख्याति का मूल्यांकन करते समय यह देखा जाता है कि व्यवसाय अन्य व्यवसायों की तुलना में कितना अधिक लाभ कमा रहा है। इस अधिक लाभ को ही जो सामान्य लाभ से ज्यादा है अधिलाभ कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर अगर एक ही उद्योग में A. B, C, D तथा E फर्मे कार्यरत हैं। उद्योग की सामान्य लाभ दर 20% है। अगर B फर्म A, C, D तथा E की तुलना में विनियोजित पूंजी पर 25% लाभ कमा रही है तो B फर्म सामान्य लाभ से 5% अधिक लाभ कमा रही है। यह अतिरिक्त लाभ ही अधिलाभ कहलाता है।

अधिलाभ का अर्थ
(Meaning of Super Profit)

किसी भी व्यवसाय के वास्तविक औसत लाभों का सामान्य लाभों पर आधिक्य कहलाता है। यदि सामान्य लाभ से वास्तविक औसत लाभों की राशि कम है तो कोई भी अधिलाभ नहीं होता। अधिलाभ की राशि को क्रय के वर्षों से गुणा कर के ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है।

The value of Goodwill depends upon future earnings. It generally represents anticipated excess earnings over the nonnal earnings. In case there are no excess earnings over the normal earnings there is no goodwill. Technically excess of actual average profits ove the normal profits is called super profit.

Super profits = Actual Average Profits — Nonnal Profits

Goodwill = Super Profits × No. of years purchased

इस पद्धति में ख्याति का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

$$\text{Goodwill} = \text{Super Profits} \times \text{No. of Years Purchased}$$

$$\text{Super Profits} = \text{Actual Average Profits} - \text{Normal Profits}$$

Actual Average Profits—वास्तविक औसत लाभों की गणना करते समय उन्हीं बातों को ध्यान में रखना चाहिए जिन का उल्लेख औसत लाभ विधि में किया गया है। जैसे असामान्य हानि को सम्बन्धित वर्ष के लाभ में जोडना, असामान्य लाभ को घटना, संचालन व्ययों को समायोजित करना, गलती का सुधार करना तथा औसत लाभों में से संचालकों की फीस, स्वामियों का पारिश्रमिक, आय कर, भावी व्यय, गैर–सम्भावित आय तथा व्यय को समायोजित करना बाहरी विनियोग पर प्राप्त आय को घटाना।

Normal Profits (सामान्य लाभ)—किसी भी व्यवसाय की विनियोजित पूंजी पर लाभ की सामान्य दर से होने वाले लाभ को सामान्य लाभ कहते हैं। इसलिए सामान्य लाभों की गणना हेतु दो मुख्य तत्वों का वर्णन करना आवश्यक है।

$$\text{Normal Profits} = \frac{\text{Capital invested} \times \text{Normal Rate of Return}}{100}$$

(1) लाभ की सामान्य दर (Normal Rate or Return)

(2) विनियोजित पूंजी का उचित मूल्य अथवा शुद्ध सम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य (The fair value of Capital employed or net assests)

1. लाभ की सामान्य दर (Normal Rate of Return)—लाभ की वह दर जिसे प्रत्येक विनियोजक प्राप्त करने की आशा रखता है लाभ की सामान्य दर कहलाती है। प्रत्येक व्यवसाय के लिए लाभ की यह दर अलग–अलग होती है। सामान्यतः लाभ की सामान्य दर प्रश्न में दी होती है। अगर यह दर न दी हो इस का अनुमान अंशों के बाजार मूल्य तथा उस व्यवसाय में घोषित लाभांश दर के आधार पर लगा लिया जाता है।

$$\text{Normal Rate of Return} = \frac{\text{DPS}}{\text{MPS}} \times 100$$

DPS = Dividend per share

MPS = Market Price per share

उदाहरण के तौर पर यह S Co. के अंशों की Market Value 200 रु. और उद्योग की सामान्य लाभांश की दर 20% है तो लाभ की सामान्य दर निम्न प्रकार से निकाली जा सकती है।

$$\frac{20}{200} \times 100 = 10\%$$

यदि प्रश्न में सामान्य लाभ की दर निकालने के लिये प्रति अंश घोषित तथा अंशों के बाजार मूल्य से सम्बन्धित सूचनाएं नहीं दी गई हैं तो सामान्य लाभ की दर हेतु निम्न सूचनाएं दी जा सकती है।

(i) Pure Rate of Return (प्रतिफल की शुद्ध दर)

(ii) Risk Rate of Return (प्रतिफल की जोखिम दर)

$$\text{Normal Rate or Return} = \text{Pure Rate of Return} + \text{Risk Rate of Return.}$$

सामान्य लाभ की दर निकालने के लिये उपलब्ध ब्याज की दर तथा जोखिम दर का योग कर लेना चाहिए।

उदाहरण के तौर पर अगर S Co. की शुद्ध प्रतिफल की दर 7% हे तथा जोखित की दर 2% है तो लाभ की सामान्य दर 7% + 2% = 90% होगी।

$$\text{Normal Rate or Return} = \frac{\text{DPS}}{\text{MPS}} \times 100$$

OR

Normal Rate of Return = Pure Rate of Return + Risk Rate of Return.

Pure Rate of Return—It is the rate of return on risk free securities i.e. Govenment Bonds.

Risk Rate of Return—It is based on the logic that earnings follow the risk. The more the risk attached to investment, the more is the rate of return. Risk may be the result of higher amount of borrowing made by the business or it is inherent in the very nature of the business.

Example: X Ltd. Company declares a dividend of 25% on its shares of Rs. 100, Rs. 60 paid up. The market value of share is quoted at Rs. 150.

Finding out Normal Rate of Return

Solution: On Rs. 100 X Ltd. pays dividend of Rs. 25 (i.e. 25%) on Rs 60 (paid up vlaue) the dividend would

$$\text{be } \frac{25}{100} \times 60 \text{ Rs.}15$$

The Market Value of Share quoted is Rs. 150

It means X Ltd. will pay a dividend of Rs. 15 (at the rate of 25% as Rs 60) at and investment of Rs. 150 (Market Price).

The Normal rate or return therefore is—

on Rs. 150 (the market price of investment) the returen is = Rs. 15

The Normal rate or return is = Rs. 15

$$\frac{15}{150} \times 100 = 10\% \ 150$$

2. विनियोजित पूंजी के उचित मूल्य की गणना करना (Fair value of Capital Employed)—साधारणतः विनियोजित पूंजी का अर्थ सकल विनियोजित पूंजी (Gross Capital Employed) अथवा शुद्ध विनियोजित पूँजी (Net Capital Employed) से लिया जाता है।

सकल विनियोजित पूंजी में व्यवसाय में लगी हुई सम्पत्तियों के कुल मूल्य को शामिल किया जाता है और दायित्वों को नहीं घटाया जाता। परन्तु शुद्ध विनियोजित पूंजी निकालने के लिए सकल विनियोजित पूंजी में से चालू दायित्वों (Current Liabilities) को घटा दिया जाता है।

विनियोजित पूंजी की गणना आर्थिक विवरण के सम्पत्ति पक्ष (Asset Side) की मदों अथवा दायित्व पक्ष (Liability Side) की मदों के आधार पर की जा सकती है।

सम्पत्ति पक्ष विचारधारा
(Asset Side Approach)

आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष द्वारा विनियोजित पूंजी की गणना करने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए—

1. व्यवसाय की सभी स्थायी एवं चालू सम्पत्तियों को प्रतिस्थापन मूल्य अथवा चालू वसूली मूल्य (Replacement Cost or Current Realisable Value) पर लिखकर जोड़ना चाहिए। यदि प्रतिस्थापन मूल्य अथवा चालू वसूली मूल्य न दिया हो तो जो

मूल्य चिट्ठे में दिया होता है उसी पर जोड़ना चाहिए। यदि सम्पत्तियों को प्रतिस्थापित मूल्यों पर जोड़ा जाता है और प्रतिस्थापित मूल्य पुस्तकीय मूल्य से अधिक हो जाता है तो बढ़े हुए मूल्य पर ह्रास (Depreciation) घटाया जाना चाहिए।

सम्पत्ति पक्ष की ओर से दी गई निम्न सम्पत्तियों को विनियोजित पूंजी की गणना करते समय शामिल नहीं करना चाहिए—

1. कृत्रिम सम्पत्तियां (Fictions Assets)—जैसे प्रारम्भिक व्यय (Preliminary expenses) अंशों एवं ऋण पत्रें पर कटौती (Discount on Shares and Debentures) अभिगोपन कमीशन (Under Writing Commission) विज्ञापन व्यय का वह भाग जो अपलिखित नहीं किया गया है। (Advertisement expenses not yet written off)

2. विनियोग (Investments)—ऐसे विनियोग जिन का व्यवसाय की प्रगति से सम्बन्ध नहीं है तथा धन का विनियोग व्यवसाय के बाहर आय उपार्जन के लिए किया गया है, नियोजित पूंजी के लिए सम्पत्ति में शामिल नहीं करना चाहिए और उस विनियोग की आय को भी लाभ में शामिल नहीं करना चाहिए। यदि विनियोग व्यवसाय की प्रगति के लिए किए गए हैं तथा आन्तरिक हैं तो इन्हें सम्पत्तियों में शामिल किया जाना चाहिए। इन से होने वाली आय को भी लाभ में शामिल करना चाहिए।

यदि प्रश्न में ऐसी कोई भी सूचना नहीं है कि विनियोग आन्तरिक है अथवा बाह्य तो इन विनियोगों को व्यवसाय के बाहर विनियोग मानना चाहिए और सम्पत्तियों में शामिल नहीं करना चाहिए।

3. ख्याति की राशि (Goodwill)—ख्याति की राशि की गणना करने के लिए ही विनियोजित पूंजी की गणना की जाती है। इसलिए चिट्ठे में दी गई ख्याति की राशि को विनियोजित पूंजी निकालने के लिए छोड़ देना चाहिए।

4. अदश्य सम्पत्तियां (Intangible Assets)—जैसे ट्रेड मार्क्स (Trade Marks), पेटेन्टस (Patents) कापी राइट (Copy right) आदि सम्पत्तियां आय उपर्जान में सहयोग न दें तो इन्हें छोड़ देना चाहिए। अन्यथा इन्हें उचित मूलय पर सम्पत्तियों में शामिल कर लेना चाहिए।

बाह्य दायित्वों को घटाना (External Liabilities or Outside Liabilities)—व्यवसाय की कुल सम्पत्तियों की कुल सम्पत्तियों का योग करने के पश्चात् (उपरोक्त सम्पत्तियों को छोड़ कर) उसमें से बाह्य दायित्वों को घटा कर नियोजित पूंजी की गणना की जाती है। बाह्य दायित्वों से अभिप्राय ऐसे दायित्वों से है जिन का अंशधारियों (Shareholders) से कोई सम्बन्ध नहीं होता जैसे ऋणपत्र (Debentures) बैंक ऋण (Bank Loan), अदत्व्यय (Outstanding expenses), लेनदार (Creditors), देय विपत्र (Bills Payable) बैंक अधिविकर्ष (Bank over drafts) कर के लिए प्रावधान (Provision for tax) इत्यादि।

बाह्य दायित्व अल्पकालीन अथवा दीर्घकालीन हो सकते हैं। पूंजी लाभ संचय तथा अन्य अविभाजित लाभ अंशधारियों से सम्बन्धित होते हैं। इसलिए इन्हें बाह्य दायित्वों में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

5. पूर्वाधिकार अंश—यदि पूर्वाधिकार अंश (participating) समभागी है तो इन की राशि नहीं घटानी चाहिए।

(Net Capital Employed = Fixed Assets + Investment as a part of business activity + Current Assets – Outside Liabilities)

दायित्व पक्ष विचारधारा
(Liabilities side approach)

चिट्ठे के दायित्व पक्ष की ओर दी गई मदों के आधार पर विनियोजित पूंजी की गणना निम्न सूत्र के द्वारा की जा सकती हैं

(Capital employed = Paid up Equity and Preference Share Capital + Accumulated Profits + Reserves & Surplus + P & LA credit Balance + Revaluation profit (or loss)—Fictitious Assets — Non-Trading Assets.

औसत विनियोजित पूंजी
(Average Capital employed)

अधिकतर लेखापालकों का मत है कि ख्याति का मूल्यांकन करने के लिए औसत विनियोजित पूंजी का प्रयोग किया जाना चाहिए क्योंकि औसत विनियोजित पूंजी की राशि विनियोजित पूंजी की धारणा को अधिक उचित रूप प्रदान करती है।

(The concept of average capital employed has become significant because the capital employed must be such as may fairly represent the capital investment throughout the year.)

औसत पूंजी की गणना निम्न प्रकार से की जा सकती है—

1. प्रारम्भिक पूंजी तथा अन्तिम पूंजी को जोड़ कर दो से भाग देने पर जो राशि आती है उसे औसत पूंजी कहा जाता है।

Average Capital Employed = Opening Capital + Closing Capital ÷ 2

2. अन्तिम पूंजी में से सम्बन्धित वर्ष के आयगत लाभ (कर घटाने के बाद) (Profit After Tax) का आध घटा कर औसत विनियोजित पूंजी निकाली जा सकती है।

$$\text{Average Capital Employed} = \text{Capital employed at the end} - \frac{1}{2} \text{ of current year profits (after tax)}$$

वास्तव में वर्ष के अन्त की पूंजी वर्ष के प्रारम्भ की पूँजी से उतनी ही अधिक होती है कि वर्ष में लाभ होता है। इसलिए यदि वर्ष के लाभ का आधा वर्ष की प्रारम्भ की पूंजी में भी जोड़ दिया जाये तो भी औसत पूंजी निकल आएगी।

यदि प्रस्तावित लाभांश की राशि चालू वर्ष के लाभों में से दी हुई हो तो चालू वर्ष के लाभों में जोड़ कर चालू वर्ष का कुल लाभ ज्ञात करना चाहिए और फिर इस को अन्तिम पूंजी में से घटाना चाहिए।

व्यावहारिक प्रश्न हल करते समय कौन—सी पूंजी का प्रयोग हो—सकल विनियोजित पूंजी अथवा शुद्ध विनियोजित पूंजी अथवा औसत विनियोजित पूंजी। विभिन्न विद्वानों का मत है कि ख्याति का मूल्यांकन करने के लिए औसत विनियोजित पूंजी का प्रयोग उचित है क्योंकि यह विनियोजित पूंजी की धारणा को उचित रूप प्रदान करती है।

अगर प्रश्न में कोई भी सूचना न हो विद्यार्थी जिस भी पूंजी का प्रयोग करें उस से सम्बन्धित नोट प्रश्न के अन्त में दे देना चाहिए।

Normal Profits (सामान्य लाभों की गणना निम्न सूत्र के द्वारा की जाती है)

$$\text{Normal Profits} = \frac{\text{Capital Employed} \times \text{Normal rate of Return}}{100}$$

गुण—

(1) इस विधि में ख्याति का मूल्य निकालते समय व्यवसाय की वित्तीय स्थिति तथा लाभ कमाने की क्षमता दोनों को ध्यान में रखा जाता है।

(2) इस विधि का प्रयोग कम्पनियों के संविलन, एकीकरण, व्यवसाय के क्रय—विक्रय की स्थिति में ख्याति का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

(3) यह ख्याति का मूल्यांकन करने की सन्तोषजनक पद्धति है।

दोष—

(1) यह पद्धति जटिल है क्योंकि विनियोजित पूंजी की गणना करने में कठिनाई आती हैं।

(2) क्रेता को ब्याज की होने वाली वाली क्षति को ध्यान में नहीं रखा जाता।

(Super Profit Method)

Illustration 3.

The following information relates to the business of M/s Arun & Brothers.

(i) Net trading profits of the firm for the past 4 years (after taxation) were Rs. 1,50,000; Rs. 1,25,000; Rs. 75,000 and Rs. 1,00,000

(ii) Average Capital employed in the business—Rs. 6,00,000

(iii) Reasonable rate of return expected in the similar business is 15%.

(iv) Fair remuneration to the partners for their services is Rs. 20,000 per annum.

Find out the value of goodwill at the basis of 3 years purchase of the annual average super profits.

निम्नलिखित सूचनाएँ मैसर्स अरूण एण्ड ब्रादर्ज के व्यवसाय से सम्बन्धित हैं।

(i) गत चार वर्षों के कार्य के शुद्ध व्यापारिक लाभ (कर के बाद) निम्न प्रकार थे—

1,50,000 रु.; 1,25,000 रु.; 75,000 रु.; 1,00,000 रु.

(ii) व्यापार में लगी हुई औसत पूंजी 6,00,000 रु.।

(iii) उसी प्रकार के व्यापार में लाभ की उचित दर 15 प्रतिशत है।

(iv) सांझेदारों की सेवाओं के लिए उचित पारिश्रमिक 20,000 रु. वार्षिक है।

वार्षिक औसत अधिलाभों के तीन गुने के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Calculation of Actual Average Profits

Solution. Total profits of last 4 years =	Rs.
(i) (1,50,000 + 1,25,000 + 75,000 + 1,00,000)	4,50,000
Average Profits = $\frac{4,50,000}{4}$ =	1,12,500
Less Remuneration of partners =	20,000
Actual Average Profits =	92,500

(ii) Normal Profits

$$\text{Normal Profits} = \frac{\text{Capital invested} \times \text{Normal Rate of Return}}{100}$$

$$= \frac{6,00,000 \times 15}{100} = \text{Rs. } 90.000$$

Super Profit = Actual Average Profits—Normal Profits

$$= 92,500 - 90,000 = \text{Rs. } 2500$$

Goodwill = Super Profits × No. of Years Purchased

$$\text{Rs. } 2,500 \times 3 = \text{Rs. } 7,500$$

Illustration 4.

Following is the Balance-Sheet of R Ltd. for the year ending at 31 st March, 1998.

31 मार्च, 1998 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आर लि. का आर्थिक चिट्ठा निम्नांकित है।

25,000 Shares of Rs. 10 each P& L A/c		2,50,000	Buildings	2,50,000
P & L A/c	Rs. 25,000	2,25,000	Machinery	1,25,000
Profit for 1997-98	2,00,000		Debtors (Book-Debts)	1,25,000
10% Debentures		1,75,000	Stock	1,00,000
Creditors		1,00,000	Cash	1,50,000
		7,50,000		7,50,000

Normal rate or return on average capital employed is 25%. Find the value of goodwill on the basis of 3 years purchase of super profits. Buildings are revalued at Rs. 3,75,000 and Machinery at Rs. 1,00,000. All other Assests are worth book-values.

औसत विनियोजित पूंजी पर सामान्य आय की दर 25% है। अधिलाभ के तिगुने पर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए। भवन तथा मशीनरी का पुनर्मूल्यांकन क्रमशः 3,75,000 रु. तथा 1,00,000 रु. पर हुआ, शेष सभी सम्पत्तियां पुस्तकीय मूल्य पर मूल्यांकित की गयी है।

Solution : Calculation of Average Capital Employed—

Buildings	3,75,000	
Machinery	1,00,000	
Debtors	1,25,000	
Stock	1,00,000	
Cash	1,50,000	8,50,000
Less—10% Debentures	1,75,000	
Creditors	1,00,000	2,75,000
Capital Employed		5,75,000
Less: $\frac{1}{2}$ of the current years profit $\left(\frac{1}{2}\times 2,00,000\right)$		1,00,000
Average Capital Empoyed		4,75,000

(i) Actual Average Profits

Profit of 1997-98 *i.e.* Rs. 2,00,000 has been treated as actual average profit.

(ii) Normal Profits = $\frac{\text{Average Capital Employed} \times \text{Normal Rate of Return}}{100}$

$\frac{4,75,000 \times 25}{100}$ = Rs. 1,18,750

(iii) Super Profits = Actual Average Profits — Normal Profits

= Rs. 2,00,000 — Rs. 1,18,750 = Rs. 81,250

(iv) Goodwill = Super Profits × No. of years purchased

Rs. 81250 × 3 = Rs. 2,43,750.

Hint—If nothing is mentioned about taxation, there is no need of making any adjustment for taxation.

पूंजीकरण विधि

(Capitalisation Method)

पूंजीकरण विधि में ख्याति का मूल्यांकन लाभों का पूंजीकृत मूल्य निकाल कर निर्धारित किया जाता है। पूंजीकरण का अर्थ है—कुल पूंजी की वह मात्र जो एक निश्चित लाभ की राशि को प्राप्त करने के लिये पर्याप्त होगी। यही ख्याति के मूल्यांकन का आधार होता है। लाभों के पूंजीकरण द्वारा ख्याति का मूल्य निर्धारित करने की दो विधियों प्रचलित हैं।

(1) अधिलाभ निकालकर पूंजीकरण करना (Capitalisation of Average Profits)

(2) साधारण औसत लाभ निकाल कर पूंजीकरण करना (Capitalisation of Average Profits)

Capitalisation of Super Profits

इस विधि में अधिलाभों का सामान्य ब्याज की दर (Normal Rate of Return) से पूंजीकरण किया जाता है। इस प्रकार पूंजीकरण से जो राशि आती है वही ख्याति का मूल्य होता है।

$$\text{Goodwill} = \left(\frac{\text{Actual Average Profits}}{\text{Normal Rate Return}} \times 100\right) — \text{Actual Capital employed or Net Assets}$$

उदाहरण के तौर पर माना कि S Co. के अधिलाभ 20,000 रु. हैं और इसी प्रकार के व्यवसायों में 20% पूंजी पर प्रतिफल (Return) की दर है तो ख्याति का मूल्य निम्न होगा।

$$\frac{20,000}{20} \times 100 = 1,00,000 \text{ Rs.}$$

Capitalisation of Average Profits

इस विधि के द्वारा ख्याति का मूल्य निकालने के लिये औसत लाभों की गणना करने के पश्चात् लाभ की सामान्य दर (Normal Rate of Return) के आधार पर उस का पूंजीकृत मूल्य (Capitalised Value) ज्ञात कर लिया जाता है। इस पूंजीगत मूल्य में से व्यवसाय की शुद्ध पूंजी (Net Assets) या औसत विनियोजित पूंजी (Average Capital Employed) घटा दी जाती है। जो शेष बचता है वही ख्याति का मूल्य माना जाता है।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि वह इस विधि द्वारा ख्याति का मूल्य निकालने के लिए निम्न बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है।

1. व्यवसाय के वास्तविक औसत लाभों (Actual Average Profits) की गणना करनी चाहिए।

2. वास्तविक औसत लाभों का सामान्य ब्याज की दर (Normal Rate of Return) के आधार पर पूंजीकृत मूल्य निकालना चाहिए।

3. व्यवसाय में विनियोजित वास्तविक पूंजी (Actual Capital Employed) की गणना करनी चाहिए।

4. औसत लाभों के पूंजीकृत मूल्य में से (Capitalised Value of Average Profits) अथवा सामान्य विनियोजित पूंजी (Normal Capital Emplyed) में से वास्तविक विनियोजित पूंजी को घटा कर ख्याति का मूल्य निकालना चाहिए।

$$\text{Goodwill} = \left(\frac{\text{Actual Average Profits}}{\text{Normal Rate Return}} \times 100\right) — \text{Actual Capital employed or Net Assets}$$

यहां पर साधारण औसत लाभ से अभिप्राय उन लाभों से है जिन के भविष्य में बने रहने की आशा है। (Future Maintainable Profits) इस विधि द्वारा ख्याति का मूल्य अधिलाभों के पूंजीकरण से निकाली हुई ख्याति से अधिक होता है। उदाहरण यदि S Co. के औसत लाभ 72000 रु. है और S Co. अपनी विनियोजित पूंजी पर जो 5,00,000 रु. है, औसत रूप से 12% लाभ कमाती है। तो S Co. की ख्याति का मूल्य निम्न होगा।

$$\text{Goodwill} = \left[\frac{\text{Actual Average Profits}}{\text{Normal Rate Return}} \times 100\right] \text{— Actual Capital Employed or Net Assets}$$

$$\left[\frac{72,000}{12} \times 100\right] - 5,00,000$$

= Rs. 6,00,000 – Rs. 5,00,000 = Rs. 1,00,000

Illustration 5.

The following information is given (i) Capital Employed Rs. 75,000; (ii) Normal Rate of Profit 10%; (iii) Net Profits for the five years: Rs. 7,200; Rs. 7,700 ; Rs., 8450; Rs. 8,700 and Rs. 8,950.

The profits included non-recurring income on an average basis of Rs. 500 out of which it was deemed that even non-recurring profits had a tendency of appearing at the rate of Rs. 300 per annum.

Your are required to calculate goodwill as per capitalisation of super profits.

निम्न सूचनाएं दी गई हैं—(i) विनियोजित पूंजी 75,000 रु. (ii) लाभों की सामान्य दर 10% (iii) पाँच वर्षों के शुद्ध लाभ—7,200 रु.; 7,700 रु. 8,450 रु. 8,700 रु.; तथा 8,950 रु.

लाभों की औसतन 500 रु. अनावर्ती सम्मिलित हैं, जिसमें भी 300 रु. वार्षिक दर से अनावर्ती लाभों के होते रहना माना जा सकता है। अधिलाभों के पूंजीकरण के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Solution: (i) Calculation of Actual Average Profits or Maintainable profits:

	Rs.
Total Profits of Past 5 Years	
(7200 + 7700 + 8450 + 8700 + 8950)	41,000
Average Profits = 41000 + 5	8,200
Less Non-recurring Income	500
Add Recurring Income	7,700
	300
Actual Average Profits	8,000

(i) Normal Profits $= \dfrac{\text{Capital employed} \times \text{Normal Rate of Return}}{100} \times 100$

$$= 75,000 \times \frac{10}{100} = \text{Rs. } 7500 \ \frac{15}{150} \times 100$$

(ii) Super Profits = Actual Average Profit — Normal Profit

Rs. 8,000 — Rs. 7500 = Rs. 500

(iii) Goodwill as per Capitalisation of Super Profits

$$= 500 \times \frac{100}{10} = \text{Rs. } 5,000$$

Illustration 6.

Balance Sheet of Mr. X on 31st March 1998 is given as under

	Rs.		Rs.
Capital	7,50,000	Land and Building	5,40,000
Creditors	2,40,000	Plant and Machinery	3,30,000
Bill Payable	60,000	Furniture	6,000
		Stock	24,000
		Cash at Bank	1,50,000
	10,50,000		10,50,000

The profit of the business for the five years ending 31 st March, 1998 are; 1994—Rs. 1,20,000; 1995—Rs. 1,26,000; 1996—Rs. 1,35,000; 1997—Rs. 1,50,000; 1998—Rs. 1,59,000

The Assets are revalued as under Land and Building Rs. 5,82,000; Plant and Machinery Rs. 3,54,000 and Furniture Rs. 3,000. No remuneration was charged by X though he was actively engaged in the business. Find out goodwill by Capitalisation Method. Normal Rate of return in similar type of business is 10%.

व्यवसाय के लाभ 31 मार्च, 1998 तक पांच वर्ष के निम्नांकित हैं—

1994 — 1,20,000 रु.; 1995 — 1,26,000 रु.; 1996 — 1,35,000 रु.; 1997 रु.; 1,50,000 रु.; 1998 —1,59;000 रु.;

सम्पत्तियों का मूल्यांकन निम्न प्रकार है। भूमि और भवन 5,82,000 रु.; प्लाण्ट एवं मशीनरी 3,54,000 रु. तथा फर्नीचर 300 रु.; एक्स ने कोई पारिश्रमिक नहीं लिया यद्यपि वह अच्छी तरह व्यवसाय में लगा है। पूंजीकरण विधि द्वारा ख्याति की राशि निकालिए। साधारण आय की दर 10 प्रतिशत हैं।

Solution : (i) Calculation of Actual Average Profits $\frac{1}{2}$ Rs.

Total profits of Past five years	
(1,20,000 + 1,26,000 + 1,35,000 + 1,50,000 + 1,59,000) =	6,90,000
Average Profits = $\frac{6,90,000}{5}$ =	1,38,000
Less Remuneration of X (Assumed)	18000
Actual Average Profits / Maintainable Profits	1,20,000

(ii) Capital Employed		Rs.
Land and Building		5,82,000
Plant and Machinery		3,54,000
Furniture		3000
Stock		24000
Cash at Bank		1,50,000
Less :—Liabilities Creditors		11,13,000
Creditors	2,40,000	3,00,000
B/P	60,000`	8,13,000

Less of Current years profits after remuneration

$\frac{1}{2} \times (159000 - 18000) =$	70,500
Average Capital employed	7,42,500

(iii) Capitalised Value of Actual Average Profits—

$$\frac{1,20,000}{10} \times 100 = \text{Rs. } 12,00,000$$

(iv) Goodwill on Capitalisation of Actual Average Profits—

Capitalised Value of Actual Average Profits — Actual Capital Employed

Rs. 12,00,000 — Rs. 7,42,500 = Rs. 4,57,500

According to Capitalisation of Super Profits—

Super Profit = Actual Average Profit — Normal Profit

Actual Average Profit = Rs. 1,20,000

Normal Profit =

$$\text{Super Profit} = \frac{7,42,500}{100} \times 10 = \text{Rs. } 74,250$$

$$\frac{\text{Capital employed} \times \text{Normal Rate of Return}}{100}$$

$$\text{Goodwill} = \frac{\text{Super Profit}}{\text{NRR}} \times 100$$

$$\frac{45750}{10} \times 100 = \text{Rs. } 4,57,500$$

Note: Average Capital Employed is being taken into consideration for the purpose of valuation of goodwill.

वार्षिकी पद्धति
(Annuity Method)

क्रेता को व्यवसाय से अधिलाभ तो भविष्य में प्राप्त होते हैं परन्तु ख्याति की राशि का भुगतान क्रेता को वर्तमान में एक मुश्त राशि के रूप में चुकाना होता है। भविष्य में होने वाले अधिलाभ एक मुश्त न हो कर थोड़े–थोड़े किस्तों में प्राप्त होते हैं। इस प्रकार क्रेता को ब्याज की क्षति होती है।

उदाहरण के तौर पर S Co. एक व्यवसाय क्रय करते समय 45,000 रु. ख्याति के रूप में 1 जनवरी, 1995 को देती है। इस कम्पनी के अधिलाभ 15,000 रु. थे और तीन वर्षों के गुणा द्वारा ख्याति का मूल्य (15,000 × 3) 45,000 रु. निकाला गया। ख्याति का भुगतान 45,000 रु. 1 जनवरी 1995 को किया गया है और यह राशि 1995, 1996 तथा 1997 में 15,000 रु. प्रतिवर्ष की दर से वसूल किए जाने की आशा हैं ऐसी स्थिति में अगर यह मान भी लिया जाए कि क्रेता ख्याति की पूरी राशि 45,000 रु. तीन वर्षों में वसूल कर लेता है तो भी उसे 1 जनवरी, 1995 से 31 दिसम्बर, 1997 तक ब्याज की क्षति होगी।

वार्षिक विधि एक ऐसी वैज्ञानिक पद्धति है जिस के द्वारा अभिलाभों का वार्षिकी तालिकाओं (Annuity Tables) की सहायता से वर्तमान मूल्य ज्ञात कर लिया जाता है। यही वर्तमान मूल्य ही ख्याति माना जाता है। अधिलाभो का वर्तमान मूल्य निम्न सूत्र का प्रयोग करके भी निकाला जा सकता है।

$$\text{Present Value (P.V.)} = \frac{1-\left(\frac{100}{100+r}\right)^n}{\frac{r}{100}} \times 100$$

r = Rate of interest per annum

n = number of years.

Value of Goodwill = Super Profit × Present Value of Ruppee one.

वार्षिकी पद्धति के सम्बन्ध में ध्यान रखने योग्य महत्त्वपूर्ण बातें—

(1) इस विधि में ख्याति का मूल्य निर्धारित करने के लिये अधिलाभों की राशि का वर्तमान मूलय वार्षिकी सारणी (Annuity Table) से या उपरोक्त सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है। यही वर्तमान मूल्य ख्याति माना जाता है।

(2) यदि ख्याति का मूल्य निकालने के लिए अधिलाभों के स्थान पर साधारण औसत लाभ को वार्षिकी माना जाता है तो साधारण औसत लाभों का वार्षिकी सारणी द्वारा वर्तमान मूल्य निकाल कर उस में से शुद्ध सम्पत्तियों या विनियोजित पूंजी के मूल्य को घटा देना चाहिए।

(3) अगर प्रश्न में एक रुपये वार्षिकी वत्ति का मूल्य 1 रु. से अधिक दिया है तो ख्याति का मूल्य निकालने के लिए इसे अधिलाभ (super profit) की राशि से गुणा किया जाता है।

उदाहरण—The Present value of annuity of Re. 1 for 4 years at 10% interest is Rs. 4,25. Super profits are Rs. 20,000 find out Goodwill.

Solution : Rs. 2000 × 4.25 = Rs. 85,000 (Goodwill)

(4) अगर प्रश्न में 1 रुपये की वार्षिकी वत्ति का मूल्य 1 रु. से कम दिया है तो ख्याति का मूल्य निकालने के लिए इसे अधिलाभ की राशि से भाग किया जाता है।

उदाहरण—The present value of Rs. 0.356034 annuity for 5 years at 10% interest is Re. 1 and super profits of company are Rs. 10,000. Find out goodwill.

Solution: Goodwill = 10000 + 0.356034 = Rs. 28,087 Approx.

Illustration 7.

The following particulars are available in respect of the business carried by X—

(i) Profit earned: 1995 — Rs. 75,000, 1996 — Rs. 90,000, 1997 — Rs. 82,500

(ii) Expected Rate of Return 10%

(iii) Capital Employed Rs. 450000

(iv) Present value of an annuity of one rupee for five years at 10% Rs. 3.79

(v) The profits included non recurring profits on an average basis of Rs. 6,000 out of which it was deemed that even non recurring profits had a tendency of appearing at the rate of Rs. 1500 p.a.

Calculate goodwill as per annuity method

एक्स के व्यवसाय से निम्नलिखित विवरण प्राप्त हुए—

(i) अर्जित लाभ—1995 — 75,000 रु. 1996 — 90,000 रु. 1997 — 82500 रु.

(ii) लाभ की समान्य दर 10%

(iii) विनियोजित पूंजी 4,50,000 रु.

(iv) 10% पर पाँच वर्षों के लिए 1 रु. की वार्षिकी की वर्तमान मूल्य 3.79 रु.

(v) लाभों में 6,000 रु. औसत दर से बार–बार न होने वाले लाभ शामिल हैं जिस में यह माना गया है कि 15,000 रु. प्रतिवर्ष ऐसे बार–बार न होने वाले लाभ भी हैं जिन की बने रहने की प्रवत्ति है। वार्षिकी विधि से ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Solution : Calculation of Super profits

(i) Total profits of past 3 years	Rs.
(75000 + 90000 + 8250000)	2,47,500
Average Profits 247500 ÷ 3	8,25,00
Less Non-Recurring profit	6,000
	76,500
Add Recurring profit	1500
Actual Average profits	78,000

(ii) Normal Profit:

$$\frac{\text{Capital Employed} \times \text{Normal Rate of Return}}{100}$$

$$= \frac{4,50,000}{100} \times 10$$

(iii) Super Profit:

= Actual Average Profit – Normal profits

= 78000 – 45000 = 33,000

(iv) Goodwill = Super profit × Annunity value of Rs. 1

= Rs. 33000 × 3.79 = Rs. 1,25,070

Illustration 8.

From the following information calculate the value of goodwill as per annunity method.

(i) Profits for the past 3 years: 1994 — Rs. 40,000; 1995 — Rs. 50,000 ; 1996 — Rs. 55,000

(ii) Profit for 1994 has been arrived at after writing off Extraordinary loss of Rs. 5,000 and profit for 1996 includes as extraordinary income of Rs. 3,000.

(iii) Average capital Employed Rs. 4,00,000.

(iv) Normal Rate of return is 10%

(v) The present value of an annuity of Rs. 0.230975 for 5 year @ 5% is Re. 1

निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर वार्षिक वत्ति के अनुसार ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

(i) पिछले तीन वर्षों के लाभ 1994 — 40,000 रु. 1995 — 50,000 रु. 1996 — 55000 रु.

(ii) वर्ष 1994 के लाभ 5,000 रु. की असामान्य हानि अपलिखित करने के पश्चात् ज्ञात किए गए हैं तथा 1996 वर्ष के लाभों में 3,000 रु. की अनावर्ती आय सम्मिलित है।

(iii) औसत विनियोजित पूंजी 40000 रु. है।

(iv) लाभ की सामान्य दर 10%;

(v) पाँच वर्ष के लिए 5% की दर पर 0.230975 रु. की वार्षिक वत्ति का मूल्य 1 रु. है।

Solution: Calculation of Super Profit

	Rs.	Rs.
Profit for 1994	40,000	45,000
(i) *Add* Extra ordinary loss	5,000	
Profit for 1995		50,000
Profit for 1996	55,000	
Less : Extraordinary income	3,000	52,000
Total adjusted profits		1,47,000
Average profits 14,7000 ÷ 3		49,000

(ii) Normal Profit:

$$\frac{\text{Capital Employed} \times \text{Normal Rate of Return}}{100}$$

$$= \frac{4,00,000}{100} \times 10 = \text{Rs } 40,000$$

(iii) Super Profit :

Actual Average Profit — Normal value is Re. 1

Rs. 49,000 — Rs. 40,000 = Rs. 9,000

(iv) Goodwill:

When annuity is Rs. 0.230975, Present Value is Re. 1

When annuity is Rs. 9,000, Present value is Rs.

$$= \frac{1}{0.230975} \times 9000 = \text{Rs. } 38,965.25$$

Therefore value of goodwill = Rs. 38,965.25

क्रय प्रतिफल विधि

(Purchase Consideration Method)

क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी को उसका व्यवसाय क्रय करने के बदले में जो मूल्य चुकाया जाता है क्रय प्रतिफल (Purchase consideration) कहलाता है। यदि क्रय प्रतिफल की राशि शुद्ध सम्पत्तियों (Net Assets) के मूल्य से अधिक होती हैं तो वही ख्याति का मूल्य होता है।

उदाहरण : X Co. द्वारा Y. Co. का व्यवसाय 2,50,000 रु. में क्रय किया जाता है। Y Co. के व्यवसाय की सम्पत्तियों का मूल्य 18,00,000 रु. और दायित्व (liabilities) 3,00,000 रु. हैं तो ख्याति का मूल्य 25,00,000 — (18,00,000 — 3,00,000) = 10,00,000 रु. होगा।

(25,00,000 — 15,00,000) = Rs. 10,00,000

उपरोक्त पांचों विधियों में कौन सी विधि सर्वश्रेष्ठ हैं यह तो उस पर निर्भर करता है जिस के लिए ख्याति का मूल्यांकन किया जान है। जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया जा चुका है कि ख्याति का सम्बन्ध व्यवसाय के भविष्य में लाभ अर्जन करने की क्षमता से होता है इसलिये अधिलाभ विधि तथा पूंजीकरण विधि का व्यवहारिक महत्त्व बढ़ जाता है। वार्षिकी विधि भी ब्याज सहित ख्याति की राशि का मूल्यांकन करने की अच्छी विधि है तथा दूरदर्शिता के दष्टिकोण से उचित है। क्रय प्रतिफल विधि का प्रयोग व्यवसाय के एकीकरण संविलयन के समय किया जाता है।

Illustration 9.

निम्नलिखित सूचना एक साझेदारी फर्म के व्यवसाय से सम्बन्धित हैः

(अ) व्यापार में लगी हुई औसत पूंजी 7,20,000 रु.।

(ब) गत तीन वर्षों के फर्म के शुद्ध व्यापारिक लाभ (कर के बाद) थे—1,07,600 रु. 90,700 रु तथा 1,12,500 रु.।

(स) उसी प्रकार के व्यापार में लाभ की उचित दर 10 प्रतिशत है।

(द) साझेदारी की सेवाओं के लिए उचित परिश्रमिक 12,000 रु. वार्षिक है।

ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए।

(i) वार्षिक औसत अधिलाभों के पांच गुने के आधार पर;

(ii) वार्षिक औसत अधिलाभों के 10 प्रतिशत की उचित दर पर पंजीकरण करने के आधार पर; तथा

(iii) अधिलाभों की वार्षिक वत्ति के आधार पर।

10 प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज की दर पर पांच वर्षों के लिए 1 रु. की वार्षिक वत्ति का वर्तमान मूल्य 3.78 रु. माना जाये। उपर्युक्त विधियों में से कौन सी विधि सबसे अधिक उपयुक्त है और क्यों? आलोचनात्मक दष्टिकोण दीजिए।

The following information relates to the business of a partnership firm:

(a) Average Capital employed in the business - Rs.7,20,000.

(b) Net trading profits of the firm for the past three years (after taxation) were Rs.1,07,600, Rs.90,700 and Rs. 1,12,500

(c) Reasonable Return expected in the same type of business is 10%.

(d) Fair remuneration to the partners for their services is Rs.12,000 per annum.

Calculate the value of Goodwill:

(i) On the basis of five years' purchase of the annual average super profits;

(ii) On the basis of capitalization of the annual average super profits at the reasonable return of 10 per cent; and

(iii) On the basis of an annuity of super profits, taking the present value of annuity of one rupee for five years at 10 per cent p.a. interest is Rs.3.78.

Comment as to which method (out of the above) is most appropriate and why?

Solution.

Total Profits = Rs. 1,07,600 + 90,700 + 1,12,500 =	3,10,800
Average Profit (3,10,800 / 3)	1,03,600
Less : Remuneration of Partner	– 12,000

Actual Average Profit	91,600
Less : Nonnal Profit (7,20,000 × 10 / 100)	72,000
Super Profit	19,600
(i) Goodwill on the basis of 5 year's purchase 19,600 × 5 =	98,000
(ii) Goodwill on the basis of capitalisation (19,600 × 100 / 10) =	1,98,000

(iii) Goodwill on the basis of annuity of super profit 19,6700 × 3.76 = 74,088

ख्याति की विभिन्न विधियों का आलोचनात्मक अध्ययन

अधिलाभ विधि—इस विधि में उपर्युक्त उदाहरण में ख्याति की राशि 98,000 रु. है जिसे पांच वर्षों में प्राप्त करना है परन्तु इसमें इस अवधि का ब्याज शामिल नहीं है अतः ब्याज को भी यदि लगाया जाय तो यह अवधि 5 वर्ष से अधिक हो जायेगी।

पूंजीकरण विधि—इस विधि में उपर्युक्त उदाहरण में ख्याति का मूल्य 1,96,000 रु. जबकि प्रतिवर्ष का अधिलाभ 19,600 रु. ही है। ब्याज की दर 10% प्रतिवर्ष होने से 1,96000 रु. पर 19,600 रु. ब्याज प्रतिवर्ष होता है अतः अधिलाभ और ब्याज बराबर होने के कारण कभी भी ख्याति की राशि वसूल नहीं हो पायेगी। इसकी वसूली इस पद्धति में निम्नलिखित दो दशाओं में ही सकती है : (i) जब ब्याज की दर कम हो जाय, या (ii) अधिलाभ की राशि बढ़ जाए। इस कारण यह विधि भी सन्तोषजनक नहीं है।

वार्षिकी पद्धति—यह विधि उपर्युक्त वर्णित दोनों विधियों की तुलना में श्रेष्ठ है। इसमें उपर्युक्त उदाहरण में ख्याति की राशि 74,088 रु. है और अधिलाभ एक वर्ष का 19,600 रु. है। अतः पूरी ख्याति की राशि 4 वर्ष से भी कम में ही वसूल हो जाती है और पांच वर्ष में तो ब्याज सहित ख्याति की राशि वसूल हो जायेगी क्योंकि 19,600 × 5 = 98,000 रु. होंगे। यह स्थिति निम्नांकित उदाहरण से स्पष्ट हो जाती है : ख्याति की ब्याज सहित वसूली के लिए ख्याति खाता बनाना।

Illustration 10.

एक व्यवसाय में ख्याति के लिए 74,088 रु. की चैक प्रथम वर्ष 1 जनवरी को दी गयी। इस पर ब्याज की दर 10% प्रतिवर्ष है। इस व्यवसाय में जिसकी ख्याति के लिए उपर्युक्त राशि दी गयी है, प्रतिवर्ष 19,600 रु. अधिलाभ होता है। खाता बनाकर स्पष्ट कीजिए। कि ख्याति की यह राशि ब्याज सहिहत कितने वर्षों में वसूल की जा सकती है।

Solution :

GOODWILL ACCOUNT

I Year		Rs.	I Year		Rs.
Jan 1	To Bank A/c	74,088	Dec. 31	By Super Profit	19,600
Dec 31	To Interest A/c (10%)	7,409	Dec. 31	By Balance c/d	61,897
		81,497			81,497
II Year		Rs.	II Year		Rs
Jan 1	To Balance b/d	61,897	Dec. 31	By Super Profit	19,600
Dec 31	To Interest A/c (10%)	6,190	Dc. 31	By Balance c/d	48,487
		68,087			68,087
III Year			III Year		
Jan 1	To Balance b/d	48,487	Dec. 31	By Super Profit	19,600
Dec 31	To Interest A/c (10%)	4,849	Dec. 31	By Balance c/d	33,736
		52,736			52,736

IV Year		Rs.	IV Year		Rs
Jan 1	To Balance b/d	33,736	Dec. 31	By Super Profit	19,600
Dec 31	To Interest A/c (10%)	3,374	Dec. 31	By Balance c/d	17,510
		37,110			37,110
V Year		Rs.	V Year		Rs
Jan 1	To Balance b/d	17,510	Dec. 31	By Super Profit	19,600
Dec 31	To Interest A/c (10%)	7,409			
Dec 31	To Balance c/d	339			
		19,600			19,600

उपर्युक्त खाते से स्पष्ट है कि पांचवें वर्ष अधिलाभ डेबिट पक्ष की तुलना में 339 रु. से अधिक है अतः ख्याति की राशि ब्याज सहित पांच वर्ष से भी कम अवधि में वसूल हो गयी है।

चारों विधियों में श्रेष्ठ विधि—औसत लाभ विधि, अधिलाभ विधि, पूंजीकरण विधि एवं वार्षिकी विधि में से औसत विधि का प्रयोग तो वर्तमान काल में करने की परम्परा बढ़ती जा रही है क्योंकि इस विधि का सम्बन्ध कुल लाभों के औसत से होता है जबकि ख्याति का सम्बन्ध उन अधिक से होता है जो पाये व्यवसाय द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। लाभों की जितनी भी अधिकता की सम्भावना होती है ख्याति ही उतनी ही अधिक होती है।

वर्तमान काल में अधिक प्रयोग केवल दो विधियों का है—अधिलाभ विधि और पूंजीकरण विधि। अधिलाभ पद्धति में ख्याति उसी दशा में आती है जब वास्तविक लाभ (actual Profit) साधारण लाभ (normal profit) से अधिक होते हैं अतः यह विधि ख्याति की मूल जड़ से सम्बन्धि है। दूरदर्शिता के दष्टिकोण से वार्षिकी प्रणाली भी ठीक हैं कौन सी विधि सर्वश्रेष्ठ है यह सम्बन्धित व्यक्ति के उस उद्देश्य पर निर्भर करता हे जिसके लिए ख्याति की गणना की जा रही है।

Illustration 12

निम्नांकित सूचनाओं से ख्याति की राशि निकालिए : (अ) वार्षिकी विधि से, (ब) अधिलाभ के चार वर्ष क्रय के अनुसार, (स) अधिलाभ के पूंजीकरण के अनुसार।

From the following information find out Goodwill (a) as per annuity method, (b) as per 4 years' purchase of super profit, and (c) as per capitalization of super profit method.

Net profits for four years.

I year Rs.30,000; II year Rs 40,000, III year Rs.50,000; IV year Rs. 60,000.

The profit includes non-recurring profits on an average basis of Rs. 3,000.

	Rs.
Average Capital employed	3,00,000
Normal Rate of Profit	10%

Present value of annuity of Re.l for 4 years at 10% is 2.5.

Solution:

Total profits = Rs.30,000 + 40,000 + 50,000 + 60,000 = Rs.l,80,000

Average Profit = 1,80,000 / 4	45,000
Less : Non-recurring profit	3,000
	42,000

Normal Profit = 3,00,000 × 10 / 100 = Rs. 30,000

Super Profit = Rs. 42,000 – 30,000 = Rs. 12,000

(a) Goodwill as per annuity method 12,000 × 4 =	30,000
(b) Goodwill as per purchase of super profit method 12,000 × 4 =	48,000
(c) Goodwill as per capitalisation method (12,000 x 100/10)	1,20,000

अभ्यास प्रश्न
Questions

1. ख्याति का क्या अर्थ है? एक व्यापार की ख्याति को सामान्यतयः कौन–से तत्व प्रभावित करते हैं? ख्याति के मूल्यांकन की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

   What is meant by goodwill ? What factors generally affect the goodwill of a business ? Discuss the different methods of valuing goodwill.

2. "किसी व्यवसाय की अधि–लाभ अर्जित करने की शक्ति ही ख्याति है।" यदि किसी व्यवसाय के लाभ लगातार बढ़ रहे है तो आप ख्याति के मूल्यांकन की कौन–सी पद्धति का सुझाव देंगे?

   "Goodwill is the power of a business to earn Super-profits." What methods would you suggest for its valuation when the profits of the business are continuously increasing ?

3. ख्याति के मूल्यांकन से आप क्या समझते हैं? ख्याति के मूल्यांकन के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली विधियों का वर्णन कीजिए।

   What do you mean by goodwill valuation? Discuss the methods which are used for Goodwill valuation?

4. ख्याति के मूल्यांकन की अधिलाभ क्रय विधि का वर्णन कीजिए। इस विधि से ख्याति का मूल्यांकन करने में प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न घटकों का निर्धारण करते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

   Explain the purchase of Super profit method of valuing goodwill. What factors should be taken into consideration in the determination of various components in valuing goodwill according to this method?

5. काल्पनिक उदाहरण लेते हुए अधिलाभों की अवधारणा को पूर्ण से समझाइए। अधिलाभ के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन किस प्रकार किया जाता है?

   Explain fully, taking imaginary illustrations, the concept of "Super profits." How is Goodwill valued on the basis of Super-profits ?

6. ख्याति के मूल्यांकन की विविध विधियों की विवेचना कीजिए। समझाइए कि क्या अधिलाभ आधार सरल–लाभ आधार की तुलना में बेहतर है।

   Define various methods of valuation of goodwill. Explain if the super profit base is an improvement over simple profit base.

7. उपयुक्त उदाहरण दे कर ख्याति मूल्यांकन की विभिन्न विधियों का वर्णन करें। किन अवस्थाओं में कौन–सी विधि उपयुक्त है?

   Explain with suitable example the various methods of valuation of goodwill. Which will be an appropriate mehtod and under what situations ?

8. (अ) ख्याति किसे कहते हैं? क्या आप मानते हैं कि भविष्य के लाभ ही इस के मूल्यांकन का एक मात्र कारण नहीं हैं?

   (ब) ख्याति के मूल्यांकन की (अधिलाभ विधि) का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

PROBLEMS

औसत लाभ विधि

(Average Profit Methods)

Problem 1. A Ltd, sold its business to B Ltd. Find the value of goodwill taking into consideration the following factors—

(i) Goodwill is to be valued at 3 years purchase of the average profits of the last 3 years. Profits ofthe last three years were as follows:- 1992 — Rs. 40,000, 1993 — Rs. 50,000, 1994 — Rs 60,000.

(ii) Profits of 1992 have been reduced by Rs. 6,000 because goods were destroyed by fire.

(iii) Non-recurring income of Rs. 4,000 is included in the profits of 1993.

(iv) Goods have not been insrued but it decided to insure them in future. The insurance premium is estimated at Rs. 400 per year.

(v) Reasonable remuneration of the proprietor of business is Rs. 6000 p.a. and has not been considered for calculation of above mentioned profits.

(vi) Profits of 1994 includes Rs. 5,000 as income on investment.

A Ltd. ने B. Ltd. को अपना व्यवसाय बेचा। निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

1992 — 40,000 रु.; 1993 — 50,000 रु.; 1994 — 60,000 रु.

(ii) 1992 के लाभ में 6,000 रु. कम हो गए हैं क्यों कि माल आग से नष्ट हो गया था।

(iii) 1993 के लाभ में बार–बार न होने वाली 4,000 रु. की आय शामिल है।

(iv) माल का बीमा नहीं कराया गया है परन्तु भविष्य में इस बीमा कराने का निर्णय लिया गया है और बीमा प्रीमियम 400 रु. प्रतिवर्ष का अनुमान है।

(v) व्यवसाय के स्वामी का उचित पारिश्रमिक 6000 रु. प्रतिवर्ष है जिसे उपर्युक्त लाभ निकालने के लिए प्रयोग नहीं किया गया है।

(vi) 1994 के लाभ में 5,000 रु. विनियोगों की आय शामिल है।

Ans. Rs 1,27,800

Problem 2. Zero Ltd. agreed to pruchase the business of Hero Ltd. Goodwill is to be valued at $2\frac{1}{2}$ years purchase of the average of previous four years profits

The profits for the years ending 31-12-1984 to 31-12-1987 were as follows-1984 — Rs. 75750, 1985 — Rs. 93,000; 1986 — Rs. 93,750; 1987 — Rs. 112,500.

Following additional information is available as under—

(i) On 1 st July, 1986 a major repair expenditure to Plant and Machinery for Rs. 22,500 was charged to revenue. This was agreed to be capitalised for goodwill subject to 20% per annum depreciation on diminishing balance mehtod.

(ii) The Closing Stock for the year ending 3-12-1985 was overvalued by Rs. 9,000.

(iii) In order to cover Cost of Management, an annual charge of Rs. 18,000 should be made for valuation of goodwill.

Calculate value of Goodwill.

Zero Ltd. ने Hero Ltd. के व्यवसाय खरीदने का प्रस्ताव किया। ख्याति का मूल्यांकन पिछले चार वर्षों के औसत लाभ के 2 $\frac{1}{2}$ वर्ष के क्रय मूल्य के बराबर करना है।

गत वर्षों के 31-12-1984 से 31-12-1987 (चार वर्ष) के लाभ निम्न प्रकार है—1984—75750 रु.; 1985—93,000 रु.; 1986 — 93750 रु.; 1987 — 1,12,500 रु.

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनाएं इस प्रकार उपलब्ध हैं।

(i) 1 जुलाई 1986 को प्लान्ट एवं मशीनरी के सम्बन्ध में बड़ा मरम्मत का कार्य किया गया था जिस पर 22,500 रु. लागत आई और इसे आयगत खर्चा मान कर लाभ हानि खाते में लिख दिया गया। यह निश्चित हुआ कि ख्याति का मूल्य निर्धारित करने के लए इस राशि का पूंजीकरण किया जाए और क्रमागत ह्रास विधि द्वारा 20% वार्षिक दर से ह्रास का समायोजन किया जाए।

(ii) 1985 वर्ष के लिए अन्तिम रहतिये का मूल्य 9,000 रु. अधिक लगा दिया दिया।

(iii) ख्याति के मूल्यांकन हेतू प्रबन्धकीय लागत के सम्बन्ध में 18,000 रु. वार्षिक चार्ज (Annual Charge) का प्रावधान करना है।

ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Ans. Rs. 1,99,500

भारित औसत लाभ विधि
(Weighted Average Profit Methods)

Problem 3. Compute the value of goodwill of X Ltd. on the basis of 2 year's purchase of the weighted average profits of past four years. The appropriate weights to be used are 1, 2, 3 and 4 for the profits of respective years. The profits of the last four years were as follows—

1990 — Rs. 72,000, 1991 — Rs. 90,000, 1992 — Rs. 1,08,000, 1993 — Rs. 1,26,000

Following additional information is available about the business of X Ltd.

(i) Profits of 1990 includes Rs. 9,000 income on Govement Securities.

(ii) Abnormal profits of Rs. 7,200 are included in the profits of 1991.

(iii) Profits of 1992 were reduced by Rs. 6,000 due to an extraordinary loss an account of fire.

(iv) Profits of 1993 included non-recurring income of Rs. 12,000.

(v) Fair remuneration to Manger of X Ltd. Rs. 9,600 per annum had not been taken into account.

पिछले चार वर्षों के भारित औसत लाभ के दुगने के बराबर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए। विभिन्न वर्षों के लाभों के लिए उपयुक्त भार जो प्रयोग करने हैं इस प्रकार हैं—एक, दो, तीन तथा चार। पिछले चार वर्षों के लाभ निम्न प्रकार थे—

1990 — 72,000 रु.; 1991 — 90,000 रु.; 1992 — 1,08,000 रु.; 1993 — 1,26,000 रु.।

एक्स लि. के व्यवसाय के सम्बन्ध में निम्न अतिरिक्त सूचनाएं उपलब्ध हैं।

(i) 1990 के लाभ में 9,000 रु. सरकारी प्रतिभूतियों की आय शामिल हैं।

(ii) 1991 के लाभों में 7,200 रु. असामान्य लाभ शामिल है।

(iii) 1992 के लाभ असामान्य हानि के कारण 6,000 रु. से कम हो गए हैं क्योंकि माल आग लगने से नष्ट हो गया।

(iv) 1990 के लाभों में 12,000 रु. की एक अनावर्ती प्रकृति की आय सम्मिलित है।

(v) प्रबन्धक का उचित परिश्रमिक 9,600 रु. प्रतिवर्ष जिसे लाभ निकालने के लिए ध्यान में नहीं रखा गया है।

Ans. Rs. 2,05,200

अधिलाभ विधि
(Super Profit Method)

Problem 4. The following information relates to the business of M/S Naresh Brothers.

(i) Net trading profits of the firm for the past four years (After taxation) were Rs. 1,20,000, Rs. 1,00,000; Rs. 60,000 and Rs. 80,000.

(ii) Average Capital employed in the business — Rs. 4,80,000.

(iii) Reasonable rate of return expected in the similar business is 12%.

(iv) Fair remuneration to the partners for their services is Rs. 16,000 per annum.

Find out the value of goodwill on the basis of 2 year's purchase of the annual average super profits.

निम्नलिखित सूचनाएं मैसर्स नरेश एण्ड ब्रदर्ज के व्यवसया से सम्बन्धित हैं।

(1) गत चार वर्षों के फर्म के शुद्ध व्यापारिक लाभ (कर के बाद) निम्न प्रकार थे—

1,20,000 रु.; 1,00,000 रु.; 60,000 रु.; 80,000 रु.।

(i) व्यापार में लगी हुई औसत पूंजी 4,80,000 रु.।

(ii) उसी प्रकार के व्यापार में लाभ की उचित दर 12% है।

(iii) साझेदारी की सेवाओं के लिए उचित पारिश्रमिक 16,000 रु. वार्षिक है।

(iv) वार्षिक औसत अधिलाभों के दो गुने के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Ans. Rs. 32,800

Problem 5. X and Y are equal partners. Their Balance sheet as on 31 st March. 1997 was as follows—

	Rs.		Rs.
Creditors	2,25,000	Cash at Bank	2,02,500
Capitals :	7,87,500	Debtors	1,87,500
X	6,75,000	B/R	78750
Y		Stock	1,50,000
		Building	4,12,500
		Plant and Machinery	6,56,250
	16,87,500		16,87,500

All the assets are worth theri Book-Values except Building and Plant which are valued at Rs. 7,08,750 and Rs. 5,47,500 respectively. The average profits for the past five years are Rs. 2,10,000 the trend of profit being higher each year. The published market price of a share in a company doing similar business is 3 times its paid up value on the basis of 30% dividend.

The partners wish to sell their business. They ask you to advise them about the reasonable selling price. Goodwill is to valued at 3 year's purchase of the super profits. Ignore taxation. [M.D.U. 1991 Sept. Modified]

Ans. Goodwill—Rs. 1,35,000; Selling price of business = Rs. 17,85,000

Nonnal state 9 return $\frac{DPS}{MPS}$ 100 = $\frac{30 \times 100}{300}$ 10%

Problem 6. The Balance-Sheet of Mr R on 31st December 1997 is given as under:

	Rs.		Rs.
Bills Payable	72000	Cash of Bank	1,80,000
Creditors	2,88,000	Stock	28,800
Capital	9,00,000	Furniture	7,200
		Plant and Machinery	3,96,000
		Land and Building	6,48,000
	12,60,000		12,60,000

The profits of the business for the five years ending 31st December, 1997 are:—1993 — Rs. 1,44,000; 1994 Rs. 1,51,200; 1995—Rs. 1,62,000; 1996 — Rs. 1,80,000; 1997 — Rs. 1,90,800.

The Assets are revalued as under :—Land and Building Rs. 6,98,400; Plant and Machinery Rs. 4,24,800 and furniture Rs. 3,600. No remuneration was charged by R though he was engaged in the business. Find out goodwill by capitalisation Method. Normal rate of return is similar type of business is 10% .

व्यवसाय के लाभ 31 दिसम्बर, 1997 तक पाँच वर्ष के निम्नांकित हैं। 1993 —1,44,000 रु.; 1994 — 1,51,200 रु.; 1995 — 1,62,000 रु.; 1996 — 1,80,000 रु.; 1997 — 1,90,800 रु.।

सम्पत्तियों का मूल्यांकन निम्न प्रकार है—भूमि और भवन 6,98,400 रु., प्लान्ट एवं मशीनरी 4,24,800 रु. तथा फर्नीचर 3600 रु. आर ने कोई पारिश्रमिक नहीं लिया यद्यपि वह अच्छी तरह से व्यवसाय में लगा है। पूंजीकरण विधिकरण विधि द्वारा ख्याति की राशि निकालिए। साधारण आय की दर 10% है।

Ans :—Goodwill on Capitalisation of Actual Average profits Rs. 5,49,000 ; Capitalisation of Super Profits = Rs. 5,49000 Super Profits = 54,900

Hint :—(i) Average Capital employed is being taken into consideration for the purpose of valuation of goodwill.

(ii) Fair remuneration of R assumed Rs. 19,800.

Problem 7. The Balance-Sheet of a company as on 31 st Dec. 1987 is as follows:—

	Rs.		Rs.
Share Capital	4,80,000	Fixed Assets	7,20,000
Reserves	1,20,000	Goodwill	72,000
10% Debentures	3,60,000	Current Assets	6,36,000
Creditors	3,04,000	Preliminary expenses	36,000
Bills Payable	2,00,000		
	14,64,000		14,64,000

Profits of the last five years (before providing for income tax @ 50% have been as follows :1983—Rs.72000; 1984—Rs.1,44,000; 1985—Rs.l,20,000; 1986—Rs.l,92,000; 1987—Rs. 1,80,000

The Market value of furniture included in fixed Assets is Rs. 1,20,000 more. Expected Rate of return is 10% calculate the value of goodwill of company according to capitalisation Method.

पिछले पांच वर्षों के लाभ (50% की दर से आयकर लगाने से पूर्व) निम्नलिखित थे—1983 — 72,000 रु. 1984 — 1,44,000 रु. 1985 — 1,20,000 रु. 1986 — 1,92,000 रु. 1987 — 1,80,000 रु.

स्थायी सम्पत्तियों में सम्मिलित फर्नीचर का बाजार मूल्य 1,20,000 रु. अधिक है। अनुमानित आय की दर 10% रु. है। पूंजीकरण विधि के अनुसार कम्पनी की ख्याति का ज्ञात कीजिए।

Ans. :—Average Capital Employed — Rs. 5,22,000, Goodwill — Rs. 1,86,000

Problem 8. S is willing to sell this business to R. S has earned a profit in the past of Rs. 1,60,000 per annum. It is considered that such average profit fairly represents the profit fairly to be earned in future except that :

(i) Chemist's fees Rs. 10,000 charged against such profits will not be payable by R as he himself is an able chemist and can work as such.

(ii) Rent at Rs. 29,000 which had been paid by S will not be a charge in future since R owns his own premises and can supply the accommodation necessary for the staff and equipment. The value is estimated at Rs. 1,50,000.

(iii) The value of net tangible assets of the business was Rs. 19,00,000 and it was considered that a reasonable return on capital invested for the similar business in question was 8%.

(iv) The profits of the business assets of the business S would in no way be affected by the sale of business to R and the existing goodwill was to be paid for on the basis that S's business was a continuing enterprise. Calculate the value of goodwill accoding to capitalisation Method.

Ans. Goodwill — Rs. 4,37,500

Problem 9. A Ltd. agrees to purchase the business ofB Ltd. Profits of B Ltd. for the past four years were Rs. 63,000; Rs. 10,8000; Rs. 90,000 respectively.

You are informed that Rent at Rs. 7200 per annum and maanger's salry @ Rs. 3,600 per month which have been charged against profits of B Ltd. will not be paid by A Ltd.

Net capital employed by B Ltd. was Rs. 10,80,000 and Normal rate of return for the similar business was 10%. Find out the value of goodwill by capitalisation Method.

A Ltd. B Ltd. के व्यवसाय का क्रय करने का प्रस्ताव रखती है। B Ltd. के गत वर्षों के लाभ क्रमशः 63,000 रु.; 10,8000 रु; 90,000 रु. तथा 99,000 रु. थे।

आप को सूचित किया जाता है 7,200 रु. वार्षिक किराया और 3,600 रु. मासिक प्रबन्धक का वेतन जो B Ltd. के लाभों से कहा गया है, A Ltd. को नहीं चुकाना पड़ेगा।

B.Ltd. की शुद्ध विनियोजित पूंजी 10,80,000 रु. थी और इस प्रकार के व्यवसाय में सामान्य प्रतिफल की दर 10% थी। पूंजीकरण विधि द्वारा ख्याति के मूल्य की गणना कीजिए।

Ans. :—Goodwill Rs. 3,24,000

वार्षिकी पद्धति
(Annuity Method)

Problem 9. The following particulars are available in respect of the business carried on by R :—

(i) Profit Earned :— 1993 — Rs. 60,000; 1994 — Rs. 72,000; 1995 — Rs. 66,000

(ii) Expected Rate of return 10%

(iii) Capital employed Rs. 3,60,000

(iv) Present value of an annuity of one rupee for five years at 10% Rs. 3.79

(v) The profits included non-recurring profits on average basis of Rs. 4800 out of which it was deemed that even non-recurring profits had a tendency of appearing at the rate of Rs. 1200 p.a.

Calculate Goodwill as per annuity Mehtod.

R के व्यवसाय से निम्नलिखित विवरण प्राप्त हुए–

(i) अर्जित लाभ–1993 — 60,000 रु.; 1995 — 72,000 रु.;1995 — 66,000 रु.

(ii) लाभ की सामान्य दर 10%

(iii) विनियोजित पूंजी 3,60,000 रु.

(iv) 10% पर पांच वर्षों के लिए एक रु. की वार्षिकी का वर्तमान मूल्य 3.79 रु.

(v) लाभों में 4,800 रु. औसत दर से बार–बार न होने वाले लाभ शामिल हैं जिस में यह माना गया है कि 1,200 रु. प्रति वर्ष ऐसे बार–बार न होने वाले लाभ भी हैं जिन की बने रहने की प्रवत्ति है। वार्षिक विधि से ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

Ans. :— Goodwill — Rs. 1,00,056

Problem 10. Form the following informations calculate the value of goodwill as per annuity Method.

(i) Profits for the past three years :— 1991 — Rs. 80,000; 1992 — Rs. 1,00,000 ; 1993 — Rs. 1,10,000

(ii) Profits for the 1991 has been arrived at after writing off extra-ordinary loss of Rs. 10,000 and profit for 1993 includes an extraordinary income of Rs. 6,000.

(iii) Average capital employed Rs. 8,00,000

(iv) Normal rate of return is 10%

(v) The present value of an annuity of Rs. 0.230975 for five years @ 5% is Rs. 1.

निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर वार्षिकी वत्ति के अनुसार ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

(i) पिछले तीन वर्षों के लाभ:—1991 — 80,000 रु.; 1992 — 1,00,000 रु.; 1993 — 1,10,000 रु.

(ii) वर्ष 1991 के लाभ 10,000 की असामान्य हानि अपलिखित करने के पश्चात् ज्ञात किए गए हैं तथा 1993 वर्ष के लाभों में 6,000 रु. की अनावर्ती आय सम्मिलित है।

(iii) औसत विनियोजित पूंजी 8,00,000 रु. है।

(iv) लाभ की सामान्य दर 10% है।

(v) पाँच वर्ष के लिए 5% की दर पर 0.230975 रु. की वार्षिक वति का मूल्य 1 रु.

Ans. :— Goodwill Rs. 77930.50

Hint :- Super Profit

Actual Average profit — Normal profit

Rs. 98,000 — Rs. 80,000 = Rs. 18,000

Goodwill—

When annuity is Rs. 0.230975, present value is Re. 1.

When annuity is Rs. 18,000, present value is Rs.

$$= \frac{1}{0.230975} \times 18,00 = \text{Rs. } 77930.50$$

❒

अध्याय-8

अंशों का मूल्यांकन
(Valuation of Shares)

अंशों का आशय
(Meaning of Shares)

कम्पनीज अधिनियम, 1956 की धारा 2(46) के अनुसार 'अंश' का आशय कम्पनी की पूंजी में भाग से है इसमें 'स्टॉक' (Stock) भी शामिल हैं सिवाय उस दशा को छोड़कर जहां स्पष्ट या गर्भित रूप से स्टाक और अंश में अन्तर किया जाता है। कम्पनी के स्वामित्व की इकाई एक 'अंश' या 'स्टॉक' होता है।

कम्पनी के प्रत्येक अंश पर एक मूल्य अंकित मूल्य (face value) कहा जाता है। जैसे, एक कम्पनी ने 10,000 अंश निर्गमित किये जिनमें से प्रत्येक अंश 10 रुपये का है, तो यही इस अंश का अंकित मूल्य या सम मूल्य (part value) हुआ। जब अंशों का क्रय या विक्रय किया जाता है तो इनका बाजार मूल्य ध्यान में रखा जाता है। बाजार मूल्य अंकित मूल्य से कम या अधिक हो सकता है।

अंश मूल्यांकन का आशय
(Meaning of Valuation of Share)

अंशों के मूल्यांकन का आशय इनके ऐसे मूल्यांकन से हैं जिस पर इनका क्रय विक्रय, हस्तान्तरण या कर–निर्धारित किया जाता है या जिसके आधार पर अंशधारक या अन्य किसी को अंश–पूंजी की स्थिति का सही ज्ञान प्राप्त होता है।

अंशों का मूल्य ज्ञात करना (Finding out value of shares)—जो अंश स्कन्ध विपणि (stock exchange) की सूची में सम्मिलित होते हैं, उनका मूल्य स्कन्ध विपणि की प्रतिभूतियों की छपी हुई कीमतों से ज्ञात किया जा सकता है, पर जिन अंशों का मूल्य छपता नहीं है। (unquoted shares), उनका मूल्य ज्ञात करने के लिए मूल्यांकन विधि का प्रयोग किया जाता है। बहुत बार उन अंशों का भी मूल्य मूल्यांकन विधि द्वारा ज्ञात किया जाता है जो स्कन्ध विपणि से पंजीकृत होते है क्योंकि स्कन्ध विपणि में अंशों मूल्य में उतार–चढ़ाव होने के बहुत से कारण होते हैं और इनके आधार पर निर्धारित मूल्य उचित मूल्य नहीं होता है। उपयुक्त विवरण से स्पष्ट है कि अंशों के मूल्यांकन की समस्या सभी प्रकार के अंशों के सम्बन्ध में हो सकती है।

अंशों के मूल्य निर्धारण करने की आवश्यकता
(Necessary of Valuation of Shares)

विलियन फिकिल्स के अनुसार, ''लेखाकर्म की दष्टि से अंशों के मूल्यांकन की समस्या एक कठिन समस्या है। यद्यपि उसके सिद्धान्त कठिन नहीं हैं, परन्तु उनके प्रयोग के लिए तान्त्रिक विषयों के पर्याप्त ज्ञान की आवश्यकता है।''

अंशों के मूल्यांकन की समस्या यद्यपि महत्त्वपूर्ण है पर साथ ही साथ कठिन भी है। निम्नांकित दशाओं में अंशों का मूल्यांकन करना आवश्यक होता हैः

1. **एकीकरण पर (On Amalgamation)**—जब दो या दो से अधिक कम्पनियों का एकीकरण होता है तब कम्पनियों के अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है।
2. **अंशों के परिवर्तन पर (On Conversion of Shares)**—कभी–कभी ऐसी भी परिस्थितियों आ जाती हैं जबकि एक प्रकार के अंशों का परिवर्तन दूसरे प्रकार के अंशों में किया जाता हैं ऐसी दशा में अंशों के मूल्यांकन की सम्भावना हो सकती है।

3. **कम्पनी के संविलयन पर (On Absorption of a Company)**—जब एक कम्पनी का संविलयन दूसरी कम्पनी में होता है उस समय अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है।
4. किसी ऐसी कम्पनी के अंश क्रय करने के लिए मूल्यांकन जिस पर नियन्त्रण करना हो।
5. राष्ट्रीयकरण की दशा में सरकार द्वारा अंशों की क्षतिपूर्ति के लिए मूल्य निर्धारण।
6. ऐसे अंशों की बिक्री होने पर जिनका मूल्य प्रकाशित नहीं किया जाता है।
7. **कम्पनी के पुनर्निर्माण पर (On the Reconstruction of the Company)**—जब कम्पनी अधिनियम के अनुसार कम्पनी का पुनर्निर्माण होता है और इसकी सहमति कुछ अंशधारी नहीं देते हैं तो इनके अंशों का मूल्यांकन कर इन्हें भुगतान कर दिया जाता है।
8. एक प्राइवेट कम्पनी के अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता इस कम्पनी की बिक्री के समय या इसकी सही वित्तीय स्थिति का ज्ञान प्राप्त करने के समय पड़ती है।
9. मत्यु कर, सम्पत्ति कर एवं उपहार कर निर्धारण करने पर यदि सम्बन्धित सम्पत्ति में अंश हैं।
10. प्रन्यास और वित्तीय कम्पनियों के चिट्ठे की सम्पत्तियों का मूल्यांकन करने के लिए।
11. जब बैंक अंशों की प्रतिभूति पर ऋण देते हैं तो अंशों के मूल्यांकन आवश्यक पड़ती है।
12. कुछ विशेष दशाओं में ऋणें व दायित्वों का भुगतान करने के लिए।
13. खान की सम्पत्तियों के विघटन होने पर, अवशिष्ट मूल्य का ज्ञान प्राप्त करने के लिए।
14. अन्य किसी दशा में जबकि ऐसा करने से विशेष ज्ञान प्राप्त होने की सम्भावना हो।

अंशों का मूल्य के प्रकार
(Types of Value of Shares)

अंशों का मूल्य निम्न प्रकार का हो सकता है :

(1) सम मूल्य (Par Value); (2) पुस्तकीय मूल्य (Book Value); (3) बाजार मूल्य (Market Value); (4) लागत मूल्य Cost Value); (5) पूंजीकृत मूल्य (Capitalised Value); (6) आन्तरिक मूल्य (Intrinsic Value); (7) उचित मूल्य (Fair Value).

1. **सम मूल्य**—कम्पनी के पार्षद सीमानियम में कम्पनी की पूंजी के प्रत्येक अंश का जो मूल्य अंकित रहता है उसे ही सम मूल्य कहा जाता हैं जैसे एक अंश दस रुपये का है और इसका बाजार मूल्य भी 10 रु. ही है तो इसका मूल्यांकन सम मूल्य कहा जाता है। पूंजी का निर्गमन इससे कम या अधिक पर किया जा सकता है। अंकित मूल्य से अधिक की राशि को 'प्रीमियम' और कम राशि को 'कटौती' कहा जाता है।
2. **पुस्तकीय मूल्य**—अंश के पुस्तकीय मूल्य का आशय कम्पनी की पुस्तकीय पूंजी में अंशों की संख्या का भाग देने से आने वाले मूल्य से है। पुस्तकीय पूंजी का आशय अंश पूंजी संचय एवं आधिक्य की राशि से है। इसी पुस्तकीय मूल्य को अंशधारियों की समता (Shareholders' Equity) या स्वामियों की समता (Owners' Equity) कहा जाता है।
3. **बाजार मूल्य**—अंश के बाजार मूल्य का आशय उस मूल्य से है जिस पर अंश का क्रय–विक्रय अंश बाजार (Share Market) में होता है। अंश बाजार का आशय यहां स्कन्ध विपणि (Stock exchange) से है।
4. **लागत मूल्य**—अंश के लागत मूल्य का आशय उस मूलय से है जो एक अंशधारी को एक अंश का धारक बनाने के लिए व्यय करना पड़ता हैं इसमें अंश का बाजार मूल्य और दलाली आदि के व्यय की शामिल रहते हैं।
5. **पूंजीकृत मूल्य (Capitalised Value)**—कम्पनी की उपार्जन क्षमता का पूंजीकरण विनियोगों पर आय की सामान्य दर के आधार पर किया जाता है। इस पूंजीकृत मूल्य में अंशों की संख्या का भाग देकर एक अंश का मूल्य निकाला जाता है।

6. **आन्तरिक मूल्य**—एक निश्चित तिथि पर कम्पनी की सम्पत्तियों के प्राप्त मूल्य में से उसी तिथि के कम्पनी के बाह्य दायित्वों को घटाने के बाद शेष आने वाली राशि में अंशों का भाग देकर जो राशि प्राप्त होती है वह कम्पनी के अंशों का आन्तरिक मूलय माना जाता है।
7. **उचित मूल्य**—अंशों के आन्तरिक मूल्य व बाजार मूलय के जोड़ में दो का भाग देने से आने वाला मूल्य अंशों का उचित मूल्य कहा जाता है।

अंशों के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्व
(Factors Affecting Value of Shares)

अंशों के मूल्यांकन के सम्बन्ध में निम्नांकित तथ्य महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि ये अंशों को प्रभावित करते हैं :

1. व्यवसाय की प्रकृति (Nature of Business)
2. कम्पनी के उपार्जन शक्ति (Earning Capacity of the Company)
3. गत वर्षों में कम्पनी द्वारा घोषित लाभांश (Dividends declared by the Company in previous years)
4. कम्पनी की शुद्ध मूर्त सम्पत्तियां (Net Tangible Assets of the Company)
5. कम्पनी का पूंजी ढांचा (Capital Structure of the Company)
6. कम्पनी द्वारा उत्पादित माल की ख्याति (Goodwill of the product produced by the Company)
7. इस कम्पनी में अन्य पक्षों के विनियोग (Investment of other Parties in this Company)
8. प्रतियोगिता की सीमा (Limit of Competition)
9. अंशधारियों की संख्या (Number of Shareholders)
10. संचालकों की योग्यता, क्षमता एवं अनुभव (Qualification, Capacity and Experience of the Directors)
11. अंशों की मांग एवं पूर्ति (Demand and Supply of Shares)
12. कम्पनी के भविष्य में प्रगति की सम्भावना (Possibility of Progress of Company in Future)
13. कम्पनी पर सरकारी नियन्त्रण की सीमा (Scope of Government Control over Company)
14. देश में शान्ति एवं सुरक्षा की स्थिति (Position of Peace and Security in the Country)
15. राजनीतिक दशाएं (Political Conditions)
16. विनियोगों पर देश में प्रतिबन्ध (Restrictions of Investments in the Country)

धन-कर के लिए अंशों का मूल्यांकन
(Valuation of Shares for Wealth-Tax)

ऐसे अंशों का मूल्यांकन जो स्कन्ध विपणि में quote किये जाते हैं:

जब एक कम्पनी के अंश नियमित रूप से स्कन्ध विपणि में व्यवहारित (deal) किये जाते हैं या व्यवसाय की साधारण दशा में इन पर व्यवहार किया जाता है तो जिस दिन मूल्यांकन होता है उस दिन स्कन्ध विपणि बन्द होते समय अंशों को जो Quotation होता है वहीं अंशों का मूल्यांकन माना जाता हैं यदि उस दिन का कोई Quotation नहीं है तो उस दिन के ठीक पहले का जो भी Quotation उपलब्ध होता है उसी पर उन अंशों का मूल्यांकन किया जाता है।

वर्ष 1993-94 के धन—कर के लिए 31 मार्च, 1992 के स्कन्ध विपणि के Quotation के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है लेकिन ऐसा करते समय स्कन्ध विपणि (Stock exchange) से इस तथ्य का एक प्रमाण पत्र ले लिया जाता है कि ये अंश ऐसे हैं जिन पर नियमित रूप से (Regularly) स्कन्ध विपणन किये जाते हैं या व्यवसाय की साधारण दशा में इन पर व्यवहार किये जाते हैं।

कर–निर्धारण वर्ष 1992-93 से करदाताओं का एक विकल्प यह भी है कि वह 31 मार्च, 1992 के स्कन्ध विपणि के मूल्यांकन तथा इससे पहले के नव वर्षों (Nine Years) के इसी तारीख के मूल्यांकनों का औसत मूल्य निकाल लें और इसी औसत मूल्य पर धन–कर के लिए कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन किया जा सकता है। यदि गत नव वर्षों से कम वर्षों के मूल्यांकन उपलब्ध हों तो उन वर्षों के औसत मूल्यांकन को ज्ञात किया जाता है।

ऐसे पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन जो स्कन्ध विपणि में Quote नहीं किये जाते हैं (Valuation of such Preference Shares which are not quoted in Stock Exchange)

1. यदि पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश दर 8% है या इससे अधिक है, जो इन अंशों पर भुगतान की गयी राशि पर ही इनका मूल्यांकन किया जाता है।
2. यदि पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की दर 8% से कम है तो इनकी समायोजित दत्त राशि (Adjusted paid up value) पर इनका मूल्यांकन किया जाता है।

समायोजित दत्त राशि निम्न प्रकार निकाली जाती है :

दत्त पूंजी x लाभांश की दर %8

Paid up Capital × Rate of Dividend %8

यदि कोई कम्पनी अंशों के मूल्यांकन की तिथि एक लगातार तीन वर्षों या इससे अधिक तक के लिए unquoted पूर्वाधिकार अंशों पर कोई लाभांश भुगतान नहीं करती है, तो इन पर एक और कटौती दत्त मूल्य (paid up value) या समायोजित दत्त मूल्य (adjusted paid up value) पर दी जाती है। इसका वर्णन निम्नांकित है :

Number of accounting year ending on Valuation date	Reduction in Non-Cumulative Pref. Shares	Reduction in Cumulative Pref. Shares
3	10%	5%
4	30%	15%

कम्पनी को छोड़कर ऐसी कम्पनी के समता अंशों का मूल्यांकन जो स्कन्ध विपणि पर Quote नहीं किये जाते हैं (Valuation of Unquoted Equity Shares of a Company other than Investment Co.)

इस प्रकार के अंशों का मूल्यांकन Break value के आधार पर निम्न प्रकार किया जाता हैः

मूल्यांकन की तिथि पर कम्पनी के चिट्ठे में प्रदर्शित सम्पत्तियों के मूल्य का जोड। इस उद्देश्य के लिए निम्नांकित को सम्पत्ति नहीं माना जाता है :

1. आय–कर के लिए भुगतान की गयी अग्रिम राशि।
2. लाभ–हानि खाते की डेबिट बाकी।

उपर्युक्त विधि से निकाले हुए सम्पत्तियों के मूल्यांकन से, चिट्ठे की विधि के दायित्वों को घटाया जाता है। इसके लिए निम्नांकित को दायित्व नहीं माना जाता हैः

1. समता अंशों पर दत्त पूंजी।
2. पूर्वाधिकार अंशों एवं समता अंशों के लाभांश भुगतान के लिए किया गया संचय।
3. संचय, चाहे जिस नाम से किया गया हो लेकिन ह्रास संचय नहीं।
4. लाभ–हानि खाते की क्रेडिट बाकी।
5. करारोपण के लिए प्रावधान।
6. संदिग्ध दायित्वों की राशि, लेकिन इसमें संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर देय लाभांश की अवशिष्ट राशि (arrears) को शामिल नहीं किया जाता है।

उपर्युक्त के वर्णन के आधार पर सम्पत्तियों का दायित्वों पर जो आधिक्य होता है वही समता अंशों का मूल्य माना जाता है। इस आधिक्य की राशि को समता अंशों की संख्या से भाग देकर एक अंश का मूल्य निकाला जा सकता है इसी मूल्य को Break up Value कहा जाता है।

इस मूल्य में से सभी दशाओं में 20% कटौती मान्य है और शेष 80% को Unquoted समता अंशों का मूल्य माना जाता है। उपर्युक्त को सूक्ष्म में निम्न प्रकार प्रकट किया गया है:

$$\frac{\text{Total of Real Assets - Liabilities}}{\text{No. of Equity Share}} = \text{Break up value of each Equity shares}$$

Break-up value - 20% for discount = 80% of Break up value यही 80% मूल्य Unquoted अंशों के मूल्य को प्रदर्शित करता है।

अंशों के मूल्यांकन की विधियां
(Mehods of Valuation of Shares)

अंशों के मूल्यांकन का अभिप्राय अंशों के ऐसे मूल्य निर्धारण से है, जिस पर अंशों के हस्तांतरण, कर निर्धारण तथा क्रय विक्रय किया जाता है। अंशों के मूल्य के आधार पर अंशधारी या अन्य किसी विनियोजक को अंश पूंजी की स्थिति का ज्ञान होता है।

अंशों के मूल्यांकन की समस्या अति महत्त्वपूर्ण है। पर कठिन भी है। जो अंश स्कन्ध विनियम (Stock Exchange) में सूचीबद्ध होते है। इन का मूल्यांकन प्रतिभूतियों की दैनिक मूल्य सूची की सहायता से किया जा सकता है। परन्तु जिन अंशों का मूल्य छपता नहीं है उन का मूल्यांकन करने के लिए अनेक विधियों का प्रयोग किया जाता है अंशों के मूल्यांकन की विधियां, मूल्यांकन के उद्देश्य तथा अंशों के मूल्यांकन को प्रभावित करने वाले घटकों पर निर्भर करती है। साधारण तथा अंशों के मूल्यांकन की निम्न तीन महत्त्वपूर्ण विधियां है।

(Methods of Valuation of Shares)
अंशों के मूल्यांकन की विधियां

Net Assets Method	Yield Method	Fair Value Method
शुद्ध सम्पत्ति विधि	आय विधि	Or Average Method
	औसत विधि	

Dividend yield method — Earning Capacity Method

1. शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method)—इस विधि में अंशों का मूल्य ज्ञात करने के लिए कम्पनी शुद्ध सम्पत्तियों (Net Assets) को अंशों की संख्या से भाग कर दिया जाता है और जो शेष आता है वहीं अंश का मूल्य होता है। इस विधि को अनेक नामों से जाना जाता है। जैसे—(i) Asset Valuation Method or Assets Backing Method (सम्पत्ति मूल्यांकन विधि, (ii) पूंजी मूल्यांकन विधि (Capital Valuation Method); (iii) आन्तरिक मूल्य विधि (Intrinsic Value Method); (iv) समापन मूल्य विधि (Break up Value Method) (v) तथा शुद्ध सम्पत्ति मूल्यांकन विधि (Net Assets Valuation Method)

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Number of shares}}$$

Net Assets :—Realisable value of Real Assets – External Liabilities

इस विधि के अन्तर्गत शुद्ध सम्पत्तियों (Net Asset) की गणना चालू व्यवसाय मूल्य (Going Concern value) अथवा समापन मूल्य (Break up value) के आधार पर की जा सकती है।

चालू व्यवसाय मूल्य के आधार पर सम्पत्तियों का मूल्यांकन (स्थायी एवं चालू सम्पत्तियां) वसूली मूल्य पर किया जाता है अर्थात् जिस पर एक क्रेता, इन के उपयोग द्वारा उचित लाभ कमाने के लिए, इन्हें खरीदने के लिए तैयार होगा। इस दष्टिकोण से सम्पत्तियों को मूल्यांकन यह मान कर किया जाता है कि संस्था का व्यवसाय चलता रहेगा। समापन मूल्य के आधार पर अंशों का मूल्यांकन यह मान कर किया जाता है कि यदि कम्पनी का समापन हो जाए तो प्रत्येक अंशधारी को क्या मिलेगा? अर्थात् कम्पनी के समापन के समय सम्पत्तियों को बेच कर कितनी राशि वसूल होगी और दायित्वों का भुगतान करने के पश्चात् अंशधारियों को क्या मिलेगा?

इस विधि के अनुसार अंशों का मूल्य ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित बातें ध्यान देने योग्य है।

(1) सम्पत्तियों का निर्धारण (Ascertainment of Assets)—

(i) सभी सम्पत्तियों (केवल कृत्रिम सम्पत्तियों को छोड़कर) को बाजार मूल्य चालू प्रतिस्थापन मूल्य (Market Value or Revalued Price or Current Replacement Value) पर जोड़ना हैं कृत्रिम सम्पत्तियों (Fictitious Asset) जैसे अभिगोपन कमीशन, प्रारम्भिक व्यय तथा अंश एवं ऋण पत्र निर्गमन पर छूट आदि को कुल सम्पत्तियों में शामिल नहीं करना है। जब तक प्रश्न में कुछ विपरीत न कहा गया हो ख्याति को भी सम्पत्तियों में शामिल करना है। अन्य अमूर्त सम्पत्तियों (Intangible Assets) जैसे ट्रेड मार्क, पेटेन्ट तथा कापीराइट चाहे इन्हें आर्थिक चिट्ठे में दिखाया गया हो या नहीं कुल सम्पत्तियों में शामिल किया जाना चाहिए।

(ii) देनदारों का मूल्यांकन करते समय संदिग्ध ऋणों के पर्याप्त आयोजन होना चाहिए।

(iii) अंशों एवं ऋणपत्रों में किये गए विनियोगों को बाजार मूल्य पर दिखाना चाहिए।

(iv) सम्पत्तियों का मूल्यांकन वर्तमान वसूली मूल्य पर किया जाना चाहिए क्योंकि सम्पत्तियों का पुस्तक मूल्य उनके बाजार मूल्य से भिन्न होता है।

(2) दायित्वों का निर्धारण (Ascertainment of Liabilities)—दायित्व का अभिप्राय बाहरी दायित्वों (External Liabilities) से है। इनका भुगतान कम्पनी, अंशधारियों को छोड़ कर अन्य व्यक्तियों को करती है। व्यवसायिकों अथवा बाहरी दायित्वों का निर्धारण करने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

(i) आर्थिक चिट्ठे में दिखाए गये सभी दायित्वों को शामिल चाहिए। ऐसे दायित्व जो चिट्ठे में नहीं दिखाए गये हैं या ऐसे दायित्व जो संभाव्य (contigent) हैं, उन में से जिन दायित्वों के होने की संभावना है को भी दायित्वों में शामिल करना चाहिए।

(ii) अंशों का लाभांश सहित (Cum Dividend) मूल्य निकालते समय प्रस्तवित लाभांश (Proposed Dividend) को दायित्वों में शामिल नहीं करना चाहिए। परन्तु अंशों का लाभांश रहिह (Ex-dividend) मूल्य निकालने के लिए प्रस्तावित लाभांश को दायित्वों में शामिल करना चाहिए।

(iii) पूर्वाधिकार अंशों को भी युद्ध सम्पत्तियों का मूल्य ज्ञात करने के लिए ध्यान देना चाहिए। यदि पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की बकाया राशि है इसे भी दायित्वों में शामिल करना चाहिए (केवल उस स्थिति में जब पूर्वधिकार अंशों को कम्पनी के पार्षद अन्तर्नियमों के अनुसार प्राथमिकता (priority) हो।)

(iv) आय कर के सम्बन्ध में समुचित प्रावधान (provision) करना चाहिए।

(3) शुद्ध सम्पत्तियों की गणना करना (Calculation of Net Assets)—उपरोक्त विधि से सम्पत्तियों एवं दायित्वों का निर्धारण कर के, सम्पत्तियों की पुनर्मूल्यांकित राशि में से बाहरी दायित्वों को घटा कर शुद्ध सम्पत्तियों की गणना करनी चाहिए। शुद्ध सम्पत्तियों को ज्ञात करने की दो विधियां है—

(1) प्रथम विधि (First Method):—Net Assets

Gross Realisable Value of the Assets (or Assets at Market value)

			Rs.		
Goodwill			......		
Land and Building			......		
Pland and Machinery			......		
Investments			......		
Furniture			......		
Stock			......		
Bills Receivable					......
Debtors (Book Debts)			......		
Cash in hand			......		
Cash in Bank			......		
Others			......		
Total Realisable Value of Assets				......	
Less :- External Liabilities :					
Debentures	......				
Creditors	......				
Bills Payable	......				
Other Liabilities		......	......		
Balance					
Less Pref Share Capital (paid up value)					
Balance available for equity Shareholders					

Net Assets :—Realisable value of Real Assets
Outside Liabilities (including Preference Share Capital)
= Revalued Assets—Revalued Liabilities
= Intrinsic Value or Break up Value

(2) द्वितीय विधि (Second Method) :

Net Assets :—

Equity Share Capital + Reserves and Surplus + Accumulated profits + Profit on Revaluation of Assets—Accumulated loss—Loss on Revaluation of Assets—Preliminary Expenses

उपरोक्त विधियों में से किसी भी विधि द्वारा शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य ज्ञात करते तथा अंशों की संख्या से भाग देकर अंश मूल्य ज्ञात किया जा सकता है।

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Net Assets available for equity shareholders}}{\text{Number of shares}}$$

Difficulties in Asset Valuation Method OR Net Asset Method

(i) सम्पत्तियों का मूल्य निर्धारण करने में कठिनाई (Difficulty in Valuation of Assets)—सम्पत्तियों का मूल्यांकन किस मूल्य पर किया जाए जैसे समापन मूल्य (Break up value), बाजार मूल्य (Market Value) वर्तमान वसूली मूल्य (Current Realisable value), प्रतिस्थापित मूल्य (Replacement value) अथवा चालू व्यवसाय मूल्य (Going concern value) इन में से किस मूल्य को आधार बनाया जाए एक कठिन समस्या है।

(ii) दायित्वों का मूल्य निर्धारण करने में कठिनाई (Difficulty in ascertainment and valuation of Liabilities)—आर्थिक चिट्ठे में दिखाया गए सभी दायित्व वास्तविक नहीं होते। दायित्वों की वास्तविक राशि चिट्ठे में दिखाई गई राशि से अधिक या कम हो सकती है क्योंकि कुछ दायित्वों के लिये जो प्रावधान या आयोजन किये जाते हैं वे अनुमानित होते हैं। ऐसे दायित्व भी होते हैं जिन्हें चिट्ठे में नहीं दिखाया जाता, उन का मूल्यांकन भी कठिन समस्या है। साम्भावित दायित्वों का निर्धारण करना भी एक कठिनाई है।

सम्पत्ति मूल्यांकन विधि के दोष
(Disadvantages of Assets Valuation Method)

(1) सम्पत्तियों का उचित मूल्य निर्धारण करने में कठिनाई आती है।

(2) इस पद्धति में कम्पनी की लाभोपार्जन क्षमता (Earning Capacity) को ध्यान में नहीं रखा जाता।

(3) दायित्वों का उचित मूल्य निर्धारण करने में कठिनाई आती है।

(4) यह पद्धति निराशवादी दष्टिकोण को अपनाती है क्योंकि यह इस धारणा पर आधारित है कि यदि कम्पनी का समापन हो जाए तो अंशधारी को क्या मिलेगा।

(5) इस पद्धति में अंशों का मूल्यांकन केवल सम्पत्तियों के आधार पर होता है जबकि अंशों का मूल्य अनेक घटकों जैसे प्रतिस्पर्धा व्यवसाय की प्रकृति, घोषित लाभांश, कम्पनी का पूंजी ढांचा, कम्पनी की भावी योजनाएं आदि द्वारा प्रभावित होता है।

उपरोक्त विधि में अनेक कमियां होते हुए भी कम्पनी के एकीकरण, संविलयन एवं पुनर्निर्माण की दशा में Purchase consideration की गणना हेतु इस का प्रयोग होता है। उपहार के कर, धन कर तथा सम्पत्ति कर तथा वैधानिक मूल्यांकन के निर्धारण के लिए भी इस शुद्ध सम्पत्ति विधि का प्रयोग किया जाता है। ऐसी कंपनियों जो निरन्तर हानि पर चल रही है और भविष्य में लाभ होने की संभावना न हो के अंशों का मूल्यांकन करने के लिए भी इसी पद्धति का प्रयोग किया जाता है। ऐसी कम्पनी के अंशों का मूल्य निर्धारित करने के लिए यह विधि उपयुक्त है, जिस की अधिकांश सम्पत्तियां तरल रूप में हों और उन्हें शीघ्रता से वसूल किया जाता हो।

(चित्रों में एक ही श्रेणी के समता अंशों का होना)

Illustration 1.

On 31st December 1997, The Balance-Sheet of R Ltd disclosed the following position—

	Rs.		Rs.
20,000 equity Shares of		Fixed Assets	2,50,000
Rs. 10 each	2,00,000	Current Assets	1,00,000
Reserve fund	15,000	Goodwill	20,000
Profit and Loss Account	40,000		
10% Debentures	50,000		
Current Liabilities	65,000		
	3,70,000		3,70,000

On 31st December, 1997, the fixed Assets were valued at Rs. 1,5,000 and the goodwill at Rs. 25,000. compute the value of the company's Shares by the net asset Method.

31 दिसम्बर, 1997 को स्थायी सम्पत्तियों का मूल्यांकन 1,75,000 रु. पर किया गया तथा ख्याति का 25,000 रु.। शुद्ध सम्पत्ति विधि से अंशों का मूल्य ज्ञात कर लेना चाहिए।

Solution :—Calculation of Net Assets

	Rs.	
Goodwill as per valuation		25,000
Fixed Assets		1,75,000
Current Assets		1,00,000
Total Value (realisable) of assets		3,00,000
Less : Liabilities :—		
10% Debentures	50,000	
Current Liabilities	65,000	1,15,000
Net Assets		1,85,000

$$\text{Intrinsic value of Share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Number of equity shares}}$$

$$= \text{Rs. } \frac{1,85,000}{20,000} = \text{Rs } 9.25$$

चिट्ठे में विभिन्न प्रकार की श्रेणियों के समता अंशों का होना

(Different type of equity shares with different paid up values)

जब आर्थिक स्थिति विवरण में विभिन्न प्रकार की श्रेणियों के समता अंश विभिन्न चुकता मूल्यों (Paid up value) पद दिखाए गए हो तो ऐसी स्थिति में शुद्ध सम्पत्तियों (Net Assets) को समता अंशों की चुकता पूंजी के अनुपात में बांट कर प्रत्येक श्रेणी का अलग–अलग चुकता मूल्य ज्ञात कर लेना चाहिए और प्रत्येक श्रेणी के हिस्से की शुद्ध सम्पत्तियों को उसी के अंशों की संख्या से भाग दे कर प्रति अंश मूल्य (Value) ज्ञात कर लेना चाहिए।

> Under the Net Assets valuation Method, the value per Share is calculated by valuing the assets of a company (except fictitious Assets) at current realisable value and deducting there from all the outside liabilities and claims of Preference Share holders and thus dividing the net assets by the total equity Capital paid up and then multiplying the unit value of capital by the paid up value of share.

इस प्रकार के समता अंशों का मूल्य ज्ञात करने के लिए निम्न विधि का भी प्रयोग किया जा सकता है।

(i) सर्वप्रथम शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य ज्ञात करना चाहिए।

(ii) शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य को समता अंशों की कुल चुकता पूंजी (Total Equity Capital Paid up) से भाग करना चाहिए और पूंजी का इकाई मूल्य (Unit value of Capital) ज्ञात कर लेना चाहिए।

प्रत्येक श्रेणी के अंश का मूल्य ज्ञात करने के लिए पूंजी के इकाई मूल्य (Unit Value) को उस श्रेणी के अंश के चुकता मूल्य से गुणा कर देना चाहिए।

Value of differently paid up equity Share = Paid up value of Share × Unit value of Capital

$$\text{Unit Value of Capital} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Total Equity Capital (paid up)}}$$

Illustration 2.

(Different Types of equity shares with defferent paid up values) Following is the Balance-Sheet of R Ltd. as on 31st March, 1998.

Share Capital:	**Rs.**	**Fixed Assets:**	**Rs.**
15,000 equity shares of	3,00,000	Goodwill	12,500
fully paid Rs. 20 each		Bulding	3,00,000
12500 equity shares of			
Rs. 20 each, Rs. 8 paid	1,00,000	Machinery	1,87,500
7500 equity shares of		Investment	25,000
Rs. 10 each fully paid	75,000	Current Assets	
		Stocks	1,50,000
5000 equity shares of			
Rs. 10 each Rs. 5 paid	25,000	B/R	25,000
Reserve and Surplus		Debtors	75,000
Reserve Fund	2,25,000	Cash	65,000
Profit and Loss Account	25,000	**Miscellaneous Expenditure :**	
Current Liabilities		**Preliminary expenses**	10,000
Creditors	60,000		
B/P	40,000		
	8,50,000		8,50,000

The goodwill is valued at Rs. 7,500 ; Buildings at Rs. 6,00,000 ; Machinery at Rs. 1,50,000 ; Investments at Rs. 17,500; Stock at Rs. 1,25,000; Debtors at Rs. 70,000. There was a contingent liabilities of Rs. 1,000. Determine the value of Different Shares.

ख्याति का मूल्यांकन 7,500 रु. भवन 6,00,000 रु. मशीनरी 1,50,000 ; विनियोग 17,700 रु. स्कन्ध 1,25,000 रु.; देनदार 70,000 रु. पर किया गया है। 10,000 दायित्व भी हैं। विभिन्न श्रेणी के अंशों का मूल्यांकन कीजिए।

Solution : Calculation of Net Assets :

	Rs.
Goodwill	7,500
Buildings	6,00,000
Machinery	1,50,000
Investments	17,500

Stock	1,25,000	
Debtors	70,000	
B/R	25,000	
Cash	65,000	
	10,60,000	
Less Outside Liabilities:		
Creditors	60,000	
B/P	40000	
Contingent Liabilities	10,000	1,10,000
Net Assets		9,50,000

Total Equity Capital paid up = Rs. 5,00,000

Unit Value of the Capital $= \frac{9,50,000}{5,00,000} =$ Rs. 1.90

Value of Rs. 20 paid up share = 20 × 1.90 = 38

Value of Rs. 8 paid up share = 8 × 1.90 = 15.20

Value of Rs. 10 paid up share = 10 × 1.90 = 19

Value of Rs. 5 paid up share = 5 × 1.90 = 9.50

(Partly paid up Shares when calls are to be made in near future).

जब चिट्ठी में समता अंश तथा पूर्वाधिकार अंश दोनों ही दिए हों और उन का चुकता मूल्य भी तथा कम्पनी निकट भविष्य में अंशों पर याचना राशि मांगने पर विचार रखती है। तो ऐसी स्थिति में अंशों पर unpaid and uncalled राशि को भी जोड़ दिया जाता है। और उन को (National कर के पूर्णदत्त बना दिया जाता है। शुद्ध सम्पत्तियों को अंशों की संख्या से भाग कर दिया जाता है। यह शेष पूर्णदत्त अंशों का मूल्य होता है। अंशों का आन्तरिक मूल्य (Intrinsic value) ज्ञात करने के लिए अंशों के मूल्य में से unpaid amount को घटा दिया जाता है।

> If in the Balance sheet of a company both equity and Preference shares having different paid up values are given and the company expects to call up the further capital in the near future. the the value of Shares can be calculated by adding the uncalled amount of Shares and making the capital fully paid up. Net Assets when divided by the total number of fully paid up Shares would give the value of each fully paid up Share to get the intrinric value of such Shares, the unpaid amount should be deducted from the value of fully paid up share.

Illustration 3.

The following details are available in respect of S Ltd.

Share Capital

	Rs.
I 1000 Equity Shares of Rs. 100 each, Rs. 50 called up	50,000
II 1000 Equity Shares of Rs. 100 each Rs. 25 called up	25,000
III 1000 Equity Shares of Rs. 100 each fully called up	1,00,000
IV 9% 6000 preference Shares of Rs. 100 each Rs. 50 Called up	3,00,000
	4,75,000

Reserves and Surplus.

General Reserve	2,00,000	
Profit and Loss Account	50,000	2,50,000
		7,25,000

On a fair valuation of Assets of the company, it is found that they have an appreciation of Rs. 75,000. The articles of association provided that, in case of upgradation, the preference Share holders will have a further claim to the extent of 10% of the Surplus Assets. Ascertain the value of each preference share and equity Share.

[C.A. ACS Final 1979, 1980 Modified]

Solution :

Tangible Assets		Rs.
(Share Capital + Resreves & Surplus)		7,25,000
Add increase in the value of Assets		75,000
		8,00,000
Add National Calls made :—		
1000 equity Shares @ Rs. 50 per Share	50,000	
1000 equity Shares @ Rs. 75 per Share	75,000	4,25,000
9% 6000 Preet Shares @ Rs. 50 per Share	3,00,000	12,25,000
Less Outside Liabilities :		NIL
Net Assets		12,25,000
Less 9% Pret Share Capital (fully paid)		6,00,000
		6,25,000
Less Equity Share Capital (fully paid up)		3,00,000
Less 10% Surplus transferred to preference shareholders		3,25,000
$\left(3{,}25{,}000 \times \frac{10}{100}\right)$		32,500
Surplus available for Equity Shareholders.		2,92,000

Value of Each (fully paid up equity Share) :

3,00,000 + 2,92,500 = 5,92,500 + 3000 = Rs. 197.50

Value of each Share fully paid category (III) = Rs. 197.50

Value of each Share Category (I) = Rs. 197.50 - 50 = 147.50

Value of each Share Category (II) = Rs. 197.50 - 75 = 122.50

जब चिट्ठे में समता अंशों के साथ-साथ पूर्वाधिकार अंश भी दिए हैं।

(Share Capital is composed of equity Shares and Preference-Shares)

कम्पनी के समापन के समय पूर्वाधिकार अंशों को अपनी पूंजी तथा लाभांश की बकाया राशि प्राप्त करने का पूर्वाधिकार होता है। अर्थात् समता अंशों का भुगतान करने से पूर्वाधिकार अंशों को पूंजी तथा लाभांश का भुगतान पहले करना होता है। इसलिए समता अंशों का मूल्य निकालने के लिए शुद्ध सम्पत्तियों में से पूर्वाधिकार अंशधारियों को देय पूंजी एवं बकाया लाभांश की रकम घटा देनी चाहिए। ऐसा तभी किया जाना चाहिए जब पूर्वाधिकार अंश Non-participating हो (गैर समभगी)

> In the absence of Specific provision, the preference shares mean non-participating preference shares having priority in respect of refund of capital and arrears of Dividend. Hence the claim of preference shareholders shall be deducted from the available net assets, the balance figure then should be divided by the number of equity Shares in order to get intrinsic value of equity Share.

Illustration 4.

The Balance Sheet of X Ltd. as on 31 st March, 1998 was as follows:

Share Capital		Fixed Assets	7,50,000
		Goodwill	1,25,000
4000 10% Pref. Shares	4,00,000	Investments	50000
of Rs. 100 each		(Market price 60000)	
30,000 equity Shares			
of Rs. 10 each.	3,00,000	Current Assets	2,75,000
Reserve Fund	60000	Cash at Bank	60,000
Profit and Loss A/c	1,20,000	Under writing Commission	20,000
Sinking fund.	20,000		
10% Debentures	2,00,000		
Current Liabilities	1,80,000		
	12,80,000		12,80,000

On 31st March, 1998 Fixed Assets were independly valued at Rs. 9,00,000 and the Goodwill at Rs. 1,40,000 Current Assets includes Debtors which are doubtful to the extent of Rs. 10,000. There is contingent liability and account of bill of exchange discounted which is expected to be materialised Rs. 12,000. Preference Dividends are in arrears for the last two years.

Other assets are worth their book values. Calculate the value of Shares by the Net Assets Method.

Solution : Calculation of Net Assets :

	Rs.	Rs.
Fixed Assets		9,00,000
Goodwill		1,40,000
Investments (at Market price)		60,000
Current Assets	2,75,000	
Less Doubtful debtors	10,000	2,65,000
Cash at Bank		60,000
Total Assets		14,25,000

Debtors are doubtful to the extent of Rs. 8,000 for which no provision has been made. Plant and Machinery is valued at Rs. 1,20,000. Other Assets are equal to their book values.

Dividend on Preference shares are in arrears for two year.

Your are required to value the Shares if :—

(i) When Preference Shares have priority for payment of Capital only.

(ii) When Preference Shares have no priority for repayment of capital and dividend;

(iii) When Preference Shares have priority as to payment of Capital and arreass of divident.

(iv) when Preference Shares have no priority for capital but only for arrears of dividend.

देनदारों में 8,000 रु. के संदिग्ध ऋण सम्मिलित है, जिन के लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है। प्लाण्ट एवं मशीनरी का मूल्यांकन 1,20,000 रु. पर किया गया है। अन्य सम्पत्तियों का मूल्य उन के पुस्तकीय मूल्य के बराबर है।

पूर्वाधिकार अंशों पर दो वर्ष का लाभांश बकाया है। समता अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए—

(i) पूर्वाधिकार अंशों को केवल पूंजी के भुगतान के लिए प्राथमिकता है।

(ii) जब पूर्वाधिकार अंशों पर न तो पूंजी भुगतान की और न लाभांश के भुगतान की प्राथमिकता है;

(iii) जब पूर्वाधिकार अंशों पर पूंजी भुगतान और लाभांश भुगतान की प्राथमिकता है,

(iv) जब पूर्वाधिकार अंशों पर पूंजी भुगतान की प्राथमिकता नहीं है। परन्तु लाभांश भुगतान की प्राथमिकता है।

Solution:

Calculation of Net Assets:		Rs.
Land and Buildings		1,04,000
Plant and Machinery		1,20,000
Furniture		20,000
Stock		40,000
Sundry Debtors	80,000	
Less Doubtful	8,000	72,000
Cash at Bank		50,000
	4,06,000	
Less : Liabilities :		
Creditors	39,000	
Depreciation Fund	10,000	49,000
Net assets		3,57,000

Assumption I. When Preference Shares have priority for repayment of capital only.

Net assets	3,57,000	
Less Preference Share Capital		2,00,000
Net Assets available for equity Share.		1,57,000

Value per equity Share = $\frac{1,57,000}{10,000}$ Rs. 15.70

Assumption II. When Preference Shares have no priority for repayment of Capital and divident. It means Equity Shares and Preference Shares rank equally for capital purpose.

Net Assets available to Equity and Preference Shares = Rs. 1,57,000

To find out the value of equity share & Preference share separately, the net assets of Rs. 3,57,000 to be divided in the ratio of paid up capital of pref. Shares and equity shares

i.e. Rs. 2,00,000 : Rs. 1,00,000

2 : 1

Net Assets for pref. shareholder = 3,57,000 × $\frac{2}{3}$ = Rs. 2,38,000

Net Assets to equity shareholders = 3,57,000 × $\frac{1}{3}$ = Rs. 1,19,000

(i) Value each Share = $\frac{3,57,000}{20,000 \text{ pref shares } + \text{ } 10,000 \text{ equity share.}}$ = Rs. 11.90

(ii) Value of each preference share = Rs. $\frac{2,38,000}{20,000}$ = Rs. 11.90

(iii) Value of each equity share = $\frac{1,19,000}{10,000}$ = Rs. 11.90

Assumption III. When Preferences Shares have priority as to payment of Capital and arrears of dividend.

		Rs.
Net Assets		3,57,000
Less Preference Capital		2,00,000
Preference dividend		
2,00,000 × $\frac{8}{100}$×2	32,000	2,32,000
Net assets available for equity Share		1,25,000

Value of each equIty Share = Rs. $\frac{1,25,000}{10,000}$ = Rs. 12.50

Assumption IV. When Preference Shares have no priority for capital but only for arrears for dividend.

		Rs.
Net Assets		3,57,000
Less Preference Dividend for 2 years		
2,00,000 $\frac{8}{100}$×2		32,000
Net Assets available for Equity and Preference Shares	3,25,000	

$$\text{Valur per Share} = \frac{3,25,000}{(20,000 + 10,000)} = \text{Rs.} \frac{3,25,000}{30,000} = \text{Rs. } 10.83$$

लाभांश आय विधि (Dividend yield Method or Market Value Method or Income Valuation Method.)

अंशों के मूल्यांकन की शुद्ध सम्पत्ति विधि निराशावादी दष्टिकोण पर आधारित है। क्योंकि शुद्ध सम्पत्ति विधि में कम्पनी के समापन की अभिकल्पना निहित हैं। अंशों का मूल्य निकालते समय इस बात की ओर कोई ध्यान नहीं जाता कि कम्पनी अपने अंशधारियों को कितना लाभांश देगी। नियोजक विनियोगों की आय में रुचि रखते है। इसलिए अंशों का मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि कम्पनी से अंशधारियों को कितना लाभांश मिलेगा। लाभांश ही अंशों के मूल्यांकन का आधार होता है। अंशों का जो मूल्य लाभांश के आधार पर निर्धारित किया जाता है वह आय मूल्य (Yield Value) कहा जाता है। इस विधि में विनियोजकों द्वारा अंशों से मूल्य का निर्धारण कम्पनी से मिलने वाले लाभांश का उसी उद्योग में इसी प्रकार की अन्य कम्पनियों की सामान्य आय दर (Normal Rate of Return) से तुलना करके किया जाता है।

> Investors are interested in income and hence the price they will be prepared to pay will depend upon the size of the dividends that can be expected. Thus valuation of shares on the basis of dividend expected from a company is known as Dividend Yield Method.

उपरोक्त विधि के अनुसार अंशों का मूल्य निम्न सूत्र के द्वारा निर्धारित किया जाता हैं।

$$\text{Value per Share} = \frac{\text{Expected Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up Value of Share}$$

इसे निम्नलिखित विधि से भी निकाला जा सकता है।

$$\frac{\text{Divident in terms of rupees}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100$$

उदाहरण के तौर पर कम्पनी के प्रत्येक 100 रु० के अंश पर 40 रु० चुकता है। कम्पनी 30% लाभांश घोषित करती है। उद्योग में उसी प्रकार की कम्पनियों की सामान्य आय दर (Normal Rate of Return) 20% है। अंशों का मूल्य निम्न प्रकार से ज्ञात किया जा सकता है।

(i) $\frac{30}{20} \times 40 = \text{Rs. } 60$ OR (ii) $\frac{12}{20} \times 100 = \text{Rs. } 60$

(The amount of dividend in Rupees per Share is $\frac{40 \times 30}{100} = \text{Rs. } 12$)

Element of Dividend Yield Method :

(i) Rate of Dividend (लाभांश की दर)

(ii) Normal Rate of Return (आय की सामान्य दर)

Expected Rate of Dividend—किसी भी कम्पनी के अंशों की मूल्यांकन लाभांश आय विधि द्वारा ज्ञात करने के लिए लाभांश की दर को ज्ञात करना आवश्यक है। यदि कम्पनी के लाभांश की दर प्रश्न में दी हुई हो तो इसे निकालने की आवश्यकता नहीं है। अगर कम्पनी की अनेक वर्षो की लाभांश दर प्रश्न में दी हो तो इन दरों का औसत निकाल कर जो लाभांश दर आएगी उसे ही आधार मान कर अंशों का मूल्य ज्ञात किया जाता है।

यदि लाभांश की दर न दी हो तो इसे निकालने के लिए शुद्ध लाभों में से निम्नलिखित मदों को घटा कर वह राशि ज्ञात की जाती है। जो समता अंशधारियों के वितरण के लिए उपलब्ध हैं।

शुद्ध लाभ से घटाई जाने वाली मदें
(Items to be deducted from maintainable profits)

(i) आयकर (taxation), (ii) कोष एवं संचयों के हस्तान्तरण (Transfer to Reserves), (iii) ऋण पत्र शोधन कोष में हस्तान्तरण (Transfer to Debenture Redemption Fund or Sinking Fund), (iv) पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश (Preference Dividend), (v) संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश (Arreas on cummulative Dividends)

इस प्रकार उपरोक्त मदों को घटाने से आए हुए शुद्ध लाभ को समता अंश पूंजी से भाग देकर लाभांश दर ज्ञात करनी चाहिए।

Calculation of Rate of Dividend involves :—

(1) Net profits available for distribution among equity shareholders :		
Maintainable profits		
Less :- (i) Taxation	Rs.	Rs.
(ii) Transfer to Reserves	....	....
(iii) Transfer to Debenture Redemption Fund	....	
(iv) Preference dividends	....	
(v) Arrears of cumulative dividends	....	....
(2) Dividing Net profits available for the Equity shareholers by the paid up Equity capital.		

लाभांश की दर निकालने का सूत्र :—

$$\text{Expected Rate of Divident : —} \frac{\text{Profits available for equity shareholders}}{\text{paid up equity capital}} \times 100$$

Normal Rate of Return—लाभ की सामान्य दर न्यूनतम लाभ की वह दर है जिसको प्राप्त करने के लिए प्रत्येक विनियोजक आशा करता है सामान्य आय की दर भिन्न–भिन्न उद्योगों में अलग–अलग पाई जाती है। जिन उद्योगों में जोखिम की मात्रा अधिक होती है। सामान्य आय की दर भी अधिक होगी। कम जोखिम वाले उद्योगों में यह दर कम होती है। उचित सामान्य आय दर की गणना हेतु निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

(i) ऐसी कम्पनी में जो नियमित रूप से लाभांश देती है, लाभ की सामान्य दर कम होती है।

(ii) ऐसी कम्पनी में जिसके अंश आंशिक दत्त (Partly paid up) है। सामान्य आय की दर 12% अधिक होती है।

(iii) यदि कम्पनी के अंशों के हस्तान्तरण पर प्रतिबन्ध है तो सामान्य आय की दर को 1 बढ़ा देना चाहिए।

(iv) ऐसी कम्पनी में जो नियमित रूप से लाभांश नहीं देती है, लाभ की सामान्य दर अधिक होती है।

(v) अच्छे वित्तीय प्रबन्ध वाली कम्पनियों में सामान्य आय की दर कम होती है।

(vi) यदि कम्पनी की शुद्ध मूर्त सम्पत्तियां (Net Tangible Assets) चुता अंश पूंजी के तिगुनी हो तो सामान्य आय की दर कम हो सकती है।

अधिकांश सामान्य आय की दर प्रश्न में दी जाती है।

लाभांश आय की विधि के लाभ (Advantages of Dividend Yield Method)

(i) यह विधि सरल है। अंशों का मूल्यांकन करने में किसी प्रकार की जटिलताओं का सामना नहीं करना पड़ता।

(ii) ऐसी कम्पनियां जिनमें अंशधारियों का नियंत्रण अच्छा नहीं होता, वहां यह विधि मूल्यांकन के लिए उचित मानी जाती है।

(iii) लाभांश की दर की तुलना द्वारा कम्पनी की वास्तविक स्थिति का ज्ञान प्राप्त होता है।

लाभांश आय विधि के दोष (Disadvantages of Dividend Yield Method)

इस विधि की निम्न हानियां है।

(i) इस विधि में कम्पनी की लाभ अर्जित करने की क्षमता की ओर ध्यान नहीं दिया जाता।

(ii) अंशों का मूल्य केवल लाभांश की मात्रा पर ही निर्भर नहीं करता परन्तु अनेक अन्य कारण जैसे राजनितिक, वित्तीय और आर्थिक कारणों का भी अंशों के मूल्य पर प्रभाव पड़ता है।

(iii) इस विधि के अन्तर्गत सम्पत्तियों के आधार को महत्व नहीं दिया जाता।

(iv) कुछ ऐसी कम्पनियां ऊंचे दर पर लाभांश देती हैं जिनकी वित्तीय स्थिति संतोषजनक नहीं होती, वे इसे छिपाने के लिए ऊंची दर पर लाभांश वितरित कर देती हैं।

(v) इस विधि के द्वारा कम्पनी के संचालक अंशों के मूल्य में उतार चढ़ाव लाकर सट्टे की प्रवत्ति को प्रोत्साहन देते हैं।

लाभांश आय विधि का उपयोग (Use of Dividend Yield Method)

इस विधि का प्रयोग निम्नलिखित परिस्थितियों में करना उचित है।

(i) ऐसी सार्वजनिक कम्पनियों के अंशों का मूल्यांकन करने के लिए जो Stock exchange में सूचीबद्ध नहीं है।

(ii) ऐसी कम्पनियां जिनके बाजार मूल्य में अधिक उतार चढ़ाव नहीं होते।

(iii) ऐसी सार्वजनिक कम्पनियों के अंशों का मूल्यांकन करने के लिए जिनका आकार बहुत छोटा है।

(iv) ऐसे सूचीबद्ध अंशों के लिए जिनका क्रय विक्रय कम होता है।

(v) जिन निजी कम्पनियों में ऐसे अंशधारी हों जिनका कम्पनी पर नियंत्रण नहीं है, अनेक अंशों का मूल्य इस विधि द्वारा करना उचित है।

(vi) इस विधि का उपयोग ऐसे विनियोक्ताओं द्वारा करना उचित है जो सिर्फ लाभांशों में ही सूची रखते हैं।

लाभांश आय विधि (Dividend Yield Method)

Illustration 5.

From the following information, calculate the value of an equity share by yield Method.

R. Ltd has 75,000 equity shares of Rs. 10 each. Rs. 8 paid up. The expected profits of the company before tax are Rs. 8,00,000 and the rate of tax is 60%. Normal rate of dividend is 15%. R Ltd has 10%. Preference capital of Rs. 2,00,000 dividend into the shares of Rs. 10 each. The company transfers 20% of profits to General Reserves.

आर० लि० 75,000 समता अंश 10 रु० वाले 8 रु० है। कर घटाने से पूर्व क० के अनुमानित लाभ 8,00,000 रु० है। तथा कर की दर 6% है। लाभांश की सामान्य दर 15% है। आर० लि० की 10% पूर्वाधिकार अंश पूंजी 2,00,000 रु० है जो 10 रु० वाले अंशों में विभाजित हैं। कम्पनी प्रत्येक वर्ष लाभों का 20% सामान्य संचय में हस्तान्तरित करती है।

Solution :

Value of equity Share		Rs.
Expected Profits before tax		8,00,000
Less Tax @ 60%		4,80,000
	3,20,00	
Less Transfer to General Reserve @ 20%		64,000
	2,56,000	

Less Preference Dividend

$\left(2,00,000 \times \frac{10}{100}\right)$	20,000
Profits available for equity shareholders.	2,36,000

Expected Rate of Dividend =

$$= \frac{2,30,000}{6,00,000} \times 100 = 39.33\%$$

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Expected Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid up value of share}$$

$$= \frac{39.33}{15} \times 8 = \text{Rs. } 20.976 \text{ Aprox}$$

Illustration 6.

On March 31. 1989 the Balance sheet of H.Ltd. disclosed the following position :

	Rs.		**Rs.**
Share capital in shares of		Goodwill	40,000
Rs 10 each, fully paid	4,00,000	Other fixed Assets $\frac{\text{Profit available for equity shareholders}}{\text{Paid up equity capital}} \times 100$	5,00,000
General Reserve	1,90,000		
Profit Loss Account	1,20,000	Current Assets	4,00,000
14% Debentures	1,00,000		
Current Liabilities	1,30,000		
	9,40,000		9,40,000

On the above mentioned date, the tangible fixed Assests were independently valued at Rs. 3,50,000 and goodwill at Rs. 50,000. The net profits for the three years were :

1986 - 87, Rs. 1,03,200; 1987 - 88 Rs. 1,04,000 and 1988 - 89, Rs. 1,03,300 of which 20% was placed to general Reserve, this proporation being considered reasonable in the industry in which the company is engaged and where a fair return on investment may be taken at 18%. Compute the value of company is share by (a) the net assets method and (b) the yield method. Ignore taxation. [Adapted C.A. Inter]

Solution : (a) Net Assets Method :

	Rs.
Goodwill as revalued	50,000
Tangible assets (at M.V.)	3,50,000
Current Assets as per Balance-sheet	4,00,000
	8,00,000

Less Liabilities :		
14% Debentures	1,00,000	
Cucrent Liabilities	1,30,000	2,30,000
Net Assets		5,70,000

Net Assets

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Number of share}} = \text{Rs.}\ \frac{5,70,000}{40,000} = \text{Rs. } 14.25$$

(b) Yield Method :

	Rs.
Total profits of the last 3 years	3,10,500
(1,03,200 + 1,04,000 + 1,03,300)	
Average profits = $\frac{3,10,500}{3}$	1,03,500
Less transfer for General Reserve	20,700
@ 20%	
Average Profits after the transfer to General Reserve	82,800

$$\text{Expected Rate of Dividend} = \frac{\text{Profit available for equity shareholders}}{\text{Paid up equity capital}} \times 100$$

$$= \frac{82,800}{4,00,000} \times 100 = 20.7\%$$

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Expected Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid up value of share}$$

$$= \frac{20.7}{18} \times 10 = \text{Rs. } 11.50$$

Illustration 7.

The paid up Share Capital of a company consists of 2500, 5% Preference shares of Rs. 100 each and 50,000 equity shares of Rs. 10 each. In addition to a fixed dividend of 5% the preference shareholders are also entitled to participate in the profit upto 4% after payment of dividend of 10% on the equity shares. Any surplus profits being available to equity shareholders.

The annual average profits of the company are Rs. 175,000 after providing for depreciation and taxation and it is considered necessary to transfer Rs. 75,000 per annum to Reserve Fund. The normal return expected on Preference shares is 8% and that on equity shares is 10%.

Work out the value of each preference share and equity share in the company.

एक कम्पनी की चुकता अंश पूंजी में 100 रु० वाले 25000 5% पूर्वाधिकार अंश तथा 10 रु० वाले 50,000 समता अंश है। 5% कर दर से स्थायी लाभांश के अतिरिक्त पूर्वाधिकार अंशधारियों को समता अंशों पर 10% से लाभांश देने के उपरान्त बचे हुए लाभ में से, 4% लाभ प्राप्त करने का अधिकार है। इसके बाद जो लाभ शेष बचते हैं। सब समता अंशधारियों को मिलते है।

ह्रास तथा कर का आयोजन करने के पश्चात कम्पनी के वार्षिक औसत लाभ 1,75,000 रु० है और 75,000 रु० प्रतिवर्ष संचित कोष में हस्तान्तरित करना आवश्यक माना जाता है। पूर्वाधिकार अंशों पर उचित आय 8% और समता अंशों पर उचित आय 10% है। कम्पनी के पूर्वाधिकार तथा समता अंशों का प्रति अंश मूल्य ज्ञात कीजिए।

[B.Com M.D.D. 1997 Modified]

Solution : (i) Calculation of Surplus available for equity shareholders-

	Rs.
Average Annual Profits	1,75,000
Less Transfer to General Reserves	75,000
	1,67,500
Less Preference Dividend $\left(2,50,000\times\frac{5}{100}\right)$	12,500
	1,55,000
Less Equity Share Dividend	50,000
	1,05,000
Less 4% as 2,50,000 for Preference Shares	10,000
Profits available for equity shareholders $\left(5,00,000\times\frac{19}{100}\right)$	95,000

Total Dividend on Preference shares = Rs 12500 + Rs. 10,000 = Rs. 22,500

Total Dividend on Equity Shares = Rs. 50,000 + Rs. 95,000 = Rs. 1,45,000

(ii) Calculation of Actual Rate Dividend on Preference Share and Equity Shares

Actual Rate of Dividend = $\frac{\text{Dividend paid}}{\text{Preference share capital}}\times 100$

on Pref. shares $=\frac{22,500}{2,50,000}\times 100 = 9\%$

Actual Rate of Dividend on Equity Shares $=\frac{\text{Dividend paid}}{\text{Equit share capital}}\times 100$

$=\frac{1,45,000}{5,00,000}\times 100 = 39\%$

(iii) Value per Shares $=\frac{\text{Actual Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Dividend}}\times$ Free value of share

Value of Prepference Share $=\frac{9}{8}\times 100 =$ Rs. 112.50

Value of Equity Share $=\frac{29}{10}\times 100 =$ Rs. 290

उपार्जनक्षमता विधि अथवा पूंजीकरण विधि
(Earning Capacity Method of Capitalisation Method)

अल्पकालीन विनियोक्ता कम्पनी द्वारा घोषित लाभांश में अधिक रूचि रखते है। इसलिए उनके दष्टिकोण के अंशों के मूल्यांकन का आधार भी लाभांश होते है। परन्तु दीर्घकालीन विनियोक्ता अंशों को मूल्यांकन करने के लिए कम्पनी की उपार्जन क्षमता को आधार बनाते है। क्यों लाभांश को संचित लाभों में से भी बांटे जा सकते हैं और अंशों के मूल्य को प्रभावित किया जा सकता है। वैसे भी लाभांश की दर अर्जित आय की दर से बहुत कम होती है। अतः बाजार मूल्य अधिकतर कम्पनी की अर्जित आय पर आधारित होता है लाभांश की दर पर नहीं।

इस विधि में अंशों का मूल्य अर्जित आय की दर तथा आय की सामान्य दर के आधार पर ज्ञात किया जाता है।

अर्जित आय की दर (Rate of Earning)—अनुमानित भारी लाभों (Estimated future Earnings) तथा व्यवसाय में विनियोजित पूंजी के आधार पर ज्ञात की जाती है। किसी भी व्यवसाय को विनियोजित पूंजी पर भावी लाभ कितने प्रतिशत है अर्जित आय की दर कहलाती है।

Rate of Earnings is based on Estimated future Earnings and Capital Employed of business

$$\text{Rate of Earnings} = \frac{\text{Estimated future earnings}}{\text{Capital employed}} \times 100$$

आय की सामान्य दर प्रश्न में दी होती है। अतः इसे ज्ञात करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस प्रकार उपरोक्त विधि द्वारा अंशों का मूल्य निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है।

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value of share}$$

उदाहण के लिए, यदि कम्पनी के अनुमानित भावी लाभ (Estimated Future Earnings) 50,000 रु० है तथा विनियोजित पूंजी 2,50,000 रु० है। उचित आय की दर (Normal Rate of Return) 10% है। अंशों का मूल्य 10 रु० है। (Paid up value of Share) ऐसी स्थिति में उपार्जित विधि द्वारा अंशों का मूल्य निम्न प्रकार से ज्ञात किया जाता है।

$$\text{Rate of Earnings} = \frac{\text{Estimated future earnings}}{\text{Capital employed}} \times 100$$

$$= \text{Rs.}\ \frac{50,00}{2,50,000} \times 100 = 20\%$$

$$\text{Value of Share} = \frac{20}{100} \times 100 = \text{Rs. } 20$$

$$\frac{\text{Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value of share}$$

उपरोक्त विधि में अंशों का मूल्य अनुमानित भावी लाभों के पूंजीकृत मूल्य को अंशों की संख्या से भाग देकर भी ज्ञात किया जा सकता है।

Capitalised value of future Estimated Earnings :—

$$= \frac{\text{Future Estimated Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100$$

$$\text{Value of Shares} = \frac{\text{Capitalised Value of future estimated earnings}}{\text{Number of Shares}} \times 100$$

उदाहरण के X कम्पनी की अंश पूंजी 10 रु० वाले 20,000 अंशों में विभाजित है। कम्पनी के अनुमानित भावी लाभ 40,000 रु० है तथा उचित आय की दर 10% है। अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

Capitalised value of future Estimated Earnings :—

$$= \frac{\text{Future Estimated Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100$$

$$= \frac{\text{Capitalised Value of future estimated earnings}}{\text{Number of Shares}} \times 100$$

$$\text{Value per Share} = \frac{40,000}{10} \times 100 = \text{Rs. } 4,00,000$$

$$= \frac{40,000}{2000} = \text{Rs. } 20$$

उपार्जित आय विधि में आय की दर ज्ञात करने के लिये विनियोजित पूंजी तथा अनुमानित भविष्य की आय अर्थात् भावी लाभ का ज्ञात करना आवश्यक है।

(1) विनियोजित पूंजी (Capital Employed)

अंशों के मूल्यांकन में विनियोजित पूंजी का अर्थ दो प्रकार से लिया जाता है—(i) सकल विनियोजित पूंजी (ii) शुद्ध नियोजित पूंजी।

(i) सकल विनियोजित पूंजी (Gross Capital Employed)—किसी भी कम्पनी की सकल विनियोजित पूंजी का अर्थ उस कम्पनी की सभी सम्पत्तियों (काल्पनिक एवं उन सम्पत्तियों को छोड़कर जिनका कोई वसूली न हो) के बाजार मूल्य या वसूली मूल्य के योग से होता है। इसमें किसी भी दायित्व को सम्पत्तियों के बाजार मूल्य के योग से नहीं घटाया जाता है।

Gross Capital Employed : = Sum total of all assets at Market value Note:—Liabilities not to be deducted

(ii) शुद्ध विनियोजित पूंजी (Net Capital Employed)—किसी भी कम्पनी की सकल विनियोजित पूंजी में से चालू दायित्वों (Current Liabilities) को घटाने के बाद शेष राशि का शुद्ध विनियोजित पूंजी कहा जाता है।

Net Capital Employed: = Gross Capital Employed—Current Liabilities अंशों का मूल्य सामान्यतः शुद्ध विनियोजित पूंजी के आधार पर किया जाता हैं।

Net Capital = Equity Share Capital + Preference Share Capital + Debentures + Reserves + Distributable profits.

(2) अनुमानित भावी लाभ (Estimated Future Earnings)

अनुमानित लाभों को ज्ञात करने के लिए निम्न प्रक्रिया अपनानी चाहिए।

(1) गत वर्षों के लाभों में निम्न के सम्बन्ध में समायोजन होना चाहिए :—

(i) असामान्य हानि जैसे बाढ़, आग, चोरी तथा हड़ताल से होने वाली हानि;

(ii) असामान्य लाभ या आय जैसे सट्टे से होने वाला लाभ (Speculative profit), लाटरी पर लाभ (profit an lottery)

(iii) अनावर्ती आय (Non-recurring income)

(iv) विनियोगो पर आय (गैस व्यवसायिक) (Non-Trading income in investment)

(v) स्टाक के मूल्यांकन एवं हजम (Depreciation) की विधि में परिवर्तन के कारण लाभों पर पड़ने वाला प्रभाव जैसे अन्तिम रहतिये का अधिक मूल्यांकन (over valuation of Closing Stock)

(iv) पूंजी गत खर्चे को आयगत अथवा आयगत खर्चे को पूंजीगत मानना

उपरोक्त समायोजन उसी प्रकार किए जाते हैं जैसे की ख्याति के मूल्यांकन में किया जाता है।

(2) गत वर्ष के लाभों को समायोजित करने के बार इनका औसत निकालना चाहिए जोकि आवश्यकता अनुसार साधारण (Simple) एवं भारित (Weighted) हो सकता है।

(3) औसत लाभ में से निम्न के सम्बन्ध में समायोजन करने चाहिए जिनका प्रभाव भावी लाभों पर पड़ सकता है।

(i) ऐसे व्यय जिनके भविष्य होने की सम्भावना हो।

(i) (Expenses which are likely to arise in future)

(ii) ऐसे व्यय जिनके भविष्य में होने की सम्भावना न हो।

(ii) (Expenses which are not likely to arise in future)

(iii) ऐसी आय जिनके भविष्य में होने की सम्भावना हो।

(iii) (Incomes which are likely to occur in future)

(iv) ऐसी आय जिनके भविष्य में होने की सम्भावना न हो।

(iv) (Incomes which are not likely to occur in future)

(v) सरकारी नीतियों में परिवर्तन (Change in Govt. Policies)

(vi) आर्थिक परिस्थितियों में परिवर्तन (Change in Economic Situations)

(4) उपरोक्त प्रकार से ज्ञात किएगये औसत लाभों में से आयकर घटा देने चाहिए।

(5) शेष राशि की भावी अनुमानिस लाभ होते हैं। जिन्हें बने रहने वाले लाभ (Maintainable profit) कहा जाता है।

विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश (Important Direction to Students):—

आय उपार्जन विधि में भावी अनुमानित लाभ कर घटाने के बाद परन्तु ऋणपत्रों पर ब्याज और पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश घटाने से पूर्व होने चाहिए। यदि इन्हें उपरोक्त लाभों में से पहले ही घटाया जा चुका है तो इन्हें लाभों में वापिस जोड़ देना चाहिए क्योंकि इस विधि में विनियोजित पूंजी की गणना करने के लिए ऋणपत्र एवं पूर्वाधिकार अंशों को घटाया नहीं जाता।

Earning Capacity Method or Capitalisation method is to be based or Net Capital employed and the profit figure should be before debenture interest, preference dividend and Transfer to Reserves but their income tax.

Profit Earned = Profit after tax but before the following : —

(i) Interest on debentures

(ii) Preference dividend

(iii) Transfer to Reserves.

उपार्जन क्षमता विधि का संक्षिप्त रूप (Summary of Earning Capacity Method)

(i) Value of Share = $\frac{\text{Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100$ Paid up value of Share

(ii) Rate of Earnings = $\frac{\text{Profit Earned}}{\text{Capital Employed}} \times 100$

(iii) Profit Earned = Profit after tax tax but before the following : —

(i) Interest on debentures

(ii) Preference dividend

(iii) transfer to Reserves.

(iv) Capital Employed

Gross Capital Employed ↓ All assets at market value (Liabilities not to be deducted) OR

Net Capital Employed ↓ All Assets at Market value *Less* current Liabilities

Equity Share Capital + Preference Share capital + Reserves & Surplus + Debentures + Distributable profits.

Note :- Net Capital employed ज्ञात करते समय सम्पत्तियों के बाजार मूल्य में गैरव्यवसायिक विनियोगों (Non-trading investments) को शामिल नहीं किया जाता।

उपार्जन विधि की उपयुक्तता
(Suitability of Earning Capacity Method)

यह विधि उन अंशधारियों के लिए उपयुक्त है जो लाभांश की तुलना में कम्पनी की उपार्जन शक्ति की और अधिक ध्यान देते हैं तथा जिनका उद्देश्य कम्पनी पर नियंत्रण बनाए रखना हो। ऐसे अंशधारी कम्पनी की उपार्जन क्षमता को आधार मानकर ही अंशों का मूल्यांकन करते हैं। यह विधि विनियोग कम्पनियों (Investment Companies) द्वारा भी अधिकतर प्रयोग की जाती है।

दोष एवं कमियां (Demerits):—

(i) भावी अनुमानित लाभों की गणना कठिन कार्य है क्योंकि भविष्य अनिश्चित है तथा अनेक जोखिमों से परिपूर्ण है।

(ii) अर्जित आय की दर को निश्चित करना कठिन है। क्योंकि प्रत्येक व्यवसाय में जोखिम की मात्रा भिन्न–भिन्न होती है।

(iii) ऐसी कम्पनी जो निरन्तर हानि पर चल रही है और भविष्य में लाभ कमाने की क्षमता नहीं है कि अंशों का मूल्यांकन इस विधि द्वारा नहीं किया जा सकता।

(iv) उत्पादन की क्षमता कम एवं अधिक उपयोग किसी भी कम्पनी को अर्जन क्षमता को प्रभावित करता है।

Illustration 8.

Followingh is the Balance sheet of R. Ltd. as 31 st December, 1997.

	Rs.		Rs.
Equity share Capital of	6,50,000	Plant at cost	1,24,000
Rs. 100 each		Fumiture at cost	3,900

General Reserve	1,95,000	5% Government Secrities	4,94,000
P & L A/c :		(Face value Rs. 5,00,000)	5,85,000
Opening Balance 10,4,000		Stock at Market value	
Profit for 1997 5,59,000	6,63,000	Book debts 3,90,000	
		Less Provision 26,000	
Provision Against			3,64,000
(i) Plant 13,000	71,500	Cash at Bank	78,000
(ii) Investment 59,500	62,400	Underwriting commission	13,000
Creditors.	16,41,900		16,41,900

You are given the following information :

(i) The plant is valued at Rs. 4,55,000 and Furniture at Rs. 12,000.

(ii) Normal Rate of earnings in the companies doing similar business is 15%.

(iii) Profits for the past three years have shown an increase of Rs. 65,000 annually. Assume taxation @ 50%. Calculate the value of share by earning capacity method

(i) प्लान्ट का मूल्यांकन 4,55,000 रु० तथा फर्नीचर का मूल्यांकन 12,000 रु० पर किया गया है।

(ii) इसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली सार्वजनिक कम्पनियों की अर्जित आय की दर 15% है। आयकर की दर 5% है।

(iii) पिछले तीन वर्षों से लाभों में 65,000 रु० की वद्धि हो रही है। उपार्जन क्षमता के आधार पर कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन ज्ञात कीजिए।

Solution :

(1) Calculation of Net Capital Employed :

	Rs.
Plant	4,55,000
Furniture	12,000
Stock	5,85,000
Book Debts	3,64,000
Cast at Bank	78,000
	14,94,000
Less Liabilities:	
Creditors	62,400
Net Capital Employed	14,31,600

(ii) Calculation of Profit Earned :

	Rs.	Rs.
Profit for 1997	5,59,000	5,59,000
Profit for 1996	(5,59,000 – 65,000)	4,94,000
Profit for 1995	(4,94,000 – 65,000)	4,29,000
Total Profits		14,82,000

	Rs.
Average profit = 14,82,000 ÷ 3 =	4,94,000
Less Interest on Government Securities	
Less Taxation @ 50%	
Profit earned	2,34,500
	2,34,500

$$\text{Rate of Earning} = \frac{\text{Profit earned}}{\text{net capital employed}} \times 100$$

$$= \frac{2,34,500}{14,31,600} \times 100 = 16.380\%$$

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid up value of share}$$

$$= \frac{16.380}{15} \times 100 = \text{Rs. } 109.20$$

Note :—(i) Investments being Non-trading are not included in the Assets for the purpose of calculation of Net Capital Employed.

(ii) Interest on investment being Non-trading income is excluded non average profits.

Illustration 9.

Following is the balance sheet of R Ltd. as on 31 st March, 1995.

	Rs.		Rs.
Share capital		Goodwill	20,00
10,000 shares of Rs. 10 each	1,00,000	Buildings	1,20,000
		Machinery	50,000
Reserves	25,000	Stock	50,000
10% Debentures	1,00,000	Cash	8,000
Creditors	25,000	Miscellaneous expenses	2,000
	2,50,000		2,50,000

Goodwill is valued at Rs. 30,000, Building at 1,40,000 and machinery at Rs. 32,000. All other assets are worth their book values. Average Earnings of the company are Rs. 30,000 p.a. after interest on debentures but before tax which may be taken at 50%. Ascertain the value of Equity share.

Solution: Valuation of share by Earning Capacity Method.

(I) Calculation of Capital employed :	Rs.
Goodwill	30,000
Buildings	1,40,000
Machinery	32,000

Stock	50,000
Cash	8,000
	2,60,000
Less Liabilities :	
Creditors	25,000
Net Capital Employed	2,35,000

(II) Calculation of profit Earned :—

	Rs.
Average Earnings of company	30,000
Less Tax @ 50%	15,000
Add interest on Debentures	15,000
$\left(1,00,000\times\frac{10}{100}\right)$	10,000
Profit after tax but before interest on Debentures	25,000

(iii) Rate of Earnings :—

$$=\frac{\text{Profit earned}}{\text{Net Catpital employed}}\times 100$$

$$=\frac{25,000}{2,35,000}\times 100 = 10.63\%$$

(iv) Value of Equity Share :

$$=\frac{\text{Expected Rate of Earning}}{\text{Normal Rate of Earning}}\times \text{Paid up value of Share}$$

$$=\frac{10.63}{10}\times 100 = \text{Rs. } 10.63$$

उचित मूल्य विधि अथवा औसत विधि
(Fair Value Method or Average Method)

अंशों का मूल्यांकन एक जटिल कार्य हैं। भिन्न–भिन्न विधियों में विभिन्न प्रकार की मान्यताओं के आधार पर अंशों का मूल्य ज्ञात किया जाता है। इसलिए सभी विधियों द्वारा निकाले गये अंशों के मूल्य में अन्तर होता है।

लेखापालकों के मतानुसार उपार्जन आय विधि और शुद्ध सम्पत्ति विधि दोनों ही पूर्ण रूप से अंशों का उचित मूल्य निकालने में न्याय संगत प्रतीत नहीं होती। अतः यह उचित समझा जाता है कि किन्हीं भी दो विधियों से अंशों का मूल्य ज्ञात करके उनका औसत मूल्य ज्ञात कर लिया जाए। ऐसा औसत मूल्य ही अंशों का उचित मूल्य माना जाता है।

Fonnula of Average Method

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Value of Share as Yield Basis} + \text{Value of Share on Net Assets basis}}{2}$$

उचित मूल्य विधि द्वारा अंशों का मूल्यांकन करने से आय विधि तथा शुद्ध सम्पत्ति विधि दोषों को कम किया जा सकता है।

Fair value of share is an average of the values obtained in yield method and Net Assets Method.

Illustration 10.

The following particulars are available in relation to X Ltd.

(i) Capital : 450.6% Perference Shares of Rs. 100 each fully paid and 4,500 equity shares of Rs. 10 each fully paid.

(ii) External liabilities : Rs. 7,5000

(iii) Reserves and Surplus: Rs. 3,500

(iv) The average expected profit (after taxation) earned by the company Rs. 8,500

(v) The normal profit earned on the market value of equity shares (fully paid) of the same type of companies is 9%.

(vi) 10% of the profit earned after tax is transferred to Reserves. Calculate the intrinsic value per equity share and the value per equity share on dividend yield basis.

Assume that out of total assets, assets worth Rs. 350 are fictious.

X लि० के सम्बन्ध में निम्न विवरण उपलब्ध है :—

(i) पूंजी—450.6% पूर्वाधिकार अंश 100 रु० वाले पूर्ण चुकता तथा 4,500 समता अंश 10 रु० वाले पूर्ण चुकता

(ii) बाह्म दायित्व 7,500 रु०

(iii) कम्पनी द्वारा सामान्य औसत लाभ (करों के बाद) 8,500 रु० अर्जित किए गए। 10% सामान्य संचय में हस्तान्तरण करना है।

(iv) इसी प्रकार की कम्पनियों के समता अंशों के बाजार मूल्य पर सामान्य लाभ की दर 9% है।

यह मानकर की कम्पनी की कुल सम्पत्तियों में 350 रु० की नाममात्र की सम्पत्तियां हैं, कम्पनी के अंशों का आन्तरिक मूल्य तथा लाभांश आय विधि के अनुसार ज्ञात कीजिए।

Solution :

To find out the Gross Assets we can prepare the Balance Sheet or can apply the following question.

Gross Assets = Equity share capital + Preference share capital + Reserves and Surplus + External liabilities

Net Assets = Gross Assets – Fictitious Assets – External liabilities

Gross Assets = 45,000 + 45,000 + 3,500 + 7,500 = 1,01,000

Net Assets = 1,01,000 – 350 – 7,500 = Rs. 93,150

Preparation of Balance sheet for finding out the value of Gross Assets

Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share capital		Ficitious Assets	350
450.6% Pref. shares of Rs. 100 each	45,000	Sundry Assets	
		(Balancing figure)	1,00,650
4,500 equity share of Rs. 10 each	45,000		
External Liabilities	7,500		
Reserves and surplus	3,500		
	1,01,000		1,01,000

Net Assets = Sundry Assets – External liabilities

1,00,650 – 7500 = Rs. 93,150

(1) Calculation of intrinsic value of a Share :	Rs.
Net Assets	93,150
Less Preference Share Capital	45,00
Net Seets available for Equity Shareholders	48,150

(ii) Intrinic value per share = $\frac{\text{Net Assets available of Equity Shareholders}}{\text{Number of Equity shares}}$

$= \frac{\text{Profit available for equity Shareholders}}{\text{Paind up equity capital}} \times 100$

$= \text{Rs.} \frac{48,150}{4,500} = 10.7$

Note :—In the absence of specific provision, the preference shares mena non-participating preferences shares having priority in respect of refunds of capital only. Hence, the claim of the preference shareholders has been deducted from the net available assets.

(ii) Calculation of value of share by Yield method	Rs.
Average Normal Profit after tax	8,500
Less Transfer to General 10%	850
Less Preference Dividend	7,650
$\left(45,000 \times \frac{6}{10}\right)$	2,700
Profit available for Equity shareholders	4,950

Expected Rate of Dividend :

$= \text{Rs.} \frac{4,950}{4,500} = 11\%$

Value of an Equity Share :

$$= \frac{\text{Expected Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Dividend}} \times \text{Paid up value of share}$$

$$= \frac{11}{9} \times 10 = \text{Rs. } 12.22$$

We can also calculate fair value of share in this question

$$\text{Fair Value} = \frac{\text{Value of Share on Net Assets Basis} + \text{Value of Share as Yield Basis}}{2}$$

$$= \frac{10.70 + 12.22}{2} = \text{Rs. } 11.46 \text{ per share}$$

Illustration 11.

Following: is the Balance sheet of X Ltd. as on 31 st December 1997

	Rs.		Rs.
Share capital: 10,000	10,00,000	Land and Building at	1,00,000
Shares of Rs. 10 each		cost less Depreciation	
General Reserve	50,000	Plant and Machinery at Cost	
Taxation Reserve	20,000	*Less* depreciation	70,000
Trade Marks	20,000	Stock	20,000
Workman's saving A/c	20,000	Debtors	48,000
Employee's provident fund	30,000	Cash at Bank	25,000
Sundry creditors	40,000	Preliminary expenses	7,000
P & L A/c	30,000		
	2,90,000		2,90,000

The plant and Machinery is worth Rs. 80,000 and land and Building are worth Rs. 1,50,000 as valued by and independent valuers. Rs. 5,000 of debtors are bad debts. The profits of he company were:

1995, Rs. 50,000; 1996 Rs. 60,000; 1997 Rs. 70,000. It is the practice of the company to transfer 20% of the profit to Reserves. Share of the similar companies quoted in the stock Exchange yield 12% on their market value. Goodwill of the company may be taken at Rs. 1,50,000 ignore taxation. Find the value of the share of the company on their (1) Net Assets basis adn (2) on yields Basis.

प्लाण्ट एवं मशीनरी का वास्तविक मूल्य 80,000 रु० और भूमि एवं भवन का मूल्य 1,15,000 है। जोकि एक स्वतंत्र मूल्यांकन द्वारा मूल्यांकन किए गये हैं। देनदरों में से 5,000 इबत है। कम्पनी के लाभ निम्नलिखित थे:

1995 – 50,000 रु०, 1996 — 60,000 रु०, 1997 — 70,000 रु०

कम्पनी की यह प्रथा है कि अपने लाभों का 20% सामान्य संचय में हस्तांतरित करती है। इसी प्रकार की अन्य कम्पनियों के अंशों के बाजार मूल्य पर 12% आय होती है। कम्पनी की ख्याति का मूल्य 1,50,000 रु० माना जा सकता है। करों का आयोजन नहीं करना है।

कम्पनी के अंशों का मूल्य (1) शुद्ध सम्पत्ति आधार पर तथा (2) आय आधार पर ज्ञात कीजिए।

[B.Com. K.U.K 1993 Modified]

(i) Valuation of the shares on Net Assets Basis

Net Assets		Rs.
Goodwill		1,50,000
Plant and Machinery		80,000
Land and Buildings		1,50,000
Trade Marks		20,000
Stock		20,000
Debtors Less Bad debts		43,000
(46,000 – 5,000)		
Cash at Bank		25,000
		4,88,000
Less Liabilities :		
Taxation Reserve	20,0000	
Workmen saving A/c	23,000	
Employee's Provident Fund	30,000	
Sundry creditors	40,000	1,10,000
Net Assets		3,78,000

$$= \frac{\text{Profit available for Dividend}}{\text{Paid up capital}} \times 100$$

$$\text{Intrinsic Value of Share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Number of Shares}}$$

$$= \frac{3,78,000}{10,000} = \text{Rs. } 37.8$$

(2) Valuation of Shares on yield Basis :

The Total Profits of the last 3 years	1,80,000
(50,000 + 60,000 + 70,000)	5,000
Less Bad debts during the year 1997	1,75,000
Average Profits = 1,75,000 ÷ 3	58,333
Less Transfer to General Reseves.	
$\left(58,333 \times \frac{20}{100}\right)$	11,667
Profits available for Dividend	44,666

Expected Rate of Dividend :

$$= \frac{46,666}{1,00,000} \times 100$$

$= 46.67\%$

Value of Share $= \frac{\text{Expected Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Dividend}} \times \text{Paid up value of share}$

$$= \frac{46.67}{12} \times 10$$

$= 38.89\%$

Fair Value of Share $= \frac{37.80 + 38.89}{2}$

= Rs 38.34

Illustration 12.

From the following Balance-Sheet given on 31 st Dec. 1997 additional infonnation find out the value of share as per (i) Net Assets Method (ii) Earning Capacity Method (iii) Fair Value Method.

	Rs.		Rs.
Share Capital 1000 Shares of Rs. 100 each fully paid	1,00,000	Free hold premises	16,000
Reserve Fund	34,000	Furniture at Cost	600
Deprecation Fund		Stock (at Market Value)	90,000
(i) Freehold Premises 2,000		Investment at cost	76,000
(ii) Investment 9000	11,000	Sundry Debtors	60,000
Creditors	9,600	Cash at Bank	14,000
Profit and Loss A/c (Including Rs. 86,000 profit of 1997)	1,02,000		
	2,56,600		2,56,600

Information :

(i) Freehold Premises are worth now Rs. 70,000

(ii) Similar business show a profit earning capacity of 12% on capital employed.

(iii) The company's prospects for 1998 are equally good. Ascertain the fair value of share.

सूचनाएं–

(i) फ्रीहोल्ड भवन का मूल्य 70,000 रु० है।

(ii) इसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली कम्पनियों में अर्जित आय की दर 12% है।

(iii) कम्पनी का भविष्य 1998 के लिए समान रूप से अच्छा है। प्रत्येक अंश का उचित मूल्य निकालिए।

Solution :

(i) Valuation of Shares on Net Assets Basis :—

Net Assets:		Rs.
Freehold Premises		70,000
Furniture		600
Stock		90,000
Investment (Assumed to be trading)		76,000
Sundry Debtor		60,000
Cash at Bank		14,000
		3,10,600
Less Depreciation Fund		
(investment)	9,000	
Creditors	9,600	
Net Assets		18,600
		2,92,000

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Number of equity shares}}$$

$$= \frac{2,92,000}{1,000}$$

$$= \text{Rs. } 292$$

(ii) Value of Shares by Earning Capacity Method.

$$\text{Rate of Earning} = \frac{\text{Profit}}{\text{Capital employed}} \times 100$$

Profit for 1997 to be assumed Maintainable profits because company's prospects are good.

$$= \frac{86,000}{2,92,000} \times 100$$

$$= 29.45\%$$

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Rate of Earning}}{\text{Normal Rate of Earning}} \times \text{Paid up value of}$$

$$= \frac{29.45}{12} \times 100$$

$$= \text{Rs. } 245.42 \text{ Appro.}$$

(ii) Fair Value $= \dfrac{\text{Rs. } 292 + \text{Rs. } 245.42}{2}$

$= \text{Rs. } 268.$

अंशों के मूल्यांकन के सम्बन्ध में भारत के प्रतिभूति विनिमय बोर्ड की मार्गदर्शिका (Securuties Exchange Board of India SEBI Guidelines)

पूंजी निर्गमन नियन्त्रक के पूंजी नियंत्रण के अधिकार को 21 मर्च 1992 से समाप्त कर दिया गया है। पूंजी निर्गमन नियंत्रण अधिनियम, 1947 को हटा दिया गया है। अब SEBI की मार्गदर्शिका ने पूंजी नियंत्रक की मार्गदर्शिका का स्थान ग्रहण कर लिया है। इसके निम्नांकित दो प्रमुख उद्देश्य हैं :

1. विनियोजकों का संरक्षण (Invester Protection)
2. पूंजी बाजार का सुचारु रूप से विकास (Orderly Growth of Capital Market)

मूल्यांकन तकनीक (Pricing Mechanism)

1. वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रोजेक्टिड प्रग्रति के आधार पर अंशों का मूल्यांकन होगा। कहाँ तक इस प्रकार का मूल्यांकन वास्तविक होगा यह समय बताएगा।
2. स्वतंत्र मूल्यांकन पर जोर दिया गया है।
3. अंशों की बिक्री टेंडर द्वारा करना, जो सबसे अधिक मूल्य देगा उसी को अंश मिलेगा।

इस तरह के बहुत से प्रावधान हैं जो अभी विचारणीय हैं परन्तु यह निश्चय है कि यदि आप जानते हैं कि यदि आप जानते हैं कि एक अंश का मूल्यांकन कैसे किया जाये तो कभी अधिक मूल्य पर मूल्यांकन न करिए (if you know how to price on issue, never overprice it.)

QUESTIONS

1. किसी संस्था के अंशों का मूल्यांकन किन परिस्थितियों में आवश्यक हो जाता है। अंशों के मूल्य का निर्धारण करते समय किन–किन बातों को ध्यान में रखा जाता है।

   Under what circumstances does it become necessary to determine the value of shares of a concern ? What factors are taken into consideration while determining the value of shares?

2. समता अंशों के मूल्यांकन की आय विधि को, एक काल्पनिक उदाहरण द्वारा पूर्णतः समझाइए।

   Explain fully and illustrate with an imaginary example, the yield method of the valuation of equity share.

3. अंशों के मूल्यांकन की विभिन्न विधियां कौन–कौन सी हैं? आय मूल्यांकन विधि को उदाहरण देकर समझाइए।

   What are the various methods of valuation of shares ? Describe and illustrate yield valuation method of valuing shares ?

4. अंशों के मूल्यांकन की विभिन्न विधियों को समझाइए। आप की राय में उचित विधि कौन–सी होनी चाहिए।

   Explain the different mehtods of valuation of shares. What would be an appropriate method in your opinon?

5. अंशों के मूल्यांकन को प्रभावित करने वाले तत्वों की व्याख्या कीजिए। प्रतिफल विधि तथा शुद्ध सम्पत्ति विधि में से मूल्यांकन की कौन–सी विधि उपर्युक्त है और कब?

   Explain the factors that influence the valuation of shares out of the yield method and Net assets method which valuation method is more appropriate and when?

6. अंशों के मूल्यांकन की 'आन्तरिक मूल्य विधि' तथा 'प्रत्याय विधि' की पूर्ण व्याख्या करे। किन अवस्थाओं को इनको प्राथमिकता दी जाती है।

   Explain fully the intrinsic value method and the yield method of valuation of shares. Discuss under what situations. The same are preferred.

7. अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता को समझाइये। उन तत्वों का भी वर्णन कीजिये जो अंशों के मूल्यांकन को प्रभावित करते है।

   Explain the need for valuation of shares. Also explain the factor that influence the valuation of shares 10,100.

Practical Questions (व्यवहारिक प्रश्न)

Net Asset Method (शुद्ध सम्पत्ति विधि)

(Only one type of equity shares are given in Balance Sheet)

Problem 1. On 31st December 1994, The Balance Sheet of Eicher Ltd. disclosed the following position :—

	Rs.		Rs.
25,000 equity Shares of Rs. 10 each	2,50,000	Goodwill	25,000
General Reserve	18,750	Fixed Assets	3,12,500
Profit and Account	50,000	Current Assets	1,25,000
12% Debentures	62,500		
Creditors	81,250		
	4,62,500		4,62,000

On 31 st December, 1994 the fixed Assets ware valued at Rs. 2,18,750 and the goodwill at Rs. 31,250 calculate the value of Eicher Ltd.'s share by the Net Asset Method.

31 दिसम्बर, 1994 को स्थायी सम्पत्तियों का मूल्यांकन 2,18,750 रु० पर किया तथा ख्याति का 31,250 रु० शुद्ध सम्पत्ति विधि कम्पनी के अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

[**Ans.** Instrinsic value of share = Rs. 9.25 Approx]

Different Types of equity shares with different paid up values

Problem 2. Following is the Balance sheet of Hero Ltd. a son 31st December, 1997.

	Rs.		Rs.
13,500 equity share of Rs. 20 each fully	2,70,000	Furniture	1,68,750
11,250 equity shares of Rs. 20 each,	90,000	Machinery	2,70,000
Rs. 8 paid			
		Goodwill	11,250
		Investments 22,500	
		B/R	22,500

6,750 equity shares of Rs. 10 each fully paid	67,500	Debtors	67,500
		Stock	1,35,000
4,500 equity shares of Rs. 10 each Rs. 5 paid	22,500	Cash	58,500
Reseve Fund	2,02,500	P & L A/c Dr. balance	9,000
Profit and Loss Account	22,500		
Bills payable	36,000		
Creditors	54,000		
	7,65,000		7,65,000

The goodwill is valued 6,750; machinery at Rs. 5,40,000; Furniture at Rs. 1,35,000; Investments at Rs. 15,750; stock at Rs. 1,12,500; Debtors at Rs. 63,000. There was a contigent liability of Rs. 9,000. Determine the value of different shares.

ख्याति का मूल्यांकन 6,750 रु०; मशीनरी 5,40,000 रु०; फर्नीचर 1,35,000 रु०; देनदार 63,000 रु० पर किया गया हैं। 9,000 रु० के संभाग्य दायित्व भी है विभिन्न श्रेणी के अंशों का मूल्यांकन कीजिए।

(i) Value of 20 paid up share - Rs. 38

(ii) Value of Rs. 8 paid up shares - Rs. 15.20

Ans. (iii) Value of Rs. 10 paid up share - Rs. 19

(iv) Value of Rs. 5 paid share - Rs. 9.50

When good will is to be calculated for the purpose of valuation of shares

Problem 3. The Balance-Sheet of Zero Ltd. disclosed the following position as on 31 st March, 1998.

	Rs.		Rs.
25,000 equity plant of Rs. 10 each	2,50,000	Plant	75,000
Reserve Fund	72,500	Buildings	1,00,000
Profit and loss	1,00,000	Goodwill	1,25,000
14% Debenture	1,25,000	Stock	3,00,000
	2,65,000	Debtors	2,05,000
Creditors		Cash at Bank	1,22,500
Bills payable	1,25,000	Prelimnary expenses	10,000
	9,37,500		9,37,500

All the assets are worth their books-balance except Buildings and plant which on a recent valuation are worth Rs. 1,25,000 and Rs. 1,50,000 respectively. For the purpose of valuation of shares goodwill shall be taken at 2 years is purchase of the average profits of the last 4 years. The profits for the last four years are; Rs. 1,00,000; Rs. 1,25,000; Rs. 1,50,000 and Rs. 1,75,000 compute the value of shares by Net Assets method.

भवन तथा प्लान्ट को छोड़कर जिन का क्रमशः मूल्य 1,25,000 रु० और 1,50,000 रु० है शेष सभी सम्पत्तियों का पुस्तकीय मूल्य है अंशों के मूल्यांकन के लिए ख्याति का मूल्य गत चार वर्षों की औसत लाभ के दो वर्ष के क्रय के बराबर होगा गत चार वर्षों के लाभ निम्न है :—1,00,000 रु०; 1,25,000 रु०; 1,50,000 रु० तथा 1,75,000 रु० शुद्ध सम्पत्ति विधि से कम्पनी को मूल्यांकन कीजिए।

Ans :—Goodwill according to Weighted Average Method - Rs. 3,00,000; value of equity shares—Rs.27.50

Partly paid up shares when are to be made in near future.

Problem 4. The following details are available in respect of X Ltd.

Share Capital

		Rs.
I. 2,000 Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 40 called up		80,000
II. 1,500 Equity shares of Rs. 100 each, Rs. 20 called up		30,000
III. 2,500 Equity shares of Rs. 100 each fully called up		2,50,000
IV. 10% 5,800 Preference shares of Rs. 100 each Rs. 50		2,90,000
Reserves and Surplus		6,50,000
Reserve Fund	2,50,000	
P & L A/c	1,25,000	
		3,75,000
		10,25,000

On a fair valuation of Assets of the company it is found that they have an appreciation of Rs. 1,25,000. The articles of association provided that in case of liquidation, the preference shareholders will have a futher calim to the extent of 10% of the surplus assets. Ascertain the value of each equity share and preference-share.

Ans. Value of each equity have fully paid - Rs. 175

Value of each share category I = Rs. 175 – Rs. 60 = Rs. 115

Value of each share category II = Rs. 175 – Rs. 80 = Rs. 95

Value of each profit share = Rs. 108.62 – 50 = Rs. 58.62

Share capital is composed of equity shares and preference shares :—

Problem 5. The Balance-Sheet of S Ltd. as on 31 st Dec. 1993 was as follows :—

	Rs.		**Rs.**
		Fixed Assets	8,25,000
4,500, 10% pref. Shares of Rs. 100 each	4,50,000	Goodwill	1,37,000
35,000 equity shares of Rs. 10 each	3,50,000	Investment (maruet price 66,000)	55,000
General Reserve	36,000	Debtors	1,65,000
Profit and Loss A/c	1,32,000	Stock	1,37,000
Sinking fund	22,000	Cash at Bank	66,000

10% Debentures	2,20,000	Preliminary expenses	2,22,000
Creditors	1,98,000		
	14,08,000		14,08,000

On 31 st December, 1993 Fixed Assets were independently valued at Rs. 9,90,000 and the goodwill at Rs. 1,54,000. Debtors are dpubtful to the extent of Rs. 12,000. There is a contingent liability which is expected to be materialised Rs. 13,200. Preference Dividends are in arrears for the last two year.

Other assets are worth their book-values. Calculated the value of by the Net assets method.

[**Ans.** Value of each equity share—Rs. 17 Approx]

Different situations of Preference shares given in Articles of Association of a company.

Problem 6. The following is the Balance-Sheet of P.Ltd as on 31st March, 1998

	Rs.		Rs.
15,000, 10% pref. shares of Rs. 10 each	1,50,000	Fixed Assets	1,53,000
		Stock	30,000
7,500 equity shares of Rs. 10 each	75,000	Sundry Debtors	60,000
General Reserve	15,000	Cash at Bank	37,500
Sinking Fund	22,500	Underwriting commission	7,500
Creditors	29,250	Profit and Loss A/c	11,250
Depreciation Fund	7,500		
	2,99,250		2,99,250

Debtors are doubtful to the extent of Rs. 7,200 for which no provision has been made. Machinery included in fixed Assets in more by Rs. 36,000 other Assets are worth their book values. Dividends on Pref. Shares are in arrears for two year.

You are required to value the of shares if :—

(i) when preference shares have priority for payment of capital only;

(ii) When preference shares have no priority for repayment of capital and dividends;

(iii) When preference shares have priority as to payment of capital are arreas of dividend;

(iv) When preference shares have no priority for capital but only for arrears of dividend.

देनदारों में 7,200 रु० के संदिग्ध ऋण सम्मिलित हैं जिनके लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है। स्थायी सम्पत्तियों में शामिल मशीनरी का मूल्य 36,000 रु० अधिक है अन्य सम्पत्तियों का मूल्य उनके पुस्तकीय मूल्य के बराबर है। पूर्वाधिकार अंशों पर दो वर्ष का लाभांश बकाया है। समता अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए :—

(i) पूर्वाधिकार अंशों को केवल पूंजी के भुगतान के लिए प्राथमिकता है।

(ii) जब पूर्वाधिकार अंशों पर न तो पूंजी भुगतान की और न ही लाभांश के भुगतान की प्राथमिता है।

(iii) जब पूर्वाधिकार अंशों पर पूंजी भुगतान की प्राथमिकता नहीं है परन्तु लाभांश की प्राथमिकता है।

Ans. Value of Share : Assumption (i) Rs. 16.34; Assumption (ii) Rs. 12.12 (Approx); Assumption (iii) Rs. 12.34 Assumption (iv) Rs. 10.78

आयकर विधि
(Yield Method)

Problem 7. X Ltd. 50,000 equity shares of Rs. 10 each, Rs. 8 paid. The company transfer profits to general Reserve every year. The expected profits (based on previous year's performance before tax is Rs. 10,00,000 and the rate of tax is 65% Normal Rate of dividend is 15% X Ltd. has preference 7% capital is Rs. 4,00,000 dividend into shares of Rs. 10 each. Find out the value of share by yield method.

X Ltd. में 50,000 साधारण अंश 10 रु० चुकता है। कम्पनी प्रत्येक लाभ का 10% सामान्य कोष में हस्तान्तरण करती है गत वर्ष के कार्य पर आधारित अनुमानित लाभ बिना कर काटे 10,00,000 रु० है और कर की दर 65% है। लाभांश की सामान्य दर 15% है।

X Ltd. की 7% पूर्वाधिकार अंशपूंजी 4,00,000 रु० है जो 10 रु० वाले अंशों में है। आय विधि से अंश का मूल्य निकालिए।

[B.Com. K.U.K. 1992]

Ans. Rs. 35.875 per share.

Problem 8. On 31 st December, 1997 the Balance Sheet of S Ltd. disclosed the following position.

	Rs.		Rs.
Issued capital Rs. 10	2,40,000	Fixed Assets	2,40,00
Reserve Fund	54,000	Current Assets	1,20,000
Profit and loss A/c	12,000	Goodwill	24,000
Current Liabilities	78,000		
	3,84,000		3,84,000

The net profits for the three years were 1995 - Rs. 36,960; 1996 - Rs. 36,200; and 1997 - Rs. 42,990 of which 20% was placed to reserve. This proportion being considered reasonable in the industry in which the company is engaged and where a fair investment retrun may be taken at 12%. Compute the value of company's share by yield mehtod.

तीन वर्षों का लाभ निम्न प्रकार था :—

1995 - 39,960 रु०; 1996 - 37,200 रु०; 1997 - 42,990 रु०

उपरोक्त लाभों का 20% संचय में रखा जाता था। जिस प्रकार के उद्योग में कम्पनी लगी हुई है उसके लिए यह अनुपात उचित माना जाता है। विनियोग का उचित लाभ की दर 12% है।

आया विधि के अनुसार अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

Ans. Rs. 10.84 per share.

Problem 9. The paid up share capital of a company consists of 1,000,5% preference shares of Rs. 100 each and 20,000 equity shares of Rs. 10 each. In addition to a fixed dividend of 5% the preference shareholders are also entitled to participate in the profit up to 4% after payment of dividend of 10% on equity shares, any surplus profits being available to equity shareholders.

The annual average profits of the company are Rs. 50,000 after providing for depreciation and taxation and it is considered necessary to transfer Rs. 3,000 per annum to Reserve Fund.

The normal return expected on preference shares is 8% and that on equity shares is 10% you are required to work out the value of the each preference and equity share in the company.

एम कम्पनी की चुकता अंशपूंजी 100 रु० वाले 20,000 समता अंशों में विभाजित है। 5% स्थायी लाभांश दर के अतिरिक्त पूर्वाधिकार अंशधारियों को लाभ में से समता अंशों पर 10% लाभांश का भुगतान करने के पश्चात् 4% तक अतिरिक्त लाभांश समता अंशधारियों को मिलेगा।

कम्पनी के औसत लाभ (लाभ तथा कर के लिए प्रावधान करने के बाद) 50,000 रु० है और 3,000 रु० वार्षिक संचय कोष में हस्तान्तरित करना उचित समझा गया है। पूर्वाधिकार अंशों पर सामान्य आय की दर 8% तथा समता अंशों पर 10% हैं कम्पनी के पूर्वाधिकार अंश तथा समता अंश के मूल्य की गणना कीजिए।

Ans. Value of preference share Rs. 112.50 value of equity share Rs. 19.00

Earning Capacity Method

Problem 10. On 31st December, 1996 the Balance Sheet of X Ltd. disclosed the following position :—

	Rs.		Rs.
2,000 6% preference shares of Rs. 100 each fully paid	2,00,000	Machinery	50,000
3,000 equity shares of Rs. 100 each fully paid	3,00,000	Stock (at market price)	2,00,000
Reserves for Bad debts	10,000	3% investment	2,00,000
		Debtors	2,50,000
		Cash	1,00,000
Depreciation Fund -	10,000	Preliminary expenses	45,000
Machinery 4,000			
Investment 6,000			
Profit and Loss A/c			
1 Jan, 1996 30,000			
for 1996 2,70,000	3,00,000		
Creditors	25,000		
	8,45,000		8,45,000

(a) Machinery is worth Rs. 1,00,000 now; (b) profit for the past three years have shown an increase of Rs. 10,000 annually; (c) Public companies doing similar business show a profit earning capacity of 12% on the market value of their shares; (d) The company's prospect for 1997 are good.

Find the value of share by earning capacity method. Assume taxation at 50% **सूचनाएं** :— (i) मशीनरी का मूल्य अब 1,00,000 रु० है।

(ii) पिछले तीन वर्षों से लाभों में लगातार 10,000 रु० की वद्धि हो रही है।

(ii) 1997 के लिए कम्पनी का कारोबार अच्छा होने की संभावना है।

Ans. Rs. 172.08 (Approx.)

Hint :—Net capital Employed = Rs. 6,15,000; profits after tax but before preference dividend and interest on Debentures Rs. 1,27,000 Rate of Earnings 20.65%

Problem 11.

Following the Balnce-Sheet of P Ltd. is as on 31st March, 1997.

	Rs.		**Rs.**
18,000 equity shares of Rs. 10 each fully paid	18,000	Furniture	72,000
		Buildings	30,000
Reserves & Surplus		Plant and Machinery	1,06,000
Reserve Fund	72,000	Stock	80,000
Capital Reserve	24,000	Debtors	1,21,800
Profit and Loss A/c	72,000	Cash and Bank	71,220
Income tax payable	6,900		
Creditors	56,220		
Proision for tax	49,200		
Proposed Dividend	20,700		
	4,81,020		4,81,020

Net profits (before taxation) for the three years are—

Year ended 31st March, 1995 - Rs. 82800; 31st March, 1996 - Rs. 1,09,800; 31st March, 1997 - Rs. 1,18,200. Furniture valued at Rs. 96,000.

Average yield in this type of business is 15% on capital employed. Find out the value of each share on the basis of above mentioned facts.

गत समाप्त होने वाले वर्षों का शुद्ध लाभ (आयकर घटाने से पूर्व) निम्न प्रकार से है:—31 मार्च, 1995 को 82,800 रु०; 31 मार्च 1996 को 1,09,80 रु०; 31 मार्च 1997 को 1,18,200 रु० था। फर्नीचर को 96,000 रु० पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है। इस प्रकार के व्यापार में विनियोजित पूंजी का लाभांश की औसत पर 15% है तथ्यों के आधार पर प्रत्येक अंश का मूल्य ज्ञात कीजिए।

Ans. Rs. 8.79 per share Net capital Employed - Rs. 3,92,700.

Note— प्रश्न को Earning Capacity Method से हल किया गया है।

Eaming capacity method में विनियोजित पूंजी की गणना करते समय Proposed Dividend को नहीं घटाया जाता है।

Problem 12.

The following in the Balance-Sheet of S Ltd. as at 30th June, 1997

	Rs.		**Rs.**
Share captial 15,000 shares of Rs.10 each	1,50,000	Free hold property	1,20,000

Reserve Fund	75,000	Machinery	72,000
Profit and Loss A/c	15,000	Furniture	22,000
Provident Fund	12,000	Stock	12,000
Creditors	48,000	Book-Debts	66,000
Provision for tax	10,800	Cash at Bank	4,800
		Underwriting commision	6,000
	3,10,800		3,10,800

Freehold property has been valued at Rs. 1,50,000; machinery is worth Rs. 60,000; Goodwill is valued is at Rs. 48,000. Profits of the company after tax are. 1995 - Rs. 60,000; 1996 - Rs. 66,000; 1997 - Rs. 90,000

The expected Rate of Return may be taken at 12% Find the value of share by earning capacity method.

फ्रीहोल्ड प्रोपर्टी का मूल्यांकन 1,50,000 रु०; मशीनरी का मूल्यांकन 60,000 रु० किया गया। ख्याति का मूल्य 48,000 रु० है। अनुमानित प्रतिफल की 15% दर हैं उपर्जान आय विधि के आधार पर अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

Ans. Value of Share - Rs. 20; Net capital employed - Rs. 3,00,000.

औसत विधि अथवा उचित मूल्य विधि
(Fair Value Method OR Mean Method)

Problem 13.

The following particulars of a company are available :—

(i) Equity share capital : 10,000 Equity shares of Rs. 10 each fully paid

(ii) 1,000, 12% preference shares of Rs. 100 fully paid.

(iii) Reserves and surplus - Rs. 15,000

(iv) External liabilities—

	Rs.
Creditors	12,000
Bills Payable	6,000

(v) The average normal profits (after taxation) earned each year by the company - Rs. 28,500

Assets of the company include one fictious item of Rs. 800;

The fair or normal rate of return in respect of the equity shares of this type of the company is ascertained at 10%.

Calculate the fair value of each equity share.

कम्पनी के सम्बन्ध में निम्न विवरण उपलब्ध हैं :—

(i) समता अंशपूंजी :— 10,000 समता अंश रु० वाले पूर्णदत्त।

(ii) 1,000, 12% पूर्वाधिकार अंश 100 रु० वाले पूर्णदत्त।

(iii) संचय एवं आधिक्य — 15,000 रु० ।

(iv) बाहरी दायित्व :—

	रु०
लेनदार	12,000
देय विपत्र	6,000

(v) कम्पनी द्वारा सामान्य औसत लाभ (करों के बाद) 28,500 रु० । कम्पनी कुल सम्पत्तियों में 8,000 रु० की नाम पत्र की सम्पत्तियां है। इसी प्रकार की कम्पनियों के समता अंशों के बाजार मूल्य पर सामान्य लाभ की दर 10% है।

कम्पनी के अंशों का उचित मूल्य ज्ञात कीजिए।

Ans. Assets Basis - Rs. 11.42; yield basis - Rs. 16.50; Fair value - Rs. 13.96

Problem 14.

The following is the balance sheet of X Ltd. as at 30th June, 1997.

	Rs.		Rs.
7,500 equity shares of Rs. 10 each.	75,000	Land Buildings	41,250
General Reserve	15,000	Plant and Machinery	48,750
Profit and Loss A/c	12,000	Trade marks	7,500
Workmen saving Account	11,250	Stock	18,000
Provision for Tax	22,500	Debtors	33,000
Creditors	36,750	Cash at Bank	19,500
		Preliminary expenses	4,500
	1,72,500		1,72,500

The plant and machinery is worth Rs. 45,000 and land and buildings have been valued at Rs. 90,000. Rs. 3,000 of the debtors are bad. The profits of the company of the past three years are Rs. 30,000; Rs. 33,750 and Rs. 39,750. It is the company's practice to transfer 25% of the profits to reserves. Ignoring taxation, find out the value of the equity share on dividend yield basis and also on the net assets basis. Similar companies give an yield of 10% on the market value of their shares. Goodwill may be taken to be worth Rs. 60,000.

प्लान्ट एवं मशीनरी का मूल्य 45,000 रु० तथा भूमि एवं भवन का मूल्य 90,000 रु० है। देनदारों में से 3,000 रु० इबन ऋण है गत तीन वर्षों में कम्पनी के लाभ 30,000 रु०; 33,750 रु० तथा 39,750 रु० है। कम्पनी अपने लाभों का 25% प्रतिवर्ष संचयों में हस्तांतरित करती है। कर का ध्यान न रखते हुए, लाभांश आय विधि तथा शुद्ध सम्पत्ति विधि से समता अंश का मूल्य ज्ञात कीजिए। इसी प्रकार की कम्पनियां अपने अंशों के बाजार मूल्य पर 10% की प्रत्याय देती है ख्याति का मूल्य 60,000 रु० लिया जा सकता है।

Ans. Asset basis - Rs. 26.60; yield basis - Rs. 36.75

Fair Value - Rs. 31.67

❒

अध्याय-9

कम्पनियों का एकीकरण, अन्तर्लयन एवं पुनर्निर्माण

(Amalgamation, Absorption and Reconstruction of Companies)

कुछ व्यापार जन्म से बड़े होते हैं, कुछ बाद में बड़े जाते हैं और कुछ को जबरदस्ती बड़ा बना दिया जाता है। वर्तमान में व्यापार को जबरदस्ती बड़ा बनाने की प्रवत्ति दिन–प्रतिदिन पनप रहीं है। इस प्रवत्ति के पीछे संयोग आन्दोलन का हाथ होता है। संयोग आन्दोलन के परिणामस्वरूप कुछ व्यापार मिलकर आपस में एक हो जाते हैं। संयोग से सभी इकाइयों को लाभ होता है। उत्पादन व्ययों में कमी होना, तथा मूल्यों पर नियन्त्रण होना, उत्पादन एवं वितरण व्ययों में मितव्ययता आना और कुशल अनुभवी विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करना आदि।

भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 494 के अधीन कम्पनी परिसमापक को यह अधिकार दिया गया है कि परिसमापित होने वाली कम्पनी के लिए क्रेता कम्पनी से जो अंश एवं ऋणपत्र मिलते हैं उन्हें परिसमापित होने वाली कम्पनी अंशधारियों में उनके दावों के आधार पर बांट दे। अतः एक परिसमापित होने वाली कम्पनी का क्रय किसी भी दूसरी कम्पनी से किया जा सकता है और क्रेता कम्पनी परिसमापित होने वाली कम्पनी का क्रय मूल्य का भुगतान अपने अंश एवं ऋणपत्रों में कर सकती है। इस प्रकार दो या दो से अधिक कम्पनियां आपस में मिलकर संयोजित हो जाती है। लेखांकन में एक समामेलित संस्था का व्यवसाय जब दूसरी समामेलित संस्था द्वारा क्रय किया जाता है तब इसे एकीकरण, अन्तर्लयन या पुनर्निर्माण कहा जाता है। यद्यपि ये शब्द समानार्थ लगते हैं लेकिन इन तीनों शब्दों के अर्थ में परिभाषिक अन्तर है जिसका स्पष्टीकरण नीचे दिया गया है।

1. **एकीकरण (Amalgamation)**—इस विधि में दो या दो से अधिक वर्तमान कम्पनियों का पहले परिसमापन किया जाता है और बाद में उनके स्थान पर एक नई कम्पनी का निर्माण किया जाता है। जब दो या दो से अधिक कम्पनियां आपस में इस प्रकार संयोजित होती हैं तब एकीकरण कहलाता है। यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि कम से कम दो कम्पनियों का परिसमापन किया जाना चाहिये और एक नई कम्पनी का निर्माण किया जाना चाहिए।
2. **अवशोषण या अन्तर्लयन (Absorption)**—इसके अन्तर्गत एक या एक से अधिक कम्पनियों का परिसमापन किया जाता है और किसी वर्तमान कम्पनी द्वारा उनका व्यवसाय क्रय किया जाता है। प्रायः व्यवसाय क्रय करने वाली कम्पनी बड़ी होती हैं। अतः किसी नई कम्पनी का निर्माण नहीं किया जाता।
3. **पुनर्निर्माण (Reconstruction)**—एक ऐसी कम्पनी जिसे व्यवसाय में सफलता नहीं मिल रही है।, अपनी पूंजी से पुनर्गठन करती है। पुनर्निर्माण करने की दो विधियां हैंः

   (i) **आन्तरिक पुनर्निर्माण (Internal Reconstruction)**—एक असफल कम्पनी पुनः सफलता प्राप्त करने के लिए अपना पुनःर्निर्माण करती है जबकि कम्पनी का व्यापार और उसके अंशधारी पूर्ववत् बने रहते हैं। इस प्रकार पुनर्निर्माण एवं हानियां और सम्पत्तियों और सम्पत्तियों के अधिमूल्यांकन (over-valuation of Assets) को समाप्त कर नए स्तर से व्यापार करना है। अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य आते हैंः

   (अ) अंश–पूंजी कम करना (Reduction of Share Capital)

   (ब) अंश पूंजी का पुनर्गठन (Re-organisation of Capital)

   (ii) **बाह्य पुनर्निर्माण (External Reconstruction)**—जब एक वर्तमान कम्पनी का व्यापार समाप्त कर इसके व्यापार क्रय करने के लिए एक नई कम्पनी की स्थापना की जाती है तो इसे बाह्य पुनर्निर्माण कहते हैं।

पुनर्निर्माण का सम्बन्ध केवल एक कम्पनी से है और आन्तरिक पुनर्निर्माण में कम्पनी का परिसमापन नहीं किया जाता।

	विक्रेता कम्पनी/कम्पनियां	क्रेता कम्पनी
1. एकीकरण	दो या अधिक कम्पनियों का समापन हो जाता है।	समाप्त हुई कम्पनियों के व्यवसाय के अधिग्रहण करने हेतु एक नई कम्पनी अस्तित्व में आती है।
2. संविलयन	एक या अधिक कम्पनी का समापन हो जाता है।	एक विद्यमान कम्पनी समाप्त हुई कम्पनी/कम्पनियां के व्यवसाय का अधिग्रहण करती है।
3. बाह्य पुनर्निर्माण	विद्यमान कम्पनी समाप्त हो जाती है।	समाप्त हुई कम्पनी के व्यववसाय का अधिग्रहण करने हेतु एक नई कम्पनी अस्तित्व में आती है।

उपरोक्त विषय का लेखांकन उपचार निम्न प्रकार किया जायेगा।

(i) विक्रेता कम्पनी/कम्पनियों की लेखा–बहियों में समापन लेखे।

(ii) क्रेता कम्पनी की लेखा–बहियों के प्रारम्भ करना या क्रय सम्बन्धी लेखे।

आज के इस व्यवसायिक युग में एक कम्पनी के व्यवसाय समाप्त कर नई कम्पनी द्वारा किया जाना अधिग्रहण करना या एक ही प्रकार का व्यवसाय करने वाली कम्पनियों द्वारा अपना व्यवसाय समाप्त कर नई कमपनी का निर्माण करना एक सामान्य सी बात है। अतः एक या अधिक कम्पनियों के व्यवसाय को अन्य कम्पनी द्वारा क्रय या अधिग्रहण किया जाना ही एकीकरण, संविलयन या बाह्य पुनर्निमाण आदि नामों से जाना जाता है।

एकीकरण, संविलयन या बाह्य निर्माण सामान्य बोलचाल की भाषा में एक समान लगते हैं, परन्तु तीनों में तकनीकी अन्तर है। इनका स्पष्ट अर्थ जानने के लिए निम्न विचारधाराओं का संक्षिप्त अध्ययन करना आवश्यक है।

I. परम्परागत विचारधारा (Traditional Approach up to 1st April, 1995)

1 अप्रैल, 1995 से पहले एकीकरण, संविलयन और पुनर्निर्माण शब्दों का अर्थ निम्न प्रकार से लिया जाता था।

एकीकरण

(Amalgamation)

एक–सा ही व्यापार करने वाली दो या दो से अधिक कम्पनियों द्वारा आपस में मिलकर नई कम्पनी का निर्माण करना तथा नई कम्पनी द्वारा आपस में मिलने वाली कम्पनियों के व्यवसाय को क्रय करना ही एकीकरण कहलाता है।

मुख्य विशेषताएं–(i) दो या दो से अधिक कम्पनियां का मिलना।

(ii) मिलने वाली कम्पनियों का व्यवसाय समान पद्धति का होना।

(iii) मिलने वाली कम्पनियों का व्यवसाय क्रय करने के लिए नई कम्पनी का निर्माण होना।

उदाहरण–माना कि X Ltd. तथा Y Ltd. दो कम्पनियों एक–सा ही व्यापार करने वाली हैं। ये दोनों कम्पनियां आपस में मिलकर एक नई कम्पनी XY Ltd. का निर्माण कर लेती है। तो यह एकीकरण होगा, ऐसी स्थिति में X Ltd. और Y Ltd. यहां पर XY Ltd. को क्रेता कम्पनी कहेंगे क्योंकि X Ltd. तथा Y Ltd. के व्यवसाय को क्रय करती है। X Ltd. तथा Y Ltd. को विक्रेता कम्पनियों कहेंगे क्योंकि इन्हें अपने व्यवसाय को XY Ltd. को बेचना पड़ता है। वैधानिक अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

एकीकरण (Amalgamation)

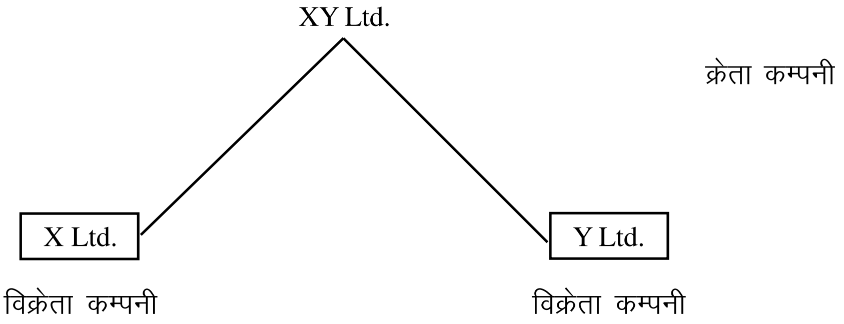

Amalgamation

Formation and Promotion of a new company to take over the business of two or more existing Companies is called Amalgamation."

संविलयन (Absorption)

एक विद्यमान कम्पनी द्वारा समान प्रकृति के व्यवसाय में लगी हुई दूसरी कम्पनी के व्यवसाय को एक आपसी समझौते के अन्तर्गत निश्चित प्रतिफल के बदले क्रय करना संविलयन कहलाता है।

मुख्य विशेषताएं—(i) किसी अन्य कम्पनी का व्यवसाय क्रय करने के लिए नई कम्पनी का निर्माण नहीं होता। एक विद्यमान कम्पनी ही व्यवसाय क्रय करती है।

(ii) क्रय के पश्चात् विक्रेता कम्पनी का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। केवल एक क्रेता कम्पनी ही रह जाती है।

उदाहरण—माना कि X Ltd. साइकिल निर्माण करती है और Y Ltd. भी साइकिल निर्माण करती है। दोनों में आपसी प्रतिस्पर्धा होती हैं अब एक समझौते के अनुरूप X Ltd. Y Ltd. को क्रय कर लेती है और Y Ltd. का अस्तित्व समाप्त हो जाता है तो यह Y Ltd. का X Ltd. में संविलयन (Absorption) माना जाएगा।

Absorption

"One or more existing companies go in to liquidation and some exsiting company takes over or purchases their business—is known as absorption."

उद्देश्य (Objectives)

एकीकरण, संविलयन या बाह्य पुनर्निर्माण का उद्देश्य अनेक प्रकार की आन्तरिक एवं बाह्य बचतों को प्राप्त करना, आपसी प्रतिस्पर्धा को समाप्त करना, खर्चों में कटौती, व्यापार पर समुचित नियन्त्रण तथा वस्तुओं के उत्पादन की प्रति इकाई लागत को कम करना, पूंजी में वद्धि करना तथा पेशेवर प्रबन्धकों की सेवाओं का लाभ प्राप्त करना होता है।

पुनर्निर्माण (Reconstruction)

पुनर्निर्माण का सही अर्थ समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि पुनर्निर्माण किस प्रकार का है।

पुनर्निर्माण दो प्रकार का होता है

(i) बाह्य पुनर्निर्माण (External Reconstruction) एक नई स्थापित कम्पनी द्वारा एक विद्यमान कम्पनी के व्यवसाय को क्रय करना बाह्य पुननिर्माण कहलाता है। इस नई कम्पनी का निर्माण उस विद्यमान कम्पनी के व्यवसाय को क्रय करने के लिए ही किया जाता है। इस प्रकार पुरानी कम्पनी पुनः संगठित हो जाती है।

उदाहरण—माना कि X Ltd. अपने व्यवसाय का समापन कर ले तथा X Ltd. का व्यवसाय क्रय करने के लिए Y Ltd. का निर्माण किया जाए तो यह बाह्य पुनर्निर्माण होगा।

External Reconstruction

"Formation of a new company in place of an existing one for the purpose of buying its business is known as External Reconstruction."

उद्देश्य (Objectives)

(i) गत वर्षों की हानियों को अपलिखित करना।

(ii) सम्पत्तियों को वास्तविक मूल्य पर दिखाना।

(iii) अधिक पूंजी प्राप्त करना तथा पूंजी संरचना में सुधार लाना।

(iv) अंशों को वास्तविक मूल्य पर दिखाना।

(v) कम्पनी की लाभोपार्जन शक्ति में वद्धि करना।

(vi) कम्पनी को भविष्य में होने वाली हानियों से बचाना।

(ii) आन्तरिक पुनर्निर्माण (Internal Reconstruction)—एक विद्यमान कम्पनी द्वारा बिना किसी नई कम्पनी के निर्माण तथा बिना व्यवसाय समापन के अपनी पूंजी संरचना का पुनर्गठन करना या पूंजी में कमी करना अथवा सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्य में परिवर्तन करना आन्तरिक निर्माण कहलाता है।

Internal Reconstruction

It involves the reorganisation of Capital Structure or reduction of the paid up capital without liquidation of an existing company or forming a new company.

उद्देश्य (Objectives)

इस पुनर्निर्माण में कम्पनी की सम्पत्तियों को उनके वास्तविक मूल्य पर लाया जाता है तथा काल्पनिक एवं कृत्रिम सम्पत्तियों (Fictious Assets) को अपलिखित कर दिया जाता है तथा गत वर्षों की संचित हानियों को अपलिखित कर के कम्पनी की आर्थिक स्थिति को सुदढ़ बनाया जाता है।

इस पुनर्निर्माण में अंशपूंजी को उस सीमा तक कम किया जाता है जिस सीमा तक कम्पनी की सम्पत्तियों के मूल्य में कमी हो गई हो।

उपरोक्त व्याख्या के आधार पर यह स्पष्ट है कि तीनों में तकनीकी अन्तर है जो निम्नलिखित आधारों पर स्पष्ट किया जा सकता है—

अन्तर का आधार	एकीकरण	संविलयन	बाह्य पुनर्निर्माण
1. नई कम्पनी का जन्म	एक नई कम्पनी अस्तित्व में आती है।	कोई नहीं कम्पनी अस्तित्व में नहीं आती।	एक नई कम्पनी अस्तित्व में आती है।
2. उद्देश्य	कम्पनियों की आपसी प्रतिस्पर्धा का अन्त करना है।	क्रेता कम्पनी द्वारा अपने व्यवसाय का विस्तार तथा व्यवसाय का विस्तार तथा व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने के लिए दूसरी विद्यमान कम्पनी का क्रय करना है।	कम्पनी द्वारा अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए पुनः संगठित होना है।
3. कम्पनियों की स्थिति	अपना व्यवसाय समाप्त करने वाली कम्पनियों की आर्थिक स्थिति एक जैसी होती है।	क्रेता कम्पनी की आर्थिक स्थिति विक्रेता कम्पनी से अधिक मजबूत होती है।	समाप्त होने वाली कम्पनी आर्थिक दशा बहुत खराब होता है।

4. समापन	दो या दो से अधिक कम्पनियों समापन होता है।	विक्रेता कम्पनी का व्यवसाय समाप्त होता है।	एक ही कम्पनी जिसका पुनर्निर्माण होना समाप्त होता है।
5. अंशधारी	नयी कम्पनी में वही अंशधारी होते हैं जो समाप्त होने वाली कम्पनियों के होते हैं	संविलयन में क्रेता कम्पनी में क्रेता तथा विक्रेता दोनों ही कम्पनियों के अंशधारी होते हैं।	इसमें पुरानी कम्पनी के अंशधारी ही नई कम्पनी के सदस्य होते हैं।

लेखांकन व्यवहार
(Accounting Treatment)

उपरोक्त तीनों परिस्थितियों में तकनीकी अन्तर होते हुए भी लेखांकन व्यवहार एक जैसा होता है। इसमें कोई विशेष अन्तर नहीं है।

एकीकरण, संविलयन तथा बाह्य पुनर्निर्माण (आन्तरिक पुनर्निर्माण को छोड़कर) की लेखांकन प्रक्रिया एक जैसी होने के कारण, इनको एक साथ समझाया गया है। तीनों ही दशाओं में निम्नलिखित प्रकार से लेखांकन कार्य पूरा किया जाता है—

(1) विक्रेता कम्पनी अर्थात् समाप्त होने वाली कम्पनी के खातों को बन्द करना।

(Closing the books of accounts of vendor company or liquidated company.)

(2) क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में व्यवसाय के क्रय सम्बन्धी लेखे करना और खाते खोलना।

(Recording the Entries of purchase of business & opening accounts in the book of purchasing company.)

आधुनिक या नई विचारधारा
(Modern or New Approach)

1 अप्रैल, 1995 एवं इसके बाद प्रारम्भ होने वाली लेखांकन अवधियों के लिए एकीकरण तथा संविलयन से सम्बन्धित लेखांकन को परिवर्तित कर दिया गया है। इन्सटीट्यूट ऑफ चार्टरड एकाउन्टेन्ट्स (ICAI) द्वारा जारी लेखांकन प्रमाप 14 (Accounting Standard 14) द्वारा निर्धारित कार्यविधि के अन्तर्गत उपरोक्त अवधारणाओं में परिवर्तन कर दिया गया है जिसका कम्पनियों द्वारा पालन करना अनिवार्य है। पुनर्निर्माण (आन्तरिक या बाह्य) से सम्बन्धित लेखांकन में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया हैं इनसे सम्बन्धित लेखांकन व्यवहार वैसे ही होगा पहले किया जाता था। लेखांकन प्रभाप 14 (AS-14) की मुख्य विशेषताएं संक्षिप्त में निम्न प्रकार हैं—

महत्त्वपूर्ण शब्दों की व्याख्या
(Explanation of Important Terms)

(अ) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी (Transferror Company)—यह ऐसी कम्पनी होती है जिसका कम्पनी में एकीकरण हो जाता है।

(a) Transfer of company means the company which is amalgamated into another company.

(ब) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी (Transferee Comapny)—यह ऐसी कम्पनी होती है जिसमें दूसरी कम्पनी का एकीकरण हो जाता है।

(b) Transferee company means the company into which a transferor company is amalgamated.

(स) संचय या कोष (Reserve)—पूंजीगत या आयगत लाभ का हिस्सा जिसे सामान्य या विशेष (ह्रास प्रावधान को छोड़कर हेतु प्रबन्ध द्वारा नियोजित किया जाता है।

(c) Reserve means the portion of earning, receipts or other suplus to enterprise (whether capital or revenue) approapriated by the managament for a general or a specific purpose other than a provision for depreication or diminution in the value of assets or for a known liability.

(द) एकीकरण (Amalgamation)—नए अर्थ के अनुसार एकीकरण दो प्रकार का हो सकता है—

1. मिश्रण की प्रकृति का एकीकरण (Amalgamation in the Nature of Merger),

2. क्रय की प्रकृति का एकीकरण (Amalgamation in the Nature of Purchase)।

मिश्रण की प्रकृति का एकीकरण

यह एकीकरण उस समय माना जाता है जबकि निम्नांकित पांचों शर्तें पूरी हो जाएं—

This is a type of amalgamation which satisfies all the following conditions—

(i) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की सभी सम्पत्तियां और दायित्व एकीकरण के पश्चात् हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की सम्पत्तियां और दायित्व बन जाते हैं।

(i) All the assets and liabilities of the transferor company become after amalgamation, the assets and liabilities of the transferee company.

(ii) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के समता अंशों के अंकित मूलय का कम से कम 90% अंश रखने वाले अंशधारी समामेलन के बाद हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी के अंशधारी बन जाते हैं। इस 90% की गणना करते समय, वह अंश छोड दिए जाएंगे जो कि समामेलन से पहले ही हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी अथवा उसकी सहायक कम्पनियों अथवा उनके द्वारा नामांकितों के पास थे।

(ii) Shareholders holding not less than 90 per cent of the face value of the equity shares of the transferor company (other than the equity shares already held therein, immediately before the amalgamation, by the transferee company or its subsidiaries of their nominees) become equity shareholders of the transferee company by virtue of the amalgamation.

(iii) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के वह समता अंशधारी जो कि हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी के समता अंशधारी बनने को सहमत होते हैं उन्हें एकीकरण के फलस्वरूप जो प्रतिफल प्राप्त होता है वह हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा पूर्ण रूप से अपनी कम्पनी के समता अंश देकर चुकता किया गया हो सिवाय इसके कि अपूर्ण (fractional) अंशों के बदले नकद रुपया दिया जा सकता है।

(iii) The consideration for the amalgamation receivable by those equity shareholders of the transferor company who agree to become equity shareholders of the transferee company is discharged by the transferee company wholly by the issue of equity shares in the transferee company, except that cash may be paid in respect of any fractional shares.

(vi) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के व्यवसाय को हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा चालू रखने की इच्छा (intention) हो।

(vi) The business of the transferor company is intended to be carried on, after the amalgamation by the transferee company.

(v) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की सम्पत्तियों और दायित्वों को हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में शामिल करते समय इनके पुस्तकीय मूल्य में कोई भी समायोजन करने का विचार न हो सिवाय इसके कि लेखांकन नीतियों में समरूपता लाने के लिए ऐसा करना अनिवार्य न हो।

(v) No adjustment is intended to be made to the book values of the assets and liabilities of the transferor company when they are incorporated in the financial statements of the transferee company except to ensure uniformity of accounting policies.

इस प्रकार के एकीकरण में एकीकरण होने वाली कम्पनियों की न केवल सम्पत्तियों एवं दायित्वों का ही परन्तु अंशधारियों के हितों का भी यथार्थ मिश्रण होता है इसके अतिरिक्त हस्तांतरण करने वाली कम्पनियों के अंशधारियों, हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की अंशपूंजी अथवा प्रबन्ध में पर्याप्त अथवा आनुपातिक हिस्सा पाते हैं। इसमें हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की सम्पत्तियों, दायित्वों एवं संचयों को हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में इनके वर्तमान पुस्तकीय मूल्य पर ही लिखा जाता है। इसमें हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के व्यवसाय को चालू रखने की इच्छा होती है।

In this type of amalgamation, there is genuine pooling of assets and liabilities of the combining entities. In addition, equity shareholders of the combining entities continue to have a proportionate share in the combined entity. The accounting treatment of such amalgamations should ensure that the resultant figures of assets, liabilities, capital and reserves more or less represent the sum of the relevant figures of the amalgamating companies. The business of the transferor company is intended to be carried on after the amalgamation by the transferee company.

क्रय की प्रकृति का एकीकरण

(Amalgamation in the Nature of Purchase)

क्रय की प्रकृति का एकीकरण उस स्थिति में होता है जब उपरोक्त पांच शर्तों में से कोई भी अथवा अधिक शर्ते पूरी न होती हों। इसमें एक कम्पनी दूसरी कम्पनी का क्रय करती है। अतः हस्तांतरण करने वाली करने वाली कम्पनी के अंशधारी हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की अंशपूंजी अथवा प्रबन्ध में पर्याप्त अथवा आनुपातिक हिस्सा नहीं पाते हैं। इस प्रकार के एकीकरण में हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के व्यवसाय को चालू रखने की इच्छा नहीं होती है। इसमें हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की सम्पत्तियों, दायित्वों और संचयों को हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में उचित अथवा संशोधित मूल्य पर लिखा जाता है। (Amalgamation may be considered in the nature of purchase when anyone or more of the five conditions specified for amalgamations in the nature of merger is not satisfied. These are amalgamations which are in effect a mode by which one company acquires another company and hence, the equity shareholders of the combining entities do not continue to have a proportionate share in the equity of the combined entity or the business of the acquired company is not intended to be continued after the amalgamation.)

लेखांकन विधि लेखांकन प्रमाप 14 के अनुसार

(Accounting Treatment According to AS 14)

एकीकरण, संविलयन तथा बाह्य पुनर्निर्माण में कुछ तकनीकी तथा महत्त्वपूर्ण शब्दों का प्रयोग किया जाता है। उपरोक्त से सम्बन्धित लेखे करने तथा व्यावहारिक समस्याओं को हल करने के लिए यह नितान्त आवश्यक है कि विद्यार्थियों को निम्नलिखित तकनीकी शब्दों का ज्ञान तथा समझ होनी चाहिए।

तकनीकी शब्द (Technical Terms)

(1) व्यवसाय क्रय करना (Business Purchased)—यदि 'हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी' ने हस्तांतरण करने वाली कम्पनी का व्यवसाय क्रय किया है तो इसका अर्थ यह होगा कि 'हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी' ने हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की सभी सम्पत्तियां (रोकड़ एवं बैंक सहित) तथा दायित्व क्रय किए हैं।

(2) सभी सम्पत्तियों को क्रय करना (All Assets Purchased)—यदि हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों को क्रय करती है तो इसका अर्थ यह होगा कि **हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी** कम्पनी ने सभी सम्पत्तियां (रोकड़ एवं बैंक सहित परन्तु कृत्रिम सम्पत्तियों को छोड़कर) क्रय की हैं, परन्तु कोई दायित्व नहीं लिया है।

व्यावहारिक प्रश्न हल करते समय विद्यार्थियों को यह देखना चाहिए कि हस्तांतरण पाने वालों ने हस्तांतरण करने वाली के व्यवसाय को क्रय किया है या सभी सम्पत्तियों को दोनों ही दशाओं में क्रय प्रतिफल की राशि भिन्न होगी। व्यवसाय क्रय करने की दशा में प्रतिफल की राशि सम्पत्तियों के क्रय करने की तुलना में कम होगी।

(3) व्यापारिक दायित्व (Trade Liabilities)—'व्यापारिक दायित्व' में केवल उन दायित्वों को शामिल किया जाता है जो व्यवसाय के लिए माल क्रय करने से सम्बन्धित होते हैं, जैसे व्यापारिक लेनदार तथा देय बिल (Trade creditors and Bills Payable)।

(4) दायित्व (Liabilities)—दायित्व शब्द विस्तत हैं। इसमें व्यापारिक दायित्वों के अतिरिक्त अन्य दायित्व जैसे ऋण–पत्र, अदत् व्यय, बैंक ऋण, अदत् लाभांश, बैंक अधिविकर्ष, प्रोविडेन्ट फण्ड, कर्मचारी अधिवार्षिकी निधि, पैंशन–फंड, करों के लिए आयोजन कर्मचारी बचत खाता, कर्मचारी लाभ विभाजन कोष को भी शामिल किया जाता है।

संक्षिप्त में कम्पनी एवं अंशधारियों को छोड़ अन्य सभी पक्षकारों को देय राशियां दायित्वों में शामिल किया जाता है।

(5) संचित लाभ (Accumulatd Profits) एवं मुक्त संचय (Free Reserves)—अगले पष्ठ पर दी गई तालिका के Column (iii) में लिखे गए लाभ, संचय एवं कोष कम्पनी के संचित लाभों को प्रदर्शित करते हैं कम्पनी के समता अंशधारी इनके स्वामी होते हैं अतः यह हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के समता अंशधारियों के खाते में क्रेडिट कर दिए जाते हैं। इनमें से कुछ को नीचे समझाया गया है—

(i) **सामान्य संचय (General Reserve)**—यह कम्पनी द्वारा अर्जित किए गए लाभों में से बनाया जाता है। इसको बनाने का उद्देश्य कम्पनी की आर्थिक स्थिति को सुदढ़ करना है।

(ii) **लाभांश समता संचय (Dividend Equalisation Reserve)**—यह भी कम्पनी द्वारा अर्जित किए गए लाभों में से बनाया जाता है। इसको बनाने का उद्देश्य बुर वर्षो में भी लाभांश की दर की समान बनाए रखना है। जिन वर्षो में कम्पनी के लाभ अधिक होते हैं उन वर्षो में लाभों का एक हिस्सा इन संचय में हस्तांतरित कर दिया जाता है ताकि जिन वर्षो में लाभ न हो उनमें इस संचय का प्रयोग लाभांश घोषित करने के लिए किया जा सके।

(iii) **बीमा कोष (Insurance Fund)**—कुछ कम्पनियां बीमा कम्पनी को बीमा प्रीमियम देने की बजाए ऐसी राशि को एक बीमा कोष में क्रेडिट कर देती हैं और फिर विभिन्न प्रकार के जोखिमों की पूर्ति इस बीमा कोष से करती रहती है। इस प्रकार बीमा कोष एक प्रकार के 'आन्तरिक बीमा' का कार्य करता है। कम्पनी के समापन के समय बीमा कोष का शेष संचित लाभों को प्रदर्शित करेगा क्योंकि इसके बाद किन्हीं भी जोखिमों की पूर्ति इस कोष से नहीं करनी है।

(iv) **कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष (Workmen's Compensation Fund)**—एवं कर्मचारी दुर्घटना कोष (Workmen's Accident Fund) यह कोष भी 'आन्तरिक बीमें' के उदाहरण हैं। समापन के समय, यह भी संचित लाभों की प्रदर्शित करेंगे क्योंकि इसके बाद किन्हीं भी दायित्वों की पूर्ति इन कोषों से होने की संभावना नहीं है। फिर भी, यदि इन कोषों के विरुद्ध कोई दायित्व है तो पहले ऐसे दायित्व की पूर्ति इन कोषों की जाएगी और यदि इसके बाद भी इन कोषों का कोई शेष बचता है तो केवल ऐसे शेष की ही संचित लाभ माना जाएगा। ऐसी दशा में निम्न जर्नल प्रविष्टयां की जाएंगी।

Workmen's Compensation or Accident Fund A/c Dr.

    To Bank A/c (For Payment of liability)

    To Equity Shareholder's A/c (For transferring the balance of fund)

संचित हानियाँ (Accumulated Losses)

ऐसी हानियां कम्पनी के चिट्ठे को सम्पत्ति की ओर (विविध खर्चे) शीर्षक के अन्तर्गत दी जाती हैं।

इन्हें कम्पनी के समापन के समय अंशधारियों के खाते में डेबिट पक्ष की ओर हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इनमें अग्रलिखित सम्मिलित हैं—

(i) लाभ हानि खाते का नाम शेष (Debit Balance of P & I. A/c)

(ii) प्रारम्भिक खर्चे (Preliminary Expenses)

(iii) अंशों एवं ऋणपत्रों पर कमीशन एवं छूट (Discount and Commission on Shares and Debentures)

(iv) अभिगोपन कमीशन (Underwriting Commission)

(v) विज्ञापन खर्चे Advertising Suspens A/c)

प्रावधान (Provisions)

कम्पनी के आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष की ओर कुछ मदों को प्रावधान के रूप में दिखाया जाता है। जैसे Provision for bad and doubtful debts, Provision for Depreciation, investment fluctuation funds, Provision for Repairs etc. अधिकांशतः इन प्रावधानों को संबंधित सम्पत्तियों से घटाकर सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखाया जाता है। स्थिति विवरण में दिये हुए इन प्रावधानों को वसूली खाते में तभी हस्तांतरित किया जाता है जब इनसे सम्बन्धित सम्पत्तियों को क्रेता कम्पनी खरीदती है।

निम्न तालिका द्वारा भी उपरोक्त मदों को आसानी से समझा जा सकता है—

Table Showing Classification of Accounts

व्यापारिक दायित्व **Liabilities (Trade)**	दायित्व **Liabilities**	संचित लाभ एवं कोष **Accumulated Profits' & Reserves**	प्रावधान एवं हानियां **Provisions & Accumulated Losses**
1. Trade creditors	1. Trade creditors	1. General Reserve	1. Provision for Doubtful
2. Bills Payable	2. Bills Payable	2. Reserve Fund	2. Profision for Depreciation
	3. Debentures	3. Sinking Fund OR Debenture Sinking Fund	3. Provision for Repairs
	4. Out standing Exp.		
	5. Provision for Tax		4. Provision for Discount on Debtors
		4. Capital Reserve	
		5. Share Forfeiture A/c	5. Preliminary expense
	6. Workmen's Savings Bank A/c	6. Share Premium A/c	6. Discount on shares & Debentures
	7. Workmen Profit Sharing Fund	7. Capital Redemption Reserve A/c	7. Underwriting Commission
	8. Loans	8. Workmen Compensation Fund	8. P&L A/c Dr. balance.
	9. Bank overdraft	9. Workmen's Accidents Fund	
	10. Pension Fund	10. P & L A/c Cr. balance	
	11. Provident Fund	11. Dividend Equalisation Reserve	
	12. Unclaimed Dividend	12. Development Rebate Reserve	
	13. Staff Super Super annuation Fund	13. Insurance Fund	

क्रय प्रतिफल की गणना करना (Calculation of Purchase Consideration)

हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी (Transferee Company) द्वारा व्यवसाय क्रय करने के प्रतिफल स्वरूप जो मूल्य हस्तांतरण करने वाली कम्पनी (Transferor Company) को चुकाया जाता है, क्रय प्रतिफल कहलाता है।

The Price payable by the transferee company to the transferor company for the acquisition of the business is called the purchase consideration.

एकीकरण के लेखांकन के उद्देश्य से लेखांकन प्रमाप–14 द्वारा क्रय प्रतिफल को निम्न प्रकार परिभाषित किया गया है 'प्रतिफल से आशय उन अंशों अन्य प्रतिभूतियों एवं नकद धनराशि से है जो हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के अंशधारियों के लिए दिए जाते हैं।'' क्रय प्रतिफल में ऐसे दायित्वों (Liabilitie) की राशि को शामिल नहीं किया जाता जिन्हें हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी ने ग्रहण कर लिया है या हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के लेनदारों को प्रत्यक्ष रूप से भुगतान कर दिया है। लेखांकन प्रमाप 14 के अनुसार हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के ऋण पत्रों एवं अन्य बाह्य दायित्वों के हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा ग्रहण किया हुआ मान लिया जाता है तथा इसी कम्पनी द्वारा उनका भुगतान कर दिया जाता है। यदि प्रश्न में स्पष्ट हैं कि हस्तांरण पाने वाली कम्पनी ने यह दायित्व स्वीकार नहीं किया है जो इन दायित्वों का भुगतान हस्तांतरण करने वाली कम्पनी द्वारा ही किया जाएगा।

क्रय प्रतिफल को निर्धारण करने की विधियां

(Methods of Calculation of Purchase Consideration)

क्रय प्रतिफल को निर्धारण करने की चार विधियों प्रचलित हैं—

(1) एक–मुश्त भुगतान पद्धति (Lump Sum Method)

(2) शुद्ध भुगतान विधि (Net Payment Method)

(3) शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method)

(4) आन्तरिक मूल्य विधि (Intrinsic Worth Method)

(1) एक मुश्त भुगतान पद्धति (Lump Sum Method)—इस पद्धति में विद्यार्थियों को क्रय प्रतिफल की गणना करने की कोई आवश्यकता नहीं होती क्योंकि क्रय प्रतिफल की राशि व्यावहारिक प्रश्न में ही होती है। उदाहरण के तौर पर मानो कि X Ltd. Y Ltd. के व्यवसाय को 2,50,000 रु. में क्रय करती है तो यहां पर क्रय प्रतिफल की राशि 2,50,000 रु. ही मानी जाएगी इसे पथक् रूप में ज्ञात करने की आवश्यकता नहीं है।

(2) शुद्ध भुगतान विधि (Net Payment Method)—इस विधि में क्रय प्रतिफल की गणना करते समय निम्न बातों की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए—

(i) क्रय प्रतिफल की गणना करते समय हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी (Transferee Company) द्वारा ली गई सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्यों को ध्यान में नहीं रखना चाहिए।

(ii) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी (Transferee Company) द्वारा हस्तांतरण करने वाली (Transferor Company) के अंशधारियों को नकदी, अंशों या ऋणपत्रों में किए गए भुगतान को ध्यान में रखना जाना चाहिए। यह भुगतान—समता अथवा पूर्वाधिकार अंशधारियों को हो सकता है।

(iii) क्रय प्रतिफल की गणना करते समय ऋणपत्रधारियों एवं अन्य बाह्य दायित्वों (Debentures and other extrnal liabilities) को किए गए भुगतान को शामिल नहीं किया जाता है क्योंकि लेखांकन प्रमाप 14 के अनुसार यह मान लिया जाता है कि ये दायित्व हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा ग्रहण कर लिए गये (Transferee Company) और कम्पनी द्वारा सीधे ही इनका भुगतान कर दिया गया है।

(iv) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की ओर से किसी अन्य पक्षकार को किए गए भुगतान को क्रय प्रतिफल की गणना करते समय ध्यान में नहीं रखना चाहिए।

(v) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा हस्तांतरण करने वाली कम्पनी को समापन व्ययों (Liquidated expenses) के भुगतान के लिए दी गई राशि को भी क्रय मूल्य में शामिल नहीं किया जाता है।

(vi) इस विधि में हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा लिए गए दायित्वों की राशि को क्रय प्रतिफल में न तो जोड़ना है न ही घटाना है।

(3) शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method)—इस विधि का प्रयोग तब किया जाता है, जब हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा भुगतान की गई राशि का निर्धारण करना कठिन हो अथवा भुगतान की कोई राशि लुप्त (Missing) हो। ऐसी स्थिति में भुगतान के सभी रूपों जैसे नकदी, अंश अथवा अन्य प्रकार की प्रतिभूतियों के मूलय को जोड़ा नहीं जा सकेगा। ऐसी स्थिति में क्रय मूल्य की गणना शुद्ध सम्पत्ति विधि द्वारा ही की जाएगी।

इस विधि में क्रय की गणना करते समय हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी (Transferee Company) द्वारा ली गई समस्त सम्पत्तियों के सहमत मूल्य (Agreed Value) में से इसी कम्पनी द्वारा लिए गये दायित्वों के सहमत को घटा दिया जाता है।

क्रय प्रतिफल = हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा ली गई समस्त सम्पत्तियों का सहमत मूल्य—हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा लिए गए दायित्वों का सहमत मूल्य।

Purchase Consideration :

Assets taken over by Transferee Company (at their agreed value, if any, otherwise at their book value)

Less : Liabilities takenover by Transferee Company (at their agreed value if any, otherwise at their book value)

इस विधि में क्रय प्रतिफल की गणना करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए—

(i) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा ली गई समस्त सम्पत्तियों को सहमत मूल्य (Agreed Value) पर जोड़ना है।

(ii) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा लिए गए दायित्वों का सहमत मूल्य ही सम्पत्तियों के सहमत मूल्य में से घटाना है।

(iii) यदि किसी सम्पत्ति को हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा न ही लिया गया हो। उसे क्रय प्रतिफल की गणना करते समय शामिल नहीं करना है।

(iv) सम्पत्तियों में रोकड़ बैंक ख्याति तथा पूर्वदत्त खर्चे (Prepaid Expenses) को भी शामिल करना है जब तक इसके विपरीत कुछ न कहा गया हो।

(v) सम्पत्तियों में कृत्रिम सम्पत्तियों (Fictitious Assets) जैसे प्रारम्भिक व्यय (Preliminary Expenses), अंशों एवं ऋणपत्रों पर छूट (Discount on issue of shares and Debentures), लाभ हानि खाते का डेबिट शेष (P & L A/c Debit balance) तथा अभिगोपन कमीशन (Underwriting Commission) को सम्मिलित नहीं करना है।

(vi) अदश्य सम्पत्तियों (Intangible Assets) जैसे पेटन्टस (Patents), ट्रेडमार्क्स (Trade Marks) तथा ख्याति (Goodwill) को सम्पत्तियों में शामिल करना है जब तक प्रश्न में इसके विपरीत कुछ न कहा गया हो।

(vii) इस विधि में क्रय मूल्य की गणना करते समय यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी (Transferee Company) ने केवल 'सम्पत्तियां' क्रय की हैं या 'व्यवसाय' क्रय किया है क्योंकि दोनों शब्दों में तकनीकी अन्तर है। इसी प्रकार 'दायित्व' और 'व्यापारिक दायित्व' मं भी तकनीकी अन्तर है। इनका वर्णन इस अध्याय में पहले ही किया जा चुका है।

(4) आन्तरिक मूल्य विधि (Intrinsic worth method) या अंशविनिमय विधि (Share Exchange Method)—इस विधि में क्रय मूल्य की गणना हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के अंशों के 'आन्तरिक मूल्य' के आधार पर की जाती है अंशों का आन्तरिक मूल्य कम्पनी की शुद्ध सम्पत्तियों (Assets—External liabilities) को उस कम्पनी के अंशों की संख्या से भाग दे कर निकाला जाता है। यदि हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी क्रय मूल्य का भुगतान उसके अंशों के आन्तरिक मूल्य के आधार पर करती है, तो क्रय मूल्य को इस कम्पनी के अंशों के आन्तरिक मूल्य से भाग देकर आबंटित किए जाने वाले अंशों की संख्या ज्ञात की जा सकती है।

In this method, the purchase consideration is ascerained on the basis of the ratio in which the shares of the transferee company are to be exchanged for the shares of the transferor company. This exchange ratio is generally determined on the basis of the value of each company's shares.

लेखांकन विधि

(Accounting Treatment)

एकीकरण चाहे मिश्रण (Merger) की प्रकृति का हो या क्रय (Purchase) की प्रकृति का हो, दोनों ही दशाओं में हस्तांतरण करने वाली कम्पनी (Transferor Company) की पुस्तकों में एक ही प्रकार की लेखांकन विधि अपनाई जाती है। एकीकरण में हस्तांतरण करने वाली कम्पनी का अस्तित्व समाप्त हो जाता है और इस कम्पनी की ओर से व्यवहार करने के लिए समापक की नियुक्ति कर दी जाती है।

हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में विभिन्न खातों को बन्द करने के लिए एक वसूली खाता (Realisation Account) खोला जाता है ताकि हस्तांतरण के परिणामस्वरूप होने वाले लाभ हानि की गणना की जा सके।

हस्तांतरण करने वाली कम्पनी (Transferor Company) की खाता पुस्तकों को बन्द करने के लिए निम्न प्रविष्टियाँ की जाती हैं—

(Entries in the books of Transferor Company)

1. हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा ली गई सम्पत्तियों को हस्तान्तरित करना।

(Transfer of assets taken over by Transferee Company)

Realisation A/c Dr.

To Sundry Assets (Individually) (At Book Values)

(For transfer of various assets taken over by the Transferee Co.)

नोट : (i) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी द्वारा ली गई सभी सम्पत्तियों को वसूली खाते (Realisation Account) में उनके पुस्तक मूल्य (Book Value) पर हस्तांतरित करना है।

(ii) सम्पत्तियों को व्यक्तिगत तौर (Individually) पर हस्तांतरित करना है।

(iii) कृत्रिम सम्पत्तियां जैसे (Preliminary expenses, Discount on issue of shares and debentures; underwriting Commission, debit balance of P & L A/c आदि को वसूली खाते में हस्तांरित नहीं करना है चाहे क्रेता कम्पनी विक्रेता कम्पनी की सभी सम्पत्तियों को लेती है। ये सम्पत्तियां अंशधारियों के खाते में transfer की जाती हैं।

(iv) रोकड़ एवं बैंक शेष को वसूली खाते में तभी हस्तांतरित करना है जब क्रेता कम्पनी इन्हें लेती है।

(v) अदश्य सम्पत्तियों जेसे ख्याति, ट्रेडमार्क्स, पेटन्टस को वसूली खाते में तभी हस्तांतरित किया जाता है जब इनका कोई वसूली मूल्य हो अथवा क्रेता कमपनी द्वारा इन्हें क्रय कर लिया गया हो।

(vi) देनदारों को वसूली खाते में सकल मूल्य (Gross value) पर हस्तांतरित करना है।

(2) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा लिए गए दायित्वों को हस्तांतरित करना

(Transfer of Liabilities taken over by the Transferee Company)

Sundry Liabilities Account (Individually) Dr. (At Book Value)

To Realisation Account

(For transfer to various liabilities taken by Transferee)

नोट : (i) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा लिए गये दायित्वों को वसूली खाते में पुस्तक पर मूल्य पर हस्तांतरित करना है।

(ii) ऋणपत्रों एवं बाह्य दायित्वों को (यह मानते हुए इन्हें हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी ने ग्रहण कर लिया है) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी को हस्तांतरित कर दिया जाता है। इनका भुगतान भी (Transferee Co.) कम्पनी द्वारा किया जाएगा। क्रय मूल्य की गणना शुद्ध सम्पत्ति विधि या शुद्ध भुगतान पद्धति से इसी अवधारणा को ध्यान में रखने हुए करनी है। अर्थात् इन्हें क्रय मूल्य का भाग नहीं माना जाएगा (लेखांकन प्रमाप—14)।

(iii) संचित लाभों (Accumulated profits) को दायित्व में शामिल नहीं करना है। इन्हें सीधे ही अंशधारियों के खाते में हस्तांतरित करना है।

(3) क्रय प्रतिफल के देय होने पर (On Purchase Consideration becoming due)

Transferee Company Dr.

    To Realisation Account

(For purchase consideration agreed upon)

(4) क्रय मूल्य प्राप्त होने पर (On Receiving the purchase consideration)

Cash/Bank Account Dr.
Shares in Transferee Co. Account Dr. .
Debentures in Transferee Co. Account Dr.

    To Transferee Co.

(For Purchase consideration received)

(5) क्रेता कम्पनी द्वारा न ली गई सम्पत्तियों को विक्रेता कम्पनी द्वारा बेचना

(For such Assets which are not taken over by Transferee Co. and sold directly by Transferor Company)

Bank A/c Dr.
Realisation A/c Dr. (in case ofloss on sale of Asset)

    To Assets A/c

(Cash recovered on sale of Assets)

(6) हस्तांतरणस पाने वाली कम्पनी द्वारा न लिए गये दायित्वों का हस्तांतरण करने वाली कम्पनी द्वारा भुगतान करने के लिए

(For such liabilities not taken over by transferee company and paid by transferor company)

Liabilities A/c (Individual) Dr.

Realisation A/c Dr. (if excess amount is paid)

To eash/Bank/A/c

(for liabilities met)

(7) (a) समापन व्यय (हस्तांतरण करने वाली कम्पनी द्वारा वहन करने पर)

(Liquidation exp.) (To be borne by Transferor company)

Realisation A/c Dr.

To Cash A/c

(For payment of expenses of liquidation)

नोट : यदि प्रश्न में यह स्पष्ट नहीं है कि समापन व्ययों को कौन वहन करेगा तो ये व्यय हस्तांतरण करने वाली कम्पनी द्वारा ही वहन किए हुए माने जाएंगे।

(b) समापन व्यय (यदि हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी ने समापन व्ययों को वहन करना स्वीकार किया)

(Liquidation expenses If transferee company agrees to make the payment)

Transferee Co. A/c Dr.

To Bank A/c

(For expenses of liquidation to be met by Transferee Co.)

(ii) Bank A/c Dr.

To Transferee Co.

(For Liquidation expenses received from Transferee Co.)

नोट : (i) विद्यार्थी चाहें तो इन व्ययां के लिए कोई भी प्रविष्टि न करें क्योंकि इन व्ययों का भुगतान हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा किया जाता है।

(ii) समापन व्ययों को क्रय मूल्य की गणना करते समय शामिल नहीं करना है।

(8) किसी ऐसे दायित्व के उत्पन्न होने व उसका भुगतान करने के लिए जो चिट्ठे में नहीं दिखाया गया है

Realisation A/c Dr.

To eash/Bank A/c

(For payment of Contingent Liabilities)

(9) वसूली खाते पर लाभ (Profit on realisation account)

Realisation A/c Dr.

To equity shareholder's A/c

(For profit qn realisation transferred to shareholder's A/c)

(10) वसूली खाते पर हानि (Loss on realisation account)

Equity shareholder's A/c Dr.

To Realisation A/c

(For loss on realisation transferred)

(11) कम्पनी की अंशपूंजी संचित लाभों व संचयों को अंशधारियों के खाते में हस्तांतरित करना (Transfer of share capital, Accumulated profits and reserves to equity shareholders A/c)

Equity share capital A/c Dr.

Reserve fund A/c Dr.

Workmen compensation fund A/c Dr.

Accident fund A/c Dr.

P & L A/c (Cr. balance) A/c Dr.

Insurance fund A/c Dr.

Contingency fund A/c Dr.

Dividend Equalisation Fund A/c Dr.

Capital reserve A/c Dr.

To Equity Shareholders A/c

(For credit balances transferred to shareholders' A/c)

(12) नाममात्र की सम्पत्तियों तथा लाभ हानि खाते के नाम शेष को समता अंशधारियोंके खाते में हस्तांतरित करना, (Transfer of all accumulated losses and fictitions assets to equity shareholders A/c)

Equity Shareholders A/c Dr.

To Profit and Loss A/c

To Preliminary Expenses A/c

To Underwriting Commission A/c

To Discount on shares & debentures A/c

(For debit balances transferred to shareholders A/c)

(13) समता अंशधारियों को भुगतान करने पर

(On Payment to equity shareholders) Dr.

Equity shareholders A/c

To Equity Shares in the Transferee Co. A/c

To Debentures in Transferee Company's A/c

To Bank A/c.

(For cash shares and debentures distributed amongst shareholders)

हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखे
(Entries in the Books of Trnasferee Company)

हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखे एकीकरण की प्रकृति के अनुसार किए जाते हैं। मिश्रण की प्रकृति में एकीकरण (Amalgamation in the nature of purchase) तथा क्रय की प्राकृति में एकीकरण (Amalganation in the nature of purchase) दोनों ही दशाओं में लेखाकन प्रक्रिया अलग–अलग है। एकीकरण की प्रकृति के अनुसार ही लेखा करने की दो विधियां हैं–

(i) हित एकीकरण विधि (The pooling of interest method)

(ii) क्रय विधि (The purchase method)

(i) हित एकीकरण विधि (The Pooling of Interest Method)–इस विधि का प्रयोग मिश्रण की प्रकृति में एकीकरण (Amalgamation in the nature of purchase) में लेखा करने के लिए किया जाता है। इस विधि में एकीकृत कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों में नाममात्र के परिवर्तन किए जाते हैं।

इस विधि द्वारा लेखा करते समय निम्न बातों पर ध्यान देना जरूरी है–

(i) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की सम्पत्तियां, दायित्वों और संचयों का हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में उन्हीं वर्तमान अंकित (पुस्तकीय) मूल्यों पर और उसी रूप में लेखा किया जाता है जिसमें वह एकीकरण की तिथि पर अंकित हैं।

(The assets, liabilities and reserves of the transferor company are recorded by the transferee company at their existing carrying amounts and in the same from as at the date of amalgamation.)

(ii) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के लाभ हानि खाते (Profit and Loss Account) के शेष को हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों करने वाली कम्पनी के लाभ हानि खाते (Profit and Loss Account) के शेष को हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में हस्तांतरित कर दिया जाता है और यह तो उसके लाभ–हानि खाते के शेष में जोड़ दिया जाता है और या सामान्य संचय में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

(The balance of the Profit and Loss Account of the transferor company is aggregated with the balance of the Profit and Loss Account of the transferee company or transferred to the General Reserve).

(iii) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के सभी संख्यों की उसी रूप में पहचान (identity) बनाए रखी जाती है और उन्हें हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी के स्थिति विवरण में उसके उसी स्वरूप में दिखाया जाता है जिस स्वरूप में वह हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के स्थिति विवरण में थे।

(The identity of reserves of Transferor Company is maintained and these are shown in the Balance-sheet of transferee company in the same form as were shown in the Balance-Sheet of Transferor Company.)

(iv) क्रय प्रतिफल के बदले में दिए गए अंशों और नकदी को जोड़ करके इस जोड़ मे हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की अंश पूंजी घटाकर जो शेष बचता है उसे संचयों में समायोजित किया जाता है।

(The difference between the amount recorded as share capital issued (plus any additional consideration in the form of cash or other assets) and the amount of share capital of the transferor company should be adjusted against the reserves of transferee company.

हित एकीकरण विधि में बनाई जाने वाली प्रविष्टियाँ

(Journal Entries to be Passed in the Pooling of Interest Method)

मिश्रण की प्रकृति के एकीकरण में, हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में निम्न प्रविष्टियां बनाई जाती हैं—

1. क्रय प्रतिशत का लेखा करने के लिए—

(For Purchase Consideration)

Business Purchase A/c Dr. (With the amount of purchase consideration)

To Liquidator of Transferor Company.

(For purchase consideration becoming due)

2. ली गई सम्पत्तियों और दायित्वों का लेखा करने के लिए—

(For Assets, Liabilities, and Reserves taken over from the Transferor Company.)

Sundry Assets A/c (Individually) Dr. (With their respective book values)

To Sundry Liabilities A/c (Individually) (With their respective book values)

To Provision for Doubtfull Debts etc. A/c

To Profit & Loss Account (at the book value)

To Reserves A/cs (Individually) (at adjusted values)

To Business Purchase A/c (with the purchase consideration)

(For taking over the assets, liabilities and reserves of the Transferor Company)

उपरोक्त प्रविष्टि के डेबिट और क्रेडिट के जोड़ों के अन्तर को संचयों में समायोजित किया जाता है।

3. क्रय मूल्य के भुगतान पर (For the payment of purchase consideration)

Liquidator of the Transferor Company	Dr.	(With the purchase consideration)
To Share Capital A/c		(With the face value)
To Share Premium A/c		(With the Premium amount)
To Bank A/c		(For fractional shares and for dissending shareholders)

(For purchase onsideration satisfied by the issue of.................shaers of Rs.......................each at a premium of Rs...................per share and in cash)

यदि अंशों का आबंटन कटौती पर किया जाता है तो उपरोक्त प्रविष्टि में अंश कटौती खाते को डेबिट किया जाएगा।

4. यदि हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के समापन व्ययों का भुगतान किया जाता है तो ऐसे व्ययों को सामान्य संचय (अथवा लाभ–हानि खाते) से चार्ज किया जाएगा। इसके लिए निम्न प्रविष्टि होगी—

General Reserve A/c Dr.

To Bank

5. हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी के Formation Expenses के लिए—

Preliminary Expenses A/c Dr.

To Bank

(ब) क्रय विधि (The Purchase Method)—यह विधि उस समय अपनाई जाती है जब समामेलन क्रय जब समामेलन क्रय की प्रकृति का हो। इस विधि में लेखांकन प्रविष्टियाँ करने के लिए निम्न प्रक्रिया अपनाई जाती हैं—

(i) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी की सम्पत्तियों और दायित्वों का, हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में, निम्न विधियों में से किसी एक विधि के द्वारा लेखा किया जाता है—

(अ) इनके वर्तमान पुस्तकीय मूल्य पर, अथवा

(ब) क्रय मूल्य का बंटावारा विभिन्न सम्पत्तियों और दायित्वों में उनके उचित मूल्य (fair values) के अनुसार अथवा उनके पुनः मूल्यांकित मूल्य के अनुसार कर दिया जाता है।

(ii) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के सामान्य संचय, पूंजी संचय अथवा किसी अन्य संचय को (वैधानिक संचय को छोड़कर) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी के वित्तीय विवरणों में सम्मिलित नहीं किया जाता।

(iii) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के वैधानिक संचयों (Statutory Reserves) की पहचान (Identify) को बनाए रखने के लिए इसका इसी रूप में हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखा किया जाता है। वैधानिक संचयों के उदाहरण हैं विनियोग छूट संचय (Investment Allowance Reserve) विकास छूट संचय (Development Allowance Reserve), निर्यात लाभ संचय (Export Profit Reserve) इत्यादि। इन्हें बनाए रखने के लिए Amalgamation Adjustment A/c को डेबिट व Statutory Reserve A/c को क्रेडिट किया जाता है।

स्थिति विवरण में (Amalgamation Adjustment A/c) को सम्पत्ति पक्ष में विविध व्यय (Miscellaneous Expenditure) शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है। भविष्य मे जब इन संख्यों के बनाए रखने की आवश्यकता नहीं रहेगी तो उस समय एक विपरीत प्रविष्टि बनाकर Statutory Reserve A/c और Amalgamation Adjustment A/c दोनों को समाप्त कर दिया जाएगा।

(iv) यदि क्रय मूल्य, शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य से अधिक हो तो आधिक्य की राशि को ख्याति (Goodwill) माना जाता है और इसे हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में डेबिट किया जाता है। इसके विपरीत, यदि क्रय मूल्य, शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य से कम हो तो कमी की राशि को पूंजी संख्या (Capital Reserve) खाते में क्रेडिट किया जाता है।

Purchase Method

This method of accounting is applicable for amalgamation in the nature of purchase. The following factors should be considered while making accounting entries in this method :

(i) In the books of the transferee company the assets and liabilities of the transferor company should be incorporated at their existing carrying amount or the consideration should be allocated to individual identifiable assets and liabilities on the basis of their fair values.

(ii) The reserves (whether capital or revenue or arising on revaluation) of the transferor company other than the statutory reserves should not be included in the financial statements of the transferee company.

(iii) Any excess of the purchase consideration over the value of net assets of the transferor company should be treated as goodwill and debited to goodwill account. On the other hand, if the purchase consideration is lower than the value of net assets acquired, the difference should be credited to capital reserve.

(iv) If it becomes necessary to carry forward any statutory reserve of the transferor in the books of the transferee for legal compliance, it is accounted by debiting 'Amalgamation Adjustment Account' and crediting 'Statutory Reserve Account'.

(v) The Amalgamation Adjustment Account should be disclosed as a part of Miscellaneous Expenditure in the balance sheet. When the identity of the statutory reserve is no longer required to be maintained, both Statutory Reserve Account and Amalgamation Adjustment Account should be reversed.

When statutory reserve is maintained the followig journal entry is passed:

Amalgamation Adjustment Account Dr. (with the amount)

To Statutory Reserve

It may be noted that the practical questions given in the study material (printed prior to January 1996) are based on amalgamation in the nature of purchase. However, if the amalgamation is in the nature of merger (satisfying all the five conditions specified), then the accounting procedures are to be set according to Pooling Interest Method. Hence, some practical questions on amalgamations in the nature of merger are given here under for reference.

क्रय की प्रकृति में हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में निम्न प्रविष्टियां बनाई जाती हैं—

(1) क्रय प्रतिफल का लेखा करने का लिए (For recording purchase consideration)

Business Purchase A/c Dr. (with the amount of purchase consideration)

To Liquidator of the Transferor Company (For purchase consideration due)

(2) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी से क्रय की गई सभी सम्पत्तियों एवं दायित्वों के लिए

(On acquisition or purchase of the business from the transferor Company)

(a) All Assets A/c (individually) Dr. (at Revised value)

Goodwill A/c (balancing figure) Dr.

To Liabilities A/c (individually)

To Business Purchase A/c

(For Assets and Liabilities taken over and Goodwill is the difference of credit total and debit total)

(b) All Assets A/c (individually) excluding goodwill Dr. (at revised values)

To Liabilities A/c (individually)

To Business Purchase A/c

To Capital Reserve A/c (balancing figure)

(For Assets and Liabilities taken over and the capital reserve is the difference of debit total and credit total)

(3) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी को क्रय मूल्य का भुगतान करने पर

(On Payment of Purchase Consideration to Transferor Company)

Liquidator of Transferor Company A/c Dr. (with purchase consideration)

To Equity Share Capital A/c (with the face value)

To Preference Share Capital A/c (with premium)

To Share Premium A/c

To Debentures A/c (with face value)

To Bank A/c.

(For Purchase Consideration paid by the issue of.............Shares of Rs................each at premium of Rs. .... purchase.............., issue of Debentures of Rs...................each and Cash Rs...............)

(4) हस्तांतरण करने वाली कम्पनी के Statutory Reserve का लेखा करने के लिए (For recording statutory Reserve of Transferor Company)

Amalgamation Adjustment A/c Dr.

To Statutory reserves A/c

(5) समापन व्यय (हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी द्वारा भुगतान

(Liquidation Expenses Payment made. by Transferee Co.)

Goodwill A/c/Capital Reserve A/c Dr.

To Bank A/c

(For Liquidation expenses of Transfer Co. paid as per agreement)

(6) हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी के प्रारम्भिक खर्चों के लिए (For Preliminiary Expenses)

(Preliminary Exp. A/c) Dr.

To Bank A/c

(7) ख्याति को पूंजीगत लाभों में से अपलिखित करना (To write off goodwill against Capital Profits)

Capital Reserve A/c Dr.

To Goodwill A/c

(For the amount of goodwill written off out of Capital Reserve A/c.)

Amalgmation

(एकीकरण)

(Net Payment Method)

Illustration I. R. Ltd. And S Ltd. agreed to amalgamate and form a new company. T Ltd. which will take over all the assets and liabilities of the two existing companies.

In the case of R Ltd. the assets and liabilities are to be taken over at book value. For 4 equality shares is R Ltd. 5 equity shares (of Rs. 10 each) in T Ltd. will be allotted at apremium of 10%.

In the case of S Ltd. :

(i) The Debentures of S Ltd. would be paid off by the issue of an equal number of 10% debentures in T Ltd. at a discount of 10%.

(ii) The Preference shareholders of S Ltd. would be allotted 4-8% preference shares of Rs. 100 each in T Ltd. for every 5 preference shares held in S Ltd.

(iii) The equity shareholders would be allotted sufficient equity shares at per to over the balance on their accounts after adjusting assets values by reducing the plant and machinery by 10% and providing 5% on sundry debtors for doubtful debts.

The summarised Balance sheets of R Ltd. and S Ltd. on the date of amalgamation were as follows:

आर. लि. और एस. लि. एकीकरण करने तथा टी. लि. के नाम से नई कम्पनी की स्थापना के लिए सहमत होते हैं। यह नई कम्पनी दोनों वर्तमान कम्पनियों की सम्पत्तियों और दायित्वों को खरीदेगी।

आर. लि. की स्थिति में, सम्पत्तियों एवं दायित्व पुस्तक मूल्य पर लिए जाएें और आर. लि. के चार अंशों के लिए टी. लि. के 10 रु. वाले 5 समता अंश 10 प्रतिशत प्रीमियम पर आबंटित किए जाएंगे।

एस. लि. की स्थिति में—

(i) एस. लि. के ऋणपत्रों का भुगतान टी. लि. में बराबर की संख्या के 10% ऋणपत्रों के 10% छूट पर निर्गमन के द्वारा किया जाएगा।

(ii) एस. लि. के पूर्वाधिकार अंशधारियों के प्रत्येक पांच अंशों के बदले टी. लि. के चार 8% पूर्वाधिकार अंश बंटित किए जाएंगे।

(iii) समता अंशधारियों को उस शेष राशि के लिए पर्याप्त समता अंश समता मूल्य पर बंटित किए जाएंगे जो कि सम्पत्तियों में से प्लान्ट एवं मशीनरी के लिए 10% से कम करने के बाद तथा विविध देनदारों पर 5% का आयोजन रखने के बाद आती है। एकीकरण की तिथि को आर. लि. एवं एस. लि. के संक्षिपत चिट्ठे निम्न प्रकार के हैं—

BALANCE-SHEET

Liabilities	R. Ltd.	S. Ltd.	Assets	R. Ltd	S. Ltd.
Equity Shares or Rs. 10 each	4,00,000	2,50,000	Plant and Machinery	3,25,000	4,00,000
8% Preference shares of Rs. 100 each	—	1,50,000	Stock	65,000	30,000
Profit and Loss Account	2,500	—	Debtors	95,000	25,000
Contingency Reserve	50,000	—	Cash	65,000	20,000
10% Debentures of Rs. 100 each	—	1,00,000	P & L Account	—	70,000
Creditors	75,000	45,000			
	5,50,000	5,45,000		5,50,000	5,45,000

Show the Journal Entries in the books of R Ltd. S Ltd. and prepare Balance-sheet after amalgamation in books of T Ltd. assuming that the amalgmation is in the nature of purchase.

Solution: Calculation of purchase consideration: Net Payment Method

R Ltd. : 5 shares in T Ltd. for every 4 shar in R Ltd. i.e. 40,000 $\frac{4}{5}$ – 5,000 shares in T Ltd. of Rs. 10 each at a premium of 10%

= Rs. 5,00,000 + Rs. 50,000 (premium) = Rs.5,50,000

Purchase consideration = Rs. 5,50,000

S. Ltd. : Amount payable to S Ltd. as purchase consideration (Net Assets Method)

(i)	Preference shares @ 4 Shares for every 5 shares of S Ltd.	
i.e.	$\left[1,500\times\frac{4}{5}\right]$ = 1,200 shares of Rs. 100 each	1,20,000
(ii)	Balance equity shares of Rs. 10 each at a premium of Rs. 1 per share i.e.16,875 shares @ Rs. 10 each	
		1,68,750
		2,88,750

Net Assets of S Ltd :

		Rs.
Plant and Machinery (Book value Less 10%)		3,60,000
Stock		30,000
Debtors-Provision (25,000 – 1,250)		23,750
Cash		20,000
		4,33,750
Less Creditors	45,000	1,45,000
10% Debentures	1,00,000	1,45,000
		2,88,750

Note: 1. Net Assets of S Ltd. taken over by T Ltd. comes to Rs. 2,88,750. It is the amount of purchase consideration payable by T Ltd. To S Ltd. in the form of, Preference shares and equity shares calculated above.

2. As per As-14 Debentures of the transferor company i.e. S Ltd. are assumed to be taken over by the transferee company and then converted into new debentures.

In the Books of R Ltd.
JOURNAL ENTRIES

		Rs.	Rs.
Realisation A/c	Dr.	5,50,000	
To Plant and Machinery A/c			3,25,000
To Stock A/c			65,000
To Debtors A/c			95,000
To Cash A/c			65,000
(Being transfer of Assets to realisation A/c on sale of business)			
Creditors A/c	Dr.	75,000	
To Realisation A/c			75,000
(Being transfer to creditors to Realisation A/c)			
To Limited A/c	Dr.	5,50,000	
To Realisation A/c			5,50,000

(Being Purchased Consideration agreed)			
Realisation A/c	Dr.	7,5000	
To Shareholders A/c			75,000
(Being profit on realisation transferred to Shareholder's Account)			
Equity Share Capital A/c	Dr.	4,00,000	
Profit and Loss A/c	Dr.	25,000	
Contingency Reserve A/c	Dr.	50,000	
To Equity Shareholder's A/c			4,75,000
(Being transfer of balance of share capital, Profit and Loss and Contingency Reserve A/c to Shareholders (A/c)			
Share in T Limited A/c	Dr.	5,50,000	
To T Limited A/c			5,50,000
(Being purchased consideration received from T Ltd.)			
Equity shareholders A/c	Dr.	5,50,000	
To Equility shares in T Limited			5,50,000
(C being final payment made to Equity shareholders of R Ltd.)			

In the Books of S Ltd.
JOURNAL ENTRIES

		Rs.	Rs.
Realisation A/c	Dr.	4,75,000	
To Plant and Machinery A/c			4,00,000
To Stock A/c			30,000
To Debtors A/c			25,000
To Cash A/c			20,000
(Being transfer of Assets to realisation A/c on sale of business)			
Creditors A/c	Dr.	45,000	
10% Debentures A/c		1,00,000	
To Realisation A/c			1,45,000
(Being transfer to creditors to Realisation A/c)			
T Limited A/c	Dr.	2,88,750	
To Realisation A/c			2,88,750
(Being Purchased Consideration agreed)			
Equity shares in T Limited A/c	Dr.	1,68,750	
Preference shares in T Limited A/c	Dr.	1,20,000	
To T Limited A/c			2,88,750
(Being purchase consideration received)			
Equity shareholders A/c	Dr.	1,250	
Preference Shareholders A/c	Dr.	30,000	
To Realisation A/c			31,000

(Being loss on realisation transferred to respective shareholders A/c)			
Equity Shareholders A/c	Dr.	70,000	
To Profit and Loss A/c			70,000
(Being transfer of balance of Profit and Loss A/c to Equity shareholders (A/c)			
Equity Share Capital A/c	Dr.	2,50,000	
Preference Share Capital A/c	Dr.	1,50,000	
To Equity shareholder A/c			2,50,000
To preference share holders A/c			1,50,000
(Being transfer of Equity share capital, Preference share capital to their respective holders A/c)			
Equity Shareholders A/c	Dr.	1,68,750	
To Equility Shares in T Limited			1,68,750
(Being the distribution of Shares in T Ltd.)			
Preference Shareholders A/c	Dr.	1,20,000	
To Preference Shares in T Ltd.			1,20,000
(Being the distribution Preference shares T Ltd.)			
Business Purchase A/c	Dr.	8,38,750	
To Liquidator of R Ltd.			5,50,000
To Liquidator of S Ltd.			2,88,750

In the Books of T Ltd.
JOURNAL ENTRIES

		Rs.	Rs.
Plant and Machinery A/c	Dr.	3,25,000	
Stock A/c	Dr.	65,000	
Debtors A/c	Dr.	95,000	
Cash and bank A/c	Dr.	65,000	
Goodwill A/c Dr, (Balancing figure)	Dr.		75,000
To Sundry creditors A/c			75,000
To Business Purchase A/c			5,50,000
(Being Assets and Liabilities of R Ltd. taken over and purchase consideration due)			
Liquidator of R Limited	Dr.	5,50,000	
To Equity share capital A/c			5,50,000
To share premium A/c			50,000
(Being discharge of purchase consideration of R Ltd.)			
Liquidator of R Limited	Dr.	3,80,000	
Stock A/c	Dr.	30,000	
Debtors A/c	Dr.	25,000	
Cash A/c	Dr.	20,000	
To Creditors A/c			45,000

To 10% Debenture A/c			1,00,000
To Provision for Bad debts A/c			1,250
To Business Purchase A/c			2,88,750
(Being Assets and Liabilities of S Ltd. taken over and purchase consideration due)			
Liquidator of S Ltd.	Dr.	2,88,750	1,68,750
To Equity share capital A/c			1,20,000
(Being discharge of Purchase consideration to S Ltd.)			
10% Debentures of S Ltd.	Dr.	90,000	
Discounton Debentures A/c	Dr.	10,000	
To 10% New Debentures A/c			1,00,000
(Being issue 10% New Debentures to the holders of S Ltd. at a discount of 10%)			

Balance-Sheet of T. Ltd.

	Rs.		Rs.
Share capital		Goodwill	75,000
		Plant and Machinery	6,85,000
66875 Shares of Rs. 10	6,68,750		
each fully paid		Stock	95,000
Pref. Share capital 1200			
shares of Rs/ 100 each	1,20,000	Debtors 1,20,000	1,18,750
Reserves & Surplus:		*Less* Reserve 1,250	
Share Premium	50,000	Cash and Bank	85,000
Secured Loan:		Discount on Debentures	10,000
10% Debentures	1,00,000		
Creditros	1,20,000		
	10,68,750		10,68750

Illustration 2. (Amalgamation in the nature of purchase)

R Ltd. and S Ltd. agreed to amalgamate and fonn a new company SR Ltd., form for that purpose. On the late of the transfer Balance-sheets of the two companies were as under:

R Ltd

	Rs.		Rs.
Equity Share Capital		Sundry Assets	1,80,000
of Rs. 10 each	2,25,000	Freehold Property	9,000
Mortgage Loan		Debtors	54,000
(Secured on Freehold	15,000	Invesments	39,000
Property)		Bank	
Sundry creditors	12,000		30,000
Profit and Loss A/c	60,000		
	3,12,000		3,12,000

❐

एच लिमिटेड एस लिमिटेड की ईक्विटी अंश पूंजी का 45 भाग धारण करती है। एच लिमिटेड के अन्तिम स्टॉक में एस लिमिटेड से क्रय किया हुआ 36,000 रु० का माल सम्मिलित है और एस लिमिटेड के अन्तिम स्टॉक में एच लिमिटेड से क्रय किया हुआ 40,000 रु० का माल सम्मिलित हैं एस लिमिटेड लागत में 20% जोड़कर एच लिमिटेड को माल बेचती है जबकि एच लिमिटेड विक्रय मूल्य पर 25% लाभ चार्ज करते हुए एस लिमिटेड को माल बेचती है। अन्तिम स्टॉक में सम्मिलित न वसूल हुआ लाभ ज्ञात कीजिए।

Solution :

	Rs.
Goods in Stock of S Ltd.	40,000
Rate of Profit on Selling Price	25%
Hence, Unrealised Profit	10,000
Less 1/5 for Minority holdings	2,000
Unrealised Profit to be deducted	8,000

(i) सहायक कम्पनी द्वारा बेचे गये माल में न वसूल हुआ लाभ इस प्रकार ज्ञात किया जायेगा—

	Rs.
Goods in Stock of H Ltd.	36,000
Rate of profit 20% on cost price or 16 2/3 % on selling price	
Hence, Unrealised Profit	6,000
Less 1/5 Minority holdings	1,200
Unrealised Profit to be deducted	4,800

अतः वसूल न हुआ कुल लाभ = Rs. 8,000 + Rs. 4,800 = Rs. 12,800

अंतः कम्पनी व्यवहारों के प्रभाव को हटाना (Elimination of Inter-Company Transactions)

नियन्त्रक कम्पनी और सहायक कम्पनी के मध्य अनेक लेन–देन होते रहते हैं। इन लेन–देनों के परिणामस्वरूप अनेक पारस्परिक मदें उत्पन्न होती हैं जो एक कम्पनी के चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखायी जाती है तो दूसरी कम्पनी के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर लिखी जाती हैं। समेकित चिट्ठा बनाते समय ऐसी पारस्परिक मदों को हटाने के लिए आवश्यक समायोजन करने होते हैं। अतः कम्पनी व्यवहारों के रूप में प्रायः निम्न मदें प्रकट होती हैं जिनको समेकित चिट्ठा बनाते समय सम्पत्तियों एवं दायित्वों में से हटा दिया जाता है। इन मदों में से उसी राशि को हटाया जाता है जो अन्तः कम्पनी व्यवहारों से सम्बन्धित है।

ऐसी मदों के उदाहरण इस प्रकार हैं :

(i) देनदार एवं लेनदार (Debtors and Creditors);

(ii) ऋण एवं अग्रिम (Loans and Advances);

(iii) प्राप्य बिल एवं देय बिल (Bills Receivable and Bills payable);

(iv) अन्तर्कम्पनी चालू खाते (Inter-Company Current Accounts); and

(v) अन्तर्कम्पनी ऋण–पत्र (Inter-Company Debentures)

Illustration 16.

The Balance Sheets of H Ltd. and S Ltd. as on 31st December, 1988 are as follows :

31 दिसम्बर, 1988 को एच लिमिटेड तथा एस लिमिटेड के चिट्ठे इस प्रकार हैं :

Balance Sheets
as on 31st December, 1988

	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.		H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital in			Fixed Assets	1,80,000	1,86,000
Rs. 10 fully paid up			Stock	30,000	40,000
Shares	2,00,000	1,00,000	Debtors	60,000	80,000
Reserve	80,000	60,000	8,000 Shares in		
Profit & Loss A/c	20,000	16,000	S Ltd.	1,30,000	—
Loan	—	20,000	Bills Receivable	30,000	20,000
Creditors	1,20,000	1,20,000	Cash in hand	10,000	6,000
Bills Payable	20,000	16,000			
	4,40,000	3,32,000		4,40,000	3,32,000

On 30th September, 1988 H Ltd. had purchased shares in S Ltd. A debit balance of Rs. 20,000 appeared in the Profit and Loss A/c of S Ltd. on 1st January, 1988. S Ltd. made a transfer of Rs. 12,000 to reserve on 31st December, 1988. In the creditors of H Ltd. were includes a figure of Rs. 20,000 for goods purchased on credit from S Ltd. This was sold to H Ltd. at a profit of 25% on cost. In the closing stock of H Ltd., there was still an unsold stock of Rs. 16,000 purchased from S Ltd. Bills Payable of S Ltd. includes Rs. 10,000 accepted in favour of H Ltd. whereas Bills Receivable of H Ltd. includes Rs. 10,000 received from S Ltd. Prepare consolidated balance sheet.

30 सितम्बर, 1988 को एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के अंश खरीदे थे। 1 जनवरी, 1988 को एस लिमिटेड के लाभ–हानि खाते में 20,000 रु० का डेबिट शेष था। 31 दिसम्बर, 1988 को एस लिमिटेड ने 12,000 रु० संचय में स्थानान्तरित किये। एच लिमिटेड के देनदारों में एक 20,000 रु० की राशि है जो एस लिमिटेड से उधार माल खरीदने के कारण से हैं यह माल एच लिमिटेड को लागत में 25% लाभ जोड़कर बेचा गया था। एच लिमिटेड के अन्तिम स्टॉक में जब भी एस लिमिटेड से खरीदे गये माल में से 16,000 रु० का बिना बिका माल सम्मिलित था। एस लिमिटेड के देय बिलों में 10,000 रु० के ऐसे बिल हैं जो एच लिमिटेड के पक्ष में स्वीकार किये गये थे। एच लिमिटेड के प्राप्त बिलों में 10,000 रु० के ऐसे बिल हैं जो एस लिमिटेड से प्राप्त हुए थे। समेकित चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

Consolidated Balance Sheet

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital (Rs. 10)		2,00,000	Fixed Assets		3,66,000
Reserve		80,000	Stock	70,000	
Capital Reserve		1,200	*Less :* Reserve	2,560	
Consolidated profit		27,040			67,440
Creditors	2,40,000		Debtors	1,40,000	
Less : Inter-company	20,000		Less : Inter-company	20,000	
		2,20,000			1,20,000
Bills Payable	36,000		Bills Receivable	50,000	
Less : Inter-company	10,000		*Less :* Inter-company	10,000	
		26,000			40,000
Loan		20,000	Cash in hand		16,000
Minority Interest		35,200			
		6,09,440			6,09,440

Working Notes:

(i) एस लिमिटेड के 1988 वर्ष के लिए लाभ की गणना :

Profit & Loss Appropriation Account

	Rs.		Rs.
To Balance b/d	20,000	By Net Profit	48,000
To Reserve	12,000		
To Balance c/d	16000		
	48,000		48,000

(ii) Capital Reserve की राशि इस प्रकार ज्ञात की गयी है :

	Rs.
Net Worth of S Ltd.:	
Share Capital of S Ltd.	1,00,000
Add Reserve as on 1st Jan., 1988 (Rs. 60,000 – Rs. 12,000)	48,000
Add Profit for nine months up to 30th Sept., 1988	36,000
	1,84,000
Less Debit balance of P & L A/c as on 1st Jan., 1988	20,000
Net Worth	1,64,000
Holding Company's share in Net Worth (4/5)	1,31,200
Capital Reserve = Rs. 1,31,200 – Purchase Price of Shares Rs. 1,30,000 =	Rs. 1,200

(iii) H Ltd. का Revenue Profit में हिस्सा इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

	Rs.
Total Profits of S Ltd. for the year 1988	48,000
Less Profits for nine months (3/4 of Rs. 48,000)	36,000
Profits for post-acquisition period of three months	12,000
H Ltd.'s share = Rs. 12,000 × $\frac{4}{5}$	9,600
Less Unrealised profit included in stock (देखिए टिप्पणी v)	2,560
Share in Revenue profits	7,040

(iv) Minority interest इस प्रकार निकाला गया है :

	Rs.
Share in Net Worth (1/5 of Rs. 1,64,000)	32,800
Share in Post-acquisition profits (1/5 of Rs. 12,000)	2,400
	35,200

(v) H Ltd. के अन्तिम स्टॉक में सम्मिलित बिना वसूल हुआ लाभ इस प्रकार ज्ञात किया है :

	Rs.
Unsold Stock	16,000
Hence, Unrealised Profit (25% of cost or 1/5 on Sales)	3,200
Less 1/5 pertaining to Minority interest	640
Unrealised profit adjusted	2,560

(vi) एकीकृत लाभ की गणना निम्न प्रकार की गयी है :

	Rs.
Profit & Loss account balance (H Ltd.)	20,000
Add : Share in Revenue Profits of S Ltd.	7,040
Total Profit	27,040

Rs.

(vii) एस लिमिटेड के देय बिलों में एच लिमिटेड के 12,000 रु० के बिल हैं लेकिन 10,000 रु० के बिल ही इनमें से समाप्त किये जा सके हैं क्योंकि शेष भुनाये जा चुके थे।

(viii) एच लिमिटेड के अन्तिम स्टॉक में जो माल एस लिमिटेड से खरीदा गया था, उससे सम्बन्धित न वसूल हुए लाभों को एस लिमिटेड के Post-acquisition लाभों में से घटाया गया है।

समेकन सम्बन्धी जर्नल प्रविष्टियां
(Consolidation Journal Entries)

समेकन के सम्बन्ध में जर्नल प्रविष्टियां करते समय निम्नलिखित दो नियमों को ध्यान में रखना चाहिए—

(i) नियन्त्रक व सहायक कम्पनियों के चिट्ठों में जो शेष ऐसे हैं जो समेकित चिट्ठे में नहीं जायेंगे उनको जर्नल प्रविष्टि द्वारा समाप्त करते हुए बन्द कर दीजिए।

Illustration 17.

H Ltd. acquired 80% interest in the equity share capital of S Ltd. on 30th June, 1988 at a price of Rs. 81,000. The Profit and Loss Acocunt of S Ltd. showed a credit balance of Rs. 24,000 on this date. Prepare Consolidated Balance Sheet from the following Balance Sheets and also give consolidation Journal entries.

(एच लिमिटेड ने 30 जून, 1988 को 81,000 रु० के मूल्य पर उस लिमिटेड की ईक्विटी अंश पूंजी में 80% हित प्राप्त किया। इस तारीख को एस लिमिटेड का लाभ–हानि खाता 24,000 रु० का क्रेडिट शेष दिखाता था। निम्नलिखित चिट्ठों से समेकित चिट्ठा तैयार कीजिए और समेकन जर्नल प्रविष्टियां भी दीजिए।)

Balance Sheet as on 30 June, 1988

	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.		H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital (Rs. 10)	90,000	60,000	Sundry Assets	60,000	78,000
P & L A/c	30,000	24,000	Book Debts	39,000	27,000
Creditors	45,000	36,000	Bills Receivable	—	5,000
Loan from S Ltd.	10,000	—	Loan to H Ltd.	—	10,000
Bills Payable in favour of S Ltd.	5,000	—	Shares in S Ltd.	81,000	—
	1,80,000	1,20,000		1,80,000	1,20,000

Solution :

Consolidated Balance Sheet

	Rs.		Rs.
Share Capital	90,000	Sundry Assets	1,38,000
P & L A/c	30,000	Book Debts	66,000
Creditors	81,000	Goodwill (or cost of control)	13,800
Minority Interest	16,800		
	2,17,800		2,17,800

Consolidation Journal Entries

					Rs.	Rs.
1988					**Rs.**	**Rs.**
June 30	B/P in H Ltd. A/c	Dr.			5,000	
	To B/R in S Ltd. A/c					5,000
	(Both items eliminated.)					
June 30	Loan from S Ltd. A/c	Dr.			10,000	
	To Loan to H Ltd. A/c					10,000
	(Both items eliminated.)					
June 30	Share Capital in S Ltd. A/c	Dr.			60,000	
	Profit & Loss A/c of S Ltd.	Dr.			24,000	
	Goodwill A/c	Dr.			13,800	
	To Shares in S Ltd.					81,000
	To Minority Interest					16,800
	(Accounts of Goodwill and Minority Interest created and rest accounts eliminated)					

Working Notes :

(i) ख्याति की राशि इस प्रकार ज्ञात की गयी है :

		Rs.
Share Capital of S Ltd.		60,000
Add : Balance of Profit		24,000
	Net Worth	84,000
Purchase Price of Shares		81,000
Less : H Ltd.'s Share in Net Worth (80% of Rs. 84,000)		67,200
	Goodwill	13,800

(ii) अल्पमत अंशधारियों का हिस्सा निम्न प्रकार निकाला गया है :

	Rs.
Net Worth of S Ltd.	84,000
Minority Interest (20% of Rs. 84,000)	16,800

अन्य मदों का समायोजन
(Adjustment of Other Items)

सहायक कम्पनी में अधिमान अंश
(Preference Shares in Subsidiary Company)

यदि सहायक कम्पनी ने अधिमान अंशों का भी निर्गमन कर रखा है तो समेकित चिट्ठा बनाते समय इसका समायोजन करना होगा। सहायक कम्पनी के सभी अधिमान अंश यदि नियन्त्रक कम्पनी ने खरीद रखे हैं तो इन्हें नियन्त्रक कम्पनी के चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में विनियोग के रूप में दिखाया गया होगा तथा सहायक कम्पनी के चिट्ठे के दायित्व पक्ष में अंश पूंजी शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया गया होगा। यदि नियन्त्रक कम्पनी द्वारा इन अंशों को प्रदत्त मूल्य पर क्रय किया गया है तो स्वीकृत चिट्ठा बनाते समय इन्हें अन्तः कम्पनी व्यवहार मानकर रद्द कर दिया जायेगा लेकिन इन अंशों का क्रय मूल्य इनके प्रदत्त मूल्य से भिन्न होने पर अन्तर की राशि ख्याति अथवा पूंजीगत संचय में सम्मिलित कर ली जायेगी तथा नियन्त्रक कम्पनी के चिट्ठे में विनियोग

खाते का शेष और सहायक कम्पनी के चिट्ठे में प्रदत्त पूंजी रद्द कर दी जायेगी। यदि सहायक कम्पनी के अधिमान अंश पूर्णतः बाह्य अंशधारियों द्वारा धारण किये जाते हैं तो उनका प्रदत्त मूल्य बाह्य अंशधारियों के हित में जोड़ दिया जाता है। सहायक कम्पनी के अधिमान अंश अंशतः बाह्य व्यक्तियों के पास होने पर नियन्त्रक कम्पनी का हिस्सा उपरोक्त नियम के आधार पर समायोजित कर लिया जाता है तथा बाह्य व्यक्तियों का हिस्सा अल्पमत अंशधारियों के हित में जोड़ दिया जाता है।

अधिमान अंशों पर बकाया लाभांश
(Arrears of Preferences Shares Dividend)

सहायक कम्पनी के अधिमान अंशों पर बकाया लाभांश की राशि को इसके चालू वर्ष के लाभों में से कम कर दिया जायेगा। लाभांश की इस राशि में नियन्त्रक कम्पनी का हिस्सा समेकित लाभ (Consolidated Profit) में जोड़ दिया जायेगा तथा बाह्य अंशधारियों का हिस्सा उनके हित की राशि में जोड़ दिया जायेगा।

अदत्त लाभांश
(Unpaid Dividend)

यदि सहायक कम्पनी ने लाभांश घोषित किया है लेकिन अभी तक उसका भुगतान नहीं किया गया है तो वह सहायक कम्पनी के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर अदत्त लाभांश के रूप में दिखाया हुआ होता है। नियन्त्रक कम्पनी द्वारा इस लाभांश में अपने हिस्से की राशि को अपने चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष की ओर 'प्राप्त लाभांश' के रूप में एक अलग मत के अन्तर्गत अथवा विविध देनदारों में दिखाया होता है। समेकित चिट्ठा बनाते समय नियन्त्रक कम्पनी के हिस्से को अन्तः कम्पनी व्यवहार मानकर हटा दिया जाता है तथा बाह्य अंशधारियों से सम्बन्धित राशि उनके हित में जोड़ दी जाती है।

प्रस्तावित लाभांश
(Proposed Dividend)

जब कम्पनी लाभांश प्रस्तावित करती है तो लाभ–हानि नियोजन खाते को डेबिट तथा प्रस्तावित लाभांश खाता क्रेडिट कर दिया जाता है। प्रस्तावित लाभांश की राशि कम्पनी के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर दिखायी जाती है। यदि सहायक कम्पनी ने लाभांश प्रस्तावित किया है तो इसकी राशि उसके चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायी गयी होगी। समेकित चिट्ठा बनाते समय 'प्रस्तावित लाभांश की राशि को चालू वर्ष के लाभों में जोड़ दिया जायेगा तथा इसके पश्चात् लाभ का आवश्यक समायोजन किया जायेगा।

अन्तरिम लाभांश
(Interim Dividend)

यदि सहायक कम्पनी द्वारा चालू वर्ष के लाभों में से अन्तरिम लाभांश का भुगतान किया गया है तो अन्तरिम लाभांश की राशि को चालू वर्ष के लाभ में जोड़कर पूर्व बताए गए नियमानुसार आवश्यक समायोजन कर लिया जाता है। अन्तरिम लाभांश में से जितना हिस्सा नियन्त्रक कम्पनी को मिला है उसे उसके लाभ में से कम कर दिया जायेगा तथा बाह्य अंशधारियों का हिस्सा उसके हित की राशि में से घटा दिया जायेगा।

अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभों में से लाभांश
(Dividend out of Pre-acquisition Profits)

यदि सहायक कम्पनी ने अंश अधिग्रहण से पूर्व के लाभों में से लाभांश घोषित किया है तो नियन्त्रक कम्पनी द्वारा इस लाभांश को अपने लाभ–हानि खाते में क्रेडिट नहीं किया जाता है वरन् 'सहायक कम्पनी के अंशों में विनियोग खाते' को क्रेडिट किया जाता है यदि नियन्त्रक कम्पनी ने लाभांश की राशि को अपने लाभ–हानि खाते में क्रेडिट कर दिया है तो एकीकृत चिट्ठा बनाते समय उक्त लाभांश की राशि को नियन्त्रक कम्पनी के लाभ में से घटा दिया जाता है तथा 'सहायक कम्पनी के अंशों में विनियोग खाते' को क्रेडिट करके विनियोग की लागत को कम कर दिया जाता है। अंश अधिग्रहण की तिथि को सहायक कम्पनी की शुद्ध कीमत ज्ञात करते समय उक्त लाभांश की राशि को घटाने के पश्चात् शेष लाभ का ही समायोजन किया जाता है।

सहायक कम्पनी द्वारा बोनस अंश निर्गमित करना
(Issue of Bonus Shares by Subsidiary Company)

यदि सहायक कम्पनी बोनस अंशों का निर्गमन करती है तो इसका समेकित चिट्ठे में ख्याति या नियन्त्रण की लागत (Cost of Control) की राशि पर प्रभाव पड़ेगा या नहीं, यह बात पर निर्भर करता है कि :

(a) बोनस अंशों का निर्गमन अंश क्रय की तारीख से पूर्व के लाभों (Pre-acquisition Profits) में से किया गया है, अथवा

(b) यह निर्गमन क्रय की तारीख के बाद वाले लाभों (Post-acquisition Profits) में से किया गया है।

प्रथम स्थिति में ख्याति की राशि में कोई परिवर्तन नहीं होगा क्योंकि नियन्त्रक कम्पनी के लिए क्रय से पूर्व के लाभ पूंजीगत लाभ माने जाते हैं और उनका बोनस अंश निर्गमन द्वारा सहायक कम्पनी पूंजीकरण करती है तो स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

द्वितीय स्थिति में ख्याति की राशि में परिवर्तन आ जायेगा क्योंकि अंश क्रय के बाद के सहायक कम्पनी के लाभ नियन्त्रक कम्पनी के लिए आयगत लाभ हैं और इनका पूंजीकरण होने से ख्याति या नियन्त्रण की लागत की राशि में कमी आ जायेगी।

सहायक कम्पनी की शुद्ध कीमत (Net Worth) ज्ञात करते समय प्रदत्त अंशपूंजी की बोनस अंश निर्गमन से पूर्व की राशि ली जानी चाहिए तथा बोनस अंशों की राशि को सम्बन्धित संचय या लाभ में जोड़कर शुद्ध कीमत में सम्मिलित किया जाना चाहिए। सहायक कम्पनी में नियन्त्रक कम्पनी के हित की सीमा बोनस अंशों के प्रभाव को हटाकर ज्ञात की जानी चाहिए।

Illustration 18.

The subscribed capital of S Ltd. consists of 6,000 shares of Rs. 100 each out of which H Ltd. has acquired 4,800 shares at a price of Rs. 7,60,000. The profits of S Ltd. at the time of purchase were Rs. 2,40,000. S Ltd. issues one bonus share of Rs. 100 each fully paid for every three shares held out of these profits. Calculate the amount of cost of control for H Ltd. before the issue of bonus shares and after the issue of bonus shares.

एस लिमिटेड की अभिदत्त पूंजी में 100 रु० वाले 6,000 अंश सम्मिलित हैं जिनमें से एच लिमिटेड ने 7,60,000 रु० मूल्य पर 4,800 अंश खरीदे हैं। क्रय की तारीख को एस लिमिटेड के लाभ 2,40,000 रु० हैं। एस लिमिटेड प्रत्येक तीन अंश धारण करने के बदले इन लाभों में से 100 रु० वाला एक पूर्ण प्रदत्त बोनस अंश का निर्गमन करती है। एच लिमिटेड के लिए बोनस अंश निर्गमन से पूर्व तथा बोनस अंश निर्गमन के पश्चात् नियन्त्रण की लागत ज्ञात कीजिए।

Solution :

(i) बोनस अंश निर्गमन से पूर्व नियन्त्रण की लागत (Cost of Control) अथवा ख्याति की राशि इस प्रकार ज्ञात की जायेगी :

Net Worth = Share Capital Rs. 6,00,000 + Profit Rs. 2,40,000 = Rs. 8,40,000

H Ltd.'s Share in Net Worth (80%) = Rs. 6,72,000

Hence, Cost of Control = Rs. 7,60,000 – Rs. 6,72,000 = Rs. 88,000.

(ii) बोनस अंश निर्गमन के पश्चात् नियन्त्रण की लागत अथवा ख्याति की राशि अग्रलिखित प्रकार ज्ञात की जायेगी :

Net Worth = Share Capital Rs. 8,00,000 (including bonus shares) + Profit Rs. 40,000 = Rs. 8,40,000

H Ltd.'s Shares in Net Worth (80%) = Rs. 6,72,000

Hence, Cost of Control = Rs. 7,60,000 – Rs. 6,72,000 = Rs. 88,000

अतः क्रय से पूर्व के लाभों में से बोनस अंशों का वितरण करने पर नियंन्त्रण की लागत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

Illustration 19.

The following are the balance sheets of H Ltd and S Ltd.

(एच लिमिटेड और एस लिमिटेड के निम्नलिखित चिट्ठे हैं):

Balance Sheet

	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.		H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital (Re.1)	40,000	8,000	Assets	41,000	12,800
Reserves	8,000	2,000	6,000 Shares in S Ltd.	12,000	—
Profits	5,000	2,800			
	53,000	12,800		53,000	12,800

At the time of acquisition of shares by H Ltd. there was a credit balance of Rs. 2,000 in the Reserves of S Ltd. who capitalises Rs, 2,000 out of post-acquisition profits of Rs. 2,800 by the issue of one fully paid bonus share for every four shares held. Calculate the amount of goodwill before and after the bonus issue. Also prepare consolidate Balanced Sheet after the issue of bonus shares.

(एच लिमिटेड द्वारा अंशों के क्रय के समय एस लिमिटेड के संचय खाते में 2,000 रु० का क्रेडिट शेष था। क्रय के पश्चात् के 2,800 रु० के लाभों में से एस लिमिटेड 2,000 रु० का पूंजीकरण करती है और प्रत्येक चार अंश धारण करने के बदले एक पूर्ण–प्रदत्त बोनस अंश निर्गमित करती है। बोनस निर्गमन से पूर्व और बाद की ख्याति की राशि ज्ञात कीजिए। बोनस अंश के निर्गमन के पश्चात् का समेकित चिट्ठा भी तैयार कीजिए।)

Solution :

(i) बोनस अंश निर्गमन से पूर्व ख्याति की राशि इस प्रकार ज्ञात की जायेगी :

Net Worth = Share Capital Rs. 8,000 + Reserves Rs. 2,000 = Rs. 10,000

H Ltd.'s Share in Net worth (75% of Rs. 10,000) = Rs. 7,500

Goodwill = Rs. 12,000 – Rs. 7,500 = Rs. 4,500.

(ii) बोनस अंश निर्गमन के पश्चात् ख्याति की राशि इस प्रकार ज्ञात की जायेगी :

Net Worth = Share Capital Rs. 10,000 (including bonus) + Reserves Rs. 2,000 = Rs. 12,000

H Ltd.'s Share in Net Worth (75% of Rs. 12,000) = Rs. 9,000

Goodwill = Rs. 12,000 – Rs. 9,000 = Rs. 3,000.

अतः यह स्पष्ट है कि यदि बोनस अंश उस लाभ में से निर्गमित किये जाते हैं जो नियन्त्रक कम्पनी द्वारा अंश खरीदने की तारीख के पश्चात् सहायक कम्पनी ने कमाये हैं तो नियन्त्रण की लागत में अन्तर आयेगा।

Consolidated Balance Sheet

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital (Re.1)		40,000	Assets :		
Reserves		8,000	H Ltd.	41,000	
			S Ltd.	12,800	
Profits:					53,800
H Ltd.	5,000		Goodwill		3,000
S Ltd. (75% of Rs. 800)	600				
	5,600				
Minority Interest:					
25% of Rs. 12,000					
Net Worth	3,000				
25% of Rs. 800 Profit	200				
		3,200			
		56,800			56,800

Illustration 20.

A Ltd. acquired 12,000 Equity Shares in B Ltd. for Rs. 1,70,000 on 1st April, 1988. The balance sheets of the two companies as at 31st December, 1988 were as follows:

ए लिमिटेड ने बी लिमिटेड के 12,000 सामान्य अंश 1 अप्रैल, 1988 को 1,70,000 रु० में खरीदे। 31 दिसम्बर, 1988 को दोनों कम्पनियों के चिट्ठे निम्न प्रकार थे :

Balance Sheets

	A Ltd. Rs.	B Ltd. Rs.		A Ltd. Rs.	B Ltd. Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each fully paid up	10,00,000	3,00,000	Goodwill	3,00,000	70,000
			Land & Buildings	4,00,000	1,00,000
			Plant & Machinery	5,00,000	1,00,000
General Reserve	4,20,000	50,000	Stock	2,00,000	40,000
Profit & Loss A/c	2,60,000	85,000	Debtors	3,00,000	1,35,000
Creditors	2,40,000	42,000	Investments	1,70,000	—
Bills Payable	80,000	60,000	Bills Receivable	50,000	30,000
			Cash at Bank	80,000	62,000
	20,00,000	5,37,000		20,00,000	5,37,000

Note : There is a contingent liability for bills discounted for Rs. 45,000 in case of A Ltd. The following information is also given :

(i) On January 1, 1988 the Profit & Loss Account of B Ltd. showed a credit balance of Rs. 40,000 out of which a dividend of 15% on the then capital was paid in June, 1988.

(ii) In June, 1988 a bonus issue of one equity share fully paid for every two equity shares held was also made by B Ltd. out of General Reserve.

(iii) Bills Payable of B Ltd. represent bills issued in favour of A Ltd. Out of these Bills, A Ltd. had already discounted bills of Rs. 20,000.

(iv) The entire stock of B Ltd. represents goods supplied by A Ltd. at cost plus 25%.

(v) A Ltd. and B Ltd. agreed that for services rendered, A Ltd. should charge Rs. 500 per month from B Ltd. with effect from April 1, 1988. Entries for this had not been made in the books of both the companies.

Prepare the consolidated Balance Sheet.

निम्नलिखित सूचनाएं भी दी गई हैं :

(i) 1 जनवरी, 1988 को बी लिमिटेड का लाभ–हानि खाता 40,000 रु० का क्रेडिट शेष बतलाता था जिसमें से उस समय की अंश पूंजी पर 15% लाभांश का जून, 1988 में भुगतान किया गया था।

(ii) जून, 1988 में सामान्य संचय में से पुराने दो ईक्विटी अंशों के लिए एक बोनस ईक्विटी अंश पूर्ण प्रदत्त बी लिमिटेड द्वारा निर्गमित किया गया।

(iii) बी लिमिटेड के समस्त देय बिल ए लिमिटेड के पक्ष में निर्गमित किये हुए हैं। इन बिलों में से ए लिमिटेड ने 20,000 रु० के बिल भुनवा रखे हैं।

(iv) बी लिमिटेड का समस्त स्टॉक उस माल का प्रतिनिधित्व करता है जो कि ए लिमिटेड द्वारा लागत में 25% जोड़कर बेचा गया था।

(v) ए लिमिटेड और बी लिमिटेड ने तय किया कि सेवायें अर्पित करने के बदले में, ए लिमिटेड बी लिमिटेड से 1 अप्रैल, 1988 से 500 रु० प्रति माह वसूल करे। इसके लिए दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में प्रविष्टियां नहीं की गई हैं।

समेकित चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution :

Consolidated Balance Sheet as at 31st December, 1988

	Rs.		Rs.
Equity Shares of Rs. 10		Goodwill	2,94,750
each fully paid up	10,00,000	Land & Buildings	5,00,000
General Reserve	4,20,000	Plant & Machinery	6,00,000
Consolidated Profit	2,72,750	Stock	2,35,200
Minority Interest	1,72,200	Debtors	4,35,000
Creditors	2,82,000	Bills Receivable	40,000
Bills payable	1,00,000	Cash at Bank	1,42,000
	22,46,950		22,46,950

Note : There is contingent liability for Rs. 25,000.

Working Notes :

(i) बी लिमिटेड में ए लिमिटेड के हित की सीमा अग्रलिखित प्रकार ज्ञात की गई है :

Share capital of B Ltd. on 31.12.1988	3,00,000
Less : Issue of Bonus Shares (1/3 of Rs. 3,00,000)	1,00,000
Share capital before bonus issue	2,00,000
Number of Equity Shares before bonus issue	20,000
And Number of Shares held by A Ltd.	12,000

$\therefore$ Interest of A Ltd. in B Ltd. $= \frac{12,000}{20,000} \times 100\%$

$= 60\%$

(ii) बी लिमिटेड का वर्ष 1988 का शुद्ध लाभ निम्न प्रकार ज्ञात किया गया है :

Profit & Loss Appropriation Account

	Rs.		Rs.
To Dividend A/c (15% on Rs. 2,00,000)	30,000	By Opening Balance	40,000
To Closing Balance	85,000	By Net Profit for the year	75,000
	1,15,000		1,15,000

(iii) बी लिमिटेड की 1 अप्रैल, 1988 को शुद्ध कीमत की गणना :

	Rs.
Share Capital on 1.1.1988	2,00,000
General Reserve (Rs. 50,000 + Rs. 1,00,000)	1,50,000
P. & L. Account balance on 1.1.1988 (Rs. 40,000 – Rs. 30,000)	10,000
Net Profit from 1.1.1988 to 31.3.1988	18,750
Net Worth	3,78,750

(iv) पूंजीगत संचय की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की गई है :

		Rs.
Share in Net Worth of B Ltd. (60% of Rs. 3,78,750)		2,27,250
Less : Cost of Investments in shares of B Ltd.		
	Rs.	
Purchase Price	1,70,000	
Less : Dividend out of Pre-acquisition		
Profits Rs. $\left(\frac{20,000 \times 15}{100}\right)$	18,000	
		1,52,000
Capital Reserve		75,250

(v) बी लिमिटेड के अंश अधिग्रहण के बाद के लाभ = 56,250 है। इस लाभ में से ए लिमिटेड द्वारा सेवायें अर्पित करने के बदले में 1 अप्रैल, 1988 से 31 दिसम्बर, 1988 तक 9 माह का पारिश्रमिक (500 रु० × 9 माह) = 4,500 रु० वसूल किया जायेगा। अंश अधिग्रहण के बाद के लाभ 56,250 रु० में से ए लिमिटेड के पारिश्रमिक की राशि 4,500 रु० घटाने के पश्चात् शेष लाभ 51,750 रु० बचता है जिसमें 60 प्रतिशत भाग ए लिमिटेड का तथा 40 प्रतिशत भाग अल्पमत अंशधारियों का है।

(vi) अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना इस प्रकार की गई है :

	Rs.
Share in Net Worth of B Ltd. (40% of Rs. 3,78,750)	1,51,500
Share in Post-acquisition Profits (40% of Rs. 51,750)	20,700
Minority Interest	1,72,200

(vii) बी लिमिटेड के स्टॉक में सम्मिलित न वसूल हुये लाभ की गणना निम्न प्रकार की गयी है :

	Rs.
Value of Closing Stock	40,000
Profit included in closing stock	8,000
Unrealised Profit (60% of Rs. 8,000)	4,800

(viii) समेकित लाभ की गणना :

	Rs.
P. & L. Account balance of A Ltd.	2,60,000
Less : Dividend received from B Ltd. out of Pre-acquisition Profits	18,000
	2,42,000
Add : Remuneration for services to B Ltd.	4,500
	2,46,500
Add : Share in Post-acquistioin Profit of B Ltd. (60% of Rs. 51,750)	31,050
	2,77,550
Less : Unrealised Profit in Stock Value	4,800
Consolidated Profit	2,72,750

(ix) समेकित चिट्ठे में दिखाई गई ख्याति की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की गयी है :
(Rs. 3,00,000 + Rs. 70,000 – Rs. 75,200 (Capital Reserve) = Rs. 2,94,750

(x) स्टॉक की राशि = Rs. 2,00,000 + Rs. 40,000 – Rs. 4,800 = Rs. 2,35,200

(xi) प्राप्य बिलों की राशि = Rs. 50,000 + Rs. 30,000 – Rs. 40,000 = Rs. 40,000

(xii) देय बिलों की राशि = Rs. 80,000 + Rs. 60,000 – Rs. 40,000 = Rs. 1,00,000

(xiii) संदिग्ध दायित्व की राशि 45,000 रु० में से 20,000 रु० कम हो जायेगी क्योंकि 20,000 को समेकित चिट्ठे में वास्तविक दायित्व के रूप में दिखा दिया गया है।

शनैः शनैः नियन्त्रण स्थापित करना
(Gradual Establishment of Control)

कभी–कभी एक कम्पनी दूसरी कम्पनी के अंशों का एक साथ ही इतनी संख्या में क्रय नहीं कर पाती है जिससे कि वह उस कम्पनी पर नियन्त्रण स्थापित कर सके और उसकी नियन्त्रण कम्पनी बन सके। ऐसी स्थिति में प्रथम कम्पनी दूसरी कम्पनी के अंशों का क्रय शनैः शनैः करती है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि ख्याति का मूल्यांकन किस प्रकार किया जायेगा? ऐसी स्थिति में सहायक कम्पनी द्वारा अर्जित लाभों का आयगत व पूंजीगत में विभाजन उसी क्रम में किया जाना चाहिए जिस क्रम में अंशों का क्रय किया गया है। यदि अंशों का बहुत थोड़ी–थोड़ी संख्या में क्रय किया गया है तो सुविधा के दष्टिकोण से अन्तिम अंश के क्रय की तारीख को क्रय की तारीख माना जा सकता है।

Illustration 21.

H Ltd. acquires shares in S Ltd. as per the following table :

(एच लिमिटेड निम्नलिखित सारणी के अनुसार एस लिमिटेड के अंशों का क्रय करती है।) :

Date	Number of Shares	Price in Rs.
January 1, 1986	2,000	3,00,000
January 1, 1987	1,000	1,75,000
January 1, 1988	1,000	2,00,000

The issued capital of S Ltd. was Rs. 5,00,000 in shares of Rs. 100 each and on January 1, 1986 the company had a balance of Rs. 2,00,000 to the credit of its Profit and Loss Account. The annual profits of the company may be assumed at Rs. 1,00,000.

Calculate the Cost of Control

एस लिमिटेड की निर्गमित पूंजी 100 रु० वाले अंशों में 5,00,000 रु० थी और 1 जनवरी, 1986 को कम्पनी के लाभ–हानि खाते के क्रेडिट में 2,00,000 रु० का शेष था कम्पनी के वार्षिक लाभ 1,00,000 रु० माने जा सकते हैं।

नियन्त्रण की लागत ज्ञात कीजिए।

Solution :

Statement Showing Cost of Control

	Acquisition			Total
	Jan. 1 1986 Rs.	Jan. 1 1987 Rs.	Jan. 1 1988 Rs.	Rs.
Cost of Shares	3,00,000	1,75,000	2,00,000	6,75,000
Less Paid up Value of Shares	2,00,000	1,00,000	1,00,000	4,00,000
	1,00,000	75,000	1,00,000	1,75,000
Less Share in pre-acquisition profits	80,000	60,000	80,000	2,20,000
Cost of Control	20,000	15,000	20,000	55,000

टिप्पणी : क्रय से पूर्व के लाभों में नियन्त्रक कम्पनी का हिस्सा इस प्रकार ज्ञात किया गया है :

	Jan 1, 1986	Jan 1, 1987	Jan 1, 1988
Total Pre-acquisition Profits	Rs. 2,00,000	Rs. 3,00,000	Rs. 4,00,000
H Ltd.'s Share in S Ltd.'s Capital	40%	20% Additional	20% Additional
Share in pre-acquisition profits	Rs. 80,000	Rs. 60,000	Rs. 80,000

नियन्त्रक कम्पनी द्वारा अंशों का आंशिक विक्रय
(Partial Sale of Shares by Holding Company)

यदि नियन्त्रक कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के कुछ अंश बेच दिये जाते हैं तो समेकित चिट्ठा तैयार करते समय निम्नलिखित कदम उठाने पड़ेंगे :

(i) विक्रय मूल्य में से बेचे गये अंशों की लागत घटाकर लाभ अथवा हानि ज्ञात कर लेनी चाहिए। यदि लाभ हुआ तो इसे Investment Fluctuation Fund को क्रेडिट करके समेकित चिट्ठे के दायित्व पक्ष पर दिखाया जा सकता है अथवा इस राशि से ख्याति (अर्थात् नियन्त्रण की लागत) की राशि को कम किया जा सकता हैं हानि की दशा में ख्याति की राशि में इसे जोड़ दिया जायेगा।

(ii) विक्रय के बाद नियन्त्रक कम्पनी के सहायक कम्पनी में जो अंश शेष बच गये हैं, इनके सम्बन्ध में यह ज्ञात किया जाना चाहिए कि जब उन अंशों को खरीदा गया था तब ख्याति तथा नियन्त्रण की लागत क्या होती है और इसी ख्याति को अब चिट्ठे में दिखाया जायेगा। यदि अभी अंशों से बेचने पर लाभ हुआ है और उस लाभ की ख्याति के मूल्य में कम कर दिया गया है तो यह घटा हुआ मूलय ही चिट्ठे में दिखाया जायेगा। इसके विपरीत यदि अभी अंशों के बेचने पर हानि हुई है तो उसे ख्याति की राशि में जोड़ दिया जायेगा और जब वह बढ़ी हुई राशि ही चिट्ठे में दिखाई जायेगी।

(iii) समेकन की तारीख को अल्पसंख्यक अंशधारियों का हित सामान्य रूप से ज्ञात करके इसे चिट्ठे में दिखा दिया जाना चाहिए।

Illustration 22.

The following are the balance sheets of H Ltd. and S Ltd. as on 31 st December, 1988 :

31 दिसम्बर, 1988 को एच लिमिटेड और एस लिमिटेड के निम्नलिखित चिट्ठे हैं :

	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.		H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital (Rs. 10)	2,00,000	40,000	Assets	1,68,000	64,000
Proift and Loss Account	12,000	14,400	3,200 Shares in S Ltd.		
Profit for 1988	4,000	9,600	@ Rs. 15 (Cost)	48,000	
	2,16,000	64,000		2,16,000	64,000

H Ltd. sells 800 shares of S Ltd. at a price of Rs. 22.50 each on 31 st December, 1988 after the preparation of these balance sheets. At the time of acquisition of shares of S Ltd., there was a credit balance of Rs. 8,800 in its P & L A/c. The profit on sale is transferred to Investment Fluctuation Reserve. Prepare Consolidated Balance Sheet after giving effect to the sale of shares.

इन चिट्ठों के बनने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1988 को एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के 800 अंश 22.50 रु० प्रति अंश की दर पर बेच दिये। एस लिमिटेड के अंशों की खरीद के समय उसके लाभ–हानि खाते में 8,800 रु० का क्रेडिट शेष था। बिक्री पर लाभ को विनियोग उतार–चढ़ाव संचय में स्थानान्तरित कर दिया जाता है। अंशों के विक्रय को प्रभाव देने के पश्चात् समेकित चिट्ठा तैयार कीजिए।

Solution :

Preliminary Calculations :

(i)	अंशों की बिक्री पर लाभ की गणना इस प्रकार की जायेगी	रु०
	800 अंशों का 22.50 रु० प्रति अंश के हिसाब से विक्रय मूल्य	18,000
	घटाइये : 800 अंशों की 15 रु० प्रति अंश की दर से लागत	12,000
	800 अंशों की बिक्री पर लाभ	6,000

(ii) शेष 2,400 अंशों के सम्बन्ध में ख्याति की गणना इस प्रकार की जायेगी—

Net Worth = Share Capital Rs. 40,000 + Profit Rs. 8,800 = Rs. 48,800

H Ltd 's Share = = Rs. 29,280

Goodwill = Rs. 36,000 – Rs. 29,280 = Rs. 6,720

(iii) Minority Interest इस प्रकार ज्ञात किया जायेगा —

Present Net Worth	Rs.
Share Capital	40,000
Add Balance of P & L A/c	14,400
Add Profit for 1988	9,600
Present Net Worth	64,000

Share of Minority Shareholders $\left(\frac{1,600}{4,000} \times \text{Rs. } 64,000\right)$ $\left(\frac{2,400}{4,000} \times \text{Rs. } 48,800\right)$ = Rs. 25,600

Consolidated Balance Sheet

		Rs.			Rs.
Share Capital (Rs. 10)		2,00,000	Assets :		
Investment Fluctuation reserve		6,000	H Ltd.	Rs.	
Minority Interest		25,600	Previous	1,68,000	
Profit and Loss Account			Cash from Sale of		
Previous Balance	12,000		800 shares	18,000	
Profit for 1988	4,000		S Ltd.	64,000	
Share from S Ltd.	9,120				2,50,000
		25,120	Goodwill		6,720
		2,56,720			2,56,720

टिप्पणी :

(i) अंशों की बिक्री पर 6,000 रु० के लाभ को यदि Investment Fluctuation Reserve में क्रेडिट नहीं किया जाता तो ख्याति की राशि को 6,720 रु० में से कम किया जा सकता था। तब ख्याति की राशि केवल 720 रु० समेकित चिट्ठे में दिखायी जाती।

(ii) समेकित चिट्ठे में सहायक कम्पनी के आयगत लाभों में नियन्त्रक कम्पनी के हिस्से को ही दिखाया जाता है। अतः यह राशि 9,120 रु० इस प्रकार ज्ञात की गयी है :

एस लिमिटेड के कुल लाभ = 14,400 रु० + 9,600 रु० = 24,000 रु०

घटाइये—अंश—क्रय की तारीख तक के लाभ = 8,800 रु०

अंश—क्रय के पश्चात् कमाये गये आयगत लाभ = 15,200 रु०

नियन्त्रक कम्पनी का इनमें हिस्सा $\left(\frac{2,400}{4,000} \times \text{Rs. } 15,200\right)$ = 9,120 रु०

सहायक कम्पनी की सम्पत्तियों का पुर्नमूल्यांकन
(Revaluation of Assets and Liabilities of Subsidiary Company)

कभी—कभी सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंशों का देय मूल्य ज्ञात करने के लिए सहायक कम्पनी की किसी सम्पत्ति का पुर्नमूल्यांकन करना आवश्यक हो जाता हैं इस स्थिति में यदि सहायक कम्पनी के स्थिति—विवरण में सम्पत्ति का पुराना मूल्य ही चल रहा है तो समेकित स्थिति—विवरण में निम्नलिखित विधि से आवश्यक समायोजन किए जाते हैं :

(अ) **सम्पत्ति के मूल्य में वद्धि होने पर—** जब सहायक कम्पनी की सम्पत्ति का मूल्य उसके पुस्तकीय मूल्य से अधिक लगाया जाता है तब समेकित स्थिति—विवरण में सम्पत्ति को बढ़े हुए मूल्य पर दिखलाना चाहिए और इस बढ़े हुए मूल्य पर भी सामान्य विधि से मूल्य—हास की रकम के अनुपातिक भाग से अल्पसंख्यक हित में कमी कर दी जाती है।

(i) **समेकित स्थिति**—विवरण में सम्पत्ति को बढ़े हुए मूल्य पर दिखलाना चाहिए और इस बढ़े हुए मूल्य पर भी सामान्य विधि से मूल्य—हास लगाना चाहिए और इस अतिरिक्त मूल्य—हास को समेकित लाभ—हानि खाते में भी दिखाना चाहिए।

(ii) सम्पत्ति के मूल्य में वद्धि के अनुपातिक भाग से अल्पसंख्यक अंशधारियों के हित में भी वद्धि कर दी जाती है और अतिरिक्त मूल्य—हास की रकम के अनुपातिक भाग से अल्पसंख्यक हित में कमी कर दी जाती है।

(ब) **सम्पत्ति के मूल्य में कमी होने पर**—इस स्थिति में समेकित स्थिति—विवरण में निम्नलिखित कार्य विधि अपनाई जाती है।

(i) समेकित स्थिति—विवरण में सम्पत्ति के मूल्य को कम करके दिखलाया जाता है और इस कमी के मूल्य—हास को सम्पत्ति के मूल्य में डेबिट कर दिया जाएगा और समेकित लाभ—हानि खाते को क्रेडिट कर दिया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जाता है कि यदि सम्पत्ति का मूल्य पुस्तकों में कम होता है तो इतना मूल्य हास कम लगता।

(ii) सम्पत्ति से मूल्य में कमी के मूल्य—हास समायोजन करके अल्पसंख्यक अंशधारियों के हित में भी अनुपातिक कमी कर दी जाएगी।

Illustration 23.

In the books of S Ltd. Building stands at a figure of Rs. 1,00,000. For the purpose of fixing the price of the shares purchased by H Ltd it was revalued at Rs. 1,50,000. S Ltd. has written off depreciation @ 10% on the book value of Rs. 1,00,000.

State the amount at which Building will appear in the consolidated Balance Sheet.

Solution :

Cost of Building as per books

Cost of Buildings as per books		1,00,000
Less Depreciation written off		10,000
		90,000
Add Excess valuation over book value	50,000	
Less Depreciation on this Excess	5,000	45,000
Buildings to be shown in the Consolidaed Balance Sheet		1,35,000

Working Notes :

(i) अतिरिक्त मूल्य–ह्रास की रकम 5,000 रु० समेकित लाभ–हानि खाते में दिखलाई जाएगी। अतः इस रकम से समेकित लाभ कम हो जाएगा।

(ii) अल्पसंख्यक अंशधारियों का हित 50,000 रु० (सम्पत्ति के मूल्य में वद्धि) में उनके अनुपातिक हिस्से से बढ़ा दिया जाएगा और 5,000 रु० के मूल्य ह्रास से उनके हिस्से में अनुपातिक कमी कर दी जाएगी अर्थात् 50,000 – 5,000 = 45,000 रु० में अल्पसंख्यक अंशधारियों को जो अनुपातिक भाग होगा उस रकम से इनके हित में वद्धि हो जाएगी।

Illustration 23.

In the books of S Ltd. Plant and Machinery stands at a figure of Rs. 20,000. For the purpose of fixing the price of the shares purchased by H Ltd. it was revalued at Rs. 30,000. S Ltd. has written off depreciation at 10% on the book value of Rs. 20,000.

State the amount at which plant and machinery will appear in the consolidated Balance Sheet after one year.

एस लिमिटेड की पुस्तकों में प्लान्ट और मशीनरी 20,000 रु० की राशि पर दिखाई हुई है। एच लिमिटेड द्वारा क्रय किये गये अंशों का मूल्य निर्धारित करने के लिए इसका 30,000 रु० पर पुर्नमूल्यांकन किया गया है। एक लिमिटेड ने 20,000 रु० के पुस्तक मूल्य पर 10% की दर पर मूल्य–ह्रास अपलिखित किया है।

वह राशि बताइए जिस पर समेकित चिट्ठे में एक वर्ष पश्चात् प्लान्ट व मशीन को दिखाई जाएगा।

Solution :

Cost of Plant and Machinery as per books	20,000	
Less : Depreciation written off	2,000	
	18,000	
Add : Excess Valuation over book value	10,000	
Less : Depreciation on this excess	1,000	9,000
Plant and Machinery to be shown in Consolidated Balance Sheet at		27,000

टिप्पणियां :

(i) समेकित लाभ में से 1,000 रु० मूल्य ह्रास चार्ज किया जायेगा जिससे समेकित लाभ इस राशि से कम हो जाएगा।

(ii) अल्पमत अंशधारियों का हित 10,000 रु० (सम्पत्ति के मूल्य में वद्धि) में उनके आनुपातिक हिस्से से बढ़ा दिया जायेगा और 1,000 रु० के मूल्य–ह्रास में उनके आनुपातिक हिस्से को कम कर दिया जाएगा। अर्थात् 9,000 रु० में अल्पमत अंशधारियों का जो आनुपातिक हित होगा, उनके हित में वद्धि कर दी जायेगी।

Illustration 25.

X Ltd. acquired 75% of Equity Shares and Preferences Shares in Y Ltd. On 1st July, 1988. The Balance Sheets of both the Companies as at 31st December, 1988 are given below:

1 जुलाई 1988 को एक्स लिमिटेड ने वाई लिमिटेड के 75% ईक्विटी अंश तथा अधिमान अंश लिये। दोनों कम्पनियों के चिट्ठे 31 दिसम्बर 1988 को अग्रांकित हैं।

	X Ltd. Rs.	Y Ltd. Rs.		X Ltd. Rs.	Y Ltd. Rs.
Equity Shares of			Land and Building	2,60,000	95,000
Rs. 100 each	5,50,000	1,00,000	Plant & Machinery	1,40,000	76,000
6% Preference Shares			Stock	1,10,000	77 ,000
of Rs. 100 each	—	50,000	Debtors	1,20,000	26,000
General Reserves	1,75,000	60,000	Investments (in shares		
Profit & Loss A/c	90,000	46,000	of Y Ltd.)	2,00,000	—
Creditors	85,000	44,000	Cash at Bank	70,000	26,000
	9,00,000	3,00,000		9,00,000	3,00,000

Other Information :

(i) Profit and Loss Account of X Ltd. includes dividend at 3 per cent from Y Ltd. The dividend was paid for the year ended 31st December 1987.

(ii) The balance of profit and loss account of Y Ltd. as on 1st January 1988 was Rs. 20,000 out of which dividend at the rate of 3 per cent was paid on Equity Shares. The Dividend on Preference Shares for the year 1988 is still payable.

(iii) Creditors of X Ltd include Rs. 12,000 for purchases from Y Ltd. On which the later company made a profit of Rs. 2,000.

(iv) Stock of X Ltd. includes Rs. 6,000 stock at cost purchased from Y Ltd. (Part of Rs. 12,000 purchases).

(v) On the date of acquisition of shares, Land and Buildings of Y Ltd. was valued t Rs. 1,15,000 and Plant and Machinery Rs. 70,000 for which no effect has been given. The Land & Building and Plant & Machinery of Y Ltd. have been depreciated at 5% per annum.

Draw up the consolidated Balance Sheet.

अन्य सूचनायें :

(i) एक्स लिमिटेड के लाभ–हानि खाते में वाई लिमिटेड से प्राप्त 3 प्रतिशत लाभांश शामिल है, लाभांश 31 दिसम्बर 1987 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए दिया गया था।

(ii) 1 जनवरी, 1988 को वाई लिमिटेड के लाभ–हानि खाते का शेष 20,000 रु० था जिसमें से 3 प्रतिशत की दर से क्षमता अंशधारियों को लाभांश दिया गया था। अधिमान अंशधारियों को 1988 वर्ष का लाभांश अभी देना है,

(iii) एक्स लिमिटेड के लेनदारों में 12,000 रु० वाई लिमिटेड के क्रय के शामिल हैं, जिस पर बाद वाली कम्पनी ने 2,000 रु० का लाभ कमाया है।

(iv) एक्स लिमिटेड के स्टॉक में 6,000 रु० की लागत पर माल शामिल है जिसे वाई लिमिटेड से क्रय किया गया था (जो 12,000 रु० क्रय का भाग है)।

(v) अंश अधिग्रहण की तिथि को वाई लिमिटेड के भूमि व भवन का मूल्य 1,15,000 रु० तथा प्लाण्ट व मशनी का मूल्य 70,000 रु० आंका गया जिसके लिए कोई लेखा नहीं किया गया है। वाई के भूमि व भवन तथा प्लाण्ट व मशीन पर 5% प्रतिशत वार्षिक दर से मूल्य–हास काटा गया है।

समेकित चिट्ठा तैयार कीजिये।

Solution :

Consolidated Balance Sheet as on 31st December, 1988

	Rs.		Rs.
Equity Shares of Rs. 100 each		Goodwill	9,500
fully paid	5,50,000	Land & Building	3,72,129
General Reserve	1,75,000	Plant & Machinery	2,08,256
Consolidated Profit	97,781	Stock	1,86,250
Minority Interest	66,344	Debtors	1,34,000
Creditors	1,17,000	Cash at Bank	96,000
	10,06,125		10,06,125

Working Notes :

(i) **1988 वर्ष के वाई लिमिटेड के लाभ की गणना :**

		Rs.	Rs.
Balance of P& L Account			46,000
Less : Balance of Profit on 1-1-1988		20,000	
Less : Dividend on Equity Shares	Rs.		
@ 3% for 1987	3,000		
Dividend on Preference Shares @ 6% for 1987	3,000	6,000	14,000
Profit for 1988			32,000
Less: Arrears of Preference Shares Dividend for 1988 @ 6%			3,000
Profit after Preference Shares Dividend			29,000

(ii) **भूमि व भवन में वद्धि की गणना :**

		Rs.
Value on 1-7-1988		1,15,000
Less : Written Down Value on 1-7-1988 (Rs. 1,00,000 – Rs. 2,500)		97,500
Increase		17,500

(iii) **प्लाण्ट व मशीन में कमी की गणना :**

		Rs.
Value on 1-7-1988		70,000
Less : Written Down Value on 1-7-1988 (Rs. 80,000 – Rs. 2,000)	78,000	
Decrease		8,000

(iv) **वाई लिमिटेड के शुद्ध मूल्य की गणना :**

	Rs.
Equity Shares Capital	1,00,000
6% Preference Share Capital	50,000
General Reserve on 1-1-1988	60,000
Pre-acquisition Profit (Rs. 14,000 + Rs. 14,500)	28,500
Increase in Land & Building	17,500
	2,56,000
Less : Decrease in Plant & Machinery	8,000
Net Worth	2,48,000

(v) **ख्याति की गणना :**

		Rs.
Cost of Investments in Y Ltd.		2,00,000
Less : Dividend received out of Pre-acquisition Profits on:		
Equity Shares	Rs. 2,250	
Preference Shares @ 6%	Rs. 2,250	4,500
		1,95,500
Less : Share in Net Worth of Y Ltd. (75% of Rs. 2,48,000)		1,86,000
Goodwill		9,500

(vi) अंश अधिग्रहण के बाद की अवधि के लाभ की गणना :

		Rs.
Profit for 1988 after preference share dividend		29,000
Less : Pre-acquisition Profit		<u>14,500</u>
Balance		<u>14,500</u>
Less : Additional Depreciation on Land and Building	Rs.	
Depreciation on Rs. 1,15,000 @ 5% for 6 months	2,875	
Deduct Depreciation already provided	<u>2,500</u>	<u>375</u>
		14,125
Add : Excess depreciation provided on Plant & Machinery	Rs.	
Depreciation already provided	2,000	
Deduct Depreciation on Rs. 70,000 @ 5% for 6 months	<u>1,750</u>	<u>250</u>
Post-acquisition Profit		<u>14,375</u>

(vii) अल्पमत अंशधारियों के हित की गणना :

	Rs.
Shares in Net Worth of Y Ltd. (25% of Rs, 2,48,000)	62,000
Add : Share in Post-acquisition Profit of Y Ltd. (25% of Rs. 14,375)	3,549
Add : Preference Shares Dividend for 1988 (25% of Rs. 3,000)	<u>750</u>
Minority Interest	<u>66,344</u>

(viii) स्टॉक में सम्मिलित व वसूल हुए लाभ की गणना :

	Rs.
Value on Stock	6,000
Profit-included $\left(\frac{2,000 \times 6,000}{12,000}\right)$	<u>1,000</u>
Unreleased Profit 75% Rs. 1,000	<u>750</u>

(ix) समेकित लाभ की गणना :

	Rs.
Balance of Profit of X Ltd.	90,000
Less : Dividend received from Y Ltd	<u>4,500</u>
	85,500
Add : Share in Post-acquisition profits of Y Ltd. (75% of Rs. 14,375)	10,781
Dividend on Preference Shares ofY Ltd. for 1988 (75% of Rs. 3,000)	<u>2,250</u>
	98,531
Less : Unreleased Profit	<u>750</u>
Consolidated Profit	<u>97,781</u>

(x) समेकित चिट्ठे के लिए भूमि व भवन की गणना :

	Rs.
Land and Building of Y Ltd. on 1-1-1988	1,15,000
Less : Depreciation for 6 months	<u>2,875</u>
	<u>1,12,125</u>

Land and Buildings of X Ltd.		2,60,000
	Total	3,72,125

(xi) **समेकित चिट्ठे के लिए प्लाण्ट व मशीन की गणना :**

Plant & Machinery of Y Ltd. on 1-7-1988		70,000
Less : Depreciation for 6 months		1,750
		68,250
Plant & Machinery of X Ltd.		1,40,000
	Total	2,08,250

(xii) स्टॉक की राशि : Rs. 1,10,000 + Rs. 77,000 – Rs 750 = Rs. 1,86,250

(xiii) लेनदारों की राशि : Rs. 85,000 + Rs. 44,000 – Rs 12,000 = Rs. 1,17,000

(xiv) देनदारों की राशि : Rs. 1,20,000 + Rs. 26,000 – Rs 12,000 = Rs. 1,34,250

समेकित लाभ हानि खाता
(Consolidated Profit & Loss Account)

समेकित लाभ हानि खाता बनाते समय सूत्रधारी कम्पनियों एवं सहायक कम्पनियों के आयगत व्ययों एवं हानियों तथा आयगत लाभों एवं प्राप्तियों का योग लिखा जाता है। परन्तु ऐसा करने के लिए आवश्यक समायोजन भी करने पड़ते है। समेकित लाभ हानि खाते में निम्न लेखे किये जाते है :

(i) आयगत आयों, व्ययों एवं हानियों के सन्दर्भ में दोनों कम्पनियों हेतु लेखे।

(ii) सहायक कम्पनी के लाभों में से अल्पमत अंशधारियों के भाग का लेखा :

Consolidatd Profit & Loss Account

To Minority Shareolders Account

हानि की दशा में ठीक इसके विपरीत निम्न लेखा होगा :

Minority Shareholders Account

To Consolidated Profit & Loss Account

(iii) यदि कम्पनी ने दूसरी कम्पनी को लाभ पर माल बेचा है और यह माल समेकित लाभ हानि खाता बनाने की तिथि पर स्टॉक में शामिल है तो इस स्टॉक में लाभ के भाग के लिए निम्न लेखा किया जायेगा।

Consolidated Profit & Loss Account

To Stock Reserve Account

(iv) यदि कम्पनी ने दूसरी कम्पनी को लाभ पर माल बेचा है और यह माल समेकित लाभ हानि खाता बनाने की तिथि पर स्टॉक में शामिल है तो इस स्टॉक में लाभ के भाग के लिए निम्न लेखा किया जायेगा।

Consolidated Profit & Loss Account

To Capital Reserve Account

(v) सूत्रधारी कम्पनी जिस तिथि को सहायक कम्पनी के अंश क्रय करती है उससे पूर्व अवधि की सहायक कम्पनी की हानि की राशि में से सूत्रधारी कम्पनी की हानि की राशि में से सूत्रधारी कम्परी की हानि के भाग के लिए निम्न लेखा होगा :

Capital Reserve Account

To Consolidated Profit & Loss Account

(vi) यदि सूत्रधारी कम्पनी के संचालक को कुछ पारिश्रमिक सहायक कम्पनी से भी मिलता है और ये संचालक इस पारिश्रमिक को सूत्रधारी कमपनी को वापिस कर देते हैं तो इस राशि को उस कुल पारिश्रमिक की राशि से घटा दिया जाता है जिसे सूत्रधारी कम्पनी के संचालक उस समूह की सभी कम्पनियों से प्राप्त करते है।

(vii) प्रस्तावित लाभांश का लेखा—यदि प्रस्तावित लाभांश के लिए सहायक कम्पनी की पुस्तकों में लेखा कर लिया गये है और सूत्रधारी कम्पनी की पुस्तकों में भी इस लाभांश के अपने हिस्से को क्रेडिट कर दिया गया है तो समेकित लाभ हानि खाते से इसे हटा लिया जायेगा। इसका प्रभाव चिट्ठे में दिखाया गया दायित्व भी कम कर दिया जायेगा। सूत्रधारी कम्पनी के द्वारा सहायक कम्पनी से मिले लाभांश समेकित लाभ हानि खाते के दोनों पक्षों से हटा दिये जाने चाहिये।

(viii) यह देखने के लिए पर्याप्त सावधानी बरती जाये कि दोनों कम्पनियों सूत्रधारी कम्पनी द्वारा लिए गये सहायक कम्पनी के ऋणपत्रों पर उपार्जित तथा अदत्त ब्यजा के लेखे करती है। ऋणपत्र ब्याज को समेकित लाभ हानि खातों के दोनों पक्षों से उस सीमा तक हटा देना चाहिए जहां तक ऐसा ब्याज सूत्रधारी कम्पनी से सम्बन्ध रखता है।

(ix) यदि कम्पनी को लाभ हुए है तथा संचयी अधिमान अंशों पर लाभांश बकाया चल रहा है तो अल्पमत अंशधारियों द्वारा लिए गये अधिमान अंशों पर बकाया लाभांश इस प्रकार लेखाबद्ध किया जायेगाः

Consolidated Profit & Loss Account

To Minority Interest Account

(x) यदि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा अंशों के अधिग्रहण के समय सहायक कम्पनी की स्थायी सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है परन्तु पुस्तकीय मुल्य का परिवति नहीं किया जाता तो हास के कम या अधिक करने का समायोजन लेखा समेकित लाभ हानि खाते को डेबिट या क्रेडिट करके तथा सम्बन्धित स्थायी खाते को डेबिट या क्रेडिट करके किया जाता है। उल्लेखनीय है कि हास के इसका या अधिक होने से अल्पमत अंशधारी भी प्रभावित होते है।

यहां यह बताना युक्ति संगत रहेगा कि समेकित लाभ हानि खाते का समेकित स्थिति–विवरण से कोई सम्बन्ध नहीं होता। इसे तो समेकित स्थिति–विवरण के साथ एक निर्दिष्ट हेतु कम्पनियों के एक समूह द्वारा कमाये गये कुल लाभ को दिखाने के लिए बनाया जाता है।

Illustration 26.

Arjun Ltd. holds 60,000 Equity shares of Re. 1 each in Kishan Ltd. The Share Capital of Kishan Ltd. consists of 20,000 6% Cumulative Preference Share of Re. 1 each and 80,000 Equity Shares of Re. 1 each. Kishan Ltd. has 6% Debentures of Rs. 40,000 out of which Rs. 20,000 were issued to Arjun Ltd. and Rs. 20,000 tooutsiders. The following are the summarised Profit and Loss Account of the two companies for the year ended 31st December, 1993.

	Arjun Ltd. Rs.	Kishan Ltd. Rs.		Arjun Ltd. Rs.	Kishan Ltd. Rs.
To Adjusted Purchases	3,00,000	1,20,000	By Sales	3,80,000	3,00,000
To Manufacturing Expenses	—	80,000			
To Gross Profit cld	80,000	1,00,000			
	3,80,000	3,00,000		3,80,000	3,00,000
To Sundry Expenses	30,000	40,000	By Gross Profit b/d	80,000	1,00,000
To Debenture Interest	—	2,400	By Debenture Interest	1,200	
To Profit c/d	59,600	57,600	By Interim Dividend	8,400	
	89,600	1,00,000		89,600	1,00,000
To Income Taxes	28,000	24,000	By Profit b/d	59,600	57,600
To Preference Dividends	—	1,200			
To Interim Dividends	—	11,200			
To Proposed Dividends	20,000	16,800			
To Balance c/d	11 ,600	4,400			
	59,600	57,600		59,600	57,600

The following additional information is supplied:

(i) Arjun Ltd. had acquired the shares on 1st April, 1993, while the debentures were purchases on 1st January, 1993.

(ii) Kishan Ltd. was registerd on 1st January, 1993.

(iii) Tax deducted from dividends and interest was 30%.

(iv) During 1993, goods costing Rs. 80,000 were sold by Kishan Ltd. to Arjun Ltd. for Rs. 1,20,000 One-fourth of these goods was still in the closing stok on 31st December, 1993.

(v) Arjun Ltd. values goods at cost for purpose of its closing stock.

Prepare Consolidated Profit & Loss Account.

Solution :

Consolidated Profit and Loss Account

for the year ended 31st December 1993

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
To Adjusted Purchases	4,20,000		By Sales		6,80,000
Less : unsold goods in stock	30,000	3,90,000	*Less* Unsold Stock	30,000	6,50,000
To Manufacturing Expnses		80,000			
To Gross Profit c/d		1,80,000			
		6,50,000			6,50,000
To Salary Expense		70,000	By Gross Profit bId		1,80,000
To Debentures Interest	2,400				
Less to Arjun Ltd.	1,200	1,200			
To Income Tax		52,000			
To Preference Dividend		1,200			
To Interim Dividend	11 ,200				
Less to Arjun Ltd.	8,400	2,800			
To Proposed Dividend	36,800				
Less to Arjun Ltd.	12,600	24,200			
To Capital Profits		6,080			
To Reserve against Unsold Stock		7,500			
To Share of outside shareholder					
(1/4 of Rs. 4,400)		1,1,00			
To Balance c/d		13,920			
		1,80,000			1,80,000

Working Notes:

(i) Calculation of Capital Profits:

	Rs.
Profit for the year	57,600
Less Income tax Rs. 24,000 + Preference divident Rs. 1,200	25,200
Profit for 3 months (upto 1st April)	32,400
Capital Reserve is 75% of Rs. 8,100	8,100
	6,080

(ii)	Reserve for Unsold Goods:	Rs.
	Total Profit was Rs. 1,20,000 – Rs. 80,000	40,000
	For 1/4 unsold stock the unrealised profit is	10,000
	For Arjun Ltd.'s share (75% of Rs. 10,000)	7,500

Illustration 22.

The following are the Profit & Loss Accounts of H Ltd. and S Ltd for the year ended 31 st Decemebr 1992.

	H. Ltd. Rs.	S.Ltd Rs.		H.Ltd Rs.	S.Ltd Rs.
To Opening Stock	1,00,000	—	By Sales	8,00,000	6,50,000
To Purchases	5,00,000	4,00,000	By Closing Stock	1,50,000	1,00,000
To Productive Wages	1,50,000	1,00,000			
To Gross Profit c/d	2,00,000	2,50,000			
	9,50,000	7,50,000		9,50,000	7,50,000
To Sundry Expenses	75,000	1,00,000	By Gross Profit b/d	2,00,000	2,50,000
To Debenture Interest	—	6,000	By Debenture Interst	3,000	—
To Provision for Taxation	60,000	70,000			
To Profit c/d	68,000	74,000			
	2,03,000	2,50,000		2,03,000	2,50,000
To Preference Dividend	—	3,000	By Profit b/d	68,000	74,000
To Propsed Dividend	20,000	20,000			
To Balance c/d	48,000	51,000			
	68,000	74,000		68,000	74,000

You are also given the following additional information:

1. H Ltd. hold 1,500 Equity Shares of Rs. 100 each in S. Ltd whose capital consists of 2,000 Equity Shares of Rs. 100 each and 6% 500 Cumulative Preference Shares of Rs. 10 each. S Ltd. has also issued 6% Debentures of Rs. 1,00,000 out of which H Ltd. holds Rs. 50,000
2. The shares in S. Ltd. were acquired by H Ltd. on 1st April, 1990 but the edebentures were acquired on Ist January, 1990. S. Ltd. was incorporated on 1st January 1990.
3. During the year S. Ltd. Sold to H. Ltd. goods costing Rs. 50,000 at the selling price of Rs. 75,000 One fourth of the goods remained unsold on 31 st December, 1992. The goods were valued at cost to the holding company for closing stock purposed.

   Prepare a consolidated Profit and Loss Account.

Solution :

Consolidated Profit and Loss Account of H Ltd. and its subsidiary S Ltd. for the year ended 31st December 1992.

		Rs.			Rs.
To Opening Stock (H. Ltd.)		1,00,000	By Sales	8,00,000	
To Purchases:			H Ltd.	8,00,000	
H Ltd.	5,00,000		S Ltd.	6,50,000	
S. Ltd.	4,00,000			14,50,000	
	9,00,000		*Less* Inter Co. Sales	75,000	13,75,000
Less : Inter-Co. purchases	75,000	8,25,000			
To Producitve wages			By Closing Stock		
HLtd.	1,50,000		H Ltd.	1,50,000	
S Ltd.	1,00,000	2,50,000	S Ltd.	1,00,000	2,50,000
To Gross Profit c/d		4,50,000			
		16,25,000			16,25,000
To Sundry Expenses			By Gross Profit b/d		4,50,000
H Ltd.	75,000		By Debentures Interest	3,000	
S Ltd.	1,00,000		*Less* Inter-co tansactions	3,000	
To Debentures Interest	6,000				
Less Inter co-Transaction	3,000	3,000			
To provison for Taxation					
H Ld.	60,000				
S Ltd.	70,000	1,30,000			
To Stock Reserve		4,688			
To Profit c/d		1,37,312			
		4,50,000			4,50,000
To Proposed Dividend			By Profit b/d		1,37,312
H Ltd.	20,000				
S Ltd	20,000	40,000			
Less Dividend of S due					
to H Ltd.	15,000	25,000			
To Preference Dividend		3,000			
To Capital Reserve		13,313			
To Share of Minority					
(Interest 1/4 of 51,000)		12,750			
To Balance c/d		83,249			
		1,37,312			1,37,312

Working Notes:

1 . Capital Reserve has been arrived at as follows:

Profit of S Ltd. after Preference Divident = Rs. (74,000 – 3,000) = Rs. 71,000

$\therefore$ Pre-acquisition Profit, *i.e.* Profit upto 1st April 1990 = $\frac{1}{4}$ × Rs. 71,000 = 17,750

H Ltd.'s Share of Pre-acquisition Profits = 3/4 * 17,750 = Rs. 13,313

2. Stock Reserve has been arrived at as follows:

Total profits made by S. Ltd. on goods sold to H Ltd. = Rs. (75,000 – 50,000) = Rs. 25,000

1/4th of the goods remained unsold. Hence, profits on 1/4th goods

1/4 × Rs. 25,000 = Rs. 6,250

H Ltd.'s share of unrealised profits

3/4 × Rs. 6,250 = Rs. 4,688

3. Debenture Interests paid by S Ltd. and received by H Ltd. amounting to Rs. 3,000 has been eliminated from both sides.

4. Out of the proposed dividend of S. Ltd. 3/4th of Rs. 20,000 i.e. Rs. 15,000 belong to H Ltd. and as such the same has been eliminated.

Illustration 27.

From the following two Balance Sheet of H Ltd. & S Ltd. prepare a Consolidated Balance Sheet. The interests of the minority shareholders of S Ltd. are to be shown as a separate item:

Balance Sheet of H Limited

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Share Capital :		Buildings at cost		72,000
Authorised & Issued 12,000 share		Plant and Machinery		
of Rs. 10 each	1,20,000	Cost	40,000	
Creditors	15,000	*Less:* Depreciation	10,000	30,000
General Reserve	25,000	Share in S Ltd.		25,000
Profit and Loss Account	12,000	2,500 shares of Rs. 10 each		
		Stock		18,000
		Debtors		22,000
		Bank		5,000
	1,72,000			1,72,000

Balance Sheet of S Limited

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Share Capital:		Buildings		25,000
Authorised & Issued		Plant and Machinery		
3,000 share of Rs. 10 each	30,000	Cost	15,000	
Creditors	5,000	*Less:* Depreciation	5,000	10,000
General Reserve	6,000			
Profit and Loss Account	9,000	Stock		3,000
		Debtors		7,000
		Bank		5,000
	50,000			50,000

When H Ltd. acquired 2,000 shares in S Ltd. the latter company had undistributed profits and reserves amounting to Rs. 5,000 none of which has been distributed since then. [B.Com.Delhi]

Solution

Consolidated Balance Sheet of H Limited

and its subsidiary company S limited

as at..............

Liabilities		Rs.	*Assets*		Rs.
Authorised & Issued Capital			Goodwill (i)	Rs.	1,60
12,000 shares of Rs. 10/- each		1,20,000	Buildings		
General Reserve		25,000	H	72,000	
Profit and Loss Account	Rs.		S	25,000	97,000
H	12,000		Plant and Machinary		
S Ltd.	6,667(ii)	18,667	H	30,000	
Creditors			S	10,000	40,000
H	15,000		Stock		
S	5,000	20,000	H	18,000	
Minority Interest of Share-			S	3,000	21,000
holders of S Ltd. (iii)		15,000	Debtors		
			H	22,000	
			S	7,000	29,000
			Bank		
			H	5,000	
			S	5.000	10,000
		1,98,667			1,98,667

Working Notes:

(i) Calculation of the amount of Goodwill or cost of Control in S Ltd.

Amount paid for the shares in S Ltd.			25,000
Less		Rs.	
(ii) Face Value of its 2,000 shares held by H Ltd.		20,000	
and H Ltd.'s Share of Capital Profits or Pre-acquisition profits of S Ltd.	3,333	23,333	
Goodwill			1,667

The Capital Profits or Pre-acquisition profits are Rs. 5,000 (as given) and H Ltd.'s share in it is 2/3rd i.e. 5,000 × 2/5 or Rs. 3,333.

(iii) Calculation of revenue profits:

	General Pre-acquired	Reserve Post-acquired	Profit & Loss Account	Total
Balance Given	5,000	1,000	9,000	15,000
Holding Co's Share	3,333	667	6,000	10,000
S Co's Share	1,667	383	3,000	5,000

∴ H Company Ltd.'s Share of Revenue Profits is Rs. 6,667 excluding pre-aquisition share of Rs. 3,333 as computed above

(iii) Calculation of Minority Interest:

Face value of shares held by them (1/3 of total)	10,000
Add 1/3rd of Capital Profiles	1,667
1/3rd of Revenue Profits	3,333
	15,000

Illustration 28.

The following are the Balance Sheets of X Ltd. and Y Ltd. as on 31 st December, 1984

	X	Y		X	y
Equity Shares of Rs. 10 each	4,00,000	1,00,000	Equipments	2,50,000	95,000
Profit & Loss Account	50,000	20,000	Investments: 9000 shares in Y Ltd. on 1-1-84	1,40,000	
Extemal Liabilities	7,50,000	4,80,000	Othes Assets	8,10,000	5,05,000
	12,00,000	6,00,000		12,00,000	6,00,000

On January 1, 1984 Profits and Loss account of Y Ltd. showed a credit Balance of Rs. 8,000 and Equipments of Y Ltd. were revalued by X Ltd. at 20% above its book value of Rs. 1,00,000 (but no such adjustment affected in the books of Y Ltd.)

Prepare the Consolidated Balance Sheet as on 31st December, 1984

Solution

Capital Profits		Revenue Profits	
Profit & Loss Account(Cr.)	8,000	Profit earned during the year (20,000-8,000)	12,000
Equipments revaluaiton Gain	20,000	*Less* Depreciation on Equipments @ 5% on additional Rs. 20,0001,000	
	28,000		11,000

Minority Interest		Holding Company's Share in	
1000 shares of 10 each	10,000	Capital Profit 9/10 of 28,000 *i.e.* 25,200	
1/10 of Capital Profit	2,800	& Revenue Profit 9/10 of 11,000 *i.e.*	9,900
1/10 of Revenue Profit	13,900		

Calculation of Cost of Control/Goodwill

Purchase Price of Shares.	1,40,000
Less face value of 9,000 shares	90,000
	50,000
Less Capital Profits	25,200
Cost of Control	24,800

Consolidated Balance Sheet

as on 31st December, 1984

Liabilities		Rs.	Assets		Rs.
40,000 Equity shares of Rs. 10 each		4,00,000	Equipments:		
Profit & Loss Account:			X	2,50,000	
X Ltd.	50,000		Y	1,14,000	3,64,000
Y Ltd.	9,900	59,900	Others Assets:		
External liabilities:			X	8,10,000	
X Ltd.	7,50,000		Y	5,05,000	13,15,000
Y Ltd.	4,80,000	12,30,000			
Minority Interest		13 ,900			
		17,03,800			17,03,800

Illustration 25

The Balance Sheet of H Ltd. and its subsidiary S Ltd. as on 31st December,1986 were as follows:

	H	S.		H	S
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital (Share of Re. 1 each)	10,000	6,000	Sundry Assets	16,000	16,000
General Reserve	4,000	—	Investments: 4,000 shares in S	4,000	—
Profit & Loss Account	4,000	1,800			
Creditors	2,000	2,200			
	20,000	10,000		20,000	10,000

The Shares were purchased by H Ltd. in S Ltd. on 30th June 1986

On January 1, 1986, the P & L Account of S Ltd. showed a loss of Rs. 3,000 which was writen of from out of the profits of the current year. Profits are earned uniformly over the year 1986.

Prepare a Consolidated Balance Sheet of H Ltd. and S Ltd. as on 31 st December, 1986 giving all working.

Solution.

Capital Profits	Rs.	Revenue Profits	Rs.
Profit.& Loss Account 1,1.86 (–)	3,000	1/2 of Current Year's profile	Rs. 2,000
Add 1/2 of the current year's profits			
(1/2 of 4,800)	2,400		
	(–) 609		2,400

H Ltd.	(–) = 600 × $\frac{4,000}{6,000}$	= Loss Rs. 400	H Ltd.	= $\frac{2,400 \times 4}{6}$	= Rs. 1,600
Minority Interst	(–) 600 ×	= Loss Rs. 200	Minority Interest	= $\frac{2,400 \times 2}{6}$	= Rs. 800

Minority Interest

2,000 shares of Re. 1 each	Rs. 2,000
Capital Profits	(–) 200
Revenue Profits	(+) 800
	Rs. 2,600

Calculation of Cost of Control (Or Goodwill)

Purchase price	Rs. 4,000
Less Face Value of 4,000 shares	4,000
	NIL
Less Capital Profits	(–) Rs. 400
Good will	Rs. 400

Consolidated Balance Sheet

as on 31st December, 1986

		Rs.			Rs.
10,000 shares of Re.l each		10,000	Goodwill		400
General Reserve		4,000	Sundry Assets-		
Profit & Loss Account			$\frac{2,000}{6,000}$		
H	4,000		H	16,000	
S	1,600	5,600	S	10,000	26,000
Creditors:					
H	2,000				
S	2,200	4,200			
Minority Interest		2,600			
		26,400			26,400

Illustration 30

Prepare a consolidated Balance Sheet from the following Balance Sheet of two companies:

Balance Sheet of H & S Co.

As on 31st December, 1993

Liabilities	H	S	Assets	H	S
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital			Sundry Assets	8,000	1,200
Equity Shares of Rs. 10/-	10,000	2,000	Stock	6,100	2,400
Profit & Loss Account	4,000	1,200	Debtors	1,300	1,700
Reserve Fund	1,000	600	Bill Receivable	100	—
Creditors	2,000	1,200	Shares in'S' 150 at cost	1,500	—
Bill Payable	—	300			
	17,000	5,300		17,000	5,300

Following other additional informations are also given:

(i) Company S has earned all the profits only since the above 150 shares were acquired by H

(ii) On the date of acquisition of these 150 shares by H Co. S had got reserves of Rs. 600

(iii) The Bills Payable of S are in favour of Co. H which had discounted Rs. 200 of them.

(iv) Sundry Assets of S are undervalued by Rs. 200

(v) Stock of H includes goods of Rs. 500 purchased from S at a profit to company S of 25% on cost.

Solution :

Consolidated Balance Sheet of H & S

As on 31st December, 1993

Liabilities		Rs.	*Assets*		Rs.
Share Capital			Sundry Assets		
Equity Shares of 10/-		10,000	H	8,000	
Capital Reserve		600	S	1,400	9,400
Reserve Fund		1,000		9,400	
Bills Payable S	300		Stock		
Less held by 'H'	100[2]	200	H	6,100	
Creditors			S	2,400	
H	2,000			8,500	
S	1,200	3,200	Less Unearned profit (25/125 × 500	100	8,400
Profit & Loss Account[3]		4,800	Debtors		
Minority Interest[4]		1,000	H	1,300	
			$\left(\frac{20}{25}\times 1,200\right)$ S	1,700	3,000
		20,800			20,800

Working Notes :

(1) Calculation of Capital Reserve or Cost of Control :

	Rs.
Face Value of 150 shares @ Rs. 10 each	1,500
Add : of Rs. 600 Reserves of 'S'	450
Add : $\frac{150}{200}$ of increase in value of Sundry Assets of 'S' or $\frac{150}{200} \times 200$	150
	2,100
Less Amount laid by H for acquiring 150 shares of 'S'	1,500
∴ Capital Reserves earned by H are	600

(2) Bills payable actually remaining payable now are, only those discounted by H i.e., for Rs. 200

(3) Profit & Loss Account balance is calculated as under:

H's profits	4,000
Add : 'S' profits $\left(\frac{25}{100}\times 500\right)$	900
	4,900
Less Unearned profits	100
	4,800

(4)	Minority Interest is calculated as under	Rs.
	Face Value of 50 shares held by outsiders	500
	Add of 600 Reserves	150
	Add $\frac{50}{200}$ of 200 Increase in value of Sundry Assets of 'S'	50
	Add $\frac{50}{200}$ of 1,200 Profits of S	300
		1,000

Illustration 31.

The following are given two Balance Sheets of H Ltd. and its subsidiary H Ltd. on 31-12-1993.

Liabilities	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.	Assets	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital			Land & Buildings at Cost	3,10,000	1,60,000
10% Preference Share of Rs. 100 each	—	1,00,000	Machinery Cost		
Equity Shares of Rs. 100 each	10,00,000	4,00,000	*Less* 10% Depreciation	2,70,000	1,35,000
General Reserve	1,00,000	50,000	3,000 Shares in S Ltd.	4,50,000	—
Profit & Loss Account	2,40,000	1,10,000	Stock at Cost	2,20,000	1,50,000
Creditors	1,50,000	70,000	$\frac{50}{100}$ Debtors	1,55,000	90,000
			Bank	85,000	1,95,000
	14,90,000	7,30,000		14,90,000	7,30,000

The following other information are given :

(i) Profit of H Ltd. for the year 1993 have been Rs. 2,00,000

(ii) Profits of S Ltd. for the year 1993 have been Rs. 80,000

(iii) The 3,000 shares in S Ltd. were acquired by H Ltd. on 30-06-1993 when the values of Land & Buildings and Machinery of S Ltd. were estimated to be Rs. 1,50,000 and Rs. 1,92,500 respectively.

Prepare their Consolidated Balance Sheet.

Solution

Consolidated Balance Sheet of H Ltd.
And its subsidiary S Ltd.
As on 31 st December, 1993

Liabilities		Rs.	Assets		Rs.
Share Capital:			Goodwill[1]		33,750[0]
10,000 Shares of Rs. 100 each		10,00,000	Land & Buildings (Cost)	Rs.	
General Reserves		1,00,000	H Ltd.	3,10,000	
Profit & Loss Account	Rs.		S Ltd.	1,50,000[2]	4,60,000
H Ltd.	2,40,000		Machinery		
S Ltd.	24,375[5]	2,64,375	H Ltd.	3,00,000	

Creditors		Less Depreciation	30,000	2,70,000
H Ltd.	1,50,000	S Ltd.	2,00,000[3]	
S Ltd.	70,000	*Less* Depreciation	17,500[4]	1,82,500
Minority Interest	2,56,875			
		Stock		
		H Ltd.		2,20,000
		S Ltd.		1,50,000
		Debtors		
		H Ltd.		1,55,000
		S Ltd.		90,000
		Bank		
		H Ltd.		85,000
		S Ltd.		1,95,000
	18,41,250			18,41,250

Working Notes :

(1) Calculation of Goodwill or Cost of Control

		Rs.
Amount paid for Shares acquired		4,50,000
Less (i) Face Value of Shares	3,00,000	
(ii) Capital Profits or Profits of Pre-acquisition period i.e. before 1-7-1993 (H Co.'s Share)	1,16,250	4,16,250
Goodwill =		33,750

(2) Value of Land & Buildings of S Ltd. is taken according to its market value

(3) Calculation of Values of Machinery of S Ltd. as

Depreciated value of Machienry as on 31-12-1993	1,35,000	(Given)
Book Value on 1-1-1993 $\left(1,35,000\times\frac{100}{90}\right)$	1,50,000	
Less Depreciation for 1/2 year upto 30-06-1993	7,500	
	1,42,500	
Increased Estimated Value on 30-06-1993 was	1,92,500	(Given)
Hence, Increase Estimated value should be Rs. 50,000		
Block Value on Increased Basis on 31-12-1993 should be Rs.	1,50,000	
+ Rs.	50,000	
i.e. Rs.	2,00,000	

Calculation of depreciation	Rs.
(4) Depreciation on Rs. 1,50,000 for 1/2 year upto 30-06-1993	7,500
Depreciation on Rs. 2,00,000 for later 1/2 year upto 31-12-1993 on enhanced value	10,000
Total Depreciation (That should have been)	17,500

(5) Revenue Pofits of S Ltd. have been calculated as

Profits for later 1/2 year 40,000

Less Preference Dividend for this 1/2 year @ 10%	5,000	
	35,000	
Less Additional depreciation on Rs. 50,000 the enhancement		
in the value of machinery Rs 50,000 ×	2,500	
Adjusted Revenue Profits after 30-6-1993	32,500	
H Co.'s Share in it 3/4th of 32,500	24,375	
S Coo's Share in it 1/4th of 32,500	8,125	

(6) Minority Interest is calculated as

10% Preference Share Capital	1,00,000	
Add 10% Preference Dividend	10,000	1,00,000
Equity Share Capital (1/4)	1,00,000	
1/4th of Capital Profits or Profit before 1-7-93	38,750	
1/4th of Revenue Profits or Profit after 1-7-93	8,125	1,46,875
		2,56,875

(7) Capital Profit or Profits before 1-7-93 of S Ltd. are calculated as:

	Rs.	
General Reserves	50,000	(Given)
Profit & Loss Account balance on 1-1-1993	30,000	(Given)
Profits upto 30-6-1993 after Preference Dividend	35,000	
Add : Capital Profits because of Increase in Value of Machinery	50,000	
$\frac{10}{100} \times \frac{1}{2}$	1,65,000	
Less Reduction in Value of Land & Buildings	10,000	
	1,55,000	

H Co.'s Share (3/4 is Rs. 1,16,250)

S Coo's Share (1/4 is Rs. 38,750)

Illustration 32.

The following are the Balance Sheet of R Ltd. and S ltd. as at 31 st December, 1992.

Liabilities	R Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.	Assets	R Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital:			Fixed Assets	5,00,000	2,40,000
Equity Shares of Rs. 10 each			Investment in 15,000		
fully paid up	4,00,000	1,50,000	Equity Shares in S Ltd.		
13% Preference Share of			on January 1, 1992	2,00,000	—
Rs. 100 each fully paid up	—	1,00,000	Current Assets (including		
General Reserve	50,000	40,000	Rs. 10,000 stock-in-trade		
Profit and Loss Account			purchased from R Ltd.)	3,00,000	2,60,000
(beofre appropriation	30,000	25,000			
for dividends)					
12% Debentures	2,00,000	—			
	3,20,000	1,85,000			
	10,00,000	5,00,000		10,00,000	5,00,000

Prepare the Consolidated Balance Sheet as at 31st December, 1992, assuming that (a) S Ltd.'s Genral Reserve and Profit and Loss Account (after appropriation for dividends) stood at Rs. 25,000 and Rs. 10,000 respectively on January 1, 1992 and (b) R Ltd. sells goods at a profit of 25% on cost.

Solution :

Consolidated Balance Sheet or R Limited and S Limited

As at 31 st December 1992

	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital			Fixed Assets		
Equity Share of Rs. 10 each			R Ltd.	5,00,000	
fully paid up		4,00,000	S Ltd.	2,40,000	7,40,000
Minority Interest			Current Assets		
(13% Preference Shares of Rs. 100			R Ltd.	3,00,000	
each fully paid up of S Ltd.)		1,00,000	S Ltd.	2,60,000	
General Reserve		50,000		5,60,000	
Profit & Loss Account					
R Ltd.	30,000		Less Unearned Profit in		
S Ltd.	30,000		Stocks of S Ltd.	2,000	
	60,000				
Less Unearned Profit of R Ltd.	2,000	58,000			
12% Debentures		2,00,000			
Current Liabilities & Provisions					
R Ltd.	3,20,000				
S Ltd.	1,85,000	5,05,000			
		13,13,000			13,13,000

Working Notes :

(1) Unrealised Profit of R Ltd :

Unsold Stock with S Ltd. Rs. 10,000

Unrealised Profits thereon @ 25% on Cost or 20% on sale price Rs. 2,000

Rs. 2,000 is deducted from the profits of the selling company i.e. R Ltd. from the Stock value of S Ltd. in the Consolidated Balance Sheet.

(2)	Calculation of Goodwill or cost of Control	25,000
	General Reserves of S Ltd.	10,000
	Profit & Loss Account Balance of S Ltd.	35,00
	Paid Up value of shares	1,50,000
		1,85,000
	Price Paid for Shares by R Ltd.	2,00,000
	Goodwill or Cost or Control	15,000
(3)	Holding Company's share in Revenue Profits of S Ltd. for 1992 is calculated as under	
	Profits of S Ltd. on 31-12-1992	25,000
	+ Profits transferred to Reserves during 1992	15,000
		40,000
	– Profits as on 1-1-1992	10,000
		30,000

Illustration 33. A Ltd. acquired 12,000 Equity of B Ld. of the face value of Rs. 10 each at a price of Rs. 1,70,000 on 1st October, 1992. The Balance Sheets of the two companies as at 31st March, 1993 were as follows:

	A Ltd. Rs.	B Ltd. Rs.		A Ltd. Rs.	B Ltd. Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each	10,00,000	2,00,000	Goodwill	3,00,000	70,000
General Reserve (1st April, 1993)	4,20,000	1,00,000	Land & Buildings	4,00,000	1,00,000
Profit & Loss Account (1 st April, 1993)	1,70,000	45,000	Plant & Machinery	5,00,000	1,00,000
Creditors	2,40,000	92,000	Stock	2,00,000	40,500
Bills Payable	80,000	60,000	Debtors	3,00,000	1,34,500
			Investments	2,00,000	—
			Bills Receivable	20,000	30,000
			Bank	60,000	50,000
			Cash	20,000	12,000
	20,00,000	5,37,000		20,00,000	5,37,000

Out of the debtors receivable of A Ltd., Rs. 50,000 and Rs. 16,000 respectively represents those due from B Ltd. The stock in the hands of B Ltd. includes goods purchased from A Ltd. at Rs. 20,000 which includes profit charged by the latter company at 25% on cost.

Prepare a consolidated balance sheet as at 31st March, 1993. Show your working in detail.

Solution :

Working Notes:

		Rs.
(i)	Computation of Net Worth of B Ltd. as on October 1, 1992	Rs.
	Paid up Capital	2,00,000
	General Reserve	1,00,000
	Balance of Profit & Loss Account	40,000
	Profit from 1-4-92 to 30-9-92 (1/2 of Rs. 45,000)	22,500
	Net Worth	3,62,500
(ii)	Computation of Goodwill or Capital Reserve	Rs.
	Share of A Ltd. in Net worth of B Ltd. (60% of Rs. 3,62,500)	2,17,500
	Less Cost price of shares	1,70,000
	Capital Reserve	47,500
(iii)	Computation of Minority Interest	Rs.
	Share of external shareholders in Net Worth (40% of Rs. 3,62,500)	1,45,000
	Add Share in post acquisition profits (40% of Rs. 22,500)	9,000
	Minority Interest	1,54,000
(iv)	Computation of un realised profit in the stock of B Ltd.	Rs.
	Profit in Rs. 20,000 at 20% on cost price $\left(\text{Rs. } 20{,}000 \times \frac{25}{125}\right)$	4,000
	Share of A Ltd. (60% of Rs. 4,000)	2,400

Other Calculations (in outline) for Consolidated Balance Sheet

		Rs.
(i)	Stock = Rs. (2,00,000 + 40,500 – 2,400)	2,38,100
(ii)	Debtors = Rs. (3,00,000 + 1,34,500 – 56,000)	3,84,500
(iii)	Investment = Rs. (2,00,000 – 1,70,000)	30,000
(iv)	Bills Receivable = Rs. (20,000 + 30,000 – 16,000)	34,000
(v)	Consolidated Profit = Rs. (90,000 + 1,70,000 + 60% or 22,500 – 2,400)	2,71,000
(vi)	Creditors = Rs. (2,40,000 + 92,000 – 50,000)	2,82,000
(vii)	Bills Payable = Rs. (80,000 + 60,000 – 16,000)	1,24,000
(viii)	Goodwill = Rs. (3,00,000 + 70,000 – 47,500 Capital Reseve)	3,22,500

Consolidated Balance Sheet
as at 31 st March, 1993

	Rs.		Rs.
Equity Share (Rs. 10 Each)	10,00,000	Goodwill	3,22,500
General Reserve	4,20,000	Land & Buildings (Rs. 4,00,000 + Rs. 1,00,000)	5,00,000
Consolidated Profit	2,71,000		
Minority Interest	1,54,000	Plant Machinery (Rs. 5,00,000 + Rs. 1,00,000)	6,00,000
Creditors	2,82,000		
Bills Payable	1,24,000	Investments	30,000
		Stock	2,38,100
		Debtors	3,84,500
		Bills Receivable	34,000
		Bank (Rs. 60,000 + Rs. 50,000)	1,10,000
		Cash (Rs. 20,000 + Rs. 12,000)	32,000
	22,51,100		22,51,100

Illustration 32. The Balance Sheets of Saboo Ltd. and Ramoo Ltd. as at 1st December 1993 are as follows:

Balance Sheet

	Saboo Ltd. Rs.	Ramoo Ltd. Rs.		Saboo Ltd. Rs.	Ramoo Ltd. Rs.
Equity Shares	60,000	40,000	Goodwill	—	2,000
6% Preference Shares	—	10,000	Fixed Assets	35,000	25,000
General Reserve	16,000	8,000	Investments	36,000	9,000
Profit & Loss Account	13,000	12,000	Stock	22,000	36,000
Bills Payable	2,000	2,500	Debtors	21,000	25,000
Creditors	23,000	28,500	Bills Receivable	4,000	3,500
Proposed Dividend	6,000	4,000	Cash	2,000	4,500
	1,20,000	1,05,000		1,20,000	1,05,000

Saboo Ltd. purchased controlling interest in Ramoo Ltd. by acquiring its 3/4th of equity share capital at a premium of 20% on 1st January, 1993. Prepare a consolidated balance sheet in the books of Saboo Ltd. as at 31st December 1993. The following further information is tobe taken in to account :

(a) Profit and Loss Account of Ramoo Ltd. includes an amount of Rs. 2,000 brought forward from the year 1992.

(b) Creditors of Saboo Ltd. include an amount of Rs. 1,200 for purchases from Ramoo Ltd. which are still unsold. Ramoo Ltd. sells goods at 20% above cost.

(c) Ramoo Ltd. remitted a cheque for Rs. 1,000 on 30th December, 1993 which was received by Saboo Ltd. in the month of January, 1994

(d) Bills Receivable work Rs. 2,000 out of total bills receiyable of Rs. 2,500 received from Ramoo Ltd. were discounted by Saboo Ltd., and Ramoo Ltd. had endorsed to its creditors all the bills receivable received from Saboo Ltd. amounting to Rs. 1,500

(e) The directors of Saboo Ltd. and Ramoo Ltd. have proposed a dividend of 10% on equity share capital for the year 1993.

Solution

Working Notes (In brief)

(i) Profit of Ramoo Ltd. for 1993 = Rs. (12,000 + 4,000 – 2,000) 14,000

(ii)	Profits for Equity Shareholders = Rs. 14,000 – Rs. 600 (Preference Dividend)	13,400
(iii)	Net Worth of Ramoo Ltd. as on 1st January 1993 = Rs. (40,000 + 8,000 + 2,000)	50,000
(iv)	Capital Reserve = 75% of Rs. 50,000 – Rs. 36,000	1,500
(v)	Minority Interest = Rs. 10,000 (Pref. Capital) + 600 (Pref. Div.) + 25% of Rs. 50,000 + 25% of Rs. 13,400	26,450
(vi)	Unrealised Profit in Stock of Saboo Ltd. = 20/120 of Rs. 1,200	200
(vii)	Unrealised Profit attributable to Holding Co. = 75% of Rs 200	150
(viii)	Consolidated Profit = Rs. (13,000 + 75% of 13,400 – 150)	22,900
(ix)	Goodwill = Rs. 2,000 – Capital Reserve Rs. 1,500	500

Consolidated Balance Sheet

As at 31 st December, 1993

	Rs.		Rs.
Equity Shares	60,000	Goodwill	500
General Reserve	16,000	Fixed Assets	60,000
Consolidated Profit	22,900	Investments	9,000
Minority Interest	26,450	Stock Rs. (22,000 + 36,000 – 150)	57,850
Creditors	50,300	Debtors Rs. (21,000 + 25,000 –	43,800
Rs. (23,000 + 28,500 – 1,200)		1,200 – 1,000)	
Bills Payable (Rs. (2,000 + 2,500 – 500)		Bills Receivable	7,000
Proposed Dividend	6,000	Rs. (4,00 + 3,500 – 500)	
		Cash in transit	1,000
		Cash	6,500
	1,85,650		1,85,650

आवश्यक संक्षिप्त टिप्पणियां :

(i) रामू लिमिटेड द्वारा भेजा गया 1,000 रुपये चैक Consolidated Balance Sheet में Cash in transit के रूप में दिखाया जाएगा और इस राशि से साबू लिमिटेड के देनदार कम हो जायेंगे।

(ii) Consolidated Balance Sheet में 1,200 रुपये का Common Debt. समाप्त करके देनदारों व लेनदारों की राशियां इस रकम से कम कर दी जायेंगी।

(iii) पारस्परिक प्राप्य तथा देय बिलों में 500 रुपये (अर्थात् 2,500 – 2,000 रुपये) के बिल ऐसे है जिनको न तो भुनाया गया है और न बेचान किया गया है। अतः साबू लिमिटेड के स्थिति विवरण में यह रकम प्राप्य बिलों में शामिल है। इस को Common Item समाप्त करके Consolidated Balance Sheet में प्राप्त बिलों की राशियां 500 रुपये से कम कर दी जायेंगी।

Illustration 35. The following are the balance Sheet of A Ltd. B Ltd. and C Ltd. as on 31st December, 1993 :

Balance Sheet

	A Ltd.	B Ltd.	C Ltd.
	Rs.	Rs.	Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each	2,00,000	1,50,000	1,00,000
Genral Reserve	40,000	30,000	20,000
Profit & Loss Account	30,000	10,000	7,500
Proposed Divident for the year 1993	20,000	10,000	2,500
Creditors	30,000	40,000	10,000
	3,20,000	2,40,000	1,40,000

Goodwill	20,000	8,000	
Fixed Assets	1,00,000	1,20,000	80,000
Investments purchased on 1-1-1993			
1,20,000 shares in B Ltd.			
60,000 shares in C Ltd.	1,50,000	80,000	
Stock	30,000	22,000	20,000
Debtors	15,000	6,000	30,000
Cash	5,000	4,000	10,000
	3,20,000	2,40,000	1,40,000

The following further information is provided:

(a) On 1st January, 1993 the balance in the Profit and Loss Account of the three companies were as follows: A Ltd. Rs. 20,000, B Ltd. Rs. 10,000, and C Ltd. Rs 5,000

(b) Debtors of B Limited included an amount of Rs. 200 owing by C Limited for which C Limited and a cheque on 31st December, 1993 which was received by B Limited in January, 1994.

(c) Dividends have been proposed by B Limited and C Limited for the year 1993 out of the Profits of this year. You are required to prepar a consolidated Balance Sheet in the books of teh holding company. Show your working separately.

Solution.

Working Notes:

(i) Computation of Net Worth of C Ltd. as on 1st January, 1993:

(Capital Rs. 1,00,000 + Gen. Reserve Rs. 20,000 + Profit Rs. 5,000) = Rs. 1,25,000)

(ii)	Goodwill of C Ltd. for the Consolidated Balance Sheet:		Rs.
	Cost Price of Shares		80,000
	Less Share of B Ltd. in Net Work (60% of Rs. 1,25,000)		75,000
	Goodwill		5,000
(iii)	Net Worth of B Ltd. as on 1st January, 1993:		
	(Capital Rs. 1,50,000 + Gen. Reserve Rs. 30,000 + Profit Rs. 10,000)		1,90,000
(iv)	Goodwill or Capital Reserve of B Ltd. for Consolidated Balance Sheet:		
	Share of A Ltd. in Net Worth of B Ltd. for Consolidated Balance Sheet:		
	Share of A Ltd. in Net Worth of B Ltd. (80% of Rs. 1,90,000)		1,52,000
	Less Cost Price of Shares		1,50,000
	Capital Reserve		2,000
(v)	Total Goodwill for Consolidated Balance Sheet:		
	Rs. (20,000 + 8,000 + 5,000 - Capital Reserve 2,000) = Rs. 31,000		
(vi)	Consolidated Profit:		
	Profit of A. Ltd.		30,000
	Add 80% of Rs. 10,000 (post acquisition profit B Ltd.)		8,000
	Add 80% of 60% of Rs. 5,000 (post acquisition profit of C Ltd.)		2,400
			40,400
(vii)	Minority Interest:		
	(a) In C Ltd:		
	40% of Net Worth Rs. 1,25,000	50,000	
	Add 52% of Post-acquisition Profits Rs. 5,000	2,600	52,600
	(b) In B Ltd.		
	20% of Net Worth Rs. 1,90,000	38,000	
	Add 20% of Post-acquisition Profits Rs. 10,000	2,000	40,000
	Minority Interest		92,600

Consolidated Balance Sheet

as at 31st December, 1993

	Rs.		Rs.
Equity Shares of Rs. 10 each	2,00,000	Goodwill	31,000
General Reserve	40,000	Fixed Assets	3,00,000
Consolidated Profit	40,400	Stock	72,000
Minority Interest	80,600	Debtors Rs. (51,000 – 200 cash in transit)	200
Proposed Dividend for 1993	20,000	Cash in transit	200
		Cash	19,000
	4,73,000		4,73,000

Illustration 36. The following are the Balance Sheets of H Ltd. and S Ltd. as at 31 st Decemeber, 1992

	H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.		H Ltd. Rs.	S Ltd. Rs.
Share Capital in shares of Rs. 100 each	5,00,000	2,00,000	Goodwill	40,000	30,000
General Reserve on 1-1-1992	1,00,000	60,000	Land and Buildings	2,00,000	1,30,000
Profit and Loss Account	1,40,000	90,000	Plant & Machinery	1,60,000	90,000
Bills Payable	—	40,000	Investment (1,500 Shares		
Creditors	80,000	50,000	in S Ltd. at cost)		2,40,000
			Stock in Trade	1,00,000	90,000
			Debtos	20,000	75,000
			Cash at Bank	60,000	25,000
	8,20,000	4,40,000		8,20,000	4,40,000

The Profit and Loss Account of S Ltd. showed a credit balance of Rs. 50,000 on 1st January 1992. A dividend of 15 per cent was paid in October 1992 for the year 1991. This dividend was credited to profit and Loss Account by H Ltd. H Ltd. acquired the shares in S Ltd. on 1st July 1992. The bills payable of S Ltd. were all issued in favour of H Ltd. which company got the bills discounted.

Included in the creditors of S Ltd. is Rs. 20,000 for goods supplied by H Ltd. Included in the stock S Ltd. are goods to the value of Rs. 8,000 which were supplied by S Ltd. at a profit of 33-1/3 per cent on cost at Rs. 1,00,000 was revalued at Rs. 1,50,000. The New value was not incorporated in the books. No changes in these assets have been made since that date.

Prepare the Consolidated Balance Sheet of H Ltd. as at 31 st December, 1992.

Solution :

Consolidated Balance Sheet of H Ltd. and its subsidiary S Ltd.

as at 31 st December, 1992

	Rs.		Rs.
Share Capital in Shares of			
Rs. 100 each fully paid	5,00,000	Goodwill	17,500
General Reserve	1,00,000	Land & Buildings	3,30,000
Profit & Loss Account	1,42,250	Plant & Machinery	2,95,000
Bills Payable	40,000	Stock in Trade	1,88,500
Creditors	1,10,000	Debtors	75,000
Minority Interest in Subsidiary Company	98,750	Cash at Bank	85,000
	9,91,000		9,91,000

Working Notes:

(1) Calculation of Goodwill:

Nominal Value of shares acquired	1,50,000	
Profit & Loss Account on 1-1-1992(3/4th)	37,500	
General Reserve on 1-1-1992 (3/4th)	45,000	
Profit for 6 months from 1-1-1992 to 30-6-1992	26,250	
being three-fourths of one-half of S. 70,000		2,58,750
Less Cost of acquisition of shares in S Ltd.		2,40,000
		18,750
Add : Increase in the book value of Plant and Machinery		
(3/4th of Rs. 5,000)		3,750
		56,500
Less : Adjustment on account of 10% depreciation (3/4th of		3,790
Rs. 5,000) Capital Reserve		52,500
Goodwill of H Ltd.	40,000	
S Ltd.	30,000	70,000
Less Capital Reserve as calculated above		52,500
Goodwill for consolidated Balance Sheet		17,500

(2) Calculation of Plant and Machinery:

H Ltd.	1,60,000
S Ltd. as revalued	1,50,000
	3,10,000
Less Depreciation of Plant and Machinery of S Ltd. at 10%	15,000
	2,95,000

The Plant and Machinery of S Ltd. on 1-1-1992 was Rs. 1,00,000 and on 31-12-1992 it was Rs. 90,000 and there has been no change in the assets in 1992. Therefore, it has been depreciated at 10%.

(3) Calculation of Stock in Trade

The unrealised profit included in the Stock of S Ltd., so far as H Ltd. is concerned, is three forth of Rs. 2,000 = Rs. 1,500. Therefore, the stock of S Ltd., after deducting this Rs. 1,500, is Rs. 88,500

(4) Calculation of Debtors:

S Ltd. is a debtor of H Ltd. for Rs. 20,000 goods supplied. Therefore, in the consolidated Balance Sheet, Rs. 20,000 will be deducted form both debtors and creditors.

(5) Calculation of Profit and Loss Account:

H Ltd.	1,40,000	
Less : Dividend received from S Ltd. out of pre-acquisition profits of 1991	22,500	
	1,17,500	
Less : Unrealised profit included in the Stock of S Ltd. S Ltd.	1,500	1,16000
S Ltd.	90,000	
Add Dividend pam (15% On Rs. 2,00,000)	30,000	
	1,20,000	
Less Balance 1-1-1992.	50,000	

Profit for the year 1992	70,000	
Less Profit for the first six months of 1992	35,000	
	35,000	
Three-fourths of this amount		26,250
		1,42,250

(4) Calculation of Minority Interest:

Nominal value of shares held	50,000
General Reserve (1/4)	15,000
Profit & Loss Account (One-fourth of Rs. 90,000)	22,500
	87,500
Add Increase in the value of Plant and Machinery	
(One-fourth of Rs. 50,000)	12,500
	1,00,000
Less Depreciation on the increased vlaue of Plant and Machinery	
(One-fourth of Rs 5,000)	1,250
	98,750

Questions

1. Define Holding and Subsidiary Company. What is the rationale of Holding Company.
2. What is a Holding Company? What information relating to subsidiary companies is to be separately disclosed in the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Holding Company.
3. What is meant by a 'Holding Company'? Explain in brief the method of preparing consolidated balance sheet.
4. Give a brief description of inter-company elimination of items in the preparation of Consolidated Balance Sheet.
5. What is meant by consolidated Balance Sheet? How is it prepared?
6. What is meant by Minority Interest? How is it calculated?
7. Explain the following terms:

   (a) Cost of Control, (b) Minority interest, (c) Pre-acquisition profit, (d) Capital Reserve
8. Explain the Following items in the context of preparing of Consolidated Balance Sheet:

   (a) Pre-acquisition and Post-acquisition profits. (b) Cost of Control (c) Revaluation of Assets (d) Interowings.
9. Explain the following items in the context ofprepaing consolidated balance sheet:

   (i) Cost of Control, (ii) Inter-owings, (iii) Payment of Dividend out of pre and post acquisition profits (iv) Minority interest.
10. What are the advantages of consolidation of Final Statement of accounts of a Holding Company and its subsidiary companies?

Exercises

1. Consolidate the following Balance Sheet

	H	S		H	S
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Capital (Re. 1 share)	14,000	10,000	9,000 Shares in S at Cost	12,000	—
Creditors	—	5,000	Sundry Assets	2,000	18,000
Profit & Loss Account	—	3000			
	14,000	18,000		14,000	18,000

When H Ltd. purchased shares in S Ltd. the Profits and Loss Account of the latter has a credit balance of Rs. 2,000.

Ans. Total of B.S. R.s 21,200: Minority Interest Rs. 1,300 and Goodwill Rs. 1,200.

2. Consolidate the following Balance Sheet.

	H	S		H	S
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs:
Capital (RS. 10 each)	7,200	4,800	384 shares in S Ltd.	3,000	—
Creditors	—	900	Sundry Assets	4,200	5,850
Profit & Loss Account	—	150			
	7,200	5,850		7,200	5,850

On the date of purchase of Shares S Ltd. had a debit balance of Rs. 300 on Profit and Loss Account.

Ans. Total of B.S. Rs. 10,050: Capital Reserve Rs. 600 and Minority Interest Rs. 990.

3. Consolidate the following Balance Sheet.

	H	S		H	S
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Capital (Re. 10 per share)	28,000	20,000			
Creditors	7,000	3,800	Sundry Assets	17,700	30,200
Profit & Loss Account	5,200	6,400	Shares in S Ltd.		
			(shares at Cost 18,000)	22,500	—
	40,200	30,200		40,200	30,200

On the date of acquisition of shares by H Ltd. in S Ltd. the credit balance on latters Profit and Loss Account was Rs 4,400. No dividends have been declared since that date.

Ans. Total of B.S. Rs. 48,440: Goodwill Rs. 540 and Minority Interest Rs. 2,640.

4. The following are the Balance Seets of A Ltd. and its subsidiary B Ltd. as on 31st December, 1993: Balance Sheet

	A Ltd.	B Ltd.		A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital Fully paid up	30,000	18,000	Assets	48,000	30,000
(Re. 1 each)					
General Reserve	12,000	—	12,000 Shares in S Ltd.	12,000	
Creditors	6,000	6,600			
Profits	12,000	5,400			
	60,000	30,000		60,000	30,000

On June 30, 1993 A Ltd. had purchased Shares in B Ltd. on 1st January, 1993 a loss of Rs. 9,000 appeared in the Balance Sheet of B Ltd. This was written off out of the Profits ended during 1993. Prepare Consolidated Balance Sheet.

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 79,200; Minority Interest Rs. 7,800. Holding Co.'s share out of pre-acquisition profits Rs. 1,200 and post-acquisition profits Rs. 4,800

5. A Ltd. acquired all the shares in B Ltd. on 1st January, 1993 and the Balance Sheet of the two companies on 31st Decemebr, 1993, were as follows:

	A Ltd.	B Ltd.		A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital	5,000	3,000	Sundry Assets	6,500	7,000
Reserve Account as on 1-1-93	2,000	1,500	Share in S Ltd. at cost	5,000	-
Profit and Loss Account	2,500	1,000			
Creditors	2,000	1,500			
	11,500	7,000		11,500	7,000

The Profit & Loss Account of B Ltd. had a credit balance of Rs. 300 on 1st January 1993. Prepare the consolidated Balance Sheet on 31st December, 1993.

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 13,700; Goodwill Rs. 200

6. X Ltd. acquired all the shares in Y Ltd. on 1st October 1993 and the Balance sheet of the two companies on 31st December 1993 were as follows

	X Ltd.	Y Ltd.		X Ltd.	Y Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital	5,000	3,000	Sundry Assets	6,500	7,000
Reserve Account 1-1-93	2,000	1,500	Shares in P Ltd. at cost	5,000	
Profit & Loss Account	2,500	1,000			
Creditors	2,000	1,500			
	11,500	7,000		11,500	7,000

The Profit and Loss Account of Y Ltd. had a credit balance of Rs. 300 on 1st January 1993. The 1993 profits of Y Ltd. accrued evenly throughout the year.

Prepare the Consolidated Balance Sheet as on 31st December 1993.

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 13,500; Capital Reserve Rs. 325

7. The Balance Sheet of H Ltd. and S Ltd. are

Balance Sheet

as at 31 st October, 1993

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs	Rs.
Share Capital (Rs. 10 fully paid)	20,000	5,000	Sundry Assets	20,000	13,000
Creditors	10,000	3,000	Shares in S Ltd. (Cost)	23,000	
Reserve	3,000	1,000			
Profit & Loss Account Balance b/f	6,000	3,000			
Profit for the year	4,000	1,000			
	43,000	13,000		43,000	13,000

H Ltd. has 80% interest in S Ltd. acquired half way through the financial year. Included in Sundry Assets of H Ltd. is Rs. 3,000 loan to Subsidiary Company. (Shown in the latter's Balance Sheet as Creditors) Prepare Consolidated Balance Sheet.

Ans. Cost of Control or Goodwill 15,400 (viz 23,000 – 4,000 – 3,600). Minority interest 2,00 (*viz.* 1,000 + 900 + 100). Profit and Loss Account Balance (C.R.) 10,400 (Creditors 10,000 Assets 30,000 and Balance Sheet total 45,400).

8. From the Balance Sheet given below, prepare a Consolidated Balance Sheet of A Ltd. and its subsidiary B Ltd. the interest of minority shareholders in B Ltd. is to be shown as a separate item in the Consolidated Balance Sheet.

Balance Sheet of A Ltd.

as on 30th June, 1993

	Rs.		Rs.
Share Capital:		Freehold Buildings at cost	72,000
Authorised and Issued:		Plant and Machinery at cost	
12,000 Shares of Rs. 10 each	1,20,000	(Rs. 40,000) less Depreciation	
General Reserve	25,000	Share in Subsidiary Company at cost	
		(2,000 Shares of Rs. 10 each)	25,000
Profit & Loss Account	12,000	Stock at Cost	18,000
Trade Creditors	15,000	Trade Debtors	22,000
		Bank Balance	5,000
	1,72,000		1,72,000

Balance Sheet of B Ltd.

as on 30th June, 1993

	Rs.		Rs.
Share Capital :		Leasehold at Cost (Rs. 30,000)	
Authorised and Issued:		*Less* Depreciation	25,000
3,000 Shares of Rs. 10 each	30,000	Plant and Machinery at cost	
General Reserve on 1-7-92	6,000	(Rs. 15,000) *Less* Depreciation	10,000
Profit & Loss Account	9,000	Stock at Cost	3,000
Trade Creditors	5,000	Trade Debtors	7,000
		Bank Balance	5,000
	50,000		50,000

At the date of acquisition by A Ltd. of its holding of 2,000 shares in B Ltd. the latte company and a credit balance of Rs. 6,000 in its Profit & Loss Account.

Ans. Total of Balance Sheets of H. Ltd. Rs. 1,98,67]

9. The Balance Sheet of H Ltd on 31st December, 1993 were as under

	H Ltd.	S Ltd.		H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital :			Land and Buildings	6,000	—
Shares of Rs. 100 each	20,000	5,000	Plant & Machinery	20,000	—
General Reserve	3,000	1,000	Stock	4,000	8,500
Profit & Loss Account:			Sundry Debtors	1,000	3,000
Balance 1-1-1993	4,000	2,000	Cash & Bank Balance	1,000	1,000
Profit for 1993	5,000	2,500	30 Shares in S Ltd. at cost	6,500	—
Creditors	5,000	3,000	Bill Receivable	—	1,000
Bills Payable	1,500	—			
	38,500	13,500		38,500	13,500

Shares were acquired by H Ltd. on 1st July, 1993; Bills Receivable held by S Ltd. were all accepted By H Ltd. Included in the Debtors of S Ltd. is Rs. 600 owing by H Ltd. in respect of goods supplied.

Prepare the Consolidated Balance Sheet.

Ans. Consolidated Balance Sheet Total Rs.44,850; Minority Interest Rs. 4,200

10. The Balance Sheets H Ltd. and its subsidiary S Ltd. on 31st March, 1991 were as under:

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	*Assets*	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital:			Land and Buildings	6,00,000	—
Equity Shares of Rs. 10 each, fully paid	20,00,000	5,00,000	Plant & Machinery	20,00,000	—
General Reserve	3,00,000	1,00,000	Furniture and Fixtures	90,000	1,00,000
P & L Account:			30,0000 Shares in S Ltd. at cost	6,50,000	—
Balance on 1 st April, 1990	4,00,000	2,00,000	Stock	4,00,000	7,50,000
Profit for the year ended 31st March, 1991	5,00,000	2,50,000	Debtors	1,00,000	2,80,000
			Cash in hand	10,000	15,000
Bills Payable	1,50,000	—	Cash at Dena Bank	—	1,05,000
Creditors	3,00,000	3,00,000	Bills Receivable	—	1,00,000
Canara Bank-Overdraft	2,00,000	—			
	38,50,000	13,50,000		38,50,000	13,50,000

All the 30,000 shares in S Ltd. were acquired by H Ltd. on 1st October, 1990. Bills receivable held by S Ltd. are all accepted by H Ltd. Included in debtors of S Ltd. is a sum of Rs. 60,000 owing by H Ltd. in respect of goods supplied by S Ltd.

You are required to prepare a Consolidated Balance Sheet of H Ltd. and its subsidiary S Ltd. as at 31st March, 1991. Give all your working notes clearly.

Ans. Balance Sheet (Total) Rs. 44,85,000

Hind. Cost of Control Rs. 95,000; Minority Interest Rs. 4,20,000

11. The following are the balance sheet of H Ltd. and its subsidiary S Ltd. as at 31st March, 1990;

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Fully paid equity shares of 10 each	6,00,000	2,00,000	Machinery	3,90,000	1,35,000
General Reserve	3,40,000	80,000	Furniture	80,000	40,000
Profit and Loss Account	1,00,000	60,000	80% shares in S Ltd. at cost	3,40,000	—
Creditors	70,000	35,000	Stock	1,80,000	1,20,000
			Debtors	50,000	30,000
			Cast at Bank	70,000	50,000
	11,10,000	3,75,000		11,10,000	3,75,000

The following additional information is provided to you:

(i) Profit and Loss Account of S Ltd. stood at Rs. 30,000 on 1st April, 1989 whereas General Reserve has remained unchanged since that date.

(ii) H Ltd. acquired 80% shares in S Ltd. on 1st October, 1989 for Rs. 3,40,000 as mentioned above.

(iii) Included in Debtors of S Ltd. is a sum of Rs. 10,000 due from H Ltd. for goods sold at a profit of 25% on cost price. Till 31 st March, 1990 only one half of the goods had been sold while the remaining goods were lying in the god owns of H Ltd. as on that date.

You are-required to prepare consolidated balance sheet as at 31st March, 1.990. Show all calculations clearly.

Ans. Balance Sheet Total Rs. 12,14,000

Hints : Minority Interest Rs. 68,000 Cost of Control Rs. 80,000

12. On July 1st, 1993, The Mighty Co. Ltd. bought 550 shares of Rs. 10 each, fully paid in the Meekly Co. for Rs. 20 each. At that time it was estimated that the tangible assets and liabilities of the Meekly Co. might be taken at book valuation accept the Buildings which were undervalued by Rs. 2,700.

Each company prepare a Balance Sheets as on 31 st December, 1993 which can be considered as follows:

	Mighty Co. Rs.	Meekly Co. Rs.		Mighty Co. Rs.	Meekly Co. Rs.
Share Capital	20,000	6,000	Buildings	15,000	6,500
General Reserve	5,000	600	Sundry Assets	5,000	1,100
Creditors	1,500	1,000	Debtors	2,000	1,500
P & L Balance 1-1-93	2,500	300	Share in Meekly Co.	11,000	—
Profit for the year	4,000	1,200			
	33,000	9,100		33,500	9,100

The debtors of the Mighty Co. included Rs. 500 due from Meekly Co. Prepare the Consolidated Balance Sheet with workings.

Ans. Cost of Control or Goodwill 6,600, Profit & Loss 7,050 (2,500 + 4,000 + 550), Minority interest 1/12) 450, balance sheet total 34,500.

13. Balance Sheet of H. Ltd. and S Ltd. (which is a subsidiary of H Ltd.) as on 31st December, 1993

	H. Ltd. Rs.	S. Ltd. Rs.		H. Ltd. Rs.	S. Ltd. Rs.
Share Capital			Sundry Assts	7,90,000	2,50,000
Rs. 100 each share	5,00,000	1,00,000	Share in S Ltd. 800		
General Reserve	2,00,000	75,000	at Rs. 200 per share	1,60,000	
P & L Balance A/c	1,00,000	25,000			
Creditors	1,50,000	50,000			
	9,50,000	2,50,000		9,50,000	2,50,000

(i) At the time of acquisition of shares in the subsidiary company, the Reserve and Profit and Loss Account of S Ltd. amounted to Rs. 25,000 and Rs. 15,000 respectively.

(ii) Machinery (Book value Rs. 1,00,000) and Furniture (Book value Rs. 20,000) of S were revalued at Rs. 1,50,000 and Rs. 15,000 respectively for the purpose of fixing he price of its shares; book value of the assets remaining unchanged. Prepare the Consolidated Balance Sheet of H Ltd. as at 31st December, 1993.

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 10,92,750; Goodwill Rs. 12,000 and Minority Interest Rs. 48,150

14. Prepare consolidated balance Sheet in the books of H Ltd. from the following Balance Sheet of H Co and S Co. and given information:

Balance Sheet

as on 31st March. 1996

Liabilities	1995	1996	Assets	1995	1996
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Pref. Share Capital	1,00,000	40,000	Goodwill	20,000	10,000
Eq. Share Capital	11,00,000	2,00,000	Machinery	6,00,000	1,80,000
(Rs. 100 per share)			Furniture	6,00,000	1,80,000
Reserves	4,00,000	1,50,000	Investment 1,600		
Profit and Loss A/c	2,00,000	50,000	shares in S Co.	3,20,000	—
Creditors	3,00,000	1,00,000	Other Assets	10,60,000	3,46,000
Proposed Dividend	—	40,000	Discount on issue		
			of shares	—	10,000
	21,00,000	5,80,000		21,00,000	5,80,000

Information:

(i) On the date of acquisition of shares by H Co., Reserves and Profit and Loss Account of S Company stood at Rs. 50,000 and Rs. 30,000 respectively.

(ii) Machinery (Book Value Rs. 2,00,000 of S Co. was revalued at Rs. 30,000 by H Co.

(iii) Furniture (Book Value Rs. 40,000) of S. Co. was revalued at Rs. 30,000 by H Co.

(iv) S.Co. made a bonus issue during the year out of pre-acquisition profits for Rs. 40,000 not recorded in the books.

(v) Included in the Creditors of S. Co. is Rs. 20,000 for goods supplied by H Co. Also included in the stock of S Ltd. are goods of the value of Rs. 8,000 which were supplied by H Co. at a profit of 25% on sales.

Ans. Consolidated B/S Total Rs. 24,41,500; Minority Interest Rs. 1,02,300; Cost of Control Rs. 32,000 Pre-acquisition Profits Rs. 1,60,000; Post-acquisition Profits Rs. 1,51,500]

Hint : P&L A/c Rs. 3,19,200

15. The following balance sheets are presented to you.

Balance Sheet

as on 31st March. 1996

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital:			Machinery	60,00,000	2,40,000
Shares of Rs. 100 each,			Furniture	1,00,000	60,000
fully paid up	10,00,000	4,00,000	3,000 Shares in		
General Reserve	2,00,000	—	S Ltd @ Rs. 80	2,40,000	—
Profit and Loss A/c	1,60,000	—	acquired at par	1,20,000	—
12% Debentures	—	2,00,000	Stock	1,80,000	80,000
Sundry Creditors	1,50,000	90,000	Debtors	1,20,000	60,000
			Cast at Bank	1,50,000	50,000
			Profit and Loss	—	2,00,000
			Account		
	15,10,000	6,90,000		15,00,000	6,90,000

H Ltd. acquired the shares in S Ltd. on 1st May,1988. The Profit and Loss Account of S Ltd. showed a debit balance of Rs. 3,00,000 onlst January, 1988. During March, 1988, goods costing Rs. 12,000 belonging to S Ltd. were destroyed against which the insurance company paid only Rs. 4,000. Trade creditors of S Ltd. include Rs. 40,000 for goods supplied by H Ltd. on which H Ltd. made a profit of Rs. 4,000. Half of the goods were still in stock on 31st December, 1988. [B.Com. (Hons.) Delhi, 1989]

Ans. Balance Sheet Total Rs. 17,42,000

16. The summaries Balance Sheets of P Ltd. S Ltd. on 31st December, 1987 were as follows:

	P Ltd.	S Ltd.		P Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital:			Fixed Assets	1,50,000	1,44,700
3,00 shares of Rs. 100 each	3,00,000	—	Investments in	1,70,000	—
			S Ltd. at cost		
10.000 shares of Rs. 10 each	—	1,00,000	Stock	40,000	20,000
Capital Reserve	—	55,000	Loan to P Ltd.	—	2,000
General Reserve	30,000	5,000	Bills Receivable		
Profit and Loss Account	38,200	18,000	(including Rs. 200		
Loan from S Ltd.	2,100	—	from S Ltd.)	1,200	—
Bills Payable (including			Debtors and		
Rs. 500 to P Ltd.)	—	1,700	Cash Balance	27,000	20,000
Creditors	17,900	7,000			
	3,88,200	1,86,700		3,88,200	1,86,700

There is a contingent liability of Rs. 1,000 for bills discounted given by way of a note to Balance Sheet of P Ltd.

P Ltd. acquired 8,000 shares of Rs. 10 each in S Ltd., on 31st December, 1987.

You are given the following additional information:

(i) S Ltd. make a bonus issue on 31st December, 1987 of one share for every who shares held, reducing Capital Reserve by an equivalent amount, but the transaction in not shown in the Balance Sheet.

(ii) Interest received amounting to Rs. 100 in respect ofloan due by P Ltd. has not been credited in the accounts of S Ltd.

(iii) The directors decided that the fixed assets of S Ltd. were overvalued and should be written down by Rs. 5,000. Prepare a consolidated balance sheet of the two companies on 31st December, 1987 giving all workings.

Ans. Balance Sheet Total Rs. 4,29,220

Hints (i) Minority Interest Rs. 34,620; Cost of control 31,520

17. The Balance Sheets of Hari Ltd. and its subsidiary Suri Ltd. as at 31 st March, 1992 are as follows:

Liabilties	Hari Ltd.	Suri Ltd.	Assets	Hari Ltd.	Suri Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital:			Plant and Machinery	4,80,000	90,000
Equity Share of Rs. 10			Furniture	15,000	27,000
each fully paid	4,00,000	1,00,000	Investments	2,00,000	-
General Reserve on 1-1-91	2,80,000	34,000	Stock	95,000	42,000
Profit and Loss Account	1,70,000	42,000	Debtors	60,000	32,000
Creditors	70,000	35,000	Cash at Bank	70,000	20,000
	9,20,000	2,11,000		9,20,000	2,11,000

The following information is also given to you:

(i) Hari Ltd. acquired 8,000 equity shares in Suri Ltd. as at 1st July, 1991 at a cost of Rs. 2,00,000.

(ii) Stock of Hari Ltd. includes Rs. 6,000 relating to stock purchased from Suri Ltd. which follows the practice of charging 25% extra on the cost for determining the sale price. (iii) Creditors of Hair Ltd. Include .Rs. 10,000 on account of purchases from Suri Ltd. (iv) Profit and Loss Account of Hari Ltd. includes dividend at 10% for the year 1991-92 received from Suri Ltd. which declared and paid it after 1st July, 1992 (v) Balance of Suri Ltd.'s Profit and Loss Account on 1st April, 1991 was Rs. 26,000. Dividend @ 10% for the year 1990-91 was declared out this balance after 1st July, 1991. (vi) Profits during the year 1991-92 have been earned on uniform basis throughout the year.

Prepare a consolidated balance sheet of Hari Ltd. and its subsidiary Suri Ltd. as at 31 st March, 1992 Submit all your working notes neatly.

Ans. B/S (Total) Rs. 9,86,000

Hint. Minority Interest 35,200; Goodwill 66,800 Consolidated P & L Account 1,76,400.

18. On 31st March, 1996 the balance sheet of H Ltd. and its subsidiary S Ltd. stood as follows:

Liabilities	HLtd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Share Capital	8,00,000	2,00,000	Fixed Assets	5,50,000	1,00,000
General Reserve	1,50,000	70,000	75% Shares in Steb.	2,80,000	-
Profit & Loss Alc	90,000	55,000	(at cost)		
Creditors	1,20,000	80,000	Stock	1,05,000	1,77,000
			Other Current Assets	2,25,000	1,28,000
	11,60,000	4,05,000		11,60,000	4,05,000

Draw a consolidated balance sheet as on 31st March 1996 after taking into consideration the following information.

(i) H Ltd. acquired the shares on 31st July, 1995 (ii) S Ltd. earned a profit of Rs. 45,000 for the year ended 31st March, 1996 (iii) In January, 1996 S Ltd. sold to H Ltd. goods costing Rs. 15,000 for Rs. 20,000. On 31 st March, 1996 half of there goods were lying as unsold in the godown of H Ltd.

Give your working notes.

Ans. B/s Total Rs. 13,41,875; Goodwil158,750; Minority Interest Rs. 81,250; Capital Profits Rs, 95,000; Revenue Profits Rs. 7,500; Unrealised Profit Rs. 1,875.

19. The following are the Balance Sheets of Ping Ltd. and its subsidiary Pong Ltd.

Balante Sheet

as on 31st March, 1993

	Ping Ltd.	Pong Ltd.		Ping Ltd.	Pong Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Share Capital (Rs. 10 each)	10,00,000	4,00,000	Goodwill	60,000	20,000
General Reserve	1,50,000	—	Machinery	7,00,000	2,70,000
Profit & Loss Account	1,42,000	60,000	Stock	1,80,000	90,000
Sundry Creditors	1,20,000	80,000	Sundry Debtors	2,60,000	1,20,000
Bills Payable	20,000	—	Cash at Bank	40,000	22,000
			Investment (24,000		
			Shares of Pong Ltd.		
			at Cost)	1,92,000	—
			Bills Receivable	—	15,000
	14,32,000	5,40,000		14,32,000	5,40;000

Prepare a Consolidated Balance Sheet after taking the following information into consideration.

(a) Ping Ltd. acquired the Shares in Pong Ltd. on 1st October, 1992. Profit and Loss Account in the books of Pong Ltd. showed a debit balance of Rs. 20,000 on 1st April 1992. (b) The bills payable in Ping Ltd. represented Bill issued in favour of Pong Ltd. which company got Bills of Rs. 5,000 discounted. (c) Included in the stocks of Pong Ltd. are goods of the value of Rs. 20,000 which were supplied by Ping Ltd. at cost plus 25%.

Ans. Total Balance Sheet Rs. 17,41,000; Capital Reserve Rs. 40,000; Minority interest (40%) Rs. 8,000

20. A Ltd. acquired the whole of the share in B Ltd. as at 1st July 1993 at a total cost of Rs. 5,60,000. The Balance Sheet at 31st December, 1993. when accounts of both the companies were prepared and audited were as follows:

Balance Sheet of A Ltd.

as at 31st December. 1993

	Rs.		Rs.
Share Capital:		Land and Buildings	5,15,000
Share of Rs. 50 each	7,50,000	Plant and Machinery	1,50,000
General Reserve	4,75,000	Investments	5,60,000
Profit & Loss Account	4,00,000	Debtors	1,40,000
Creditors(x)	75,000	Stock (y)	1,70,000
		Cash at Bank	1,65,000
	17,00,000		17,00,000

(x) Includes Rs. 30,000 for purchases from B Ltd. on which the latter company made a profit of Rs. 7,500

(y) Includes Rs. 15,000 stock purchased from B Ltd. part of Rs. 30,000 purchases.

(z) Includes Interim Dividend at the rate of 8% from B Ltd.

	Rs.		Rs.
Share Capital:			
Share of Rs. 5 each	2,50,000	Land and Buildings	1,50,000
General Reserve as at 1-1-93	10,000	Plant and Machinery	1,35,500
Profit and Loss Account	1,80,000	Stock	1,01,000
Creditors	80,500	Debtors	79,000
		Cash at Bank	55,000
	5,20,500		5,20,500

Note. The Balance on Profit and Loss Account at 1st January, 1993 was Rs. 1,40,000

Make the necessary adjustments and show a Consolidated Balance Sheet as at 31st December, 1993.

Ans. [Total of Balance Sheet Rs. 17,56,750]

21. On 31 st December, 1993, A Ltd. acquired 1,600 Equity Shares of Rs. 100 each in B Ltd. The summarised Balance Sheets of A Ltd. and B Ltd as on that date were as under:

	A Ltd. Rs.	B Ltd. Rs.		A Ltd Rs.	B Ltd Rs.
Capital :			Land and Buildings	1,50,000	1,80,000
5,000 Equity Shares of			Plant and Machinery	2,40,000	1,0.9,000
Rs. 100 each	5,00,000	—	Investments in B Ltd.		
2,000 Equity Shares of			at cost	3,40,000	—
Rs. 100 Each		2,00,000	Investments in B Ltd.		
Capital Reserve	—	1,20,000	at cost	3,40,000	—
General Reserve	2,40,000	—	Stock	1,20,000	36,000
Profit and Loss Account	57,200	36,000	Sundry Debtors	44,000	40,000
Bank overdraft	80,000	—	Cash and Bank Balances	14,500	8,000
Bills Payable including			Bills Receivable including		
Rs. 4,000 to A Ltd.	—	8,400	Rs. 3,000 from B Ltd.	15,800	—
Creditors	47,100	9,000			
	9,24,300	3,73,400		9,24,300	3,73,400

You are supplied the following information:

(i) B Ltd. had made a bonus issue on 31st December, 1993 of one Equity share for every two shares half by its shareholders. Effect has yet to be given in the account for this issue.

(ii) The directors are advised that Land and Buildings of B Ltd. are undervalued by Rs. 20,000 and its Plant and Machinery are overvalued by Rs. 10,000.

(iii) Sundry Creditors of A Ltd. include Rs. 12,000 due to B Ltd.

You ae required to prepare the consolidated Balance sheet as on 31st December, 1991 together with the adjustment worksheet.

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 9,99,000; Goodwill Rs. 47,200; Minority Interest Rs. 73,200]

22. Prepare Consolidated Balance Sheet in the books of H. Co. Ltd. from the following Balance sheets of H Co. and S Co. and gives information:

Balance Sheet

as on 31st Mach 1995

Liabilities	H Co. Rs.	S. Co Rs.	Assets	H. Co. Rs.	S. Co. Rs.
Pref. Share Capital	2,00,000	40,000	Goodwill	80,000	60,000
Eq. Share Capial of Rs.100			Land and Building	4,00,000	2,60,000
each	8,00,000	4,00,000	Plant and Machinery	3,20,000	1,80,000
General Reserve as on			Debtors	40,000	1,50,000
1-4-94	2,00,000	1,20,000	Stock	2,00,000	1,80,000
Profits and Loss Account	2,80,000	1,80,000	3,000 shares in S Co.		
Creditors	1,60,000	1,00,000	purchased on 30-9-94	4,80,000	
Bills Payable	—	40,000	Cash at Bank	1,20,000	40,000
			Pre-Expenses	—	10,000
	16,40,000	8,80,000		16,40,000	8,80,000

Information

(1) Profit and Loss A/c of S Co. showed a credit balance of Rs. 1,00,000 on 1st April, 1994.

(2) A Dividend of 15% was paid by S Co. in October 1994 for the year ended 31st March 1994 which was credited to Profit and Loss A/c of H Co.

(3) Included in creditors of s Co. s. 40,000 for goods supplied by H Co. Also included in the stock of S Co. are goods to the value of Rs. 16,000 which were supplied by H Co. at a profit of 25% on sales.

(4) Plant and Machinery were revalued at Rs. 3,00,000 which stood in the books at Rs. 2,00,000 in the beginning.

(5) There is contingent liability of Rs. 2,000 for a pending suit in the court in the books of H Co.

Ans. Consolidated B/S Total Rs. 20,82,000; Cost of Control (Capital Reserve) Rs. 1,03,125; Minority Interest Rs. 1,96,250

23. The Balance Sheets of H Co. Ltd. and its subsidiary S Co. Ltd. as on 31st March 1993 are as follows:

Liabilities	H Co.	S Co.	Assets	H Co.	S Co.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Pref. Share Capital	1,00,000	—	Land	3,56,000	70,000
Equity Share Capital Rs. 1 00			Properties	3,76,000	40,000
fully paid	5,00,000	1,50,000	Plant and Machines	1,40,000	91,300
General Reserve	3,40,000	6,000	Investments in 1200 Shares		
Profit and Loss Account	3,60,000	1,08,000	of S Co. on 1-4-1992	1,80,000	-
Creditors	1,00,000	44,150	Stock	1,36,000	50,600
Bills Payable	—	24,150	Debtors and Cash	2.12,000	80,400
	14,00,000	3,32,300		14,00,000	3,32,300

The other informations given are :

(a) Profit and Loss Account of H Co. includes an interim dividend of 10% received from S Co.

(b) On 1-4-1992 Profit and Loss Account of S Co. stood at Rs. 77,500 and General Reserve at Rs. 3,000. Also H Co. revalued Plant and Machinery of S co. at the time of purchase of shares by Rs. 20,000 more than its book value.

(c) Stock of H Co. includes Rs.8,000 of stock at cost purchased from S Co. Further Debtors of S Co. includes Rs. 24,000 for sales to H Co. on which S Co. at the time of purchase of shares by Rs. 20,000 more than its book value.

(d) S Co. made a bonus issue during the year out of Pre-acquisition Profits for Rs. 60,000 not recorded in the books.

Prepare Consolidated Balance Sheet.

Ans. Consolidated Balance Sheet (Total) Rs. 15,46,300; Pre-acquisition Profit Rs. 1,00,500 Post-acquisition Profit Rs. 33,500; Minority Interest Rs. 56,800 Capital Reserve Rs. 20,400

24. The following are the balance sheet of RM Ltd. and its subsidiary GM Ltd. as at 31 st March, 1991:

Liabilities	RM Ltd.	GM Ltd.	Assets	RM Ltd.	GM Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Fully paid equity shares			Machinery	3,90,000	1,35,000
of Rs. 10 each	6,00,000	2,00,000	Furniture	80,000	40,000
General Reserve	3,40,000	80,000	80% Shares of GM Ltd. at cost	3,40,000	-
Profit and Loss Account	1,00,000	60,000	Stock	1,80,000	1,20,000
Creditors	70,000	35,000	Debtors	50,000	30,000
			Cash at Bank	70,000	50,000
	11,10,000	3,75,000		11,10,000	3,75,000

The following additional information is provided to you :

(i) Profit and Loss Account of GM Ltd. stood at Rs. 30,000 on 1st April, 1989 whereas General Reserve be remained unchanged since that date.

(ii) RM Ltd. acquired 80% shares in GM Ltd. on 1st October 1989 for Rs. 3,40,000 as mentioned above

(iii) Included in Debtors of GM Ltd. is a sum of Rs. 10,000 due from RM Ltd. for goods sold at a profit of 25% on cost price. Till 31st March, 1990 only one half of the goods had been sold while the remaining goods were lying in the godows of RM Ltd. as on that date.

Prepare Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 1990. Show all calculations clearly.

Ans. Consolidated Balance Sheet (Total) Rs. 12,14,000; Minority Interest Rs. 68,000; Cost of Rs. 80,000; Pre acquisition Profits Rs. 1,25,000 and Post-acquisition Profits Rs. 15,000

25. From the following data prepare the consolidated balance sheet of a group of companies.

Balance Sheet

as on 31st December. 1993

	X Ltd.	Y Ltd.	Z Ltd.		X Ltd.	Y Ltd.	Z Ltd.
	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.
Share Capital	1,25,000	1,00,000	60,000	Fixed Assets	28,000	55,000	37,500
Reserves	18,000	10,000	7,000	Investment (at cost)			
Profit and Loss				Share in Y Ltd.	85,000	—	—
Account	16,000	2,000	5,100	Shares in Z Ltd.	18,000	—	—
Z Ltd. Balance	3,300	—	—	Share in Z Ltd.	—	53,000	—
Sundry Creditors	7,000	5,000	—	Stock in trade	12,000	—	—
X Ltd. Balance	—	7,000	—	Y Ltd. Balance	8,000	—	—
				Sundry Debtors	18,300	16,000	31,500
				X-Ltd. Balance	—	—	—
	1,69,300	1,24,000	72,300		1,69,300	1,24,000	72,300

Notes regaining X Ltd. and subsidiaries of X Ltd.

(i) The Shares Capital of all companies is dividend into shares of Rs. 100 each (2) X Ltd. held 750 shares of Y Ltd. (3) X Ltd. held 150 shares of Z Ltd. (4) Y Ltd. held 400 shares of Z Ltd. (5) All the investment ere made on 30-6-1993.

(6) On the date of purchase of shares in subsidiary Companies the position was as follows:

		Y Ltd.	Z Ltd.
Reserve Fund	Rs.	9,000	6,000
Profit and Loss Account	Rs.	1,000	840

(7) Dividends have not been declared by any company during the year ended 31-12-1993 and neither are any proposed.

(8) The whole of the Stock in trade of Y Ltd. as on 30-6-93 (Rs. 4,000) was later sold to X Ltd. for Rs. 4,400 and remained unsold as on 31-12-1993.

(9) Included in the Current Account of Y Ltd. is an amount of Rs. 320 being interest credited to X Ltd.

Ans. Total of Balance Sheets Rs. 2,09,573; Goodwill Rs. 10,573; Minority Interest Y Ltd. Rs. 30,050 and Z Ltd. Rs. 6,025

26. The following are the summarised balance sheets of H Ltd and S Ltd as on 31st March 1993.

Liabilites	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Authorised and issued			Fixed Assets (Net)	5,50,000	4,40,000
Share Capital:			15,000 Equity Shares		
Equity Share of Rs. 10 each	6,00,000	2,00,000	of S Ltd. at cost	3,30,00	—
7% Pref. Shares of			1,20,000 Preference Shares		
Rs. 100 each	—	1,60,000	of S Ltd. at Cost	1,20,000	—
General Reserves	1,00,000	80,000	Rs. 10,000 6% Debentures		
Profit and Loss Account	1,97,000	88,800	of S Ltd. at Cost	10,000	—
6% Debentures	—	40,000	Current Assets	2,91,000	2,86,800
Proposed Dividends:					
On Equity Shares	60,000	20,000			
On Preference Shares	—	11,200			
Debentures interest accrued	—	2,400			
Creditors	2,94,000	1,24,400			
Total	12,51,000	7,26,800		12,51,000	7,26,800

The following particulars are available:

(a) The general reserve of S Ltd. as on 31-3-92 was Rs. 80,000

(b) H Ltd. acquired the shares cum dividend in S Ltd. on 31-3-93

(c) The balance of Profit and Loss Account of S Ltd. is made up as follows:

Balance as on 31-3-92	56,000
Net Profit-year ending 31-3-93	64,000
	1,20,000
Less : Provision for proposed dividends	31,200
	88,800

(d) The balance of Profit and Loss Account of S Ltd. as on 31st March, 1992, is after providing for the preference dividend of Rs. 11,200 and proposed equity dividend of Rs. 10,000 both of which were subsequently paid but credited to Profit and Loss Account of H Ltd.

(e) No entries ahve been made in the books of H Ltd. for debentures interest due from of proposed dividend of S Ltd. for the year-ended 31st-March, 1993.

(f) S Ltd. has issued fully paid bonus shares of Rs. 40,000 on 31 st March, 1992 among the existing shareholders by drawing upon the general reserve. The transaction has not been given effect to in the books of S Ltd. You are required to prepare a consolidated balance sheet of H Ltd. and its subsidiary company S Ltd. as on 31st March 1993.

27. On 1st July, 1993 Bag Ltd. acquired 3,000 shares of Rs. 10 each of Tara Ltd. at Rs. 75,000 No balance sheet was prepared at the date of acquisition. The Balance Sheets on 31st December, 1993 were as follows:

Bag Ltd.

		Rs.		Rs.	Rs.
Authorised issued and Subscribed			Land and Buildings	1,00,000	
2,000 shares of Rs. 100 each Capital		2,00,000	*Less* : Depreciation	10,000	90,000
General Reserve		30,000	Plant and Machinery	2,50,000	
Profit and Loss Account			*Less* : Depreciation	80,000	1,70,000
Balance on 1-1-93	40,000		Stock in Trade		10,000
Profit for 1993	50,000		Investment in shares of		
		90,000	Tara Ltd. at cost		75,000
Sundry Creditors		45,000	Sundry Debtors		10,000
			Cash and Bank Balances		10,000
	Total	3,65,000		Total	3,65,000

Tara Ltd.

		Rs.			Rs.
Authorised issued and Subscribed			Sundry Debtors		60,000
Capital 2,000 shares of Rs. 10 each		50,000	Stock in trade		40,000
General Reserve		20,000	Cash and Bank Balances		15,000
Profit and Loss Account:	Rs.				
Balance on 1-1-93	10,000				
Profit for 1993	25,000	35,000			
Sundry Creditors		10 000			
	Total	1,15,000		Total	1,15,000

Prepare a consolidated balance sheet as on 31st December, 1993, showing the details of capital profit, current profit, minority interest and goodwill.[I.C.W.A.]

28. The following are the Balance Sheet of two Cigarette Co. as at 1st March, 1993.

Balance Sheets

		Union Ltd.		Hind Ltd.
		Rs.		Rs.
Capital	(g)	1,00,000	(g)	30,00,000
General Reserve		24,00,000	(h)	5,00,000
Profit and Loss Account	(i)	12,90,000	(i)	4,40,000
Bills Payable		1,50,000		—
Sundry Greditors	(j)	33,50,000		8,00,000
		1,71,90,000		47",40,000

Goodwill		20,00,000		4,40,000
Land and Buildings		24,00,000		10,00,000
Plant and Machinery		52,00,000	(b)	19,00,000
Investment	(a)	28,80,000		
Stock	(c)	14,00,000		5,00,000
Debtors	(d)	24,00,000		5,60,000
Bills Receivable		—	(e)	1,00,000
Cash and Bank Balance		9,10,000	(t)	2,40,000
		1,71,90,000		47,40,000

Prepare a Consolidated Balance Sheet taking into account the following particulars, detailed working being shown therein or on a separate statement.

(a) The investment consist of 2,40,000 Shares of Rs. 10 each fully paid in Hind Ltd. which were acquired to Rs. 11,60,000 and Rs. 20,40,000 respectively which should be taken in the consolidated balance sheet.

(c) Stocks include goods which cost Union Ltd. Rs. 4,80,000 but which were received from Hind Ltd. its cost being Rs. 4,41,600.

(d) Debtors include: (I) Loan of Rs. 60,000 to Hind Ltd. and (ii) Dividend of Rs. 24,0,000 form Hind Ltd.

(e) Bills Receivable, all accepted by Union Ltd. were for Rs. 1,50,000 of which Bills for Rs. 50,000 had been discounted, but not yet matured.

(f) Cash and Bank balances of Rs. 2,40,000 were .arrived at after sending a cheque for Rs. 60,000 is repay the loan of Union Ltd. which however, had not been received by 31 st March, 1994.

(g) Capital of Union Ltd. consists of 20,000 6% Preference Shares of Rs. 100 each and 8,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each; capital of Hind Ltd. consists of 3,00,000 Equity Shares of Rs. 10 each.

(h) General Reserve of Hind Ltd. was Rs. 4,00,000 on 1st April, 1993.

(i) Details of Profit and Loss Account are:

	Union Ltd.	Hind Ltd.
	Rs.	Rs.
1st April, 1993	1,60,000	1,20,000
	9,50,000	3,20,000
	11,10,000	4,40,000
Dividend Receivable from Hind Ltd.	2,40,000	—
	13,50,000	4,40,000
Less : Interim Dividend on Preference Shares	—	60,000
	12,90,000	4,40,000

(i) Sundry Creditors include Rs. 3,20,000 due to Hind Ltd. for goods supplies.

Hind Dividend.Rs. 3,00,000 should be treated as Rs. 75;000 from Pre-quisition profits and Rs; 2,25,000 from Post-acquisition profits.

29. The following are the Balances in the Books of three companies as on 31st December, 1992.

	Red Ltd.	White Ltd.	Blue Ltd.		Red Ltd.	White Ltd	Blue Ltd.
Credit Balance:	Rs.	Rs.	Rs.	**Debit Balance:**	Rs.	Rs.	Rs.
Trading Profit	60,000	20,000	12,000	Directors Fees	4,000	3,000	2,000
Equity Share				Interim Equity			
Capital (Rs. 10)	3,00,000	1,20,000	60,000	Dividend paid	15,000	—	3,000
9% Preference				Preference Dividend			
Share Capital (Rs.1 0)	—	—	40,000	for 1992 paid	—	—	3,600
Profit & Loss A/c				Investment in White Ltd.			
(b/f)	12,000	14,200	6,200	(at Cost)	1,00,000.	—	—
Share Premium	—	30,000	—	Investment in Blue Ltd.			
General Reserve	40,000	18,000	30,000	(at Cost)	—	60,000	—
Creditors	28,000	17,800	15,800	Other Assets	3,21,000	1,57,000	1,55,400
	4,40,000	2,20,000	1,64,000		4,40,000	2,20,000	1,64,000
Proposed Final				Proposed Final			
Dividend	10%	12%	8%	Dividend	10%	12%	8%

White Ltd. was formed in 1989, Red Ltd. and Blue Ltd. subscribing at par for two-third and one-third respectively of the issued share capital.

In June, 1992 these two companies took up additional shares in white Ltd. in the same proportion at a Premium of Rs. 10 per share, ranking pari-passu with the existing shares, to provide. White Ltd. with the exact amount of funds to acquire, as on 1st July 1992 the whole of the issued equity share capital of the Blue Ltd. ex-1992. Interim Dividend, no part of the preference capital was acquired.

Blue Ltd.'s interim equity dividend of Rs. 3,000 was paid out of the pre-acquisition profits.

You are required to prepare the Consolidated Balance Sheet of Red Ltd. as on 31 st December 1992 (Show Workings)

Ans. Total of Balance Sheet Rs. 6,33,400; Minority Interest Rs. 1,19600; Capital Reserve Rs. 31,050

30. On 1-1-1993 Beta Ltd. purchased 2,500 shares of Gama Ltd. on 31-12-1993. Alpha Ltd. purchased from outside share dealers (other than Beta Ltd.) 2,500 of Gama Ltd. on the same date Alpha Ltd. purchased all the shares of Beta Ltd. The Balance Sheet of the three companies as on 31-12-1993 were as follows:

Liabilities	Alpha Ltd	Beta Ltd	Gama Ltd	Assets	Alpha Ltd	Beta Ltd	Gama Ltd
	Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.
Share Capital				Investment:			
(Rs. 10 per share)	1,50,000	1,00,000	75,000	Shares of Beta Ltd.	1,25,000	—	—
P & L Account 1-1-93	10,000	8,000	5,000	Shares of Gamma Ltd.	38,000	42,000	—
Profit for 1993	20,000	16,000	10,000	Sundry Assets	32,000	92,000	9,000
Creditors	15,000	10,000	9,000				
	1,95,000	1,34,000	99,000		1,95,000	1,34,000	99,000

Alpha Ltd.'s creditors include Rs. 4,000 due to Beta Ltd. and Gamma Ltd.'s Debtors include Rs. 2,000 due form Beta Ltd.

Prepare Consolidated Balance Sheets as on 31-12-1993

Ans. [Rs. 2,38,000]

Hind (i) Minority Interest Rs. 30,000; Goodwill Rs. 21,000; Consolidated P & L Rs. 30,000

31. The Balance Sheets of H & Co. and S & Co. Ltd. as on 31 st December, 1992 were under

Liabilities	H & Co. Ltd	S & Co. Ltd	Assets	H & Co. Ltd	S & Co Ltd
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Paid up capital in shares of			Goodwill	1,00,000	20,000
Rs. 10 each fully paid	5,00,000	2,00,000	Fixed Assets	4,50,000	1,10,000
Reserves	1,50,000	—	Current Assets	5,00,000	1,90,000
Profit and Loss			P & L App. Account	—	80,000
Appropriation A/c	1,70,000	—			
Long term Liabilities	80,000	—			
Current Liabilities	1,50,000	2,00,000			
	10,50,000	4,00,000		10,50,000	4,00,000

On 1st January, 1993 H & Co. Ltd. purchased 75% of the shares of S & Co. Ltd. for the sum of Rs. 50,000 on Feb I, 1993 H & Co. Ltd. paid a dividend at the rat of 10 per cent per annum for its preceding year. On 31st March,1 993. S & Co. Ltd. issued debentures of the amount of Rs. 1,00,000 carrying interest @ 6% per annum payable half yearly. H & Co. Ltd. subscribed for one-half of this issue. The results of the two companies for the year ended 31 st December, 1993. were as follows, both companies having brought to account the accrued interest on debentures.

	H & Co. Ltd.	S & Co. Ltd.
	Rs.	Rs.
Gross Profit	3,20,000	1,00,000
Other Income	7,750	
Income from Subsidiary	2,2,50	
	3,30,000	1,00,000
Expenses	2,00,000	1,20,000
Net Profit/Loss	1,30,000	(–) 20,000

The respective Balance Sheet as at 31 st December, 1993 were as follows:

Liabilities	H Ltd.	S Ltd.	Assets	H Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Paid up Capital:			Current Assets	4,89,250	1,65,000
(10 rupee shares)	5,00,000	2,00,000	Shares & Interest in		
Reserves	1,50,000	—	S & Co. Ltd	1,00,750	—
P & L App. Account	2,50,000	—	Goodwill	1,00,000	20,000
Long term Liabilties	70,000	1,00,000	P & L. Account	—	1,00,000
Current Liabilties	1,50,000	80,000			
	11,20,000	3,80,000		11,20,000	3,80,000

You are required to prepare consolidated appropriation of profits accounts are consolidated Balance Sheet of the two companies.

Ans. (i) Profit of H Ltd. Rs. 1,30,000; (ii) Loss of S Ltd. Rs. 20,000; (iii) Dividend paid by H Ltd Rs. 50,000 and balance c/d Rs. 80,000; (iv) Consolidated Balance Sheet (Total) Rs. 12, 59,250; (v) Minority Interest Rs. 25,000; Goodwill Rs. 80,000; Profit & Loss Account Rs 2,35,000.

❐

(2) Calculation of Pruchase Consideration

Shares in B Ltd. held by outsiders	4,500
Total number of shares to be issued in A Ltd.	63,000
(14 x 4,500)	
Less Shares already held by them	40,000
Shares to be issued	23,000
Value of Shares (23,000 x Rs. 5)	1,15,000

(3) Calculation of Capital Reserve

Value of net assets taken over	8,30,000
Less Liabilities	6,00,000
	2,30,000
Less Purshase	1,15,000
	1,15,000
Less Cancellation of Shares (500)	42,857
Capital Profit	72,143
Less Loss on revaluation of Shares in B Ltd.	7,143
	65,000

Balance Sheet of A Ltd.

as on 31.12.1990

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share Capital		B	
Issued, Subscribed & Paid-up Capital		Factory Shed	5,00,000
shares of Rs. 5 each fully			
paid (of 3,00,000 the above 23,000 shares)		Machinery	30,000
have been issued 50,000		Furniture	50,000
for consideration other than cash)	11,15,000	Investments	70,000
2,500 Pref. shares of Rs. 100 each	2,50,000		

Illustration 5. (*Amalgamation in the nature of Purchase*)

X Ltd. goes into liquidation on 31st December, 1995 having assets appearing in the books as follows :

Works and Properties Rs. 45,000. Liquid Assets Rs. 5,000. Its liabilities are Rs. 10,000 and its capital (paid up) Rs. 50,000. The assets are sold to a new company for Rs. 36,000 of which Rs. 25,000 paybale in shares of new company of Rs. 10 each credited with Rs. 8 per share paid up and Rs. 11,000 in cash which were just suffice to pay the liabilities and the cost of liquidation.

Make Journal Entries in the books of both companies.

X Ltd. का 31 दिसम्बर, 1995 को समापन हो गया जिस समय उसके पास निम्न सम्पत्तियाँ थीं–

वर्कस तथा अन्य सम्पत्तियाँ 45,000 रु० तरल सम्पत्तियाँ 5,000 रु०, इसकी देनदारियाँ 10,000 रु० तथा चुकता पूंजी 50,000 रु० थी। सम्पत्तियाँ एक नई कम्पनी के 36,000 रु० में बेच दी जिनमें से 25,000 रु० 10 रु० के 6 रु० चुकता अंशों में तथा 11,000 रु० नकद में जो देनदारियों तथा समापन व्यय के भुगतान के लिए पर्याप्त थे।

दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में प्रविष्टियाँ बनाएं।

[M.D.U.B. Com., 1980; K.U.K. B. Com. II April, 1996; M.D.U.B. Com. II April 1997 (modified) Kanpur M. Com. 1981]

Solution : प्रश्न में विक्रेता कम्पनी का चिट्ठा नहीं दिया गया है अतः खाते बनाने तथा प्रविष्टियाँ करने से पूर्व चिट्ठा बनाया जाएगा। चिट्ठे का अन्तर Asset side की और हानि का शेष (P & L A/c Dr.) होगा जिसे विक्रेता कम्पनी के अंशधारियों में वितरित किया जायेगा।

Balance Sheet of X Ltd.

	Rs.		Rs.
Share Capital	50,000	Works and Properties	45,000
Sundry Liabilities	10,000	Liquid Assets	5,000
		Profit and Loss A/c	
		(Balancing figure)	10,000
	60,000		60,000

Note : यदि प्रश्न में विक्रेता कम्पनी का चिट्ठा न दिया हो तो विद्यार्थियों को प्रश्न हल करते समय विक्रेता कम्पनी का चिट्ठा बनाकर लुप्त मद को ज्ञात करना चाहिए।

In the Books of X Ltd.

JOURNAL ENTRIES

		Rs.	Rs.
Realisation A/c	Dr.	50,000	
To Works & Properties A/c			45,000
To Liquid Assets A/c			5,000
(Being assets transferred to Realisation A/c			
Transferee Co. A/c	Dr.	36,000	
To Realisation A/c			36,000
(Being purchase consideration settled)			
Cash A/c	Dr.	11,000	
Shares in Transferee Co. A/c	Dr.	25,000	
To Transferee Co.			36,000
(Being purchase consideration received)			
Realisation A/c	Dr.	1,000	
To Cash A/c			1,000
(Being payment of Cost of winding up)			
Shareholders A/c	Dr.	15,000	

To Realisation A/c			15,000
(Being loss on Realisation transferred to shareholder's A/c)			
Liabilities A/c Dr.		10,000	
To Cash A/c			
(Being payment of liabilities not taken over by New Company)			
Share Capital A/c	Dr.	50,000	
To Shareholder's A/c			50,000
(Being transfer of capital to shareholder's A/c)			
Shareholder's A/c	Dr.	10,000	
To P & L A/c			10,000
(Being Debit balance of P & L A/c transferred to Shareholder's A/c)			
Shareholder's A/c	Dr.	25,000	
To Shares in Transferee Co.			25,000
(Being the shares distributed to shareholders)			

Note : Cash received from transferee Company	= Rs. 11,000
Less Liabilities paid	= Rs. 10,000
Cash available for cost of winding up	= Rs. 1,000

In the Books of New Company

JOURNAL ENTRIES

		Rs.	**Rs.**
Business Purchase A/c	Dr.	36,000	
To Liquidator of X Ltd.			36,000
(Being purchase consideration payable)			
Works & Properties A/c	Dr.	45,000	
Liquid Assets A/c	Dr.	5,000	
To Business Purchase A/c			36,000
To Capital Reserve A/c (Balancing figure)			14,000
(Being assets of X Ltd. taken over by new company)			
Liquidator of X Ltd.	Dr.	36,000	
To Cash A/c			11,000
To Share Capital A/c			25,000
(Being purchase consideration paid in the form of cash and shares in new company)			

Illustration 6. (*Amalgamation in the nature of merger*)

R. Ltd. having a capital of Rs. 2,25,000 divided into 4,500 shares of Rs. 50 each (Rs. 40 paid up) and Reserve Fund of Rs. 45,000 was absorbed by S Ltd. having a capital of Rs. 6,00,000 divided into 20,000 shres o Rs. 30 each (Rs. 25 paid up) and Reserve Fund of Rs. 1,00,000 on the term that for every three shares in the absorbed company, the absorbing company was to give five shares partly paid at its orginal cost. Give Journal Entries in the books of absorbing company and prepare its. Balance-sheet after absorption.

R. Ltd. का संविलयन S Ltd. द्वारा किया गया : R Ltd. की पूंजी 2,25,000 रु० थी जो 50 रु० वाले 4,500 अंशों में विभक्त थी, प्रति अंश 40 रु० चुकाते थे। इस का संचय कोष 45,000 रु० था। S Ltd. की अंश पूंजी 6,00,000 रु० की थी जो कि 30 रु० वाले 20,000 अंशों में विभक्त थी। प्रति अंश 25 रु० चुकाते थे। इस का संचय कोष 1,00,000 रु० था। संविलयन की शर्त यह थी कि जिस कम्पनी का संविलयन हुआ है उसके तीन अंशों के बदले में क्रेता कम्पनी को अपने आंशिक भुगतान हुए 5 अंश मूल लागत पर देने पड़ेंगे। संविलयन होने वाले कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल लेखे कीजिए एवं संविलयन के पश्चात् कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

Solution : क्रय प्रतिफल (Purchase consideration) की गणना निम्न प्रकार से की जाएगी।

(I) 3 Shares of R Ltd. = 5 shares of S Ltd.
For 3 Shares of R Ltd., Ltd. will give 5 Shares
therefore, for 4,500 Shares of R Ltd., S Ltd. will give
= × 4500 = 7500 Shares of S Ltd.
Purchase Consideration = 7,500 Shares x Rs. 25 Per Share
= 1,87,500 (1)

In the Books of S Ltd.
JOURNAL ENTRIES

		Rs.	Rs.
Business Purchase A/c	Dr.	1,87,500	
To Liquidator of R Ltd.			1,87,500
(Being purchase consideration payable)			
Sundry Assets A/c	Dr.	2,25,000	
To Business Purchase A/c			1,87,500 (1)
To Reserve Fund A/c (Balancing figures)			37,500
(Being the purchase of business of R Ltd. for Rs. 1,87,500 and Capital Reserve being the balancing figure)			
Liquidator of R Ltd.	Dr.	1,87,500	
To Share Capital A/c			1,87,500
(Being the payment of purchase Consideration in the form of Shares)			

Note : It is a case of amalgamation in the nature of merger because the assets of transfer company are being recorded at book values in the books of Transferee company and purchase consideration is being discharged by the transferee company wholly by the issue of shares.

Balance Sheet of S Ltd.

	Rs.		Rs.
Share Capital :			
Authorised and Issued		Sundry Assets	
27,500 Shares of Rs. 30 each	8,25,000	(2,25,000 + 6,00,000)	8,25,000 (2)
Subscribed & Paid up			
27,500 Shares of Rs. 30 each S. 25 paid up including 7,500 Shares For consideration other than cash	6,87,500		

Reserve Fund	1,37,500		
	8,25,000		8,25,000

Note : 2 Finding out the amount of Sundry Assets by preparing Balance-Sheet.

Liabilities	**R Ltd.**	**S. Ltd.**	**Assets**	**R. Ltd.**	**S. Ltd.**
Paid up Capital	1,80,000	5,00,000	Sundry Assets	2,25,000	6,00,00
Reserve Fund	45,000	1,00,000	(Balancing figure)		
	2,25,000	6,00,000		2,25,000	6,00,000

Note : Authorised, Subscribed and Issued Capital of S Ltd.

= 20,000 Shares + 7,500 Shares (Issued to R Ltd.)

= 27,500 Shares

आन्तरिक पुनर्निमाण
(Internal Reconstruction)

जब एक कम्पनी को अनेक प्रकार की आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना होता है, तो ऐसे गम्भीर आर्थिक संकटों से बचाव करने के उद्देश्य से ही कम्पनी के आन्तरिक पुनर्निर्माण की आवश्यकता पड़ती है। कभी–कभी सफल कम्पनियाँ भी गैर वित्तीय कारणों से अपना पुनर्निर्माण कर सकती हैं ताकि उनका कार्य सुचारू रूप से चलता रहे।

किसी कम्पनी के द्वारा अपनी अंशपूंजी में कमी या वद्धि कर के पूंजी संरचना में परिवर्तन करना जिससे कम्पनी की साख बढ़े, अंशधारियों तथा लेनदरों के हित सुरक्षित हों, आन्तरिक पुनर्निर्माण कहलाता है।

आन्तरिक पुनर्निर्माण में एकीकरण, संविलयन तथा बाह्य पुनर्निर्माण की भान्ति कम्पनी का न तो समापन किया जाता है और न ही उसके व्यवसाय को किसी अन्य कम्पनी के द्वारा क्रय किया जाता है। आन्तरिक पुनर्निर्माण में तो कम्पनी की आन्तरिक स्थिति को पुनः निर्मित करने हेतु कम्पनी की अंशपूंजी में कमी, अंश पूंजी में परिवर्तन, अंशधारियों के अधिकारों में परिवर्तन तथा कम्पनी की अंश पूंजी के पुनर्गठन आदि कार्य किए जाते हैं।

Internal Reconstruction implies reorganisation of Capital structure of company which involves Alteration of Share capital and reduction of Capital. Unlike amalgamation, absorption and external Reconstruction there is no liquidation of any company nor does it involve the purchase of business of a company by a new company or existing company. It is an attempt to improve the internal structure of the company by resorting to alteration and reduction of share capital.

कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण मुख्यता दो उद्देश्यों से किया जाता है।

(i) अंश पूंजी में परिवर्तन (Alteration of Share Capital)

(ii) अंश पूंजी में कमी (Reduction of Capital)

(I) अंश पूंजी में परिवर्तन (Alteration of Share Capital) : अंशों द्वारा सीमित कोई भी कम्पनी, अपने अंतर्नियमों द्वारा अधिकृत होने पर अपने पार्षद सीमनियम के पूंजी वाक्य की शर्तों में निम्न परिवर्तन कर सकती है बशर्ते कि इस व्यवस्था हेतु कम्पनी ने अपनी साधारण सभा में प्रस्ताव पास कर लिया हो। [कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 94]

(i) अंश पूंजी में वद्धि (Increase in Share Capital)

लेखांकन व्यवहार (Accounting Treatment)

अंश पूंजी में वद्धि करने पर कम्पनी की पुस्तकों में वहीं प्रविष्टियाँ होंगी जो अंशों का निर्गमन होने पर की जाती हैं।

(ii) अंश पूंजी का एकीकरण (Consolidation of Shares)

भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 94 के अनुसार कम्पनी अपने कम मूल्य वाले अंशों को अधिक मूल्य वाले अंशों में एकत्रीकरण कर सकती है। परन्तु एकीकरण के पश्चात् अंशों के सम्बन्ध में दत्त राशि (Paid up amount) तथा अदत्त राशि (Unpaid amount) का अनुपात समान रहना चाहिए।

The only precaution to be taken is in respect of partly paid shares in which case the proportion between the paid up and unpaid amount must be same after consolidation :

Illustration. A company with a share capital of Rs. 2,50,00 dividend into 5,000 shares of Rs. 50 each on which Rs. 35 per share paid up decides to consolidate 10 equity shares of Rs. 50 each in to the equity share of Rs. 500 each.

Solution : After the consolidation, the company shall have the some capital of Rs. 2,50,000 divided in to 500 equity shares of Rs. 500 each (Rs. 50 × 10) on which Rs. 350 (Rs. × 10) per share are paid up.

Accounting treatment : इस की प्रविष्टि निम्न प्रकार की जाएगी।

Equity Share Capital (Rs. 50) Account	Dr.	1,75,000	
To Equity share Capital (Rs. 500) Account			1,75,000

(Being the consolidation of 5,000 shares of Rs. 50 each with Rs. 35 paid up with 500 equity shares Rs. 350 paid up as per shareholders resolution in the general meeting held on ....)

Share Capital (Old) A/c	Dr.		
To Share Capital (New) A/c			

(iii) अंश पूंजी को विभाजित करना (Sub-Division of Shares)

एक कम्पनी अपने अधिक मूल्य वाले अंशों को कम मूल्य में विभाजित करके अंश पूंजी में परिवर्तन कर सकती है।

The Sub-division of shares is just the opposite of consolidation of shares. The net effect of the Sub-division is that a share holder becomes entitled to a proportionately larger number of shares of smaller value in exchange for less number of shares of higher value.

Illustration. A company with a share capital of Rs. 25,00,000 dividend into 10,000 shares of Rs. 50 each on which Rs. 40 paid decides to split up one equity share of Rs. 50 each in to 5 equity shares of Rs. 10 each on which Rs. 8 per share are paid up.

Solution : After the sub-division of shares the company shall have the same capital of Rs. 5,00,000 divided into (1,000 × 2) *i.e.* 5,000 shares of Rs. 10 each (50 ÷ 5) on which Rs. 8 (40 ÷ 5) per share are paid up. Accounting Treatment (लोखांकर व्यवहार)

Accounting treatment :

Equity Share Capital (Rs. 50) Account	Dr.	4,00,000	
To Equity share Capital (Rs. 10)			4,00,000

(Being sub-division of 10,000 equity shares of Rs. 50 each, Rs. 40 per share paid into 50,000 equity shares of Rs. 10 each with Rs. 8 per share paid up as per shareholders resolution passed in the general meeting held on ....)

Share Capital (Old) A/c	Dr.		
To Share Capital (New) A/c			

(iv) पूर्णदत्त अंशों को स्टाक में परिवर्तन करना तथा स्टाक को पूर्णदत्त में परिवर्तन करना (Conversion of Fully paid up shares in to stock and reconversion of stock in to fully paid shares)

Accounting treatment : (i) Conversion of fully paid shares in to stock

Equity Share Capital A/c Dr.

To Equity Capital Stock A/c

(ii) For reconversion of Stock in to fully paid shares

Stock A/c Dr.

To Share Capital A/c

(v) अनिर्गमित अंशों को रद्द करके (Cancellation or Decrease of Unissued Capital)

एक कम्पनी भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की 94 प्रावधानों के अन्तर्गत अनिर्गमित अंशों को रद्द करके अपनी अंश पूंजी में कमी कर सकती है।

Accounting treatment : अनिर्गमित अंशों के रद्दीकरण से कम्पनी की दत्त पूंजी प्रभावित नहीं होती अतः कम्पनी की पुस्तकों में इसकी कोई प्रविष्टि नहीं की जाएगी।

(II) अंश पूंजी में कमी (Reduction of Share Capital) : किसी भी कम्पनी द्वारा अपनी अंश पूंजी में कमी करने के लिए भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 100 से 105 में दिए प्रावधानों का पालन कर अत्यन्त आवश्यक है। जो निम्नलिखित हैं।

(i) अंश पूंजी में कमी करने के लिए कम्पनी के अन्तर्नियमों में व्यवस्था होनी चाहिए।

(ii) कम्पनी की सभा में एक विशेष प्रस्ताव पास किया जाना चाहिए।

(iii) कम्पनी द्वारा पारित विशेष प्रस्ताव का न्यायालय द्वारा पुष्टीकरण किया जाना चाहिए।

अंश पूंजी में कमी करने की निम्न विधियां हैं—

(i) अदत्त अंश पूंजी के दायित्व को समाप्त करना या कम करना— (Reducing the Liability in respect of uncalled or unpaid amounts)

इस स्थिति में अंश पूंजी खाते के शेष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। केवल अंशधारियों द्वारा अदत्त पूंजी का दायित्व समाप्त हो जाएगा।

Accounting Treatment :

Share Capital (Old Partly paid up) A/c	Dr.	(with the paid up)
To Share Capital (New) A/c		value of shares)

Note : In such a case paid up capital of the company will remain unchanged.

(ii) आवश्यकता से अधिक अंश पूंजी अंशधारियों को वापिस करना (Refund of excess Capital to Share holders)

जब कम्पनी के पास (व्यवसाय का आकार छोटा होने पर या कम्पनी की शाखा बन्द होने पर) आवश्यकता से अधिक पूंजी हो जाती है तो कम्पनी आवश्यकता से अधिक पूंजी अंशधारियों को वापिस करके अपनी चुकता पूंजी में कमी कर सकती है।

Accounting Treatment :

(a)	Share Capital (old) A/c	Dr.	(with total capital)
	To Share holders A/c		(with the amount to be refunded)
	To Share Capital (New) A/c		(with the balance of Capital after refund)
(b)	Shareholders A/c	Dr.	(with the amount to be refunded)
	To Bank A/c		

(iii) चुकता पूंजी का कुछ भाग रद्द करना

(Cancellation of such part of paid up capital which is not represented by Assets)

कम्पनी दत्त पूंजी के ऐसे भाग को जिसका प्रतिनिधित्व सम्पत्तियों द्वारा नहीं होता रद्द करके अपनी अंश पूंजी में कमी कर सकती है। क्योंकि ऐसी स्थिति में कम्पनी के अंशों का वास्तविक मूल्य अंशों के अंकित मूल्य से कम हो जाता है। ऐसा निम्न कारणों से होता है।

(i) पिछले वर्षों में लगातार हानि के कारण लाभ हानि खाते में डेबिट शेष हो जाना।

(ii) अवास्तविक सम्पत्तियों जैसे प्रारम्भिक व्यय, अभिगोपन, कमीशन, ऋणपत्रों एवं अंशों पर छूट, लाभ हानि खाते का डेबिट शेष आदि का अपर्याप्त लाभ के कारण अपलिखित न होना।

(iii) सम्पत्तियों पर पर्याप्त ह्रास न लगने के कारण सम्पत्तियों का पुस्तक मूल्य (Book Value) उनके वास्तविक मूल्य से अधिक होना?

यदि कम्पनी में भावी लाभ होने की संभावना है तो कम्पनी अपनी सम्पत्तियों के वास्तविक मूल्य पर दिखाने तथा अंशों को वास्तविक मूल्य पर लाने के लिए चुकता पूंजी में कर सकती है और पूंजी की कमी की राशि का प्रयोग बनावटी सम्पत्तियों को अपलिखित करने के लिए तथा अन्य सम्पत्तियों के अधिक मूल्य को अपलिखित करने के लिए किया जाएगा।

लेखांकन व्यवहार (Accounting Treatment)

(i) जब अंशों का अंकित मूल्य घटा दिया जाए।

(When the face value of shares is changed)

Share Capital (Old) Account	Dr.	(Paid up value of old shares)
To share Capital (New) Account		(Paid up value of new shares)
To Capital Redction A/c		(With the difference)
OR		
To Reconstruction A/c		

(ii) जब अंशों का अंकित मूल्य न घटाया जाए।

(When the Face value of shares on reduction is not canged)

Share Capital A/c	Dr.
To Capital Redction A/c	
OR	
To Reconstruction A/c	

(iii) जब लेनदारों एवं ऋणपत्रधारियों की सहमति से उनके दावों में कमी करना।

(Sacrifice made by creditors and Debenture holders towards capital reduction or Reconstruction)

Creditors A/c	Dr.
Debentures A/c	Dr.
To Capital Reduction A/c	

(iv) पुराने ऋणपत्रों के बदले हुए ऋणपत्रों को जारी करके अंश पूंजी में कमी करना—

(Issue of New debentures in excange for old debentures)

9% Debenturs A/c	Dr.	(Paid amount of old debentures)
To 10% Debentures A/c		(Paid amount of new debentures)
To Capital Reduction A/c		(With the difference)

(v) सम्पत्तियों का पुर्नमूल्यांकन (Revaluation of Assets)

सम्पत्ति के मूल्य में वद्धि होने पर (Increase or Appreciation in the Value of Assets)

Assets A/c Dr. (with appreciation in the value of Assets)

To Capital Reduction A/c

OR

To Reconstruction A/c

(vi) हानियों तथा कृत्रिम सम्पत्तियों को उपलिखित करना—

(To write of Accumulates tosses and Fictitious Assets)

Capital Reduction A/c Dr.

To Profit and Loss A/c

To Discount on issue of Shares & Debentures A/c

To Preliminary expenses A/c

To Trade Marks A/c

To Patents A/c

To Goodwill A/c

To Assets A/c (excess of book value over real value)

(vii) संभाव्य दायित्व की व्यवस्था करना—

(Provision for Contingent Liability)

Capital Reduction A/c Dr.

To Contingent Liability A/c

To Unsecurded Liability A/c

(viii) पूंजी कटौती खाते के शेष को (यदि कोई हो) पूंजी संचय खाते में हस्तान्तरित करना।

Transfer the balance of Capital Reduction A/c (if any) to Capital Reserve Account)

(ix) Capital Reduction A/c Dr.

To Capital Reserve A/c

Note : (i) Capital Reduction A/c is called Reconstruction Account or Reorganisation Account.

(ii) The Words "And Reduced" should be added to the name of the company, if the court so directs.

(iii) The total amount to be written off should not exceed the amount credited to Capital Reduction Account.

(iv) The amount written off in respect of fixed Assets under a scheme of internal reconstruction must be shown in the Balance-Sheet for five years.

Illustration 7. The following is the Balance-Sheet of Door Ltd. as on 31 st December 1995.

	Rs.		**Rs.**
		Land	10,000
1,000 equity shares of Rs. 10 each	1,00,000	Machinery	23,000
		Furniture	6,800
Sundry Creditors	17,300	Stock	15,000
		Debtors	7,000
		Cash	500
		Profit and Loss A/c	55,000
	1,17,300		1,17,300

Following scheme was approved by the Court :

(a) The equity shars to be reduced to Rs. 40 per share.

(b) Machinery to be written down to Rs. 15,000.

(c) The Provision for Doubtful debts to be created Rs. 100.

(d) Land to be revalued at Rs. 14,200.

Pass Journal Entries to give effect to the above arangement and prepare. Capital Reduction Account or Reconstruction Account.

न्यायालय द्वारा निम्न स्कीम स्वीकृत की गई—

(अ) सामान्य अंशों को 40 रु० तक कम कर दो।

(ब) मशीनरी को घटाकर 15,000 रु० कर दिया जाए।

(स) संदिग्ध देनदारों के लिए 100 रु० कर लगाया गया है।

(द) भूमि का मूल्य 14,200 रु० लगाया गया है।

उपरोक्त स्कीम के लिए जर्नल प्रविष्टियां बनाइए तथा पूंजी खाता अथवा पुनर्निर्माण खाता बनाइए—

[B. Com II K.U.K. Sept. 1996]

Solution : **JOURNAL ENTRIES**

			Rs.	Rs.
1995	Equity share capital (Rs. 100 each) Account	Dr.	1,00,000	
Dec. 31	To Equity Share Capital (s. 40) Account			40,000
	To Capital Reduction Account			60,000
	(Being reduction of equity share capital by Rs. 60,000 as per scheme of reconstruction P & L and A/c)			
Dec. 31	Land A/c	Dr.	4,200	
	To Capital Redction A/c			4,200
	(Being appreciation into the value of L and on revalution)			
Dec. 31.	Capital Reduction A/c	Dr.	64,200	
	To Plant and Machinery A/c			8,000
	To Provision for Doubtful A/c			100
	To Profit and Loss A/c			55,000
	To Capital Reserve A/c			1,100
	(Being amounts written off as per scheme of reconstruction and balance of capital reduction A/c transferred to Capital Reserve A/c)			

Capital Reduction Account

Dr. **Cr.**

		Rs.			Rs.
1995	To plant and Machinery	8,000	1995	By Equity Share Capital A/c	60,000
Dec. 31	To Provision for Doubtful A/c	100	Dec.	By Land A/c	4,200
	To Profit and Loss A/c	55,000			
	To Capital Reserve A/c	11,00			
		64,200			64,200

Illustration 8. The following is the summarised Balance-Sheet of X Ltd. as on 31st March, 1997.

	Rs.		Rs.
2500 10% Comulative Pref.		Goodwill	30,000
Shares of Rs. 100 each	2,50,000	Land and Building	2,70,000
50,000 Equity of Rs. 10 each	5,00,000	Plant and Machinery	2,00,000
Bills Payable	27,500	Stock	35,000
		Debtors	65,000
Creditors	1,50,000	Cash at bank	17,500
Arrears of Preference Dividend		Preliminary Expenses	10,000
Rs. 50,000		Profit and Loss A/c	3,00,000
	9,27,500		9,27,500

The following scheme of reduction of capital was approved by the court and was given effect to :

(a) The existing 10% cumulative preference shares of Rs. 100 each are to be converted in to 14% redeemable preference shares of Rs. 60 each.

(b) Arrears of Preference dividend are to be cancelled.

(c) The equity shares are to be reduced to Rs. 5 per share.

(d) Plant is to be written down by Rs. 10,000.

You are reqired to give journal entries to give effect to the above arrangement and to draw up the revised Balance-Sheet.

न्यायालय ने पूंजी की कमी के सम्बन्ध में निम्नलिखित योजना की अनुमति दी, जो लागू की गई—

(अ) 100 रु० वाले वर्तमान 10% संचयी पूर्वाधिकार अंशों के 60 रु० वाले 14% विमोचनशील पूर्वाधिकार अंशों में परिवर्तित करना है।

(ब) पूर्वाधिकार लाभांश की बकाया राशि को रद्द करना है।

(स) सामान्य अंशों को 5 रु० तक कम करना है।

(द) प्लाण्ट को 10,000 रु० तक अपलिखित करना है।

उपरोक्त व्यवस्था लागू करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए तथा संशोधित चिट्ठा बनाइए।

Solution : **JOURNAL ENTRIES**

1997			Rs.	Rs.
Mar. 31	Equity Share Capital (Rs. 10 each) A/c	Dr.	5,00,000	
	To Equity Share Capital (Rs. 5 each) A/c			2,50,000
	To Capital Reduction A/c			2,50,000
	(Being Conversion of 50,000 equity shares of Rs. 10 each in to 50,000 equity shares of Rs. 5 each as per the scheme of reconstruction)			
Mar. 31	10% Cumulative Preference Share Capital A/c	Dr.	2,50,000	
	(Rs. 100 each)			
	To 14% redeemable Pref. Share Capital A/c			1,50,000
	(Rs. 60 each)			
	To Capital Reduction A/c			1,00,000

	(Being Conversion of 2,500 10% Cummulative Pref. Shares of Rs. 100 each in to 250014% redeemable Preference shares of Rs. 60 each as per scheme of reconstruction)		
Mar. 31	Capital Reduction A/c Dr.	3,50,000	
	To Goodwill A/c		30,000
	To Plant and Machinery A/c		10,000
	To Preliminary Expenses A/c		10,000
	To Profit and Loss A/c		3,00,000
	(Being amount written off as per scheme of reconstruction)		

Balance Sheet of X Ltd.

As on 31st march, 1997

Share Capital:	**Rs.**	**Fixed Assets :**		**Rs.**
Authorised :	—	Goodwill	30,000	
Issued and Subsribed		*Less* written off		
250014% Redeemable Pref.		Under Scheme of		
Shares of Rs. 60 each fully paid up	1,50,000	Reconstruction	30,000	Nil
50,000 equity shares of Rs.		Land and Building		2,70,000
5 each, fully paid up	2,50,000	Plant and Machiney	2,00,000	
		Less written of	10,000	1,90,000
Current Liabilities & Provision		**Current Assets, Loans and Advances:**		
Bills Payable	27,500	Stock		35,000
Creditors	1,50,000	Debtors		65,000
		Cash at Bank		17,500
	5,77,500			5,77,500

QUESTIONS

1. संविलयन एवं एकीकरण में अन्तर स्पष्ट कीजिए। एकीकरण की व्यवस्था में विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में कौन–कौन सी प्रविष्टियाँ की जाती हैं?

Distinguish between absorption and amalgamation. What Journal Entries are passed in the books of Vendor company in the event of amalgamation?

2. कम्पनियों के एकीकरण, संविलयन एवं पुनर्निर्माण से आप क्या समझते हैं? इनमें क्या अन्तर है? इनके मुख्य उद्देश्य बताइए।

What do you understand by Amalgamation, Absorption and Reconstruction? Distinguish between them, point out their main objects.

3. पुनर्निर्माण से आप क्या समझते हैं? आन्तरिक एवं बाह्य पुनर्निर्माण में अन्तर स्पष्ट कीजिए। यह कब आवश्यक होता है?

What do you understand from reconstruction. Distinguish between internal and external reconstruction. When it is necessary.

4. लेखांकन प्रताप 14 के अनुसार मिश्रण की प्रकृति का एकीकरण तथा क्रय की प्रकृति का एकीकरण की दशायें में कम्पनियों के बीच क्रय प्रतिफल का निर्धारण किस प्रकारसे किया जाता है। उदाहरण देकर समझाइए।

How is the purchase consideration determined between companies in case of amalgamation in the nature of purchase and in the nature of merger as per Accounting Standard-14 ? Explain with examples.

5. संविलयन से आपका क्या आशय है? इसको भली–भांति समझाइए और विलय होने वाली कम्पनी की पुस्तकों को बन्द करने के लिए जर्नल की प्रविष्टियाँ कीजिए।

What do you mean by Absorption ? Explain fully and given Journal Entries to close the books of absorbed company.

6. आप कम्पनियों के एकीकरण संविलयन से क्या समझते हैं ? दोनों में क्या अन्तर है ? इनके मुख्य उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

What do you mean by Amalgamation and Absorption of Companies? What is the difference betwee the two? Point out their main objects.

7. निम्नलिखित पर टिप्पणियां लिखिए : (Write short notes on the following)

(i) क्रय प्रतिफल (Purchase Consideration)

(ii) आन्तरिक पुनर्निर्माण (Internal Reconstruction)

(iii) अन्तः कम्पनी धारिता (Inter Company Holdings)

(iv) मिश्रण की प्रकृति का एकीकरण (Amalgamation in the nature of merger)

(v) क्रय की प्रकृति का एकीकरण (Amalgamation in the nature of pruchase)

8. 'हित एकीकरण विधि' तथा क्रम विधि में हस्तांतरण पाने वाली कम्पनी की पुस्तकों में लेखांकन प्रविष्टियां बनाइए।

Give Journal Entries in the books of transferee company under the following conditions:

(i) The pooling of interest method,

(ii) The purchase Method.

PROBLEMS

(Amalgamation in the Nature of Merger and Purchase)

एकीकरण

Q. 1. X Ltd. and Y Ltd. agree to amalgamate and form a new Company Z Ltd. which will take over all the assets and liabilities of the two existing companies.

In the case of X Ltd. the assets and liabilities are to be taken over at book-value and allotment of five shares in Z Ltd. of Rs. 10. at a premium of 10% for every 4 share in X Ltd.

In the case of Y Ltd :—

(i) The Debentures of Y Ltd. would be paid off by issue of an equal number of debentures in Z Ltd. at a discount of 10%.

(ii) The holders of 6% preference-shres of Y Ltd. would be allotted 4 (four) 7% preferece shars in Z Ltd. for every 5 (five) preference shares held in Y Ltd.

(iii) The equity share holders would be allotted sufficient shares to cover the balance on their accounts after adjusting assets values by reducing plant and Macinery by 10% and providing 5% on Sundry debtors. Equity shares to Y Ltd. were also issue at 10% premium.

X Ltd. और Y Ltd. एकीकरण करने तथा Z Ltd. के नाम में नई कम्पनी की स्थापना के लिए सहमत होते हैं। यह नई कम्पनी दोनों वर्तमान कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को खरीदेगी।

X Ltd. की स्थिति में, सम्पत्तियां एवं दायित्व पुस्तक मुल्य पर लिए जाएंगे और X Ltd. के (चार) 4 अंशों के लिए Z Ltd. के 10 रु० वाले (पांच) समता 10 प्रतिशत प्रीमियम पर आबंटित किए जाएंगे।

Y Ltd. की स्थिति में :

(i) Y Ltd. के ऋणपत्रों का भुगतान Z Ltd. में बराबर की संख्या के 10% ऋणपत्रों 10% छूट पर निर्गमन के द्वारा किया जाएगा।

(ii) Y Ltd. के 6% के पूर्वाधिकार अंश के अंशधारियों को प्रत्येक (पांच) 5 अंशों के बदले Z Ltd. के (चार) 4.7% पूर्वाधिकार अंश बंटित किए जायेंगे।

(iii) समता अंशधारियों को उस शेष राशि के लिए पर्याप्त समता अंश बंटित किए जायेंगे जो कि सम्पत्तियों में से प्लाण्ट एवं मशीनरी को 10% से कम करने के बाद तथा विविध देनदारों पर 5% का आयोजन रखने के बाद आती है Y Ltd. को भी समता अंश 10% प्रीमियम पर दिए जायेंगे एकीकरण की तिथि को X Ltd. और Y Ltd. के संक्षिप्त चिट्ठे निम्न प्रकार हैं—

(To Summarised Balance-Sheet of X Ltd. and Y Ltd. on the date of merger were as follows)

Liabilities	**X Ltd.**	**Y Ltd.**	**Assets**	**X Ltd.**	**Y Ltd.**
	Rs.	**Rs.**		**Rs.**	**Rs.**
Eqity shares of Rs. 10 each	2,00,000	2,50,000	Plant and Machinery	4,00,000	4,00,000
6% preference shares of Rs 100 each	—	1,50,000	Stock	32,500	30,000
4% Debentures	—	1,00,000	Sundry Debtors	47,500	25,000
Profit and Loss A/c	2,50,000		Cash and Bank balance	32,500	20,000
Contingency Reserve	25,000		Profit and Loss A/c	—	70,000
Sundry creditors	37,500	45,000			
	5,12,500	5,45,000		5,12,500	5,45,000

Show the Entries in the books of X Ltd. and Y Ltd. and Z Ltd. in respect of the merger.

Ans : Purchase consideration: X Ltd. Rs. 2,75,000 Y Ltd. Rs. 2,88,750 Loss on Realisation 41,250. (X Ltd.) Balance of Profit and Loss A/c of X Ltd after adjustment Rs, 1,75,000. Loss on Realisation Rs. 2,00,000 (Y Ltd.)

Q. 2. A Ltd. and B Ltd. agreed to amalgamate by transferring their undertakings to a new company A B Ltd. formed for that purpose. On the date of transfer Balance-Sheet of two companies were as under:

A Ltd तथा B Ltd. एकीकरण के लिए सहमत हो गई और अपने व्यापार को A B Ltd. को सौंप दिया। इस तिथि को दोनों कम्पनी के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं—

Liabilities	**A Ltd.**	**B Ltd.**	**Assets**	**A Ltd.**	**B Ltd.**
	Rs.	**Rs.**		**Rs.**	**Rs.**
Authorised & Issued capital			Sundry Assets	60,000	35,000
equity Sares of Rs. 10 each	75,000	25,000	Freehold Property	3,000	—
5% Debetures	—	3,000	Debtors	18,000	1,000
Statutory Reserve	—	2,000	Investments	13,000	3,000

Mortgage Loan Secured					
on Freehold Property	5,000	—	Bank	10,000	2,000
Sundry creditors	4,000	10,000			
Profit and Loss A/c	20,000	1,000			
	1,04,000	41,000		1,04,000	41,000

The Purchase consideration consisted of :

(i) The assumption of the Assets and Liabilities of both companies:

(ii) The discharge of the Debetures in B. Ltd. by issue of Rs. 3,500 6% debetures in A B Ltd.

(iii) The issue at a premium of Rs. 5 per Share of Equity Shars of s. 10 each in A B Ltd.

For the purpose of the transfer the assets are to be revalued as under:

	A Ltd.	B Ltd.
	Rs.	Rs.
Sundry Assets	65,000	35,000
Freeold Property	5,000	—
Debtors	17,100	4,500
Invstments	14,900	5,000
Goodwill	11,000	4,000

Write up the Realisation Account, the Shareholder's Account and the Accounts of A B Ltd. in the books of A Ltd. and B Ltd, to give effect to the above transactions and set out the Journal Entries necessary to open the books of A B Ltd.

क्रय प्रतिफल में निम्न शामिल था—

(i) दोनों कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को ग्रहण करना।

(ii) B Ltd. के ऋणपत्रों के बदले A B Ltd. के 3,500 रु० वाले ऋणपत्र देना।

(iii) A B Ltd. के 10 रु० वाले समता अंश प्रति अंश 5 रु० प्रीमियम पर निर्गमित करना।

(iv) सम्पत्तियों का हस्तान्तरण करने के लिए उनका निम्न पुनर्मूल्यांकन किया गया—

	A Ltd.	B Ltd.
	रु०	रु०
विविध सम्पत्तियां	65,000	35,000
फ्रीहोल्ड सम्पत्ति	5,000	—
देनदार	17,100	4,500
विनियोग	14,900	5,000
ख्याति	11,000	4,000

A Ltd. तथा B Ltd. की पुस्तकों में वसूली खाते, अंशधारियों का खाता तथा A B Ltd. का खाता बनाइए तथा A B Ltd. की पुस्तकों में प्रारम्भिक प्रविष्टियां कीजिए।

Ans : Purchase consideration: A Ltd. Rs. 1,14,000 Payable in 7600 shares of Rs. 15 each. B Ltd. Rs. 37,500 payable in (2500 Shares of Rs. 15 each) Realisation Profit, A Ltd. Rs. 19,000, B Ltd, 9,500 Amalgamated Adjustment A/c (Dr.) Rs. 2,000 Goodwill in the books of A B Ltd. Rs. 15,500.

(Amalgamation in the nature of-purchase)

Q. 3. The following are the Balance-Sheets of P Ltd. and Q Ltd. as at 31st December, 1997. These companies decide to amalgamate and form a new company called as R Ltd.

Liabilities	P Ltd.	Q Ltd.	Assets	P Ltd.	Q Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Equity Sares of Rs. 100 each			Goodwill	37,500	12,500
Fully paid	1,00,000	1,25,000	Buildings	45,000	40,000
Profit and Loss Account	40,000		Machinery	25,000	20,000
Buildings Fund	35,000		Patents	7,500	2,500
Accident Fund	5,000		Investments	32,500	
			Stock	27,500	35,000
Loan	10,000	35,000	Debtors	32,000	61,500
Creditros	30,000	45,000	Cash	13,000	1,000
			Profit and Loss Account		32,500
	2,20,000	2,05,000		2,20,000	2,05,000

The Scheme of amalgamation is as under :

(i) R Ltd. Shall take over all assets and liabilties (exclusing loan) of P Ltd. and the agreed value of Goodwill is Rs. 50,000.

(ii) P Ltd. shall receive from R Ltd. as payment of purchase consideration, Rs. 10,500 in cash and the balance in fully paid equity Shares in R Ltd.

(iii) P Ltd. Shall pay off its loan together with accured interest of Rs. 500;

(iv) All the liabilities and assets (excluding buildngs of Q Ltd. shall be taken overby R Ltd. for Rs. 37,500 to be paid in fully paid equity Shares in R Ltd.

(v) Goodwill of Q Ltd. sall be treated as worthless for the purpose of amalgamation. Q. Ltd. realised building at a profit of 25%.

You are required to show necessary ledger accounts to close the books of P Ltd. and Q Ltd.

एकीकरण की योजना निम्न प्रकार है—

(i) R Ltd. P Ltd. की सहमत सम्पत्तियों एवं दायित्वों को (ऋण को छोड़कर) खरीदेगी ख्याति का मूल्यांकन 50,000 रु० पर किया गया है।

(ii) P Ltd. R Ltd. से क्रय प्रतिफल इस प्रकार प्राप्त करेगी। 10,500 रु० नकद तथा शेष राशि के लिए R Ltd. में नए समता अंश (पूर्णदत्त।

(iii) P Ltd. अपने ऋण व उस पर 500 रु० के अर्जित ब्याज का भुगतान कर देगी।

(iv) Q Ltd. की समस्त सम्पत्तियां और दायित्व (भवन को छोड़कर) 37,500 रु० में R Ltd. द्वारा खरीद लिए जाएंगे जिसका भुगतान R Ltd. में पूर्ण चुकता अंशों द्वारा किया जाएगा।

(v) एकीकरण के कार्य के लिए Q Ltd. की ख्याति मूल्य हीन समझी जाएगी। Q Ltd. ने भवन को 25% लाभ पर बेचा। आपको P Ltd. और Q Ltd. की पुस्तकें बन्द करने के लिए आवश्यक खाते दिखाने हैं।

Ans : Purchase consideration: P Ltd. Rs. 2,02,500 (Cash Rs. 10,500; Share Capital Rs. 1,92,000) Q Ltd. Rs. 37,5000 given in qestion.)

Profit on Realisation P Ltd. Rs. 12,000; Q Ltd. Loss on Realisation Rs. 5,000.

Note: Q Ltd. के भवन को R Ltd. द्वारा नहीं खरीदा गया है। अतः उसका खाता अलग से दिखाना है और उसकी बिक्री पर 10,000 रु० के लाभ को भवन खाते से वसूली खाते (Realisation A/c) में स्थानान्तरित करना है।

Q. 4. Balance sheet of R Ltd. and S Ltd. are as follows :

Liabilities	R Ltd.	S Ltd.	Assets	R Ltd.	S Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Satres Rs. 10 each	1,25,000	75,000	Building	37,500	
250 8% Debentures of	25,000	—	Machinery	1,37,500	62,500
Rs. 100 each		—	Stock	20,000	10,000
Statutory Reverse	10,000				
Reserve Fund	32,500	—	Sundry Debtors	17,500	11,250
Dividend Equalisation Fund	5,000	—			
Staff Providet Fund	3,750	—	Cash	3,750	1,250
Sundry Creditors	12,500	10,000			
Profit and Loss A/c	2,500				
	2,16,250	85,000		2,16,250	85,000

It was decided to amalgamate the two companies and S R Ltd. to take over assets and liabilities of two companies. Assets of R Ltd. (except building which was accepted at book-value) were valued at 10% less their book-values. Both companies shall receive 5% of the net assets for goodwill. Total purchase consideration shall be paid by S R Ltd. in Rs. 10 fully paid up Shares. For debentures of R Ltd. new debentures of similar amount were issued by S R Ltd. Pass necessary Journal Entries to close the book of both companies and prepare the opening balance-sheet of S R Ltd.

Authorised Capital of S R Ltd. was Rs. 12,50,000 which was divided into Shares of Rs. 10 each.

दोनों कम्पनियों का एकीकरण करने पर निश्चय किया गया। S R Ltd. ने दोनों कम्पनियों के दायित्वों एवं सम्पत्तियों को ले लिया। भवन को छोड़कर जो कि पुस्तक मूल्य पर ही स्वीकार किया गया था, R Ltd. की सम्पत्तियां 10% कम पर मूल्यांकित की गई। दोनों कम्पनियों को उनकी शुद्ध सम्पत्तियों का 5% ख्याति के रूप में दिया जाएगा। समस्त क्रय मूल्य का भुगतान S R Ltd. द्वारा 10 रु० वाले पूर्णदत्त अंशों में किया जाएगा। R Ltd. के ऋणपत्रों में बदले S R Ltd. द्वारा उसी राशि के ऋणपत्र निर्गमित किए जाएंगे। दोनों कम्पनियों की पुस्तकों को बन्द करने के लिए जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए एवं S R Ltd. का प्रारम्भिक चिट्ठा भी बनाइए। S R Ltd. की अधिकृत पूंजी 12,50,000 रु० थी जो 10 रु० वाले अंशों में विभक्त थी।

Ans : Purchase consideration : R Ltd. Rs. 1,65,375 S Ltd. Rs. 78,750.

Total of Balance Sheet of S R Ltd. 3,05,375.

Loss in Realisation R Ltd. Rs. 9625, S Ltd. Profit an Realisation Rs. 3,750; Amalgamated Adjustment A/c Rs. 10,000.

Q. 5. On Jan, 1986, X Ltd. and y Ltd. were amalgamated in to Z Ltd. as the basis of following Balance Sheets and informations :

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Authorised Captial :			Goodwill	40,000	16,000
Ordinery Shares of Rs. 10 each	1,20,000	1,00,000	Premises	25,000	30,000
Paid up Capital	1,12,000	87,500	Plant	20,500	5,000
Creditors	2,500	3,000	Stock	21,000	16,500
Reserve	4,000	6,000	Debtors	11,500	20,000
Profit for 1985	5,500	2,000	Cash	6,000	11,000
	1,24,000	98,500		1,24,000	98,500

It was agreed that in respect of both the comapnies 10% should be written off premises and 5% should be provided for doubtful debts. Goodwill was to be valued at three year's purchase of the last two year's average annual profits (the profits during 1984 were Rs. 6,500 for X Ltd. and Rs. 3,000 for Y Ltd.) Pass the necessary Journal Entries in the books of Z Ltd. and prepare its opening Balance-Sheet.

यह निश्चित किया गया कि दोनों कम्पनियों के भवन में 10% ह्रास किया जाए। अशोध्य ऋणों के लिए 5% संचय बनाया जाए। ख्याति का मूल्यांकन दो वर्षों के औसत लाभ के तीन गुने के आधार पर आवश्यक लेखे कीजिए तथा स्थिति विवरण बनाइए। [B. Com II M.D.V. 1987 Modified]

Ans : Purchase consideration for X Ltd. Rs. 96,425 and for Y Ltd. Rs. 83,000. Goodwill X Ltd. Rs. 18,000 and Y Ltd. Rs. 75,000 Loss on Realisation X Ltd. Rs. 25,075 Y Ltd. Rs. 12,500. Total of Balance-Sheet of Z Ltd. Rs. 1,84,925.

Q. 6. The following are the Balance-Sheet of P Ltd. and Q Ltd. as at the date of amalgamation:

Liabilities	P Ltd.	Q Ltd.	Assets	P Ltd.	Q Ltd.
Equity Shares of	3,00,000	78,000	Goodwill	20,000	20,000
Rs. 10 each			Freehold Property	90,000	26,000
Share Premium	300	—	Plant and Machinery	70,000	22,000
General Reserve	20,000	—	Stock	1,36,552	30,400
			Debtors	51,700	19,000
Profit and Loss A/c	33,730	—	Cash at Bank	67,348	—
8% Debenture	70,000		Profit and Loss A/c	—	27,200
10% Debentures		14,000			
Bank overdraft	—	1,200			
Creditors	11,570	51,400			
	4,35,600	1,44,600		4,35,600	1,44,600

The two companies decided to amalgamate and form a new company 'R Ltd'. with an authorised Share capital of Rs. 5,00,000 divdied in to equity shares of Rs. 10 each. The following terms were agreed pon:

In Case of P Ltd. :

(i) The new company of take over all assets and liabilities at book-values;

(ii) The new Company to issue 6 equity Shares of Rs. 10 each fully paid for every 5 Shares in P Ltd. and to pay Rs. 2,000 in cash, and.

(iii) The debenture-holders were to be allotted such 7% debetures in the new company as would bring the same amount of interest to them.

In Case of Q Ltd. :

(i) The New Company to takeover all assets and liabilities at book values;

(ii) The New Company to issue on equity Share of Rs. 10 each fully paid for every 3 Shares in Q Ltd. and to Pay Rs. 1,000 in cash; and.

(iii) Thd debeture holders were to be allotted such 7% debentures in the company as would bring the same amount of interest to them. Calculate the purchase consideration payable to P Ltd. and Q Ltd. and prepare necessary accounts in the books of these companies. Also draw up the balance-sheet of new company.

दोनों कम्पनियों के एकीकरण का निर्णय लिया और R Ltd. के नाम से एक नई कम्पनी का निर्माण किया जिसकी अधिकृत पूंजी 5,00,000 रु० 10 रु० वाले अंशों में विभाजित होगी। एकीकरण के सम्बन्ध में अग्रलिखित शर्तें तय हुई।

P. Ltd. की स्थिति में :

(i) नई कम्पनी समस्त सम्पत्तियों एवं दायित्वों को पुस्तक मूल्य पर खरीदेगी।

(ii) नई कम्पनी P Ltd. के प्रत्येक 5 अंशों के लिए 10 रु० वाले 6 पूर्णदत्त अंश निर्गमित करेगी तथा 2,000 रु० नकद देगी : और

(iii) ऋणपत्र धारियों को नयी कम्पनी में इतनी राशि के 7% ऋणपत्र आबंटित किए जाएंगे जिनसे उनहें पहले वाला ही ब्याज।

Q Ltd. की स्थिति में :

(i) नई कम्पनी सभी सम्पत्तियां तथा दायित्व पुस्तक मूल्य पर लेगी।

(ii) नई कम्पनी Q Ltd. के प्रत्येक 3 अंशों के लिए 10 रु० वाला एक पूर्ण चुकता अंश निर्गमित करेगी तथा 1,000 रु० नकद देगी।

(iii) ऋणपत्र धारियों को 70% ब्याज वाले ऐसे ऋणपत्र दिए जायेंगे कि उन्हें पहले जैसा ब्याज प्राप्त हो सकें।

P Ltd. और Q Ltd. को देय क्रय–प्रतिफल की गणना कीजिए तथा इन दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइए। नई कम्पनी का चिट्ठा भी तैयार कीजिए।

Ans : Purchase Consideration : P Ltd. Rs. 3,62,000 Q Ltd. Rs. 27,000 Profit on Realisation to P Ltd. Rs. 7,970; loss on Realisation to Q Ltd. Rs. 23,800. Total of Balance-Sheet of R Ltd. Rs. 5,48,970 (after payment of Bank-over draft)

Note : It is an amalgamation in the nature of purchase because the debentures of the transferor company are being recorded at revised values in the books of transfere compay. (3)

(i) Debentures interest in case of P Ltd. $70,000 \times \frac{8}{100}$ = Rs. 5600

Amount of New 7% Debetures in order to maintain the same amount of interest = $\frac{5600}{7} \times 100$ = Rs. 80,000

(ii) Debetures interest in case of Q Ltd. = $14,000 \times \frac{10}{100} = 1400$

Amount of new Debentures = $\frac{1400}{7} \times 100$ = Rs. 20,000

(2) Purchase consideration

	P Ltd.		Q Ltd.
	Rs.		**Rs.**
Share Capital $\frac{6}{5} \times 30,000 \times 10$	3,60,000	$\frac{1}{3} \times 7,800 \times 10$	26,000
Cash	2,000		1,000
Total purchase consideration	3,62,000		27,000

Problem 7. X Ltd sells its business of Y Ltd. as on March 31 st, 1982 on which date its Balance-Sheet was an under :

	Rs.		Rs.
Paid up Capital		Goodwill	30,000
1,200 shares of Rs. 100 each	1,20,000		
Investment Allowance Reserve	10,000	Building	90,000
Reserve Fund	20,000	Furniture	49,800

Profit and Loss A/c	12,000	Stock	21,000
Debentures	60,000	Bill Receivable	2,700
		Sundry Debtors	16,500
Sundry Creditors	18,000	Cash at Bank	30,000
	2,40,000		2,40,000

Y Ltd. agreed to take over the assets (exclusive of cash and goodwill) at 10% less then the book-values, to pay Rs. 45,000 for goodwill and to take over the debentures, trade liabilities. The purchase consideration was to be discharged by the allotment to X Ltd. of 900 shares of Rs. 100 each at a premium of Rs. 10 per share and the balance in cash. The cost of liquidation amounted to Rs. 1,800. Show the necessary accounts in the books of X Ltd. and pass entries recording the transactions in the books of Y Ltd.

Y Ltd. ने समस्त सम्पत्तियों को (रोकड़ एवं ख्याति को छोड़कर) पुस्तक मूल्य से 10% कम पर लेने का तथा 45,000 रु० ख्याति के लिए तथा ऋणपत्रों तथा व्यापारिक दायित्वों को ले लेने का समझौता किया। क्रय प्रतिफल का भुगतान X Ltd. को 100 रु० वाले 10% प्रीमियम पर 900 अंश आबंटित करके होगा और शेष नकद भुगतान होगा। समापन व्यय 1,800 रु० हुआ

Ans. Purchase consideration Rs. 1,29,000 in shares Rs. 99,000 and in cash Rs. 30,000 Amalgamated Adjustment A/c Rs. 10,000 Loss an Realisation Rs. 4,800 Goodwill in the books of Y Ltd. Rs. 45,000.

Note : (i) It has been assumed that liquidation expenses are borne by X Ltd.

(ii) Bank balance is not be transferred to Realisation A/c as this asset has not been taken over by Y Ltd.

(iii) It is the case of amalgamation in the nature of purchase.

Problem 8. Amalgamation in the nature of purchase the position of P Ltd. And Q Ltd is as follows:

Liabilities	P Ltd.	Q Ltd.	Assets	P Ltd.	Q Ltd.
	Rs.	**Rs.**		**Rs.**	**Rs.**
Nominal capital			Fixed assets	6,00,000	10,00,000
shares of Rs. 10 each	10,00,000	20,00,000	Debtors	3,00,000	1,80,000
Issued Capital :			Stock	4,00,000	3,20,000
Shares of Rs. 10 each					
fully paid	10,00,000	14,00,000			
Statutory Reserve	12,500		Goodwill	2,00,000	3,50,000
5% Debentures	3,00,000	—	Cash at Bank	—	2,50,000
Creditors	5,00,000	4,00,000	Profit and Loss A/c	3,12,500	
Profit and Loss A/c	—	3,00,000			
	18,12,500	21,00,000		18,12,500	21,00,000

Q Ltd. agreed to absorb P Ltd. on the following terms :

(i) The shares in P Ltd. are to be considered as worth Rs. 850 and the shares in Q Ltd. worth Rs. 12.50.

(ii) The purchase consideration as in (i) above to be paid $\frac{1}{5}$th in cash and the balance in shares in Q Ltd.

(iii) The debenture holders in P Ltd. agreed to take Rs. 98 of 7% Debentures of Q Ltd. for every Rs. 100 of 5% Debentures in P Ltd.

(iv) Q Ltd. to pay the cost of winding up Rs. 8,500 show necessary entries in the Journal of both the companies and also the Balance-sheet of Q Ltd. after absorption.

Q Ltd., P Ltd. का निम्नलिखित शर्तों पर संविलयन करने के लिए सहमत हुई—

(i) P Ltd. के अंश 8.50 रु० मूल्य के माने जाएंगे और Q Ltd. के अंश का मूल्य 12.50 रु० माना जाए।

(ii) उपरोक्त (i) में निश्चित क्रय प्रतिफल का भुगतान 1/5 नकद में तथा शेष Q Ltd. के अंशों द्वारा किया जाएगा।

(iv) 8,500 रु० समापन व्ययों का भुगतान Q Ltd. द्वारा किया जाएगा। दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए तथा संविलयन के पश्चात् Q Ltd. का चिट्ठा भी बनाइए।

Ans. Purchase consideration for P Ltd. : Rs. 8,50,000

Payable in shares Rs. 6,80,000; cash Rs. 1,70,000 Profit on Realisation Rs. 1,50,000; Amalgamated Adjustment A/c Rs. 12,500, No. of shares given 54,400 i.e. Rs. 6,80,000 ÷ 12.50, share premium 5,4400 × 250 = Rs. 1,36,000.

(Amalgamation in the nature of merger)

Problem 9. R Ltd. has on 30th June, 1997 an issued capital of 40,000 shares of Rs. 100 each Rs. 60 paid. Its reserves amount to Rs. 2,400,000. S Ltd. takes over the business of R Ltd. on 30th June, 1997 on the basis of allotment of one share in S Ltd. for every 3 shares in R Ltd. The share capital of S Ltd. Consists of 1,20,000 shares of Rs. 100 each, Rs. 70 paid up. The shares are quoted at 270 in the market. The Reserves of S Ltd. were Rs. 60,00,000.

On 31st December, 1997 the shareholders of the S Ltd. were paid dividend for the whole of the year, 1997 at the rate of Rs. 40 per share. Journalise the entries in the books of S Ltd. assuming that fraction of shaer was paid in cash to the liquidator of R Ltd. for purchase consideration.

30 जून, 1997 को R Ltd. की निर्गमित पूंजी 100 रु० वाले 40,000 अंशों में विभक्त थी जिन पर 60 रु० प्रति अंश चुकता थे। इस कम्पनी के कोष 24,00,000 रु० के थे। 30 जून, 1997 को R Ltd. के व्यवसाय को S Ltd. ने खरीद जिया और R Ltd. के 3 अंशों के बदले में S Ltd. ने 1 अंश दिया। S Ltd. की अंशपूंजी 1,20,000 अंश थी जो 100 रु० वाले (जिन पर 70 रु० चुकता थे) अंशों में विभाजित थी। बाजार में इन अंशों का मूल्य 270 रु० प्रति अंश था। S Ltd. के कोष 60,00,000 रु० थे।

31 दिसम्बर, 1997 को S Ltd. के अंशधारियों को 40 रु० प्रति अंश की दर से पूरे वर्ष का लाभांश दिया गया। S Ltd. की पुस्तकों में जर्नल के लेखे कीजिए, यह मानते हुए कि अंश के हिस्से के लिए R Ltd. के निस्तारक को क्रय मूल्य में जोड़कर नकर रुपया दिया गया।

Ans. Purchase Consideration: Rs. 9,33,400

Hints : $\frac{40,000 \times 1}{3} = 13,333$ Shares

	Rs.
Shares capital 13,333 shares × 70	9,33,310
Cash $\frac{1}{3} \times 270$ (Market value)	90
	9,33,400

Note :

Calculation of balance of Reserves (verifications)

	Rs.
Purchase consideration (क्रय प्रतिफल)	9,33,400
Less share capital of R Ltd.	24,00,000

R Ltd. के कुल कोष : 24,00,000 + 14,66,000	14,66,600

= 38,66,600 रु०

(Amalgamation in the nature of Purchase)

Problem 10. Alfa Ltd. goes into liquidation on 31st March, 1998, having assets apprearing in the books as follows :

Works and other properties Rs. 54,000; Liquid Assets Rs. 6,000. Its liabilities are Rs. 12,000 and its capital (paid up) Rs. 60,000. The assets are sold to a new company for Rs. 43,200, Rs. 30,000 payable in shares of the company for Rs. one each credited with 75 paisa per share paid up and Rs. 13,200 in cash, which later just suffices to pay the liabilities and cost of liquidation. Close the books of the company in liquidation.

Alfa Ltd. का 31 मार्च, 1998 को समापन हो जाता है, इस तिथि को इसकी पुस्तकों में निम्न सम्पत्तियां थीं—

वर्क्स एवं अन्य सम्पत्तियां 54,000 रु०; तरल सम्पत्तियां 6,000 रु०। इसके दायित्व 12,000 रु० है और चुकता पूंजी 60,000 रु० है। सम्पत्तियां एक नई कम्पनी को 43,200 रु० में बेच दी गई, जिसमें से 30,000 अंश मिलेंगे (प्रत्येक अंश 1 रु० का है, जिसमें से प्रतिअंश 75 पैसा चुकता है) और 13,200 रु० नकद मिलेंगे, जोकि दायित्वों तथा समापन व्ययों का भुगतान करने को पर्याप्त रहे। समापन होने वाली कम्पनी की पुस्तकें बनाइए।

Ans. Purchase consideration Rs. 43,200; Loss an Realisation Rs. 18,000; The Dr. balance of P&L A/c Rs. 12,000.

[B. Com. M.D.U. 1997; B. Com. M.D.D. 2000 modified]

Hints : The Dr. Balance of P & L A/c is calculated as below:

Balance-sheet of Alfa Ltd.

	Rs.		Rs.
Share Capital	60,000	Works & Properties	54,000
Sundry ueasietied	12,000	Liquid Assets	6,000
		P & L A/c (Balancing figure)	12,000
	72,000		72,000

(Amalgamation in the nature of merger)

Problem 11. Hero Ltd. having a capital of Rs. 4,50,000 divided into 9,000 shares of Rs. 50 each (Rs. 40 paid up and reserve fund of Rs. 90,000 was absorbed by the Zero Ltd. having a capital of Rs. 12,00,000 divided into 40,000 shares of Rs. 30 each (Rs. 25 paid up) and reserve fund of Rs. 2,00,000 on the term that for every three shares in the absorbed company, the absorbing company was to give five shares partly paid at its original cost.

Give Journal Entries in the books of absorbing company and prepare its balance-sheet after the absorption.

Hero Ltd. का संविलयन Zero Ltd. द्वारा किया गया। Hero Ltd. की पूंजी 4,50,000 रु० थी जो 50 रु० वाले 9,000 अंशों में विभक्त थी प्रति अंश 40 रु० चुकता थे। इसका संचय कोष 90,000 रु० था। Zero Ltd. की पूंजी 12,00,000 रु० की थी जोकि 30 रु० वाले 40,000 अंशों में विभक्त थी। प्रति अंश 25 रु० चुकता थे। इसका संचय कोष 2,00,000 रु० थी। संविलयन की शर्त यह थी कि जिस कम्पनी का संविलयन हुआ है उसके तीन अंशों के बदले में क्रेता कम्पनी को अपने आंशिक पत्र 5 अंश मूल लागत पर देने पड़ेंगे। संविलयन होने वाली कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल लेखे कीजिए एवं संविलयन के पश्चात् कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

Ans. Purchase consideration Rs. 3,75,000; Loss an Realisation Rs. 75,000; Total of Balance-sheet of Zero Ltd. Rs. 16,50,000; Reserves in the books of Zero Ltd. Rs. 75,000.

Note : It is a case of amalgamation in the nature of merger because the assets of transferor company are being recorded book values in the books of transferee company. Purchase consideration has also been discharged by the transferee company wholly by the issue of Shares.

आन्तरिक पुनर्निमाण (Internal Reconstruction)

Problem 12. The balance-sheet of X Ltd. as at 31st March, 1998 was as follows :

	Rs.		Rs.
Share Capital %			
1200 6% Preference Shares of Rs. 100		Plant and Machinery	1,80,000
each.	1,20,000	Buildings	1,20,000
		Goodwill at Cost	9,000
2,400 equity shares of Rs. 100 each	2,40,000	Stock	30,000
8% Mortgage Debentures	60,000	Debtors	24,000
Bank-overdraft	30,000	Profit and Loss A/c	1,47,000
Creditors	60,000		
	5,10,000		5,10,000

The company got the following scheme of Capital reduction approved by the court :

(i) The Equity shares to be reduced to Rs. 37.50 and preference shares to Rs. 75 per share fully paid up.

(ii) Buildings to be depreciated by 50%.

(iii) The value of Plant and Machinery to be increased by Rs. 30,000

(iv) The Debenture holders took over the stock and the debtors in full satisfaction of the amount due to them.

Give Journal Entries for the above and prepare the revised Balance-sheet.

कम्पनी ने निम्नलिखित योजना की स्वीकृति न्यायालय से ली–

(i) समता अंश की राशि घटकर 37.50 रु० तथा पूर्वाधिकार अंश की राशि घटकर 75 रु० रह जाएगी और इन्हें पूर्ण चुकता माना जाएगा।

(ii) भवन पर 50% ह्रास लगाया जाएगा।

(iii) प्लान्ट एवं मशीनरी का मूल्य 30,000 रु० से बढ़ाया जाएगा।

(iv) ऋणपत्रधारियों ने अपनी राशि के पूर्ण भुगतान में स्टाक एवं देनदारों की राशि को ले लिया।

जर्नल प्रविष्टियां बनाइए तथा कम्पनी का संशोधित चिट्ठा बनाइए।

Ans. Total balance-sheet—Rs. 2,70,000

Problem 13. The Balance-sheet of P Ltd. as on 31 st December, 1997 was as follows :

	Rs.		Rs.
Share capital :			
Authorised, issued and subscribed:		Goodwill at cost	1,44,000
7200 $3\frac{1}{2}$ % Preference shaers of Rs.		Machinery	
100 each	7,20,000	Buildings	11,40,000
1,30,000 equity shares of Rs. 10 each	13,20,000	Stock	1,68,000
		Debtors	1,08,000
Share Premium	1,92,000	Preliminary expenses	60,000
Creditors	1,92,000	Profit and Loss A/c	4,20,000
	24,24,000		24,24,000

Dividend as preference shares is in arrear from 1 Jan, 1995.

The following schares of Reconstruction was approved.

(1) Preference shaers to be reduced to Rs. 80 each and equity shares to Rs. 5 each fully paid.

(2) One Rs. 5 equity share to be issued for each Rs. 10 of gross preference dividend in arrears.

(3) Goodwill, Preliminary expenses, Debit balance of Profit and Loss A/c and Share premium A/c to be written off.

(4) Buildings to be written down by Rs. 2,52,000.

(5) The authorised share capital to be restored to its original figure.

Give Journal Entries to implement the above scheme and give balance-sheet after it.

पूर्वाधिकार अंशों पर 1 जनवरी, 1995 से लाभांश बकाया है। पुनर्निर्माण की योजना के अन्तर्गत निम्न शर्तें तय की गई–

(1) पूर्वाधिकार अंशों को 80 रु० प्रति अंश और समता अंशों को 5 रु० प्रति अंश पूर्णदत्त पर कम करना है।

(2) पूर्वाधिकार अंशों पर प्रति 10 रु० बकाया लाभांश हेतु 5 रु० का एक समता अंश निर्गमित करना है।

(3) ख्याति, प्रारम्भिक खर्चे, लाभ हानि खाते का डेबिट शेष और अंश प्रीमियम खाते को अपलिखित करना है।

(4) अधिकृत पूंजी को उसकी मूल राशि पर लाना है।

उपरोक्त योजना को लागू करने के लिए आवश्यक प्रविष्टियां बनाइए तथा उसके पश्चात् का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

Ans. Total of balance-sheet of P Ltd. : Rs. 15,48,000.

Problem 14. On the reconstruction of a company, the following terms were agreed upon :

(a) The shareholders to receive in lieu of their present holding *viz.*, 50,000 shares of Rs. 10 each, the following :

(i) Fully paid ordinary shares equal to $\frac{2}{5}$th of their holding.

(ii) 5% preference shares fully paid, to the extent of $\frac{1}{5}$th of the above new ordinary shares.

(iii) Rs. 60,000 6% second debentuers.

(b) An issue of Rs. 50,000 5% first debentures was made and allotted, payment for the same having been received in cash.

(c) The Goodwill, which stood at Rs. 3,00,000 was written down to Rs. 1,50,000.

(d) The Plant and machinery which stood at Rs. 1,00,000 was written down to Rs. 75,000.

(e) Premises written down from Rs. 1,75,000 to Rs. 1,50,000.

Pass Journal Entries in the books of the company for the above reconstruction.

एक कम्पनी के निम्न पुनर्निर्माण की योजना स्वीकृति की गई है–

(i) अंशधारी अपने 50,000 अंशों के बदले (प्रत्येक 10 रु० वाला) निम्न प्राप्त करेंगे–

(अ) वर्तमान धारिता राशि $\frac{2}{5}$ के लिए पूर्णचुकता समता अंश।

(ब) उपरोक्त नए साधारण अंशों के $\frac{1}{5}$ मूल्य के बराबर 5% पूर्णचुकता पूर्वाधिकार अंश।

(स) 60,000 रु० के 6% द्वितीय ऋणपत्र।

(ii) 50,000 रु० के 5% प्रथम ऋणपत्र निर्गमित किए गये और उनके प्रति पूर्ण नकद भुगतान हो गया।

(iii) ख्याति जो 3,00,000 रु. पर पुस्तकों में थी, उसे अपलिखित पर 1,50,000 रु० पर लाया गया।

(iv) प्लान्ट एवं मशीनरी जो पुस्तकों में 1,00,000 रु. पर थी, उसे उपलिखित कर 75,000 रु. पर लाया गया।

(v) भवन जो पुस्तकों में 1,75,000 रु. था, अपलिखित कर 1,50,000 रु. पर लाया गया।

उपरोक्त पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां बनाइए।

Ans. Capital Reduction Account Utilised to write off various amounts Rs. 2,00,000.

Problem 15. The following is the balance-sheet of X Ltd. as at 31 March, 1997.

	Rs.		Rs.
Share Capital :			
6,0006% preference shares of Rs. 100		Good Will	72,000
each	6,00,000	Land and Buildings	90,000
6000 equity shares of Rs. 100 each	6,00,000	Plant and Machinery	1,32,000
	12,00,000	Patents	30,000
		Stock	96,000
Issued and subscribed capital 2400 6%		Debtors	72,000
preference shares of Rs. 100 each	2,40,000	Cash at Bank	4,800
3,600 equity shars Rs. 100 each	3,60,000	Preliminary expenses	12,000
Profit prior to incorporation	18,000	Profit and Loss A/c	4,63,200
5% Debentures	1,20,000		
Creditors	1,80,000		
Provision for tax	54,000		
	9,72,000		9,72,000

Note : Preference share dividend. is in arrears for Rs. 21,600.

It is hoped that the worst time is over and the company would start Earning profits after reconstruction. For this purpose revaluation of assets reveals the following:

Land and buildings—Rs. 1,20,000; Plant and machinery—Rs. 96,000;

Patents Rs. 6,000; Stock Rs. 78,000; debtors—Rs. 66,000.

The following scheme is prepared and approved by the court :

(i) The 6% preference shares to be reduced to Rs. 30 each fully paid, the rate of dividend being increased to $7\frac{1}{2}\%$.

(ii) The arrears of preference dividend be cancelled.

(iii) The equity shares be reduced to Rs. 5 each fully paid.

(iv) The creditors be given the option to either accept 50% of their claims in cash or to convert their claims into equity shares of Rs. each.

(v) The revaluation of assets be adopted.

One third (in value) of the creditors accepted equaty shares of their claims. The rest were paid cash which was raised by issuing 20,400 fully paid equity shares to the existing equity shareholders. All shares were-then consolidated or sub-divided in to shares of Rs: 10 each.

Assuming that the re-construction scheme was duly carried our Journalise the above transactions and give the revised Balance-sheet.

The provision for tax may be utilised if necessary.

यह आशा की जाती है कि खराब समय व्यतीत हो गया है और अब कम्पनी पुनर्निर्माण के बाद लाभ कमाना प्रारम्भ कर देगी। इस कार्य के लिए सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन निम्नलिखित स्थिति बताते हैं—

भूमि एवं भवन 1,20,000 रु.; प्लान्ट एवं मशीनरी 96,000 रु.; पेटेन्टस 6,000 रु. स्टाक 78,000 रु. देनदार 66,000 रु. निम्नलिखित योजना को न्यायालय में स्वीकृति प्राप्त हुई—

(i) 6% पूर्वाधिकार अंशों को 30 रु. (पूर्णचुकता) तक कम कर दिया जाए; किन्तु लाभांश की दर $6\frac{1}{2}$ तक बढ़ा दी जाए।

(ii) पूर्वाधिकार लाभांश की बकाया राशि को रद्द कर दिया जाए।

(iii) समता अंशों को 5 रु. तक घटा दिया जाए।

(iv) लेनदारें को विकल्प दिया जाए कि वे या तो अपने दावों का 50% नकद में प्राप्त कर लें अथवा अपने पावों को 5 रु. वाले समता अंशों में परिवर्तन कर लें।

(v) सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन को अपनाया जाए।

$\frac{1}{3}$ लेनदारों ने अपने दावों के लिए समता अंश स्वीकृति किए। बाकी लेनदारों को नकद भुगतान किया गया। इस कार्य के लिए 20,000 पूर्णदत्त समता अंश वर्तमान अंशधारियों को निर्गमित किए गये। तत्पश्चात् सभी अंशों को प्रत्येक 10 रु. वाले अंशों में एकीकरण या उपविभाजित किया गया।

यह मानते हुए पुनर्निर्माण योजना को कार्यान्वित कर दिया गया, उपरोक्त कार्यवाहियों के लिए जर्नल प्रविष्टियां कीजिए तथा संशोधित चिट्ठा बनाइए। यदि आवश्यक हो तो कर के लिए आयोजन का भी उपयोग किया जा सकता है।

❒

Bank's Balance Sheet

As at 30th June, 2000

(If A becomes insolvent on 30th April, 2000)

				Rs.
		Loans		3,49,440
		Particulars :	Rs.	
		Debts considered good & fully secured	3,49,440	
		Debts good and secured by personal security of the Debtor	1,00,000	
				3,49,440

Bank's Balance Sheet

As on 30th June, 2000

(If both become insolvent on 30th A)

				Rs.
		Loans		4,49,440*
		Particulars :		Rs.
		Debts considered good & fully secured securerd	3,49,440	
		Bad Debts	95,760	
				4,45,200

*$4,45,200 \times \frac{6}{100}$ = Rs. 24,000; Rs. (4,00,000 + 24,000) = Rs. 4,24,000

*$4,24,000 \times \frac{6}{100} \times \frac{10}{12}$ = Rs. 21,000 Interest has been calculated for 10 months because both of them became insolvent on 30th April, 2000. From 1st July, 1998, upto 30th April, 2000 there are 10 months.

अवधि से पूर्व भुनाये गये बिलों पर कटौती
(Rebate on Bills Discounted or Unexpired Discount)

बैंक अपने ग्राहकों के विपत्रों का मितिकाटा करके उनकी सहायता करते हैं। बैंक बिल भुनाते समय सम्पूर्ण अवधि की कटौती काट लेते हैं लेकिन चालू वर्ष में बैंक उतनी ही कटौती का अधिकारी है जिसका सम्बन्ध चालू वर्ष से है। अतः कटौती की रकम का वह भाग जो अगले वर्ष से सम्बन्धित है स्थिति विवरण में 'अन्य दायित्व' शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है क्योंकि यह पूर्व प्राप्त कटौती या असमाप्त कटौती है।

इस सन्दर्भ में बैंकों द्वारा निम्न लेखे बनाये जाते हैं :

जब भुनाये गये बिलों में से कुछ लेखा अवधि के बाद में परिपक्व होते हों :

Bills Discounted Account	Dr.	(full value)
To Discount Account		(discounted value)

To Discount Account (discount amount actually earned)

To Rebate on Bills Discount (unexpired discount)

अगले वर्ष के प्रारम्भ में निम्न लेखा बनाया जाता है :

Rebate on Bills discounted Account Dr.

To Discount Account

Illustration 3.

		Rs.	Rs.
31.3.99	Bills Discounted Account Dr.	25,00,000	
	To Customer's Account		24,50,000
	To Discount Account		30,000
	To Rebate on Bills discounted Account		20,000
	(Being bills discounted)		
1.4.99	Rebate on Bills Discounted Account Dr.	20,000	
	To Discount Account	20,000	
	(Being transferring Rebate on Bills Discounted Account to Discount Account)		

Illustration 4.

The following is an extract from Trial Balance of Overseas Bank Ltd. as at 31 st March, 2000

	Rs.	Rs.
Bill discounted	12,64,000	
Rebate on bills discounted note due on March 31st, 1999		22,160
Discount received		1,05,708

An analysis of the bills discounted is as follows :

Amoun		Due Date	Rate of Discount
	Rs.	2000	(%)
(i)	1,40,000	June 5	14
(ii)	4,36,000	June 12	14
(iii)	2,82,000	June 25	14
(iv)	4,06,000	June 6	16

Calculate Rebate on Bills Discounted as on 31.3.2000 and show necessary journal entries.

Solution.

In order to detennine the amount to be credited to the Profit and Loss Account it is necessary to first as certain the amount attributable to the unexpired portion of the period of the respective bills. The workings are as given below:

(i) The bill is due on 5th June, hence the number of days after March 31st, is 66. The discount on Rs. 1,40,000 for 66 day @ 14% per annum will be 14/100 × 66/365 × 1,40,000 = Rs. 3,544.

(ii) number of days in the unexpired portion of the bill is 73 : discount of Rs. 4,36,000 for 73 days @ 14% per annum will be Rs. 12,208.

(iii) number of days in the unexpired portion of the period 8 bill is 86 : discount on Rs. 2,82,000 for 86 days @ 14% per annum will be Rs. 9,302.

(iv) number of days in the unexpired portion of the period of the bill is 97 : discount on Rs. 4,06,000 for 97 days @ 16% p.a. will be Rs. 17,263.

The total discount attributable to the period not yet expired will be Rs. 42,317, the total of the four amounts mentioned above.

The amount of discount to be credited to the Profit and Loss Account will be :

	Rs.
Transfer from Rebate on bills discounted as on 31.3.99	22,160
Add : Discount received during the year ended 31.3.2000	1,05,708
	1,27,868
Less : Rebate on the bills discounted as on 31.3.2000 (see above)	42,317
	85,551

The Journal entries will be as follows :

		Rs.	Rs.
Rebate on Bills Discounted Account	Dr.	22,160	
To Discount on Bills Account			22,160
(Being the transfer of Rebate on Bills Discounted on 31.3.1999 to Discount on Bills Account)			
Discount on Bills Account	Dr.	42,317	
To Rebate on Bills Discounted Account			42,317
(Being the transfer of rebate on bills discounted required on 31.3 .2000 from Discount on Bills Account)			
Discount on Bills Account	Dr.	85,551	
To Profit and Loss Account			85,551
Being the amount of discount on Bills transferred to Profit and Loss Account)			

Illustration 5.

The following particulars are extracted from the (Trial Balance) Books of Sound Bank Ltd. for the year ended 31st March, 1999.

		Rs.
1.	Interest and Discounts	19,66,240
2.	Rebate on Bills discounted (balance on 1.4.98)	6,504
3.	Bills Discounted and Purchased	6,74,540

It is ascertained that proportionate discount not yet earned on the Bills discounted which will mature during next year amounted to Rs. 9,276.

Pass the necessary journal entries adjusting the above and show :

(a) Rebate on Bills Discounted Account; and (b) Interest and Discount in the Ledger of the Bank.

Solution.

			Rs.	Rs.
1999				
March 31	Rebate on Bills Discount Account	Dr.	6,504	
	To Interest & Discount Account			6,504
	(The amount of provision for unexpired discount brought forward from the previous year, credited to Interest & Discount Account)			
	Interest & Discount Account	Dr.	9,276	
	To Rebate on Bills Discounted			9,276
	(Provision for unexpired discount required at the end of current year)			

REBATE ON BILL DISCOUNTED ACCOUNT

1999		Rs.	1999		Rs.
March 31	To Interest & Discount Accoun	6,504	April 1	By Balance b/d	6,504
	To Balance c/d	9,276		By Interest & Discount Account	
				(rebate required)	9,276
		15,780			15,780
			1999		
			April 1	By Balance b/d	9,276

INTEREST & DISCOUNT ACCOUNT

1999		Rs.			
March 31	To Rebate on Bills discounted	9,276	March 31	By Cash & Sundries	19,66,240
	To Profit & Loss Account			By Rebate on Bills discounted	
	(transfer)	19,63,468			
		19,72,744			19,72,744

3. **वसूली के लिए बिल (Bills for Collection)**—जब भी व्यापारी बाहरी ग्राहकों को माल बेचता है तो सामान्यतः उन पर एक बिल लिखा जाता है तथा उसी के साथ LC/RR आदि प्रपत्र इस शर्त पर भेजे जाते हैं कि बैंक उनको वसूल कर ले। ऐसे बिल बैंक द्वारा OBC (Outstanding Bills for Collection) माने जाते हैं जिनके लिए बैंक एक पथक रजिस्टर बनाता है। जब भी कोई बिल वसूली के लिए आता है तो उसका लेखा इस रजिस्टर में कर लिया जाता है।

4. **ग्राहकों की ओर से स्वीकृतियां एवं बेचान (Customer's Acceptance, Endorsement and other Obligations)**—इस शीर्षक में उन बिलों की रकम दिखलाई जाती है जो बैंक ने अपने ग्राहकों की ओर से स्वीकार किए हैं या बेचान किए हैं। विदेशी व्यापार में सहायता करने वाले बैंकों में यह कार्य अधिक होता है। इस रकम को बैंक के स्थिति–विवरण में देयता पक्ष में दिखलाया जाता है और सम्पत्ति पक्ष में भी दिखाया जाता है। देयता पक्ष में इसे इसलिए दिखाया जाता है क्योंकि बैंक को इसका भुगतान करना है और सम्पत्ति पक्ष में इसे इसलिए दिखाया जाता है क्योंकि उन ग्राहकों से यह रकम वसूल की जानी है जिनके लिए ये स्वीकृतियों दी गई है।

5. **याचना राशि (Money at Call and Short Notice)**—इस शीर्षक में उन सभी राशियों को शामिल करते हैं जो मांगने पर तुरन्त मिल जाती हैं। जब एक बैंक को अल्पवधि के लिए तुरन्त ऋण की आवश्यकता होती हैं तो वह दूसरे बैंक से इसे लेता है। ये ऋण अधिक 31 दिन के हो सकते हैं। सामान्यतः ये 3 दिन से एक सप्ताह के लिए ही जाते हैं। ऋण देने वाला बैंक इनको अपनी सम्पत्ति के रूप में दिखाता हैं इस काम में अनेक दलालों की सेवायें ली जाती हैं। ये बैंकों से अपनी सेवाओं के लिए 1/2% कमीशन दोनों ओर से लेते हैं। इन ऋणों पर ब्याज की दर बहुत अधिक रहती है। कभी–कभी यह दर 30-35% तक देखी गई है।

Illustration 6.

From the following information, prepare Profit and Loss Acocunt of Modern Bank Ltd. as on 31.3.2000.

'000 Rs. 1998-99	Items	'000 Rs. 1999-2000
14,27	Interest and Discount	20,45
1,14	Income from Investments	1,12
1,55	Interest on Balances with RBI	1,77
7,22	Commission, Exchange and Brokerage	7,12
12	Profit on sale of investments	1,22
6,12	Interest on Deposit	8,22
1,27	Interest on RBI	1,47
7,27	Payment to and Provision for Employees	8,55
1,58	Rent, Taxes and Lighting	1,79
1,47	Printing and Stationery	2,12
1,12	Advertisement and Publicity	98
98	Depreciation	98
1,48	Director's Fees	2,12
1,10	Auditor's Fees	1,10
50	Law Charges	1,52
48	Postage, Telegrams and Telephones	62
42	Insurance	52

57	Repair & Maintenance	66

Also give necessary Schedules

Other Information :

(i) The following items are already adjusted with Interest and Discount (Cr.)

Tax Provision ('000 Rs.)	1,48
Provision for Doubtful Debts ('000 Rs.)	92
Loss on sale of investments ('000 Rs.)	12
Rebate on Bills Discounted ('000 Rs.)	55

(ii) **Appropriaiton :**

20% of profit is transferred to Statutory Reserves

5% of profit is transferred to Revenue Reserve.

Solution.

Modern Bank Ltd.
Profit and Loss Account
for the year ended 31.3.2000

('000 omitted)

	Schedule No.	Year Ended 31.3.2000	Year Ended 31.3.1999
1. Income			
Interest Earned	13	26,41	16,96
Other Income	14	8,22	7,34
Total		34,63	24,30
II. Expenditure			
Interest Expended	15	9,69	7,39
Operating Expenses	16	20,96	16,97
Provision and Contingencies		2,95	
Total		33,60	24,36
III. Profit/Loss			
Net Profit/Loss (–) for the year		1,30	(6)
Profit/Loss (–) brought forward		(6)	
Total		97	(6)
IV. Appropriations			
Transfer to Statutory Reserve		20,60	
Transfer to Other Reserve, Proposed Dividend		5,15	

Balance carned over to Balance Sheet		7,125	
Total		97,00	

Schedule 13 - Interest Earned

(‘000 omitted)

		Year Ended 31.3.2000	Year Ended 31.3.1999
I. Interest/Discount		23,52	14,27
II. Income on Investments		1,12	1,14
III. Interest on Balances with RBI and other inter-bank fund		1,77	1,55
IV. Others		—	—
Total		26,41	16,96

Schedule 14 - Other Income

1. Commission, Exchange and Brokerage		7,12	7,22
II. Profit on Sale of Investments	1,22		
Less: Loss on Sale of Investments	12	1,10	12
Total		8,22	7,34

Schedule 15 - Interest Expended

I. Interest on Deposits	8,22	6,12
II. Interest on RBI/inter-Bank borrowings	1,47	1,27
Total	9,69	7,39

Schedule 16 - Operating Expenses

I.	Payments to and provision for employees		8,55	7,27
II.	Rent, Taxes and Lighting		1,79	1,58
III.	Printing and Stationery		2,12	1,47
IV.	Advertisement and Publicity		98	1,12
V.	Depreciation on the Bank’s Property		98	98
VI.	Director’s fees, allowances and expenses		2,12	1,48
VII.	Auditor’s fees and expenses (including branch auditors)		1,10	1,10
VIII.	Law Charges		1,52	50
IX.	Postage, Telegrams, Telephortes etc.		62	48
X.	Repairs and Maintenance		66	57
XI.	Insurance		52	42
XII.	Other Expenditure		—	—
	Total		20,96	16,97

Illustration 7.

From the following information, prepare profit and loss account of South Indian Bank Ltd. as on 31st March, 2000

	'000 Rs.
Interest and discount	30,45
Income from investments	1,15
Interest on balances with R.B.I.	1,80
Commission, exchange and brokerage	8,20
Profit on sale of investments	1,10
Interest on deposits	12,25
Interest to R.B.I.	1,61
Payment to and provision for employees	10,44
Rent, taxes and lighting	2,10
Printing and stationery	1,80
Advertisement and publicity	95
Depreciaiton	92
Director's fees	2,20
Auditor's fees	1,20
Law charges	2,30
Postage, telegrams and telephone	70
Insurance	56
Repairs and maintenance	48

Other Information :

(i) Interest and discount mentioned above is after adjustment for the following:

	'000 Rs.
Tax provision for the year	2,20
Provision during the year for doubtful debts	1,02
Loss on sale of investments	12
Rebate on bills discounted	58

(ii) 20% of profit is transferred to statutory reserves

5% of profit is transferred to revenue reserve

Profit brought forward from last year 16,000

[C.A. Inter]

Solution :

South India Bank Ltd.

Profit and Loss Account

for the year ended 31st March, 2000

('000 omitted)

	Schedule No.	Year Ended 31.3.93	Year Ended 31.3.92
1. Income			
Interest earned	13		37,32
Other Income	14		9,18
Total			46,50
2. Expenditure			
Interest expended	15		13,86
Operating expenses	16		23,65
Provision for contingencies [Rs. 200 + Rs. 102 + Rs. 58]			3,80
Total			41,31
3. Profit/Loss			
Net Profit for the year			5,19
Profit brought forward			16
Total			5,35
4. Appropriaitons			
Transfer to statutory reserve			1,04
Transfer to other Reserve, proposed dividend			26
Balance carried to balance sheet			4,05
Total			5,35

Schedule 13 - Interest Earned

1. Interest/Discount			34,37
2. Income on Investment			1,15
3. Interest on Balance with R.B.I. and other inter-bank fund			1,80
4. Others			—
Total			37,32

Schedule 14 - Other Income

1. Commission, Exchange and Brokerage			8,20
2. Profit on Sale of investments		1,10	
Less: Loss on sale of investments		12	
			98
			9,18

Schedule 15 - Interest expended

1. Interest on Deposits			12,25
2. Interest on RBI/Inter bank borrowings			1,6
			13,86

Schedule 16 - Operating expenses

1. Payments to and provision for employees			10,44
2. Rent, taxes and lighting			2,10
3. Printing and stationery			1,80
4. Advertisement and publicity			95
5. Depreciation on bank's property			92
6. Director's fees, allowances and expenses			2,20
7. Auditor's fee and expenses (including branch auditors)			1,20
8. Law charges			2,30
9. Postage, telegram, telephones etc.			70
10. Repairs and maintenance			48
11. Insurance			56
12. Other expenditure			—
			2,365

Illustration 2.

The following are the figures extracted from the books of Corporation Bank as on 31-3-1990.

	Rs.
Intesest and Discunt received	37,05,738
Interest Paid on Deposits	20,37,452
Issued and Subscribed Capital	10,00,000
Salaries and Allowances	2,00,000
Director's Fees and Allowances	30,000
Rent and Taxes Paid	90,000
Postage and Telegram	60,228
Statutory Reserve Fund	8,00,000

Commission, Exchange and Brokerage	1,90,000
Rent Received	65,000
Profit on Sale of investments	2,00,000
Depreciation on Bank's properties	30,000
Stationery Expenses	40,000
Preliminary Expenses	25,000
Auditor's Fees	5,000

The following further information is given :

(A) A custmor to whom a sum of Rs. 10 lakh has been advanced, has become insolvent and it is expected only 59% can be recovered from his estate.

(B) There were also other debts for which a provision of Rs. 1,50,000 was found necessary by the auditors.

(C) Rebate on Bill discounted on 31-3-89 was Rs. 12,000 and on 31-3-90 was Rs. 16,000.

(D) Provide Rs. 6,50,000 for income tax.

(E) The directors desire to declare 10% dividend.

Prepare the Profit and Loss Account of Corporation Bank for the year ended 31-3-90.

(अ) एक ग्राहक जिसे 10 लाख रु० का ऋण दिया गया है, दिवालिया हो गया है और उसकी सम्पत्ति से 50% प्राप्त होने की आशा है।

(ब) अन्य ऋणों के सम्बन्ध में अंकेक्षक द्वारा 1,50,000 रु० का प्रावधान आवश्यक माना गया।

(स) 31-3-1989 को भुनाये हुए बिलों पर असमाप्त कटौती 12,000 रु० थी तथा 31-3-900 को 16,000 रु० थी।

(द) आयकर के लिए 6,50,000 रु० प्रावधान कीजिए।

(य) संचालक 10% कर दर से लाभांश घोषित करना चाहते हैं।

31-3-1990 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कार्पोरेशन बैंक का लाभ हानि खाता बनाइए।

Solution :

CORPORATION BANK
PROFIT AND LOSS ACCOUNT

For the Year Ended 31-3-90

	Schedule No	Year Ended 31-3-90
INCOME		Rs.
Interest Earned		37,01,738
Other income	13	4,55,000
TOTAL	14	41,56,338

II EXPENDITURE			20,37,452
Interest expended			4,80,286
Operating expenses			13,00,000
Provisions and Contingencies		15	38,17,738
	TOTAL	16	3,39,000
PROFIT/ LOSS			
Net profit for the year			
IV APPROPRIATIONS			67,800
Transfer to Statutory Reserves @ 20%			
Proposed Dividend @ 10%			1,00,000
Balance carried over to Balance-Sheet			1,71,200
	TOTAL		3,39,000

SCHEDULE 13 : INTEREST EARNED

			Year Ended 31-3-92
			Rs.
I	Interest/Discount		37,01,738
		TOTAL	37,01,738

SCHEDULE 14 : OTHER INCOME

			Year Ended 31-3-92 Rs.
I	Commission Exchange and Broderage		1,90,000
II	Profit on Sale of Investment		2,00,000
III	Miscellaneous Income (Reng)		65,000
		TOTAL	4,55,000

SCHEDULE 15 : INTEREST EXPENDED

			Year Ended 31-3-90 Rs.
I	Interest on Deposits		20,37,452
		TOTAL	20,37,452

SCHEDULE 16 : OPERATING EXPENSES

		Year Ended 31-3-90 Rs.
I	Payment to and Provision for Employees	2,00,000
II	Rent, Taxes and Lighting	90,000
III	Stationery expenses	40,000
IV	Depreciation on Bank's Property	30,000
V	Director's Feex and Allowances	30,000
VI	Auditor's Fees	5,000
VII	Postage and Telegrams	60,286
VIII	Other expenditure (Preliminary expenses)	25,000
	TOTAL	4,80,286

SCHEDULE 15 : INTEREST EXPENDED

		Year Ended 31-3-98 Rs.
I	Interest on Deposits	'000'
		724

SCHEDULE 16 : OPERATING EXPENSES

		Year Ended 31-3-1998 Rs.
		'000'
I	Payments to and provisions for employees Salary and Allowances	300
II	Rent, Taxes and Lighting (30 +20)	50
III	Printing and Statonery	40
IV	Advertisement and Publicity	—
V	Depreciation on Bank's Property	—
VI	Director's Fees, Allowances and expenses	60
VII	Auditor's Fees and Expenses	20
VIII	Law Charges	—
IX	Postage, Telegram and Telephones	20
X	Repairs and Maintenance	—
XI	Insurance	—
XII	Other Expenditure	20
		510

Working Notes :—

1. Interest and Discount :
(Schedule 13)

		Rs.
Interest on Loan	600	
Less : Interest on Dubtful Debts wrongly Credited to Interest on Loan A/c	8	592
Interest on cash credits		480
Interest on Temporary overdraft In current Accounts		60
Discount on Bills (Gross)	304	
Less : Rebate on Bill Discounted	60	244
		1,376

2. Interest on Deposits
(Schedule 15)

	Rs.
Interest on Savings Bank Accounts	174
Interest on Fixed Deposits	550
	724

3. अशोध्य ऋण (Bad debts) को Provisions and Contingencies के अन्तर्गत दिखाया गया है।

4. Provision for tax is being calculated as under :—

	Rs. '000'
Total Income	1436
Less : Interest expended and operating expenses (724 + 510)	1234
	202
Less : Bad debts written off	80
Taxable profit	122.0
Provision for tax @ 55%	67.1

5. Provision and contingencies :—

	Rs.	In '000'
Bad debts	80,000	80
Provision for tax	67,100	67.1
	1,47,100	147.1

in '000'
147.1

Illustration 3

From the following balances, prepare the Balance-sheet of Corporation Bank as on 31 st March, 1997.

निम्नलिखित शेषों से कार्पोरेशन बैंक का 31 मार्च 1997 का आर्थिक चिट्‌ठा बनाइए।

	Rs.
Capital (50 per share called up)	25,00,000
Calls unpaid	4,500
Acceptances on behalf of customers	5,00,000
Bills for collection	75,000
Office furniture	1,70,000
Stamps and Stationery	40,000
Branch Adjustments (Dr.)	1,55,000
Bills Discounted	24,00,000
Investment at Market value Money at call	1,47,74,627
Statutouy Reserve Fund	1,75,000
Profit and Loss Account	25,000
Fixed Deposits	1,56,000
Cash with Banks	1,65,00,000
Current Accounts Bills Payble	15,80,000
Provident Fund	3,28,34,575
Unclaimed Dividend	10,500
Rebate on Bills Discounted	30,400
Cash credit and overdrafts	5,275
Cash in hand	16,148
Reserve Fund	1,37,48,336
Taxation Reserve	40,13,000
Contingency Reserve	5,75,000
Balance with R.B.I.	1,05,000
Loans	20,000
	18,17,435
	1,30,00,00

Solution :

BALANCE SHEET OF CORPORATION BANK
As on 31st March, 1997

	Schedule No.	As. On 31.3.1997
Capital and Liabilities		Rs.
Capital	1	24,95,500
Reserve and Surplus	2	7,56,000

Deposits	3	4,93,34,575
Borrowing	4	—
Other liabilities and Provision	5	1,87,323
Total		5,27,73,398
Assets :	6	5,83,0,435
Cash and Balance with Reserve Bank of India	7	17,55,000
Balance with Banks and Money at call and short notic	8	1,47,74,627
Investments	9	2,91,48,336
Advances	10	10,70,000
Fixed Assets	11	1,95,500
Other Assets		5,27,73,398
Total	12	5,00,000
Contingent Liabilities		75,000
Bills for collection		

SCHEDULE 1 : CAPITAL

		As on 31-3-1997
Authorised Capital............Shares of Rs. 100 each		Rs.
Issued Capital : 50,000 shares of Rs. 100 each		—
Subscribed Capital : 50,000 shares of Rs. 100 each		50,00,000
Called up Capital : 50,000 shares of Rs. 100 each Rs. 50/- per share		
Called up	25,00,000	
Less calls unpaid	4500	
		24,95,500

SCHEDULE 2 : RESERVE AND SURPLUS

		As on 31-3-1997
		Rs.
I	Statutory Reserves	25,000
II	Reserve Fund	5,75,000
III	Profit and Loss Account	1,56,000
	Total	7,56,000

SCHEDULE 3 : DEPOSITS

		As on 31-3-1997 Rs.
I	Demand Deposit	3,28,34,575
II	Saving Bank Deposits	—
Term Deposits		1,65,00,000
	Total	4,93,34,575

SCHEDULE : 4 BORROWINGS

	As on 31-3-1997 Rs.
	Nil

SCHEDULE 5 : OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS

			As on 31-3-1997 Rs.
I	Bill Payble		10,500
II	Other (Including provisions)		
	Provident Fund	30,400	
	Unclaimed Dividend	5,275	
	Rebate on Bill Discounted	16,148	
	Taxation Reserve	1,05,000	
	Cantingency Reserve	20,000	1,76,823
			1,87,323

SCHEDULE 6 : BALANCES WITH R.B.I.

		As on 31-3-1997 Rs.
I	Cash in Hand	40,13,000
II	Balance with Reserve Bank of India	18,17,435
	Total	58,30435

SCHEDULE : 7 BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL & SHORT NOTICE

		As on 31-3-1997 Rs.
I	Balances with Bank	15,80,000
II	Money at call	1,75,000
	Total	17,55,000

SCHEDULE 8 : INVESTMENTS

		As on 31-3-1997 Rs.
I	Investments in India	1,47,74,627
II	Investments outside India	—
	Total	1,47,74,627

SCHEDULE 9 : ADVANCES

		As on 31-3-1997 Rs.
A.	(I) Bill Purchased and Discounted	24,00,000
	(II) Cash credit, overdrafts and loans repayable on demand	1,37,48,336
	(III) Term Loans	1,30,00,000
	Total	2,91,48,336

SCHEDULE 10 : FIXED ASSETS

		As on 31-3-1997 Rs.
I	Premises	—
II	Other Fixed Assts	—
	Office Furniture	10,70,000
	Total	10,70,000

SCHEDULE 11 : OTHER ASSETS

		As on 31-3-1997 Rs.
I	Inter-office Adjustments (Net)	1,55,000
	(Branch Adjustments)	
II	Stationery and Stamps	40,000
	Total	1,95,000

SCHEDULE 12 : CONTINGENT LIABILITIES

		As on 31-3-1997 Rs.
1.	Acceptances on behalf of Customers	50,000
	Total	50,000

Wording Notes: (1) Curent Account Balance को Schedule 3 में 'demand deposits' शीर्षक में दिखाया गया है।

(2) Fixed Deposits को Schedule 3 में 'Term Deposits' शीर्षक में दिखाया गया है।

(3) It has been assumed that 'Taxation Reserve' and Contingency Reserve are respective provisions. Hence these have been shown under other liabilities and provisions' (Schedule5);

(4) 'Loans' have been shown under 'Term Loans' (Schedule 9)

(5) Bill for Collection को बिना किसी अनुसूची के Contingent Liabilities के नीचे लिखा जाता है।

Illustration 4.

From the following balances of Dhan Laxmi Bank Ltd. Delhi as on 31 st March, 1998 Prepare Profit & Loss A/c and the Balance Sheet as on that date :

	Rs.
Equity Share capital in Rs. 100 per share	10,00,000
Profit and Loss Account as on 1-04-1997	40,333
Current Accounts	34,12,829
Savings Bank Accounts	25,68,000
Fixed Deposit Accounts	38,95,664
Interest Paid on Depsoits	4,39,200
Loan, Cash credit and overdrafts	70,00,000
Pension Fund	50,000
Reserve Fund	2,00,000
Stamps in hand	189
Unexpired Insurance	437
Bills Discounted	14,00,520

Statutory reserve Fund	65,000
Director's Fees	4,980
Audit Fees	1,000
Furniture cost Rs. 50,000	37,280
Interest and Discount	6,49,423
Commission and Exchange	1,02,000
Branch Adjustment (or)	46,894
Postage and Telegram	1,156
Printing and Stationery	3,390
Rent and Taxes	8,507
Provedent Fund Contribution	10,000
Provident Fund	35,000
Salaries ans Allowances	52,150
Building Cost Rs.3,00,000	2,05,000
Law Charges	1,650
Cash in hand and with R.B.I.	8,16,324
Cash with other banks	12,05,125
Investment at cost	8,78,125

Additional information :—

(I) The Authorises share capital consists of 20,000 equity shares of Rs. 100 each, all of which have been subscribed but only 50% has been called up.

(II) Provide Depreciation on Buildings Rs. 8,000 and on Furniture Rs. 3,500.

(III) Provide for doubtful debts Rs. 1,990.

(IV) Rebate on Bill discounted amounts to Rs. 5,900.

(V) The market value of investments amounted to Rs. 8,50,000.

(VI) The Bank has accepted Rs. 2,00,000 worth of Bills on behalf of the customers, the securities lodged against which amounts to Rs. 3,00,000.

अतिरिक्त सूचनाएँः—

(I) अधिकृत अंश पूंजी 100 रु० वाले 20,000 समता अंशों में विभाजित है जो समस्त प्रार्थित किए जा चुके हैं परन्तु केवल 50% मांगा गया है।

(II) भवन पर 8,000 रु० और फर्नीचर पर 3,500 रु० ह्रास लगाना है।

(III) 1,990 के संदिग्ध ऋणों के लिए व्यवस्था करनी है।

(IV) 5,900 रु० भुनाए गये बिलों पर असमाप्त कटौती के है।

(V) विनियोग का बाजार मूल्य 8,50,000 रु० है।

(VI) बैंक ने ग्राहकों के लिए 2,00,000 रु० मूल्य के बिल स्वीकार किए हैं जिनके लिए 3,00,000 रु० की प्रतिभूतियां रखी गई है।

DHAN LAXMI BANK LTD.
PROFIT AND LOSS ACCOUNT

For the year ended 31st March, 1998

		Schedule No.	Year Edned 31-3-98 Rs.
I	INCOME		
	Interest Earned	13	6,43,523
	Other Income	14	73,875
	TOTAL		7,17,398
II	EXPENDITURE		
	Interest Expended	15	4,39,200
	Operating expense	16	94,333
	Provision and Contingencies		1,990
	TOTAL		5,35,523
III	PROFIT/ LOSS		
	Net profit for the year		1,81,815
	Profit brought forward		40,333
	TOTAL		2,22,208
IV	APPROPRIATIONS :—		
	Transfer to statutory Reserve 20% of Rs. 1,81,875		36,375
	Balance carried over to Balance-sheet		1,85,833
	TOTAL		2,22,208

SCHEDULE 13 : INTEREST EARNED

	Year Edned 31-3-98 Rs.
Interest and Discount (see note)	6,49,423
Total	6,49,423

SCHEDULE 14 : OTHER INCOME

		Year Edned 31-3-98 Rs.
I	Commission Exchange and Brokerage	1,02,000
II	Loss on Investment	18,125
	Total	73,875

SCHEDULE 15 : INTEREST EXPENDED

	Year Edned 31-3-98 Rs.
Interest on Deposits	4,39,200
Total	4,39,200

SCHEDULE I6 : EXPENSES

		Year Edned 31-3-98 Rs.
(I)	Payment to and provision for employer's	
	(Contribution to P.F.) (52150 +10000)	62,150
(II)	Rent, Taxes and Lighting	8,507
(III)	Printing and Stationery	3,390
(IV)	Depreciation on Benu's property (8000 +3500)	11,500
(V)	Director's Fees	4,980
(VI)	Audit Fees	1,000
(VII)	Law charges	1,650
(VIII)	Postage and Telegram	1,156
	TOTAL	94,333

Working Notes—

(1) Interest and Discount Schedule 13

	Rs.
Interest and Discount	6,49,423
Less Rebation Bill Discounted	5,900
Total	6,49,523

(2) Other income : Schedule 14

	Rs.
Commission and Exchange	1,02,000
Loss on Investment	(28,125)
Total	73,875

Note :— विनियोगों के मूल्य में हुई हानि को 14 से घटाया जाएगा।

BALANCE SHEET OF DHAN LAXMI BANK LTD.

As on 31 st March 1998.

	Schedule No.	As on 31-3-98 Rs.
Capital & Liabilities :—		
Capital	1	10,00,000
Reserve and Surplus	2	4,87,208
Deposits	3	98,76,383
Borrowing	4	—
Other Liabilities and Provisions	5	1,37,794
TOTAL		1,15,01,385
Assets :—		
Cash and Balance with R.B.I.	6	8,16,324
Balance with banks and Money at Calls and Short Notice	7	12,05,125
Investments	8	8,50,000
Advances	9	83,98,530
Fixed Assets	10	2,30,780
Other Assets	11	626
TOTAL		1,15,01,385
Contingent Liabilities	12	2,00,000
Bills for collection		—

SCHEDULE 1 : CAPITAL

	As on 31-3-1998 Rs.
Authorised capital 20,000 equity shares of Rs. 100 each.	20,00,000
Issued, Subscribed called up & paid up capital	10,00,000

SCHEDULE 2 : RESERVE AND SURPLUS

	As on 31-3-1998 Rs.

I	Reserve Fund		2,00,000
II	Statutory Reserve fund	65,000	
	Add :—20% of Rs. 1,81,875	36,375	1,01,375
III	P & L A/c		1,85,833
	TOTAL		4,87,208

SCHEDULE 3 : DEPOSITS

		As on 31-3-1998 Rs.
I	Demand Deposits	34,12,829
II	Saving Bank Deposits	25,68,000
III	Term Deposits	38,95,554
	TOTAL	98,76,383

SCHEDULE 4 : BORROWINGS

	As on 31-3-1998 Rs.
Borrowings from banks in India	—

SCHEDULE 5 : OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS

			As on 31-3-1998 Rs.
I	Bills payable		Nil
II	Other liabilities & provisions :—		
	Providend Fund	35,000	
	Pension Fund	50,000	
	Rebate on Bills Discounted	5,9000	
	Branch Adjustment (or)	46,894	1,37,794
		TOTAL	1,37,794

SCHEDULE 6 : CASH AND BALANCES WITH R.B.I.

	As on 31-3-1998 Rs.
Cash in hand and R.B.I.	8,16,324
TOTAL	8,16,324

SCHEDULE 7 : BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL & SHORT NOTICES

	As on 31-3-1998 Rs.
Cash with other banks	12,05,125
TOTAL	12,05,125

SCHEDULE 8 : INVESTMENTS

	As on 31-3-1998 Rs.
Investments (at market value)	8,50,000
TOTAL	8,50,000

SCHEDULE 9 : ADVANCES

		As on 31-3-1998 Rs.
I	Bill Discounted and Purchased	14,00,520
II	Loans, cash credit and overdrafts	6,99,88,010
	TOTAL	83,98,530

SCHEDULE 10 : FIXED ASSETS

				As on 31-3-1998 Rs.
I	Building	2,05,000		
	Less Depreciation	8,000		1,97,0000
II	Furniture	37,280		
	Less Depreciation	3,500		33,780
			Total	2,30,780

SCHEDULE 11 : OTHER ASSETS

			As on 31-3-1998 Rs.
I	Stamps in hand		189
II	Unexpired Insurance		437
		Total	626

SCHEDULE 12 : CONTINGENT LIABILITIES

		As on 31-3-1998 Rs.
Acceptances, Endorsements and other obligations		2,00,000
	Total	2,00,000

SCHEDULE 11 : OTHER ASSETS

			As on 31-3-1998 Rs.
I	Interest Accured		24,620
II	Silver		2,000
		Total	26,620

SCHEDULE 12 : CONTINGENT LIABILITIES

		As on 31-3-1998 Rs.
Acceptances, Endorsements and other obligations		56,500
	Total	56,500

THEORETICAL QUESTIONS

1. बैंक के चिट्ठे का नमूना बैंकिंग अधिनियम के अनुसार अनुमानित राशियों के आधार पर दीजिए।

   (Give specimen of Bank's Balance-Sheet on the bassis of imaginary figures according to Banking Companies Act.

2. बैंकिंग कम्पनी के खातों के सम्बन्ध में निम्नांकित मदें समझाइए :

   (I) गैर बैंकिंग सम्पत्तियां (II) वसूली के लिए विपत्र (III) स्वीकृतियां, बेचान तथा अन्य दायित्व, (IV) भुनाए गए बिलों पर असमाप्त कटौती।

   Explain the following terms in connection with banking company accounts :

   (I) Non-Banking Assets; (II) Bills for collection; (III) Acceptances, Endorsements and other obligations; (IV) Rebate on Bill Discounted.

3. बैंक पुस्तकालय की स्लिप पद्धति को स्पष्ट कीजिए। पद्धति के गुण दोष क्या हैं? एक बैंक में इसकी कार्य प्रणाली का वर्णन कीजिए।

   Explain the slip system of Bank-book keeping. What are its advantages and disadvantages? Describe in brief its working in a bank.

4. बैंकिंग अधिनियम 1949 के अन्तर्गत विनियोग तथा अग्रिमों के सम्बन्ध में क्या–क्या विवरण दिखाया जाता है? सम्बन्धित तालिका बनाइए।

   What particulars are shown with respect to 'Investments' and "Advances' under Banking Regulation Act 1949? Prepare relative schedule

5. अप्रत्यावर्तनीय सम्पत्तियों से क्या अभिप्राय है? अप्रत्यावर्तनीय सम्पत्तियों पर अर्जित आय का बैंक किस प्रकार का लेखा–जोखा करते हैं? वर्णन कीजिए।

   What are Non-Preforming Assets? How is income accrued in respect of Non-performing Assets dealt with by the Banks? Explain.

6. निम्न मदों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि एक बैंकिंग कम्पनी के वार्षिक खातों में इन्हें कहां और कैसे दिखाया जाता है।

   (I) शखा समायोजन (II) आकस्मिक दायित्व (III) याचना एवं अल्प सूचना पर देय राशि (IV) नकद साख (V) वैधानिक संचय (VI) अप्रत्यावर्तनीय सम्पत्तियां (VII) प्रस्तावित लाभांश।

   Discuss in brief the following terms and explain where and how these items are shown in the annual accounts of a Banking Commpany.

   (I) Branch Adjustments (II) Contingent liabilities (III) Money at call and Short Notice (VI) Cash credit (V) Statutory Reserve (VI) Non-Performing Assets (VII) Proposed Devidend.

7. एक बैंकिंग कम्पनी के लाभ–हानि खाते व आर्थिक चिट्ठे का नया प्रारूप दीजिए।

   Give a new proforma of Profit and Loss A/c and Balance-Sheet of a banking company.

PRACTICAL QUESTIONS

Unexpired Discount! Rebate on Bills Discounted

Q. l. Following bills were discounted from Punjab National Bank up to 31st March, 1998.

31 मार्च 1998 तक पंजाब नेशनल बैंक के अग्रनिम्न बिल भुनाए गए थे–

Date of Bill	Term of Bill (Months)	Rate of Discount @%p.a.	Amount Rs.
January 17	4	17	1,82,500
Fibrary 7	3	18	3,65,000
March 9	3	17.5	91,000

You are required to calculate the Rebate on Bills discounted. Also show the vecessary journal entry for the rebate.

असमाप्त कटौती की गणना कीजिए तथा आवश्यक जर्नल प्रविष्टि बनाइए।

Ans. Rebate on Bills Discounted Rs. 14,635

Q. 2. The following particulars are extracted from the Trial Balance of Vaish Bank Ltd. For year ending 31st march 1997.

	Rs.
(1) Interest and Discount	49,15,600
(2) Rebate on Bills Discounted (1.4.96)	16,260
(3) Bills Discounted and Purchased	16,86,350

It is as Certained that proportionate discount not yet earned on the Bills Discounted which will mature 1997-98 amounted to Rs. 23,190

Pass the necessary journal entries adjusting the akove and show:

(A) Rebate on Bills Discounted Account.

(B) Interest and Discount Account in the ledger of the Banks.

वैश्य बैंक लि० की पुस्तकों से 31 मार्च 1997 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निम्नलिखित विवरण लिए गए हैं।

	रु०
(1) ब्याज और छूट	49,15,600
(2) भुनाए हुए बिलों पर छूट (1.4.96)	16,260
(3) भुनाए हुए और क्रय किए बिल	16,86,350

यह ज्ञात हुआ कि उन भुनाए हुए बिलों पर अनुपातिक छूट जो वर्ष 1997-98 में देय होंगें 23,190 रु० है। उपरोक्त को समायोजित करते हुए जर्नल में आवश्यक लेखे कीजिए और निम्नलिखित खाते बनाइए।

(अ) भुनाए हुए बिलों पर छूट खाता

(ब) ब्याज और न कटौती खाता।

Ans. Balance of Interest and Discount Account Rs. 49,08,670

Note : Bill Discounted and Purchased wiil be shown in assetside of Balance sheet.

Q. 3. The following figures are extracted from the books of Punjab National Bank as on 31.3.1998.

	Rs.
Interest paid on Deposits	4,00,000
Salaries and Allowances	44,000
Rent and Taxes paid	16,000
Interest and Discount received	7,00,000
Issued Subscribed and paid up capital	2,00,000
Director's Fees and Allowances	5,000
Postage and telegrams	8,000
Balance of Profit for last year	16,000
Auditor's Fees	800
Preliminary expenses	3,200
Printing and stationery	6,000
Depreciation on Bank's Property	4,000
Profit on sale of Investment	30,000
Rent received	12,000
Commission, Exchange and Brokerage	36,000
Statutory Reserve fund	1,40,000

Additional Information :

1. Rebate on Bills Discounted was Rs. 2,000 on 31-3-1997 and Rebate on Bills Discounted was Rs. 2,800 on 31.3.98.

2. Write off Preliminary expenses.

3. A customer to whom a sum of Rs. 2,00,000 had been advanced has become insolvent and it is expected that only 50% can be be recovered from his estate.

4. Provide Rs. 1,20,000 for Income Tax.

5. There were also other debts for which a provision of Rs. 30,000 was found necessary by the Auditors.

अतिरिक्त सूचनाएंः—

1. 31 मार्च 1997 को भुनाए गए बिलों पर असमाप्त कटौती 2,000 रु० थी और 31 मार्च 1998 को भुनाये गए बिलों पर असमाप्त कटौती 2,800 रु० थी।

2. प्रारम्भिक व्यय अपलिखित कीजिए।

3. एक ग्राहक जिसे 2,00,000 रु० का ऋण दिया गया था, दिवालिया हो गया और उसकी सम्पत्ति से केवल 5% प्राप्त हो सकेगा।

4. आय कर के लिए 1,20,000 रु० का प्रावधान करना है।

5. अन्य ऋण भी थे जिनके लिए 30,000 की व्यवस्था करना अंकेक्षकों ने आवश्यक समझा।

6. 31 मार्च 1998 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए पंजाब नेशनल बैंक का लाभ–हानि खाता बनाइए।

PREPARATION OF BALANCE-SHEET

Q. 4. The balance extracted from the books ofthe Vaish Bank Ltd as on 31st March, 1997 were as follow:

	Rs.		Rs.
Paid up Capital	15,00,000	Fixed Deposits	30,00,000
Locale Bills Discounted	13,50,000	Profit and Loss credit balance	1,65,000
Reserve fund	5,77,500	Stamp and Stationery	7,500
Cash credit and overdraft	21,00,000	Cash in hand	3,75,000
Unclaimed Divdend	7,500	Cash at bank	9,75,000
Loans	34,50,000	Investment at Cost	7,12,500
Current and Saving Deposits	37,50,000		
Furniture	30,000		

Out of the total Debts Rs. 4,27,500 were considered doubtful, and the balance was considered good. Out of the debts considered good, debts amounting to Rs. 36,00,000 were fully secured and for debts amounting to Rs. 6,00,000 (including Rs. 1,72,500 due by a director) the Bank held personal securities of one or more persons over and above the personal securities of the debtors and for the balance the bank held no other security that the personal security of the debitors.

The directors requir the Banks Investments to be shown in the Balance-Sheet at market value on 31st March 1997 which is Rs. 7,87,500

The Bank has Rs. 75,000 Bills for collection and has accepted Bills for customers Rs. 6,00,000.

Prepare the Balance-sheet as on 31-3-1997 in the form prescribed under the Banking Companies Act.

कुल देनदारियों में से 4,27,500 रु० की संदिग्ध लेनदारियां थी और शेष अच्छी मानी गयीं। जो लेनदारियां अच्छी मानी गयी उनमें से 36,00,000 रु० की लेनदारियां पूर्ण सुरक्षित थीं और 6,00,000 रु० की लेनदारियां (संचालक द्वारा देय 1,72,500 रु० सहित) के लिए बैंक के पास ऋणियों की व्यक्तिगत जमानत के अतिरिक्त एक या एक से अधिक व्यक्तियों की व्यक्तिगत जमानत थी और बाकी की लेनदारियों के लिए ऋण की व्यक्तिगत समानत के अतिरिक्त अन्य कोई भी प्रतिभूतियां नहीं थी।

संचालक चाहते हैं कि उनके विनियोग चिट्ठे में 31 मार्च 1997 को बाजार मूल्य 7,87,500 रु० दिखाए जाएं।

बैंक के पास 75,000 रु० के संग्रहण विपत्र के हैं तथा 6,00,000 रु० के ग्राहकों के लिए बिल स्वीकृत किए हैं।

भारतीय बैंकिंग कम्पनी अधिनियम की स्वीकृति के अनुरूप 31 मार्च 1997 के दिन बैंक का आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिए।

(B.com. Agra University; ICWA Modified)

Ans. Balance-Sheet Total Rs. 90,75,000

Q. 5. The Trial Balance ofCanara Bank as on 31st March 1998 stook as follow:

	Rs.
Loans (against repledgement of Customers Securities)	6,00,000
Paid up Capital	10,00,000
Local Bills Discounted	9,00,000
Reserves	3,85,000
Cash credit and overdrafts	14,00,000
Unclaimed Divdends	5,000
Loans	23,00,000

Current account	15,00,000
Savings Bank Account	4,00,000
Fixed Deposits	20,00,000
Furniture	20,000
Profit and Loss A/c (Credit)	1,10,000
Stamps and Stationery	5,000
Circular Notes	25,000
Letter of Credit	20,000
Telegraphic Transfers	40,000
Cash in hand	2,50,000
Cash at Bank	6,50,000
Branch Adjustment (debit)	85,000
Investments (at cost)	4,75,000

Out of loans, cash credit and overdraft the Bank holds securities for debts amounting to Rs. 26,00,000.

The rebate on Local Bills discounted amounted to Rs. 5050. Credit has been taken for Rs. 19,950 as interest on doubtful debts. Bank's accptances on behalf of customers were Rs. 3,25,000.

The Directors require the Bank's investments to be shown in the Balance-Sheet at Market value as on 31st March. 1998 which is Rs. 5,25,000.

Pripare Balance-Sheet of the Bank as on 31 st March, 1998 in the form proscribed under the Banking Regulation Act after making necessart adjustments.

ऋण, नकद साख तथा अधिविकर्ष की राशियों में से बैंक के पास 26,00,000 रु० के ऋणों के लिए प्रतिभूतियां हैं भुनाए हुए स्थानीय बिलों पर असमाप्त कटौती पर 5,050 रु० है। संदिग्ध ऋण पर ब्याज के लिए 19,950 रु० क्रेडिट किये गये हैं। ग्राहकों की ओर से बैंक की स्वीकृति 3,25,000 रु० है।

संचालक बैंक के विनियोग 31 मार्च 1998 के चिट्ठे बाजार मूल्य पर दिखाना चाहते हैं जो कि 5,25,000 रु० है।

आवश्यक समायोजन करने के पश्चात् बैंकिंग अधिनियम के प्रारूप के अनुसार 31 मार्च 1998 का चिट्ठा बनाइए।

Ans. (Total of Balance-Sheet Rs. 61,35,000)

Hint : Circular Notes, Letter of Credit and Telegraphic Transfers will be shown under Bills (Payable.)

(K.U.K. B. Com II, 1992 Modified)

Preparation of Profit and Loss Account and Balance-Sheet

Q. 6. Following are the balances from the books of Punjab National Bank as on 31st March, 1997.

	Rs.
Current Deposits	2,27,50,000
Saving Accounts	82,60,000
Fixed and Time Deposits	1,75,90,000
Compulsory deposits of I, Tax Payeers	10,00,000
Sundry creditors	2,27,500
Debts due to Banks (Secured)	61,00,000
Bills Recivables	90,50,000
Customer's liability for acceptances	74,84,000
Rebate on Bills Discounted	7,500
Branch Adjustment (Cr.)	22,77,500

Reserve Fund	62,50,000
Capital (paid up 1,00,000 Shares of Rs. 50 each)	50,00,000
Interest and discount received	29,00,000
Exchange and Commission received	8,77,500
Profit and Loss Account :	
Balance as on 1.4.96	4,26,000
Cash in hand	6,53,500
Cash at Bank	30,00,000
Bills for collection	90,50,000
Labilities for customer's acceptances	75,84,000
Investments :	
Government scurities .	1,70,00,000
Shares	79,50,00,000
Interest accrued on Investments	4,37,500
Loans	2,08,50,000
Bills Purchased and Discounted	1,77,50,000
Furniture, fixtures and Office equipments	2,50,000
Depreciation on assets	2,50,000
Interest Paid	6,00,000
Exchagne and Commission Paid	50,000
Salaries	12,00,000
Director's Fees	50,000
Stationery, Postage etc.	2,00,000
Misc. Expenses	1,50,00,000
Land and Building	15,00,000
Money at call	7,50,000
Non Banking Assets	25,000

Prepare the Profit and Loss Account for the year ending March, 31, 1997 and the Balance-Sheet as at that date after taking note of the following:

Provision needed for Taxation Rs. 5,00,000

Current Account includes Rs. 42,50,000 debit bakance being overdraft. One of the Accounts Rs. 50,000 (including interest Rs. 5,000) is doubtful. During the year a property was acquired in satisfaction of a claim amounting to Rs. 25,000 and was sold for Rs. 18,000. The loss resulting therefrom, remained unadjusted in the books.

निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए 3 मार्च 1997 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ हानि खाता बनाइए तथा उसी तिथि का चिट्ठा बनाइए।

आयकर के लिए प्रावधान कीजिए 5,00,000 रु०

चालू खाते की बाकियों में 42,00,000 रु० बैंक अधिविकर्ष का सम्मिलित है।

एक खाते का 50,000 रु० (ब्याज के 5,000 रु० सम्मिलित करते हुए) संदिग्ध है।

वर्ष में एक दावे के भुगतान में 25,000 रु० की सम्पत्ति अधिकृत की गई है। यह सम्पत्ति 18,000 रु० में बेच दी गई। इससे सम्बन्धित हानि पुस्तकों में समायोजित नहीं की गई है। (C.A. Inter)

Ans. Net profit after provision for tax Rs. 7,20,500; Transfer to Statutory Reserve Rs. 1,44,100; Total of balance-sheet Rs. 7,44,09,000

Note : Bills for collection and compulsory Deposits of Income Tax Payers will not be in the total of Balance-Sheet as per new financial year.

❒

अध्याय-13

बीमा कम्पनियों के लेखे
(Accounts of Insurance Companies)

व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक जीवन में अनेक प्रकार के जोखिम होते हैं। बीमा का मुख्य उद्देश्य इन जोखिमों के विरुद्ध (उदाहरणार्थ—दुर्घटना या किसी अन्य कारण से मत्यु घर में चोरी हो जाने से हानि, माल से भरे समुद्री जहाज के डूब जाने से हानि आदि) सुरक्षा प्रदान करना होता है।

William Pick के अनुसार, ''बीमा व्यवसाय मौद्रिक पारितोषिक के प्रतिफल में अपने ग्राहकों की ओर से जोखिमों को सहन करने से सम्बन्धित होता है।''

[The business of an insurance company consists of carrying on behalf of clients in consideration of monetary reward.]

इस प्रकार बीमा का उद्देश्य किसी भी व्यक्ति में होने वाली निर्धारित हानियों से बचाना है।

बीमा अनुबन्ध (Insurance Contract)

बीमा व्यवसाय दो पक्षों के बीच बीमा अनुबन्ध (Insurance Contract) के आधार पर किया जाता है। इसमें एक पक्ष (बीमा कम्पनी या बीमा कर्ता Insurer) दूसरे पक्ष (बीमापात्र या Isured) को एक निश्चित आवधिक भुगतान (Periodical Payment) जिसे प्रीमियम (Premium) कहते हैं, के प्रतिफल में किसी विशेष घटना के घटित होने पर (मत्यु होने पर या एक निश्चित आयु के बाद) एक निश्चित राशि देने का या किसी विशेष घटना के घटित होने से (जैसे चोरी या आग लग जाना) होने वाली हानि की पूर्ति करने का वायदा करता है। जिस राशि का बीमा कराया जाता है, उसे बीमा राशि कहते हैं। जिस प्रलेख पर अनुबन्ध की शर्तों (जैसे बीमित राशि, भुगतान की अवधि, प्रीमियम की राशि आदि) का उल्लेख होता है, उसे बीमा पॉलिसी कहते हैं। बीमा पॉलिसी रखने वाले व्यक्ति को (बीमा पात्र) को Policy Holder भी कहते हैं।

बीमा सहकारिता के सिद्धान्त पर आधारित है। एक व्यक्ति की हानि उन सब व्यक्तियें में बंट जाती है, जिन्होंने बीमा कराया हुआ होता है।

बीमा के प्रकार
(Types of Insurance)

विभिन्न प्रकार की जोखिमों के आधार पर बीमा निम्न प्रकार का हो सकता है।

- बीमा (Insurance)
  - जीवन बीमा (Life Insurance)
  - सामान्य बीमा (General Insurance)
    - अग्नि बीमा समुद्री (Fire Insurance)
    - समुद्री बीमा (Marine Insurance)
    - दुर्घटना बीमा (Accidental Insurance)
    - अन्य बीमा (Other Insurance)

1. जीवन बीमा (Life Insurance)—जीवन बीमा का अनुबन्ध एक ऐसा अनुबन्ध है, जिसमें बीमा कम्पनी एक निश्चित प्रीमियम के बदले कराने वाल की मत्यु पर अथवा एक निश्चित आयु प्राप्त होने पर जो पहले हो, एक निश्चित राशि का भुगतान उसे या उसके द्वारा इस उद्देश्य के लिए नामांकित (Nominated) किसी अन्य व्यक्ति को बीमित राशि देने का वचन देती है।

जीवन बीमा के अनुबन्ध में सुरक्षा तथा विनियोग (Protection and Investment) दोनों ही तत्त्व पाए जाते हैं। जीवन बीमा में सुरक्षा तत्त्व इसलिए है कि अकाल मत्यु होने पर आश्रित व्यक्तियों को बीमा की पूर्ण राशि प्राप्ति हो जाती है तथा विनियोग का तत्त्व इस कारण है क्योंकि जीवित रहने पर प्रीमियम के रूप में चुकाई राशि उसे ब्याज सहित वापिस मिल जाती है। जीवन बीमा के लिए Assurance शब्द का प्रयोग भी किया जाता है।

19 जनवरी, 1950 को भारत सरकार ने जीवन बीमा व्यवसाय का राष्ट्रीयकरण करके भारतीय जीवन बीमा निगम (Life Insurance Corporation) की स्थापना की। हमारे देश में बीमा व्यवसाय अब जीवन बीमा निगम द्वारा ही किया है।

जीवन बीमा के सम्बन्ध में बीमा पत्र कई प्रकार का होता है—

(i) आजीवन बीमा पत्र (Whole Life Policy)

(ii) बन्दोबस्ती बीमा पत्र (Endowment Policy)

(iii) सलाभ बीमा पत्र (With Profit Policy)

(iv) सलाभ बीमा पत्र (Without Profit Policy)

(v) वार्षिकी बीमा पालिसी (Annuity Policy)

(vi) संयुक्त बीमा पालिसी (Joint Life Policy)

(vii) बच्चों के लिए निश्चित अवधि का बीमा (Children Endowment Policy)

(viii) Money Back Policy

2. सामान्य बीमा (General Insurance)—सामान्य बीमा से अभिप्राय जीवन बीमा के अतिरिक्त अन्य सभी प्रकार के बीमा से है। इस प्रकार व्यक्तिगत जीवन की जोखिम को छोड़कर अन्य जोखिमों जैसे भूकम्प, बाढ़, अग्नि, समुद्री दुर्घटना, सूखा या अतिवष्टि आदि के लिए जो बीमा होता है, उसे सामान्य बीमा कहते हैं। सामान्य बीमा में केवल सुरक्षा का तत्त्व होता है, विनियोग तत्त्व नहीं होता।

सामान्य बीमा अनेक भागों में विभक्त किया जा सकता है। जैसे अग्नि बीमा, समुद्री बीमा, दुर्घटना बीमा तथा विविध बीमा (उदाहरणार्थ—मोटर गाड़ी का बीमा, विनिमय जोखिम बीमा, कर्मचारी क्षतिपूर्ति का बीमा, मार्गस्थ रोकड़ बीमा, फसल बीमा, निक्षेप बीमा आदि।)

(i) अग्नि बीमा (Fire Insurance)—अग्नि बीमा अनुबन्ध में बीमा कम्पनी एक निश्चित प्रतिफल (Premium) के बदले में बीमा पात्र (Insured) को बीमित वस्तु में आग लग जाने से होने वाली हानि को निश्चित सीमा तक पूरा करने का वचन देती है।

(ii) समुद्री बीमा (Marine Insurance)—समुद्री बीमा के अन्तर्गत बीमा कमपनी एक निश्चित प्रीमियम के बदले बीमा पात्र को समुद्री जोखिमों से होने वाली हानियों को एक निश्चित सीमा तक पूरा करने का आश्वासन देती है। इस बीमा का उद्देश्य बीमा पात्र को अनेक प्रकार के समुद्री जोखिमों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करना है।

(iii) दुर्घटना बीमा (Accident Insurance)—इस बीमा में बीमा कम्पनी एक निश्चित प्रतिफल (प्रीमियम) के बदले में बीमा पात्र को किसी दुर्घटना (जैसे मोटर से दुर्घटना आदि) के परिणामस्वरूप होने वाली की पूर्ति का वचन देती है।

(iv) विविध बीमा (Miscellaneous Insurance)—अग्नि, समुद्री तथा दुर्घटना बीमा के अतिरिक्त अन्य बीमों को विविध बीमे के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है।

सामान्य बीमा व्यवसाय का राष्ट्रीयकरण 13 मई, 1971 को कर दिया गया और अब भारत में सामान्य बीमे का कोई केवल सामान्य बीमा निगम तथा इसकी चार सहायक कम्पनियों (United India Insurance Ltd., Oriental insurance Ltd., New India Insurance Ltd. तथा National Insurance Ltd.) के द्वारा ही किया जाता है। अब भारत सरकार ने Insurance

Regulatory Authority का गठन किया है, ताकि देश में बीमा व्यवसाय तथा निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा किया जा सके। विदेशी कम्पनियां भी बीमा क्षेत्र में प्रवेश के लिए प्रयास कर रही हैं।

बीमा अधिनियम 1938 (Insurance Act, 1938)

हमारे देश में बीमा व्यवसाय के नियमन के लिए बीमा अधिनियम, 1938 पारित किया गया। यह अधिनियम 1 जुलाई, 1939 से लागू हुआ। इसमें बीमा कम्पनियों के प्रवर्तन (Promotion), प्रबन्ध (Management) तथा उनके खातों से (Accounts) सम्बन्धित विस्तत प्रावधान दिए हुए हैं। समय–समय पर इस अधिनियम में अनेक संशोधन भी किए गए हैं।

वैधानिक एवं सहायक पुस्तकें
(Statutory and Subsidiary Books)

बीमा कम्पनियों द्वारा निम्न वैधानिक पुस्तकें रखना अनिवार्य हैं—

(1) Register of Policies
(2) Register of Claims Statutory Books
(3) Register of Insurance Agents
(4) Register of Proposals
(5) Premium Cash Book
(6) Renewal Premium Cash Book
(7) Claims Cash Book

— (वैधानिक पुस्तकें)

हमारे देश में जीवन बीमा व्यवसाय अब जीवन निगम द्वारा ही किया जाता है।

जीवन बीमा के सम्बन्ध में बीमा पत्र कई प्रकार का होता है—

(i) आजीवन बीमा पत्र (Whole Life Policy)

(ii) बन्दोबस्ती बीमा पत्र (Endowement Policy)

(iii) सुलभ बीमा पत्र (With Profit Policy)

(iv) अलाभ बीमा पत्र (Without Porfit Policy)

(v) वार्षिकी बीमा पॉलिसी (Annuity Policy)

(vi) संयुक्त बीमा पॉलिसी (Joint Life Policy)

(vii) बच्चों के लिए निश्चित अवधि का बीमा (Children Endowment Policy)

(viii) Money Back Policy

2. सामान्य बीमा (General Insurance)

सामान्य बीमा से अभिप्राय; जीवन बीमा के अतिरिक्त अन्य सभी प्रकार के बीमा से है। इस प्रकार व्यक्तिगत जीवन की जोखिम को छोड़कर अन्य जोखिमों जैसे भूकम्प बाढ़ अग्नि, समुद्री दुर्घटना, सूखा या अतिवष्टि आदि के लिए जो बीमा होता है, उसे सामान्य बीमा कहते हैं। सामान्य बीमा में केवल सुरक्षा का तत्त्व होता है, विनियोग तत्त्व नहीं होता।

सामान्य बीमा अनेक भागों में विभक्त किया जा सकता है। जैसे अग्नि बीमा, समुद्री बीमा, दुर्घटना बीमा तथा विविध बीमा (उदाहरणार्थ—मोटर गाड़ी का बीमा, विनिमय बीमा, कर्मचारी क्षतिपूर्ति का बीमा, मार्गस्थ रोकड़ बीमा, फसल बीमा, निक्षेप बीमा, आदि।)

सामान्य बीमा की विशेषताएं (Characteristics of General Insurance)

(1) सामान्य बीमा प्रायः एक वर्ष की अवधि के लिए किया जाता है।

(2) सामान्य बीमा में प्रीमियम की राशि जोखिम पर निर्भर करती है।

(3) सामान्य बीमा का मुख्य उद्देश्य क्षतिपूर्ति करना होता है। इसमें सुरक्षा तत्त्व तो है, परन्तु विनियोग तत्त्व नहीं।

(4) सामान्य बीमा में पालिसी का समर्पण मूल्य नहीं होता।

(5) सामान्य बीमा में (अग्नि एवं समुद्री बीमा) असमाप्त जोखिम के लिए संचय बनाना होता है।

बीमा व्यवसाय की विशिष्टता से परिचित होने के लिए निम्न बातों पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना आवश्यक है :

(i) दावे (Claims)—दावों से उस देय राशि का बोध होता है जो बीमा कम्पनी बीमित व्यक्ति को पॉलिसी के भुगतान हेतु देय होने पर देती है। जीवन बीमा व्यवसाय में पालिसी की राशि एक निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पश्चात पालिसी के परिपक्व होने पर या बीमित व्यक्ति की मत्यु होने पर देय होती है। लेकिन सामान्य बीमे की दशा में राशि हानि उत्पन्न होने या दायित्व उत्पन्न होने पर देय होती है।

किसी भी बीमा व्यवसाय के व्यय की मुख्य मदों में यह सबसे महत्त्वपूर्ण मद होती है और इसे आगम खाते के डेबिट में दिखाया जाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस खाते में किसी लेखा अवधि में चुकाये गये वास्तविक दावों की राशि का उल्लेख नहीं किया जाता वरन् दावों की सम्पूर्ण राशि को दिखाया जाता है। यह सम्भव है कि कुछ दावे सूचित हो चुके हों और स्वीकृत भी किये जा चुके हों लेकिन अभी तक चुकाये न गये हों जबकि कुछ दावे मात्र सूचित ही किये गये हैं अभी स्वीकृत या देय नहीं हुए हैं। निम्न दावों को वास्तव में चुकाना ही पड़ेगा अतः इनको अदत्त दावे मान लिया जाता है। दावों की कुल देय राशि ज्ञात करते समय इनको निम्न प्रकार खातों में दिखाया जाता है :

Claims Dr.

To Claims intimated and accepted, but not paid Account with the amount payable

To Claims intimated, but not accepted and paid Account

(2) समर्पण मूल्य (Surender Value)—समर्पण मूल्य किसी भी पॉलिसी का वर्तमान मूल्य होता है यह केवल जीवन बीमे पर लागू होता है। यदि किसी पॉलिसीधारक को धन की आवश्यकता हो और वह पॉलिसी की निर्दिष्ट अवधि से पूर्व ही अपना धन वापिस चाहता हो तो उसको यह अधिकार है कि वह अपनी पॉलिसी का समर्पण मूल्य वापिस ले सके जो निर्दिष्ट दर से निकाला जाता है। जीवन बीमा पॉलिसी कम से कम दो वार्षिक प्रीमियमों के भुगतान के पश्चात ही समर्पण मूल्य जुटा पाती हैं। समर्पण मूल्य के रूप में चुकाई गई राशि जीवन बीमा व्यवसाय के लिए एक महत्त्वपूर्ण व्यय है जिसे आगम खाते के डेबिट में दिखाया जाता है।

(3) चुकता पॉलिसी (Paid-up Policy)—यह भी केवल जीवन बीमे से सम्बन्धित हैं यदि कोई पॉलिसीधारक भविष्य में प्रीमियम देने में असमर्थ है तो उसको यह विकल्प प्राप्त है कि वह अपनी पॉलिसी को चुकता करा सके। फिर उसको आगे प्रीमियम नहीं देना होगा और परिपक्वता पर उसे या उसके नामित व्यक्ति को यह चुकता राशि निम्न आधार पर दे दीस जायेगी:''

$$\text{Paid up Value} = \text{sum assured} \times \frac{\text{No. of Premiums paid}}{\text{Total No. of Premiums Payable}}$$

ऐसी चुकता पॉलिसी की स्थिति में धारक को पॉलिसी की परिपक्वता तक प्रतीक्षा करनी होगी ऐसी पॉलिसी की चुकता राशि जब तक बीमा कम्पनी द्वारा नहीं चुका दी जाती इसे दावों में ही जोड़ा जायेगा।

(4) वार्षिक वत्ति (Annuity)—यह भी केवल जीवन बीमें से ही सम्बन्धित है। Annuity refers to fixed annual payment made by L.I.C. to the anmitant till his death or till he attains a specified, in consideration of a lump sum of money. वार्षिक की राशि धारक को सम्भावित शेष आयु तथा चल रही ब्याज दर को ध्यान में रखकर तय की जाती है। वार्षिकी का भुगतान बीमा व्यवसाय का एक भारी व्यय है जिसे आगम खाते के डेबिट में दिखाया जाता है।

(5) **स्वीकृत वार्षिकियों के लिए प्राप्त प्रतिफल (Consideration for Annuities Granted)**—यह भी जीवन बीमे से संबंधित है। It refers to the lumpsum amount paid to the insurer by the annitants as consideration इस प्रकार प्राप्त प्रतिफल बीमा कम्पनी की आय का एक स्रोत माना जाता है तथा इसे आगम खाते के क्रेडिट में दिखाया जाता है।

(6) **बोनस (Bonus)**—यह मद भी जीवन बीमा व्यवसाय से ही सम्बन्धित है। पालिसी धारकों को व्यवसाय के लाभों में भाग पाने का अधिकार दिया जाता है। जीवन बीमा व्यवसाय का लाभ अंशधारियों तथा बीमाधारकों के बीच बांट दिया जाता है। राष्ट्रीयकरण के पश्चात लाभों का 95% भाग पॉलिसी धारकों को चला जाता हैं ऐसा बोनस बीमा धारकों को निम्न तरीकों से दिया जा सकता है :

(अ) **रोकड़ बोनस (Bonus in Cash)**—ऐसी दश में बोनस की राशि घोषणा के तुरन्त पश्चात नकद दे दी जाती है। इस भुगतान से आगम खाता डेबिट किया जाता है।

(ब) **रिवर्सनरी बोनस (Reversionary Bonus)**—घोषणा के तुरन्त बाद बोनस की राशि तुरन्त चुकाने के स्थान पर परिपक्वता के समय इसे पालिसी की राशि के साथ चुका दिया जाता है। ऐसी बोनस अधिकांशतः चलन में है। ऐसी बोनस की राशि को दावों की राशि में जोड़ दिया जाता है।

(स) **प्रीमियम की कटौती करने वाली बोनस (Bonus in reduction of Premium)**—घोषणा के समय बोनस को तुरन्त देने के स्थान पर ऐसी बोनस से आगामी प्रीमियम की राशि घटाई जा सकती है। इस सम्बन्ध में निम्न लेखा किया जाता है :

Bonus in Reduction of Premium Account

To Premiums Account

उल्लेखनीय है कि आगम खाता बनाते समय यह राशि दोनों ओर दिखाई जायेगी यदि तलपट बनाने से पूर्व इसको खातों में समायोजित न कर दिया गया हो।

(7) **अन्तरिम बोनस (Interim Bonus)**—यह भी केवल जीवन बीमे से ही सम्बन्धित मद है। (It refers to the bonus paid to policy holders for a period the profit has not yet been determined) बोनस की यही राशि भी दावों में शामिल की जाती है।

(8) **पुनः बीमा (Re-insurance)**—जब कोई बीमा कम्पनी पालिसी की सम्पूर्ण जोखिम स्वयं ही वहन करने के लिए तैयार नहीं होती तो वह उसको आंशिक रूप से अन्य बीमा कम्पनी से पुनः बीमा करा देती है। (This arrangement between the two insures is called "Reinsurance") ऐसी स्थिति में मूल कार्यकर्ता पुर्नबीमित कहलायेगा तथा दूसरा बीमाकर्ता पुनर्वीमाशवर जिसके लिए मूल कुल प्राप्त प्रीमियम का एक भाग भी देगा। जब ऐसी पालिसी परिपक्व होगी तो दावे की राशि अनुबन्धानुसार दोनों ही बीमाकारों के बीच बांटी जायेगी। आगम खाता बनाते समय पुनः बीमाकार से वसूल हुई दावे की राशि कुल देय दावे में से घटाई जायेगी ताकि Net amount of claims payable का निर्धारण किया जा सके।

ठीक इसी प्रकार पुनः बीमाकार को चुकाई गई राशि आगम खाता के क्रेडिट में प्राप्त प्रीमियम की राशि से घटायी जायेगी ताकि शुद्ध प्रीमियम ज्ञात हो सकें।

(9) **स्वीकृत पुनः बीमे पर कमीशन (Commission on Reinsurance Accepted)**—पुनः बीमे के व्यवसाय में पुनः बीमाकार प्राप्त हुए व्यवसाय के लिए बीमा दे रही कम्पनी को कुछ कमीशन देता है। यह कमीशन चुका रहे बीमाकार के लिए "Commission on re-insurance accepted" कहलाता है। चूंकि उसके लिए यह एक चार्ज है अतः इसे Revenue Account के डेबिट में दिखाया जाता है।

(10) **प्राप्त पुनः बीमे पर कमीशन (Commission on Reinsurance Coded)**—पुनः बीमे की दशायें बीमा दे रही कम्पनी को प्राप्त कमीशन की आय "Commission on Reinsurance Coded" कहलाती है जिसे उसे आगम खाते के क्रेडिट में दिखाया जाता है।

(11) जीवन बीमा कोष (Life Insurance Fund)—यह जीवन बीमा व्यवसाय से सम्बन्धित है जिसे अभी अदत्त पालिसियों के कुल दायित्व से निपटने के लिए बनाया जाता हैं जब तक सभी अदत्त पालिसियों के दायित्व की गणना नहीं हो जाती जीवन बीमा व्यवसाय के लाभों को ज्ञात नहीं किया जा सकता है। "A life business is said to have earned profit only if its life Insurance Fund exceeds its net liability on all outstanding policies." यह एक आदर्श बात हैं जैसे सभी अदत्त पॉलिसियों के शुद्ध दायित्व की गणना एक जटिल गणितीय प्रक्रिया है जो विशेषज्ञ ही कर पाते है। भारतीय जीवन बीमा निगम प्रत्येक दो वर्ष पश्चात् गणना कराती हैं अतः जीवन बीमा व्यवसाय का लाभ प्रत्येक वर्ष ज्ञात नहीं किया जा सकता है।

आगम खात तैयार करते समय Life Insurance Fund का प्रारम्भिक शेष इस खाते के क्रेडिट में दिखाया जायेगा और अन्त में आगम खाते का जो भी शेष रहेगा उसे चिट्ठे के दायित्व में दिखाया जायेगा।

(12) **अव्यतीत जोखिम हेतु कोष** (Reserve for Unexpired Risks)—यह सामान्य बीमे की मद है जो उन पॉलिसियों पर उत्पन्न होने वाले किसी भी सम्भावित दायित्व से निपटने के लिए रखा जाता है जो अभी समाप्त नहीं हुई है (unexpired अर्थात् outstanding) वर्ष की समाप्ति पर। यद्यपि सामाय बीमा पॉलिसियां अल्पकालिक पॉलिसी होती हैं जो केवल एक साथ चलती है लेकिन ये पॉलिसियां सम्पूर्ण वर्ष जारी की जाती है। अतः यह बहुत कुछ संभव है कि वर्ष की समाप्ति पर अनेक पॉलिसियां अव्यतीत रद्द जाये जिन पर भविष्य में दावा उठ खड़ा हो सकता हैं इस स्थिति से निपटने के लिए खातों में प्रावधान बनाया जाना चाहिए। सामान्य बीमा परिषद् की कार्यकारिणी समिति ने विभिन्न व्यवसायों के लिए शुद्ध प्रीमियम के निम्न न्यूनतम प्रतिशत को रोके रखने की सिफारिश की है :

(i) **सामुद्रिक बीमा** (Marine Insurance)—शुद्ध प्रीमियम आय का 100%।

(ii) **अन्य व्यवसाय** (Any other business)—शुद्ध प्रीमियम आय का 40% (लेकिन आयकर अधिकारी 50% के प्रावधान को स्वीकृति देते हैं।)

आगम खाता बनाते समय, ऐसे रिजर्व की प्रारम्भिक राशि क्रेडिट की ओर दिखाई जाती है तथा वर्ष के अन्त में अपेक्षित रिजर्व राशि डेबिट की ओर। The excess reserve over the minimum limit is called the "Additional Reserve" इस अतिरिक्त रिजर्व को भी उपरोक्त रिजर्व की तरह ही दिखाया जाता है।

''सामान्य बीमा कम्पनियों के वार्षिक खाते''
(Annual Accounts of General Insuance Companies)

सामान्य बीमा कम्पनियों के वार्षिक खते दोहरा लेखा पद्धति (Double Entry System) के आधार पर तैयार किए जाते हैं। बीमा अधिनियम 1938 के अनुसार एक सामान्य बीमा कम्पनी के लेखांकन वर्ष के अन्त में निम्न खाते तैयार करने होते हैं—

(1) आगम खाता (Revenue Account)

(2) लाभ—हानि खाता (Profit and Loss Account)

(3) लाभ—हानि नियोजन खाता (Profit and Loss Appropriation Account)

(4) आर्थिक चिट्ठा (Balance Sheet)

इन खातों को किसी Chartered Accountant द्वारा अंकेक्षित व प्रमाणित करवाया जाना चाहिए।

(1) आगम खाता (Revenue Account)

प्रत्येक सामान्य बीमा कम्पनी को लेखांकन वर्ष के अन्त में (लाभ—हानि जानने हेतु) एक आगम खाता (Revenue Account) तैयार करना होता है। यदि कोई सामान्य बीमा कम्पनी कई प्रकार के बीमा व्यवसाय (अग्नि, बीमा, समुद्री बीमा या विविध बीमा) करती है, तो प्रत्येक व्यवसाय के लिए पथक्—पथक् आगम खाता तैयार किया जाना चाहिए। आगम खाते का प्रारूप बीमा अधिनियम 1938 की ततीय सूची (भाग -2) में दिए FORM 'F' के अनुसार होना चाहिए जो इस प्रकार है—

सामान्य बीमा कम्पनियों के लेखे :

FORM F

Form of Revenue Account Applicable to Fire Insurance Business, Marine Insurance business and Msc. Insurance business.

Fire (or Marine or Miscellaneous) Insurance Revenue Account

for the year ended 31st December..........

			Rs.				Rs.
1.	Claims under Policies *Less :* R Einsurances : Paid during the year *Add :* Total estimated liability in respect of outstanding claims at the end of the year whether due or intimated.			1.	Balance of Account at the beginning of the year: Reserve for Unexpired Risks. Additional Reserve		
	Less : Outstanding Claims at the end of the previous year *Add :* Medical and Legal expenses re-claims.						
2.	Commission on Direct Business Commission on Reinsurances Accepted.			2.	Premiums less Reinsurances		
3.	Expenses Management			3.	Interest, Dividends and Rents : Gross *Less :* Income tax there on		
4.	Bad Debts			4.	Commission on Reinsurances		
5.	Foreign Taxes & Indian Taxes			5.	Other Income e.g. Double Income Tax Refund		
6.	Other Expenditure (to be specified), e.g., Depreciation			6.	Loss transferred to Profit and Loss Account		
7.	Profit transferred to Profit and Loss Account						
8.	Balance of Account at the end of the year as shown in the Balance Sheet : Reserve for Unexpired Risks being—% of the Premium income of the year. Additional Reserve (if any)						
9.	Claims paid to Claimants in India			7.	Premiums derived from business effected in India		

10.	Claims paid to Claimants outside India			8.	Premiums derived from business effected outside India.		

निम्नलिखित प्रमाण पत्र भी रेवेन्यू खाते के साथ दिया जाता हैं—

As required by section 40C (2) of the Insurance Act 1938, we certify that, to the best of our knowledge and belief, all expenses of management wherever incurred, whether directly or indirectly or in respect of Fire (or Marine or Miscellaneous Insurance business have been fully debited in the fire (or Marine or Miscellaneous) Insurance Revenue Account as expenses.

.... Chairman

....

(Charted Accountants) (General Manager)   Directors ....

....

नोट : (1) सामान्यतः रेवेन्यू खाते में To व By शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(2) यह खाता एक नाममात्र (Normal Account) खाता है। इसके debit की और सभी व्यय और Credit की ओर सभी आयों को लिखा जाता है।

आगम खाते की मदों का स्पष्टीकरण

(Explanation of items of Revenue Account)

A डेबिट पक्ष की मदें (Items of Debit Side)

1. दावे (Claims)—जिस जोखिम के लिए बीमा कराया जाता है, उस जोखिम से हानि हो जाने पर बीमापात्र (Insured) बीमा कम्पनी (Insure) पर वास्तविक हानि की पूर्ति के लिए दावा करता है, इसे बीमा पत्रों के अन्तर्गत दावा (Claims Under Policies) कहते हैं।

बीमा कम्पनी आवश्यक जांच पड़ताल के पश्चात् ऐसे दावों की राशि का भुगतान करती है।

दावा (Claims)—व्यय का महत्वपूर्ण मद होने के कारण आगम खाते (Revenue Account) के डेबिट पक्ष की और पहले स्थान पर दिखाया जाता है। विद्यार्थियों को दावे के सम्बन्ध में निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए—

(1) चालू वर्ष (Current Year) के दौरान भुगतान किए गए दावों की राशि में चालू वर्ष से सम्बन्धित सभी दावे दिखाए जाते हैं, चाहे उनका भुगतान कर दिया गया है अथवा नहीं।

(2) वर्ष के अन्त में ऐसे दावे की रकम, जो स्वीकृत कर लिए गए हों, किन्तु जिनका भुगतान नहीं हुआ (Outstanding Claims at the end or year) है को भुगतान किए गए दावों की रकम में जोड़ देते हैं और इसके योग से वर्ष के प्रारम्भ में अदत्त दावे की राशि (Outstanding Claims at the beginning of the year) यदि दी हो तो उसे दावे की रकम में से घटा देते हैं।

(3) यदि बीमा कम्पनी ने जोखिम के कुछ भाग का पुर्नबीमा करा लिया हो (Reinsurance) तो जो जोखिम से हानि होने पर दावे की रकम का कुछ भाग पुर्नबीमा अनुबन्ध के अन्तर्गत दूसरी बीमा कम्पनी से प्राप्त होगा, जिसे Reinsurance Claims or Recoveries कहा जाता है। इस राशि को भुगतान किए गए दावे की राशि में से घटा देना चाहिए।

(4) यदि दावे की राशि का निर्धारण करने में या निपटाने में कोई कानूनी व्यय (Legal Expenses) या चिकित्सा व्यय (Medical Expenses) किए हों तो इस दावे की राशि में जोड देना चाहिए।

(5) दावे की वास्तविक राशि ही आगत खाते के डेबिट पक्ष में दिखाई जाएगी उसकी गणना निम्न प्रकार होगी।

	Rs.
Claims paid during the year	....

Add Outstanding Claims at the end of the year	....
Add Legal and Medical exp. regarding	....
Less Outstanding Claims at the beginning of the year	....
Less Reinsurance and Recoveries	....
Amount to be shown on the debit side of Revenue Account	....

यदि कुछ दावों का भुगतान भारत के बाहर किया गया है, तो इसे आगम खाते के डेबिट पक्ष में Inner Column में अलग दिखाया जाना चाहिए।

2. कमीशन (Commission)—बीमा कम्पनी अपना व्यवसाय मुख्यतयाः एजेन्टों के माध्यम से करती है और इन्हें इस कार्य के लिए जो कमीशन दिया जाता है, वह बीमा कम्पनी के लिए व्यय (Expenditure) होता है। इस मद को आगम खाते के डेबिट पक्ष की ओर दिखाते हैं।

कमीशन को दो भागों में विभक्त करके दिखाया जाता है।

(i) प्रत्यक्ष व्यवसाय पर कमीशन (Commission on Direct Business)—इस उप–शीर्षक में उस कमीशन को दिखाया जाता है, जो बीमा कम्पनी द्वारा एजेण्टों को बीमा व्यवसाय लाने के लिए दिया जाता है।

(ii) पुनबीमा पर कमीशन (Commission on Re-insurance)—एक कम्पनी द्वारा दूसरी बीमा कम्पनी से अपने व्यवसाय के कुछ भाग को पुनः कराने पर कमीशन का भुगतान पुनर्बीमा पर कमीशन कहलाता है।

इस कमीशन को Commission on Re-insurance के उप–शीर्षक में दिखाया जाता है।

भारत व भारत के बाहर भुगतान की जाने वाली कमीशन की राशियां अलग–अलग आगम खाते (Revenue Account) के Inner Column में दिखाई जानी चाहिए।

3. प्रबन्ध के व्यय (Expenses of Management)—इस शीर्षक के अन्तर्गत बीमा कम्पनी के प्रबन्ध सम्बन्धी व्ययों के कुल योग को दिखाया जाता है। प्रबन्ध के खर्चों को पथक्–पथक् नहीं दिखाना चाहिए। प्रबन्ध सम्बन्धी व्यय में निम्न को शामिल किया जाता है—(Printing and stationary, Salary, Postage and Telephone, Rent, Lighting etc.)

4. डूबत ऋण/अप्राप्य ऋण (Bad debts)—इस शीर्षक के अन्तर्गत ऐसे ऋण की राशि दिखाई जाती है, जो डूब जाते हैं तथा जो अप्राप्य हों।

5. कर (Taxes)—बीमा कम्पनी द्वारा देशी तथा विदेशी करों के भुगतान को इस शीर्षक में दिखाते हैं।

6. अन्य व्यय (Other expenditure)—उपरोक्त व्ययों के अतिरिक्त बीमा कम्पनी यदि कोई अन्य व्यय करती है, तो ऐसे व्ययों या हानियों को इस शीर्षक के अन्तर्गत लिखा जाता है।

7. लाभ (Profits)—इस शीर्षक में बीमा कम्पनी के शुद्ध लाभ को लिखा जाता है। यदि बीमा कम्पनी के आगम खाते में क्रेडिट पक्ष का योग से अधिक हो तो शुद्ध लाभ होगा जिसे लाभ हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाएगा।

8. (a) असमाप्त जोखिम के लिए संचय (Reserve for Unexpired Risks)—सामान्य बीमा अनुबन्ध (Insurance Contract) प्रायः एक वर्ष की अवधि के लिए किए जाते हैं। यह बीमा अनुबन्ध वर्ष में किसी भी तिथि पर किया जा सकता है। इस प्रकार लेखांकन वर्ष के अन्त में कुछ अनुबन्ध ऐसे होते हैं जिनकी जोखिम की अवधि अगले वित्तीय वर्ष में समाप्त होती है। ऐसा जोखिम जो बीमा कम्पनी के वार्षिक खाते तैयार करने की तिथि तक समाप्त नहीं होता असमाप्त जोखिम (Unexpired Risk) कहलाता है।

बीमा कम्पनी द्वारा पूरे वर्ष का प्रीमियम बीमा कराते समय ही ले लिया जाता है। इस प्रकार बीमा पत्र (Insurance Policy) के सम्बन्ध में प्राप्त प्रीमियम का कुछ लाग चालू वर्ष (Cuurent Year) से सम्बन्धित होता है तथा कुछ भाग आगामी वित्तीय वर्ष (Next Financial Year) से सम्बन्धित होता है। प्रीमियम का यह आनुपातिक भाग जो असमाप्त जोखिम (Unexpired Risk) हेतु

अगले वर्ष के लिए सुरक्षित रखा जाता है, उसे 'असमाप्त जोखिम के लिए संचय' (Reserve for Unexpired Risk) कहा जाता है।

वर्ष के अन्त में सामान्य बीमा कम्पनी के शुद्ध लाभ (Net profit) की गणना के लिए वित्तीय वर्ष में शुद्ध बीमा प्रीमियम (Net Insurance Premium) का एक निश्चित प्रतिशत इस संचय में हस्तान्तरित किया जाता है। यह प्रतिशत अलग–अलग प्रकार के सामान्य बीमा व्यवसाय के लिए अलग–अलग निर्धारित किया गया है।

असमाप्त जोखिमों के लिए संचय का प्रतिशत सामान्य बीमा कौंसिल की प्रबन्ध समिति (Executive Committee of General Insurance Council) द्वारा निर्धारित किया गया है। इस प्रतिशत की व्याख्या आयकर अधिनियम 1961 की प्रथम अनुसूची के नियम 6E में भी गई है। असमाप्त जोखिम के लिए संचय सामुदिक बीमा व्यवसाय (Marine Insurance Business) में शुद्ध प्रीमियम (Net Premium) का 100% तथा अग्नि एवं अन्य विविध बीमा व्यवसायों में शुद्ध प्रीमियम का 50% होना चाहिए।

यदि प्रश्न में उपरोक्त संचय बनाने के लिए कोई प्रतिशत न दिया हो जो उपरोक्त प्रतिशत के आधार पर ही संचय का निर्माण करना चाहिए। यदि अन्य कोई प्रतिशत दिया हो तो उसी के आधारस पर संचय की व्यवस्था करनी चाहिए।

संचय बनाना अनिवार्य है, चाहे प्रश्न में कहा गया हो या नहीं।

असमाप्त जोखिम के लिए संचय का लेखांकन
(Accounting Treatment of Reserve for Unexpired Risk)

व्यापाहरक प्रश्न का हल करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए—

(i) यदि 'Reserve for unexipred Risk' का प्रारम्भिक शेष (Opening Balance) तलपट (Trial Balance) में दिया हो, तो उसे आगम खाते के क्रेडिट पक्ष (Credit Side) में दिखाना है।

(ii) यदि 'Reserve for unexpired Risk' का अन्तिम शेष (Closing Balance) तलपट (Trial Balance) में दिया हो, तो उसे केवल चिट्ठे (Balance Sheet) के दायित्व पक्ष (Liability Side) में दिखाना है।

(iii) यदि 'Reserve for unexpired Risk' समायोजन (Adjustments) में दिया हो, तो उसे एक बार आगम् खाते की डेबिट पक्ष में और दूसरी बार चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाना है।

(b) अतिरिक्त संचय (Additional Reserve) सामान्य बीमा कम्पनी असमाप्त जोखिम के लिए कानून द्वारा निर्धारित प्रतिशत से अधिक संचय कर सकती है। ऐसा बीमा कम्पनियां अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए करती हैं।

कानून द्वारा निर्धारित संचय से अधिक संचय को असमाप्त जोखिम के लिए अतिरिक्त संचय कहते हैं।

यह संचय ऐच्छिक होता है। इस संचय को केवल तभी बनाया जाएगा यदि प्रश्न में यह बनाने के लिए कहा गया हो। अतिरिक्त संचय को उसी प्रतिशत पर बनाया जाएगा जो प्रश्न में दिया गया हो।

Accounting Treatment of Additional Reserve

(i) यदि Additional Reserve का प्रारम्भिक शेष (Opening Balance) तलपट (Trial balance) में दिया हो तो उसे आगम खाते के क्रेडिट पक्ष की ओर दिखाना है।

(ii) यदि Additional Reserve का अन्तिम शेष (Opening Balance) तलपट (Trial balance) में दिया हो तो उेस केवल चिट्ठे के दायित्व पक्ष (Liability Side) में ही दिखाना है।

(iii) यदि अतिरिक्त संचय (Additional Reserve) समायोजन (Adjustments) में दिया हो, तो उसे एक बार आगम् खाते की डेबिट पक्ष (Debit Side) में और दूसरी बार चिट्ठे (Balance Sheet) के दायित्व पक्ष में दिखाना है।

क्रेडिट पक्ष की मदें (Items of Credit Side)

1. (a) असमाप्त जोखिम के लिए संचय (Reserve for unexpired Risk)—असमाप्त जोखिम के लिए बनाए गये गत वर्ष के संचय को चालू वर्ष (Current Year) के आगम् खाते के क्रेडिट पक्ष में सबसे पहले स्थान पर दिखाया जाता है।

(b) असमाप्त जोखिम के लिए अतिरिक्त संचय (Additional Reserve for Unexpired Risk)—गतवर्ष में असमाप्त जोखिम के लिए बनाए गए संचय को चालू वर्ष के आगम खाते के क्रेडिट पक्ष में 'असमाप्त जोखिम के लिए संचय' के नीचे दिखाते हैं।

2. प्रीमियम (Premium)—प्रीमियम बीमा कम्पनी की आय का एक महत्त्वपूर्ण स्त्रोत है। बीमा कम्पनी को बीमा अनुबन्ध के प्रतिफल के रूप में प्राप्त राशि को प्रीमियम कहते हैं। आगम खाते के क्रेडिट पक्ष में शुद्ध प्रीमियम की राशि को लिखा जाता है। प्रीमियम की कुल राशि में से पुनर्बीमा (Re-insurence Premium) प्रीमियम को घटा दिया जाता है तथा अदत प्रीमियम (Outstanding Premium) की राशि को जोड़ दिया जाता है। इस प्रकार प्रीमियम की जो राशि आती है, वह शुद्ध प्रीमियम (Net Premium) की राशि होती है। देश के अन्दर तथा देश के बाहर प्राप्त प्रीमियम को आगम खाते में पथक्–पथक् दिखाया जाता है।

Net Premium =

Premium Received during the year	....
Add Premium Outstanding at the end of the year	....
Less Premium Outstanding at the beginning of the year	....
Less Re-insurance Premium paid during the year	....

3. ब्याज, लाभांश तथा किराया (Interest, Dividend and Rent)—बीमा कम्पनी को चालू वर्ष में ऋण पत्रों (Debentures) तथा विनियोगों (Investments) पर ब्याज व लाभांश में होने वाली आय को आगम खाते के क्रेडिट पक्ष की ओर दिखाया जाता है। इसी प्रकार बीमा कम्पनी को अपनी सम्पत्तियों को किराए पर उठाकर किराये के रूप में होने वाली आय को भी इसी शीर्षक में लिखा जाता है। ब्याज, लाभांश तथा किराये से प्राप्त आय में से इन पर अदा किए गये आयकर (Income Tax) को घटा देना चाहिए। इस प्रकार प्राप्त शुद्ध आय को खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाना चाहिए।

4. अर्जित पुर्नबीमा पर कमीशन (Commission on Re-insurance Coded)—एक बीमा कम्पनी द्वारा दूसरी बीमा कम्पनी से अपने व्यवसाय का बीमा कराने पर जो कमीशन प्राप्त होता है, उस कमीशन को अर्जित पुनर्बीमा पर कमीशन कहते हैं। इस कमीशन को बीमा कम्पनी की आय में शामिल जाता है तथा आगम खाते के क्रेडिट पक्ष की ओर लिखा जाता है।

अन्य आय (Other Income)—बीमा कम्पनी को प्राप्त होने वाली आय को इस शीर्षक के अन्तर्गत लिखा जाता है। अन्य आय के उदाहरण निम्न हैं—

(i) रजिस्ट्रेशन शुल्क (Registration Fees)

(ii) अभिहस्तांतरण शुल्क (Assignment Fees)

(iii) बेचान शुल्क (Endorsement Fees)

(iv) हस्तांतरण शुल्क (Transfer Fees)

(v) आयकर की वापसी (Refund of Tax)

(vi) अपलिखित अदत् दावे (Outstanding Claims written back)

(vii) अपलिखित अदत् जमा की राशियां (Old Outstanding and unclaimed deposits written back)

(viii) विनियोगों एवं अन्य सम्पत्तियों के बेचने पर होने वाला लाभ (Profit on sale of investments and other Assets)

हानि (Loss)—यदि आगम खाते के डेबिट पक्ष के मदों का योग क्रेडिट पक्ष के योग से कम होता है तो यह अन्तर बीमा कम्पनी के लिए हानि होती है। इसे लाभ खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

नोट—यदि बीमा कम्पनी देश तथा विदेश दोनों में ही अपना व्यवसाय करती है, तो उसे अपनी कुछ मदों जैसे प्रीमियम, (Premium), दावे (Claims), अप्रत्यक्ष व्यय एवं ब्याज, तथा किराये (Other Expenses Interest, Dividend and Rent) को 'भारत के अन्तर्गत (Within India) में बांटकर आगम खाते के 'Inner Column' में दिखाना है।

सुरक्षा सीमा (Margin of Safety)—सामान्य बीमा निगम की कार्यकारी समिति (Executive Committee of General Insurance Corporation) द्वारा निर्धारित नियमों के अन्तर्गत एक सामान्य बीमा कम्पनी की सम्पत्तियों का दायित्वों पर आधिक्य कम–से–कम 5 लाख रु. अथवा शुद्ध प्रीमियम का 10% (जो भी अधिक हो) होना चाहिए। इस आधिक्य को ही सुरक्षा सीमा कहते हैं।

खर्चों की अधिकतम सीमा (Maximum amount for Expenses of Insurance Companies)—सामान्य बीमा कम्पनी के खर्चों की अधिकतम सीमा को निर्धारित किया गया है। बीमा एजेन्टों को दिए गए कमीशन के अतिरिक्त सामान्य बीमा कम्पनियाँ निम्नलिखित से ज्यादा खर्च नहीं कर सकतीं—

(a) In case of Marine Business

Gross Premium	Rs.	Maximum Unit for Expenses
on First	5,00,000	25% of Premium
on next	5,00,000	22.5% Premium
on next	5,00,000	20% of Premium
on next	7,50,000	17.5% of Premium
on Balance of Premium		15% of Premium

(b) In case of other Insurance Companies

Gross Premium	Rs.	% of premium allowed as expenses
on First	10,00,000	35% of the premium
on next	5,00,000	32.5% of the premium
on next	5,00,000	30.0% of the premium
on next	7,50,000	27.5% of the premium
on next	7,50,000	25.0% of the premium
on next	10,00,000	22.5% of the premium
on Balance		20.0% of the premium

Note: If any company spends more than the limits mentioned above, it has to take approval from controller of Insurance.

These limits are applicable to only insurance companies and not to General Insurance Corporation.

कमीशन की अधिकतम सीमा (Maximum Limit on Commission)—

Nature of insurance	Maximum % of Commission payable to agents
In case of Fire and Marine Insurance	5% of policy premium
In case of other insurance	10% of policy premium

Note: In case of Insurance effected by Principal Agent Maximum % of Commission in case of Fire and Marine Insurance of 20% and in case of other insurance it is 15%.

प्रीमियम में से घटाकर बोनस (Bonus in Reduction of Premium)—सामान्य बीमा सामान्यतया एक वर्ष की अवधि के लिए किया जाता है। एक वर्ष के पश्चात् इसका पुनः नवीनीकरण (Renewal) करना पड़ता है। यदि बीमापत्र (Insured) इस

एक वर्ष की अवधि के अन्तर्गत किसी भी दावे (Claims) की मांग करता तो बीमा कम्पनी, बीमा पात्र को एक निर्धारित दर से छूट (Rebate) देती है, जिसे बोनस भी कहा जाता है। इस छूट या बोनस का भुगतान बीमा कम्पनी नकद न करके अगली प्रीमियम में कटौती के रूप में समायोजित कर लेती है। प्रीमियम में दी गई इस छूट को 'Bonus in Reduction of Premium' कहते हैं।

इस घटाई गई राशि का निम्न जोर्नल लेखा किया जाता है—

Bonus in reduction of Premium A/c Dr.

To Premium A/c

नोट : व्यावहारिक प्रश्न हल करते समय विद्यार्थियों को निम्न की ओर ध्यान देना चाहिए—

(1) यदि 'Bonus in reduction of Premium' तलपट में दिया हुआ है, तो इसे केवल एक बार आगम खाते के डेबिट पक्ष की ओर दिखाना है।

(2) यदि प्रश्न में तलपट (Trial balance) नहीं दिया है तो 'Bonus in Reduction of Premium' को आगम खाते के डेबिट पक्ष तथा क्रेडिट पक्ष दोनों ओर ही दिखाना है।

(3) यदि 'Bonus in reduction of Premium' समायोजन (Adjustment) में दिया हो, तो इसे एक बार आगम खाते के डेबिट पक्ष की ओर लिखेंगे तथा दूसरी बार आगम खाते (Revenue Account) की क्रेडिट पक्ष की ओर Premium में जोड़ कर दिखाएगें।

लाभ हानि खाता
(Profit and Loss Account)

एक सामान्य बीमा कम्पनी अनेक प्रकार का बीमा व्यवसाय करती हैं। (जैसे अग्नि बीमा, समुद्री बीमा, दुर्घटना बीमा आदि) बीमा कम्पनी अपने सभी प्रकार के व्यवसायों के लिए अलग–अलग आगम् खाते बनाती है। परन्तु पूरे व्यवसाय के लाभ हानि को जानने के लिए लाभ हानि खाता (Profit and Loss Account) बनाया जाता है। आगम खाते से ज्ञात लाभ और हानि को इस खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इसके अतिरिक्त आय तथा व्यय के ऐसे मद (Items) जो किसी विशेष व्यवसाय से सम्बन्धित नहीं होते तथा जिन्हें आगम खाते में नहीं दिखाया गया है, इस लाभ हानि खाते में लिखा जाता है।

लाभ हानि खाता भी निर्धारित प्रारूप में बनाया जाता है। इसका प्रारूप भारतीय बीमा कम्पनी अधिनियम 1938 की दूसरी सूची में From B के अन्तर्गत दिया हुआ है जो निम्न प्रकार है—

Form B
PROFIT AND LOSS ACCOUNT
for the year ended 31st December

		Rs.		Rs.
1.	Income tax (not applicable to any particular Revenue account)		Interest, Dividends and Rents (not applicable to any particular Revenue Account)—Gross	
2.	Expenses of management (not applicable to any particular Revenue account) e.g., expenses of management of share department, gratuity to staff etc.		Profit on Sale of Investments (not credited to Reserve or to any particular account)	

3.	Loss on sale of investments (not charged to Reserves or to any particular account)		Appreciation of Investments not credited to Reserves or to any particular account.	
4.	Depreciation of investment (not charged to Reserves of to any particular account)		Profit transferred from Revenue Accounts	
5.	Loss transferred from Revenue Accounts.		Transfer and other Fees.	
6.	Other Expenses (to be specified) e.g., Depreciation, Provision for Taxation, etc.		Other income (to be specified, e.g., Profit on sale of furniture)	
7.	Balance carried to P. & L. Appropriation Account.		Balance being loss for the year carried to Appropriation Account.	

लाभ–हानि के उपर्युक्त प्रारूप से स्पष्ट है कि इससे आय व व्यय के उन मदों को लिखा जाता है जो सामान्य बीमा कम्पनी के किसी विशेष बीमा व्यवसाय (जैसे अग्नि बीमा, समुद्री बीमा आदि) से सम्बन्धित न होकर वरन् पूरे व्यवसाय से सम्बन्धित होते है। दूसरे शब्दों में, आय व व्यय के उन मदों को दिखाया जाता है जो किसी कोष या खाते से सम्बन्धित नहीं होते।

लाभ–हानि खाते के डेबिट पक्ष में निम्न पदों को दिखाया जाता है—

(1) बीमा कम्पनी के लाभ पर केन्द्र सरकार को दिया जाने वाला कर जो किसी कोष या खाते से सम्बन्धित न हो।

(2) प्रबन्ध के व्यय जो किसी कोष या खाते से सम्बन्धित न हो।

(3) विनियोगों की वसूली पर हानि जिसे किसी संचय, कोष या खाते में न हो जाया गया हो।

(4) विनियोगों पर ह्रास जिसे किसी संचय, कोष या खाते में न ले जाया गया हो।

(5) यदि आगम खाते में हानि हो तो उस हानि को विवरण के साथ।

(6) अन्य कोई व्यय विवरण के साथ।

लाभ–हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में निम्न मदों को दिखाया जाता है—

(1) ब्याज, लाभांश तथा किराये से प्राप्त आय जो किसी कोष या खाते से सम्बन्धित न हो। यदि इस आय पर कर दिया गया हो तो उसे घटा देना चाहिए।

(2) विनियोगों की वसूली पर लाभ जिसे किसी संचय, कोष या खाते में जमा न किया गया हो।

(3) विनियोगों की पुनर्मूल्यांकन पर हुआ लाभ जिसे किसी संचय, कोष या खाते में न किया गया हो।

(4) आगम खाते से हस्तान्तरित किया हुआ लाभ विवरण के साथ।

(5) हस्तान्तरण शुल्क।

(6) अन्य कोई विवरण के साथ।

लाभ–हानि खाते के डेबिट तथा क्रेडिट पक्षों का योग करना चाहिए। यदि डेबिट पक्ष का योग कम और क्रेडिट पक्ष का योग अधिक हो तो यह अन्तर लाभ होगा और इसे डेबिट पक्ष में लिखकर लाभ हानि नियोजन खाते में हस्तान्तरित कर देते हैं। यदि क्रेडिट पक्ष का योग कम हो और डेबिट पक्ष योग अधिक हो तो यह अन्तर हानि प्रदर्शित करता है इसे क्रेडिट पक्ष में लिखकर लाभ–हानि योजना वाले खाते में हस्तान्तरित कर देते हैं।

लाभ-हानि नियोजन खाता
(Profit and Loss Appropriation Account)

सामान्य बीमा कम्पनी को लाभ–हानि नियोजन खाता भी बनाना पड़ता है। इसे लाभ–हानि खाते द्वारा प्रदर्शित लाभ–हानि को दिखाया जाता है तथा लाभ में से किये जाने वाले नियोजनों (appropriations) को दिखाया जाता है। उचित नियोजन के

पश्चात शेष बचे शुद्ध लाभ को चिट्ठे में हस्तांतरित किया जाता है। लाभ–हानि नियोजन खाता भी निर्धारित प्रारूप में बनाया जाता है। इसका प्रारूप बीमा अधिनियम, 1938 की दूसरी सूची में Form C के अन्तर्गत दिया हुआ है जो निम्न है—

Form C

PROFIT AND LOSS APPROPRIATION ACCOUNT

for the year ended 31st March........

		Rs.		Rs.
1.	Balance being loss brought forward from last year		Balance brought forward from last year *Less:* Dividends since paid in respect of last year (if free of tax, to be so stated)	
2.	Balance being loss for the year brought from Profit and Loss Account.		Balance for the year brought from Profit and Loss Account.	
3.	Dividends paid during the year on account of the current year (if free of tax, to be so stated.)		Balance being Loss at the end of the year as shown in the Balance Sheet.	
4.	Trasnfer to Reserves e.g., Exchange Reserve.			
5.	Balance at the end of the year as shown in the Balance Sheet.			

उपर्युक्त प्रारूप से स्पष्ट है कि लाभ–हानि नियोजन खाते के डेबिट पक्ष में निम्न मदें लिखी जाती हैं—

(1) पिछले वर्ष की हानि, यदि कोई हो;

(2) लाभ–हानि खाते द्वारा प्रदर्शित चालू वर्ष की हानि;

(3) वर्ष के दौरान भुगतान किया गया लाभांश जिस वर्ष का यह लाभांश हो उसका उल्लेख करना चाहिए। यदि लाभांश कर मुक्त हो तो उसका भी उल्लेख करना चाहिए;

(4) किसी विशेष कोष या खाते में हस्तान्तरित राशि विवरण के साथ। लाभ हानि नियोजन खाते के क्रेडिट पक्ष में निम्न मदें लिखी जाती हैं—

(1) पिछले वर्ष के लाभ का शेष, यदि कोई हो। इस लाभ में से यदि लाभांश का भुगतान किया गया हो तो उसे घटा देना चाहिए। जिस वर्ष का यह लाभांश हो उसका उल्लेख करना चाहिए। यदि लाभांश कर मुक्त हो तो इसका भी उल्लेख करना चाहिए।

(2) लाभ–हानि खाते द्वारा प्रदर्शित चालू वर्ष को लाभ–हानि नियोजन खाते के क्रेडिट पक्ष का योग यदि डेबिट पक्ष के योग से अधिक होता है तो इस शेष को डेबिट पक्ष में लिख कर आर्थिक चिट्ठे में हस्तांतरित कर दिया जाता है। इसके विपरीत यदि डेबिट पक्ष का योग इसके क्रेडिट पक्ष के योग से अधिक होता है तो इस शेष को क्रेडिट पक्ष में लिखकर चिट्ठे में हस्तांतरित कर देते हैं।

चिट्ठा (Balance-Sheet)

बीमा कम्पनी को भी विभिन्न सम्पत्तियों एवं दायित्वों के आधार पर आर्थिक चिट्ठा तैयार करना होता है। चिट्ठे का प्रारूप भारतीय बीमा कम्पनी अधिनियम, 1938 (Insurance Act, 1938) की प्रथम अनुसूची के Form A के अन्तर्गत दिया गया है। सभी बीमा कम्पनियों को चिट्ठा इसी प्रारूप में बनाना होता है चाहे वह जीवन बीमा व्यवसाय करती है या सामान्य बीमा व्यवसाय। इस चिट्ठे के सम्पत्ति और दायित्व पक्ष में तीन–तीन रकम के खाने हैं—पहला जीवन बीमा व्यवसाय के लिए दूसरा सामान्य बीमा व्यवसाय के लिए तथा तीसरा दोनों के योग के लिए। क्योंकि अब हमारे देश में जीवन बीमा व्यवसाय केवल जीवन बीमा निगम द्वारा तथा सामन्य बीमा कम्पनियों द्वारा ही किया जाता है।

चिट्ठे का प्रारूप निम्न प्रकार है

नोट–(जीवन बीमा व्यवसाय तथ सामान्य बीमा व्यवसाय दोनों के लिए चिट्ठे का यही प्रारूप होगा)

चिट्ठ का प्रारूप

Form A

BALANCE SHEET OF..................19...................

		(1) Rs.	(2) Rs.	(3) Rs.			(1) Rs.	(2) Rs.	(3) Rs.
1.	**Shareholder' Capital** (each class to be stated separately) Authorised......shares of Rs....each Subscribed....shares of Rs....each Called up...shares of Rs.....each *Less:* Unpaid calls				**1.**	**Loans:** On Mortgages of property On Security of municipal and other public rates On Stocks and shares On Insurers' Policies within their surrender value On personal security to subsidiary Companies [other than reversionary (1)]			
2.	**Reserves or Contingency A/c (a)** Investmnts Reserve Reserve Account Profit & Loss Appropriation Account					Reversions and Life Interests purchased Loans on Reversions and Life interests Debenture Stocks of Subsidiary reversionary Companies (f) Ordinary stocks and shares of Subsidiary Reversionary companies (f) Loans to Subsidiary Reversionary Companies (f)			

3.	**Balance of Funds and Accounts :** Life Insurance Fund (i) Business in India (ii) Business outside India Fire Insurance Business Account Marine Insurance Business Account Miscellaneous Insurance business Account (m) Other Account, if any be specified (I) Pension or Superannuation Account (b)				**2.**	**Investments :** Deposits with the Reserve Bank of India (Securities to be specified) Indian Government Securities State Government Securities British Colonial and British dominion. Govt Securities. Foreign Government Securities Indian Municipal Securities British and Colonal Securities Foreign Securities, Bonds, Debentures, Stocks and other Securities whereon interest is guaranteed by Indian Govt. or a State Govt.		
4.	**Debenture Stock**					Bonds, Debentures, Stock and other Securities whereon Interest is guaranteed by the British or any Colonial Govt.		
5.	**Loans & Advances (c)** Bills Payable (c) Estimated Liability in respect of outstanding claims whether due or intimated (d) Annuities due and unpaid (d) Outstanding Dividends Amounts due to other Persons or Bodies canying on Insurance business (c) Sundry Creditors including outstanding expenses and taxes (c) Other sums owing by the Insurer (particulars to be given) (c)					Bonds Debentures, Stock and other Securities whereon Interest is guaranteed by any foreign Govt. Debentures of any railway in India. Debentures of any railway out of India. Preference or Guaranteed Shares of any railway in India Preference of Guaranteed Shares of any railway out of India Railway Ordinary Stocks (i) in India (ii) out of India		
6.	**Contingent Liabilities to be specified (e)**					Other guaranteed and Preference stock and shares of companies incorporated (i) in India, (ii) out of India Other ordinary Stocks & Shares of Companies incorporated. (i) in India (ii) But of India Holdings in Subsidiary Companies (f) House Property (i) in India (ii) out of India		

						Freehold and Leasehold ground rents and rent charges			
					3.	**Agents' Balances outstanding**			
					4.	**Outstanding Premiums (g) (d)**			
					5.	**Interest, Dividends and Rents outstanding (d)**			
					6.	**Interest, Dividends and Rents accruing but not due (d)**			
					7.	**Amounts due from other Persons or bodies carrying on Insurance Business (h)**			
					8.	**Sundry debtors (i)**			
					9.	**Bills Receivable**			
					10.	**Cash**			
						At Bankers on Deposit A/c			
						At bankers on Current A/c and in hand			
						At call on short notice G)			
					11.	**Other Accounts to be specified (k)**			

चिट्ठे का संक्षिप्त रूप (Summarised Balance Sheet)—चिट्ठे को संक्षेप रूप में निम्न प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है। व्यवहारिक प्रश्न हल करते समय विद्यार्थियों को चिट्ठे के इस संक्षिप्त रूप का प्रयोग करना चाहिए—

Form A

(Summarised Balance-Sheet)

........INSURANCE CO. LTD.

Balance Sheet as at 31st March........

	Liabilities	**Rs.**			**Rs.**
1.	Shareholders' Capital (giving the same details as in the case of other companies)		1.	Loans On mortage of Property within India On mortgage of property outside India On Stocks and Shares Loans to Subsidiary Companies	
2.	Reserve or contingency Accounts : General Reserve Investment Reserve		2.	Investment (including Freehold and Leasehold Property)	
3.	Balance of Funds and Accounts		3.	Agents and Branch Balances	
4.	Debenture Stock		4.	Premiums Oputstanding (either to be shown net after decucting commission thereon or commission thereon to be provided for the liability)	

5.	Loans and Advances (stating the amount and nature of security, if any)		5.	Interest, Dividends and Rents Outstanding (to be shown net deduction of income tax thereon)	
(a)	Bills Payable		6.	Interest, Dividends and Rents accruing (to be shown net deduction of income tax thereon)	
(b)	Estimated Liability in respect of outstanding declaims whether due or intimated				
(c)	Unclaimed Dividends		7.	Amounts due from other insurers Amounts due from subsidiary companies	
(d)	Amounts due to other insurers (stating the amount and nature of security, if any)				
(e)	Sundry, Creditors (including commission and other expenses owing and taxes)		8.	Sundry debtors (amounts due from directors and officers to be stated separately)	
			9.	Bills Receivable	
(f)	Other Items due : Amount due to Subsidiary Companies (in total only)		10.	Cash Balances: In hand	
	Staff Provident Fund or Gratuity Account			On deposit account with banks On current with banks	
	Advance premium received Provision for Taxation				
	Reserves. hold on account of reinsurances cdded by the company.				
6.	Contingent Liabilities—liability for partly paid shaers in a subsidiary company to be separately stated.		11.	Other Accounts.	

Note: The previous year's figures must be given for all items.

आर्थिक चिट्ठे की मदों का स्पष्टीकरण
(Explanation of Items of Balance Sheet)

A. दायित्व पक्ष (Liability Side)

1. अंशधारियों की पूंजी (Shareholder's Capital)—इस शीर्षक के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की अंश पूंजी—अधिकृत निर्गमित, याचित एवं दत्त पूंजी को अलग–अलग दिखाया जाता है।

2. संचय अथिव आकस्मिक खाते (Reserve or Contingency Accounts)—बीमा कम्पनी के सभी प्रकार के संचय–सामान्य, विशेष तथा आकस्मिक को इस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

3. कोषों तथा खातों का शेष (Balance of funds and Accounts)—इसमें अग्नि, समुद्री, दुर्घटना या अन्य बीमा व्यवसाय के असमाप्त जोखिमों के लिए बनाये गये संचयों तथा अतिरिक्त संचयों के अन्तिम (closing) शेषों को दिखाया जाता है। इसी शीर्षक के अन्तर्गत अन्य खातों जैसे पेंशन या अवकाश प्राप्त खाते आदि को भी दिखाया जाता है।

4. ऋणपत्र स्टाक (Debentures Stock)—बीमा कम्पनी द्वारा निर्गमित ऋणपत्रों की राशि यहां दिखायी जाती है।

5. ऋण एवं अग्रिम (Loans and Advances)—सामान्य बीमा कम्पनी कम्पनी द्वारा लिये गये ऋणों तथा अग्रिमों की राशि को यहां दिखाया जाता है। यदि ऋण जमानत के आधार पर लिया गया है तो उसके मूल्य एवं प्रकृति को यह स्पष्ट करना चाहिए।

6. देय बिल (Bills Payable)

7. अदत्त दावों के सम्बन्ध में अनुमानित दायित्व (Estimated Liability in respect of outstanding claims, whether due or estimated)—इस शीर्षक के अन्तर्गत सामान्य बीमा कम्पनी के ऐसे दावों की राशि दिखायी जाती है जो वार्षिक खाते तैयार करने की तिथि तक देय तो हो जाते हैं किन्तु जिनका अभी भुगतान नहीं हुआ होता है।

8. देय किन्तु अदत्त आवत्तिया (Annuity due and unpaid)—इस मद का सम्बन्ध सामान्य बीमा कम्पनियों से नहीं होता है। अतः आर्थिक चिट्ठे में इस छोड़ा जा सकता है।

9. अदत्त लाभांश (Outstanding Dividends)—वह लाभांश जो कम्पनी द्वारा घोषित हो चुका है; किन्तु जिसका वार्षिक खाते तैयार करने की तिथि तक भुगतान नहीं होता उसे यहां दिखाया जाता है।

10. बीमा व्यवसाय करने वाले अन्य व्यक्तियों या संस्थाओ को देय राशि (Amounts due to other persons or bodies carrying on Insurance Business)—इस शीर्षक के अन्तर्गत वह राशि लिखी जाती है जिसे बीमा कम्पनी को बीमा व्यवसाय करने वाले अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को देनी होती है।

11. विविध लेनदार (Sundry Creditors)—यह मद स्वयं स्पष्ट है। यह ध्यान रखना चाहिए कि अदत्त व्यय तथा करों को भी इसी मद में सम्मिलित किया जाता है।

12. बीमा कर्त्ता देय अन्य राशियां (Other sums owing by Insurer)—बीमा कम्पनी द्वारा देय ऐसी राशियां जिनको अभी तक नहीं दिखाया गया है उन्हें इस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाते हैं।

13. आकस्मिक दायित्व (Contingent Liabilities)—यदि कोई आकस्मिक दायित्व हो तो उसे नोट के रूप में दिखाया जाता है।

B. सम्पत्ति पक्ष (Assets Side)

1. ऋण (Loans)—सामान्य बीमा कम्पनी के सम्पत्ति पक्ष में सबसे पहले स्थान पर कम्पनी द्वारा किये गये ऋणों को दिखाया जाता है। विभिन्न प्रकार के ऋणों का विवरण देते हुए दिखाना चाहिए।

2. विनियोग (Investments)—इस शीर्षक के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के विनियोगों को क्रमानुसार पूर्ण विवरण देते हुए दिखाया जाता है। देश के अन्दर तथा देश के बाहर किये गये विनियोगों को पथक्–पथक् दिखाया जाता है।

3. एजेण्टों के शेष (Agents' Balances)—जो राशि एजेण्टों से प्राप्त होनी होती है उसे इस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

4. अदत्त प्रीमियम (Outstanding Premium)—आर्थिक चिट्ठे के बनाने की विधि तथा जो प्रीमियम देय हो जाती है किन्तु प्राप्त नहीं होती उसे यहां दिखाया जाता है।

5. अदत्त ब्याज, लाभांश तथा किराया (Outstanding Interest, Dividends and Rents)—ब्याज, लाभांश तथा किराये की वह राशि यहां लिखी जाती है जो चिट्ठे की तिथि तक देय तो हो जाती है किन्तु प्राप्त नहीं होती।

6. उपार्जित ब्याज, लाभांश तथा किराया जो देय न हो (Interest, Dividends and Rents accrued but not due)—इस शीर्षक के अन्तर्गत ब्याज, लाभांश तथा किराये की वह राशि दिखायी जाती है जो चालू वर्ष से सम्बन्धित हो, किन्तु जो चालू वर्ष में देय न होकर अगले वर्ष देय होगी तथा प्राप्त होगी। उदाहरणार्थ, यदि बीमा कम्पनी 1 अक्तूबर, 1998 को कोई भवन 12,000 रु० वार्षिक किराये पर देती है तो 31 दिसम्बर, 1998 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए जो चिट्ठा बनाया जायेगा उसमें 3,000 रु० (तीन माह का किराया) इस शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जायेगा क्योंकि यह किराया उपार्जित तो हो चुका है किन्तु यह अगले वर्ष देय तथा प्राप्त होगा।

7. बीमा व्यवसाय करने वाले अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं से प्राप्त राशि (Amounts due from other Persons of Bodies carrying on Insurance Business)—बीमा व्यवसाय करने वाले अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं से बीमा कम्पनी को जो राशि प्राप्त होती है उसे यहां दिखाया जाता है।

8. विविध देनदार (Sundry debtors)

9. प्राप्य बिल (Bill Receivable)

10. रोकड़ (Cash)—चिट्ठे में रोकड़ को निम्न तीन उप–शीर्षकों में विभक्त करके दिखाया जाता है—

(i) बैंकों के मियादी खाते में जमा रोकड़;

(ii) बैंकों के चालू खाते में जमा तथा हस्तस्थ रोकड़;

(iii) मांग तथा अन्य सूचना पर प्राप्य रोकड़।

ACCOUNTS OF GENERAL INSURANCE

Revenue Account

Illustration 3.

The following are the balances extracted from the Books of Loyad Insurance company Ltd. for the fire and Marine department as on 31 st March, 1996 :

	Fire (Rs.)	Marine (Rs.)
Claims Paid	1,12,000	1,07,000
Commission Paid (Direct business)	1,09,00	89,400
Expenses of management	69,200	26,400
Commission on re-insurance accepted	8,000	5,000
Commission on re-insurance ceded	4,000	3,000
Outstanding Premium 31.3.1996	40,600	33,600
Reserve for unexpired Risk	1,30,200	2,44,000
Additional Reserve	1,42,000	15,000
Premium received less reinsurance	3,30,600	2,23,600
Claims outstanding 1,4,95	3,800	200

Adjustments to be taken in consideration :

(a) Estimated liability in respect of claims outstanding on 31,3,1996 was fix Rs. 600 and marine Rs. 13,400.

(b) Provide Rs. 20,000 for survey expenses (Marine) and Rs. 16,240 for Sundry expenses (Fire).

(c) Provide increase of Fire insurance for Additional Reserve at 10% of the net premium in addition to the opening balance.

Prepare Fire and Marine Insurance Revenue Accounts.

REVENUE ACCOUNT OF LOYAD INSURANCE COMPANY

For the year ending 31st March, 1996

Particulars	Fire Rs.	Marine Rs.	Particulars	Fire Rs.	Marine Rs.
Claims	1,08,800	1,20,600	Balance of Account at the beginning of the year	1,30,200	2,44,000

Commission on Direct business	1,09,000	89,400	Reserve for unexpired Risk, Additional Reserve	1,42,800	15,000
Commission on re-insurance accepted	8,000	5,000	Premium less re-insurance	3,71,200	2,57,200
Expenses of Manage ment	69,200	26,400	Commission on reinsurance ceded	4,000	3,000
Other Expenditure Fire (Sundry exp.) Marine (Survey exp.)	16,240	20,000			
Profit transferred to Profit and Loss A/c Balance of Account at the end of the year: Reserve for unexpired Risk Fire 50% of Net premium Marine 100% of Net premium	1,85,600	2,57,200	Loss transfen-ed to Profit and Loss A/c	29,160	14,400
Additional Reserve Fire : Opening Balance 1,42,800		15,000			
Add 10% of 3,71,200 27,120	1,79,920				
	6,77,360	5,33,600		6,77,360	5,33,600

Working Notes: 1. Calculation of claims :

	Fire	Marine
Claims paid aduring the year	1,12,000	1,07,400
Add outstanding claims at the end of 31.3.96	600	13,400
	1,12,600	1,20,800
Less outstanding claims as 1.4.95	3,800	200
	1,08,800	1,20,600

2. Calculation of Premium :

	Fire	Marine
Premium less re-insurance	3,30,600	2,23,600
Add outstanding premium on 31.3.1996	40,600	33,600
	3,71,200	2,57,200

3. Reserve for unexpired Risk :

$$\text{Fire } 3,71,200 \times \frac{50}{1000} = 1,85,600$$

$$\text{Marine } 2,57,200 \times \frac{100}{1000} = 2,57,200$$

समायोजन सम्बन्धी लेखे
(Adjustment Entries)

कभी–कभी बीमा कम्पनी के तलपट (Trial Balance) के नीचे कुछ अतिरिक्त सूचनाएं (Additional Informations) दी होती हैं, जिन्हें समायोजनाएं (Ajustments) कहते हैं। इन समायोजनाओं का लेखा दो बार किया जाता है अर्थात् इन समायोजनाओं का दोहरा लेखा (Double Entry) करना होता है। यह दोहरा लेखा एक बार किसी खाते के डेबिट में (Debit) तथा एक बार क्रेडिट (Credit) में करना पड़ता है। इन समायोजनों के सम्बन्ध में निम्न लेखे किए जाते हैं–

1. अदत्त दावे (Outstanding Claims)–ऐसे दावे जिनकी सूचना कम्पनी को प्राप्त हो जाती है (चाहे कम्पनी ने उन्हें स्वीकार किया हो या न किया हो) उन्हें पुस्तकों में लाने के लिए निम्न लेखा किया जाता है।

Claims A/c Dr.

To outstanding claims A/c

(outstanding claims brought into account)

Note—अदत्त दावों (outstanding claims) की राशि समायोजन में दिए जाने पर इन्हें एक बार आगम खाते (Revenue Account) की डेबिट (debit) में दावों में जोड़ देते हैं और दूसरी ओर आर्थिक चिट्ठे (Balance sheet) के दायित्व पक्ष (liability side) में दिखाते हैं।

2. पुनर्बीमा दावे (Re-insurance claims or claims covered under re-insurance)–तलपट के नीचे पुनर्बीमा दावे की राशि दी जाने पर निम्न लेखा किया जाता है।

Other Insurance A/c Dr.

To claims under re-insurance A/c

(Being claims covered under re-insurance)

Note—पुनर्बीमा दावे की राशि को एक बार आगम खाते (Revenue Account) के डेबिट पक्ष में दावे की राशि में से घटा देते तथा दूसरी बार आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाते हैं।

3. प्रीमियम को घटानेवाला बोनस (Bonus in reduction of Premium)–प्रीमियम का प्रयोग बोनस को कम करने पर कम्पनी की पुस्तकों में निम्न लेखा किया जाता है–

Bonus in reduction of Premium A/c Dr.

To Premium A/c

(Bring Bonus utilised in reduction of premium)

Note—(i) यदि वार्षिक खाते बन्द करते समय तक इसका लेखा नहीं हुआ है तो इसे एक बार आगम खाते (Revenue Account) के डेबिट पक्ष में बोनस (Bonus) में जोड़ देते हैं तथा दूसरी ओर आगम खाते (Revenue Account) के डेबिट पक्ष में प्रीमियम (Premium) में जोड़ देते हैं।

(ii) यदि Bonus in reduction of Premium की राशि तलपट के अन्दर दी हुई है तो इसे केवल एक बार आगम खाते (Revenue Account) के डेबिट में दिखाते हैं।

4. अदत्त प्रीमियम (Outstanding Premium)–यदि अदत्त प्रीमियम की राशि समायोजन में दी है तो इसे पुस्तकों में लाने के लिए निम्न लेखा किया है।

Outstanding Premium A/c Dr.

To Premium A/c

(Being outstanding premium at the end brought into account)

5. अग्रिम में प्राप्त प्रीमियम (Premium received in advance)—समायोजन में अग्रिम प्राप्त प्रीमियम दिए जाने पर, इसे पुस्तकों में लाने के लिए निम्न लेखा किया जाता है।

Premium A/c Dr.

To Premium Received in Advance A/c

(Being Premium received in advance brought into account)

Note—अग्रिम प्राप्त प्रीमियम को एक बार आगम खाते (Revenue Account) के क्रेडिट में प्रीमियम में घटा देते हैं तथा दूसरी बार आर्थिक चिट्ठे में दायित्व पक्ष (Liabilities side) में दिखाते हैं।

6. प्राप्य ब्याज (Interest receivable) (i) देय परन्तु अप्राप्त ब्याज (interest due but not received) ब्याज देय तो हो चुका है परन्तु प्राप्त नहीं हुआ है।

(ii) उपार्जित ब्याज जो अभी देय नहीं हुआ (interest accrued but not due) उपार्जित ब्याज जिसकी देय तिथि अभी नहीं आई है।

दोनों ही दशाओं में कम्पनी की पुस्तकों में निम्न लेखा होता है,

Accrued interest A/c Dr.

To Interest A/c

(Being accrued or outstanding interest brought into account)

Note—दोनों ही दशाओं में इसे एक बार आगम खाते (Revenue Account) के क्रेडिट पक्ष में 'Interest and Dividend' में जोड़ देते हैं तथा दूसरी बार आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष (Asset Side) में दिखाते हैं।

7. देय किन्तु अदत्त वत्ति (Annuity due but not paid)—

Annuity A/c Dr.

To Annuity outstanding A/c

(outstanding annuity brought into accounts)

Illustration 6.

The Revenue Account of a Marine Insurance company shows the profit of Rs. 3,00,000 for the year ending 31st December, 1993 before taking in to account the following items :

	Rs.
1. Claims/estimated but not admitted	55,000
2. Claims outstanding for ten yeas, now written off	30,000
(10 वर्ष पुराने अदत्त दावे अब अपलिखित कर दिए)	
3. Re-insurance recoveries (पुनर्बीमा वसूली)	23,000
4. Bonus utilised in reduction of premium	10,000
(प्रीमियम की कटौती में बोनस)	
5. Interest accrued on securities	5,000
(प्रतिभूतियों पर अर्जित ब्याज)	
6. Agents' commission to be paid	7,500
(एजेण्टों को कमीशन देना है)	

उपरोक्त भूलों के लिए आवश्यक प्रविष्टियां कीजिए और उपरोक्त समायोजनाएं करने के बाद कम्पनी का लाभ दिखाइए।

Pass the necessary journal entries for the above Commissions and show the net profit of the company after making the above adjustments.

Solution :

JOURNAL ENTRIES

			Rs.	Rs.
(1)	Claims Account	Dr.	55,000	
	To outstanding claims Account			55,000
	(Being outstanding claims intimated but not admitted)			
(2)	Outstanding claims Account	Dr.	30,000	
	To Revenue Account			30,000
	(Being outstanding claims written off)			
(3)	Other Insurance Co.	Dr.	23,000	
	To Claims Account			23,000
	(Being claims covered under re-insurance)			
(4)	Bonus in Reduction of Premium A/c	Dr.	10,000	
	To Premium A/c			10,000
	(Being Bonus utilised in reduction of Premium)			
(5)	Accured Interest Account	Dr.	5,000	
	To Interest Account			5,000
	(Being Interest accrued on securities)			
(6)	Commission Account	Dr.	7,500	
	To Outstanding Commission Account			7,500
	(Being Commission Outstanding)			

STATEMENT SHOWING EFFECT ON NET PROFIT

S.No.	Account Effected.	Dr. (Decrease)	Cr. (Increase)
		Rs.	Rs.
	Net profit before taking into account the adjustment entries	—	3,00,000

1.	Claims A/c	55,000	—
2.	Revenue A/c	—	30,000
3.	Claims A/c	—	23,000
4.	Bonus is reduction of Premium	10,000	10,000
5.	Interest A/c	—	5,000
6.	Commission A/c	7,500	
	Net profit after adjustment i.e.3,68,000 – 72,500 = 2,95,500	72,500	3,68,000
		2,95,000	
		3,68,000	3,68,000

Illustration 8.

31 मार्च, 1998 को आइडिल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि० की पुस्तकों में अग्नि बीमा के सम्बन्ध में निम्नलिखित विवरण प्राप्त हुए :

On 31st March, 1998 the books of the Ideal Insurance Co. Ltd. contained the following particulars in respect of fire insurance :

	Rs.		Rs.
Premium less re-insurance	75,00,000	Audit Fees	30,000
Reserve for unexpired risk on		Postage and Telegrams	22,500
1.4.1997	30,00,000	Printing and Stationery	37,500
Claims less re-insurance	41,25,000	Depreciation	60,000
Claims outstanding as on			
(1.4.1997)	11,24,000	Policy stamps	7,500
Commission on direct business	4,50,000	Share Capital (Equity shares	
		of Rs. 100 each)	75,00,000
Commission on re-insurance ceded	3,00,000	General Reserve	15,00,000
Commission on re-insurance accepted	1,50,000	Motor Car, Furniture etc.	8,40,000
Bad Debts	22,500	Profit and Loss Appropriation	
Foreign Taxes	15,000	(Balance as on 1.4.1997)	3,00,000
Rates and Taxes	1,80,000	Interest and Dividend recovered	2,25,000
		(Net)	
Establishment charges	7,50,000	Director's Fees	30,000
		Minimum Remuneration of	
		Mannaging Director	2,70,000
		Investment Reserve on	9,00,000

Additonal Informations :

अतिरिक्त सूचनाएं :

(1) Outstanding claims as on 31.3.98 were Rs. 7,50,000

(1.4.97 के अदत्त दावे 7,50,000 रु० थे।)

(2) Reserve for unexpired risk to be kept at 50% of Premium Income.

(शुद्ध प्रीमियम के 50% के बराबर असमाप्त जोखिम के लिए संचय बनाना है।)

(3) Market value of Investments as on 31.3.98 was Rs. 42,00,000

(31.3.98 को विनियोगों का बाजार मूल्य 42,00,000 रु० है।)

(4) Provision for Taxation is required to be made or Rs 5,85,000.

(कर के लिए आयोजन 5,85,000 रु० करना है।)

(5) Transfer to General Reserve Rs. 90,000

(सामान्य कोष में 90,000 रु० हस्तान्तरित करने है।)

(6) Proposed Dividend Rs. 4,00,000.

(प्रस्तावित लाभांश 4,00,000 रु० है।)

You are required to prepare the Revenue Account, Profit and Loss Appropriation Account for the year ended 31.3.98.

31.3.98 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आगम खाता तथा लाभ–हानि नियोजन खाता बनाइए।

Solution :

Ideal Insurance Company

FIRE REVENUE ACCOUNT

For the year ended 31. 3. 98

		Rs.		Rs.
(Calims less re-insurance 41,25,000			Balance of Account at the beginning of the year:	
Add outstanding claims	7,50,000			
on 31.3.98	48,75,000		Reserve for Unexpired Risk	30,00,000
Less outstanding claims			Premium less Re-insurance	
as on 1.4.1997	11,24,000	37,51,000	Interest, Dividend and Rent	
Commission on direct business		4,50,000	Less Income Tax	2,25,000
Commission on re-insurance accepted		1,50,000	Commission on Re-insurance ceded	3,00,000
Expenses of Management :				
Establishment charges	7,50,000			
Audit Fees	30,000			
Postage & Telegram	22,500			
Printing and Stationery	37,500			
Policy Stamps	7,500	8,47,500		
Bad Debts		22,500		
Foreign Taxes		15,000		
Rent, Rates and Taxes		1,80,000		

Director's Fees	30,000		
Managing Director's Remuneration	2,70,000		
Depreciation	60,000		
Profit transferred to Profit and Loss A/c (Balancing figure)	14,99,000		
Balance of Account at the end of the year as shown in Balance-sheet Reserve for unexpired risk	37,50,000		
	1,10,25,000		1,10,25000

Profit And Loss Account

For the year ended on 31.3.1998

	Rs.		Rs.
Provision for Taxation	5,85,000	Profit for the year	14,99,000
Transfer to Investment Reserve (37,50,000 + 15,00,000 – 42,00,000 – 9,00,000)	1,50,000		
Balance of the profit carried to Profit and Loss Appropriation A/c	7,64,000		
	14,99,000		14,99,000

Profit And Loss Appropriation Account

For the year ended on 31.3.1998

	Rs.		Rs.
General Reserve	90,000	Balance b/d (for last year)	3,00,000
Proposed Dividend	4,00,000	Balance for the year (from P & L A/c)	7,64,000
Balance at the end of the year as shown in the Balance-sheet	5,74,000		
	10,64,000		10,64,000

Revenue Account, Profit and Loss Account, Profit and Loss Appropriation Account and Balance-Sheet in respect of General Insurance.

Illustration 9.

अग्नि बीमा लि० की पुस्तकों से लिए गए निम्नलिखित शेषों से 31 दिसम्बर, 1984 को समाप्त होने वाले वर्ष का आगम खाता, लाभ–हानि खाता, लाभ–हानि नियोजन खाता स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

From the following figures extracted from the books of the Agni Bima Ltd. you are required to prepare the Revenue Account, Profit and Loss Account, Profit and Loss Appropriation Account and a Balance-sheet.

	Rs.
Fire Fund	6,20,000
General Reserve	3,00,000
Investments	20,00,000
Premiums	18,01,022
Claims Paid	4,01,877
Commission on re-insurance ceded	32,011
Commission on direct business	1,99,777
Commission on re-insurance accepted	40,100
Outstanding Premium	1,99,777
Claims intimated but not paid (1-1-1984)	40,000
Expenses of Management	2,87,965
Audit Fees	12,000
Director's Fees	12,000
Rates and Taxes	3,869
Rents	45,000
Income from Investment	1,00,000
Share Transfer Fees	2,000
Loan (Dr.)	4,00,000
Sundry Creditors	15,000
Agents Balances (Dr.)	1,80,000
Cash in Hand	20,155
Cash at Bank	1,01,481
Share Capital	6,00,000
Additional Reserve	2,20,000
Profit and Loss Account	50,000
Re-insurance Premium	75,017
Claims recovered under re-insurance	14,079

अतिरिक्त सूचनाएं (Additional Informations)

(1) Income Tax to be provided Rs. 2,50,000

(आयकर के लिए नियोजन 2,50,000 रु०)

(2) Transfer to General Reserve Rs. 1,00,000

(सामान्य कोष में हस्तान्तरण 1,00,000 रु०)

(3) Proposed Dividend 12%

(प्रस्तावित लाभांश 12%)

(4) Claims intimated but not paid as on 31st December, 1984 Rs. 60,800

(31 दिसम्बर, 1984 को सूचित दावे, परन्तु भुगतान नहीं किया गया 60,800 रु०

(5) Reserve for Unexpired Risk to be maintained at 40%

(असमाप्त जोखिम के लिए संचय 40% करना है।)

Solution.

Agni Bima Ltd.

FIRE REVENUE ACCOUNT

For the year ended December 31, 1984

		Rs.		Rs.
Claims less Re-insurance :			Balance of Account at the beginning of the year	
Claims paid	3,87,798		Reserve for Unexpired Risk	6,20,000
Add outstanding at the end	60,800		Additional Reserve	2,20,000
of year	44,48,598		Premium less Re-insurance	17,26,005
Less outstanding the beginning of the year	40,000	4,08,598	Commission on Re-insurance ceded	32,011
Commission :				
on direct business		1,99,777		
on Re-insurance accepted		40,100		
Expenses of Management		2,87,965		
Profit and Loss Account (balacing figure)		7,51,174		
Balance of Account at the end of the year as shown in Balance-sheet :				
Reserve for Unexpired Risk 40% of Rs. 17,26,005		6,90,402		
Additional Reserve		2,20,000		
		25,98,016		25,98,016

Profit And Loss Account

For the year ended December 31, 1984

	Rs.		Rs.
Audit Fees	12,000	Income from Investments	1,00,000
Directos' s Fees	12,000	Profit for the year (From Revenue A/c)	7,51,174
Rates and Taxes	3,869	Share Transfer Fees	2,000

Rents	45,000		
Provision for tax	2,50,000		
Profit transferred to profit and Loss Appropriation A/c	5,30,305		
	8,53,174		8,53,174

Profit And Loss Appropriation Account

For the year ended December 31, 1984

	Rs.		Rs.
General Reserve	1,00,000	Balance b/d (last year)	50,000
Proposed Dividend @ 12%	72,000	Balance for the year (Profit & Loss A/c)	5,30,305
Balance at the end of the year as shown in Balance-sheet	4,08,305		
	5,80,305		5,80,305

BALANCE-SHEET

As on December 31, 1984

Liabilities	**Rs.**	**Assets**	**Rs.**
Shareholders' Capital	6,00,000	Loans	4,00,000
Reserves & Surplus		Investments	20,00,000
General Reserve	4,00,000	Agent's Balance	1,80,000
Profit and Loss A/c	4,08,305	Outstanding Premiums	14,865
Balance of Funds :		Cash in Hand	20,155
Fire Fund	6,90,402	Cash at Bank	1,01,487
Additional Reserve	2,20,000		
Outstanding Claims	60,800		
Proposed Dividend	72,000		
Sundry Creditors	15,000		
Provisions for Tax	2,50,000		
	27,16,507		27,16,507

Illustration 9.

From the following details, prepare the Revenue Acount, Profit and Loss Account and the Balance Sheet of Moonshine Insurance company Ltd., carrying on marine insurance business, for the 15 months ended 31st March, 1999 :

	Rs.
Share Capital	15,00,000
Balance of Marine Fumras on 1st April, 1998	7,60,000
Unclaimed Dividends	2,400

Profit and Loss Account (Cr.)	2,40,000
Sundry Creditors	12,600
Agent's Balance (Dr.)	1,46,000
Inerest accrued but not due	8,200
Due to Re-insures	60,000
Furniture and Fixture (cost Rs. 12,600)	8,400
Stock of Stationery	2,500
Expenses of Management	2,20,000
Foregin Taxes and Insurances	12,300
Outstanding Premium	21,200
Donations Paid	8,600
Advance income-tax Payments	62,000
Sundry Debtors	9,200
Government of India Securities	9,20,000
Debentures of Public Bodies	1,80,000
Shares in Limited Companies	3,60,000
State Government Securities	8,80,000
Claims less reinsurances	10,60,000
Premium less reinsurances	12,40,000
Commission paid	62,400
Interest and Dividends	2,40,000
Transfer fees received	600
Cash and Bank Balances	94,400

Outstanding claims on 31st March, 1999 were Rs. 1,40,000. Depreciation on furniture to be provided at 20% per annum.

Solution.

Moonshine Insurance Company Ltd.

Revenue Account

For 15 months ended 31st March, 1999

		Rs.		Rs.
Claims under policies less			Balance of Marine Fund at	
Reinsurances :	Rs.		Beginning of the period	7,60,000
Claims paid	10,60,000		Premium less reinsurances	12,40,000
Add : Outstanding at			Interest and dividends	2,40,000
end of the period	1,40,000	12,00,000	Loss transferred to profit	

Commission	62,400	and Loss Account	4,94,700
Expenses of Management	2,22,000		
Foreign Taxes	12,300		
Balance of Fund on 31-3-99			
at 100% of Net Premium	12,40,000		
	27,34,700		27,34,700

Profit and Loss Account

for 15 months ended 31st March, 1999

	Rs.		Rs.
To Loss from Revenue Account	4,94,700	By Balance b/f	2,40,000
Depreciation on Furniture at			
20% for 15 months	2,100	Transfer fees	600
Donations	8,600	Balance being loss for the year	
		carried to Appropriation Account	2,64,800
	5,05,400		5,05,400

Balance Sheet

As at 31st March, 1999

Liabilities	Rs.	Assets		Rs.
Shareholders Capital	15,00,000	Investments at Cost:	Rs.	
Reserve or Contingency Account	—	Government of India Securities	9,20,000	
Balance of Funds and Account		State Government Securities	8,80,000	
Marine Instrance business fund	12,40,000	Public Bonds	1,80,000	
Lons and advances :		Shares	3,60,000	23,40,000
Estimated Liability regarding		Agents' Balances		1,46,000
claims outstanding	1,40,000	Outstanding Premium		21,200
Amounts due to re-insurances	60,000	Interest accrued but not due		8,200
Sundry Creditors	12,600	Sundry Debtors		9,200
Unclaimed Dividends	2,400	Advance Income Tax		62,000
		Cash and Bank Balances		94,400
		Other Accounts :		
		Furniture at cost Less depreciation	6,300	
		Stock Stationary	2,500	8,800
		Profit and Loss Appropriation A/c		2,64,800
	29,55,000			29,55,000

Illustration 10.

Following balances were extracted from the books of Oriented Insurance Company Limited for the year ended at 31st August, 1999 :

	Rs.		Rs.
Fire Deptt.		Premium received in advance (Fire)	13,500
Insurance Premium	4,20,600	Investment Fluctuation Fund	1,32,000
Claims Paid &. Outstanding	1,40,000	Depreciation Securities	21,000
Commission	20,800	Organisation Expenses	63,400
Management Expenses	95,700 11	Furniture	34,500
Marine Deptt.		Cash at Bank	6,34,200
Insurance Premium	12,70,800	Debtors	14,700
Claims Paid & Outstanding	7,15,000	Fire Fund:	
Commission	1,21,500	1st Sept., 1998	1,50,000
Management Expenses	2,36,800	Marine Fund :	
Share Capital	5,00,000	1st Sept., 1998	3,70,000
Forfeited Shares Account	1,500		
Claims accepted but not paid:			
Fire	70,500		
Marine	2,42,600		
Sundry Creditors	47,800		
Due to reinsurance	1,27,000		
Investments	9,50,000		
Freehold Buildings	3,47,000		
Interest & Dividend (Net)	57,500		

Prepare final accounts of the Insurance company after taking the following into consideration:

(a) Freehold Premises is revalued at Rs. 4,50,000 and organisation expenses are written off out of this amount.

(b) Interest accrued on investments is Rs. 7,000 and on it income-tax @ 30% is to be deducted.

(c) Reinsurane claims in connection with Marine Insurance is Rs. 76,800.

(d) Transfer 50% of Premium of Fire insurance business reserve for unexpired risk and carry forward the balance of Marine Insurance Revenue Account for unexpired risk.

Solution.

Fire Revenue Account

For the year ending 31st August, 1999

	Rs.		Rs.
Claims	1,40,000	Fire Fund:	13,500

Commission	30,800	Reserve for Unxpired Risks	1,50,000
Expenses of Management	95,700	Premiums less Reinsurance	4,20,600
Profit & Loss Account-	93,800		
Reserve for Unexpired Risks	2,10,300		
	5,70,600		5,70,600

Marine Revenue Account

For the year endine 31st August, 1999

		Rs.		
Claims	7,15,000		Marine Fund:	
Less Reinsurance	76,800	6,38,200	Reserve for Unexpired Risks	3,70,000
Commission		1,21,500	Premiums	12,70,800
Management Expenses		2,36,800		
Reserve for Unexpired Risks		6,44,300		
		16,40,800		16,40,800

Profit & Loss Account

For the vear endine 31st Aueust. 1999

	Rs.			**Rs.**
Depreciation on Securities	21,000	Interest and Dividends	12,70,800	
Balance c/d	1,35,200	*Less* Income Tax	26,743	62,400
		Fire Revenue Account		93,800
	1,56,200			1,56,200

Interest and Dividends

$$\frac{Rs\ \ 57{,}5000 \times 100}{70} = \text{Rs. } 82{,}143;\ \text{Rs. } 82{,}143 + 7{,}000 = \text{Rs. } 89{,}143$$

Tax Rs. 82,143 – 57,500 = Rs. 24,643

$$\frac{7{,}000 \times 30}{100} \qquad 2{,}100$$

26,743

Balance Sheet

as on 31st August, 1999

	Rs.			**Rs.**
Capital	5,00,000	Investments		I 9,50,000
Forfeitd Share	1,500	Outstanding Intt. & Dividends	7,000	
Investment Fluctuation Fund	1,32,000	*Less* Income-tax	2,100	4,900
Capital Reserve:		Marine Claims Recoverable		76,800

(4,50,000 - 3,47,000)	1,03,000		Debtors	6,34,200
Less Organisational Expenses	63,400	39,600	Cash at Bank	
Profit & Loss Account	1,35,200		**Other Accounts:**	
Balance of Funds & Account:			Freehold Premises	
Reserve for Unexpired Risks (Fire)		2,10,300	(Original cost Rs. 3,47,000)	4,50,000
Reserve for Unexpired Risks (Marine)		6,44,300	Furniture	
Loans & Advances				
Outstanding Claims		3,13,100		
Due to Reinsurance		1,27,900		
Creditors		47,800		
Premium Rect. in Advance		13,500		
		21,65,200		21,65,200

Illustration 11.

The following balances extracted from the Books of Account of Jai Bharat Marine Insurance International Ltd.

	As at 31-3-1999 Rs.	As at 31-3-2000 Rs.
Premiums less re-insurance	45,000	50,000
Commission on direct business	2,250	3,000
Commission on re-insurance accepted	1,750	2,500
Commission on re-insurance ceded	4,200	2,400
Claims (less re-insurance) paid during the year	7,625	14,225
Depreciation on furniture, car, etc.	1,275	1,575
Profit on sale of car	600	—
Loss on sale of old furniture	—	200
Double income Tax refund	1,400	1,700
Audit fees	1,000	1,000
Salaries to staff	12,500	13,500
Printing, Postage, Stationary	4,650	5,750
Legal charges	500	400
Bad Debts	75	2,220
Miscellaneous expenses	1,550	2,250

(a) Total amounts of estimated liability in respect of outstanding claims as on 31-3-1998, 31-3-1999, and 31-3-2000 were Rs. 3,425, 4,475 and Rs. 5,555 respectively.

(b) Reserve for unexpired risks as at 31-3-1998 was Rs. 32,000 and additional reserve as on the said data was Rs. 3,200.

(c) Reserve for unexpired risks was to be provided for at 100% and additional reserve at 10% of the net premium income for the year ending 31-3-1999 and 31-3-2000.

Solution.

Marine Revenue Account

for the year ending 31st March, 1999

		Rs.			Rs,
To Claims paid during the year			To Balance of Account at the beginning		
Less : Reinsurances :	7,625		the year :	Rs.	
Add : Outstanding at the end			Reserve for unexpired risk	32,000	
on the year	4,475		Additional Reserve	3,200	35,200
	12,100		By Premium Less Reinsuance		45,000
Less : outstanding at the			By Commission or Reinsurance Ceded		4,200
end of Previous year	3,425	8,675			
To Commission on Direct business		2,250			
To Commission on Reinsurance Accepted		1,750			
To Depreciation on furniture		1,275			
To Audit Fees		1,000			
To Salaries to Staff		12,500			
To Printing, Postage and Stationary		4,650			
To Legal Charges		500			
To Bad Debts		75			
To Miscellaneous Expenses		1,550			
To Profit transferred to Profit & Loss A/c		675			
To Balance of Account at the end of					
the year :					
Reserve for Unexpired Risk	45,000				
Additional Reserve	4500	49,500			
		84,400			84,400

Marine Revenue Account

for the year ending 31st March, 2000

		Rs.			Rs,
To Claims paid during the year			By Balance of Account at the beginnipg		
Less : Reinsurances :	14,225		of the year:	Rs.	

Add: Outstanding at the end	5,555		Reserve for unexpired risk	45,000	
	18,780		Additional Reserve	4,500	49,500
			By Premium Less Reinsurance		50,000
Less : Outstanding at the			By Commission on Reinsurance Ceded		2,400
end of Previous year	4,475	15,305	By loss c/d to Profit & Loss Account		600
To Commission on Direct business		3,000			
To Commission on Reinsurance Accepted		2,500			
To Depreciation on furniture		1,575			
To Audit Fees		1,000			
To Salaries to Staff		13,500			
To Printing, Postage and Stationary		5,750			
To Legal Charges		400			
To Bad Debts		2,220			
To Miscellaneous Expenses		2,250			
To Balance of Account at the end of					
the year :					
Reserve for Unexpired Risk	50,000				
Additional Reserve	5,000	55,000			
		1,02,500			1,02,500

बीमा कम्पनी के वार्षिक खातों से संबंधित सूचनायें

बीमा कम्पनी के वार्षिक खातों के संबंध में बीमा कम्पनी अधिनियम, 1938 की धारायें 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17 तथा 19 है। यदि इन कम्पनियों के संबंध में किसी भी समस्या पर बीमा अधिनियम में कोई सूचना नहीं मिलती तो उस पर कम्पनी अधिनियम, 1956 के नियम लागू होंगे।

बीमा कम्पनी के वार्षिक खातों पर मुख्य अधिकारियों के हस्ताक्षर के अतिरिक्त कम से कम दो संचालकों के तथा अध्यक्ष के हस्ताक्षर होने चाहिये। इन्हें अंकेक्षक कराना चाहिये।

खाने बनाने की अवधि के 6 माह के अन्तर्गत बीमा नियंत्रक के पास इन खातों की 4 प्रतिलिपियां भेजी जानी चाहियें। इन्हीं खातें की 3 प्रतिलिपियां रजिस्ट्रार के पास भेजी जाती हैं।

जमानत मार्जिन (Security Margin)

सामान्य बीमा परिषद् की कार्यकारिणी समिति ने निम्नलिखित नियम जनरल बीमा कम्पनियों के लिए सिक्योरिटी मार्जिन के संबंध में बनाये हैं :

(1) सम्पत्ति का दायित्वों पर आधिक्य कम से कम 5 लाख रुपये अथवा शुद्ध प्रीमियम के 10 प्रतिशत से जो भी अधिक हो उससे कम नहीं होना चाहिये। (2) वे ऋण जो चिट्ठे पर हस्ताक्षर होने के समय तब वसूल नहीं किये गये हैं, सम्पत्ति की तरह नहीं माने जाने चाहियें। (3) अदत्त प्रीमियम तथा एजेंटों के शेष आदि अगले वर्ष की 10 जनवरी तक प्राप्त नहीं हुए हो तो सम्पत्ति की तरह नहीं माने जाने चाहिये। (4) फर्नीचर, मत स्कन्ध तथा स्थगित व्यय को सम्पत्तियों में शामिल नहीं किया जाना चाहिये। (5) अग्रिम व्ययों के चिट्ठे में शामिल किया जा सकता है। (6) सिक्योरिटी मार्जिन के लिए अग्नि बीमे शुद्ध प्रीमियम की राशि का 50% असमाप्त जोखिम के लिए संचय किया जाना चाहिए तथा समुद्री बीमा में इसी के लिए 100% किया जाना

चाहिए। (7) प्रत्येक चिट्ठे की जांच अंकेक्षक द्वारा होनी चाहिए और इन अंकेक्षित खातें की बीमा नियंत्रक द्वारा होनी चाहिये और इन अंकेक्षित खातों की बीमा नियंत्रक के पास भेजना चाहिए।

Illustration 13.

From the following figures taken from the books of New Asia Insurance company Ltd. Doing fire underwriting business prepare the set of final accounts for the year 1999 :

	Rs.		Rs.
Fire Fund (as at 1-1-1990)	9,30,000	Commission on Direct Business	2,99,777
General Reserve	4,50,000	Commission on reinsurance accepted	60,038
Investments	36,00,000	Outstanding Premium	22,300
Premiums	27,01,533	Claims intimated but not paid (1-1-99)	60,000
Claims paid	6,02,815	Expenses of Management	4,31,947
Share Capital divided into		Audit Fees	36,000
Equity Shares of Rs. 100 each	9,00,000	Rates % Taxes	5,804
Additional Reserve	3,30,000	Rent	67,500
Profit & Loss Account (Credit)	75,000	Income from Investments	1,53,000
Reinsurance premium	1,12,525	Sundry Creditors	22,500
Claims recovered from reinsurers	21,119	Agents Balance (Dr.)	20,000
Commission on Reinsurance ceded	48,016	Cash in Hand and Bank Balances	1,82,462
Advance Income tax paid	2,50,000		

The following further information may also be noted:

(a) Expenses of management include surety fees and legal expenses of Rs. 36,000 and Rs. 20,000 relating to Claims:.

(b) Claims intimated but not paid on 31st December, 1999 Rs. 1,04,000;

(c) Income tax to be provided at 55%

(d) Transfer of Rs. 2,00,000 to be made from Current Profit to General Reserve.

New Asia Insurance company Ltd. Fire Insurance Revenue Account

For the year ended 31st December, 1999

		Rs.			Rs.
Claims under policies	6,02,815		Resever for unexpired Risk at the		
Less : Recoveries	21,119		beginning	9,30,000	
	5,81,696		*Add:* Additional Res.	3,30,000	12,60,000
Add: Management Expenses	56,000		Premiums	27,01,533	
	6,67,696		*Less :* Reinsurance	1,12,525	25,89,008
Add: O/s 1999	1,04,000		Commission on Reinsurance Ceded		48,016
	7.41,696				
Less : O/s 1998	60,000	6,81,696			
Commission—					
on direct business	2,99,777				

Reinsurance accepted	60,038	3,59,815		
Management Expenses	4,31,947			
Less: Claims	56,000	3,75,947		
Profit transferred to Profit & Loss A/c		11,13,963		
Reserve for unexpired risk @ 40%				
on net premium	10,35,603			
+ Additional	3,30,000	13,65,603		
Reserve		38,97,024		38,97,024

Profit & Loss Account

for the year ended 31st December, 1999

	Rs.		Rs.
Rents	67,500	Balance b/d	75,000
Rates & Taxes	5,804	Fire Revenue Account	11,13,963
Audit Fees	36,000	Income from Investments	1,53,000
Provision for Taxs			
(55% of 12,66,963 *less* 1,09,304)	6,36,713		
Transfer of Reserve	2,00,000		
Balance c/d	3,95,946		
	13,41,963		13,41,963

New Asia Insurance Company Ltd.

Balance Sheet

as on 31st December, 1999

Liabilities		**Rs.**	**Assets**	**Rs.**
Shareholder's Capital:			**Loans:**	
9,000 Equity shares of Rs. 100 each			Investments	36,00,000
fullly paid		9,00,000	Agents Balances	20,000
General Reserve	4,50,000		Outstanding Premium	22,300
Addition	2,00,000	6,50,000	Cash in hand & Balance at Bank	1,82,462
Profit & Loss Account				
Balance of Fund				
Fire Reserve Account		13,65,603		
Claims Outstanding		1,04,000		
Provision of Tax	6,36,713			

Less Advance Tax	2,50,000	3,86,713		
		22,500		
		38,24,762		38,24,762

Illustration 14:

From the following details relating to the General Insurance Company Ltd., prepare the revenue account, profit and loss account for the year ended 31 st March, 1999 and the balance sheet as on that date:

	Rs.
Fire Fund (1.4.1998)	3,30,000
General Reserve	4,50,000
Investments	36,00,000
Premium	27,01,533
Salaries Paid	6,02,815
Share Capital	9,00,000
Additional Reserve	3,30,000
Profit and Loss Account (credit)	75,000
Reinsurance Premium	1,12,525
Claims recovered from re-insurers	21,119
Commission on re-insurance ceded	48,016
Advance income tax paid	2,50,000
Commission on direct business	2,99,777
Commission on re-insurance accepted	60,038
Outstanding premium	22,300
Claims intimated, but not paid (1.4.1998)	60,000
Managementexpenses	4,31,947
Audit fees	36,000
Rates and taxes	5,804
Rent	67,500
Income from Investments	1,53,000
Sundry Creditors	22,500
Agents balances (debit)	20,000
Cash at Bank	1,82,462

Additional Information:

(i) Expenses of management include survey fees and legal expenses of Rs. 36,000 and Rs. 20,000 respectively relating to claims

(ii) Claims intimated but not paid on 31st March, 1999 Rs. 1,04,000.

(iii) Income-tax to be provided @35%.

(iv) Transfer of Rs. 2,00,000 to be made trom current profit to general reserve.

(v) Over and above the additional reserve the company maintains a reserve for unexpired @ 40% of net premium.

Solution

General Insurance Company Ltd.

For Revenue Account for the year ended 31st March, 1999

Dr. Cr.

Particulars	Rs.		Particular		Rs.
Claims under policies *less*			Balance of Account at		
reinsurance	6,37,696		beginning of the year		
Add : Outstanding at			Reserve for unexpired		
the end of the year	1,04,000		risk	9,30,000	
	7,14,696		Additional reserve	30,000	
Less : Outstanding in the			Premium		12,60,000
beginning of the year	60,000	6,81,696	*Less:* reinsurance		2,58,9008
Commission on direct business		2,99,777	Commisssion on		48,016
Commission on reinsurance accepted		60,038	reinsurance ceded		
Expenses of management		3,75,947			
Profit transferred to profit					
and loss account		11,13,947			
Reserve for unexpired risk:					
40% of net premium	10,35,603				
Additional reserve	3,30,000	13,65,603			
		38,97,024			38,97,024

Profit and Loss Account

for the year ended 31st March, 1999

Dr. Cr.

Particular	Rs.	Particular	Rs.
Rents	67,5000	Balance b/d	75,000
Rates and taxes	5,804	Profit transfer from	
Audit Fee	36,000	revenue account	11,13.963
Provision for Taxation	4,05,181	Income from Investments	1,53,963
Transfer to General Reserve	2,00,000		
Balance carried to Balance Sheet	6,27,478		
	13,41,963		13,41,963

General Insurance Company Ltd.

Balance Sheet as on 31st March, 1999

Liabilities		Rs.	Assets	Rs.
Share Capital		9,00,000	Investments	36,00,000
Reserves:			Agents Balances	20,000
General Reserve	4,50,000		Outstanding premium	22,300
Addition	2,00,000	6,50,000	Cash in hand and	
Profit and Loss Account		6,27,478	Balance at bank	1,82,462
Fire revence account		13,65,603		
Other Liabilities				
Claims intimated but not paid		1,04,000		
Provision for taxation	4,05,181			
Less : Advance Tax	2,50,000	1,55,181		
Sundary Creditors		1,55,181		
		22,500		
		38,24,762		38,24,762

Working Notes:

		Rs.
(i) Claims paid		6,02,815
Add: Survey fees and legal charges		56,000
		6,58,815
Less : Recovered from re-insurer		21,119
		6,37,696
(ii) Expenses of Management		4,31,947
Less : Survey fees and legal charges		56,000
(iii) Premium		3,75,947
Less : Re-insurance		27,01,533
		1,12,525
		25,89,008
(iv) Provision for taxation	Rs.	Rs.
Profit from reserve account		11,13,963
Income from investment		1,53,000
		12,66,963

Less: Expenses	67,500	
Rent	5,804	
Rates and taxes	36,000	1,09,034
Audit fee		11,57,659
		4,05,181

Provision for taxation@35%

Illustration 15. Life Assurance Fund of a company on 31st March, 1999 was Rs. 6,00,00,000. Its net liability on that date amounted to Rs. 5,70,00,000 as per actuarial valuation. Investments held by the company on that date amounted to Rs. 4,80,00,000 favour which the investment reserve stood at Rs. 7,50,000. The investments have to be written down by Rs. 12,00,000. The company declared a reversionary bonus of Rs. 60 per thousand with the option of cash bonus at the rate of Rs. 24 per thousand. Out of the total of Rs. 8 Crore policies in force, one-fourth of the policy holders (in value) opted for cash bonus. The company estimated that its liability for income-tax would be Rs. 4,80,000. Draft the journal entries to record the above. Also show the valuation balance sheet at 31st March, 1999.

Solution

Valuation Balance Sheet

as at 31st March, 1999

	Rs.		Rs.
To Net Liability		By Life Insurance Fund	
as per Actuary's valuation	5,70,00,000	as per balance sheet	6,00,00,000
To Surplus	30,00,00		
	60,00,00,000		6,00,00,000

JOURNAL ENTRIES

Dete	Particulars		Dr. (Rs,)	Cr. (Rs.)
1999				
Mar.31	Life Assurance Fund	Dr.	4,50,000	
	To Investment Reserve A/c			4,50,000
	(Increase in Investment Reserve on revaluation of investments)			
	Investment Reserve A/c	Dr.	12,00,000	
	To Investment A/c			12,00,000
	(Transfer of Investment Reserve to Investments Account To write down the value of investments)			
	Life Assurance Fund	Dr.	4,80,000	
	To Bonus Payable in Cash			4,80,000
	(Bonus in cash payable @ Rs. 24 per Rs. 1,000 on policies of the value of Rs. 2 crores)			

BALANCE-SHEET

As on 31st August, 1989

Liabilities		Rs.	Assets		Rs.
Capital		5,00,000	Investments		9,50,000
Forefeited Shares		1,500	Outstandint Interest and Dividend	7000	
Investment Fluctuation Fund		1,32,000	*Less* Income tax	2100	4,900
Capital Reserve :			Marine claims recoverable		76,800
(Rs. 4,50,000 - Rs.3,47 ,000 = 1,03,000			Debtors		14,700
Less organisational exp.	63,400	39,600	Cash at Bank		6,34,200
Profit and Loss Account		1,35,200	Other Accounts :		
Balance of Funds & Account:			Freehold Premises (Original cost Rs. 3,47,000)		4,50,000
Reserve for Unexpired Risk (Fire)		2,10,300	Furniture		34,600
Reserve for Unexpired Risk (Marine)		6,44,300			
Loans and Advances:					
Outstanding claims		3,13,100			
Due to Re-insurance		1,27,900			
Creditors		47,800			
Premium received in advance		13,500			
		21,65,200			21,65,200

जीवन बीमा कम्पनी के वार्षिक खाते

(Annual Accounts of Life Insurance Company)

अन्य व्यवसायों की भांति बीमा व्यवसाय में भी लेखा पद्धति का आधार दोहरी प्रविष्टि का सिद्धान्त है। इसी सिद्धान्त के आधार पर व्यवसाय के लेखे किये जाते हैं तथा वार्षिक खाते तैयार किये जाते हैं। किन्तु बीमा व्यवसाय कि प्रकृति अन्य व्यवसायों से पूर्णतया भिन्न होने के कारण इसकी आय और व्यय की मदों में अन्य व्यवसायों की तुलना में काफी अन्तर होता है। इतना ही नहीं, बीमा व्यवसाय में लाभ ज्ञात करने की विधि भी अन्य व्यवसायों की अपेक्षा भिन्न होती है।

राष्ट्रीयकरण के पश्चात् हमारे देश में जीवन बीमे का व्यवसाय करने वाली एक ही संस्था है—भारतीय जीवन बीमा निगम। इस निगम की स्थापना जीवन बीमा अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत की गई है। किन्तु निगम के वार्षिक खाते बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के अनुसार तैयार किये जाते हैं। वार्षिक खाते प्रत्येक कैलेण्डर वर्ष के अन्त में तैयार किये जाते है तथा इनमें निम्न सम्मिलित होते हैं—

1. आगम खाता (Revenue Account)

आगम खाते का प्रारूप भारतीय बीमा अधिनियम, 1938 की ततीय अनुसूची के From D के अन्तर्गत दिया हुआ है जो इस प्रकार है:

Form D (Third Schedule)

Form of Revenue Account Applicable to Life Insurance Business

Revenue Account of.........For the year ended..........In respect of.........Business

		Business within India	Business out of India	Total		Business within India	Business out of India	Total
		Rs.	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs.
1.	Claims under Policies (including provison for claims due or intimated) Less Re-insurances By death/By maturity				Balance of Fund at the beginning of the year			
2.	Annuities, less reinsurances				Premiums, less Re-insurances			
3.	Surrender (including Surrender of Bonus) less Reinsurance				(i) First year's premiums where the maximum paying period is			
4.	Bonuses in Cash, less Re-insurances				two years			
5.	Bonuses in Reduction of Premiums, Less Reinsurances				three years			
6.	Expenses of Management				four years			
	(i) (a) Commission to Insurance agents less than on remsurances				five years			
(b)	Allowances and Commission other than commission included in sub-item				six years			
	(ii) Salaries, etc., other than to agents and those contained in item No. 1				seven years			
	(iii) Travelling expenses				eight years			
	(iv) Director's fees				nine years			
	(v) Auditor's fees				ten years			
	(vi) Law Charges				eleven years			
	(viii) Advertisement				twelve years or over including throughout life			

	(ix) Printing and Stationery				(ii) Renewal Premiums			
	(x) Other Expenses of management (accounts to be specified)				(iii) Single Premiums Consideration for Annuities granted, less Reinsurances, Interest, Divdend and Rent less Income Tax thereon Registration Fees			
	(xi) Rents for officers belonging to and occupied by the insurer Rents of other offices occupied by the insurer				Other Income (to be specified)			
7.	Bad Debts				Loss transferred to Profit and Loss Account Transferred from Appropriation Account			
8.	United Kingdom, Indian Dominion and Foreign Taxes							
9.	Other Expenditures (To be specified)							
10.	Profit transferred to Profit and Loss Account							
11.	Balance of Fund at the end of the year as shown in the Balance Sheet							

आगम खाते की मदों का स्पष्टीकरण
(Explanation of Items of Revenue A/c)

आगम खाते की क्रेडिट पक्ष में आय की मदों को तथा डेबिट पक्ष में व्यय की मदों को दिखाया जाता है जिनका विस्तत वर्णन इस प्रकार है—

क्रेडिट पक्ष के मद (Items of Credit Side)

(i) जीवन बीमा कोष (Life Assurance Fund)

वर्ष के आरम्भ में (जीवन बीमा) कोष का शेष (Balance of Fund at the beginning of the year) बीमा अधिनियम की धारा 10 के अनुसार, प्रत्येक जीवन बीमा कम्पनी को जीवन बीमा से सम्बन्धित समस्त प्राप्तियों को एक अलग कोष में डालना होता है जिसे जीवन बीमा कोष (Life Insurance Fund) कहते हैं। जीवन बीमा से सम्बन्धियों समस्त व्ययों को इसी कोष में से किया जाता है। वर्ष के आरम्भ मे इस कोष का जो शेष होता है उसे आगम खाते के क्रेडिट पक्ष में सबसे पहले स्थान पर लिखा जाता है। कोष के इस प्रारम्भिक शेष में वर्ष की विभिन्न प्राप्तियों को जोड़ा (क्रेडिट) जाता है तथा विभिन्न व्ययों का घटाया (डेबिट) जाता है। इस प्रकार वर्ष के अन्त में इस कोष का जो शेष बचता हे उसे आगम खाते में डेबिट पक्ष में सबसे अन्तिम स्थान पर लिखते हैं। इस प्रकार अन्य व्यवसायों का आगम खाता जहां लाभ बताता हैं वहीं बीमा व्यवसाय से संबंधित आगम खाता

(iv) Transfer to General Reserve Rs. 2,00,000 (सामान्य शेष में हस्तातरण 2,00,000 रु.)

(v) Reserve for Unexpired Risk to be kept at 40% of Net Premium

(असमाप्त जोखिम के लिए संचय शुद्ध प्रीमियम का 40%)

(vi) Proposed Dividend 8%

Prepare Final Accounts

(अन्तिम खाते बनाइए)

Ans. Profit (revenue Account) Rs. 11,13,963;

Profit carried to Balance-Sheet Rs. 3,95,946

Total of Balance-Sheet Rs. 38,24,762

Note: Provision for Taxation

		Rs.	
Profit from Revenue Account		11,13,963	
Income from Investment		1,53,000	
		12,66,963	
Less Expenses :			
Rent	67,500		
Rates and Taxes	5804		
Audit Fess	36,000	1,09,304	Provision for tax @ 55%
		1157,659	= Rs. 6,36,713

LIFE INSURANCE

REVENUE ACCOUNT IN RESPECT OF LIFE INSURANCE

10. Following figures have been extracted from the books of Venus Jeevan Beema Company Ltd. on 31st March, 1999.

वीनस जीवन बीमा कम्पनी लि. की पुस्तकों से 31 मार्च, 1999 को निम्न ऑकड़े प्राप्त किए गए हैं

	Rs.
Claims by Death	93,487
Claims by Maturity	48,266
Life Insurance Fund on 1.4.1998	19,25,000
Expenses of Management	27,480
Surrenders	62,390
Annuities	45.270
Premium less Re-insurances	1,48,250